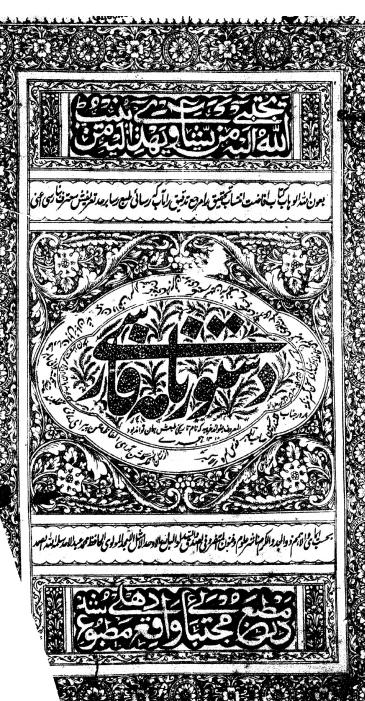
## **DAMAGE BOOK**

## UNIVERSAL LIBRARY OU\_224674 AWYSHANINI



| _      |   | -     |  |     | <del>-  </del>  |
|--------|---|-------|--|-----|---|
|        | . کستے  | نإر   | سِلْمُا دِيْ يُونادِ                                   | 3   | افت   |
| -      |   |       |  |     |   |
| تسمحه  |   |       | مضهون  |     |   |
| ٣٨     | اسا واعداد مركب غيران زاميه                             |       | استم فامر کی تعریف اور اُسکے اقسام<br>                 |     | متقدمهم عنى تافون وسناسبت مابين   |
| 4      |   |       | ئروتی تونی ادراُسکے اقسام<br>                          |     | معنی بودی واصطلاحی آن   |
| 14     | مضمون سابق اس طرز برا داموتوشیها                        |       | اسماًی موات امراً بنرنظر شِمیق م                       |     | فنشيلا ائدوسيم نستعدى ولازم مفردوم                                      |
|        | خالى دىينى توجيعلدا دائى مكتدى اپنى                     |       | آيدرز مانی و سکانی                                     |     |   |
|        | عایب سے ۔   |       | اسما ہے کنایات   |     | الروومين معض المال كالازم و   |
| +      | ختیقت محقود -<br>بر م                                   |       | بآبهان وبهدان وباستار کا بیان<br>مد                    |     | ستعدى معنون مين اشتراك  |
| ~      | اسامي أعواد كوتقبيس عليه حروت                           |       | لبآن لفظ چسند  |     | قآمده ستعاليا مغال نبديكا أكيت  |
|        | قراروینے مین شبہ توسی ۔<br>س                            |       | بيآن چندين دحبندان<br>ب                                | 10  | ومِسْكَ الْوِكِي طرز برِ-   |
| . ~    | اسامى حروب وذوات حروف بر                                | - 1   | تخسة تجنين كابيان                                      |     | آبل سان كى زبان برغيرون كا  |
|        | ائىن شىبەتۇي كانەخلىنا -                                |       | فيندوجيندين وحيندان استخباري                           | 14  | اعتراض بیجاہی <b>ہ۔</b><br>   |
| *      | اسآم حروف مین حروف اول سے                               |       | واستنهای-  | - 1 | عكم ادب كى تغريف  |
|        | عین مسمے ہونے مین کلتہ -<br>ب                           |       | انتيزاس كنايه كى معرفية نكره مفرد                      | 14  | وحتيسميكتاب وستورنامه فارسي   |
| *      | وصقياس حوف براقسام اسامي اعداد                          |       | جميع مهن دم موخر <del>.</del><br>سيا                   |     | وبالنعني سخن كى منرورت كابيان   |
| 2      | تكتبيعيدالواسع كادوسراجله                               | ۳۳    | تنظر عندن -  | 13  | مغنى ولالت -  |
| M      | الكديح عبدنانيه كي تنبيه بريث                           | ~     | الميركانفذارك ساخرآنا - "                              |     | ووال اربع كابيان  |
| "      | المحلة شنبيداس طوربرا واكيا حاس                         | "     | جَندن سِباب نائده كالانا-                              |     | خطوطكا بيإن   |
|        | خالی انیث به مو -<br>                                   | -     | سَيْآن چِنانْ وحِنِين                                  | 4   | عقود کا بیا ن   |
| ~~     | التيني إعدا وكابيان -                                   | ساس   | جنان ونين مجني جيسے ويسے .                             |     | فردوسي محمشهر بشعر كعبشاه   |
| 12     | التيزاعداومين عموميت وخصوصيت                            | "     | حِبَان اور جنيين برسي كاف بيانيه                       | ۲٠  | محددالغ كابيان  |
|        | بعد ارابهام عدد موتی حیاسینے۔                           |       | کا مذہب ۔<br>سے مدرست ہے۔                              | .4  | بیآن فرق عضدوا شاره<br>   |
| ۳۳     |   | -     | ا می مدوری .<br>ان کنایات بحاتوام شیخبه ملک<br>سر در ا | **  | مرونتبي كماعني مونيكابيان   |
| *      | المن كالب اسماى اعداد سيستعدم موا                       |       | کے لیئے استعمال ۔                                      |     | مرتبات اورسکون ارتشدید کی حقیقت<br>-                                    |
| -      | التنزى شريك شهوالحاقيه شغرته                            | ~     | أَنْ كِمَا لِيتِ تُوامِرِ بْدَاكَالْانَا تَدْلِي       |     | بيآن عنيقت تٺديد -<br>  |
| اريم ا | مېچوسنېروبارلاروئيدوامالنومين اويل-<br>پېښور د را سرو ا |       | وتحفیر سے مضے پیداکر ناہے۔                             | 74  | فآرسى زبان من حروف نيئيس بن   |
| 4.     | اسمائی اعداد سے اقسام۔                                  |       | خنان چن منے چنانکہ۔<br>ب                               | "   | ئېزو کابيان -<br>تر   |
| 2      | مرکب غیرامتناجی کا بیان                                 | "     | بیان اسماسے اعداد<br>تا                                | 1   | لَّهُ حِرُونِ مُعِيثِّت إلى ندمسط<br>مِعِينَ كُلِّ بِهِرِينِ مِينَا سره |
| פיין   | ,   | ma    | تعرفي العدد على راسي محققين                            | 71  | تغظم مطلق في تعليم -  |
|        | ائن مین باہمی نسبت ۔<br>ایک اور دور ان اور ان           | "     | بیان مهول اعداد<br>سر سر سلید                          | "   | لغظ موضوع كى تقشيم  |
| -      | تركيب بتزاجي اسائي احداد-                               | ""    | زسناجو کے مول عاد کے ہرود                              |     | تغظمفرو كى تعربيب "   |
| . "    | اس ہم کے مذت کا بیان<br>اور ما سم زیرین                 | بدسا  | كك كوكا أمول عدد فارسيت نهونا<br>س                     | 79  | مرتب کی تعریف .<br>   |
| ~      | والداورووسية الما عاضاكاب                               | سر    | اسماسے اعدا دمغروہ -<br>س                              | "   | تحکیمی تعولیداور آبینکے اقسام<br>سے                                     |
| 1      | معرفه كالتعريف وأسكفها علم كابي                         | برميو | اسلافاها ومكبرامتزاجيه                                 | *   | بتث السها كم  |

| صفحه     | مضمون   | صفحہ | مضمون   | صفحر     | • مضمون   |
|----------|---|------|---|----------|---|
| <u> </u> | تست ورتش توات اور نواس كا   | 00   | منهيركي تيسري دختهميدا دونعل اضي                                | 4        | اسامي كتبطهم نبس بين ياسم عبس   |
|          | مخفف ہے۔  |      | ميغة أعائب فينترخ كأسارمنماريق                                  | ٠,       | اَعْلَام كَى تَنكِيرٍ -   |
| 41       | سنين ميري كوزائد بمى لاتيمين  | .,   | جاتث بركه خائر منفصا يوبيشابهت با                               | ٤٧       | ا بسم اشاره کی تعریقین  |
|          | ضمآ زمن منعسكهم يابني بقسال بإ  |      | اسائ كارتفته ماداولسيت متى بن                                   | "        | محسوسيت كي تحيت ادرأتك اقسام  |
|          | رستي من تونفاعلامت أضا ويستعل   | 64   | منتمان مج برمقدم واتى يى -                                      | ı        | مسوس بالذات بلا داسطه   |
|          | ہوتی ہین ۔  | "    | متميطلتفا يوسوف داقع برجاتي تخضيم                               | ~        | مخسوس بالذات بالواسطه   |
| 2        | كبعم علامت اضافت فحصلات كحطرح   |      | واحد شکلم کی کیمہ نہیں  | 2        | محسوس بالعرض -  |
|          | انظیمضان برد الل موجاتی ہے۔   | 06   | ضميموصوف كوابني صفت كي سكا افراد                                | ٠        | انوار ومنوائ محتويت باللات يركلكم   |
| 45       | ضمیراه فوائب می کنفیتق لفظی اور<br>سریت   |      | وعمع مين مطالقت شرط مهنين -                                     | ۳۸       | ز نَبَن دغيره كا دن مين زرد اورشبين<br>درية   |
|          | اسى كومنىيمى غائبايشان كى حقيق<br>دنداس تەسىمە .                                      | "    | منتميترصل کې تربي .<br>منه منفه کې سري                          |          | سنيذنط آنا برونبصوصيت اجرام   |
|          | لعظی کی تمہید مبنی جائے۔<br>آجہ میں اور میں اور اور                                   | "    | ضمیننفصل کی تعربی ۔<br>دن پر نور میں میں رستتار                 |          | استارگان ۔  |
| "        | متميز حين غائب ايشان كابيان   |      | منرد اصفائب مرفرع منصل کاماتار<br>در .                          | -        | آت و کے مالات .   |
| 71       | اشتراك بنداوراي اورمهواور   |      | و بروز-<br>درای در متصالحان میزان نا                            | ~        | ا آخاره مدين شرك معنى بربلاگيا بو<br>نظرك نے كابيان -   |
| ,        | ہی اور وہ اور یہ -<br>-<br>- ای   | - 1  | ضائرونوعتصلىكابقرىيىقام تعدينا<br>بيان النغات -                 | 4        | ایک بی چزنزیک سے بڑی ادرور  |
| -        | من رائی سند .<br>منها ئرمنفصا غائبه کاغیزوی لعقول                                     | 2    | بیان منعات -<br>ضمیرومرجع بین کبعی مطالبت                       | 2        | ا بیب می چیر تروی سے جسی اوروور<br>چہوئی کیون نظر آئی ہے۔   |
|          | ما مر معصله ما به ما میرودی عورت<br>سے لیئے استعارہ کرلینیا ۔                         | -2   | سیروسرط ین بی عاجت<br>می کالحاظ نهین ہوتا ۔                     | ۵٠       | به بجوی یون سر ق ب<br>اسم شاره قریب او سم اشاره بعیکابیا  |
|          | ضائر متصله باسفصله كالسيجكبر  | ,    | ضمائر متصله کے حرف اقبل برجرت                                   |          | المهم حاوري ادوام حاوميا اب   |
|          | استعال حبان أردويين لفظ   |      | نتح اد ہے۔  | ,,       | اس قرب ولجد سے معنی -   |
|          | ابنا بولاجا يائے۔   | 09   | خِش اکش اورکت اورکم کا بیان-                                    | اه       | اسائى اشاره استهم ممير كالمبالاستياز  |
| 400      | ضمائر منفصله بيشصله كالانالجال  | 13   | مترعلطفه ونافيه كاما بدالامتياز                                 | ,        | اسماى اشاره ادريشا رابيربراواة مي   |
|          | طائزے۔  | 1    | شين ضميري ومصدري كاما إلامتياز                                  |          | لانيكا طرينة اوراً سكى وجه  |
| ~        | لغظ خود برضما ئرمتى مليكا الحا  | -    | انبغض دقت بهزه له بضميترصل گرايا                                | 11       | اسآی اشاره اوشارالیه کی ترکیخوی   |
|          | بنظر ناکب یی -  |      | ہنین جاتا یا ریختانی سے بدلاجاتا ہو<br>سریریں                   | 01       | نفظام کی تحقیق ۔  |
| ~        | مطلقاضائر برالف زائد کا الحاق   | "    | کسی اس بمزه مبدا کوساکن کردنیے بن<br>کسی کار سال کار            | "        | ونى وبايدو بريرا ورام كاما به الامتيان  |
| "        | للي المي النير كالائد وا  |      | کبھی سکی حرکت بحال رکھتے ہیں۔<br>میں میں میں                    | "        | اید بجایے این تعمل ہوتا ہے<br>انزار کرچیز میں است   |
| ~        | سیآن اسمائے موصولہ۔<br>صل ارار دون اور  | *    | م الم الم الم الم الم الم الم الم الم ال                        | رر<br>۳۵ | لغظ ایمه کی حیتت کیا ہے۔<br>مشب کا اطلاق شبگنیٹ ندیر  |
| 10       | حرون قبل ماعاطفەتعنی داؤاور<br>ماختور راہم : قبل تا نام                               | "    | ترکیب بخوی شعرشهوربوستان<br>امرین کرد. زاره به روستان           | ء م      | ا المسب والعلان سبدرت<br>شب بجاء وي شب معل بوتاب  |
|          | انختنی کا بایمی فرق انتیازی -<br>ترتمیب شو بطانین دیگرد                               |      | ص نیج آمم ذان بهد بوستان خ<br>سرت<br>آمن کفیل بھی ہونے برشا ہد۔ | ,,       | مب جا جود کاب من ہوائے<br>امروز مجنے زمانہ حال  |
| 17       | سرميب موربطري ديد.<br>شركيب نعراك اورد مباك بر  | 4.   | امرن محق ما م ہوتے برسا ہد۔<br>محرور صل صنی رون کی مثالین       | 12       | امرور جعے رہ رہاں<br>رمز بمعنی مطلق وقت وزمانہ  |
|          | تربیب عرایی اوروسهان پر<br>نقیع اشعار سکندنامه جوجهان                                 | "    | بجود من تميرون ي مناسبن<br>ضمائر مع متصليكا بيام مفصله ستعال    |          | منتیکا ببان اداً سکی تعریف ارمانه<br>منتیکا ببان اداً سکی تعریف ارموزشبمیه  |
| 44       | ع) الفارستان المعتبر المعتبر<br>بادشائی تراست کی حجت ہر                               | ″    | مارك مستوبي ومستداكمان<br>امناكريغرده متعسله اليماك سنعسله      | مد       | منمیعربی شدی خرب مطالبه می است.<br>منائرین نسبت مماللا برخفارا ۱۰،م   |
| ۷۲       | پوت می وسی می بند او<br>مهمل برلفذامر بوتے موسے ماری مسلر<br>کامغروم ع ر نام انزیسے - | الد  | کما رسفرونو معتمد باک مست.<br>کیون نوین منعل هوتین              |          | مرون برب المام مراد المراد ال |
|          | كامفروتم عراامائزي-   |      | المراب المراب المراب  |          | 2 . 0/ . 0/   |

| صفحه | مضموك   | صنحه | مضمون  | صفحه | مضموك  |
|------|---|------|--|------|--|
|      | ماده معناف اليد كاب -<br>   |      | اس كاف مى كے موصول موتے بر                                 |      | تع افرادى كابيان -   |
| 4.   | نغیتعلق ادرهامنا نت بهنی از -   |      | اروركافظ جيسة ائير-  |      | بركاموضع تنكيرت استعال   |
| *    |   |      | كبتى اسكان كومذن مبى كيتي                                  | ',"  | رميركا استفهام كه ليه ستعال  |
| ~    | بآل فنافت صغت مابن موصون  |      | رياضى كيشعرين صاعب مبس                                     | ~    | بركاستنبارين المستعال -  |
| 41   | امنیا نت روسون کی حابث مسفت .<br>است  |      | كى اصلاح -   | 2    | رآورجه سحقيقي ومجازي تامال   |
| "    | اس مرين ابني تحقيق -  |      | كاف كوا قله غير موله والنف كى                              |      | تے بیان بین ۔  |
| 41   | وتنيامبعنى مطلق عالم.<br>   |      | تقدير إشعار شاليد من تاويل .                               | "    | سيت كاحقيقت شيك سوال   |
| "    | ترکیا جنانی دانصانی ایک مگرجمت<br>از کریا جنانی دانسانی   | "    | كآف نے موصول ماننے كى صوريين                               |      | ن واقع ہونا ۔  |
|      | موعائين توقرب وانصال كسكومو <sup>تا</sup>   |      | اعتراض عدم مطالبّت موصوف مخت<br>ر                          |      | من عجب فررت مهزه کی حرکت نتی کویا که                                 |
| 9 1  | بیآن مذن سفدات -<br>  | - 1  | من ميث التعرفيف والتنكير -<br>                             |      | بدار برکال رکسنا-  |
| ~    | بی <i>یان مذن معن</i> ان الیه<br>سه سر  | 44   | ومبراسار موصول ارداسا واشارة                               | "    | ۔<br>اور چ کا اسمای اشارہ کے   |
| 2    | منآناديكىغان پرتغديم  |      | مے مہم کہنے گی ۔   |      | باتندېمى ئىستىغال -<br>- تارىخى                                      |
|      | اسی طرح صفت کی موصون برتقدیم<br>اسی طرح صفت کی موصون برتقدیم  | ~    | سرفرگ ٰ اِنجوین تسم۔<br>سرفرک ٰ اِنجوین تسم۔               | 48   | بقننين إلى لمقدم وسوت كو   |
|      | بيآن أن مضا فرن كاجن برعلامت<br>ا   | "    | سعنوس انسانت كابيان  |      | وصول قرارو يتيمېن -  |
|      | امنانت بنبين لا بيُ حاتى -<br>مرست  | 41   | امنیافت بمعنی بروور<br>پست                                 | 11   | فترتنا ما يخبتن صهبائي رحمة ويتوليه                                  |
| 9~   | بيان أن مضافون كاجن براكتُرُعِلاً   | ~    | انتآنت بيانية شبيهي -                                      |      | ں راکے دربارہ اسم موصول -  |
|      | اضافت نہیں لاتے۔  | *    | اضافت تشبيهي بين من حيث الجمع                              | "    | یآره سم چول ان <i>دراق ریش</i> ان<br>مرایس                           |
|      | ية آمرېدى خاف كى خصوصيات ہو   |      | والافرادمطالغت شرطب  |      | يے مُولف کی تحقیق ۔  |
| 44   | مَضَاف اليه كي خصوميت كُرُو<br>امنانت كاكرانا -   |      | آئی منبس کے دواسمون کی<br>رین میں مار ا                    | 2    | تنی که کاتنگیرکاافاده دینا.<br>تر به ده سرز در ا                     |
|      |   | 24   | امنافت می <i>ن تاویل</i><br>سب                             | "    | ی کہ کالانتیں سے لیئے استعال<br>- دوس میں مصلہ                       |
|      | مُرِکب اصّافی سے حبص فع الوی<br>مین سی شے کا نام رکد لیا مالا ہو  | 49   | انسانت مجازی<br>آمنا فت تملیکی -                           | -1   | وَصَوف بْرِبِكُص خت مصد يُرِكِا ف يُولِد<br>ئے تید زوجہ ز            |
|      | روم منطوع مام روسامارد<br>ارومناریت اعاظ ترکیب سمیشکو   | ۸۰.  | امهامت میتی -<br>امنیانت ابنی -                            |      | ہے آیا تحانی نومیغی کی عدم ضرورت<br>آت ہیں۔ وزار سے کے سے            |
|      | برب عرب ما والمساوت المامة المساوة المامة ا | 21   | الشافت أن دو إسمون مين جومراو                              | "    | ما واشاره او لفظ مرسے بعدیات<br>میسفی کا لانا واجب نبین کی           |
|      | من الفاظ كوسمين الشرفك علاست<br>جن الفاظ كوسمين الشرفك علاست  | ~'   | اور صدق مین مساوی بین متنع<br>اور صدق مین مساوی بین متنع   |      | ریعی ه سسمانی امر ہے<br>بخورمی استحسانی امر ہے                       |
|      | امنافت سے سامھ سنمال ہونا بلایا   |      | مروستان المال معاوی بی سے<br>سیمانس زرطلا وطلا سے زرود رہا | 1    | جوری الحساق مرہے<br>تماشارہ اور لیفظ ہاوریا بی توصیفی کا             |
|      | تما أنهين كالبعركسيرُ امنانك  |      | ہے ہیں درصاہ رحلات ررووریا<br>آب دخیرہ سنا دل مین ۔        |      | م مشاره، ورفعظهٔ رورند <b>ی</b> ودیسی،<br>ای وقت مین مجمع سبوم آنا . |
|      | ساتمد استعال اورتالاب وسلاب كو  | ,,   | ماحبدیات سدی کے مماکد بر                                   | 40   | ہیں رسی میں ہوا ہا۔<br>ہمیر کے مرفول میر مابکا ہستعال                |
|      | مِنْدِت ہی شفطت نظر کرسے اضا  |      | جورباره بوستان وخرابات <i>کیاگیا</i>                       | ~    | ہر کے مروض چر ہا کا انسلمال<br>رکا کل مجموعی کے منونین تعمال         |
|      | ي يك الي كان المروك التي<br>كيسانوسيل آب وال آب كهنا  |      | بوورہ رہ بوت ان وحرابات ہے ہے۔<br>سے موُلغ کتاب کی دلسے ۔  |      | رہ ن جری سے سویں ہاں<br>گرو موکد ہمہ ہمساتھ کرتے ہین                 |
|      | التي من المريض المباديان المبادية<br>التي رون مضاف كالأم مم تفي م وتوعلا  |      | ہے توط ساب ی دیسے ۔<br>اضافت ہرمسوف جابنب مسغت ۔           | - 1  |  |
| "    | البير فرف مضاف 6 موسى جونوعلا<br>امنانت كياموني سبي -   |      | امنافت مرموف عابب معت .<br>انتافت مغت ما نب مومون          | ~    | رکا مخرک سند ت اولین سیا ہونا<br>رتبے مدخول کا کرر ہونا ۔            |
|      | اسانت کی ہوئ ہے ۔<br>سنجتن ہمزہ جو ہاسے مختنی سرلایا  |      | امنانت بیانیه کیف از-<br>اضانت بیانیه کیف از-              | - 1  | رے مربوں 6 مرر مہوما -<br>ما ٹرسے بعد ابدا یا و توسیف                |
| -    | جیسی ہمرہ بر ہسے معلی براہایا<br>طالا ہے ۔  | ."   | المناف بيايية عصر ار-<br>بيان أس الناف كاجسين بفيا         | ~    | •  |
|      | اماب-   |      | ابيان ان ماستاه. ين-                                       |      | نہین لابتے ۔   |

|     | صفحه | مضمون                           | صغہ      | مضمون                            | صفح   | بضمون                              |
|-----|------|---------------------------------|----------|----------------------------------|-------|------------------------------------|
|     |      | مصاور حبلی مین شار کیا ہے۔      | 11.      | وفيرابع غيبوب منادا              | 1-1   | سنل دیر کی بلے شناہ سے ساتھ        |
| - 1 | 114  | استحبل فاص كي لية جوحاليرس      | ."       | وحبيظاس فيبوبت منادا             | 2     | لفظازه بفتع لاس معمه كي محيتى      |
|     |      | عال ہوتا ہوتدرت مبدیشرط ہے :    |          | وحبة ثاني خطاب مناوا             | 1     | لنظره كي تعيق ج عدد معروف يه       |
|     | IIA  | خَفَرت مہائی ت نے خوا مبنید کھے | *        | متناها بركلمات ندائيه كالمررلانا | "     | سمزونفی سے بیئے فارسی زمان مین     |
|     |      | نون کونارئین ویمگنان کے نون     |          | العجب حسرت أزوهتفاله ك ليط       |       | مبی آگہے ۔                         |
|     |      | کی طمعے زائد محض مانا ہے پیٹھیک | 115      | مصدر کے تین درہے۔                | -     | خهضه اورئبه بيكااس قاعدي           |
|     |      | ىنېين -                         |          | فعل اندو سعل مصدر سي لية         |       | مستنظئه مهونا -                    |
|     | -    | مصدربرباك رائدصن كلام           | -        | اصل ہے اور مصدر اندوی نے تقا     | 1.9"  | 1 2 2                              |
|     |      | یے بہت کم لاحق ہوتی ہے۔         |          | معل کے لیئے میل                  |       | ہے جساب بل کے اسکے معلی تا         |
|     |      | ابسود ن مین باجوبر کلمه کی ہے   | ١١١٠     | مصادرنا تص التصريف               | 2     | خداشی بادشائی ک مزوکی صدکیا        |
|     |      | زائرنہیں۔                       |          | مصاورمعددم لهشتقات               |       | لینی عِلْ ہیئے۔                    |
|     | 114  | تتصادرك اخرين العن ذائد         | "        | فأتسى مين علاكمت مصد             | 1.00  | مرف وكت كيلت طلاسة بن سكتاب        |
|     |      | بھی سن کلام کے لیے لایا جا اسم  | u        | مصادر کے تین حال لازم تعدی       | صا    | القناورا كمجوعي مالت كالهمزيين     |
|     | 10   | بيآن عال بالصدر                 |          | مشترک ـ                          |       | موعمد من كاثبوت -                  |
|     | "    | بيان مصدر مرد ن ومبول -         |          | معادرمعرون ۔                     | 1.4   | لاصلى تعيين نداكرناسنا واكوسوف     |
| ĺ   | "    | عَلَى المصديين معروف و          |          | مقدا درمجول -                    |       | نہیں بناتا ۔                       |
|     |      | مجهول كاغنبار -                 | "        | فارتسى مين عربي كي طرح معرف      | "     | كلّات نداكي نتريين -               |
|     | 11.  | مال المصدركي وحاتسميه           |          | وجبول کے لئے اکب سیصورت          | 1-6   | غائب عنینی ۔                       |
|     | "    | مال بالمعدر كامسد حقيقي كي      | 110      | معنى شعرف بهور صخوابهم از        | ~     | فَاتَب مَإِزِي -                   |
|     |      | زي ين آنا ادرأسكالبهني مفعول    |          | خداد نے خواہم ازخدا              | 4     | نداختيقي -                         |
|     |      | مستمل ہونا۔                     | هاا      | تغريب أتهلى ووضلعي               |       | ندا مجازی -                        |
|     | 141  |                                 |          | تعربيت معدرععلى                  | "     | نداتحتیتی تنقدیری کا بیان          |
| t   |      | زى ين آنا اورائسكاميني فعو      |          | مصدر حبلي سيءاعلام سيتركيب       | 1 • A | سناواکے ذکرین کمتہ۔                |
|     |      | متعل بونا اوراسكي حانب          | 12       | معادر عرب سے معدر حعلی کی        | -     | الدندائي مقدركيف بن كنه            |
|     |      | مفعم <i>ل اخدافت -</i>          |          | ترکیب ۔                          | ~     | کسی نکند کی غرض سے منا داکا عدفیکر |
| 1   | ~    | على بالعصدر دو ماضيون           | 1        | معتادر فارسى سيسمعدرجلي          |       | میر جالت ندامین وه اسم مبکوندار کے |
| 1   | ·    | کی صورت بین -                   | i i      | کی ترکیب                         |       | ا بين باعتبار حيقت مضور وغيب       |
|     | ł I  | مل المصدل الطك سائق             |          | مقادر بنديه ومعدوبي كريب         |       | محيمين ببن ربتابي اوربا متباريتها  |
| -   | + 5  | عال بالمصدرام طاضر كي رتي ز     | "        | بيآن أن مصادر كاجر مندى ادر      | 1     | عرب کے اکٹرمینہ فائب ہے اور        |
|     | -    | ماس بالصدر درصورت               |          | فارسى مين شترك بهين              |       | فارسی مین مینغه حاضر اکثر ہے۔      |
|     | 1    | امرط ضرمعول كي معنوين .         | 114      | متغ اليتوم صنيعلى كى تركيب       | 1-9   | وتصداول غيبوب مناط                 |
|     | "    | بريدن معنى قطع كالمرتبين        |          | ئىگىدىشىن وكىشتەشدن مصارىمىلى    |       | مرحبة فانى غيبوب سنادا             |
|     |      | معتی آتا ہے                     |          | تنهين ين گرصاحب قواندن علي       | -     | وحبة نالث غيبوب مناوا              |
|     | "    | عالم المستعنى المرام متون       |          | ادیصاصبہغی تکزیم نے ان کو        | 2     | مرقب ستعال صاحر مناوا              |
|     | 4    | +                               | <u> </u> |                                  |       |                                    |

| صفحه   | مضمون  | صفحر    | مضمول   | صفحه | مضهون  |
|--------|--|---------|---|------|--|
| 144    | التمريات تماني زياده كريسي-  | 119     | بعض الماند الخفيق في وسوركى                         | 100  | عصل بالمصدر واسطام امراضي طلن                            |
| ~      | أسم فاعل بيض نسبت .  |         | وخروهمي وفرزندكات وقمريكان                          |      | كىمىرتىين -  |
| ~      | تتبت بعنامل  |         | كيكا فكوبغير نقلاب ازإزاته                          | -    | ماصل المصديصورت افني كے خير                              |
| 100    | عوراورناك كے استعال من فت  |         | محض ما کا ہے۔                                       |      | مين الف وراك الماق س-                                    |
| 2      | يروروكا رميني مطلق مزني  | 7.      | رتيك وكودك مين كان تعنير                            | ~    | ية الف ورا والا عال بالصديني                             |
|        | ماحب تحقى القوانين كيمسام  |         | كانبين -  | •    | للفاعل ولمفول سروراً ماسي .                              |
|        | فارسی پر بایے ناعلی کے ملنے پرا  | اسوا    | <br>فارسى مين بغياراده نسميه وتا                    | irr  | ماسل العدمين أن المال ك                                  |
| بالمار | منتول طلق اینے فعل کی کمیت و   |         | لىخىقى زائدىمى تاپ-                                 |      | اختین إے سرون کے الحاق سے                                |
|        | كيفيت كے افلہ أركا ومدوار موالي  | ۲۳۲     | بیآن شتق ۔  | "    | مآمل العداموا فرك اخرين                                  |
| ~      | مفعول مللق بغير يفظه   | ~       | بيآن اسم فاعلِ -                                    |      | العن مے الحاق سے -                                       |
| ~      | مفتول طلق برياس فالمجهول   | "       | بيان اسم فأعل تركيبي                                | "    | أترماض كمحاضر من سنسين ماقبل                             |
|        | ہے نہ عروف -<br>ہے   |         | آول اسم اورا مروا صدحا صركي                         |      | كمسوركا الحاق -  |
| -      | بخشودن وتخشيدن سردوسعني  |         | ترکیب کسے ۔   | ~    | يتنين قبل كمسوروالاعال مصدر                              |
|        | واعطايين تعمل موتيبين  | -       | اس اسم اورا مرکے درسیان                             |      | اسم مفعول مح معنون من مبى ألب                            |
| -      | رستنيين إيولياتت بونه فالى   |         | کے فاصلہ کا بیان ۔                                  | Ira  | مشين ضميري كاشين مصدري                                   |
| 112    | الم يساقت مين لفظ الماقت كا  |         | اشتم فاعل ترکیبی سے جزواول                          |      | ساتله قاخيه واقع مونا -                                  |
|        | مبعنی امکان ہے اور اس اسکان  | - 1     | يعنى الممربيل مجبول اوجزواني                        |      | أتتنا دان مخور تحرك كوساكن اور                           |
|        | اعم العوام مرادیہے -<br>بد   |         | ىينى امرىلى نظمى كى زيارتى -                        | 1    | ساكن كومتحرك كرين كي مجازمين                             |
| ~      | أتحم لعوام وأحب ومتنع ومكرظهم  | 1994    | استم ادربنى كى تركيب سيحمى                          | IFY  | تغير حركت وتبالي لهجه بمى تغرس                           |
|        | وغيروسب كوشائل ہے  |         | معنی فاعلیت پیدا ہوتے ہیں۔                          |      | یے لیئے کفایت کرناہے۔                                    |
| "      | انتىمىغىول كابيان -  | ~       | آن ترکیبی اسم فاعل کے جزو                           | "    | خيزت صهبائي حرنے بعض موقع بن                             |
| -      | انتم نفعول اسم دامر کی ترکیب   |         | اول کی تخیشت' -                                     |      | ستین مصدری کمسورالماقبل<br>سرور بر میرون                 |
|        | انتائیے۔   | ~       | ودسرااسم اور اصنى طلق                               |      | کوزائر بھی ماناہے ۔<br>مقل الاستان ماہ ماہ م             |
| "      | صرف صيغه امروا <b>مدما</b> فرميني<br>السرون البندسية   | - [     | کی ترکیب ہلے۔<br>انتشاب پر بس زمین                  | 114  | ه ما المصدر اسم اور مضالق<br>سروس                        |
|        | اسم مغول بنین دیتا ۔<br>اسی پینر س   | ~       | تیسالمروامدها ضرکے اخیران<br>الان ا کی نب سد        |      | کی شکل مین ۔<br>آئی الا سے استضر                         |
| 19470  |  |         | الف زبادہ کرنے سے ۔<br>یہ قرار نہ رسلات سمہ ان بین  | "    | م الم الم الم الم الم الم الم الم الم ال                 |
|        | اسم معنول بدا ہوئے ہیں۔<br>اسم اور ماضی طلق کی ترکیب   | -       | جوشما اضي طلق محے اختران<br>الف ورآ زیا دہ کرنے سے۔ |      | معنی میف <i>ی رالف کا الحاق -</i><br>میس ایر اساسات شدا  |
| ~      | 1. / 10 1  |         | الف ورا رباده (رسے ہے۔<br>اس الف ورآمین نسبت کا     | "    | في الصداساي الدوغيط                                      |
| 1 1    | المواصرما ضرم اخرين الف  | المالما | اس الف ورا بین تسبت کا<br>احتال مبھی ہے۔            |      | پریایے معردف کے الحاق سے<br>ایک عدد ہے دری مدد ناکر      |
| 15 1   | ادراده کرف صرف میرین ات<br>زماده کرنے سے معنے اسم فعول   |         | ا معان بی ب یا<br>اسمامی فیرث تقدیماسنی علبیة       |      | اہل موسمہ رحر بی رصفت کے<br>مون میں لیترین               |
| .      | رباده رهے سے اسم معول<br>حاصل موجاتے بین -   | -       | اسماسی فیبرت نقد کا سنی فات<br>مین رست مال -        |      | معنول کمین کیتے ہیں ۔                                    |
| 1      | ما من موجع بال الما تي |         |   | 179  | احلام وغیراعلام سے جبعنی<br>وصنی مراد لیئے جلتے بین ایمی |
|        | سے نی مفول مال بوتے ہین<br>سے نی مفول مال بوتے ہین   | -       | المحمِّ توصرتِ اسم عابد مهو<br>الدورية المر         |      |  |
|        | مع می ام سون ما ن ب  |         | بامصدرعربي -  |      | ولالت عام سرجارتی بہتے۔                                  |

|      |   |        |  |       | رست مین و درما قاری            |
|------|---|--------|--|-------|--------------------------------|
| صفحه | مضمون   | صفحد   | • مضمون                                    | صفحه  | مضمول                          |
|      | اسمون سے آر لحاظ رصیت اسطا                      |        | بهندى الاصل مبن -                          | مرسور | مرق معدرع بى بنير تزكيب مفي    |
|      | لياما ي توصلاحيت تركيب                          | يهما   | ستابطرن نان كيلي سي أأسى                   |       | معنى اسم فعول موتاسية          |
|      | امنانی کیشبهی سویا تنبقی دو <sup>ب</sup>        | 2      | الفاطنكوره بلااراده كثرت بهى               | "     | اليسي من الحال سع معن          |
|      | اسموتنمین تحقیق ہوگی۔                           |        | آتے ہیں ۔                                  | -     | اسم فعول عاصل كرنا -           |
| عما. | صفت الشبةركيبي كے دونون                         | "      | بيان سم آله -                              | - 11  | أيختفي سينبت مغيرلي            |
|      | اسمومن تركيب تصافى كى صلات                      | "      | اسم آلداسم أورامري تركيب                   | ·     | ماسس كزا -                     |
| 1-   | صفت شبتركيبي كع دونوال أو                       |        | طاصل ہوتا ہے۔                              | N     | لفظ كارنسبت مفرل سے لئے.       |
|      | ين ظرف وتنظرون كاعلاقه                          | ırr    | اسم آله صيغه امريا سينسب                   | "     | بیآن اسم ظرف ترکیبی -          |
| "    | بيابع منت مشبه تركيبي كااك                      |        | الحاق سے۔                                  | 1149  | اتهم اورالمركي تركيب سے        |
|      | نا درطرز بیر-                                   | ~      | بيان اسماليه -                             | "     | وواسمون کی ترکسیب سے ۔         |
| 154  | بختث نغل -                                      | *      | امرحاضر سرإلف ونون زبا ده كرني             | ~     | ستان کابیان -                  |
| -    | تعربيت نعل -                                    |        | سے مالیہ بنتا ہے .                         |       | خدرون کی ترکیسے منے            |
|      | وحقیقت زمانے دو بین ،                           | ~      | عاليه سے ایراد منکار کوکیا سنطور           |       | ظرفى متضمن معنى مبالنيت        |
| -    | تحقیق حال ۔                                     | ı      | مالیه سم فاصل اور سم مفعول کی              |       | وکثرت ہوتے ہین ۔               |
| 2    | مأل كوزمانه كى قسىم طهبرانا                     |        | زمی میں مجھی آیا ہے '                      | "     | ستنان كىسين كوحركت             |
|      | اطلاق معازسی ہے۔                                | سانتما | عالبيهم فال تركيبي اورام مغول              | "     | سَنَآن كامخفت سان بمبي تعل بم  |
| ~    | المعلى در شونسبت واعتران                        |        | تركيبي كي زئي مين-                         | n     | شآرسان کی تعیق ۔               |
|      | زان پراشتال .                                   | "      | روتى برفاك عجز تى نالم. يرجيم              | *     | زار کا بیان ۔                  |
| 100  | الموقومدت بربهات اقتران                         |        | رابط كاالزام بحانهين                       | "     | تفظ باناركى تحيّق -            |
|      | ولالت كرنيين على مركب بن بأبارا                 | "      | عامر غيشتن كأحال واقع بهونا                | "     | لفظ ساركابيان -                |
| 12   | مجرهمه مانى نعل مين بسبت يمثقل                  | ü      | جل عاليمين مابط وعائد كي ضرور <del>ت</del> | 10-   | سآران وساره مزیدعلیه ساریمی    |
|      | سے وال رہنے سے فعل کے اقال                      |        | مآل متداخله-<br>پس                         |       | السبع -                        |
|      | مین فرق آما تاہے۔                               | "      | المحضيان-                                  | "     | سار کامخف سرجی آناہے           |
| 2    | فأسع مولاناهامي حركامتني ولأ                    | "      | طاک متراد فه به<br>پسر                     | ~     | كَفَظ باركابيان -              |
|      | کو دلیل حصر بین اعم رکھنے کی وعبہ۔<br>است       | "      | بنظرناكيد صيغه حاليكا تكرار                | 2     | جوتباركوتبخفيف ياج باربعي      |
| 2    | إنسعوميت بركشبه اسواسط كه                       |        | اورآس مین تخفیف .                          |       | م من من                        |
|      | تضمني للمطاقي تنبين لا يُي جاتي-                | מאו    | انسم اورامر کی ترکیت قداو انداز            | *     | نيان لاخ كا -                  |
| "    | معنى فعل كوابعال اليفصيل كم                     | "      | الغريب مسنت مستدر                          | "     | بيآن لان كا .                  |
| ,    | الخاط من الله الله الله الله الله الله الله الل | ~      | صيغصفت مشبكا بوزن                          | "     | بيان كندكا -                   |
| *    | تعتيم لسوس مازم وتعدى                           |        | اسم مفعول -                                | "     | بيان وان كا-                   |
| -    | تقريب نعل لازم -                                | ~      | متيغه صفت مشبهكا اسماليه                   | "     | تفظ کان اپنے مظردت برآناہے<br> |
| *    | تولين ملانم بن عتبار معم مروز كاافا             | ,      | کے وزن پر۔                                 | ı     | تفظ دان مجمى اسينے ما دہ بر    |
| ودرا | نعل لازم كابلاتوسا خروب                         | -      | الفَظْ جِهِان كِي تحقيق -                  |       | لا يا جا تا ہے۔                |
|      | جارمفعول بازبار عزراسن -                        | =      | صَعْن سُد تركيبي كے دونون                  | n     | ستنان امدكندور حتيقدت          |
| L    |   |        |  |       |                                |

| سىتۇرۇلىغاسى<br>ئەرقىرىلى ئارسى | نمرستعضاي   |      | 4  |      |   |
|---------------------------------|---|------|--|------|---|
| مقي ا                           | مضمول '   | صفحه | مضموك  | صفحہ | مضون  |
| 109                             | بآرتمبته زائره نعل كاكالبزركيون                                 |      | مينهمضارح شتركت بككيعني  |      | زبآن فارسی مین م  |
|                                 | بناہے حرف کمی کیوں بنین بتا                                     |      | امرسح ليق مجى ميغه مضارع   |      | ز آن آروو مین -<br>-  |
| 2                               | فروكامل كى علامت ومباشناس                                       |      | مشترکہ۔  | i .  |   |
|                                 | 1 *   | 1 1  | أمر واحدما ضربين علاست حاصر  |      | بيآن معل ماضى وطريقة ثهتقازه فيرو                             |
|                                 | جبرية سي استشهاد -  |      | یا ہے تھانی کے صدت کی وجبہ۔  |      | المتعنى اقص أكراداة تمنا وشرطت                                |
| -                               | واحدث فروكال امرجع كمفروجا                                      |      |  |      | فالى بودوام واسترار كي معنى ديتا                              |
|                                 | ہرنے براصول جربیر سے تشہاد                                      |      | مضارع عرفی ہستمال۔   | "    | يد علامات بلامصدوته في واستمرار                               |
| امر                             | مادر محفره كالل مولي برودسري لل                                 |      |  |      | محضن کلام سے لیے سی لاے                                       |
| -                               | سيم نبي جوخود بلي لا يُركونه عني                                |      | ميسنة بين -  |      | ا ماتے ہیں ۔ ا  |
|                                 | تو الميراسير طب زائد لاناكس دج                                  |      | منبی اور دعائیه الف والیصینو <sup>ن</sup><br>راهٔ سر ادر برای  |      | ا آسے مبول والی اعنی انص سے                                   |
|                                 | سے جائز ہوا۔<br>قصر میں مند نصا                                 |      | سِرِنْفی کے لیئے میم لائی جاتی ہے۔<br>ایک میں شاہد کا میں میں اور می |      | تین مینغه واحدوجمع حاضراد تیم علم<br>آن به تاریخ استان تال    |
| -                               | أَرْسَمِ نَبِي الدائسكَ مَعْلَ مِنْ مِثْلُ                      | 1    |  |      | قليل الاستعال مين <i>شرو كالاستعا</i><br>اشد.                 |
|                                 | واقع ہو تھے بحاسے میں فرن نافیہ<br>اس                           |      | مین زماه تی نهرتو گفتی کے لیئے نون<br>میں زمام   | l .  | نہیں۔   |
|                                 | المستمراني مائيكار  |      |  |      | صيغه اضى كوبجائد مضابع لانے                                   |
| -                               | متآحب وابرالحروف ومعور فيحل                                     |      | آگردرسیان نفی ارمننفی کے قالم<br>محمد اللہ میں اللہ م      |      | مین کمت.  |
| İ                               | معی سیم ہی کو مانتے ہیں<br>-                                    |      | داقع ہو حب معبی بجاسے میم<br>نوریں   | ~    | اتست وتبود و بآید و شاید و توان                               |
| "                               | انعال بربجائ ون نافيه مفرايف                                    |      | نون بی نفی کے لیئے لایاجا ٹیگا۔<br>  |      | وتواندکی ترکیہ وومرکب کلام                                    |
|                                 |   |      | آت میغون کی نفی کے لیے میر کے<br>در سر دم  |      | ا بنجانا ہے کلمہ نہیں رہتا ۔                                  |
| ~                               | مضارع غيروعائية بن العن محض                                     |      | فاص کریے کی دجہ۔<br>سب سب سب   | ı    | ا توآن وتواند کا ما به الامتیانه<br>نین سر سرخته تا           |
|                                 | نامُرلایا جاما ہے۔  |      | مت برترتیب ذکری ر  | l .  | لفظ توان کی تعیق ۔  |
| юл                              | رَقَائِيمِيغَهُ عَامُبُ مَامِنْتُكُمْمِبِ<br>برت                | •    | جرآب شبه به<br>ترینان  |      | میتنها سے جمع غائب کا بجانے<br>میر ایرین                      |
|                                 | متعلین -  | *    | وتبراول -<br>  |      | مجہول ہے۔ استعال ۔  |
| ~                               | " " " " " " " " " " " " " " " " " " "                           | "    | وَجَهِ دوم ۔<br>وَجَهِ سوم ۔   | ~    | رُبَان ارُووين جھی صیغہ مع جا<br>مجوال ستمل ہے۔               |
|                                 | منت مبی کیماً تی ہے۔<br>کت میں دیں دیں                          |      | ر مبر سوم ۔<br>تائیدان دجوہ کی اسامڈہ کے کلام  |      | بہوں میں ہے۔<br>صیغہ جمع غائب کے محذوف الفار                  |
|                                 | كېتى الف وعائيه حدث كياجا تاكو<br>كېمى دال اخير صينه د حائيه كى |      | ٹائیدان دجوہ کی اساندہ سے قائم<br>رقیدی میس ترزیب سے قائل مین  |      | سیعہ مع ماہب سے محدوق الفار<br>ہونے کی ورسزی مادیل .          |
| ,                               | جی فال ایمرسیعہ وفاتیہ ی<br>مذت کیمانی ہے۔                      |      |  |      | م میت می دوستری ادیں است<br>میت معلوم مفرد کامی ذوت الفامل    |
|                                 | ميرك يون<br>كېمى برنت تيام قرينه صيغه تخا                       |      | مرے میر مبات ہیں ہے۔<br>جمع بڑنے سے حرف اثبات پر   | 1    | سینے میں مفروہ کاروں اٹھا کا<br>مستعل ہزا کمبی ہبطرح مثاول ہے |
| "                               | مندن مبی کیاجا تاہے۔  |      |  |      | م من                      |
|                                 | بار بلاحذف واومجنی ستمل ہے۔                                     |      | می پول سدم بری ہاں<br>وجداوّل ۔  | μ3-  | نے توان کو کا سے تواند استعمال کا                             |
|                                 | بوبرطری داوری سی ب<br>مفارع برمی یا ہمی (جومعنے                 | ,,   | رجه اول:<br>حرقت نفی دانتبات ایک نعل بر  |      | عے واق موج بے وائد اسمال را<br>جائز فرایا ہے خلطی کا تب کی وص |
|                                 | معنات بری یا می رعوصے<br>مال کی تعیین کرنا ہے) کہنی م           |      | کرف می در مبات ایک من بد<br>کیون مبت جمع موتے میں اسکا   |      | جارورایا ہے۔<br>سے دہوکہ کھایا ہے۔                            |
|                                 | مان مین راب بع<br>مورا جاتا ہے۔                                 |      | استدا راک مین که در رنیس به  |      | مندارع کابیان -   |
|                                 | مضابع شعبن الاستقبال يفظ  |      | اسیون اندری بین این<br>ویمثنانی تقدیم حرف انفی برحرف<br>اثبات -  | ,    | من المام المنقبال بكي معنون كو<br>مال امراسقبال بكي معنون كو  |
|                                 | ى - ا   |      | ورفيها في تعديم ترك التي برير-   | "    | حال اوراسفهای به سون مو                                       |
|                                 |   |      |  |      |   |

|         |                                 | -    |   | 91 k 180 |                                     |
|---------|---------------------------------|------|---|----------|-------------------------------------|
| صفحه    | مضمون                           | صغمه | مضمون   | صفحه     | ، مضمول                             |
|         | ر ماصروته کلم مے موضع بین برابر |      | تاديل مين مصدر كي موكراس كا                                       | 109      | انت المات افيعل مي فيصل عائتيس      |
|         | مستعل سوتاكيه.                  |      | مفعول برسوحا اسب كوئى أسكم  | 4        | بتغلاف قاعده اكشريه علامت كوجيورا   |
| "       | الوان كوصيغهم غائب توانند       | ,    | ستقل فمل لینی نوع کلمہسے  |          | كرمين فعل ربيعي حرف نفي             |
| ,       | سے کیمان بنایا ۔                |      | تنهين سبحتا -   | 2        | كبهى يدى إبهى اضى كي طيح صليح       |
| 144     | توان كومطلق ركمكراس سس          | (4)  | است وبود وبآسندى تركيب  |          | ببن وعام اواستمار كومفيد سوتے بين   |
|         | فيبت ومضور وككام كسوحبس         |      | ہمی جمل نعلیہ سینتے ہیں ۔   | 11       | تفظفا مركر علامت استقبال كن         |
|         | اليامآماسي .                    | ~    | مى اوريمي علامت كيسيين سكتيميز                                    |          | مین مجے سخت نامل ہے۔                |
| *       | الوال كامفول كبي محدوث موا      | 147  | خوا بدوالي تركيب بين نصل مبعى                                     | "        | تغظفوا بمعلامت ستقبل نبين اور       |
| "       | تران سے مغول سے وکوین جند       |      | واقع ہوتا ہے۔   |          | ا سکا خاک تعبل نبین نواور کیا ہے۔   |
|         | مال بيش آتے ہين ۔               | 4    | اور پہر کیا میں کوئن سے میں ہوجاتی ہے .                           | 14       | ببيحال توان امتعواندكي تركيب كالهجر |
| "       | توان كامغول كبى مفرومواب        | بذ   | خواست كى تركيب بسى افار ۋىنى                                      |          | لزاندا درخوا بدكا ورائكم بعدجر      |
| "       | تبتى جلەمسىدىكات ببوتا جى-      | •    | استقبالیت کا ہوتاہے۔  |          | مصدرصورت ماضي من مكورسوا            |
| "       | البشى سجلبرييه كان مصدر         | "    | منيغهضارع كابجاب منى ستول   |          | ہے فاعل ملے سیل کتنانے ایک ہو       |
|         | صنوت کیاجا اسے ۔                |      | كسى كمتدكى غوض سيسبواب -  | 1.       | اسى دجەسے چنكە كوق شائرمرفوعه       |
| 144     | باب الألف                       | "    | سنتابع مين بلسيمجبول زائداور                                      |          | متصافاصنعل ہے سی تواند وخواب        |
| "       | قاعده اثبات العن بعد حذف        |      | التمراراوتونا اريضط كنيك الخاتي بج                                |          | بربهةا ب انك مخول مصدر              |
|         | علاست مصدر .                    | "    | المنى كى طرح مضارع من بعى   |          | ماضی صورت بربنبین ہوتا ۔            |
| 2       | خبس امركا فيراللت مواسك بعد     | 1400 | الف زا کراا یا جاتا ہے ۔<br>مینو: اوجا طرحز نہ بریاف نا کرلا جاتا | -        | التى طيح بودواست دبايدوشايد         |
|         | يا ئەرائىرىجىي لا ئاجائىزىپ -   | 171  | جناب مرزا غالب فساع كومال   | t        | وغيره كوسمجنا مإيئي كدمغرو نعل      |
| 12      | قاعده تبديل.                    |      | وغیروسے اشتقاق سے لیئے قرار                                       |          | يعني وه نوع كليه عنهين -            |
| 174     | وآون کے امردہ مین کسسوکی وجہ    |      | ويتي بين -  | "        | اس مركب بلغظ خوام كي ستقبل ك        |
| "       | وه كوبجاك إلى ساتدوكم           | ~    | نة آمركيك مضاع السياسية فراع                                      |          | نام سے مقہر رہونے کی وجہ۔           |
|         | بھی کہتے ہیں ۔                  | 1    | كيلي امرال ادراس انكاركي وم                                       | 1        | يهآن سنبه يركه خوا مرخود مضارع      |
| 2       | تأعده استفاط العن-              | 140  | امرا دیشارع کے لیے صل کوسی چیزاد                                  |          | مبهم الاستقبال تودوسرے مین          |
|         | ستادن كامراساى مى آيى           | 11   | والساكن فالصفتوح علامت  |          | البيين متعباليت منهين كرسكتا -      |
|         | اتقادن اوراكتادن برسي           |      | مضائع مطلقًا بهونون سكتى -<br>س                                   | 1        | السكاجاب .                          |
|         | الف مذف كيا جاتا ہے ۔           | ~    | صيغهام طاخوستعلها ديطلق   |          | ورسراشد يكه ستعبال زواني كي         |
| 12      | ستادن معنى قيام اورمني گرفتن    |      | مضايع كاما به الامتياز -  |          | اكفسم بعقدم كملية سرورب             |
|         | مين مابدالا شياز-               |      | اِستبال محقق سے توان کوطلت  |          | زا فی ہوذاتی ہوسکتا ہے۔             |
| 149     | ساون الضم كام فف ستدل وا        |      | مضاع كهيكة بن -   | 1        | ا سكا جواب -                        |
|         | اسكا مريطىيدا تدك كابيان -      | ~    | ر<br>روان کو توانندسے تخزیج کرنے سے                               | ~        | است وتبوه و بآشدوشايدوبآيد          |
|         | 1                               | •    | اسكى اطلاقي حيثيت مين نقصاف                                       |          | وتواند وخرابدكوان كے مرفول          |
|         | مااعتراض كيساسي -               |      | نبين واقع مونا .  | 1        | سے کیا تعلق ہے۔                     |
| ~       | التاوي معندرى تلنيك الج         | 1    | يونكرتران طلق بكل فرادفا  | 1        | يتى خوا برمضا رع براتك ومفائ        |
| <u></u> |                                 | 1    | 1   | 1        |                                     |

| المنافع المنا | صفحه | مضمون  | صفحه | مضمول                              | صفحه | مضمون '                       |
|---|------|--|------|------------------------------------|------|-------------------------------|
| عبر المناس الم  |      | مغفث ہے ۔  | 4    | مرو كابروكے ساتھ قامنيہ -          | 149  | فرستنا دن كى بحث مضابع خاف    |
| عبر المناس الم  | -    |  | *    | رُوباًلک کارو ہضم کے سامنہ قامنیۃ  |      | ا وزاتر با کے ساتھ ورت مل     |
| قراد مينا المواب ب  |      | فتح کی وجہ ۔   | *    | قابلهه زياوت بارتحتاني قبل راومهله |      | ہے گرفعیع نہین ۔              |
| قرار دینان اصواب ہے۔  استاط سائز اور دینان اصواب ہے۔  ارد نا استاط سائز اور ق مین مسلم عرب ہے۔  ارد نا استاط سائز اور ق مین آرد کے استان ہے۔  ارد نا استاط سائز اور کے استان ہے۔  ارد نا استال ہے۔  ارد نا استان  |      | قاعده مذف صرف شين مجمه                                       | "    | مركن مين قاعده بلازيادت اثبات      | ri.  | باباكناء                      |
| المنال كرون بسيط - المنافرة ا | -    | فآصه تبديل شين سعمه بادارمهله                                |      |                                    |      | أرضتن موج بتف سيكمنا ب لازم   |
| المنان كرون مؤلف و المنان كولان المنان كولان المنان كولان المنان كولان المنان كولان المنان كولان كولا |      | سے نیاوتی وال ۔  | -    |                                    |      |                               |
| المنان كرون مؤلف و المنان كولان المنان كولان المنان كولان المنان كولان المنان كولان المنان كولان كولا | 4    | تبديل شين عجبه إسين مهله ت                                   | 147  | كرون مح المركن من ضمه كى وحبر      | 14.  | مثال كرون بسيط -              |
| جَابَ بَرَوْ كِ مَوْمَن كُولاهِ مِنْ وَلَا مِنْ مِنْ وَوَمَنِ اللّهِ اللّهِ عَلَيْهِ مِنْ اللّهِ اللّهُ الللّهُ الللّهُ الللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ الللّهُ الللّهُ الللّهُ الللّهُ اللّهُ الللهُ الللهُ الللهُ الللهُ الللهُ الللهُ الللهُ اللهُ اللهُ الللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ الللهُ اللهُ الللهُ اللهُ ال |      | ر إوتى إي محتاني -   | 4.   | باب الزّاء                         |      | مثال كرون مونعت ـ             |
| المناور المنا | 140  | وتشنت مين دا و بار موصره سے مراک                             |      | زوك معنى ضرب وخفف آندل             | -    |                               |
| سورادین راقد کے شعرین اول استان المعالی کا مزید علیہ ہو۔  المورائی کی تقدیم ترکز کر کیب شعر ہوں استان کا مزید علیہ ہو۔  المورائی کی تقدیم ترکز کر کیب شعر ہوں استان کا مزید علیہ ہوں کے استان کا مزید علیہ ہوں کے استان کی تعدید کا مواد کا مواد کا مواد کی کہ کے استان کی تعدید کا مواد کی کہ  |      | نېشتن مېي سوحالات ـ  |      |                                    |      |                               |
| و و سر من المنتان الم | ~    | بابالفاء   | *    |                                    |      | سعدادين راقم محسفومين اويل    |
| ادا المنت   | *    | تاعده اشبات فا -   | 4    | ہمگنان ہمگان کامزیدعلیہ ہے         |      | 1 / - 1                       |
| بنبانا و المنتها و المنت  | 4    | نسكفين مي فاعده انبات بياضل بحر<br>بعرات                     | ILA  |                                    | 1    |                               |
| ورسّري تبديل مين مهلا كه سنّا من المعتادة الله الله الله الله الله الله الله الل  | *    | شلفیدن مستن کامیشداری ہی<br>میں بیت                          | ~    | ئتين اورلام مين مباولت -<br>-      | 141  | ا باوتعدیہ سے ناون لازم کاسمی |
| بَيْسَى بَدِيل مِنْ مِن جِيكِ سالف الله تعالى الله الله تعالى الل | ~    |  | 1    |                                    |      | انبحبانا - المنجبانا -        |
| قوض بين المستادة والمناه المستادة والمناه المستادة والمناه المستادة والمناه و | ~    | دوسراتفا عده زیادت -<br>خوجینهٔ خود ریادت سر                 | 144  |                                    |      |                               |
| كا با الانتياز - ورفت بين نيان المنتياز - ورفت بين نيان المنتياز - المنتياز المنتياز - المنتياز المنتياز - المنتياز ال  | *    | تعنف هندن کاامریهن ملکها<br>خذه به در در اسرار مضاعرتها      | ~    |                                    | 1    |                               |
| ورفتن مبنى سينا اورمنى دوسها المستورية ورفقات المستورية والمستورية والمستوري |      | f 4  | 1    | 1                                  | 1    |                               |
| و د فران مین جواشناس.  المستن کی بحث اصد و بخشام استان کی بحث اصد و بخشام استان کی بخشام کی بخش | 2    |  |      |                                    | 1    | 1                             |
| مسيختن کي عث امسموع نهين -<br>بخش اور انهجي من الله انهجي من الله الله الله الله الله الله الله الل   | ,    | علیان 10مرہے۔<br>خب ای والعن بدیسکا                          | 1    |                                    |      |                               |
| اسكامه مدجه با بهت الدان مين سمالية و المناز المنا |      | سب ایک طبرا 8 ندامریم این<br>سر نده در مستعا بهند . اخسید ان |      |                                    |      |                               |
| انگرمضاع آزد اور آمیخد کل البان مین سمل ہے۔  اسالہ وین آئے ہین ۔  آب کا فرت السید کا نقب ہے ۔  آب کا فرت آئے ہین ۔  انگرمن البی کا کہ البی البی کا کہ البی کا کہ البی کا کہ کا مور کے ساتھ وائر ہے ۔  آب الرامین قاعدہ اثبات ،  آب الرامین قاعدہ اثبات ،  آب الرامین قاعدہ اثبات ،  آب کا کہ کہ کا کا فیہ مین کا کہ کہ کا کہ کہ کہ کا کہ  |      | الديمامص حعل سے ،  |      |                                    |      | /                             |
| اسائذه بين آسئے بين ۔  المسائذه بين آسئے بين ۔  المسائذه بين آسئے بين ۔  المسائذه بين آسئے بين کے المسائذه بين المسائذه بين آسئون اوروا فه برد کے ساخر جائزے ۔  المسائذہ بین آسئے المسائذہ اللہ ہوروں کے ساخر المسائذہ ۔  المسائذہ بین آسئے اللہ ہوروں کے المسائدہ المسائدہ ۔  المسائذہ بین آسئے اللہ ہوروں کے المسائدہ المسائدہ ۔  المسائذہ بین آسئے اللہ ہوروں کے المسائدہ المسائدہ المسائدہ ۔  المسائذہ بین آسئے المسائدہ المسائدہ المسائدہ المسائدہ ۔  المسائذہ بین آسئے بین آسئی المسائدہ  | 1    | خنتن بالفترىتقىفىدىسى و                                      |      |                                    | ,    |                               |
| آبختن اور اینجتن اینجین کے مسلم المین آباہ ب المنت کی بحث اور قابیل استان کی بحث اور قابیل استان کی بحث اور قابیل استان کی بحث اور قابیل کرد  |      | تيساقا عده بتدل نقط.   |      |                                    |      | 11                            |
| مغفة بن - التراء الترا | ~    |  |      |                                    |      |                               |
| بَ الرارين قاعده اثبات من المتعلق |      |  |      | تفستن سيم مول بربجات بروكر         |      | مخفف ہین ۔                    |
| خورون شكف لازم م المرابع المر | *    | تبديل صرف واوكے ساتھ،  |      |                                    |      | باب الرّاء                    |
| خررون السي كاركا قانيه بمي واقع الماله المستحقق المي المستحقق المي المستحقق المي المستحقق المي المي المي المي المي المي المي المي   |      | سنتودن اورشنيدن كى تحينت-                                    |      | بابالشين                           | "    | يآب الرارمين قاعده اشات       |
| بوطان بجولت أبل عنم م ج کم الله الله الله الله الله الله الله الل   | ~    |  |      |                                    |      |                               |
| يتش كاخت كيسا تقرقافيه الم أقامه زياوتي واومبيشين - مستقل مصدر سواورنوشيك   |      |  |      |                                    | 141  |                               |
|   | •    |  | 1    |                                    |      |                               |
| كرده كابرده كے بعاقبر تافير - م سندك درم سل شودن بالعادكا ، اس فاضف -   |      |  |      |                                    | "    | •                             |
|   |      | اس كامخنف -  |      | سنندك ورامس شودك بالواوكا          | ~    | كرده كابرده كعباتم قافيه      |

| سفحر | مضمول  | سخہ      | مضمو <u>ن</u><br>کښتی اودن مطلق لوک دصاف                                | صفحه     | مضمول   |  |  |  |  |  |
|------|--|----------|---|----------|---|--|--|--|--|--|
| "    | متعقل كى اخافت مغضل حليه                           | ı        |   | 144      | المنتوين كبمى واؤخذف بموارشنيك  |  |  |  |  |  |
|      | ك طرف وطبسطي                                       |          | کرنے کے معنون میں آگاہے۔  |          | المحيمي بإحذت بهوكرمشنوون اور   |  |  |  |  |  |
| u    | استعال تصيل بطريق اضافت                            | -        | باب الوائومين قاعده زما دت معنى   |          | مجمعى واكواوريا وونون حزن بوكر  |  |  |  |  |  |
|      | وبطرنتي عليل مين نسبت غموان                        |          | ب چنکه وه معسادر شاوه الآمل   |          | منشندن رمجاً لهي -  |  |  |  |  |  |
|      | مى تعتق ہوگى -                                     |          | ین لایاعا ماہے بیان نہیں کیا۔   | "        | شنيدن برالعن زما ده كريح شنيه   |  |  |  |  |  |
| ·    | مغتنىل أكرعني وصفى كوتنضرنه                        | "        | مصدرببسودن كيتميت.  |          | بھی کہتے ہیں .  |  |  |  |  |  |
|      | ملم يكوئى اوراسم سرتوستا ول يخ                     | ~        | بابالياء  | ,        | سيخين يرونون مصدر سننے  |  |  |  |  |  |
| 100  | آذبرا ہے ستعالت ۔                                  |          | تاً مده حسذت  |          | اورسونکینے کے رونون منونین  |  |  |  |  |  |
| 4    | ازا جلیہ ہے براے ۔                                 | 4        | تا عده زيادت -  |          | ا مستیل ہین ۔   |  |  |  |  |  |
|      | اتزمسببيه ر  | الامرا   | مصيدويدن كى تحقيق .   | 4.       | جومها تبديل سع الزيادة -  |  |  |  |  |  |
|      | مرت دسان اطيها درسبيكي كيابي                       | -        | خِیدِن مُنیف یا جدن معبی آیا ہے۔  | ~        | بأتنجوان قاعده حذف صرف كا   |  |  |  |  |  |
| *    | آزَمَحلله اضافت -                                  | ~        | عثالي ن   |          | بِعَمَثا مذب سي الزيادة - أ   |  |  |  |  |  |
| 119  | أشخلبيل سيشكلم كوكونسا فأبث                        | ~        | خرون جر کا بیان اور میکی وجشمیه   | -        | ارفتن کےرسے کی حرکت کا بیا  |  |  |  |  |  |
|      | مطلوب ہے۔  |          | اتآبتدائيه كى علامت   | 1-       | رفتن بالغت كانفتن بالضم كينقه   |  |  |  |  |  |
| 20   | سَمِت المانت كے ليك كو في منا                      |          | أز ابتدائيه بقرينه مقام مذفعبي  |          | ا ہم قافیہ ہوجانا ۔   |  |  |  |  |  |
|      | ہمی کفایت کرتی ہے تواز اوی کو                      |          | الياماتا ہے۔  | *        | المحرَّمَيْن بين لازم كي سند-   |  |  |  |  |  |
|      | محلامین کیون میج ندکردیا .                         | "        | آز ببانبیه -  | "        | بأبالمليم   |  |  |  |  |  |
| 1-   | آزمارتى-   |          | از سیانیہ علاست تعظمی -   | 4        | آمن مے امر ماضرات ادر آرانان  |  |  |  |  |  |
| ~    | محرورارنا ووحقيقي مبي سوتابح                       |          | ازتبيانيه بقرينه مقام مذن كيامابآ                                       |          | وبررستن کے امرحاضر آرائے و  |  |  |  |  |  |
|      | اورا دعائي مبي -                                   | ~        | آوتبعيضيه -   |          | برائے مین لمے تحانی کوسیمون   |  |  |  |  |  |
| 14.  | -<br>ازبراسے قسمت<br>ازیخ آرمغول<br>آزیجنے ور-     | 114      | ازانتنزاعیه -<br>بر   |          | كابل كهنا عدم اعتنا او رخلال  |  |  |  |  |  |
| "    |  |          | أزآنة اعيقربية تعلم مذف كياجاتا   |          | تحقیق ہے۔   |  |  |  |  |  |
| ~    | الركيني باسے مركب العماليہ -                       |          | آزا <i>ع ا</i> ضیہ۔   | 101      | أتمل كايك الف سجكم ضرورت عن   |  |  |  |  |  |
| •    | ترومینت <sub>-</sub><br>                           | i        | ازتغصنيليد -  |          | المجتمى موحا باسے ۔   |  |  |  |  |  |
| 141  | مرون ردابط مطلقا جزوسفت                            | *        | تنقضل بالمفضل عليه كے مذت<br>سر برجمہ                                   | *        | بأب النون   |  |  |  |  |  |
|      | واقع موسكتے بین خصوصیت از کی                       |          | مین کوئی کمتہ مقصود ہوتا ہے۔<br>میں میں میں میں میں میں میں میں میں میں | ~        | باب الوآؤ   |  |  |  |  |  |
| 1    | اس باب بين كم يونهين .                             |          | منعنل طبيري فعنول برتعتديم  | *        | قاعداشات -  |  |  |  |  |  |
| N    | ازجزوصفت كاحدف.                                    | 1 1      | بغض بمرج تضمن عنى تغضيل بن  | 1        | قیاس جا ہتاہے کہ بوبود ن کاامرجہ  |  |  |  |  |  |
| *    | ازمىسلە-   |          | بغيرون لفضيل مفضل نبجاتي ميرا<br>رحيد مرون لفضيل مفضل نبجاتي ميرو       | L.       | برتبنی آرند واشتیاق بدیر کافخف  |  |  |  |  |  |
| "    | آز جوصلہ پرسیدان دغیرہ کا ہے                       |          | مبتی ان سے معنی منسلی کی تجرید<br>منت سے تعنف میں میں میں               | 4        | بودن سے شتی نہیں -<br>  |  |  |  |  |  |
|      | فاعل اوزمنول اول اورثانی<br>رو                     |          | کرمیاتی ہے توحر دیفضیل مینی فنظ   |          | بوران بحرف واو مبان مجی معل ہی۔<br>ا  |  |  |  |  |  |
|      | برلایگیا ہے۔                                       |          | تریارین ان برواض کیے ہے ہمزا<br>سے : در ررمانی                          |          | قاعده تبدیل   |  |  |  |  |  |
| 10   |  |          | بورمنون مرف جرصيغ نغضيل كونمنال   | ,        | پاتودن مائیات کے پہاننے کیلئے<br>دیر اور اور اور اور اور اور اور اور اور او |  |  |  |  |  |
| 197  | كآم من حروف زائده فائد بخشي<br>سيعامالي نهين رسيع- |          | عليكي مانب فعافت كرسكنة بين   |          | موضوع سے فواہی نافعل مائی ہوا<br>خواہی بانقوہ ۔                             |  |  |  |  |  |
|      | 7 70.00  | <u> </u> |   | <u> </u> | رابي ۽ عوه -  |  |  |  |  |  |

| صفحه | مضمون ،  | صفحه     | سفنمون                                   | صغحه     | مضمون  |
|------|--|----------|--|----------|--|
| ~    | كآن مليه.  |          | مذَّت ور -                               | 141      | از يراا در زيرا كي تعيق .                                |
| ~    | كآن غائيه.   |          | تفظ بركابيان -                           | 1,       | از ازررااور مرائ یا ببروغیره                             |
| ٥    | مذّت كان عليه .<br>ت                               |          | بربراك وستعلاك حقيقي -                   |          | ایک عکم جمع موجاتے ہیں ۔                                 |
| ٧٠,٧ | كآت تشابيه -                                       |          | براسمي ينى أسبرا ديسميلگاكر              | 11       | آزادل اورازبيش وغيروين                                   |
| ~    | كآن تفريب .  |          | بره کهتے ہیں۔                            |          | ازكيساس -  |
|      | کآف شرطیبه ۔                                       | "        | براسمی بینے نزویک .                      | 190      | آزبرات اورازاول کے دونون                                 |
| -    | کا ن جزائب ۔                                       | , ,      | برآسمی وحرفی مین ما بدالامتیاز           |          | زائده ازمين فرق -  |
|      | ما عب حوام الحروف اس كا                            |          | برکزوسبه -                               | "        |  |
|      | كوزنها ريه كهتي بن اور حند شرطو                    | ~        | برسببيه -                                |          | أزاران بالبل كلي يحسام لا                                |
|      | مے ساخر شروط کرتے ہیں۔                             | 1        | براطب -                                  |          | ہے الف کی حرکت اقبل کو مے کر                             |
| 7.0  | کاٹ لزوسیہ۔<br>پیس                                 |          | برآنصانسيد -                             |          | الف كو گراديتي بين .                                     |
| ~    | كآن فبائيدانفاتيه -                                |          | بر کیمنے مقابل ویدیش و نزد -<br>است      |          | ئآرانتهائيدساده -  |
|      | كآت عاطفه اضرابيه                                  | ~        | برسینے ابی -                             |          | عَلَيْتَ تَارَأَتْهَا نَيْهِا لِيُدِي .                  |
| -    | كآت اصرابير جبين ترقى                              |          | تر میعنے ور -<br>این                     | 19~      | <b>-</b> (   |
|      | معطون مقصود تنبين .                                | - 1      | برمفعولی -                               | "        | تاوابتدائية تضمينيه -                                    |
| ~    | كآف اطرابية جين نزقى                               | ~        | برنگمعنے ما وجود -<br>سے سر              |          | تآرانتهائية تضمييه -                                     |
|      | معطوف مقصود ہے۔                                    |          | برزائده تاكب به -                        | 1        | تآنسے ہے۔  |
| 1) } | کآٹ عاطفیسا دہ ہینے واؤ۔                           |          | برنائده تزئينيد -                        | "        | ئاءَ علية وكبيبير.<br>-                                  |
| 11   | وقت قيام قرينه حذف كاف فرايج                       | ~        | بَيَّان را -<br>                         |          | تآه لاوس -   |
| -    | کان تغضیلیه۔<br>کان میں بیتی تا                    | •        | لآيمين براس تخصيصيه -                    | 4        | تآبیانپ ۔<br>چن در پیم                                   |
| -    | کآٹ مغولہ کی تحقیق۔<br>سیار                        |          | مرضات رامین مرزائد نہیں ہم               | "        | تا آذنها رية تاكيديه -                                   |
| 7.4  | اتش كان مغوله كامعدريه ناكم                        |          | تاکیداختصاص کرتاہے۔<br>سی                |          | تا آسی مبعنی جه رظر ت                                    |
|      | رکھنا انسب ہے ۔<br>- ریس منصرین                    |          | راتوسليه -<br>پرس پر                     |          | بیآن لفظ در ۔<br>جستان منظ در ۔                          |
| 11 1 | اش کان کو درصورت خصوت<br>مهند تا بریده آن سرزن مین |          | <u>ياعت -</u>                            |          | ظرت زمان وسکان مین در کارشا<br>حقیقه به مین مین در کارشا |
| 11 1 | معنی تول کا ٺ تعنسیر کہنا ہاہئے.<br>سائہ           |          | ماسسبيسية -<br>ما من والأيمان الأن       | ~        | حینتی ہے اور خیرہا میں مجاز۔<br>بهذ                      |
| "    | کاٹ وعائمیر ۔<br>سبب میں د                         | 1 1      | راہے علیہ کا حذت ۔<br>آن استعلا ۔        | "        | در نصفی بر-<br>در نصف قرب ر                              |
| <br> | مَذَّفَ كاٺ دِ عائيُهِ .<br>ين<br>يند . يسه        |          | ران احسملا -<br>را ظرنسيبه -             | "        | در تھے فرب ۔<br>در بھنے میش ۔                            |
| -    | کآن تسم .<br>مذک کا ک تسم .                        | +<br>r.r | دا فرسمید .<br>رآخیعنے از .              | - 1      | ورسے ہیں۔<br>دربجاہے رادمفول۔                            |
|      | مدک ہاں۔<br>کآف تشہید                              | F+1      | راضعے ارب<br>را شعنے ہا۔                 |          | در عمی زیر -<br>در عمی زیر -                             |
|      | ہ میں تشبید۔<br>کآن بیا نیہ ۔                      |          | را کھنے ہا۔<br>را محللۂ اضافت ۔          | - 1      | ور سیسریہ ۔<br>درانصالیہ ۔                               |
| r.9  | ا کات جیا ہیں۔<br>اس<br>اکاف نرویدیہ ۔             |          | را عللهٔ اصافت -<br>را زائده محض -       | 22<br>12 |  |
| 2    | ، کا ف شروبیرییه به<br>کو نب زایگره -              |          | را را ندہ عقل ۔<br>کنڈٹ راہے علامت مغعول | ~        | ور مرسیر -<br>ورنائده تاکیدیه .                          |
| 11   | (  |          |  | "        | ور را بده ما نسید به .                                   |
| 71.  | که اینمی موصول -<br>                               | "        | بيان كائ                                 | 19 ^     | ورزا ندر سیب   |

| صفحه | مضمول  | صفحم | مضمون  | صفحہ | معنمون  |
|------|--|------|--|------|---|
|      | ب لِسكِ نعل تعلق كاصبغد الشي   | 110  |  |      | محمد استخباری-                                      |
|      | ہناسٹرط ہے۔  | ,,   | ہے تعدیہ ۔<br>اور حروف کو حروف اندر بکرون بین<br>آیر صلہ ۔ | ~    | که تقریری-  |
| 119  | بسآ محجابين كاف كامقدر   | . ~  | آبے صلہ۔   | 4    | که افکاری ـ   |
|      | يالمفوظ هونا صرور سے ۔   |      | بتے زائدہ۔   |      | استفهام نسكاري مين دوسري ناول                       |
| ~    | اظهار تاسف وتحسرتم ليلغ اس بر  |      | آ بہنے باہے مرکب ر   |      | كر أورجيه تفها ميكامون تتعال                        |
|      | حرف ندامبى لا ياكريت بين -<br>   |      | بأنصف باوجود   | u    | که اورجالک حکم جمع بوروشی                           |
| ~    | كبس اوركس كابيان -   | 414  | بیان بائے مرکب ۔   |      | چراکا دیتے ہیں ۔<br>دونوع کے دوکانونکا ایک جمہ جماع |
| ~    | مرخل بسامفردا درجمتع دونون   | "    | لآسے مرکب معیت -   |      | و وونوع کے دوکا فوٹھا ایک جبہ جماع                  |
| -    | طرح مستعل ہے۔<br>است   |      | ابتے مرکب عاطفہ۔   |      | لبسيه الصاقبيه -                                    |
| ~    | وآونسمييكا بيان-<br>پيس  |      | بآت مرکب بھنے الے۔   |      | ا بآے اتصالیہ -                                     |
| ~    | تغريب تشبية .  |      | آیے مرکب ظرفیہ ·   |      | آبي سماحيت -  |
| "    | استعاره تحقیقی -   | *    | آبے مرکب استعلاء<br>                                       |      | م بآخراتصالیا در ابئ عیث کا ابالامتیا  <br>         |
| -    | استعاره بالكنايه .<br>استعاره تغيليد -                                       | "    | بائے مرکب بینے از۔<br>انہ سے سر                            |      | ا بآسے استعانت ۔                                    |
| 7,7  | الحسفاره عليبه -<br>تعريف تجريد -  | 1    | ابتے مرکب بجاسے راسے محللہ<br>آسے مرکب میصے تقرف ·         |      | ا بآیے ترسل۔  |
|      | العرفيك جربيرية<br>الشبيد من بإنني جزوز كاموارم                              |      | باے مرکب سے مقرف .<br>با سے مرکب سینے اختصاص .             |      | آت فایت بعنے براسے ۔<br>آسے علت وسبب ۔              |
|      | الرحيت بدكيك بالتج جيزونكاموا  | 4    | بات مرکب بینے با وجود ۔                                    |      | بائے میں و حبب ،<br>بائے سما رمنہ و مقابلہ .        |
|      | واحب، مگرار کان اوراجزا کی بیب   | - 1  | بالمصركب بمعنى يبش وتعابل                                  |      | نے کے میان ہے۔<br>لکے سے موافقت -                   |
|      | مرف حاربین۔  |      | بلت مركب بيضه عا وضد -                                     |      | بنے ریاتت ۔   |
| "    | غرض تشبياكان سے فارج ہے  |      | بآسے مرکب براسے استعانت                                    |      | ا آہے تعرف۔   |
| 4    | الشبية ين وويى شه اصل من -   | ",   | بآت مركب عاطفه   |      | ا بے مقداریہ ۔                                      |
| 777  | ایک شنی کودورسری شدے ساتھ  |      | بّے مرکب ملہ۔  |      | آے تیے ز۔   |
|      |  |      | وو حروب خواه ایک لوع کے ہوان                               |      | آبات قسمید-   |
|      | جهان شبدساقى اداكس كاوجود  |      | خاه رنبون کسی کلمه بزجمع ہون ان                            |      | باتسے ابتدائیہ -                                    |
|      |  |      | مین ایک صف کردیا حاتا ہے۔                                  |      | ما تبضے تا انتہائیہ                                 |
|      | ى كوشىدىد بنادىيتى سى كوشىدىد.<br>سىت  |      | وكاف كالكي كجيمي سرحابات اذبح                              |      | بآسيخ آبي -   |
|      | تهمین شبه شبه بیناده جاتات<br>حسیر و در سر تیر                               |      | فراكابيان -  |      | آبين بيش -  |
|      | عَلِرَون رکن تشبیہ کے مُرکور ·   |      | فل کیاہے باہے صلہ۔<br>بسیر                                 |      | بآنين نزد-  |
| -    | تشبيع على ما من مركور مون ا  | 1    | فرآظرنب.   |      | با نمنے زیر۔<br>آب را ہ                             |
| 2    | مرون شبه مخدون و تی مذکور -<br>- بیتانه منت تاب                              | "    | فرا بهن بررستعلا -<br>فرانسف ببش -                         | "    | بآئے تشبیبی -<br>آتین بین                           |
|      | رف جهروف بای مدور<br>مرق اداة تشبیطنوف با تی مدکور<br>مرکف وحباتشبید محذوف - | ٠.   | مرانشه بیس -<br>قرآزائد-                                   |      | بات ظرفد مبعث در -<br>ورستبنیک باس ظرفیدست تقدیم    |
| 1    | سرف رصبیه حدوق .<br>مشهباورادا و بددونون محذو <sup>ن</sup>                   |      | ورارا بدر<br>بیآن بسا اوراس کامخف بس                       |      | در طبیری بات طرفید سے تعدیم<br>حذف با سے ظرفیہ      |
| -    | منتسباورادا و بدرد نون مفروط<br>باتی مٰرکور ۔                                |      | بيان ب ادراس العف بن<br>بوند بباانشاك كنير مخعقه كيك       |      | المحادث بالصحارات                                   |
|      | 45 206-  |      | يوندن اسك الميرقعه   |      | ا کے اصطلاعے بر۔                                    |

|                | ır ,   |       |  |       |  |  |  |  |  |  |  |
|----------------|--|-------|--|-------|--|--|--|--|--|--|--|
| صغم            | . مضمول  | صفع   | مضمون<br>نالد کوشکین برندا وریث بدیزیت                                     | صفحه  | مضموك  |  |  |  |  |  |  |
|                | معلوم ہوتا ہے اسکومکن اوتوع  | "     | نآله کومشکین سرندا ور <i>ی</i> ث بدیزین                                    | 41.14 | مشبه اداة - وجه مشبه بينيون  |  |  |  |  |  |  |
|                | نابت كرنا .<br>سار كانا .  |       | تشبید دینا ہمی اسی مبل سے ہے<br>سے   |       | محذون مرف شبه ندکور -<br>استی تسم کاتشبید بلیغ نام ہے -  |  |  |  |  |  |  |
| ~              | مشب کی کیا کیفیت ہے اورکس  |       | مرونین سے کسیکا وسٹ مکور نہو۔  |       | التى تسم كالشبيه بليغ نام ہے۔  |  |  |  |  |  |  |
|                | وصف کے ساتھ متصف ہے  |       | فترت مشبه كاوصف مركور مهو  |       | تشبيه لمنج اواستعاره كاماله اللمتياز   |  |  |  |  |  |  |
|                | بیان کرناغرض تشبیه په  |       | مترف مشبه بركا وصف مذكورهم   |       | المشبرا فررستبد بذكور باقى محذوف .   |  |  |  |  |  |  |
| ~              | تتيفيت بأكميت مشبه كامقدار   |       | طرفین کا وصف مدکور ہو  |       | مسببه بعاداة مذكور باقى محذوف  |  |  |  |  |  |  |
|                | ىيان <i>كرناغ خن ت</i> شبيهو.  | ~     | يبان وصفست كونسا وصف   | *     | اركان ثلثه كى افراد وتركيب وتعدو   |  |  |  |  |  |  |
| ساساما         | مت برا مال اس کے بخوبی دنیتین<br>از  |       | مراوسے -<br>تشبیه مفصل -<br>بیشبیه   |       | اعتبارت تثبيه ي تعيم.  |  |  |  |  |  |  |
|                | كرنه كي غرض سي تشبيدي.   |       | ت بيه مصل -  | 4     | جميع اركان لمشه مركب لي  |  |  |  |  |  |  |
| 10             | وختراجع بسيح مشبهي بالمجوين  |       | كفتيم <i>لوع ا</i> لثاثب العتباروص  <br>                                   |       | منبض مركب اوربعبض مفرو-  |  |  |  |  |  |  |
|                | ا تسم بنی سامع می نطون مشهری<br>ا  |       | تشبيةريب مبتدل .   |       | منتد دومرکب مین کیا فرق ہے   |  |  |  |  |  |  |
|                | فوبی ازشق ا <b>چی طرح سے جما</b> یتی   | ~     | تشبيدىعىيە -   | 4.    | تعدورطرفين م   |  |  |  |  |  |  |
|                | وی در می بہی هرت بهادی<br>مقصود مہو۔<br>غرض احدیث بہی چہٹی تسبیطنے<br>اسسان  | ۲۲۰ ۰ | وجبث بهلى مناسبت بيرجب   | . ۲۲۵ | تعدو وروحه -<br>پیست   |  |  |  |  |  |  |
| ماساء          | عرص عنه بنائبه کی چہتی فسی نفتے  |       | کمال بعد ہوتا ہے جب جبی یا نیا<br>است                                      | *     | تعييم شبيه إعب رطرفين -  |  |  |  |  |  |  |
|                | المشبه في طرفتني أورندرت جو بالكل  |       | بلافت سنے رحابی سنے ،  | -     | المفوت رتب .   |  |  |  |  |  |  |
|                | خلاف عادت موثابت كرنامقصورة ا<br>الشخص ما  |       | المستبارهذف وُدَرارِ كان مُلْتُهُ<br>أيت منه منه وَدَرارِ كان مُلْتُهُ     |       | المغوث غيرتب   |  |  |  |  |  |  |
| ~              | مشبه بنندرت اورطر مگری سیسے حاصل   |       | تشبیقوی ومنعیف ہوجاتی ہے<br>   |       | اتنبيه مغروق -   |  |  |  |  |  |  |
|                | ہوتی ہے۔   |       | صرف شبه به مُرکوریا تی ایکان محدوب<br>مهتبه نیست برسی :                    |       | ومبتعدد جیکے کل اجزامسی ہیں۔   |  |  |  |  |  |  |
| ••             | شنبغود نادر سرتا ہے۔<br>من زاہند علی تاریخ   | *     | سننه ؤ مشهر به مرکور با فی محدوث مه<br>سنن فسین مرکور با فی محدوث م        |       | وصمتود وتجميج اجزائهٔ عقلي -   |  |  |  |  |  |  |
| "              | شیخوداوسین مروقت وجروضور<br>مشبه نبا در علوم موتا ہے۔  | ~     | پەدولۇلىسىن اقوى بىن -<br>سىسىم برېم زاتەنە                                |       | وحبث بمختلف بعبض مى اورمفرعقلى   |  |  |  |  |  |  |
|                | المسببة ور عرم مونا ہے ۔<br>بیان اسام کاجن مین موفت سیا  | *     | چآرون رکن کا دُکرکرنا تشبیه کو<br>اضعف کردیتا ہے ۔                         |       | انقیہ ارکان باعتبار حتی عقلی ۔<br>احت سے اس اس اس  |  |  |  |  |  |  |
| 170            |  |       | العن روي ہے۔<br>باتی بين بين درسان ضعف                                     |       |  |  |  |  |  |  |  |
| *              | معتبر بنه بن عام بن والرسط مي<br>خس جيز مين وحيشيه النص مواسكم   | "     | ٵ۪ <i>ؿؠڹۣؿڹؽؠؿ</i> ۮڔۺٳڮڡڡ  | "     | کیفیبیدویهی -<br>این به میمرید الد<br>ادم ته در میمرید الد   |  |  |  |  |  |  |
|                | ا من بداند. شبکه کار سمار عاینا<br>امن مذاند. شبکه کار سمار عاینا  |       | وتوں ہے۔<br>مشہربہ کے ہنتہ راور خص اور ال                                  | *     | اتفرقه وسمی دخیالی به<br>التنبیغیالی دریمی کاما به الامتیاز به   |  |  |  |  |  |  |
|                | مسبر بها ما الرزاق ما ما مين ما دونون<br>خس چير کارتها مقصور دانس کونوض  |       | اعصبه به اسهر اور اس اوران<br>اوصا ف وحبث به نبالی جاتی م                  |       | منیالات کیطرح دیمیات حسی من<br>منیالات کیطرح دیمیات حسی من   |  |  |  |  |  |  |
| -              | ابلان استام مسلود ما ادار<br>ابلان استام مشله به نااه د  |       | الرصات وجب به بای ای ا<br>ند مطلق اوصاف ما                                 |       | تحسوس كومعقول كمصاعد شبيه  |  |  |  |  |  |  |
| ~              | ا<br>الآنيين ين حب ساواة مقصووم تي   | 4.    | تغییر با متبارتفتید و مدولفتید ارکا<br>تغییر با متبارتفتید و مدولفتید ارکا | ~     | سول و کون کا ماہد ہیں۔<br>ایندوسینے کی وجہ ۔   |  |  |  |  |  |  |
|                | يے تشابكها اونتفيه   |       | طرفنین ادرو صبطلق لینی غیرمقید.  | 1,1   | سيامين<br>التنبيز بميع اجزائه حسى -  |  |  |  |  |  |  |
|                | ية المرابعة الرئم الماء ال   |       | ښرين منطب کا يې پرسيد<br>مشبورنه په پنرمونيد -                             |       | بیندی مبرایه<br>آت بیجه جا افرائه عقلی به  |  |  |  |  |  |  |
| ~              | بيآن تشبيه قبول ومردود-  |       | مرف شبه هید-<br>مرف شبه هید-   |       | تعبيري بوله مي المستى المبيدي المستى المبيدي المبيدي المبيدين المبيدين المبيدين المبيدين المبيدين المبيدين الم |  |  |  |  |  |  |
| 144            | رين منهبية بمون عرفيروني وروامتنع  | 4     | صرقت مشير به تغييد -   |       | يُنينِيل ادرضرب المئل كسكر كهته بن   |  |  |  |  |  |  |
|                | استنبيد يه جاني ،  | ,,    | وصبت بمطلق .   |       | اتقييم باعتبار مرطبر   |  |  |  |  |  |  |
| 1              | تشنبيمرسل.   | ~     | وحابث مقيد   |       | الشبه بمحل -   |  |  |  |  |  |  |
|                |  | ,     | غرض إجع بسوي مشبه كهابشم   | rra   | وتقبت بكال فابر  |  |  |  |  |  |  |
| -              | ا تنظیم کوروسی اول -<br>النظیم پیروک ونسسی دوس -   |       | لين شبا مزريب متنع اوقواع  |       | وتقبث بنهائيت بوست يدوجو   |  |  |  |  |  |  |
| <b>TEM</b> 12: | the resource could be a first than the same of the sam |       | 1  | ===:  |  |  |  |  |  |  |  |

| صور | مطهون  | منحد | مضمول   | سی   | مضمون  |
|-----|--|------|---|------|--|
| ~   |  |      | ان مارون عال مين ستعل ہے۔   |      | جيان الواة تشبيه   |
|     | اورکمسی سے ہے) ۔                                 | N    | مرتفتنا پرحرف ندالانیکی غرمن .  | *    | بآن أن اداة تشبيه كاجواسم إين -  |
|     | تلمراواوردم مرادمين فرق معنوى                    |      | آيا وايا-   |      | مقال عينه جوا داة تفييين المسم   |
|     |  |      | آباکے لیئے صدیم ایمین واقع ہونا مرور تیجی ا<br>است  |      | بيآن أن الأه تنبيه كاجنعل دين .  |
| -   | كم انك بيج يه الفاظ بمى نفي طلق م                |      | آياش ماب كستنهام كيك  |      | بيان أن اواة تشبيكا جومريف بن  |
|     | ليني آتے ہين ۔                                   |      | بیآن نه و نے مشہ برنیست ۔   |      | مثال اسا القصر   |
| ~   | کرم اندک ویس کوعاز انفی طلق سے                   |      | كهتى يدكليات نغى محذوث الابيميم كالقيم<br>  |      | مثال آسا بالمدوساروسان -   |
|     | لیے سمال کرنے مین مکت کیاہے .                    |      | بيآن نەنغى منس .<br>سى  | ,    | بينال درسيش -  |
| ٠٥٠ | حروف نوم سباسم -                                 | ٢٣٣  | أسم رز فني منس كاحب علم سوتا ہے   | ٠    | شال دسش.   |
| -   | واومعیت محصورہ کے لیے ۔                          |      | نومتا دل موتا ہے۔<br>   | *    | ين كن من المنظمة المنطقة |
| -   | وأوجومه ومطوف ومطوف عليهمين علآ                  |      | فرن لغی جنس دمشیر برنست کا<br>ح   |      | امثال وار به<br>حتر سرونی به   |
|     | علیت بیداکیے ۔                                   |      | د کی مهل باختفاد اسے کسی اے   |      | نفلاسان کی تحقیق که وه بر استعلا   |
| 7.  | والوج للازم بغيطا قدعليت بيداكراس                |      | ظاہر کے ساتھ ستمل ہوتی ہے۔  | ,    | ا کی طرح اسم اور حرف و و نون ہے .<br>- تا  |
| -   | حروت استثناكابيان -                              |      | بیان نا وہے نا منیہ کا ۔<br>۔ یہ  |      | حرف شبیرون اد اُسکے مخفف جر کا سیان<br>مر  |
| ~   | بيان مستشفى متعسل -                              |      |   |      |  |
| ^   | ميتثني مفرغ -                                    | *    | اسا وخیرشقهٔ برکسی اورترکب سے<br>دورون میں بریر   |      | واخبار کے لئے مبی آناہے .  |
| -   | مستنفي معنع كلام موجبين شاذوما دري               |      | معنی و مقل کرمے ناد امل کرنا۔<br>بہتر نیاشتہ میں ناد  | -    | المون ما وعيهة فهاميه تعلى مواسع-  |
| 101 | بيان مستنتے كمنقطع -                             | ١٢٥  | التم غيرشتق شضمن عنى صفت برناكا   | *    | تَوَلَّى مَنْ مِن مِنْ شَرِطِ -<br>  |
| =   | وخوك وعدم دخول ستشنط نصته كلم                    |      | داخل سونا-  |      | بَرْنَ سُسْرِطِيهِ -   |
|     |  | "    | فبفراسا وفيصغت وفيتضربيني مغت كا  | -    | حروف مسايلنس .   |
| *   | المشتثنا ومنقطع عنيقت مين تشنانبين               |      | بغیر <i>سی کیکے منے منونین بکین</i> ا و فول کیا<br>   |      | سَمَاناكاب ان .  |
|     | ہے ہیں بات (کلما استدراک)<br>اس بر               | *    | تاتوان ناخوان ناوار ناوان سے الفاعلی<br>ریم   |      | تغظ خور کی تحقیق -   |
|     | لیکن کے متارستیل ہے۔<br>استان میں سرقیق          |      |   | 14.  | لفظاخوتضم بعنوميه بريضائر كاالحاق مالك   |
| ~   | حرف ستثنأ كمروني فليغلن ملكي غامين               | ~    | نكاستمال فلات اقتضائه ويباس   | 2    | لفقا خور خِسائر منفسله برود لاقتى يوسكني بزر   |
|     | من ورقع المياروض منفه يميتن ما                   | ~    | تأوانت مازان غیرت اور نیکی کومی<br>سره  | "    | ہمآنا کی عمتیتی ۔<br>تاہمز   |
| ror |  |      | ہے ہیں۔   |      | مَا لَا مُغْنِفُ مِمالًا -   |
| -   | لغظاء بي عِيرِ طح كار برسنامي مها                | +    | اسازدناقبول مین سازوقبول معنی سازگا<br>مهمدین   | ~    | أَنْ وَاوْتُ شِيدِهِ مِا يُامِني مِنْ اللهِ    |
|     | ادآسبرات دائدة منى لابامالي                      | ł .  | ومبرك تعل بواكا بستعال حقيقت بوكا   | ١.   | سے فارج ہے۔  |
| -   | كليه خرابدا تقطيع الاضاف تستعل سويج              |      | بفرورت الف كاحذت بسي كيام آنابى   | ı    |  |
| 1 4 | كائة جزير بلي زائده الحاق سے                     | ı    | موضي استعال ہے۔   |      | تىتسراترنگ -   |
|     | بخرجی کہا ما تاہے ۔                              | ł    | تىمانىغىبىلەرداكى تىتىق -   |      | بلکہ جو فلب طن مین ستعل ہے۔  |
| -   | فظر کرشت مبی کلمان ستنایی ک                      | -    | نے ذائونی الم ومبنی الم ہروری تعین -<br>- رو ا  |      | تیکن ۔   |
| "   | كليه تشاجزو كرزت بخلان من ا                      | "    | نے و دیکلمال نسب فاعلی کے الحاق ہے ا<br>میر میرکلمال نسب فاعلی کے الحاق   |      | نرق ہے اور لیک مین ۔<br>رژبہ   |
|     | کم من کا ابدیے لئے می اب کھنے پر<br>حال دور      |      | بیدادگرونے دادسند کہنا جائز ہے ۔<br>شومین میں دون میں وہ ہے   | . }  | كأكشس-   |
| rar | کلیات منشنا اسا سے اضال سے میرز<br>معنی سینی است | 1    | بِمَنْ مُضْعِين مِكِنا فِيهِ طَلانَ مُتَطَا<br>أو الله الميارية الم |      | نغات کاش ۔<br>مانتہ بینا ترین بہ مقان وارس   |
|     | بعنى بستناسكنم ندحروت م                          |      | نياس وات، عسب   | 1,41 | اش مکنات دمتندان متلی و عادی   |

| صور  | مظمون .   | سخر     | مضمون  | معجر | مضمون   |
|------|---|---------|--|------|---|
| 4464 | مروّن عاطفه كابيان -  | *       | مبس سے کی آ فاز کی حکایت کہا                                 | ror  | فوقف فرصب بهمين سيحلمات فراجي                             |
| 4    | أمرُمون مطلق جمع مح لياء  |         | اس کے محلی صنہ اور شکایت میں                                 | -    | نتيان حروف شرط  |
|      | جمع کے سینے ۔   |         | مطابقت شرطس بهان يدامر                                       | 4    | مروث مشرط پن سسے اگرادر اُسکی                             |
| ~    | بيان ما وعاطفه ع بطلق عن كيك  |         | شعذرہ ۔  |      | تعتيق -   |
|      | مضوعت بالحاظ ترتيب  | 100     | الكبي شفيكي آواز كرنعف قيم                                   |      | أكروصليه جية عربي مين إن وصليه                            |
| ~    | وأواليي مرضع من مي متعل وا  |         | اك طورست اور نص قوم اكم                                      |      | ہوتاہے .  |
|      | جهان ترمتي محال مهو.  |         |  |      | وصليد بنانے مے ليے لفظ آلربرہ جينيا                       |
| 4    | وأؤالي وضع من منى تعلى سوتا   |         | كلمات تنبيهي معات زجريه بين-                                 |      | با دار مجى لاحق كرتے بين .                                |
|      | جان ترتیب <i>دکری کاعکس و</i> آب  |         | كآت تعب كلمات سي ووم سيمتنا                                  |      | مرون شرط صیغه مضابع کے ساتھ                               |
| 710  | بنا<br>المال ادر بررا درکسوٹ اوٹرسوٹ                                    |         | لفظآ دمغتي شاسبت الركتطين                                    |      | كسوقت ستعال كيئه ماتي ببن                                 |
|      | كى حقيقت -  |         | كلمآت مرح وذم-   |      | حرقت شرط صيغه ماضي سےساتھ                                 |
| *    | كسون وضونكى بختيقتهتى   |         | تخصوص بالمدح مخدون بمي ببؤناج                                |      | مبستىل سوناب .  |
|      | جوبان ہوئی میرازدے کے   |         | فارسی بین کلمات مرح ودم کو                                   | ,,   | ب<br>حران مشرطيه  |
|      | تكمانے كے ساتھ كيون بركر فورز   |         | اسلامال كهامناسب برك   | rea  | تاك رطيه  |
| 96.  | كسوف ضوف اكد ضرورى جناع   | 777     | _  |      | رون شوکھی مندسی کئے تا ہیں<br>حروث شوکھی مندسی کئے تا ہیں |
| ·    | وتقابلتمس وقرسيه وناسي بعر  | -       | حب: ۱-<br>کلمات التنبیه-                                     |      | کروں سو ہی مات کیا تی ہے۔<br>کہتی جزام جمی حذت کیا تی ہے۔ |
|      | ثانع على السلام والعسلوة اس   |         | للمآن تعجب وممح وذم وتنهيه                                   |      | بعض موصولات بھی تضمن عنی شرط<br>منابع                     |
|      | کیون خون ولا نے مین ان او قا  | ,       | بارجرومکی اسلے اضال من سیمی                                  | 4    | ہواکرتے ہیں۔  |
|      | مين كارخيروها دات كيكس لي   |         | بحث التم من نبيج نكر شيكا عذر-                               |      | مرون تعب كابيان -<br>مرون تعب كابيان -                    |
|      | مایت فرائے ہین -  | 747     | حَرَوف الايجاب-  |      | شُعِرِث بَرْزِطَك كُعنت مِن طَكِّت                        |
| 741  | تبييى واؤس جنداسم اكيفل بن  |         | بَلَيْ مِي نُعم كَي طبع عربي الأمل بو-                       |      | زة من جنن ادرزه كي تحقيق -                                |
|      |   |         | بن بن من من من ايجاب.  |      | ستعب سنه كاحذت -  |
| "    | ر شرک موتے من<br>العن جد ضل کام بن جو سرتے بن<br>بسی مضمون حید جلونیا - | "       | مروف ايجاب الماتصرف تعديق                                    |      | سَنْال زب وغے ۔   |
| +    | كبسى دا زُها طغه زائده -  |         | تول ماسبق كرفيهين .  |      | متال ابنيت رآنت -   |
| MY   | وا وُعا لمغه مذن مبي كيا جاتاب  | 1       | قول است حبكي بدحروف نصد                                      |      | كلَّات تعبب اسماسے افعال بین                              |
|      | يهان مزد ونفطا منف مرادي  |         | وتقرر کرتے ہیں شبت سمبی ہوتا کھ                              |      | اللّمات تعب کے سنے ،                                      |
|      | وأوطاطفه كهان مقدرانا مإناب   |         | جَلَدِ استِ مصدقة بحودث الايجاب                              | "    | ترکیب نخری اشعار مثالیه کی                                |
|      | اركس مكرنتين الاطآء   |         | منفی مجی ہوتا ہے ۔   | 1    | واه داه داه به به بللي اسما                               |
| 14   | نعتل وصل صطلاعهم عانيز  | ~       | النيات ماسبق بأنالدُ نعي .                                   |      | اصوات مين -   |
|      | كس كوكهة بين -  | "       | يتى كاستعال تعديق ايحاب ن شأذ                                |      | مآه واه کی مثال ۔   |
| "    |   |         | فاسى مين نعم اور بلط سے اندوري                               |      | نية به كى مثال -  |
|      | وآوعاطفه غيرشين كابيان.   | , ,,    | ابالامتيازنن ايك دوس كي عجم                                  |      | يَلَىٰ كَى مِثَالِ ـ                                      |
| 1    | وآوعا لمغه متحرك بحكت فلخ بسى   |         | برابراستعال برطافي بين -                                     | 1    | أساس اصمات من غيرفرى روح                                  |
|      | ہوتا ہے۔  |         | مرون الجاب وسط كلام مين واخل<br>مرون الجاب وسط كلام مين واخل |      | کی آوازین -<br>کی آوازین -                                |
| rep  | بعدوار محاكركوني كارمصدر بالعنا   |         | ہوتے من ۔ ا  | -    | فأنورون اورغيرقا درعك الكلام                              |
|      | موسكى حريت نقل كرم والوكم   | ~       | بقصدنا فبيورث ايجاب كى كرار                                  |      | بیحون کی امارین - ۰۰                                      |
|      |   | <u></u> |  |      |   |

|      |                                    | -    | 1,4                                |     |                                       |
|------|------------------------------------|------|------------------------------------|-----|---------------------------------------|
| صقحه | مضمون                              | صفحه | مضمون                              | صغح | , مضمون                               |
| ~    | مین مائزے -                        | ′    | مرف الكام عنى بعدانان سے -         |     | ريتي بين اوراس العن كوكشا بم كبعى     |
|      | أكما إستعال إختلات كيفيت من        |      | يسترمين تقيب بالمهات مقصود وتي     |     | اقى ركھتے بن كبي كرا ديتے بين-        |
|      | كبى فريسابغطأ حذف كردييني بين.<br> |      | سے آگرمیہ اکمال امر معقب تراخی     | ~   | وآوعاطفدا ووطوت مح ورسيان             |
| 424  | يأترومدييه صرف معطوف اليدبي        |      | کے ساتھ ہو۔                        |     | فصل مبى دا تع موجاً اب -              |
|      | لاناع ائزے۔                        |      | پُس تفریعیه -                      |     | بيآن بإحاطفه-                         |
| ~    | بيآن أكر تزيديه ادرأسكا الم رض     | *    | نفریع ادرتعتیب مین فرق .           | 120 | بيآن تا عاطفه -                       |
|      | مے ساتھ اختصاص ۔                   |      | بيان بازماطفه.                     | "   | بتم عاطفته كابيان -                   |
| "    | الركاياس نرويدكبيل معلوت           | *    | بزمن ترتيب مهلت اورتراخي           | "   | تهم عالحفه معطوف ومعطوف عليه          |
|      | ومعطوف صليد بهروو برلا إجانا       |      | ساتھ مفصود ہواکرتی ہے .            |     | وونوٰن بر واغل ہوتا ہے -              |
|      | اوراتفاق واختلات كيغيت مين         | "    | باز عاطف کامعطوف کے اول وآخر       | "   | أتم عاطمغه كي ساته منبطر ناكبيد واؤ   |
|      | اسكا استيمال -                     |      | دونون مكرلاما جائزے -              |     | عاطفنجى لاياجا ماست                   |
| 2    | باترويديه اوراكر ترويدمين فرق      | ~    | بآزعاطفه كي سامد بنظر تأكيدوا وعظف | "   | بمفاطفه فروا ورجله دونون بروخل        |
| 70.  | لفَظَالَكَى حقيقت -                |      | كالاناميمي حائزيت -                |     | موالس خصوصيت جلد كى كيمد منين ·       |
| ~    | غواه ترويديكا بيان -               | "    | كآف عاطفه كابيان -                 |     | بتم عاطفه معطون کے اول وا خرمبروو     |
| 701  | خالهی سے خواہ بنانے بین            |      | التصالمتفي عاطفه كابيان -          |     | انا مائزے۔                            |
|      | نکته کیاہے۔                        | ~    | نه عاطفه كابيان -                  | 424 | تبم عاطفه كانيز عاطفه كبيسا تعرميم بأ |
| ~    | خواه اتفاق واختلاف كيفيت           | PEA  | بيآن كلمات عالمفه ترويديه          | "   | بمعاطفة كامريد عليه بإن مبي تعل بو    |
|      | ادران وخرمين ما كيطرح              |      | يآادراگراورخواه ان تينون کلمن      |     | بهآن عالمفه تحساته نيزعا لمفه نبظر    |
| 1    | رابرِستمل ہے۔                      |      | كومعطوت ومطوت عليه وونون           |     | اكيد بي تقين -                        |
| mi   |                                    |      | برلانا مائزے .                     | -   | نيرعاطفه كاسيان -                     |
| -    | واونرويديه كابيان -                |      | يآ اورخوا وك أستعال مين            | -   | يرعا كحفيهي كررا ورمقدم اورك خر       |
| rar  | تفاريظ وتواريخ -                   |      | فرق ہے اپنین ۔                     |     | ہم مالمفد کی طرح ستل ہے۔              |
|      | فقط                                | 4    | يأكارستعال تتفت الكيفيت مين        |     | بيان پ ما لمغه-                       |
|      |                                    | =    | بآكااستعال خبرا درانشا دونوك       |     | بس الكامين سركيعنى بعينبين بر         |
|      |                                    |      |                                    |     |                                       |
|      |                                    |      |                                    |     |                                       |

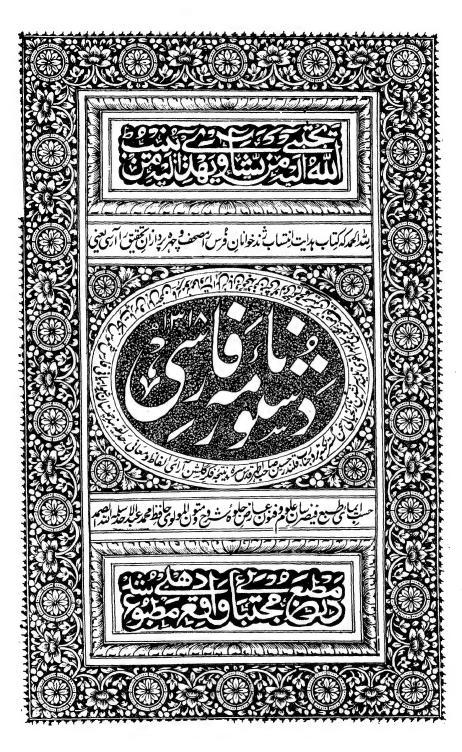
|                                |                          | /    | رسی    | ئامئەفا        | بر.<br>سیدی | اط                     | <u> زاغا</u> | <u>.                                    </u>        | <br>ص         |      |     |
|--------------------------------|--------------------------|------|--------|----------------|-------------|------------------------|--------------|---|---------------|------|-----|
| صحيح                           | غلط                      | سط   | صنی ا  |                | غلط         | سطرا                   | سفحه         | وسيع (ا   | beli          | سط   | مغر |
| خوا بنید                       | خواسية                   | 14   | 114    |                | نغدا.       | 1,,                    | 37           | 4   | 9,            | 2    | 2   |
| گو بیندگی<br>گو بیندگی         | کو منعدگی                | 112  | 114    | 1              | اسانی       | 1                      | 1 -          | 11  | 9.            | •11" | 1   |
| مین باسے                       | مین سے                   | 1,5  | 11.    | H              |             | -                      | ٦٠           | 1 /   | گرنی          | ١٣   | 1   |
| اورسبب                         | اوسبب                    | 10   | ~      |                | اختعاد      | ١.                     | ar           | H   | فاره          | ٥    | 1   |
| مرانیست                        | يترنيست ا                | 10   | 144    | 1              | يسند        | 10                     |              | 1 .   | ميران         | 1    | 1,  |
| ٠,                             | کب                       | 44   | 199    | 1              | خود بیست    | 14                     | 24           |   | مهنسی         | 1.   | 10  |
| آ ور                           | اور                      | rr   | ~      |                | 1           | rı                     | 06           |   | غزا           | ++   | ۲.  |
| ينگ                            | جگ                       | 4    | 144    | II.            | پي          | "                      | 41           | صورحروت   | صوروحروب      | ۱۳   | 1   |
| آباد                           | ١٢                       | IF   | 110    |                | ساسائی      | 9                      | 414          | وجوب  | وجومیت        | 4    | ۲۳  |
| النتين قاظم                    | تا فله                   | *    |        | פנ             | ور          | "                      | 4,7          | 11  | مدانیت        | 1    | ro  |
| آیمسدی                         | آ یصدی                   | ۲۲   | 119    | او ت           | او ت        | 11-                    | ~            | 29  | 0.0           | 77   | 1.  |
| ا آپ                           | ٦٠                       | 10   | 11     | نەخبر          | زخبر        | 414                    | .,           | }   | ىھا           | 19   | 17  |
| زود خيز                        | زودخيرو                  | 15   | سوسو   | 20             | مرگیا       | 100                    | 44           | נט  | س             | 444  | +   |
| بعرى                           | بعرى                     | 10   | پیور   | _              | 5           | ٣٣                     | ~            | "   | ں،            | ,    | 74  |
| النشانية                       | تمش <i>اند</i> ت         | rr   | -      | بخفشى          | بخشىش       | Ŋ                      | 49           | بين   | 4             | 11   | "   |
| ستنبغ خانه                     | حجنج خابه                | 1.   | וייונ  | سنتيره         | ئىپر        | ۳ر                     | ۳            | سواسط كتعجمات                                       | ورندابل عرب   | 10   | 7^  |
| بمورآن دمېر                    | بموران وبه               | ۲    | rol    | مسى            | ا<br>مجلس   | ,,                     | 40           | حرو <b>ف كويم</b> ينيه فقر<br>بغير ممرزه اخير ستمال | بغيرهمزه اخير |      |     |
| اتصات                          | اضانت                    | ٠/٠  | -      | مجالسس         |             | بر <u>جا</u> شید<br>۲۴ | د،           | كيت بن اويرب  | اسمال بن كية  |      |     |
| 3                              | يابيل                    | 10   | >      | سگو            | كەگو        | ٥                      | 4.           | بفروت بینی وقت<br>اعزاب میرگواخیر کو                |               |      |     |
|                                | يارسا                    | 4    | المبا  | دکه خاچر       | رکهتامو     | 9                      | 74           | ر ۱۰۰۰ ار پر<br>لازم اور ضرفیدی                     |               |      |     |
|                                | ان گار                   | •    | 7.     | ظامت           | خلافت       | ۲)                     | ~            |   | _             |      |     |
| ح ونسش                         | خرنسيش                   | ۲.   |        | ېو.            | 1.          | ,                      | 9.           |   | قسم<br>بصغ    | 9    | r4  |
| ا سرایا انه                    | سرايا نار                | ۳    |        | جزوزی مبر      | جروسر       | rr                     | 9-           | بضع   | بصغ ً         | ri   | ۱۳۱ |
| ا غیسہ سر                      | كنبشون منشوب             | rı   |        | كمان           | کا اِن      | 4                      | 91           | سار   | ناذ           | 1-   | 4   |
| اجس صدى                        | وغيره بين و د<br>سير سير |      |        | یہ             | ا ب         | سوا                    |              | منطقة الروج<br>ونطقه أل ظاك<br>ورسح بين -           | شطقة البروج   | ۱,۳  | ٨٣  |
| برس مینے دن<br>گئٹے منٹ دیغیرہ | آن ہوگی                  |      |        | گىيسو <b>پ</b> | گیسوئے      | 14<br>رن               | 44           |   | سے ہین        |      |     |
| مین ده آن بوگی                 |                          |      |        |                | فرینگفامهی  | برکچید                 | ,            | مردف  | مرت •         | 4    | μą  |
| لسمع سينبين                    | وتسمعنبين                | r    | مرسماد | مے نلہارکیئے   | کے ہے       | ۳                      | ١٠٠٠         | حروت  | حرب.          | "    | *   |
| كيمصرعدا أول                   | مصرعهاول                 | ٣    | وبما   | متمست          | وتُثَّت     | •                      | "            | سشب   | ستبيه         | ۳    | ۳٠. |
| بج                             | يو                       | rr   | 10.    | سے آیا         | Fa          |                        |              | حروت  | مرت           | ٣    | *   |
| آغاز<br>آبارها                 | آغار<br>آباوها           | امار | ior    | نحابر          | خوابع       | IF                     | 114          | کی  | ا ئى .        | ٥    | اسم |
| اباره                          | اباوه                    | L.   | ю٣     |                |             |                        |              | l   | •             |      |     |

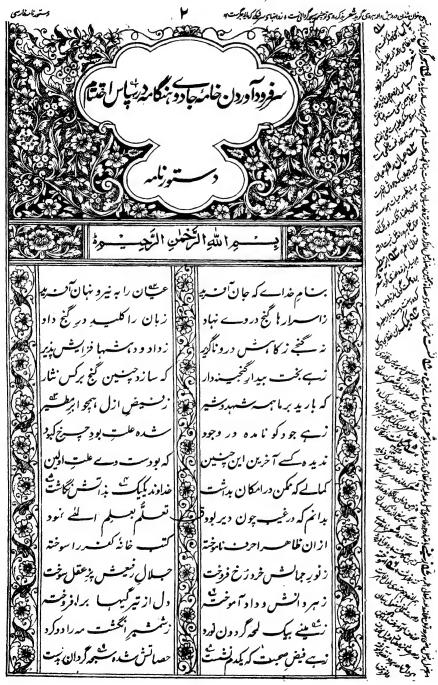
صجح جيع . غلط غدط غلط O.S. يحواث 104 يريدن بريدن ١٠٠ انبلاز بان جو ازبياني تغليم د سیتے من ازرسته انظامی پشعر ۵ 1.7 به وا نی ۲ بدانی ميبين ميهن مكاونروداى الملند 10 126 اورمزوت اسخیان سوسند الربیان اورمزوت 2% 21. ا آز مادی کو ال كن والاسترازا مادى كو و باربها وياربها 100 109 1.4 قصوري قصور :4. 1. 77 ٢ الموسوف أزكارت مبتدااز كاررفته و ٢١١ 191 147 747 وارسر شعطيع أرسر نيته ضرمبتا درع 175 ryr 141 9 پوکہ پو و که کے جہ 10 144 اينا پئا نوان توان 144 أبك فت بوي حبك القدرك استدن وستدن ا گيارسوان 14. بجاسے بندبهت ٣٣ زآتن زآتيق ارراو كرست أذنتنا اذَنتَنا 141 دن مونوسين مونور کشرنوسين ښاني نباريد ىخىش بىس 144 يا ختى ين إرجواباً يافتي الا THY 150 1.11 4+12 UVادنآ - 1 198 ذبر زبير تفامتي رىتى r 14 140 19 ری 190 5 سگر: وله 14 194 16 110 آد اً تو آيڊ 10 1414 ہے جیسے کا دامبن -1 کیمخابل کی بمجوآب بيان ۽ او آگر كا تقابل 4 144 خدا في تدروت ببين نقط 194 • 144 ١١ شاون مين مشالون مين يه أمينيش وغلطي بر*حا*شبه مكن تطاراين كمرمو تمرمو 144 14 rr 140 1. 116 برخوبهر برخود بر زعلماً م بررو ٢ ۳۰۲ 10 1 77 گزد 14.

| <i>نا مهوستورنامه</i> | 300  |      |      |                                | 14  |               |         |                  |              |     |      |
|-----------------------|--|------|------|--------------------------------|---|---------------|---------|------------------|--------------|-----|------|
| صيع                   | غدط  | سطر  | صغیہ | محج                            | فدلط                                      | سطر           | صفحه    | ميح              | Fre          | سطر | سفح  |
| <u> </u>              | عد   | r    | 142  | ب                              | بعی                                       | ۵             | 4/4     | كمكال وستعاده    | كمال أستفاور | عوا | 400  |
| 14                    | Ľ.   | 4    | -2   | بیدادگر                        | بيدا <i>و</i> گر                          | ^             |         | خراب             | نماب         | 100 | v    |
| ستا بره               | شابره  | 4    | ~    | خزيدن                          | خربدين                                    | 9.            | 10.     | اور              | ادر          | ٨   | rra  |
| امر                   | ير   | ١٣   | -    | ذی تعدد                        | متعدد                                     | ٠,٢٠          | ~       | مثهبدىكا         | مشببيى       | 99" |      |
| ساظر                  | ساظرو  | 2    | *    | دو غرست يد                     | وخرشيد                                    | 10            | ror     | غرض              | غرض <i>ِ</i> | ۲۱  | ~    |
| رنگ مین               | رنگ  | 4    | r19  |                                | الہی کے                                   | ۳             | 100     | د يس             | ونين         | 14  | يسوم |
| گزیر                  | گریز   | ^    | 444  | <b>7</b>                       | .5  | 4             | سموم    | نبلاوے           | بتلادي       | ۲   | 444  |
| مضميم                 | هيضم   | نعوز |      | صذف                            | صوب                                       | برجا پئيد     | 100     | اور              | الا          | 44  | P.P. |
| زمان                  | زمان   | í    | 744  | زه ا                           | ,;  | برحاشیه<br>۱۱ | -       | ناتوانا          | نا توان      | 10  | ppp  |
| فا                    | نا   | ما   |      | منه ورخهخه                     | واهاوروادواه                              | ,             | 709     | نسبت وار         | كنب وار      | ۲٠  |      |
| یبی                   | یہی  | ۵    | *    | ار                             | از  | 10            | 44.     | نابسامان         | نابسان       | ۳۳  |      |
| مہی مکت               | رېن نکسته  | 4    | ۲۸۰  | شاذ                            | شاد                                       | ٣             | 444     | بےنور دغیرہ موان | بے نوروغیرہ  | 7   | 247  |
| ما پنجنے              | مرستاره  | 19   | rac  | ىرىن                           | حروت                                      | 10            | *       | قياش نعل بن      |              |     |      |
|                       |  |      |      | ر دما مرسکان<br>کستی نه ویشکان | نا زمان من ادر منطط<br>منا نامین ادر منطط | 4             | 140     | ار               | اد           | 11  | a    |
|                       |  |      |      | النكيه                         | بانتطيد                                   |               | 444     | ريان             | ونان         | 12  | "    |
|                       |  | , 0  | ٠.   | مفارسجي ل                      | 10 00                                     | •             | <u></u> | قيجاشه           | ضمه لا       |     |      |
|                       | A STATE OF THE STA | "פתר | هسار | (0.70                          | مورياس                                    | -             | ,       | عديرك بسيم       | - Marie 1997 |     |      |

( نوان ) نظامی در برگزی 🗗 نه در طبع نیرو نه در تن نوان 🗧 خمیده سف از با در سروحوان مو (واقع موجا یاکراب،) مگرعز بی سبن سواے غدورت شعری کے دوسری گئیستعل بنہن جیسے متنبی نے اس TA شعرين بكاء بالمكوبكا بالقرائد ما بوق و ماذا بمصرمن المضعكات ، ولكذ ضعاف كالبكا ، ها (درمد الل عرب الغ) اور كلام مجيد وفرقان عميدك اوأل سورين حروف مقطعات وبلامريزي حاتيهن جيسطك اورهاویا کھیلعص اور عاسمعسق اور س الله بین مرتفقی ہے قیاس وقاعدہ کو اس رکیا دس جیے ور ياء بالمركو ذكم يا صرك ساخر رجة بن التي كدون تعركزا وجدكرت استمال ب علامه زخشري وا بن والسبب في ان قصريت متهجاة ومدت حيث مسها الاعلمب ان حال التهج خليقة مالمخف الاوحبزواستعالها خده أكثر واسرتعالي علم بالصواب 14 ( وانظش بعل سن الفي الله عرر ني بيث أيدوكر الحت استعلم ونسبت كمن بغيرك ابنها ضاكنده 01 ا (نظامی ولى زوچكان وكواندرآ مدخست به كه توطفل بازى بدين كل ورست و 06 4ع 0 ماره حران الدال فل البيط ، كُفت وكوم وكرا بسيستد وكدم في خام و بازالسيند ، كُفت ركمها مندال كومبا ، مثل من بوندور فرمها دمن ببرشهري ركى دارم نهان درجو قعله الطراف جهمي وحق جرفوا بدرز الشهر ي مراه

|  | ستوركومه  | امرُو |       |
|--|-----------|-------|-------|
| عارت   | Y         | -     | منئ   |
| زماید که حبنبان عرق را « لپس بجنبانم من آن رگ را لقبهر « کدمدان رگ شصل بودست شهر»<br>. صاف   | امر       |       |       |
| بسی ه شاهنگی کس از نامداران بدیشین زمان ، محمو ند آبنگ زی آسمان .  | ۲ فرده    | ا س   | 9-    |
| بهدُما) نظامٌی مِر شَعی بیشِ چنین کس بهگی میشِ کش ۹٬ ورنه قلم بر مهرُ خویش کش ۹  | ا (تو     | -     | 9 ~   |
| ی چر 🍑 برون بینم اوصات شهارهساب دهمگندورین نگ میدان کتاب ؛ امومیدان کتاب هال برل هموارد،   | ۱ سعه     | 4     | 91    |
| رت شين معجمه) نظامتيء 🅰 سه بجهد مونکه نخوا بشکست په وین جبش امروز درین خاک بهست پر   | ا (اخ     | •     | 124   |
| ناندت روزگار) (الدے گویم آرینہ بود آمنزگار ہتی یہ کہ بیان بھی لفظا کارنسیت فاعلی لئے ہے ۔ حونکہ  | ۲ ازند    | ۳     | مما   |
| ٹن سیکھنے اور سکھھانے کے دونور بعنول میں مسل ہے رہان مجاظ معنی اول نسبت فاہلی ملحق کیگئی ہے لیے ہی   | اتموضا    | -     |       |
| ھنے والا ۔ حبال بعبنی وستا وا آیا ہے وہ بلحاظ منے تاتی ہے بینی سکھا نیوالا ۔   | اسيه      |       |       |
| ب کی ابازارہے) بنی اباپرلنفازار جومغیریت کنٹرت ہے الایگیا ہے . مولومی معنوی کا شعرہ استعما   | ا (۳      | 4     | 129   |
| دىگ وَٱنْشَ ايْجُودِتِرا ؋ انستْبِر نے وگک ما ندنے ابا ﴿   | علم       | 1     |       |
| رُلاخ) نظامی هِ مُشْتَعَمُ ور لقت این مادیهٔ دیولاخ 😛 خاندُول تنگ وغم دل فراخ دِ ـ   | 1) 1      | ١     | 164.  |
| راسم حالیه) مونوی معنوی رو 🗗 در روان شیران مدندان لاغران 🗴 و رنه گاوان را نبووندی خوران 🖈  | 11 (((    | -     | 150   |
| إلى أعلاه الله من من كم يم كم يكريك بالنشين وجه نبرش وكانوفود واني الريرك وعاقل باشي و   | ، اراسح   | 9     | 100   |
| ا باد) حافظ فرا پیمث تا بآدخدای بادیارت ؛ حزعیش مباد میچ کارت ؛ و کمه کارت برچفظ ملافع من باد  | ۲ (لفد    | ا سو  | اعما  |
| الهميشه اين منين باد 4 استاما شدانو منه ۱۷<br>الهميشه اين منين باد 4 استاما شدانو منه ۱۷<br>اين مناسب اين منه ۱۷ مناسبه اين منه ۱۷ | .11-      |       | ŀ     |
| نی استقبال کو) مولوی معنوی می <b>ک</b> که حبه خواهم خور دستقبل هجب « لوت فردا از کها ساز مطلب  | الرمع     | ٤     | 14.   |
| موم الماقبل) حافظة متعم جَبان زندكا في كن أنرجبان به كيرون مرده باشي تكويزمروك   | (مف       | ,     | سوء ا |
| سوومت ديدت زجام الست ، براً نكوع جافظ مع ماف خود ،   |           |       |       |
| نن بنالخ) يم مسدرلان م المي ما مي والمي ميليك صائب شلعي زاند كدس اوب كرخنده بازسفد و   | الرب      | ٧,    | 124   |
| گرز عِنشُهُ غیرت شکرنیست و که <b>ک شودرز</b> ق همآ راسنخان من زیدتا تی به عجب دارمردگر در مُستخدان مبغز هما مندد <b>ه</b>  | ورعث      |       |       |
| بوان ازاع اغنىيە) نظامى جېمنتىق بىلىغىم ازىيمەسەل نەڭەر « جزنۇ ندارىمە ئۆن : ۋ «   | [(4.5     | 11    | 124   |
| مطرت تعظارست) تقط بیردن سبی کلمات اث تهناسیے سے مگرا سکے مرخول بعنی میپتنزا براس کے صامین  | ועיב      | 11    | ror   |
| ز شرور ہوتا ہے ۔ مافظ دخس نود فرمایدے من از تو بجزو فانجویم » بیرون زگل دفانہویم »<br>دفعر میں میں میں میں میں میں میں میں میں اس میں                                  | كلمة      |       |       |
| ، <i>شرطهین سے ایک الرسمیے) پرخرف معنی کاس مساجمی</i> آیا ہے۔ حزین فرمانے مبن متعنع کران قاب تر  | ا (حرف    | 14    | rom   |
| نست جمع الوان من به اگری بود بامن روسے گری آفتابش را به انے کائن می بود جسیے کلام عرب مین  | أيشبنه    |       |       |
| جومراد ف الرج مجنى ليت مستمل ہے بنائج تفسير بيركريم ذوَّدُ اُسَكُّرُهُمُ وَيُعِيَّهُ العن سَسنَةِ مِن وَهني  | الحكمه لو |       |       |
| وي عفوالتينين ولو جمعنى كسيث ادر علامه رفحشري ابني تفسيبين فرمات ينبن حيكاماتي كوحاه تصعه  | بيضا      |       |       |
| في معنى تمسع و كان القيباس لوا عبير والشريعاني اعتمر بانصواب منه   | اربو      |       |       |
| كا المار معلوم موتا ہے) بلی كے الف كو با سفت في سے برل كر مليك تبا لو لميون اور مقامرون كي صطلاح ہے  | (بلی/     | ۵     | 745   |
| بات صاحب گل شنی کاشعرہے ک کنداز مبندہ ونخشیدان عصبیان از نست و بلیستار کیسّار کی   | اميرغ     |       |       |
| ن انتست به بین است ای سکتار برده بوشی ماگنهگاران از او آید ۱۲ سند (فقط)  | ارنداا    |       |       |
|  |           |       |       |
|  |           |       | -     |





بحرشد حوفيفنسان ادجون سحار شو د لشکریسے e de Ciraç TA TOP بهجيبه بشباليد چون ذى مبثان تتون را يومث لطعث اوليث تباك کسے را بنجنبش نما ندست که *قرلبٹ رجد لیست* ز<sub>و</sub> ا توا ناحت داو ندج ن الر زاعميازآن فنسيض انتهي سنحنهاسے من کا ندرین واور CE FROM DE Marka Cin بعسزم کموخواه دل کردوسخ تحسىرا نہبا دم گرا نا يەخ Gidoc . بانصاب بين هرچين كنتم به وُرّ ناسُفت را بب وردم از کا وسس مغرکاه ہر ہاہے روکشن تراز مہروماہ که از محب رومه گو سے سبقت رابود کہ ماند صسنم خانۂ جین **گ**ر بجابست اگر نامنش مجنج راز چه آس ان کث دم درِرازرا بتحتیق گرود ترا رمناے زهرگو نه تدنسیق دروی نهاد چە ما يە تسلىم نگت نىن زلاد بتحت حق جو مُي مهواره راه بانت زسبن إره كوتا ويكن الرئية البهّ اثبات حق رفت جندري خن ا بذكر وللك تريث أومّاه ا ز ملول نمسِ لُ رسن يُجْسِيمُ ييل مجمس ل A CONTROL OF THE STATE OF THE S The state of the s in the Control of the The state of the s <sup>ور بخرطو</sup>ل و کویدر A EKINALYA

*ٺنا سندهٔ نیک و بدا*ک خره برره حق مپراغ براست چوبا وصبعت آن ره نه بینی خطا انا بیش درصُعُتُ بیشینیان دوص دنكته ورنقط كردم نهان بهرحرمت رازحبان درجهان ازان کست رسائم تری دروماغ چېشبها که غوروم زووو چراغ چه ارزان کث دم بتوتغل گیخ ازان بس كەبرد م بسے وسترنج اگریج نهبنی همین ست رم الجنجنج ارنب في غرامت تربهت که در سرنور دسس بود صدنوی بین سرسری سوسے این حادوی ب حکمی اید آرام گیر زدستت بهنه خامه و حام کیم ازین گفتگو مغز درث رکنه تواز فكرمب نرخوك تن ترقي زاني تو درحپارهٔ کهنگی نا قری نب ید که بندی ول اندرنوی ر لین جو انی و لو زادگی ۱ ازان ریث تدام نیم شه قطع گشت . چوسال من از ح**رس**ی **برگرشت** مرا باید از بزم بزش گرنت , چو برخ گرانس ایه از عمر رفت چو ور من بہارِ نشاطے نما ند منبابم که درس همه تاب بود نها کزین داغ شدمغروو و

وسترز لامنفارسي

در لیغ آن بُروَ بَرزِو آن سنت ویال در لیغ آن بُروَ بَرزِو آن سنت ویال ن طِ جوا تی خوست بی سال نٺ طِ جو اني چويا د آيدم کے ازحب کرٹ رو باو آ مدم \_ان مت استى بىچوشىپ دىن ورنعينا بمسان مسبرد أزاومن اندرحن اوہمجو چنبرٹ و گلِ وَرُّوهِ مِ از دَرُّوستْ د لاجورهِ چوب ان ارنہیب اجل ننگ خت با ید کنون مرک ارگ بهخت ىن قو<u>ل</u>ىك شكرضعت تاخت ئے یاہی زدن ازمن آ م<sup>رس</sup>گفت ءِ بنیم ک<sup>ی ش</sup>م کٹیدی گرنت عه! چو آبی شو د <sup>ل</sup>کارچ**نه**ان من کٹش رُخا ن جون نظر آ<sup>جت</sup> باآن چومگل بودنم زانبهاط لحار فت آن روز گارنشاط حپ، باید مرا آرزو خواستن بو د آحن رکاستن نیستی حقیقت تودانی کداین حابسے کیت چو ہر د م صداآید اینجا کہت چو باید که خود گرم<sup>ه</sup> بریخ زنم

| ابسالت در گوم نف زئنت است و نامهٔ بوش افزاس تع گفت   | 2 Taight 12 13 12 12 12 12 12 12 12 12 12 12 12 12 12  |
|--|--|
| چه نوش گفت ام چنم بدور ازان در  | , 7  |
| اسنن چنمهٔ منیض بائند وگفت   | الأرنز بجريخ<br>القرية الأكور  |
| قلم بین دگر گومب نفرسنت کست بر فلک تیر با و حیونت  | J. B. Co.  |
| چو در بینا سینے و زُبُرِرنت قال استے اسے گنج ہو گفت سال  | 4.01 \ 1.5   |
| ابط رز نوی نا پہ پردہنتم کی خائد جا دوے ساختم  | 408 3.9  |
|  | 30.5   |
| الماري ال | المورية  |
| حیاتِ ابد یافت از دوزگار کرو مانده اندر جب ان یادگار<br>ایسترین ایست از دوزگار ایسترین   | مبدور و المراقع المرا  |
|  |  |
| البشّ عب: آن رمت كائنات الله الكه جون ابره باردآب حيات الله  | colar ave  |
| ر وانم از ونطب رهٔ نوش کرد که صدحتٔممٔ نوٹ رامان رامان رامان رامان کرد   | يقم جنها بالمراجة والمواد<br>المراجة المراجة والموادد  |
| عب گرنمانم بدوحاد دا اگرگر دوم خاک سود استخوان   | Age.   |
| غرض آبد آن ابررخت بحوین است الم رو ان کرد صدحیثیمیون ا   | Company of the State of the Sta |
| مرانیز مک قطره ازوے رسید که دررت توبندین گهردرکشید   | المنظمة  |
| درو و خداے زمان و زمین براو باو و برسپ روان گزین   | 52 52  |
| الوثيزه بران نيك بيم بإن الخرام وسلام از خدام جبان   | 4  |
| بزاراً من رجب ن أوبن البران كوبخيرالعت دن شدفرين   |  |
|  | نوييت سريحد  |
| 2 3 6 8 6 8 6 8 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6  | Sign CL &  |
| المنظمة المنظم | 6. 6:2   |
| المتحدة على المالية والصافرة والسائة معاصيف المرسلين والده وصحيف المرسلين والده وصحيف المعان المعان المتحدة ا  | The Time in  |
| النورعانان المحدد شعب العالم بن والصلوة والسكا هعلم ميد المرسلين فالله وصعبه الجمعيان المنظمة المرسلين فالله وصعبه الجمعيان المنظمة المرسلين فالله وصعبه الجمعيان المنظمة المرسلين المنظمة المرسلين المنظمة المرسلين المنظمة المرسلين المنظمة  | Chi my 51  |
|  | الم روي الواقع   |
| 1 . C 00 ( . ) . C 0 . C . C . C . C . C . C . C . C .   | A STATE OF THE STA |

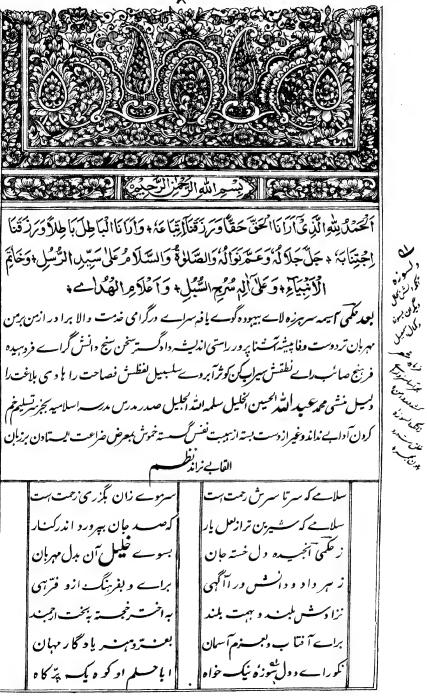
وستيرنامه فارسى

مُنْكُلِّدُوا بِي ارْزُنْكُ بِمُكَارِجاً دوى جامه خام فِي الوَاسِيَّجُ كَتَابِ افَادِتِ نَصَيَّا وِمِتُورُ ن پر و اخت این گنج حکمت ُ ۾ موزننسينڙ" تاريخ وگرگفت بدإرسش حق فروغ حاودانی قطعه درناريخ ت تفرلق معنى مبدار تفريق سقوط ببرحيها ندبمهسان تاريخ وسال اين اصرأو تصنيف خوابدبوه بدبر تغصيل مارهٔ تاریخ<sup>ور</sup> بدارس عی فردغ حاودانی" اعداه الحرون غيشقوكم 111 ی 1.4 وان اڻ

المراجع المراج

معره منيز كرماده

ينابرين



استوزامه فادمي

سخن رانجحیتی بود او بہنا ہ ابپاکیزگی در زمبان پاکتر ے وثرم باغسانِ دراز ہم از آب روسے وہم از بیج و اب انديدمشس بإسسنح ولم سوحتم یدارم ز توٹ کو ایٹ دراز ِ نب کئی بخون گرمی پوزشیم حسذر کن نبامشنی تو بیداوگر مرم جاے مغزانش اندوخت مرم جایے مغزانش اندوخت برننگ حبگرگو ئەمن شرر ا بشور برسوانی ۳ ما د گان بداغے كەصد دوزخش دربغل المُبُوتُ بنت بينان خانه بدويلُ نه زان محاستم مهرونه کین فزوه والمن والمرز القربو كأبابه کہ کو نہ کئم رہجہاے وراز ہدیدارروے توچون آفتاب

ئ ازتواضع برانسن اخته فموسشن ويهشيوار ويالوده مغز به برسلم و دانش درا دبسگاه نخنهباش کیب و فروزان گهر من اے ووست از ہجرت ویر مایز نوستتم کے نامہ چون روے آب برنگ وہو ہمچوروے نگار نگه بررو بإسخت ووحنتم نڀ وروهٔ ياوم از ديرياز تجنبيد مهرت ازين سورشم دریغ<sub>ا</sub>ست برمن ترا <u>یک</u>نظ و ماعمنه بضبط غمت سخِت دخانے ازان آتش این موہے ر. با ه نبکت و وز أفت وگان کبوتاه وستی طول ایل ببتگان شكايت فروتن له مگزشت آن بود نیه*ا* که بود پس اکنون مراآ مرست این نیاز ب ہجررا روز آرم نتاب

واغم رخستگیها سے روز گار کہ بد سُرہ و سرا بخیدگان و نبوائب زمان رخبدگان را درمقابل جندین ب النفاتيها دہنت دوليس كەزما نەغىبت عالم خون دہيب ست باسے تغافل برسرخيال گزاشت نے نے اگر پاسے گزاشتی پاسے اورا باسر النبیتے معابود کہ آب نبت انزراجلاقہ مے نمود آ وخ برگران جانی خود کہ بااین گری سرومہر بہاسے بارال نمیر ہے۔ در اپنے برخت رو ئی خوبیش کہ بدین وست غلط اندازیہا

زماندسر كاخويش نكبريم بإران زمانهم شاكروان فلك بذمهرمهره مازندكد زسرومهري ووزخ ووزخ أتش در ول ووماغ اندازندوازب بروائي دب التفاتى از مرئشغول خودسارند بسب جرماية تمكارى ست وج پایه دل آزاری که گرفتاران آزادی را دازون را میری برندو آزادگان گرفتاری راسترطن از دست د بند **خا** تامخ زفون دیده نه شویم هزار بار اكنون منم كدرنك برويم ننص رسد ور پیکرم زدرد و در بغیت جان دول دربسترم زخارهٔ وخارست بود و تام خسته نوازا برسادكيهاب من توان نجشود كمهامين مرمهر بهاكه دل راخون كرده وخون رابالشك جگرمالا محازوميره برون كرده وجيم كرم مهربها دارم ودكشت محبت تخم ب بإيان آرزو الم كارم ايزد درومند نوازنيك عال المو في بن زير ريز ازمن غمب نروه حیر سے پرسی ورو را درومب ل توختُ زآلٹیں ہجیبر بار سوخت ا دردمن الم كثيده غير درمحيط بلاول اندازى درخپال حبیب حان مازی باہے برحبادۂ ببتازدۂ عنبه بإدئه فتنازده أ | جاکب از خار دشت دامایخ سرب رہے سرمے دسا النے بابهب سوخگيب مطاختُ زانشش وروحبان گدخهٔ نا توان پائے بر توان زدہ سوورا برمسير زيان زورُه ننگ را نام و نام راننگ پستئی را بلن رتسنگے خون ننس کرد و حب گر خواری دل و دین باخت سکساری التأم كرومش بدرحسين ثابي إزتب عشق سخت زار ونحيث تیر صکمی ورد خورد هٔ دوست است مسام گواه همت اوست نے دانماین ہمہاعراصٰ از مہرجہ فاست وروے گردا نیدن ازمن جراست مگر ہمی دانم کہ آن محذوم ازمن نامستعد کابل نبگارش تحقیقات نخو فارسی خومستگارآ مدر و بنبراران تقاضا نامه زنگارآ مدنداگرچها بنده راازان بازكه در تخرير زرمشت افشار كمصرف درقواعد مشرفيه قلم فرسوده است خاطر را نبكارش يحآ

معنوى تدقيقات نخوى بهوس لجدة بین ک*ه رسیداً ایفسس ج*ان نواز ٱلْحِقُّ اَحَقُّ بِالْإِبِّبَاعِ بِرِحْنِهُ گَارِم مُحْقَقَامَ بِمِدِهِ برصفت را که بر انگینت ا *ث دم برشکر خالث* وبس ت زکس لولوِ لا لاےم ئے من گو ہر کا ن من آوروه بدست وُرِّ يُكِتُّ زیگوله بسنے نوی استاره بزير آوريره كإ رنقطب که از مت از کیک

دمستبرنكره فارسى John Killing زمسده ببشكلام مرمنسماي برحرك جانخب زااير بدنكت نبقط امنهفته ادمنسيض جناب اطهرست اين این حب و و یم که لاجوابس زاعب زكم التانبخاب ست تبخب رشراب أن اياغ ست این سے رخوسٹیم که درو ماغ ست شت ست چراغ ست بلبل شورست بخامهام ازان کل ازوے بدلم نبرار رازس برمن در هر*خن*زمینه بازست للمري بوصعت حرمت كوشد ازقطب وسنزار بحب رجوت از نقطب ہزار نکت زاید جعم يولبشرح سعنے آيد ے ٹایاش کن رسبہر پروین رختند گی معسانیم بین يىتى چىپىن چوكار فرمود ے ہرزہ درااد ب فراموش ا بیهو د ه برین زیاده مخروش وقت ست و عامے گرم رس کن تسکمی زین حرف سردبسکن انتاءالله ہمچن ن باد این نامیه مروج جبان باد ا جاننا چاہیے کہ آومی حب کسی زبان کو سیکمنا جائے ہیں اس زبان کے قوانین کلید کامعلوم کرنا ضردرہے اسواسطے کہ ق نول یونانی زبان من معنی سطرے ہے جیسے کہ آدمی سیرحی سطر کسنا سطرسیدهالکه سکتاہے اسیطرح جوکوئی کسی زبان کو دستی <u>سے</u> بول ندم

بوسلاس قانون کے نسپنے ضمران کو آس زبان میں درستی سے مواکو مین کین طاست فاعل کے استعال او فعل کے تالع کرنے مین حیال روحاتے میں کہین فاعل لازم برطلا فاملی نے کو دہرنے ہیں کہیں فعل لازم کو منعول کے تالبع کرتے ہیں وہ اگراس فاعدہ کوحال لین کفعل متعدى صيغُه اضى معلوم ك فاعل برعلامت فاعل بيني في كولاياك يقيمين اوريد لفظ ف عاعل او فعل ك یان کا ننگعنی فاعل کوعل سے روکنے والا ہو ایسے ہیواسطے اُس فعل کو تا نیٹ و مذکبے بین تابع مغول کے دىيتە ب<sub>ېن</sub>جىسىي زىدىنے كتاب ككىمى بېنەدە نىےخطالكھا -اگرىغول پرېھى علامت م**غىول بىنى ل**فظ **كە** دېۋل ك<mark>گ</mark>ۇ اسکوہمی عمل سے روکدیگا کسواسطے کہ یمنی حروف کا فنگسے ہے بس اسوقت فعل کسی کے تالع زم بگا لینے فوہ فعل نه مُدكرر مبكًا نهوُنت بكدابني حيثيت اطلاق بررسجا وسيًا جيسے زيد نے كتاب كولكما منده نے كتا لكعا زيدنے خط كو لكعا بهنده نے خط كو لكھا ليكن إس فعل كا خركر كالمبيس بابا ورس ل طلق كا اپنے فرو كال كى زشئ مین ا با ہے بینی جس صلاقد کی دجہ سے طلت کہ کرفرہ کا مل مراد لیتے ہیں اُسی علاقہ کو محوظ نظر رکھ کر ذکر فوا ہے، طلق مرادلیا گیا اور یہ قاعدہ آمیوقت کے کہ اس فعل کا دوسرامفعول نہو در نہ وفعل اُس دوسے بنعول كة الع بهوما تاب جيسے زيدنے عمر وكوكتاب دى مهنده نے خوار و خطا كلعا ليكن حيند ستعدى فعل اس ے تشخیرین جیسے بولنا پکارتا معنی فغال کرنا لانا وُصلانا لگنا جٹنا لمنا مبدلنا جمیٹینا جیتنا ڈرنا سویٹ وغیرومینی بن نے لایا اُس نے چٹا نہیں کہتے اور سواے مطلق ماضی کے حال اور سنقبال کے ُ فا علونیر کا فَدُ بنین لاتے اولُّل بن بھی جِندائشی معلوم جِمطلت قریب بعبید شکی کی قیود سے یا بجو لان مین مختص مین جیسے زیدنے لکھایا لکھا ہے یا لکھا تھا یا لکھا ہوگا نیم کلمنوی کاشعرہ سنعجر ہولائ کا یاسی و جاتے ہے ارم کونوج شاہی ، ولم بولی ووصین کومین بری بون واس دار کے بس ين آگئي سون + ميرسن دبلوني شعر پارا و وجس س كوفر يادكر و نديد خياكو ئي كاروان بهي أوسرونيم سنوی شعر آیا کوئی ہے کے نسخہ نور 🖟 لایا کوئی جائے سرئه طور ولد خرست بدسا آمت برلائے ہ ۔ ان کے نزویک لانا مرکب مزجی ہے آنیکا ہے بنسیم کلمنوی دوسازطرب طے نوش آہنگ ﴿ ودراز ادب کھکے بعید ننگ ﴿ اسپر شعرواديع شطرىخ نېيىن ، نقد جان ارگيا چال جانسان مبولا، نيم شعراك بلى چېبلى چېسى كومبان ، نيو نے بھگا دیا دکھا سانپ ، ولہ بولی ببزار عجز دناری ، تم جیتے سیان مین تھے اری ، ولہ والدون <del>ما</del>

وه سوي أسكوب لأك ، ب علي توراج لائع كاراك وغرض يتمام عال افعال مفرده كاتعا-اوفيل مركب مين خواہى تركىب بُسكى ثنائى بويا ْلا فى اخەضل كا مصّبارُكيا عالما سبے يىنى وەفعل اخبراگر أن محك افعال متعديد سے ب كر جنكى اضى برعلات فاعل في الايك يت بين توان مركبات كى ، منيو پر بمی علاست فاعل لائی جائیگی ورنه نهین اور قبل کے انعال کا کچرا عتبار منہیں کیا جائیگا خوا دستعدی ہو خواه لازم شلاتركيب ثنائي مين جيكے دونون نعل لازم سون جيسے زيرا چکا كواار كيا عمرورو مبيما - يا دونون متعدى جيسے زيد نے متها راكب ال ليا سؤن خان كاشعرب تتعربين نے مضطرب كيام بكو ، تيرے للنے نے کمودیا مجکو ، یا اول لازم دوسرامتعدی جیسے لی نے کبوتر او بایا یاز بدنے رودیا موکن بات کہنے میں رودیا مین نے ، چرجواب ایا سودیا میں نے ، یا اسکا مکس جیسے نبیدے آزا اور بحکم را محض مننین لاناسی اسی اس مین درج سے اور بہی مکم ترکیب تلاثی کا سے جسے زیدا شالیگیا عمرولیا چکالیکر بعض مرکبات اس حکم سے مستنشنے امین کسوا سطے کہ اُنکی ترکمیب سے باتو جزواول کے معنی ازوم مین فرق منبین آباجید منسد اور رولیامین یا انکی باسمی ترکیب سے معنی لازمی از سراو سیداموجاوی جيب دكسائى ديا اوركه بإايا بأبحى تركيب مفيدمنى استرار بهوجيب روياكيابين ميرسن دبلوى كاشعرب شعر بجاتى ربى بين وه صبح تك ، يه روياكيا ساسف بيدهرك ولدنبل كمول كردونون بسين بل ب وه رو با کیئے در تاکستصل ونسیر شعر کیاکہتی وہ دم بخود سناکی « سوچی بمجبی رضا خداکی و اُلاّفعال لازمد ومتعدبية خواسى أنير ملاست فاعل آسكتي بهويا نة آسكتي بهوستعدمي كركية حامين كافئ فاعلى كاالحات ا أنبرواحب بوكا جيسے زيدنے رولايا منسايا عمردنے أشمايا بشمايا- زيدنے بلايا چشايا عمولے ملوايا لكايالكوايا وغيره كرسوصانا جو تعديد سوجمن كاب شاذب نيم كاشعرب شعراك ون بنجراً أراك لائي حس آرا کو د کل سُجِعا بی ﴿ اسکے مقابلہ میں بعض افعال لازمد برکا فهٔ فاعلی لایا حاتا ہے جیسے موتنا اور كوسنا عبان صاحب كاشعر ب مشعر دوكانه جائي بي نے مواجمه نمازى پر دسيانى ترموئى سارى پرا ا آدها بدن دمونا 4 تبض افعال لازم وشعدى دونوطرح ستعل مين لس كافترفاعلى مجسب وقع لايا حا تله چىيە سېمنا بېتنا بېرن بېرنا وغيره نىيم شعروه چوت بېتى يىياسىمېي ، بازى چىسكىكىياسىمى ، ٱتش شعربكة تنى أس سے عيان سينه حارف كى صفا ، بجبرُه ياركو بن نے دل روش سجا أن طفوليالرمة رخط ہن جب آینے تحریر سراسر لمبٹی ؛ مین نے جانا مری تعدیر *سراسر لب*ٹی ؛ اسیطرح میرادل میلا

أدوويم بيتبران حاكان زم وستعدى منون ثين اشتراك

مِن نے بوشاک بدلی۔ میراگلا کراز بینے آواز میٹر گئی۔ مین نے اس کرا واللہ فتال سَنانُهُ اعْلَائِلا اللہ اللہ میں اللہ کا میں اللہ اللہ میں اللہ کا اللہ اللہ اللہ میں اللہ کا کے اللہ کا کے اللہ کا اللہ کا اللہ کا کا اللہ کا کے اللہ کا کا کے اللہ کا کے اللہ

سیرتا عدہ طلق فعل مرکب مین نہین ہے ملکہ ہا دُہ فعل کہئے باہل فنعل کےساتھ و فعل ببشر کی تعصو واُس سے عطف تعقیبی ہوجیہے آ دیایا۔ آیہان مسل مل سبے نه امراور آ نا بعد دیا استصور ہے بس تنہیدہاروآبیا روپاکیا مین کوئی فعل ماضی آبل فعل سے مرکب نہیں تعقیب کاکیا ذکر محض رونے مین لفظادیا اورلیا برا کرسعانی مختلفہ حاس کیے مین جیسے عزبی مین الک بہی ادہ ابواب مین بیوار مُعلَّف معانی حال کرتے ہین " انتہٰی جاننا جائے کہ بیرقیا عدہ مینی ت فاعل برتقة يرتعد يغن خير كرم طلق فعل مركب مين تهمين ملكها وتعل کہئے آآ ا فعل جبکوہم دوسے عنوان من حا اور و کمبین طلِق امراو کہبی مطلق اضی سے مجیس میں ہوگا تواس ا دؤفعل کے اخرىتىدى تركب يا وب بشرط يكم قصود اس تركيب سے عطف بواسط علمه ښ وضع مين سوتا ہے شال پکواکر ما را که بواسطہ لفظ کرعطف ہوا ہے) نہو ملکۂ عطف تعقیم ہی **جو** نى كەيقىغىدە دوھادافعال مركبەمىن ترتىپ نوكرى بېولىينى جزونا نى جزوادل سے ئالٹ <sup>ث</sup>ا نى سىھ ن موزرو حبيه أولى بأ مثال فعل مركب مقصود العطف المذكور كي ب اسواسط كه لفظ آبهاك بنىاس تركيب من صل فعل سب جزرتى امرين صورت بذير بواس ندم بصيغه اول أنا جدمفا دجزواول تركيب مذكور تمثيلي أوبا ياسب اور لعيد مفاد جزوثاني سلعنا واسطے كە كەن كودبان يركم ازكم تقدم داتى ہو گالبس اور باتى ئەيارولپاروپاكياين كونى قعل خىي كال يادۇقعل سے ہے جزئمہ تیعتیب ضابط قانون کے نزد کی اُس ترکیب مٰرکور کی فرع ہے تو محقق

فوع کا بون شفرعات کے صورت یذیر مہنہین سکتا کسوانسطے کہ بیان نبننے اور وینے رونے ا دندلینے رونے اور کرنے میں تعدد مقصود ہی نہیں اور ترکیب بغیر تحقق بتعدد متصور نہیں لہل ان مواد خاص من تعقیب کاکسا ذکر کسواسطے کر محض سنسنے اور رونے مین جومفاد جزئین المین انعال مركبه ناليب لفط وبالهنسدامين اورابيا روليامين وغيره بنى كياره يألب من بر اکرمعانی مربرمل مركب ك باعتبارات عيروداور مزيد مون ك مختلفه حال كيين جيسے عولی تے عمر صن مين مين موليا ہے كالي من ماده منلاك رم كوفت لف الواب انعال تنسيل وتنشل وغيرو مين ليجا كر مختلف معانى جنكونواص الواب مبى نام ديت ببن ثلاادم وتعديه وتخلف وغيره حال كرتني وبين ان زاكب فسم انى كامبى درباب تغير نفظ ومهنى وبهي مال بهي حبر طرح موادع بهيمين تغيرات غواص الواب سي موتاسيه وأس ناظرين بأنمكين كي خدمت مين عذرخوا ، بي كمين في كلام من فصوات أردوك برافخص كيا اور نهايت مي فكروتياس كو كام يين لايا اس عرقريزي مين فيرخابي واكابي إلى ولمن بيش نها وخاطريسي عله بخصوص باعث قوى اس امركا ابنے مري آي بإدر معظم مغفور كي فران داحب الاذعان كامتث ل سب ينظم گرا می برا در که آن را د مرد ا زهرآرز و ساخت به نیاز ر باند او مرا ازغبان دراز زہے جارگیہا مراہ اخرید حبنان کز کسے درجان کس ندید ول عام کم ازرست مهمرووخت بچيداشك ازحتنم من ول بسوخت بران ندگر و وزرخ کندخاک روانم زهرور وغم کرد پاک بدادسش فداے جہان استین سرے برزوائش ولے برزوان سبامسش فراوان نانمكييت بشكرش زبان مرارون نيست وراز سرونا نصب زبان أتورم بہ ہرسوے گرصدوا ن آورم ندا نم حسدِت کراو ہمینان گراز هرز بان آورم صد بیان کہ یا برمہشت برین بار حاسے بمان به كه نوابم بجدت از خدا

و یا و آبر د کسیشش خداو ند نششه

له باشد خنگ درنب دماب حث

The state of the s

ألمسان كي زانبرغيه وكالعتراض بجامه علا

چۈنكە يەمىرى زبان نېين اور نېزاپنى ئاستعدى كى وحەسىخطا. ہے میری خطائین دائن عفونین جیبا بین مترن عو نبقصان وبين | چون گمرند ا زر ه بینش<sup>و</sup>ران ب رم که سخن سروران \_ کے نیت گہویند باز چون همه عیب ست چه گویند ماز څٺ , وونگپ نډېزر کې کننډ و نبه حیٺان نیبت که گرگی کنند غرضکہان قوانین کے جانئے سے اُنکے کلام ٹین غلطی مہت کم واقع ہو گی اس سے یہ بات مبسی سبچہ مین آگئی ہوگی کہ دب کوئی بے دساطت مسطرکشیدہ کا غذیکے سبدھی سط لکھ سکتا ہواُسکوسط کی کچے ضرورت منہیں ٹر ٹی بلکہ وہ یہ بھی نہیں عبانتا کہ سطرے کسقدر بلندی اور کسقدر بہتی ہے لون کون حروف لکھے عائمین ہسیطرح اہل زبان کوان قوانین سے کوئی ضرور یہ تعلق نہین ملکہ وه ان باتون کو مبانتے ہمی نہیں ہا ن حب وہ بو لئے میں اپنی زبان *کوینران* قانون پر تو لئے بی*ن بلہ ہما*کے توانین کے شوا برانہبین کے کلام بین بیسے قبل از انضباط قرانین<sup>ا</sup> بل زبان کا وجود ح<del>ابس</del>یے تاہُں سے توانین کا ہستنباط درست ہولیں ہرکوئی اس بات کو بھولے گا کد بعض سبند یون نے گوعلو م عوبیہ اورجسیع علوم دفنون کے عالمہ و ماہر ہی کیون نہون اہل فارس جیسے شیواے طوس فردوسی ح اورافصح الفصى اسعدى عليه الرحمة اورسندالمتا خرين على خرين كے كلام برجواعة راض كئے مين اور أنهين اصلاح بھی دی ہے طرمی وامبات ہے ہان مفامین اور مطالب براعتراض اور اسلاح کی گفوایش ہو تا ہمالیون سے چوٹامنہ بڑی بات سے ضمول آفرینی کسی کے گھرکی ملک نہیں دالف فضل الله یو تیک مین پشاء دامله خد والفضل العظیم اختصار کلام بیرہے کہ حب کسی زبان کے سیکھنے کی آس نی السكحة واعدا ورقوانين كى تكهد انت برموقوت مولى آوراً وكيفتين بغت مين محابد انت حدم جركو کتے ہیں تو ہی سناسبت سے خاص کسی زبان کے قواعد اور قوانین کی مراعات کے جاننے کا (جسکی وج سے سینے کلام کی نکا بہات لینے اپنے کلام کوخلل اور خلاف محاورت سے بچایاجا تا ہے علم ادب نام بس جابية كريك أسكور مي تقيق اور حت ك ساته حفظ كرابيا جائ تاكلام ك صواب وخطابر آكمي بإئے بھراپنی طلب اوائی مین سبت کم خطا کھائے تو سام خداجند فارسی قواعد اُردوعبارت میں بجسہ

واحب الاذعان معرض عرض مين لآيا هوان **گويه ميري زبان ننهن گرگونی بات خلات محا**دره ارُدور**ته** مندر يون إن طريق اواسے الله طلب مين متوكرين كھانا البته قابل عذر قبين بيمركيا كيجيّے ارناستعركي ارجالت كامرابونهين ملوم كهان كبان عوكوين كعلائيكي ادكس كسجك وموك ولائيكي اللهم الشونا يَبُنترِكَ الْجَيِيْلِ خداكرے يدميري سمى شكور بهو عصول دولتِ قبول اسكے بهراه صرور مو بچونكداس خط ﴾ ﴾ الا من زبانِ فارسى كا قانون مُركومه كا و**ستور نامه فا**رسى اسكانام ركهنا البتدارتجالِ سے دورہوگا استحن شکرف اسکاسال ہے۔ رب ملب ل سے اتباع خیرآل ہے۔ وبس طمس ا برحن دایامن فانسل براز این ورق سا ده که بهتم طراز ا گرحب که امروز جال من ست 🏻 عاقبت و الا مر و بال من ست اہم تو کنی ور دلِ سفلقے عزیز حون رتوسنه این مهه ناچنه چنر عيب سناسان بكيين من اند ہے ہتران مبلہ بکین من اند ورنظب رعيب مٺناسان بيوش تو ہکرم عیب من عیب کویش ا برسن آبگاہ برایٹان نانے سرئه انصاف به برچشم ساے داغ قبولی کمسس اندرسرش تأكمن ابترس

یہ بات طاہر سے کہ استال طالمہ دعم نوالہ سنے آومی کی سرافت کا زینہ تا می مخلوقات کے درجیسے ادبرأتها باسب بادجود اسك أكرمرني الطبع بناياب ربنسبت اورعاندار وسنك أس مين كلغات بمى زيادة آكئے مثلا خرس وروسش مرج كيكيكس بلاكے تعلقات كيلتے جاتے بہن كيسى كسي اور چنزين اختراع باتی بین جان بجانے کے لیئے کسی ایک خاص غلیکا آسیطرح بھا ٹک لینا یا آبال کھالینا کافی تتعاجا سطر سك بلاؤستنب تورم كى ضرورت برى اوربوشش ستراور وفع حروبر وكيائيكسي ابك غاص كبريكااوره لينااو بإنده لينابس نتعاجر مطريك مُطرز لمبوسات كى عاجت سوئى غرض نسان كوسببان تخلفات كے جند ورحيند حاجتين طركئين بنسبت اور حا ندار و كئے غرضين لره كئين تو ابتضاب تدان لين نوع كے ساتد بغير يلے جلے جينا وبال مفہراورابنے مى كى آرزوا ورول كے مقصدكو بدون بتلائے الكروس ك تعبش محال مثهراتوزايده احتياج سمجن سمجهانے كى بڑى دىنى ايك كو انلهار ما نى الفىمىركى دوسرس كو اُستىكے

طوط كابيان

ععود کابان

ی ضرورت سبر توا کفرمی ہوئی ناخا رکو ٹی ایسی چیز ڈموندھنی جاہئے کہتے و وسرے کے جی رکھنوائے لیس آصطلاح مین کسی کے اسطرحیہ ہونے کو کہ جیکے جاننے علزم شے کاعلم ہوجادے و لا ل**ت** کہتے ہین اور اُس شے کوجس سے علم ہوا ہیں وال اور س کاظم ہواہے اُسکو مد**لول** کہتے ہیں اور اس رہنا ٹی ہم وسیلہ یا تو لفظ ہو سیگے یا سوا۔ دئی اور شئے بہرایک ان بن سے کئی طرچہ ہے آگ تو بیکہ وال اور مدلول مین کوئی ایک علاقہ زا تہ سوگا جسکی دحہ سے دال مدلول مک رہنما ئی کرے مثال اول کی جیسے کو ٹی شخص ہماری آنکمیون سے عا<sup>ئب</sup> ہوکر کو بول را ہو مجرد ہتماع ہار عقل اس بات برر منہا بنجا لیگی کہ بیان وجو دکسی بولنے والے کاشوقہ ہے آتی بینی خینطی جیسے دہوئین اوراگ کے دیکھنے سے اگ اورحرارت کی طرف رہنا نہ نبناعمل سے وورہے اسطرح کی دلالت کاعقلب نام ہے۔ دوسرسے یہ کہ واضع کی حانب سے دال ادر مدلول مین کوئی علاقہ دضع کا رکعدیا حاسے اول بعینی لفظہ شلاداضع نے زندہ گویاکومقابل مین مردہ کے اورلفظ زید کا بمقابلہ ایک شخص خلص کے وضع کرویا ہے ادِ ثانی مینی غیر لفظید جیسے دوالِ اربع کی دلالت اپنے موضوعات پرمثلاً خطوط وعُقود و دَنُصَبُ وا شارات اورخطوط جیسے یہ پڑی ہوئی لکیر — نغی برولالت کرتی ہے ہی طرح دولکیرون کا موازی ہونا • مساوات بالگرامیا نہو ملکہ دونو بھے سرے کسی ایک حاب ل ٹرین </ کمی اور زیادتی ہرا ورا کی گا دوسری سے تقاطع کرنا اگرسدھے ٹرے ہوئے خطا کا سدھے کھڑے ہوئے خطا عارة الله بيدا بوجائين جيسى يشكل + جمع بداكر اسطرح كاتقاطع نهوكوفائد ببداكرين جيد بر ضرب براور ایک برے ہوئے خطرے نیجے اوبرایک ایک فقطہ کا لگا دینا جیسے یہ ب نفسیر پراور اُن دونغظون من <u>سے خطکوا ٹ</u>ٹا دینا <u>جیسے</u> یہ :نسبت بیر دلالت کرناہیے *ہی طبرح* نقوش اعدا **دمٹ**لاً یہ نعش مم جاریراوریہ 🛕 پانچ برد لالت کرتا ہے اسی طرح نفوش حرفون کے جوا کیے صوت مخرج خاص ت كرتے مبن - آورعقو دسٹائت ب كے سركوا بہام كى خربين سپونچا دين توبيعقد نود برد لالت كرتا ہے اور ریز خفرکو ہنیلی کے سرپر رکھنا ایک کے لیئے اوراُ سکے ساتھ بنصر مبھی رکھ لیجا ہے و و کے لیئے

اوروسطی بھی امنیکے ساتھ وبالیجائے تین کے لئے موضوع ہے اب اگراس عقد نود کو تین والعقوو

ما ترجمع کرین بالکل بذی ہوئی شمنی نظراً ئیگی ہی سبب سے اس سے بخل ادر خلفینی

ويشجر لعب شاه محمود المحايان "

بيان فرق عقد واشاره ،

كنا يدكرني مبي جيسے اسكے مقابل مين كشاوہ وست كوفيض وسخانسے جنائح فردوسي عليه ارحمه-سلطان ممرد غازی کی ہجومین کہاہیے متعرکفِ شا ہ ممرو عالی تب ْر ﴿ فَهُ الْدِرِ نِهُ ٱلْدِسِيدا فِدْ حِبارِ ﴿ إِور نصب جیسے دوسارون کاعمارت بریمینا دیسارا کمٹراکردینامسجدکواور پچیرون یا ٹبربول کا ڈمپر کٹاتے جلے عانا ریگزرکو سلام ایسے پر رسم زمانة دیم کی تهی اور را مهون مین میلون کا گاروینا ایک خاص سافت مکانی کو تبلار اسے اسیطرخ گھڑیوں میں سوئی ایک خاص سافت زمانیکو تبلاتی ہے آوراشارات جيسے كسيكوبلانے كے ليئے تھيلے ہوئے الم تھ كى انگليون كواپنى جانب مۇرىن انكاركے ليئے دائين بائين بلادین اورا کی کے لیئے ایک انگلی ووسکے لیئے دوانگلیان چارے لیئے انگوٹھے کو د باکر جارو لی نگلیا کھٹراکر دین بیسب اشارات ہیں *لیکن عقد اور اشارہ مین اتنا فرق ہے کہ* اشارات میں شارالیہ کے ہائت کو کچیہ وخل ہوتا ہے اور عقو دمین ہی طرح نہین ہوتا۔ اس قیب ل سے بچو ملک کے وخول ُ خروج پر تولین کا چلنا نقارون کی چوٹ سے سہر کا ڈبنا ان تمام کا دلالت وضعیہ نام ہے۔ تميسري وه ولالت سب كه حب ملول عارض بهوتاب توغواه مخواه طبسيت سب أسك وال كا احداث بهوما ہے اول مینی لفظیہ جیسے آئے گرنا سیند کے دروا در کمانسی پردلالت کرتا ہے اورکسیکا اوند اوند کرتا بکو كولنا كيت بين أسك وروسم بروالالت كراب بناني يينے غريفظ يدجيب سُرخ موجانا جرو اور ويدونكا غضب پرادرانکمونیکا پنچاکرلینا کشرم دصیا بردلالت کرتا ہے اس قسم کی دلالت کاطبعیہ نام ہے۔ خبستنے ولالتون كاحال عبان ليا اورآ دمى كى كغرت احتياج كو مان ليا توضر ويتقليدا ورطبه يجلكار آمد بنو ناسعلوم كرليا بهوكا واستطحكه اخذما فحالضبيرونهم طلوب كےليئے انضباط ضروریب اوربیان عقول اورطبانع كے اختان کی حبت سے انسباط کوسون دورہے توضرور وضعی اس میں بھی لفظی کو اختیار کرنا فریّا رہو گا اسوا سسطے کہ غینفلیهتٔل دوال ربع مین مبزارون تکلفات کا سامنا ہوگا بعض وقت کو ئی بات بن نتمانیگی عبیبی صاف ظاہرہے بہان کک کداشارات ہی کیون نہون کم از کم ان مین اتنی ضرورت تو مو گی کد حبکواشارہ کرسے مین ده اُس انثاره کے سامنے ہو بھی صحت بینائی کے سابقر روشنی بھی ہوناا کر دیکیے قطع نظر اسکے خداوند تعالى شاند كاآدى كو بازارونيا مين نقد عمراً كلكره وجودين بانده كرميعجنا ابنى رضاكى خريدارى كيلية ہے یہ امرعقا نُدحقہ کے ہتھ کا هرا ورمتاریت غزا کے احکام کی تساہم برمنحصرہ تواکن میں ایسی ایسی بالون مے سمجھ سے کی ضورت اپڑیگھی کہ وہ معتولات صرفہ مؤیکی 'تواُن مین فیر یفظیہ دلاکتون سے

بلتا نظرنهین آتاغرض لفظی و مسی سے الفا سے مطلب بخو بی ہوسکتا ہے ا درو ان میں ایسا ہونہیں لتا اور خلات عالم بنے میداس نسان کوطرح طرح کی جاجنون میں بابند کر رکھاہے بغیر در <del>سے</del> وسللع كربشيك حاجتول كايورا مونامعلوم شالا بهارست باس روميدركما بواسب اور كهانيكي سخست ہے قروب کو کھابی نہیں سکتے فلہ کی جبتی ہوگی ہی طرح اورکسی کے باس غلہ شکی حاجسے افزون بدلیکن اسکویشاک کی ضرورت سے قواسکوکٹرونکی تلاش ہوگی سیطرح اکسی کے باس کیٹرا اشكى حاجت سے سوائسے ليكن أسكوكسى اوريشنے كى ضورت سے توسم اُس غلد داسے سے يا وہ غلوالا سم سے اپنے افعال معیر کو ظاہر کر لگا ایس میں روسیہ اور حبس کی مساولت موجا دیگی اور وہ بھرکٹر ہے <del>وا</del> سے ہاکپٹرے دالااس سے ابنی اپنی حاجتین ظا ہرکرکے کام بورا کرلین عے شعب اسم در و گزیم مقاسم حاسیکے اہرکے کارے گزیند زانقت العاصل صیبایہ انسان ابنی عاجتو کمی ک<sup>و</sup>می رینجیرین با بجولان ہے حکیم علے الاطلاق کی قدرت کا لمہسے ا کی اظہار کی راہ ویسے ہی آسان ہے مینے حکیمے من برزبان افرین جلّت حکمته نے اپنی حکمت کا سے آس مواکو جوبوسلہ بارزلنٹسٹ کے داراسلطنت قلب کی گرمی شکال لاتی تھی منائع حاسنے ندیا۔ اس ادنےسی جزرسے بہت بڑا کام لیاس طور پرکہ حب مقابلہ مین ہرایک معنی اور معصد کے لفظ وضع کرائے گئے اُگروٹی برتوا علم ضاوندی سے نفس ناطفتہ پر پٹریگا بپامردی دل اُسکاتدہ جانب برزختان خ**یال** جوبین بین مجرٰداور مادی ہے ہے بڑسیگا اا بینے تجرد کے بامن میں تفتید کی ضمال ڈانے بیدرکابهاے لب و زبان ادہم صادم مہوا پرسوار ہو کر شکلم سے جس جس منزل پر مقام رازان کے بہونیا تھا دروازہ گوست سے گزتاسام سے انہین سنازل میں از تا طون تعلق درن توتشيدس بالشام وكر بوشه برسان ول مين جاگزين موجاتا سي مصرعه سخن كزول آيد بودولپزیر ۹ ادرانبین مؤنونکا اپس مین اورزبان کاسی موضع خاص کےساتھ حبکا نمارج نام ہے بنگرکھا ناجسکو قرع کیتے ہیں یا اُنکا اُکٹر ناجسکو قلع کہتے ہیں ہوامین تموج پیدکر تاہیے جس سے اُس ين ايك كينيت خاص آجاتى ب حبكورف من آواز كهت بين زيرى بتى بيجاك عَنْكى أسى آواز طلت کے حوارض ہے ہیں ادرائسی تموج ہواکی خارج پر مگر کھانے سے اجزائی ہوائی کی تقطیع ہوئی

ترومة تجويك إسني بوزيكا بأن م

اورجب إنهين اجزا سے موائی بر بچاک عظی زری بی هارض موشی واس عاض مع معوض كارون المهوا - بہان یہ بات میں قابل یادر کھنے کے ہے کہ انہیں حروث کومض علماد تومبل مینی موضوعہ فقط غض تركيب كليات كے ليئے بتلاتے مين اور مض دوراندلشون كے نزديك إسنى كہلاتے مين . یہی رائے متارا ہل تحیت ہے خصرصا یہ بات زبان عربی من بخوبی تحق ہے کسوا سطے کہ جب الفاظ یو چند حروب من بهم اشتراك ركهته بين اوكسي حرف من اختلات تو استكه معاني من ميمي اشتراك اور اختلات بوتاب مثلأ فتمر وقسم وشم وقصم وضم وفلم للط فرلميئة وان بين كتاكي وبرمدكي كالمضنون دائروسا نرب اور بجرابهم الخصعاني مين اختلات بمي وجودب ببني سرايك وسيعنون بردلالت كرتا بشيختم بلغتج والثا المنلثه الساء ايمص الك كرك وينااور قسم بالسين المجلكسي چيزك حصف اوركزك كرنا وقستنحر باشين البجر كمعانا اوركعجورك بتون كو درازي مين ميارنا اور محلم باللهم ناخن تراسنناخ ص إن الغاظ مين حبيه اشتراك قا ف اوربيم مين شاليا ہی ہسٹ زاک اُسکے مضمول خاص مین ہے اور صبیاا ختلات اُسکے مین کلمدین ہے وہا ہی اختل<sup>ا</sup> أشكعواني جزئيه مين سے بلكهم صاف و يكت مين كه حروث كي سخني ونر بي سے كلمه مح معنون مين سخى وزى آجاتى ہے سلاقصىم مہلد امين وقضىم عجمة اعين جيے نرى صادمهل مين اور سختى ضاوع، من سے دسی سی نرمی اوسختی الم بھے معانی میں اسے بینی قصم اس طرحکے توریف کو کہتے میں کا کیک لل واحتنفصل موعباس اوتضم معض انتون سے اس طرح کے جبانے کو بہتے مین کرجس سے ریزہ ربزہ بنجاہے اگراس سے ہبی زماٰدہ سختی معنون میں سیداکر نی منظور ہوتی سے توقاف کوٹیا وسمجہ سے بلدیتے ہیں جیسے خصنے مریکل دانتون سے چہانا ہواہے الخضم الاکل بجمیع الف والقضم دون خدلك كمانى الصراح - ابسلوم بوكياكه مرون كومبي الفاظ كيمعاني مين وخل سي لك حركات وسكنات كومي جيسية تيركوال كى توالى حركات بكه ترنىب حرون كوجيب لفظ مليع من ترميخاج حروف کو ترتیب سانی کے ساتھ کس بلاکی سناسبت ہے ملاحظہ فراسیے اول تو با حروث شفتی بھر لا وسطى بهر حيين طقى اور كلنا بهى اسى ترتب وتدريج سے بواب اسى طرح بهيأت تركيبي كوبم افظ ے سن میں بڑاخل ہے بنام ہوں بنار بہی راعِنا کے قرل برآئی کیاسنی کراعِنا صیغہاب سفاعله كالمسيح بكي مياكت خاص ساوات مين المفاطبين كوجاجتي سبت توگويا يون كبها كمرتورعايت ماري

صفااورنا علاقه دارشكل عبن منع وبييح كالمهنهين أش سيحات بحت خداوند بإك مراد سنونت معلى كمعلى مناسبت كمتى سيكسواسط كدر حبوات مين وه وراء الوراء صفا در صفامقام بي كوئي مقرب وال بنبن سپونچتا کست تفیض کادست تعلق اُس پہنین تھہ اِسٹھ رہند اور اے جلائش نیافت و بصر ختہا ہے جالش نيافت وحب اشرف المخلوقات لبشراسكي تجليات سي رسيح ورج ذات كاسب ميو ينحف نإا اوراسرع وانفذالاسف إبهركواتكي سرصرجال برببونجنا ميسرندآيا اورون كي كيابهتي بس اب سنفاضهائس دجودباجود سے بوحبائس غنی طلق کی دج مبت واتی اوراس بمبرتن محتاجی امکان کے مال تمااسبوا سطے صفات جوزات سے درج تنزل کار کھتے بین بوجا بنی قدامت واسکان دونون انب كى رعايت سے واسطة الفيض مؤتبن اور مرطرت كاتعلى اور البجا وعالم كا ان صفات كے سات ہے جس ہے رب رانق خان غفور کرمے وغیرہ اُسکو کہتے ہین تو ویکھیئے کس خوبی و ڈویش اسلو بی کے ساتھ شکل لامر ل مناسبات معفاتیہ کو کُملی کمنکی سبّلارہی ہے کسوا<u>سطے</u> کہلام العث سے تغزل سے عال ہونا ہے اور متناہی تعزل ایک علاقہ اور انگڑے کی شکل برہوتا ہے اس سے یہ بات بھی نلابہوگئی کہ لام نہ تو ہاکل عین العث ہے نہ تو ہاکل غیرالعث اور پھران کے اسمول کی محبت قلبی جولام بین العت اورالعت مین لام ٹرا ہوا ہے سوال دونون باقون سے وہ *س*ٹلہ سلم الم سنت غالت زعین بهن رزغیر کمیها منطهٔ کمهال برجلوه بار اسب او رعیبی اتس ذات باک بل شاندست بغيرواسط صفات كي كسيكا فيضياب هونا نامكن تعااسيطرح بغيروسسيله محدى صلح الديملية والم صفات سے ُعلق بِكُرُاسِنِي آپ تنفيض موما نا با قتضاب لوي اك ملك خلفت الافلا الط محال تما خصوصاً اس فیض سردی مک جو تنزل قرآن محبدسے منظور تھا بغیر ذات بابر کات آجکے کون بہونچاک واسطے کہآپ کی ذات صفات خداوندی کے سام تعلق اتم رکستی ہے اسمواسطے آسکے اظلات كوتران فراياكيا اوراب كى ذات مجم البركات فيشمدُ فيوض ب توديكميُّ تسكل ميم - هر-مین ان امور کا لحاظ اورمناسبت کس درج لمحفظ ہے اور یہ بات بھی ہے کہ بہم تمنا ہی لام ہج اور بیرٹ پراس امرکاہے کہ بعد وات جل علاشانہ کے درجہ صفات کا سے بعد صفات کے بجز ے یکامقام نہین سب اس سے <u>پنچے</u> مبین یہ عنی فاتبت کے بین م بعداز خدا بزرگ تو فی قست منتصر و اور کے سمی دینی هرکا جن ارام

ئركات ادرسكون اوترث مدبدكي جييت ١٧

آوربہان یہ بات میمی قابل معلوم کرنے کے سے که زماندت میم تین ان حرکات کی کوئی صور میمین ندتقى جونكانفنس كوادا سيخن مين حركات متنوعه ببيش آتنے بهن كبيمى حانب مالاكبيمي حانب زير لبھی آ مے کی عابب کومیلان ہوتا ہے اسی مناسبت سے اواسے حرکات ٹلنڈ کے لیے حرف کے اوپر نیچے ایکے نقطے و حرویئے زبر زیر مپیش نام کر دیئے لیکن نقطۂ صلی سے التباس کو بنے کینکے لئے زنگ اس نقطۂ موکہ کا رنگ مکتوب سے مغائر سواکر ناتھا مصربعہ *ایک ز*انہ دراز کے خلیل بن احمہ ع دضی رحمة الدیولمیدنے دیکھاکدا ہمّام رنگ سفائر کمتوب ایک عبث وقّت مهل کلفت ہے معہذا جسسی پی حکات سیلان نفس بجات تلثہ کے مشعر بین اپنے ما بعد سے توسل بھی بیداکر نے بین تواس مناسب سے آسی نقطہ کو جانب سوسلہ حرکت خطی ویدمی اور چونکہ مہین میں التباس حرکت مابعدسے سونا تھا ملجاظ سأت فمارج حواسكے ادا كے وقت لب آ گے كى جانب سمٹتے ہن حبس دحہ سے ضمہ نا مرہبے اش خطانقطہ زا دے سرے کو آ گے کی حانب سمیٹ کہ بالائی حرف رکھدیا اور سکوان کے لیے نوئلہ يهان نهابعدسے توسل ہے ننفس کوحرکت توفقط نقطہ بریکفایت کیالیکن پھر بوجہ مُسی لِتبال نعظهٔ صلی دوقت انهمام رنگ صورت صفرویدی کسواستطه که به امتدادخطی کاطرف اول ہے اور وہ استدادسلسلڈاعدا د کا طرف اول لینی نقطہ دصفریہ دونون طرف کم طلق کے مبین کیمین روانی کتا<sup>ہ</sup> من *صغر پر گفایت کوا*تے ہیں جنا بچہ اسطرح <u>سیسٹ</u> آج کل موج ہے خوض سے سے

بالحتندتند

ہوگیا کہ یکل حرکات وسکنات تسم آخواص سے ہین جنکا وجودستنل نبنسہ بنیرکسی حرف پڑھا کم ہو نے ار اسکان بنہیں رکھتا لینی ہم کسیکو حرکت وسکون میں سے بغیر مدوکسی حرف معروض کے اوا بنہیں رسكته اسيطرح يدامرمبى سنكشف مهوكبا برد كاكربه حركات بالبم علاقة تضابب ركحت بين حبكا اجتماع ا کے حرن پرایک جنتیت سے متنع ہے رہے حرکات مع سکون یہ بھی بوجر تقابل عدمی ایک حرف پر اکی حیثیت سے جمع نہیں ہوسکتے اور **رٹٹ ریدا ک**ے ہیأت مرکب از حرکات وسکون کا نا مہے اور ظا ہرہے کہ حب دوشنے وحدت صوری وترکب منوی پا وین ضروراًن میں شدت وُلقل ماکل ہوگا برج سے معروض التشدید کاسندونام ہے الحصل جؤنکہ مشدو ورصل ایک نوع کے ووٹرفون كادغام واوخال صورى كانامه وونون حرفوان كاابك نوع سونا وقت ادغام شرط سيخوبى قبل دغام كي نوع بهون جيسے وَرَّو بَرَّو مُتعجر بدِرَّ ويقين پرونا سے خيال ۽ ناندسار برده الاجلال ا خواہی قبل ٰدغامر کی نوع کے نہون جیسے مَبَرُّزا در حِزَکہ ادخال اکشراکی شئے میٹل نبیرساکن میں نثو والل كوحركت دين سے حاصل مہوتا ہے حرف مرغم فيدكوساكن اور مرغم كومتحرك ريكھتے ہين اس سيعلوم ہوگیا كرف ديدمين اجتماع تركت وسكون حرف واحدير نهبن سب اور يرجهي معلوم سركيا کہ اقبل مرغم ساکن کے حرف متح کے کامہ دنا واجب ہے در بنعض مواضع میں ابتداب اکن لازم انبیگا جس كاستحاله علم صيغهين نابت ب اسى واسط أسكوسكل سكون مابين الحركتين كى دى كُنى-لينى صفر بمد لخطين اورصفر كاخطوط محركدس باسم ببوند سراس اشعار وحدت ادغام سب ج مكريد دفو طرنی حرکتین حیثیت اطلاق مین متین کیامعنی که آن حرکتون کی نیتیین فتحی ہوسکتی ہے نیکسیری یضهی کسواسطے کہ بیان طلق تف پدہے قطع نظرا سکے کہ طرفون مین فلان حرکت ہوا ورنیرائس مطلق كابغيضن فردمن الافراد تحتق بهونامكن نه تها بخوف نترجيح بلامرجع أسكوفرو كامل اعنه فتح کے ببرایدین طبوہ ظہور دیا اور کمال جنبش فتی خود اسکے عنوان عالی سے سرشے ہے مصا ليكن رواني تحرير من طعة صفرك دونون كناره يمبن ويساركو المديتي مين اورحركت ثانيه كورتويال حروت ایک دامند برخم کرتے ہیں جیسے می شلالام اس کے صورت کا نام توالیکن روانی تحریبین ل دامنه اورعلاقه دارصورت كردى اورمكن بهي كرحنيقت صورت تشديدكي أيك خط اور نصعف زیرین صفر کی ترکیب ہے جوشعر حرکت حرون اول دسکون ٹانی ہے جیسے روہ یا اُسکاعکس معنی

بےاشعارادغام معروض ووحدت ترکیبی عارخ ت نائية مين داسندلو جررواني قلمروا ختنا مرتقش سے .

C/ 65.

مردی ویک

خيرحووف موضوع ببون يامهل زمان فارسي مين تيئيس بهن اور دال معجمه كوحروث الشيفان غالب نےاسنے اُستاد ہرمزد رناخلاف تحقیق ہے جنائجہ محقق فرزا یذا ر مین نقل کیا ہے کسواسطے کہ اہل فارس کی طبیعت نازک اوراُ ککا مزاج غایت درجہ کا نزاکت بین جما تواسنے براتنی د شواری کوکد دوحرت متحد المخرج زبان سے تکالین گوارا نہین فرمات بلک قرسب المزج کوہی زبان پرنہین لاتے اسیوا سطےسین مغص کوحب لیاہے ٹاسے شلہ وصادمہلہ کو چوڑ ویا َ نَكْ تَرْتُ كُولِيا طاسعهما كَوْمَيْدُو يالف كوليا تومان كومِيْدُو ياغين جركوليا توقات كوميْدُو ياملا<del>، حا</del> ثخذ كوليا توقا فك چرردیا اے ہوزکولیا توصا سے طی کو عیورد با اسی طرح حب زائے عجمہ کولینے کی وجسے ضاد وظام معمتين كوجهور ويا بهراس وال معمدكو باوجود زاس بهور كسطرح ليت اواس مخارج كى وقت ندیان اہل عرب ہی کاحصکہ ۔ 'رہا ہمزہ یسواے الف کے اورکوئی شے نہین اور یہ بھی واضح رہے کہ ضداوند کریم کے ہان سے بغوا سے علم الد حالاسماء کلھا سرایک شئے موع و کے لئے ایک ایک ہم عنایت ہوا ہے توان حروف کے لئے بھی ایک ایک المراس قسم کاموضوع ہے کینواہی حروف ملفوظ ہون یامنقوشہ اُنکاسرنام عین سلی ہو گاسینے اگر حرف ملفوظی ہے اُسکے لمفوظى كاسرحرب عين سمى ملفوظى موگا واگرون منقوشى مينى مكتوبى سے اُسكے اسم منقوشى كا رحرف عین سمی شقه شی سبو گا - از آیه بهبی خیال رکھین ک*ه مسروری* ملفوظی مقلوبی انہین ٰ اسما *حرو*ف کی توزیع سبے نہروون من حیث مہی کی اورکتب قواحد مبن جوحرون کوخود مقسمہ تبایا ہے تسہ ولان بهي حيثيت اسمى لمحوظ ب ليني حروف من حيث الاسم - أور وحر تسميه لمغوط ومقلوب كي ظام ہے لیکن ان دوحرنی بارا اسمول کومسروری کہنے کے تمین وجود سمجدمین آتے ہیں کیا معنی کہ یا تو بمسرورمعنی ناف بریدہ جوماخوذ سے سکٹر ہالفتے سے م ويَعتَرَ الصَّبهي ناف بريدِكو دك راكما في المنتهى الارب چِونكه ناف بحسب ولادت جزواخِرمولو دمجى ہے باتوه شعرب اورایک شهٔ زائد نمبی جنانخ چسم ولدسے وہ طبع کیاجا تا

پس حردت مسروری کا اخیر بهزه باعتبار اسل وضع آن کا جزو اخیر بھی سبے اور ال فارش ایک كى طرح گراہمى ديتے مېن المكے نزد كي يدام كوپد انہين اساسے حروف كی خصوصيات بين سينين ہے بلکہ ابکے این سرالف ممدودہ العت مقصورہ کا قافیہ واقع نہوجایا کرتا ہے۔ حافظ فرما تے ہرسنج بملازه ن سلطان که بیها نداین وعارا و کهب کراوشاههی زنظرمران گدارا وعرفی کهتے بیتیجم اسے برزوہ دامن بلارا ؛ سرورسیے خویش وا د مارا ؛ شعراول مین وعاا ورشعر افی مین بلاجنی آل دعاء وببلاء العن معروده كے ساتھ سب حروث اخير ہم رہ کو حذف كرك گدااور ما كا قافيد كرنے گئے یاده ماخوز سے سکر اع البستے والتشدیدوالمدسے جوکموکری شے کوعموما کہتے ہیں اورکھوکرے ابس كوخصوصاً كما في المنهى الارب يبراس تقدير برالعت وسط كلمدس مخدوت اور يمزه اخير بحاسجها عائیگالسیکن فارسی مین چونکه اس قسم کے ہز و اور العن کے لکھنے اور بڑے میں کیم فرق نہیں کیے دونون تقديريريه اسماي ووف ايك بني طرح ككے پُرہے جائينگے - يا وہ منسوب ہى جانب مس جمعول مکش کیکش مکر ورا کا بے کیامعنی کدان سمون کوجیے الف کے ساتھ باتا نا حا كيت بين أسى طرح المالدك ساتد ب ت شيع كهنامهي مأنزب يونكدوونون طرح كى احازت سے ایک نوع کی ننگی نگلئی طبیت کوحصول دست سے سرور ہوا مسرور می نام رکھٹا ارتجال سے دور ہوالیکن بہرتعت در نام ان اسمای حروث کامسروری دکھنا اگر چیجسب انت جوب ب كر فرجيه وعلت تسميد باعتبار استعال عجرب ورندا بل حرب بغير بعز و اخير استعال نبين كيت والمد تعلط شايذاعلم بحقيقة الحال وحكل كلأم يهب كهانهين حب محدوث كى بالهمي تركيب لفظ اصطلاحي نبتاب جيك بيان كي مع درك مين ورند ازروك لغت منذكى معونك كومهى لفظ كه سكتے بين - تيس اب جاننا جا جئے كر جولفظ زبان سے آدمى كى نكلے أكر معنى ركها بووضوح ہے در زہل موضوع کی دوقسم ہین مفروا در مرکب .

معزدہ الفظ ہے کہ دلالت جزولفظ کی آسکے جزومنی ہے باحتبار وضع اصلی کے بنہو جیسے زید عمر و برکر بس وضع صلی کے اعتبار سے ناظم سٹروال شیوا سے طوس امدالیسی ہی القابی او علمی ترکیبین نکا گئین اسواسطے کدائمی صلی وضع ناظم اور شروال سنسیوا اور طوس کی اپنے صب عدے معنون بردال ہے بان یہ وضع القابی ٹانو ہی وضع ہے ریا منطقیون کا الیسی ترکیبون کو مفولی

Service Control

تسم من درج کرنامحض رعایت معنوی سبے کیونکہ انکی غوض صلی معنون کے ساتھ متعلق ہے۔ اور نویون کا انہیں القاب مرکبہ کو مرکبات مین داخل کرنا فقط افظی رعایت ہے کسوا سطے کہ غوص صلی نحوی<sup>ن</sup> کی ففظ کے سابھ متعلق ہے۔ آدر مرکب وہ ہے جو اسطرح نہوجیسے ناظم شروان دغیرہ۔ آوراً س لفظ مفرد بامعنی کو کلمہ کہتے ہیں اسکی تین قسم ہیں۔ اسمے فعل حرف ۔

بحث الاسم

پنے عنی تبلانے من ستقل ہونکسی زمانہ کی قید سے بانگل توشہ على مقام پاياسموالكانى سے اسم نام بإيا اولايه جامد - مصدر يمت سي بين حَامِداَ بِک جاہوا کلمہ ہے نہ وہ کسی ہے شتق ہے نائس سے کوئی اور وہ نکرہ اور ع نگره ایک غیرمین شنے کانام ہم جیسے کا خد قلم دوات اسکی کئی قسم ہیں ایک تواسا، جانورون کو بلاوین ہانگین اُٹھاوین بٹھاوین ۔اگرغورکیجئے توٰیہ بننے اُِساے، فعال کےمعساہ ہوتے ہیں اُنکونکرہ اورمعرفدکیا کیئے گا یاجن سے جانورون کی آوازون کی حکایت کرین یہ البتہ نکرہ بین جیسے کوئٹے کی آواز کو قا کے ساتھ۔ سولانا جامی قدس سرہ العزیز کے معاسبے نقل کیا جاتا ہج تشعيرك إنَّك كلاغ ونيم تنجد 4 ناه سبت من دران تُجنجد 4 او قمري كي آواز كي نقل كوكو كي عمر خيام دار مت کا شعرب شعر آن قصر که باجرخ همی زورب او برگینبداوت هان نها دندی رو<sup>د</sup> دىدىم كەبرىك، واش فاختە پېرىنەسىة بىمى گەنگ كوكوكو-يا ادرىسى جىزكى ن**ىل** كەين جىيەز كارنىگ دحِقا چی کمان اور نیراوشِمنیهر کی آواز ۔ نظامی رحمۃ التدعلیہ فرماتے ہن متنتحر زسیمِتیامی کہ آمدز تیرہ غرنگشت درز**رروکش چرر و ترنگاترنگ دخرت نده تیغ** « زماهِ در قها برآور ده میغ و ترنگ کمانهای ی خلت را برده از خواثیتن 4 اور بیا ابیات زیب النسا کی اس قسم کی صداُون سسے گو بختی بین قطعه ازمدانا سے جہانم چارچر آرپ ند و تلفل بانگ صاحی چرچر سنے کباب و می میج بوس و ہے دایے کرنا خوشی اوتعجیب واه واه کرنا به

دوسسڪراساسے ظروف خو ٻهي وہ زمانی ٻون خواہي مکا نی۔ اول لينی زمانی جيسے چون وچ و گاہ شعر گفتہ بو دم پچو بيا بئ غم دل باتو مگويم 4 چه مگريم كه غم ازدل برود چون تو بيا ئی 4 خاصتا نی رہ شیعر

いかられ

بابهان وتبعدان وباشتا كابياد

ئىسىيىدى دى از دورورفى شهانمانى با گاسى نكنى گرەكشائى بە ئانى يىنى مكانى جىيەپىت دىلىپ دىشىپ فراز

ومبین دیس وزیر وزبر- فروسی علیه الرحمة زلیجا مین فراتے بین سِتعرب وراست بهیش ویس زیروم زلیجا سے بت روسے بدسربسر + اور سی صورت کا ایک حرف رابط ہوتا ہے جسکوعز بی والے حبار

کہتے ہیں بین علی لیکن فرق اتنا ہے کہ استعال معنی اول بین خواص اسم اُسپر ترقیبین جیسے مضا

ڪئے ہيں جي ملاست اضافت تحقیقاً ہو يا حکما اور معنی تانی مين په بات نہين ہوتی نظامی قدس سرو واقع ہونااگرچہ علاست اضافت تحقیقاً ہو يا حکما اور معنی تانی مين په بات نہين ہوتی نظامی قدس سرو

فراتے ہیں شعر کرب یار ناید براند کے و کیے برصد آید ندصد برکیے و اور خاصنہ ظرف زمانی میں ۔ پر

اکنون اوراسکا غفف کنون اورنون فروسی روستعرو لے اےبسرگاہ آنست نون پر کہ سازی کیے

جاڑہ پُرفسون ، اور زمان اور سکان مین سنترک ایدروایدون معرفد بین اور ایدراوسی إدبیرنېری کے معنون مین ہے سٹال ایدر زمانیکی شیواسے طوس فردوسی سے کاسٹہورشعرہے شعر

ے رق یں جب عام میر ہے ہیں ہے ہیں ہوئیا ہے۔ بدوگفت ایدرا بی کام تو + نپویم بخویم بجز نام تو + بینی این زمان مثالِ ایدر مکا نی کی فردوسی ج

جُنگ سهراب ورستم کی درستان مین انگفته بین شعر بدوگفت سومان که فرمان شاه پرچنین بد

کزابدر نجنب**رب** او ولینی دمهرس - نظامی رحمة ال*دّعلیة شعر گ*رایدون درآید فریدون <sup>ب</sup>رن و گرفتار گرود مهب دون بمن و

تی سے اسا سے کنایات وہ چنداسم میں کہ حب کہنے واللا بینے مخاطب کو عاضرین سے جیب اکر بیان کرنا جا ہے یا اُس سے پوچے اُکو استعال کرتاہے اور یہ کہی کنا یہ معدود سے ہوتے ہین

بیان را چاہیے یا ن سے پوت ہوا معمان رئا ہوئی بی کا مادہ میں ان محاورہ خراسا نیون کا ہے اواسکا کہمی عدد سے کہمی شخن سے ، آول جیسے باہمان جسکا امالہ بیہما ن محاورہ خراسا نیون کا ہے اواسکا ر ر ر ر ر ر تہ

خفف بہان بالکسراور بہدان بجاہے بہان کا شیون کاروز مترہ ہے کہ اُسکو باستار اور امالہ کے سام بیشار بھی کہتے ہیں جیسے عزبی بین لفظ فلائ ستعل ہے اُستادرووکی کا شعر ہے شعر لے

خواجه این بهه که توبرسید بهی شار و با دام تروسنگی دمهان و باستار بشمس فخرسی کهتے بین شیعب بارجودت ازمین به بان باسستان و چرخ نارد برزبان جزیبستار و خرض بیرالفاظ اپنی وضع د ذات

با دجودت ارست مهان باسستان 4 جرح نارد برز بان جز مبیتار 4 عرص به انفاط انهی و صع و دات مین نکره مهن کسکن دفت استعمال لمجاظ خصوصیت و اعتبار عهدیت معرفه مهوجا بی مهین اور به ذوالعقو

وغير ذوالعقول ہردوسے کنايہ ہوتے ہين حکيم سنائی رحمتہ العد حليہ کا شعر ہے ستعر توبرآور دہ دست

بر بہان وکہ چادست سے برآردان و گرغالبا ابن کا ہستعال نفظ فلان کے سمراہ ہوتا ہوہیئ منی

تان لفظ مندا

ستاولهمتنين حضرت قلندرحسين اطهرقدس سره العزيز الاكبرني ان كوتا بع لفظ فلان فرمايا نئر اصطلاح كيامعنى كةتقدم توابع كالمتبوعات برخلات موضوع سب اوريه الفاظ لغظ فلان بربلامضافة مقدم ہوجائے ہیں جنانچ امثلہ سے ہویدا ہے عرفی متنع حرعر فی جداصیا ج کڈکوید بدہستان پکین انفلان مجوے وز بہمان فلان مخواہ و سنائی حمته اسدهليه شعر آواز براور وه كه اسے قوم تن خويش، نے مبربد ازب بہان وفلان را 4 انوری سین**تع**رونسبت شاہی توہم<u>جوٹ بشطر</u>نج 4 نامست *وگر* ، پیچ چربهان ج<sub>و</sub>فلان را ۹ علی بن حن باخرزی کاشعرسے مت**نع**ر ندشیم حراکه کندروے ساتی ونگرشم بدزود حدیث ننهانی ﴿ زُسِطرب سـرو دَارزو بهم نخواهِم و نگویم فلا نی کویابهمانی و درولیش والاسروسی حرتا بربراين فوالعقول و محبت و جاب فروديقين دسندگمان را و زيزگين توباد ملك سراسرو زان كمبنم عض بيهان وفلان را ، إوبفعل آمده زقوه بهدت ، سرحية توان نام سعدكرد قران را ، اور ان پریا کی زیادتی سے فلانی و بہانی بھی کہرتے ہین خصوصا فلان کو نامے خفی کی زیادتی سے فلانہ بمى كهديت مين مركبهداك مين يه دونون زيا دتيان مسموع نبين ينجركاشي ستعر بخلص نتوان سری من کردن و چهاگرناه م فلانی شده یا بههانی و غینمت در مشعر دسے باید زفیض ناتوانی و جواجشی بهار فلانی و امیرخسرو علیه الرمته نشعیر صنابیا که خسبه و زبرات تست بسرشب و در ویده بازکرده که فلانهٔ درآید و شیخ علی نقی شعرشب که مکیت بهروین داشت خراب و بهمدان بودو فلان بود نے داستے، ثانی کنایہ ازعدولینی وہ لفظ کہ کمیت منفصلہ عددی کی طلب کے لیئے استعال کیا جات جي چنديدالفظ المسل مين حداورا ندس مركب س اسبواسط بالفظ چندام اوراسخارك ليه مجازسم اكياب جنائي زبان بيلوى مين اندمني تتعلب بمولانات روم كا مرہے شعرگفت اور کین سم معلوا بجیٹ و گفت کودک نیم دنیارست واند و نظیری کا شعرہے ۔ شعر آنکس که دین ندار دوگرید که عارفم ۴ تکفیاو بملتِ همفتا دواندکن ۴ اوراندک اسی اندگاههٔ ہے اور پرکٹیرالاستعال ہے غرض لفظ چندعد دغیر میں کا کنا بہ ہے ۔بعضون نے کہاہے کہ ایفظ سے زیادہ اوردس سے کم پرلولا حاتا ہے بعض نے اسکو بچنغ کا ترجمہ تعمیاہے اور کہا ہے کہ ایک سے نوتک ربولاما آہے اور معضون نے کہاہے ایک سے پانچ کک پرستمال پا آہے غرض باینج ہون یا تو یا دس ان قلب ل مقدار ون پراکٹر لفظ چند بولاجا تاہے۔ آور اگر اسس عدد

بان حندين ومبذان •

خت ونيس كابيان

چندوندین و چذان تیخباری تومهای"

تتنزاس كنايد كامعرفه نكره مفوجيع مقدم موخر

میزمین کی قلت وکثرت مین مبالغه منظور موتو بزیا و تی حروف مبالغه یا و نون چندین کهاکرتے مهین شال ہردو کی بلف و نشر عکوس سعدی علیالرجمنہ کی اس نشر سے واضح ہے نشر گفت این گداسے شوخ جشم مبدر اكه خيدين فمت بچندين مرت برانداخت برايند و اورسبالغه كشرت كي شالبن بهت من سعدى على الرحمة فرات بين ستعر فرو اندم ازك كريندين كرم و همان به كدوست دعا گسته م وله عب نيست برخاك الرنگل شكفت و كرميندين كل اندام درخاك خفت ، ادر اسيطرح ينخ التخستين بهإن اس سبالغدس ابتدائي تمينى كيعنى بيدا بوكئ گوكه بعض وقت مجازاً مغلى تبلا غِرَفِيقى مِين تعل ہوجا ناہے اور بہی معنی کفرت جو بذر لعیهٔ حرومت مبالغہ حال کیے گئے مہن الحاق ا دات مجمع سے بھی حال کہتے ہیں سعدی پر فرواتے مین تشعیر تو دروسے ہمان عیب دیدی کہ ست زحندان سنرش خفلت بربت وجونكديد دونون لفظ لفظ چندسے تركيب باتے بين تواسى كى طرح تفهامر واستغبار دونون مين استعال كئے جاتے مين العنى حب سوال كے موقع مين واقع مون تفهامي أكرواب ياخركتوكم خبريه كيطرح استغباري ببن مثال استفهاى كي ظاهر واستخباري جیدادبرے اشعارین ازے کرندین کرم زوندان سنروغیرہ اور فروسی ج کا بستعربمی اسی معنى مين ب شعر بيا وردحب دان زروخوسته ١ اي الكه زوشاه برعوسته دلين ببت کچے زروال بغیطلب ادشے لایا - مکن سے کہ چندان اور چندین لفظ چندا وراسا سے اشارہ آن واین سے مرکب ہواوران مین کشرت وفلت کامبالغة تنظیمی و تحقیری قرب وگعدسے لیا گیا ہو اسوقت لغظ چندكوكمعنى قدر ومقدار سمهمنا عاسيئ اوربيه مقدار زماني مهوياغيرزماني يعني حبت دان وجندين بمبنى اسقدرا دراسقدر خصوصا أكرا كح بعد جمله بيانيه مصدر بجاف بهويه عنى ملائكلة واضح ترمفهوم هوتي بن نظامي م شعربهي جهره باغ جندان بود و كشمشا د بالاله خندان بود و يسني خوبی چبرؤ باغ کی اُسقدر مینی اُس زمانه کک ہوتی ہے کہ افرا آگرا تکے بعداس فسم کا جلد نہو باعتبار انکی تغير وتحتير كم مبالغد في الكثير والقليل س كنا يكر ليت بين والله متعالى اعَلْمُ بالصَّوابِ نیزاس کنایه کی سعرفد نکره مقدم موخر مفروجی سب درست بهد لیکن مناخرین که ای حجت که تعمل مج موخرالتميز جيب كهاجاتا ہے تانجا چندمرد بودند يمقدم التميز سعدى دم شعر باعزز بےنشست روزے چند و لاجرم ہیجواوگرامی شند و معرفه نکرومغروموخر کی سنال ملان

سوس

م يري من

ينه كافيان كماتما

جندين براس المده كالاما

بان جان وتين

باتشاليب وكبعى تمينه كولقر سينه مقام حذت بعى كرويتي مهن نظامي ح ۔ ان کے اس شعرکواز تمینر میکاشا ہد بنایا ہے مؤذن بانگ سے منظام برواشت و نے وانست چندازشپ گوشت است و میرے نزویکہ ت چنا خوحضرت نظامی رو فرواتے ہین شعیر منتی تو ٹی مرغ ساختیاں' بگوتازشب چند ننست پاس ; ورندشب سے لفظا زکوج اظها راللتمیز آیا ہے مذت کیجئے توسطلب ہوجائیگا۔ آداس لفظ چند پر باہے زائدہ کا لانا بھی سطلقا جائز سبے محمد قلی سیلی کا شعر سے تع فزون ترزیخل و فزون ترزیمت ; نشیب و فرازش بجیت بین مراتب + او بمعنی مقدار کے حبا سروعليه الرحمته كاشعرب شعر نورا وكزسيهر صدحيذيت ومشكات ے تنکیر دو صدت کی زیا دت سے چندے کہتے مین کھین و کیمین ہے کہاکتے ہین فرورسی علیہ الرحمتہ سنہ بہیا در ریستم کی چ<sub>ے</sub> الی کرنے کی وہ ت برو به ازسنگونیک چندخور دوشمرو ۹ مولوی پکدرین غمررتوسکرمیشدند ، اور معنی تا کے لین تعیین زمان کی طلب سے تہال کیا جاتا ہے عرفی کا شعرہ سنعر حبٰدزین تش وصليه بنا ديتا ہے - نظامي رم كاشعر ہے متنعر ازان مے كزوشاد ما في كنم ﴿ أَرْحَنِدُ سَمَّ جِوانِي كَنُم ﴿ جیے عرب کن\ کہتے ہیں۔ مثال کتا یہ ازصہ یث کی نظامی رم شعر حیث یو گفت باہمن سفنہ

وافل ، نظامی رو شعرحیان گفتم از سرب و بده شکفت به که دل راه با در شدن برگرفت وشال غيره ريث كي نظامي عليه الحمه كاشعرب ستعروزير عنين شهراي سع جنان ، جهان جون تجميه و قرارسي چنان ، ولد شغيرمبين سرورا درسه افكندگى ؛ چنان ث ، را درچت نينبگى ; اورونت كرار لفظ جيسے ويسے كے سنول من جي سعل ب نظامي رم شعر كرا سوده ورنا توان ميزيم و چنان كا فريدي چنان ميزيم ، يعنے جيسا پيداكيا ويسا جيستا ہون ـ مولوى مفوى قدس سره فراتے بین ماس شعر توجین خواہی خداخوا برین به میدبدی آرزو سے شقین به بنى قرمىيا چا متاسب وليابى اقتضا سے شيت ايزدى موتاسب اور او كے جواب مين كات بيا نيه كامونا واجب ب تحقيقًا مهويالقند يراتحقيقًا جيسے امتلاً مذكوره سے ظاہر ہے آور لقتريراً صبے تا تیرکاشعرہ سی میں عراق ہے تمریہ اے جن میں میں ان عرب استان عیب تراسلت حسن مے پیشند وا سے گل جہانکہ ابخ- آوراگر دوشئے بمبول لحقیقت کا بیان منظور مہوّا ہے حبسان وَيْنِين يرسروولفظ معابب ال كيُّ جات مين شعر آگداز ولينتن و نميت چنين ، چه خبردارد از جنان وحبنین ، آگران کنایات توام برحرف ندالایا جاوے مفید تحقیر و ندلیل منا دا ہوتا ہے جیدے بزبان عوام مهندایسی تبیسی بجائے وٹ نام بولاجا آ ہے انورسی کا شعر ہے ستعر بانگ برزد مراخرو کہ خویش 4 توکد بارسی اسے چنان و چنین به اور جنان جون بجائے چنا خو و چنا نکستعل ہم نظامی ره شعر بن را برا ذوخت ازگر دخیل ، حینان چون ادیم مین از سهیل ، فرووسی ریشع برخ كيشس برتخت بنشاختش و جنان جون سنزالوه بنوافتش - جو تصاسات اع کہ جنسے جندگی ہیں۔ دہنسبادی بیان ہوتی ہے مینی اگر کسی سے لفظ جند کے ساتھ مٹ لا سوال کرین جیسے پوچمین درانجا حیث کس بووند توجواب مین حتنی ا کا ٹیان سسئول عنہ کی ہین بیان ہومبامین۔مٹلاجواب مین کی یا دویا پنج کس بودند فراوین معلوم ہوجا کے گاکہ بانج ا ف ظا ہرسہے کہ ایک اور دو بھی اسماسے اعدا و سے ہین ۔گوکہ

بمن حُتَّاب نے ان ہرو وکو اور تعض نے نقط ایک کو اعدا دمین نہیں گناہے یہ بات خلاف

ُضِق ہے حالانکہ دواورایک ٹوکیا صفر بھی حدد ہے بلکہ محققین کے نز ویک صفرورسیا ل

ووغیر متنا ہی سلسلہ اعداد کے ایک واسطہ ہے جو کہ ہم صفر کے اوپر کی جانب کے سلسہ کو سلسلہ کو سلسلہ اعداد منفیہ کہتے ہیں ۔کیا تماشے کی بات ہے کہ باؤ آدھ پونہ بالاتفاق عدد بنجہ اوپن ایک اور دوعدد نہونے پاوین پس شکی تعربی ہے کہ باؤ آدھ پونہ بالاتفاق عدد بنجہ اوپن ایک اور دوعدد نہونے پاوین پس شکی تعربی تعربی تعالیم بنے ۔ جنا نجے میہ ہے ۔ جنا نجے میہ سے الد تعالی سے بول نقل قول ماس و دہوں جو براے عالم متبح محتق ممہر سے اپنے آئے اور جمہا المد تعالی سے بول نقل قول بین ۔ حقد و ایک سے حاصل ہو آئے ہوا در میں ۔ حقد و ایک میں تعربی اور جو ایک سے حاصل ہو آئے ہوا در اسکی المور ایک تعدب دو چار آٹے ما در آئی کی قید سے دو چار آٹے مادر آئی میں ایک تعربی ایک قید سے دو چار آٹے مادر آئی میں ایک تعرب ایک میں میں بائے سات گیارہ کی قید سے دو چار آٹے مادر آئی مید سے صفر اور اسکی امثال زیاد تی کی قید سے تین پانچ سات گیارہ اور اسکی امثال نعصان کی قید سے صفر اور اسکی امثال زیاد تی کی قید سے تین پانچ سات گیارہ اور اسکی امثال نعصان کی قید سے صفر اور اسکی امثال زیاد دینہ و اضل ہوگئے ۔

عباننا چاہئے کہ فارسی مین اصول اعب اوع بی کے طرفیقہ پر بارہ مرشخص بہین بلکہ پیم سکک اہل سے اس کے ہیں اور یہ فرسنداجی اس سبت کے ہیں اور یہ فرسنداجی اس کے وضع کردہ اصول ہیں ، فرسنداج مرآ بادکی سلسیت کا نام ہے۔ مرآ باد برجمسم آتش پرستان ایران ایران کے پہلے ہینے ہون سے سب اُس کی است کا فرسنداج کیشان نام کرنے ہیں کتاب آسانی وفامہ یزوانی اُن کے زعم کے سطابق جواسپر نازل ہوئی آسکوآ بادنامہ اوروسا تیر کہتے ہیں اور انہیں فرسنداج کیشون کے بیان اصول اعداد کے دوسلے ہیں تفسیل اُسکی اس جدول مرقومہ ذیل سے واضح ہے ۔

|              | l        | -        |          | l        | ı       |           |
|--------------|----------|----------|----------|----------|---------|-----------|
| ل<br>بائیکار | T        | 3.       | •        |          |         |           |
|              | -3=      | -3       | 27,      | 3        | 1.      | 3         |
|              |          |          | 40       | £        | 3       | E         |
|              | اسأكامول | اظهارسبت | اسمائضول | اظبارسبت | اسارصول | الخهارسبت |
|              | 3        |          | 7        |          | 7       |           |
| ,            | 3        |          | 3        |          | 6       |           |
|              | 3        |          | 1        |          | ١       |           |
| ,            | ٩٠       |          | Ž        |          | ź.      |           |
| 9            | 3        |          | نا       |          | Ē.      | L         |
| r            | 1        |          | P        |          | 3       | Ĺ         |
|              | 20       |          | j        |          | ij      |           |
| 4            | Ī        |          | 1        |          | Ì       |           |
| 9            | ~        |          | -1       |          | • 1     |           |
| • •          | S        |          | â        |          | 60      |           |
| •••          | ٨        | 5,0      | 3        | 101710   | 3       | 21,00     |
| • • • •      | 4        | 3        | مرار     | ŝ        | 1       | 3         |
| •••••        | ره       | j        | ¥        | مزنز     |         |           |
|              |          |          |          |          | 3       | Lich      |
|              | Ĭ,       | 7        | ¥        | صريخه    |         |           |
|              | 3.       | 13/4     | Ź.       | 3        | 52      | 1,0%      |
|              | 7        | 7        | 400      | صداباد   |         |           |
|              | 3        | 1        | 25       | oules    | 2       | 1,40.00   |
|              | 3        | X        | 1.7      | حداراده  |         |           |
|              | 4        | 14       | 3.       | حعلاذ    | 4       | 3         |
|              |          |          | 141      | مدراز    |         |           |
|              |          |          | .ź.      | مداراز   | eli     | 1/2       |
|              |          |          |          |          | 5       | Luck      |
|              | 1        | 1        |          |          |         |           |

ا دیان کے بوٹ ہے موافق مرآ با دیون کی سلطنت صدرًا دسال تا انم رہی اوروہ مبھی اسطرح کیال أنخاسا بب سال متعارف کے نہین ملکہ سال بارہ ماہ کا اور سینا تیس روز کا اور روزا کی دورہ کا ان سـناره بلندکوکب زحل کے زمانہ کا نام ہے اور وہ ایک دوزہ تیس سال متعارف مین پوراہو اہم غرض سیارہ بلندالوان کیوان کے دورہ سی سالہ کا بک روز سوا اور اس قسم کے تیس روز کالک د اوراس نوع کے دوازوہ ماہ کالک سال ادراس قسم کے صدرا دسال زمانہ قیام سلطنت مرآبادیا ن بتلاتے مین اسطرح لفظ بیور مبلوی زبان مے اصول عدا دمین سے سے جسکو ورسی رمان مین رہ ہزار سے تبیرکرتے ہیں بینی ہمسکی اظہار نسبت دہ ہزار سے کیجاتی ہے سعدی رہ فراتے ہیں جم منوزت سپاس اند کے گفتہ اند و زہیور سزاران کیے گفتہ اند و اور جو نکه ضحاک کے صطبل مین وس بنرار كُسورا خاص بزين ولحام تيارو وامرستا تها أسكا بيورسپ لقب كرتے تھے . فروسى رح تنفازه ستان ضحاك مين مكت بين شعرجهان جرے رانام ضحاك بود ، وليرو سبك سازونا باك بوده بهان بيوسېشس مهي خواندند ، چنين نام برسيلو ي راندند و ليکن ان اصول عداد في سنمهرت رواجی نبین با نی حس سے زبان مستعمال برہنہیں جرہے جنا بخیرخو و فرودسی کوائس زماندمین فارسی زبانون کے لئے شرح کرنی پڑی چانچ بعدائ شعرکے خود کہتے مین شعر کا ہوراز بہاوانی شارہ ا بوه ورزبان دری ده منزاره زمهان تازی بزرین ستام و درابود مبور چربردندنام و آصول احدا د كى تقريب بربعض شارصين كالمين نكتُه رساله عبدالواسع كى تحيّىق يادّاً گئى كه ان<del>هوك كاك</del> وكروركواصول اعداد فارسی مین شمارکیا ہے بالانکہ ہندیان فارسی ٹیگارنے اپنے معاملات روز مرہ مین صاف کتاب کے دفت سہولت فہم کے لیے اپنی ہی زبان کے الفاظ استعال کر لیے اور محد قاسم فرسنت نے جوابنی تاریخ مین اسی تسم کے الفاظ برنے مین اور طغرا فی سنسہدی نے آشو بنا مدیمیٰ رووکی شام کی مرح مین به جولکھا ہے نشر تا آخر حرکات رقاص ملم صوت چندین لک شعر برلب نواند ڈاکرشت يسباسي رم مول بين كوكه وه ابل زبان تع ليكن مهندكي بود و باش اوربها كلے رواج سنے أن براس امركا اقتضاكيا يه جيسے اختلاط زك وحرب سے الفاظع بى وتر كى شامل بوگئے مندون کے اختلاطے سے الفاظ ہندیہ وائل ہو گئے بسنا ئی رحمہ العدنغالی شعر نہ دران وید ڈھلسڑہ یا نی رنی کاشعب رہے بتع**ے** آن اِ دکہ در ہندگراید جگرآید + سالک کاشعر ہے شعر سکٹے

رکمچری ایا م به بوس خوان سیم وزر تمنیم به ملاص تا شرگو که وارد مهندوستان نهین بوط گر بایران کم می بین می بین می بین بوط گر بایران کم می بین می بین شعر دگر ارسنید بایر بین به بین بین به برخص اساز چکش به مغرا شعر زپر شدن آن نگارختن به شده بر نیان چت مجلی بین به اسے مینی شخیل پئی - غرض مین نے اس تذکره کو بیان شرح نکته کے لیئے مین تغریب پایا این او می فرانبری بین بو با بر فخواش کر کے تھے قلم اسمال اندا فیق و بیده از متا الحقت میں استان میل در کالم عوب کد استیافات اس ای میل ند از مقد وات و مرکبات استاج به وغیر امتراجید با شروری کد بت وسی باشد کر به می سی حرف باشند کی بی عوض و و عقد حائل ضروری کد بت وسی باشد کر دند

بإنناجا بيئے كە ككت بالضم نكت بالفتح سے اخوذ بے اور و لكرى يا انگلى سے زمين كرىدىنے كو كہتے بہن چنکہ بعل اکثر فکروسوج مین آدمی سے وقوع پا اسے کنا یہ فکرسے ہوجا تا ہے جسے مجتے ہین يَنْكُتُ فِي الْكُرْمِ إِنَّى مُتَفَكِّرًا فِي اهْرِمْ كُنته بانفهاسيكا الرُّونشان سِفِيخب مين سِيخ كمته بضم نشا بأسانكشت ياسروب كدبزرين زنندجونكسخن باريك وكلام وقيق جمى اكشز فكربهى كااثر ونتيجه مؤمابم ا الكونكة كيف لگ اوربيان انبين بعنى صطار يرب تعل ب اور يد لفظ نكته كا اولى يبى سے كدما بعيت عدمراضا فت مثل باب قصل تقطوعات كلام سيسيم بحماجا أيكأ توجير اورا سکے سرسے پر نفظ مقدمہ کا قطع کلام کے لیئے سوج دہے اور مونوں کی را ہے بہ خرا بی حدی گی لەجب اختيارغود مبتدااوراقتضااُسكى خېرېونى تواځھائيس كااختياركرناتمين سبننے كومقتضى سبع عال اس كلام كام واسويه ظامرالبطلان سبع ورصورت اضافت يه فرا بي منهو كى كسواسط كاخف مین تقنیٔ دواخل اور قیدخارج ما نی گئی ہے غرض نکتهٔ اختیا رسبت وہشت حرف موصوت اور جافعلیہ كه استيفاسيه اقسام اعداد ازمفردات ومركبات امتزاجي وغيرامتزاجي باشد اسكي صفت جونك يسغت عملة فعليدواقع سيصغت كواكسى مهل برلان كي ليئ جوافراد سيمصدر كباف كيابس موصوصفت مكر مبتدابوا انتضاف أن سيكندكه مكى سى حرف باشند اسكى خبرالحاصل مطلب يدب كدكام عربين الثماكيس حرن اضتاركرنيكا نكتدجواسل شاعدادكى تمام قسمون كوملحوظ ركفكر مهواسب كل تبيس حروسنه

نے کو معتضی ہے اسوا سطے کہ اسمای اعدا دحواس اختیار کے مقید يهين يه وه اسم مين كد جنك نفظ مين كونى تركيب نهو وه كل اصول اعدا دا صرسے ليكرعشر بك اورا تُه ن حبکامجموعه ماره ہے اور کل عقو د ثمانی عشیرون ٹلٹون اربعونی خمسون ستون سبعون ثمانو لیسون عوبی مین کل بیمبس سم مغرومین باقی سب مرکبات سوده دوقسم کے بین - انتشاجیا کرجنگی ترکیب کمال غلطاكي وحدست اليسي معرض حفامين ألئي كدوه اسم مركب طاهرتين كلمد واحدمعلوم أتأعفه المناعفه الكيوعشر الكبة عشر فمستع شرستة عشر تبتية عشر فانيته عشر البخارتيجي كحبكى تركيب كمل كملى موكو في آميزش أسك اجزامن اليسي نهوكذ لها سرنظ أسكو دريافت نكرسك اوروه سواسے ان دومسمو کے جنکا وکر موج کا سے انتہا ہیں احدوعشرون اثنان وعشرون ثلثة وعشر ل بخیرہ بساب استيفا انسام كالسطرحير بواكدوس كك كيمفردات اوراحة شرست تسعة عشرك امتزاجي مركبات ادراحد وعشرون سے تسعة وعشرون كك غيرامتنا وجي مركبات چ نكوعشرون وثلثون مبمي اسى لمدین بڑے ہوئے ہن انہیں سے ساتھ شارکہ لیا اس بین اسائے اعدا دکی ہوتسم مفردات دمرکبات انتزاجيه وغيرامتزاجيه كي موجود ب استيعاب واستيفاس انسام بخربي تحق ب ادريه ووعفد وألل عشرون ونلثون جبنكي حياولت سلسله اعدا ومين صرورى اور ناگزير ب سوبه جهاشتراك اسمى أن دو عقدین مألمین کے جو دولفظے تقاطع منطقة البروج سے ہین حبکوراس وزنب اور جوزم بین بھی کہتے ہین برجہ اُسکے گوزمبر ہونے کے شاراعدا وسطلوب سے گراو سے گئے کسوا سطے کہ بنجین کے نز دیک حياولت أن دوعقدون كى منوس بي لبس ووعقد لينى عشرون ونلتول كوسا قط كريد في الماس اسم! قى رە گئے جس سے مقیس مقیس علیمین بابم طابقت تامتہ حال ہوگئی اورسلسلہ حروت کو المنائيس برعمهرانا عد زمب لمحققين ب جوسمزه ادرالف كو اورون علت كيطيح متحرك وساكن ملت مِن ليني مهزه اورالعت كوايك بهي شئة عانية مبن ورنه سلسلة حروث كا أنتيس برجا مشريكا بكين س ليكن بردومشبه بين اول تويدكه هردد عدد عشرون ونلتون حال نهبن بين اورصارلت فقطالك عشدون مین ہے اور عقد تلنون منهی برواقع ہے اورا سکے مابعد کے باقی سلب اعلیار شراج یکا اعنبا جس سے ٹلٹون کوحیارات حتیقیہ حال ہوخلات مقصود ہے۔ اقطاب ان بات بنا نے کے لئے ي سكته بن كربهان حيلولت سے فقط اجتماع مراوب اور نكات شاعرانه مين اسقدر

~ C. C. S. ر المان المان المان

تعورين

ت ادراشتراک بفظی ومشارکت ہمی کا نی سرحا تی ہے دوس ب عقود مین واقع ہے اور اُسکی حنیقت بھی عقد يكارربهي سبع حنامنيه امبى أسكابيان أوليكا انشاء امترتعالى ادرحيلولت بهبى أس مرتبحق سبع عقودين شارنکیا بہان اسطرح حذرکر سکتے ہیں کہ عشرہ خود مفروہونے اور صلا اڑمفردات بروا فع ہونے اسکی عقدیت کے لحاظ کومنلوب کرویالیکن باوجودان تمام معذر تون کے کلام ضعف سے خالی نہین کائن يحقق عليهالزممته اسرطرح تدحيه فرماتته كدكل مبيير مكفردات جومجيوحه بصول عداوبهن اورنومركيات امتناجيها ورجو نكه غيامتناجي مركبات مصنهايت تصادرا حصام لاتناهبي محال مقا تواأت بن نے درجہ سے لیے لیا حبٰکا مجوعہ (بحساب ۲۰+ ۹+۱) تیس ہواسوکہا جا پاسپے کہ اعدا دکی ل*ل قسمون کونظرکرین حومقیس علیحر*ب بین توحرف مجمی تیس مبونے جاہئین کیکن و دعد و وس اور ب امتناجی وغیرامتنا جی کے ورمیان حاتل ہین بمشاہبت دوعقد حاُل راس وزب جرباعتقاد سے منیانجین سنوس بین الگ کردیا **تو ک**ل اٹھا ٹیس رو گئے اوعشرہ کا اپنی فرات بین ٹیس خردات رمہناا ورامک ضرورت کی وجہ سے بلاانقطاع سلسلا تعدا دمفردات میں واقع ہوناا تسکے عقد بنے کے لئے انعنہین کسواسطے کر حقیقت عقود کی اثنی ہے کر حب ادمی نے ایکے لئے ایک اُٹھی کا اشار ہ کمیا اور و رکے لیئے دو اُنگلیونکا جب وسول اُنگلیان بوری ہوگئین کے گیا ابگیارہ کے لیے الکیمتر وسون اُنگلیان کھول کر دو**نون کھکے ہوئے بنچون سے** اشارہ ا**کب اِرکرکر بیرمٹسیان بندکرکے ا**یانگلی ئیئے کھلے ہوئے دونون پنجون سے دومرتبداشارہ کرسے گا اب ظاہرہے وس اکیبار کل انگلیو سکے اشارے کوختم کرنے کا نام ہے اور بیس دوبار تبیس تین بار توجیس اور تبیس کی عقدكهن وس كوزكهن اسكى كوئى وجِنشفى عُبِّش نظرنهينَ تى ليكِن أن مهرووصورتون بين اتنامشة بوي رسگاکداسا می اعداد از قبیل لفظ بین جومرکب حروف سے سے معہذلان اسمون کومقیس علیہ حروف قرار دیاعقل حکرمین مہڑہ تا وارٹ شدرمین ہے کداسمای اعدا دیو دیقیس علیہ ہو بالذات ہونے چاہین اوراسای اعدا ولفظ ہونے اورلفظ کے مرکب ازحرف ہونیکی وم وَاتِّي وَكُمِينِ حروف كُوتَعَفْنِي ہے ورحیقت بول ہی ہے کسوا سطے كەمرك كا سنے اجزا سے مثّت ، مِن موخر ہونا ضروری ہے لیل سین دورا در تقدم الشئے مصے نعنسہ لازم آیا اسلیے کہ رہ سوقر ت

اسائي خود ورواحرو پراس شيمزندي كان زميلنا

1000 mg/mg/

うながれ

بهونے اسمائی اعدا دیراسمای اعدا و بحیثیت لفظ موقوف ہوسے حروف پر توحروف کا توقف حروف پر خودحروت کے اسم وسمیات پروہی ستبہ کرموت اول مثلاالف کے لئے حب سم وضع ہوا اوروہ اسخ نحيثيت لغظا ورحرف سے تركىيب يا يا جوا بھى معرض وضع مين نہين آئے مہذا خود ائس حرف سے مرب سے جبکے نامر کھنے کی ضرورت ورئیش ب توبہان بھی دوراور تقدم الشے علے نفسد لازم آیا ببش نهبین حلتا اسواسطے کہ ہمنے پہلے ہی وستورنامہ کے حروت کی تحقیق میں عرض کر دیا ہے کہ جب آواز كميف بكيفيات اربع زيرى بمي بيجاك عنكى هوئي تواس عارض مصمعروض كانام حرف مبوامثلااصد کاالف قطع نظر حبنبش فتحی وغیرو سے اورکل کے کل حروت کی وضع اسدرج مین بسیط سے اور وضع جميع حروب مبوطه فهروتنهيم كتبيسرك ليئه اشكى نام ركمه يتجونكه يهبلامر حله اوراول الاول سبق تعا خیال اور باود اشت کے علاقہ سراعتاد نہ کیا۔ سرایک سم کا جزواول عین سمی کور کھ دیا تامنزل اول مین كوئى وقت بيش نة ك اوربي علاقه محسوسهسب سهولت بنجاك والمدتعاك اعلم الصواب -آور محبرقياس براقسام اعدادياتويه ب كسلسلة حروف هجاجي مثل سلسلة اعداد كزان برروان وغيره يابدبات سبحكه جيسه اسماى اعداد منقسم بسبونسم بين وليسهى اسماى حروث منقسم لبسية سم بربعيني اربی اس سے یہ بات بھی معلوم ہوگئی کہ حروف کو حوان مین قس

تبالے اسکا بیان عقرب آسے گا ، وتنبیه براستیفا سے اقسام اعداد بجهت اشعارت برین کدمسمیات این اسما از قشیم اول ت واسامی از قبیل ثانی و ثالث

رتے ہیں من حیث الاسم کرتے ہیں ور نہ اپنی ذات میں مینی من حیث ہوان سب توزیعات سے

مبرابين يايدبات ہے كەحروت باعتبارا بنے مسميات اوراسما كے منعسے سيفسم بين فتال انشادات

تنبیدبراسیفا سے اقسام اعداد مبتدا بجبت اشعارست برین الخ خربینی استیفای اقسام اسمای اعداد پرمتنبکرانا اس بات کی خروید کے لیئے ہے کہ سمیات جود واہت مبسوط مفردہ ان اسمو کی بین اسما اعداد کی بہلی قسم کی طرح لینی مفردات میں اور اسکے اسمون کا حال اسمای اعداد مرکبات کا ساہب از کلیل امتزاج وغیرامتزاج واقع ہے جیے سسروری بوج بریدگی وحذف حرف ثالث

كے مثابر مين بايد كمقلوري سي يهم ونون وواولوج وحدت اول وأخيرك سرتا بإاكب بوكرمرك امتناجى بنگيا باقى اسماسى حرون لى تركب غيرامنزاجي رمبيكي عليميكه دال دال رازا واوابنے باہمی انفصال تامر کی دھەسے امتداج ر مہوئے ہاتی اسمون نے امتناجی ترکیب ہائی اگر دیعض سموا کج جزواوا یا اخیرفصل واکیا ہے لیکن باعتبار اکنزاجزا کے مرکب اسٹزاجی کہا جا باہے اور جزو وسطی کاکبھی ، ساتھ وصل یا ناجیے صاو کہمی اخیر سے جیسے العث اور لبسی ہر اس اختلات تعلق عاطفه برمشعرب عظيمه كدكل ميات از قسم مفردات مهن اوراس واحيكيهن جبيه باباناجيه صاوا دلعض إسمون مين منفصل جيسه الف وال وال واول كومركب اتسزاى نانی کوغیرات زاجی کهنا سناسبت تمام رکهتا ب لیک یتنبید قابل تنبید ب کدا قسام اعداد کا استیفا واسطح كداقسام اعدادا كقبل اسقاط عقدين م تووه بإصبار صورت ثثبته كل تميس مهن باباعتبار حقيقت بندانتها مهين اوراگر بعبداسقاط عقدين مردين تووه المحائيس ببن اوركل حروت المحائميس اورات ينهى أسنكه اسم حبنكا جموعه هيبين مهوابس إوجؤ اسقد بھاری اختلان کے پتنبیکسی درست ہوگی فقط از قسیم دازقبیل کے تقریبی وخمینی الفاظ اس رخنه کوربزنهبین کرسکتے ۔ بان اگر مصنف محقق رحمه امد تعالی فقط ذوات حروف کو لیتے جرمقیس اصادبین اور وجہ قیاس بھی اول الذکر تھے رانہیں عظوات حروف میں باعتباراً کئی حقیقت کے بعبضان مين مفردمحض مبن حبيسه لا جو فقط سينه کی کینیت کو تبلار ہا ہے اولیعین مرکب لیکن اس ترکیب مین بعض الیسی مہن جو فقط مغارج کے دوجزو ث کوممی گوند وخل ہے جیسے هر بهان وہی تصاور شفتین سے جوب مین تعامر صلح ہوا ی خیشوم کوغنیت. لیئے اس مین ایک حدا دخل ہے اسیوا سطے سیم کونون اور

م نے دمی فزود س بسعدی پر مصرته میان میندوچ مردان بگیردنب تری بالس اول کومشا به مرکب التناجى اورثاني كوازقبيل مركب غيامتناج يمميين إختط اسامى حروف بين باعتبار حراروا أراسامي كي تنبيكا ابراكية كيامني كيكيو فركيكوم كباتناتي كسيومركب غيامتناجي قرار ديتي مثلا بإتا فأجيم حاغا سين تثين ظَا نَلَا عَيِن غَين فَا مِهِم لَا يَا كُوجِوايك زات اوراً كِيب جوارس مفروات عدويه اصداشان ُلمث ار لیج کامقیس بناتے اور چنکے دو حوار ہین خوا واتصال اول سے ہوخوا و اخبہ سے خوا ہ کسی ہے اتصال نهوجيسے العن رازا صاد ضاو قاف كان لام نون كومركبات امتزاجيدا صرعشراننا عش ثليثه عشركا ادر جنكے تين جزوالگ الگ ہين مثلا وال ذال واو كومركبات غيرامتزاجيه اصدوعشرو ا شنان وعشرون كامفيس بنانے يا با عتبار صاب جل كسيكومفر وكسيكومركب امتذاجي كسيكومرك فيلومنر محسوب كرتي مثلا بآما كلا ميم كآبا باعتبار حساب جل مفرد ببن اور وٓا وۤيَامركب مزجى اورَّحِيم وٱل صَاد لآم وغيره مركبات غيرات اجيه ادرمطابتت مفيس مقيس عليه كى برسةسم كى نعداد الگ الگ كُوني فردى يمقدر مطابقت تعدادي كافى سب كدمجر عنفيس كاشار مجرعة تعيس على يشاركي برابر سوعاب - والشرتعا لے اعلم بالصواب وعنده علم الكتاب 4 تمرم برسرطلب ان كمتو كي منصل ويتكمم ب ليني معدود حقيقة يا عكما مذكور بهوده أنكي تميزكهلاتي ب خیشه جیسے بنج مرو بانزده زن کیاسعنی که عدومهم تمامعلوم نبین که بانج اور بندره مروببن باعورتين أومى مبن بإجانور ورخت مبن التجمر وغيره توسيان تمنزت وه ابهام رفع موجانات أوكيا جياً أكوئى بوحيد وران حاج در مروبو و ندجواب من فقط پنج كهد يا جاس لقريند سواليه حكمين و رك بوكا - آوربيان اس امركالحاظ ركهنا جائي كه مخاطب كوجس درجه كا ابهام سوجواب مين اسی درجہ کی تیز بھی لانی جا سیئے یائس سے خص اس سے اعم کوتینٹروالنا بالکل باطل ہے کہ تحصيل حال لاطائل ب جيكسى في كسى عبد إنج آدميون كريمالكن بين علوم كروه مردبين باحورنین توالیت خص کے جواب مین تمیز جمی اُسی درجہ کی سیان کرنی عابیے جیسے بنے مرد بہان بنج كس كهناجائز نهوكا اسيطريس أكرأسكواتنا علمهب كدكوئي جانداريث مبن ليكن آدى بين باا وجابور تهذنبین کرسکتا اسکے جواب میں بنج کس کیسکتے ہیں اور خاص جزنکہ عام سے خالی نہیں ہوتا اس سے

المرابعة



(مم وستورنا مدفادس

توخاص بین جس درجر کی زیادتی اختصاص عام برسے مخاطب کو اُسی درجہ کی غیرت قربه نمیز طال برگی اقربيهي ملحوط رسها جإسبئي كه فارسي مين تمينران اعدا دكى مفردا ورجمع سرو و جائز بسے مفرد جيد مهار بار پنج گنجشش جهت مهفت بهکرمشت بهشت ندکسی دوازوه امام نظامی ره شعرفتی زرراب ے شیش میت از توخیرہ ماندہ یو برسفیت فلک براق مېزارىيدا د **ولە** كې عهدكن اين د دېيغارا نو بک د شه بخطاخوب خولیشیم، ده بانزده سطر نغز پیشیم گلتان بن سبے چنا نک<sub>ه</sub> میدانم دریشهر ت اورسندمجوع کی مسان عجم خاقانی شروانی علیه ارمه کا شعر ہے شعراین بام نگر بجنبار بال بازنځرصدىبزارالمغال « وله اندرېرش ازسرنصالل « بېرچاركتب شده حالل « وله در دعوت انس غېت مردان + برزا و تیبا ہے کوہ ثبنان + وله ارشمس وحظیرہ مغرب یاک + نهجے رُم خاک او نه افلاک + ـ سالها چەبود سزاران سالها ، آورتميز كالسينے اساى اعدادىسے مقدم ہونا بھى جائز ہے گلتان كے باب اول کی چوشمی محکایت بین ہے نشر سال دو سرین سرآ مطائفہ او ہابش محل ہورشعرہے شعربیے رنج بروم ورین سال سی ،عجم زندہ کروم بدین إی اسے سی سال جنانچہ اسی کے بعد مجبر فرماتے بین شعر چوسی سال بروم بشد نامہ رینج و کہ شاہم پخشد بیا داش مجنج + اورجس طرح کیب یا دو یا جاریا اسی طرحکے قلیل مقدار عددون سے قلت کے عنی صل يتے مين أن سے كوئى تحديد وتيين عدو خركور مطلوب نہين ہوتى جيسے نظامى رح تتحرج بندى ل بوال و کومبتش یکی رنج وبیشی وبال و اے کمی آن رنج وزیادتی آن و بال ست مدوبہفتا دوغیرہ مطلق کٹرت کے لئے س نظامی دم شعر سکندر مد, گفت یک تینج تنیر و کندچرم صدگا وراریز ریز و ۱

اوراميطرح اس سنسهورالحا قيدشعرين شعر تهجوسبزه باراج روئيده ام به م خصد وبهفتا وقالب ديده ام با

اس شعرین بمبرعت درباره تناسخ میش کی سے حالانکہ بھارسے اصول دین

شوی شربین کے مشہورالحاقیہ علی میمونیزہ باریا روئیدہ امرائزیں ناول

مین جو قرآن مجید وسنت نبی حمید ہے صلے احد علیہ وسلم اسکا ابطال صان ہے اب اگر کسی بزرگ کا کلام نظا ہرخالت نظرائے بتا دیل شالیت اصول دین مینطبق کرنا انصا من سبے مذاسکا عکس ابن ج مين عبدالمد بن عرضى المدحنها سے موى ب أنَّ النَّابَّ حَسَكَ اللَّهُ عَلَيْرُوسَكَمْ قَالَ إِذَامَاتَ أَحَدُكُمُ عُرِضَ عَلَيَّ مَقْعَدُهُ والْغَدَاةِ وَالْعَثِيّ انْ كَانَ مِنْ الْمُلْكَةَ بِغَنْ الْمُلْكِيَّةِ وَإِنْ كَانَ مِنْ اَهْلِ النَّبَارِ فَمِنْ اَهُولَ لِكُمّ نُقَالُ هِلْذَامَقُعَدُ، ﴾ حَتَّى بَتَعَتَ فَوَمِ الْقَدَّا مَنْ رَضِهِ صِلْحَتَّى بَعَتَ ذُمِرَالْقَدَا صَرَاس عَقاد كامبطل ہے ترضرمه فائل کواس قول کےان الفاظ سبتعارہ سے ایسے معانی ماوّلہ مقصود ہو نگے جو ذرا بھی اپنے اصول دین سیمنون نهو بگے کیامعنی کی مفصد و پیفتا دسیمحض کثرت مرادہے اور کثرت قالب وبدن سے میں است جانب تحدوامثال جیکے صوفیا ہے کرام قائل ہین بالمنتّارہ اس امرکا ہے کہ علم جاوات رعالم نباآات كے سيكرون مرحلے كے كية نطف نبكر سين آ باين آ كے بحر شكم امهاتين اوربهان مبى كمجمر ثُمَّرَ خَلَقَنَا النُّطُفَرَ عَلَقَاةً نَحَلَقُنَا الْعَلَقَةَ مَضْغَةً فَخَلَقْنَا المُضْغَةَ عِظَامًا فَكَسَوْنَا الْعِظَامَٰ لِحَمَّا اسْنِهَ رَبِّ ويَكِيمُ لِاسْجِرَ كَي كے قصہ كی جانب رمزہے كەنسى برعاشق كچ رضاميع عشوت كى خاطر كتف مجيس مين اسپنے آپ كوظا سركىيا در اگرية ناويل ندكيجاسے ملكة والب سے بہی کالبد مدن لیاحاہے بھر مجمی تناسخ ہس شعرتین نہین ٹابت ہوتا کیا مسنی کہ حب تغییر قالبین ناول حائز ننبین رکمی گئی توسف در منتا دمین جمی تا ویل کرنی ننبین عاسیته بلکه دمهی عدد معین محدود مقصود موكاا دربه امرهمي لمحوظ رسب كرتجب إصول فأملين تناسخ مرايك روح اناوى سع بوجه اميني ازلیت و قدامت فاتیہ کے خدا سے عزوجل کی محلوق ہونے سے اُسکو آزادی ہے تو یہ بات کیسٹل برابطلا ہے کدوہ اس سغصدو ہنمتا وکی تنگ قید مین پانجولان ہے کسوا سطے کہ جوشنے از لی و قدیم ہو گی منہ د مغتا دین کسطیح محدو د ومحصور سوگی بلکه سرعدو خاص کے دائر ہ تحدید و مصر سے غیر مناہی منا مهوگی والمدتعالی علم بانصواب - تواضح رہے کہ اساسی اعداد دوقسم بر مین یک سے تادہ اور کر عقوم صدتك اورصداور بزار إخبزك إعتبار بردوسلسلذ فدكورة فرسدا جيان جبيس إأنتيس سممفوين با قی مرکب. آورمرکب کی ووقسم بین بازد و سے بت نک مرکب امتزاجی کہلانے ہیں کسواسطے کہ ا اجزامین ایسا اختلاط سپیدا هوگیا ہے کہ ظاہر بینون کو تینر بین ہونہین سکتی - آمد ابی مرب غیرامنزاجی ـ توه وكدم اسطرُّر من عطف تركيب پاسيميي بست ايك سني وواه وغيره اسكا تركييط في يمبعي

الإلان كالميران كالإرام كالماء أساى العدادك اتماه

ري اي اي

Q/ , it said ېس<sup>ښې</sup> الجلن منزجر معامد فأنبلن يختنون فتناوي Sicher مانوبغ يسالا المرود ال L'Ott , 16 يكتونهد روباليار بكر اوباليار بكر ن ورود 13. J. 15. E. مازه و تازه بلض في الم `^"\<sup>k</sup>`

ن ضربی وتعدادی ہرومتحتی ہین اور واضح رہبے کہ عربی مین فقطا کیے حرفظت ے دواز دہ کہی*ن حری*ت صلی کوائر ہن *سے گرا دیا جیسے ہ*غدہ کہین ان دونون تصرفو<sup>ل م</sup> جمع کردیا جیسے یازد ہ<sup>5</sup>ہین ان وو**نون ق**اعدون مین سے<sup>ک</sup> یا دتی دعامه جیسے نواز دہ ٹانی ا ت لگائے توالعٹ کوبوجہ لزل اورجيم كواورثاني نون زماد ه کردیااور به نون اکثر زیا د تیون می<sup>ت</sup>

(4).

C/67

تثعر بالجله دگر باخود مرازغویش مدیثیست به گزصدق دصفامایه دبد صبح منوی قدس سره فرماتے مین <u>کماما</u> ش**حی**راد گمان برده کداین دم خشه امره بی خب یخواب دُوَم پیکسی قبل مضموم می آناسید شیخ آذر کی سفراینی شعرا سے خطت اول شب رازده برصبح دُورُم ﴿ ابروت حِشِيم لـ يكرده بخون مردم ﴾ مولوسي معنومتي ﴿ شعرزيراً اللَّانِ یکے بطبن سُنوم و که دروگر و دخرد و جمله گم و مجتبی س میم کوحنت مبی کردیتے مین ملامنیه بخاری کاشعرہے شعر حوان دشیش محرمزاد آن سنه کرم و تاریخ مولدش بهم آمشیش محرم و اسے دششتم محرم -عَبَننا عِلِبِيُّ كدوواورسدين واواور لا فقط اتمام حركت واستقلاليت كلمدك يد لائي كلي كي بهم لن وونون حرفون کی ان لفظون مین عدول اختیا ہے شل داو و ہاسے چووجہ کے جیسے ظاہر ہے ہواسطے منت بحوق کلمٔ آخر دوگویهٔ دسگانه عگویهٔ کی طرح کہتے ہین گربعض دقت بضرورت ہرد و حرفون کو نلى سرونابت مبى كرديته مېن نظامى رو كاشعر ب تنتحروو پيلان خرطوم درېم كښان 4 زېږدو يك بردخوامدانشان ، فروسی چرش**نع**رنگوید کے جزبه بدنام من ، نباشد مهرود سرا کام<sup>س</sup>ن ، **ولد**نشینیم ہردو پیاوہ بہم دیے تازہ داریم روسے ڈرم ﴿ وَہُلَّا اللّٰ تَعْتَ نَشَيْنَ بِہِرَامِ مِینَ کہتے ہیں شعم م مل ببیش ورا سے روز به بچوشد سال گوئیده برشصت وسد و کلیک مثلی تاریخ العلین کاره کابیان روست بوتحيتن اس بحث ك تعلق سعيرين ألى كعدى اب معرف كابيان شروع بهوتا پهان ختم هوگيا س

آول عُلُمْ ريكس شخص إحكبه إچير كي بيجعان اسامی کتب کو بعض نے اعلام اجناس مانا ہے ۔ بعض دور اندلیٹون کے نزویک اسمامی اجناس بین یهی قول محقن سیے خصوصاً زبان فارسی مین که بهان کوئی ضرورت نفظیه واعی اس امرکی منہین كياستى كداءواب وبنامنص بزبان وربى بين وثبوت عدم انصراف أكسا مكرك ليئ خواه مخواه كى ت كى حانب به ضرورت لفظيه واعى موئى والله تعالى أعلمه بالصواب تواضح رہے كه اعلام كى

المالية المالية المالية المالية المالية المالية المالية المالية المالية المالية المالية المالية المالية المالي الواسطة المالية المالي ننگیرے آئے اوصاف مشہورہ کا افادہ ہوتا ہے جیسے شعر قرنہا با میکہ تاارنضل حق پیدائودہ بایز بیرہے درخواسان یا اوینے در قرل +

رلاسمہ اشارہ یعتبتت میں انکمیون نے سامنے نظرآ تی ہو ئی شے کو دور پانز دیک سے دکھلاد ہنے ہے اور پیمسوسیت اعم ہے اس سے کہ بالذات ہویا بالعرض بھریہ ہروواعم ہین اس۔ طر- مخسوس بالذات بلاواسطہ سے ہماری پیما دیسے کہ جب شے سے ہو بھرائی محسومیت میں کوئی عالت منظرہ باقی نرہی جیسے آنتا بکی وہوپ ہراغ کی لؤ وس بالذات بالواسط كوفقط ساسف بصرك بوناكفابت كريكسي اورواسط كي بمي ضرورت ہوجیسے الوان کہ مع ساسنے لبصر کے ہونے کے بوسیائر وشنی دیکھیے جاتے ہیں کیسیس علوم ہوگیاکدالیسی شے حبکی محسوسیت مین اصلا واسطہ منہو نظر نہین آتی کیا معنی کمجسو ا كى امركمن بى اورمكن كے ليئے كوئى علت عابينے قال مجوق قام العلو مالعقلية والنقلية لغلك الكمال الشمس المنجلى موالات اعبد العلى قدس سرة في بعض حراشير في اعتبادة القسم الاول من المحسوس بالذات (اے الايكون فيد الواسطة اسلا) فظار فال المسيدية امرجكت فلابدالث وتدلشئ من علة وهي الواسطة فرالتيوت فلامعني لنفي الواسطية فحالث وت كسوا سطي كمضوب مثلاجسكوس محسوس بالذات بمعنى لاواسطه نی محسوب یتبها صلاما نتے مہن سو وہ بھی حب مک مشیر کی اُنکھون کے سامنے نہومعہذا ص بص ریینے بینائیٰ اُسکی مہی جب تک صمیح نہووہ ضُوحبکوم بالذات ما نتے ہن سرگرمحسوں نہو گی لبس اس سے معلوم ہوگیا کہ کسی شے کامسوس بلا واسطہ ہونا ناکن ہے۔ اور محسوس بالعرض وه بسے که آن برحس بصربالکل واقع نہین ہو تی چونکہ و ہ خارج مین بالاست خلال بنیکسیکے ضمن مین ہونے کے موجو دہے اوراُسکومسوس بالذات کے ساتھ علاقہ توید اور تلبس خاص ہے ىوس بالذات حاسنة مېن <u>جىس</u>ە اجساھە كەبواسطۇرالوان مُبھر سوتى ہین اشارہ ایسی سننے کی جانب بھی تیتی ہو تا ہے ۔ اگرغور کیجیے تو انوار و اضوا کا بھی مطلقاً مح بالذات ہو ناسمجھ میں نہیں آبابلہ اصوا ،وغیراضوا میں بدولت اصواکے الوان ہی مبصر ہوتے ہیں <u>جیسے</u> دہوپ کے وقت محض ُجِنین بغیر نظر النے درو دلیوار آسمان وزمین کے ہمکو کوئی شے نہین

من المدرس من المدرس من المردن محسوس بالعرض

לל הייני לילי מיני לילי מיני לילי מיני وكمانى ديتى اكي خلابى خلامعساوم جوتاب اور جونظراً تاسب وفه يهى درو دلواز عالم بخاركي رنگت ہے۔ سٹلااسی زمین کا دن کی دھو**ب می***ن زر د زر***واورشب کی جاند نی مین سفید سفید و کھا**ئی و می**ت** ت ان سستارد بحے انوار کی ہے ۔ قمر کی زمردی آفتا ہے کی زردی مریخ کی سرخی عطار د کی بودی زحل کی سیاہی بھی اُسی خصوصیت اجرام بردال ہے جیے *کسی نے کہاہے قطحہ ز*حل ىيا ەبود صندلى نېږد برمېيس ، برنگ معل بود *سَرخ گوئه بېرام ، چ*انماب بود زر د وزېېره *ېسپيېپ*يژ كبودرنگ عطاره تمرزمرو فام ، پس معلوم مواكه به انوار خارجی انوار داخلی بینی اَبْصار کی طرح اِنبصارت سفيرمض بين - قباننا چائي كداشار وسيدامتدا ومطلق موجوم كانام سب جومبسر سي تككر شاراليد بک ہونخے تخصیص اس امتدا د کی خطی وسلمی وسیمی کے ساتھ باعثیار حالات شیبردسٹارالیہ ہے جسے أكرعانب شيفتطه مأنا حاسب المحرشاراليه مبى نقطربهي موتو نقطهٔ شير حركت الثاري سب استدافطي حاصل كرتا موانقط سنا رالمه بينطبق موجا ئيكا اور الممتنار اليه خطب اورخط بمي عانب غيرمت وتفطئ منهر لوجه تعابل خطی کشایش تدریجی طولی سے خط بنکراپنی حرکت سے استدار سطی عال کر نافطات است کی مانب غیرممند منطبق سرو کُسکل شلث کی سیداکے گاجسکاراس فقطهٔ مشیراور قاعدهٔ خط مشار الب عانب غیرمتد مو گا اُکر خیرمتد حانب زلیجادے ملکہ خطا کی جانب متد سٹارالیہ ہوتو دہی صورت ہوگی جونقطہ سے نقطہ کی جانب اشارہ کرنے سے ہوئی تھی کمیکن فرق اتنار سیگا کہ امتدا دخطی اس اشاركيطرت خطامشاراليدين نفوذكرتى بوثى دوسرى طرف ائسى خطمشاراليدس ببولنج كمي جنك نقطه ببداورات دادكسي حبت مين نببن ركعتا فقط الطباق برختم بهوجا باسبت اوراً كم شارالديسطح طب غيرمتديب تونقطة مشير دونون عرضى وطولى كشايش تدريجي سكسطح اورحركت اشارمي سيتسبم بنتا حانب غيرممتد سطح مشاراليه يرنطبق موكرشكل مخوطي ماسل كرسكا جسكاراس نقطه شيرفاحه عانب غيرمتد مطح مشاراليداور أكر سطح كى عانب ممتدمشاراليد بنائي حاس توبعينه عانب متدخط مشارالید کی شکل بیدا ہو گی کسواسطے کہ سلح ابنی حانب متدین سواسے انکی بعد کے نہین رکھتا المبتدفرق اسقدر سوگا كهخط من بعدثاني ميني استدا وعرضي منهين ہے توفقط انطباق پراشار فتم سوخيكا یہان سطع مین بوجرموجودگی استداد عرضی سطح کی دوسری حانب تک نعود کر سکا اور اُکٹشارالدید سب سے توجهی ظا شرکل اس استداد کی ایسی ہی ہوگی جیسی جانب غیر متد سطح کو شارالیہ سانے سے ہوتی ہ

نون به مان تن رز در رز تن ریز نوز در رز برد نور نوز رز برد نور نوز رز برد نور نوز رز

The Cold

نابين

بری ترزیران بری برزیرد بری بردن نظر بری بردن نظر

بمن فرق بهی موگا که سطح خو که مبدرٔ الن<sup>د</sup> بعنی است دا دعمقی نهین رکتساس*ی*ه فقطانطها ق جانب <del>قیرمم</del>ت طحےسے اشارہ ختم ہوجائیگا اور سبم جو کمہ اسباد ٹلنہ کومحتو سی ہے اشارہ اس حبیم شارالیہ کے جزوجزو میں نفوذ كرجا يكاغرض فقط سنارالىد ك اختلات حالات برنظر كرف سے يدخچه احمال بيدا بوت مين أكري انتلافات سته جانب شير مبي لحافيكي جائين توجه حمك (٧ × ١ - ٣١ ) جبتيس صورتين بيدامونكي -يهي واضح بسے كربهان حس سے مخصوص حس بصرم او بسے ليني حس شے كى جانب انار وكيا جا اب أسكوشم منيا كاوكميسنا مكن موليس اب أكراندهاكسي كي حانب فقط انسكي آواز كے پتر براشنار و كرے ابنا و سيهي كهلأبيكا اقريبهى عاننا جاسبئيكه حسرطرح حركت اشارى سيدامتداد مبيدا بوكرمشا رالدمحسوس منطبق ہز ا ہے یہی حال بعینہ استداد نظری کا ہے کہ ساتھ ہی ساتھ بلکہ ایک قدیم آگے آگے اشارے سے جلامنظورومبصر پرمنطبتی ہوما ہاہے لیکن نظر بجزشغان حسیمو نکے نغوذ نہیں کر تی اشار پسہ جسمون مین نفوذ کرتاہے اور مدارج محس**رسیت** کے مدارج انطباق کے موا ف**ق ہو بگے لی**نی منظور ك جننے صدر اِسْتَد نظر كا الطباق ہو كا أسيقد رمحسوس ہو كا اسيده جب احبالم كثيف كاسطخ طام ائسین بھی حسفترسا سنے نکاہ سے ہومحسوس ہوتا ہے اندرونی اجزا ادر پیھیے کی مبائب محسور منہن ہوتی کسوا سطے کہ انطبا تحقیقی بالذات بلاواسطہ نور نظر کو اُن اجزا کے ساتھ نہیں ہیے۔ آذر سی به اِت که ایک مهی مقدار اورایک مهی طرح کی انطباق والی دویشے کانزویک سے بڑم کام دورے جبوٹی نظر آنازاوئی نظر کے ٹرے حیوٹے ہونے کی دج سے بنے چنا نحیر شا برہے شلا ایک مقدار کے دوخط ب ح اور ی س کوایک نقطہ ہاسے نزویک ووو رفخانف سیانت برماز ۳ مین سوازی کفراکرے سرایک خط کے ساتھ دوخط لا ب اور لا سے اور لا ک اور لا س ایسے ملار جس سے دومثلث متسا دی انساقین بیدا ہوجائین اور دو نون خطرمتوازی متساوی المقدا <u>اُسکم</u> قاعده بنجائين توشك و ب ج حكاتا عده خط سبيدوا قع ب شكت و د س ع جسكا تا مده خط قرب بهی انرآ جائیگا توزادیداس شلت کا ب حر نسبت زادیه راس شلت ۵ حس جیوال موسكا والله تعالى اعلم إنصواب.

ادرموجومنے الذین براشارہ کرنا جسکواشارہ عقلبہ کتے ہن جیسے مجے وات کی جانب اثبارہ کرنا محازا ہوا کتا ہم غَنْنَ ٱلرِشَارالية وَبِ ہوبوسید نفظاین اَلُرىعبیہ بند بید نفظان کے اثبارہ کیاجا تا ہے۔ فرد وسی حرکا شعرہے م<sup>92</sup> شعر کیے را براری و نتا ہی دہی ﴿ یکے را بدریا بما ہی دہی ﴿ نراَ اَمْتَ مهرو نرا اینت کین له به دان تو ئی اے جہان آ فرین • بعض اسا تذہ سے سموع ہے کداین وآن میں کو ئی فرق نہیں اکمی کھ دوسرے کی حکمہ جہان جابین استعال کرسکتے ہیں جیسے شعر آن زمن باسم کدروز حبّگ بینی نیات من وين منم كاندرميان خاك وخون مبنى سرے دليني أكراين نيس باشمالخ والى منم كاندرميان الوكهديا جاے باعتبار معنی کوئی خرابی نہیں استہاحت یہ ہے کدنکات معنوسی اس راسے میعطل ہوئے حاتے مبن کسوا<u>سط</u>که بهان اسماسے اشاره مین لعبدو قرب کا لحاظ ککسیا جاسے توا*س لمبیل گلس*تان فص کا چیمہ بلاغت سے خاتی رہجا ہاہے کیونکہ ہہان آن نے بتلا دیا کہ روزحبگ پٹت وکھلانی جوایک نم*ومہ سے مجھ سے بہ*ت بعید ہے اور این نے جتلادیا کہ خاک وخون مین ملنامیدا<del>ن</del> نالمنا مجدسے قریب ہے کہ بینعت حمید ہے ت<mark>ا</mark> فی تفرقہ کے لیئے یون کہدینا مفید ہنو گاکی ٹیٹونشہد بین آن کو بجاے این اوراین کو بجائے آن رکھدین اوراُن سے بعلفظیمی و قرب تحقیر ہی جہنہ اہل سعانی کے نصوص وال بہن مرادر کھی علیہ وہی خوبی وصف تانی واسا رت اول عال ہوگی کمانی کہ یمبی رتفدیر لحاظ قرب و بعد اسمامی اشارہ ہے نافی اسکا سنگرہے بھریہ قول نافی کے سنسید مونا محض وبهم ہی جاننا چاہیئے کہ بہان قرب و تُعدامتدا د فاصل بین المشیر والمثنا رالدیکی کمی زیادتی کا نام ہج اور یہ کمی وزیاوتی اموراضافیمین سے ہے انشاء اسدتعا سے اسکاحالضمن میں بیان اِنم کے بیال ہوگا اورائسکی کو ئی عدمعین نہیں جس سے ہم حکم لگا دین کہ بہان تک اشارہ فریب ہے پہان سے بعيد يعض ونت باوجود كمى امتدا دوقرب فاصل عدم ظهوركي وصرست اشاره بعيدكيا حاتاب يعض وتت إوجود خايت بعدكمال فلوركي وحبس الداشارة قرب پرحرف تصغير برا اكروبرا سے اشعار صغرفاصل ہے اینک کہرسینے ہن سعدی پر شعر اگریشہ روز را گو پیشب ست این ، بباید گفت اینک اه و بروین ۹ لعنی کهناچا جئے که به لوچاند اور تارے کیامعنی کہ چانداور ارسے ایسے کھل ہے مہن کہ کوئی شنے اُنکے دیکھنے بین حائل نہیں ایسے قریب مدین کہ متیلی پردھرے میں آور نیز ہوقر وبعداستدا ومكانى وامتدا وزماني دوفون مين هوتا سيصنلا بهارس ساسنه كيجه نزويك ودورفاصك

Eigh

زند از نواید از نواید ہے دوکتا بین اگا۔ الگ رکھی ہوئی ہون میکہ نز دیک کی کتاب منگوانی منظوریے لانے وا۔

اے کینگے انرا گزاراین را<u>پ</u> کی نسبت ہاہمی بیان کریں تواین حادثہ ازان واقعہ ازلب عظیم ست کہی*ن گے* یہ امتدا د زمانی کی شال اس عومیت مین اینک معغرہ بھی شرک ہے لیکن حریث تصغیر کے الحاق نے اُسکوذکر شارالیہ بے نیازکر دیا گویا بجاسے شارالیہ بیم کا ت تصغیر ہے ہیں اننی بات میں یہ صغرہ اپنی اس سے مناز ہے مثال ترب مکانی کی جیسے دہمی انبک اہ وپر دین مثال قرب زمانی کی عرفی کہتے ہیں تتع اینک بزبان رساندم ازدل و تا داغ کنم دل سارا به اسکا مخفف بک بهیمتعل ہے مولانا۔ ہر ہم کی سلیمان علیہ السٰلام کو جواب دینے سے وہستان میں فرماتے ہیں شعر گربہ بطلانت وعو مر بعرازگردنم ن - آهر سے کداس سے اثبارہ اپنے مثارالیہ کے ساتھ حمع ہوجایا ومرونهين كهته إن تقدم ضائرا ب مرحبون برخصوصاً فارسى من مطلقا حائز ب سعدى ج ﯩﺶ ; *ﯨﯩﺪﯨــلىبىغاب ئىمسەش ، ﺍﻭﺭﺗﻮﺍﻛﯩﻦ ﻣﯩﺮﯨﻴﻰ، ﻳﯩﻨ*ﯩﺮﯨ ب اسبنے مشارالیہ کے ساتھر ہوتے ہیں تو علامت جمع ان اسمادیر نہیں آتی مشارالیہ پرلاحق ہوتی ہے جیسے آن کسان واین کتا بہااسوا سطے کدحب اشارہ اورمشارالیہالک حکمہ جمع پڑتے ہین لسبب اتحاد کے بنزلہ شئے واصد کے بنجاتے ہین اگریہ اسماسے اشارہ بغیر ثنار الریہ کے ت جمع انہین پرلائی حائیگی جیسے آنان واپنان اکٹرزوی العقول کے لیے انہاوا نہا اکٹرغیر ذوی العقول کے لیئے متن عرشراب لعل کُش وروے مہجبینان بمین ﴿ خلاف مُرْمٍ جالِ اینان بین + - آنتاره اورمشارالیه کی ترکیب کواتصافی کهناعونا میری بنهین ک<sup>ر</sup> ذات کی عوایضات سے ہوتی ہے جیسے اُسکی کو کی کیفیت یاخاصہ

يدمين خصوصاً كمونكه اس مبن ايك فآك علامت انصا ب كي قباحه

ہے که اس ترکیب کو بدل سب دل مذکہا جاوے یا تمینر ممیز کسواسطے کہ اسامے اشارہ مبہات

آمرسائل اورشرائل زرجر مخای

سے بین والد تعالے اعلم - نکآت فارسی کے وانا بہار فرزانہ فرمانتے مین کدام با آ نی کسی طرح ول کونهین بمانی بان به باتیمجتامهون که مینتعل ظرن نهی دی و بار و مربر کسیلری جیسے ارَدوين آج ادركل امراب ادر برسول ليكن فرق اتناب كه وتى بار بربر جائز الاتصال بين الغظ إمرازمنه تلنهس مننع الانتقال اسيوصي ضائر متصله كيطرح تحقن مين غيرسنقل سمجاجا اسب يمولوي وتتعرب زنان بالمفلكان ميدان رويد + تارنجنششهاب شه شا دان آنچنا کد بار مردان رایسید و خلعت و مکرس ازایشان **زرکشید و و آرین تعر** بروشاع شعرسوی شهرای<sup>و</sup> برامنینشش داحسان بار و و**ک**روش**نعر جنگ میکردند حالان بریر و تو کمش نام**ن **کشیرها**ش پوشیرو شا یک یکواپنے اُرُو و ترجمہ سے بیٹ پرٹیسے کہ امروز وامسال وامشب کواس دفراس سال اس ت مھی کہتے ہن حالانکہ اُروومین جیسے اس سال کہتے ہین دلیسے ہی اُس سال بھی کہتے ہین ورن ترحمہ اَنکا آج کا دن آج کی رات اب کا برس ہے لیس جے اورا بمستقلہ ظروف ہیں نہ سما<sup>ہ</sup> مری خرابی یہ ہے کہ اشارات مین قرب دبعہ اضا فی ہوتا ہے ندکاین ابھی کے زمانہ کو آن<del>ے</del> اخیرے زمانہ کو کہیں ملکہ ہم حضرت آ دم علے نبینا وعلیال المرکے زمانہ کو آن کے ساتھ اشارہ کرین به حضرت نوح علے نبینا وعلیال اور کے زمانہ کو منسبت اُس زمانہ کے قریب مہانکراین کے ساتھ اشاره کرسکتے ہین یہ بات اِلم مین تتصور نہین خاص ایک معین وقت برلولا جا اسبے جیسے ظاہم ہے غرض میں ۔ نے برنیت نشحیذا ذان مبتدیان معتصا سے قیاس کو ذکر کر یا کہ اِم کا ان وجوات ہے اسم اشار ، قرب ہوناسمجہ میں نہیں آ کیکن چونکہ قائل اس قول کا ایک بڑا وسیع انتظر فاضل ہے اسکی تصیمے قول مین ایک تا دیل کرتا ہون وہ یہ ہے کہ تنجس اساتدۂ قدیم سے کلام مرابعظ ا مرجا سے این مینی اسم شارہ قریب کی مگد بولاگیا ہے۔ خاقانی شروانی فرانے ہیں شعر پس مگو ت شيطان شيمت ; بيني پس گمواين بمه آومي مستندالخ ولد تفحير ايمهً و الرجونا مدازعد مرجيت گناه آسان و بيني اين مگو که آسان لاي<del>ن ايك</del> ون نمی آرداے بیدا نمی کندالخوتس اس لفظ مین جہان تک خیال کیا جا ہا ہے یہ مجدمین آتا بدل ومزيد عليه لفظ اين كاب يينى بقاعه ُه شب يل يم بافرن اين سى ايم بنا اه

المرابع المرا



رأير كنف لكے جيسے كام سے كامدوغيرہ ليك بهوسكه الممن تخيف كرني حاسية ترج بدل کے مخفٹ کوئینی تخفیا ہے حذف کرکے اِم کو اپنے کلام مین بر ماغوض اس م رواج پاکٹین گرحالت وسطی مینی ٹیم تحتانی کے ساتھ متروک فرفینن رہی اورنیل فظ مین جز کم تحفیف کیگئی الدنے ننام وصبح برمھی استعمال فرمایا ہے بعض وقت اسٹ کا اطلاق شب گوٹ تہرمجی ں لئے کہ شب گزشتہ اسکے دن کی (جس میں اُسکی حکابت کرتاہے) تابع ہوتی ہے نظیری یے مشعر تاروز کمیدم سرانگشت حلاوت + زلان ترن کدامشب زشکوخند کستم+ امیرخسرویژهم می نیانی به برکه بودی <del>اشب به که بهنوز شیم س</del>تت ے مشعر آنکہ شب دا د تو برام زرشراب ﴿ أَمَتْ ىنىغىل كەلتى<u>ن</u>ىي شا بور كاشعرىپىيىغ ے اُنکہ دی الخے یعض دقت محازا ا مروز کومعنی زما نہ حال م ويوانگی محبت تو د کا مروز سلمت ارا د چنانچه فقط روز معنی ط نے کہ جلوہ کندھے بجامہ اصائب پرسسیاہ روزنگرد د جراغ ہستی ہا پر ے بلکہ دورکو اپنے ختیقی منون میں رکھین بھر حراغ کے ساتھ اور وہ مبھی شب مین کیاسناسبت مهوگی اسیطرح آبروسے متاخرین شنخ علی حزین کاشعرہ سنتحر روزیکہ

Sus Sign

اجريت ويترادي

، فرزیمی معلق در مرزیمی معلق

منمیرکابیان اورای معرف اوره جسمیز

ما تمر بطوراز اور بھیدکے اپنے مرجع کو تبلا اسے ببب سی اختصار کدار سیان کے وقت بجای سيرلات بين جيسے نظامي رم متع حرشه از كار دارا و مپيكا او چسخن را مذوجب ہانتک اختصار د نظر ہوتا ہے کہ اس ضمیر کو عبارت سے حذف بھی کرنیتے ہین فقطائسكينوي مراد مهرن بركفايت كرتي بين اوربيعل ضائر مرفوع ومنصوب ومجرورسب بين جارى ب اول جیسے مدی و زماتے مین شعر گفت مرکد گلے بجب مراز باغ باکل دیدم ومست شدموی يىنصوب مودى معنوى منت شعروان كيكافشا ندگردار رخت او 4 وان کیے بور سیر شش راورو واسے رولیش را شال مجرور کی جیسے سعدی 2 کا شعر ہے تشعر دید وسعدی و ول بهراه تست ، تا نه بنداری که تنهامے روی و بعنی ویده سعدی وول او- سمنے بطریق راز اور تھیب ا سیلے کہا کہ تا فے انجلہ اس اسم کی دجرتسمیہ علوم ہو درائل بیدامردرست ہے بحسواسطے کہ من وتوگو کہ اخص الخوص بین لیکن بنسبت زید عمرو کے اُن مین ایک گونه خفاہے کیامعنی که شخص من وتو سینے كى صاحيت ركه تاب جنائحير كو ئى شخص آپ كوخط لكى اور بحاسے نام بدلكھدلوسے كداس خطاكا لكيف والا مین مون آپ اک طرز تخریراور سورت خطسے ستنانہوئے تو آپ کی ذکر تعین کرینگے کہ فلان ہی يوحب تضضرت صلے المدعليه وسلم كوجابر رضى المدعنة كا دروازه پرست بوقت دريانت إن كهنا خدشريف نة اياآپ نے صلے اسرعليه وسلم جواب مين اما أمنا فرايا ليني مين توہن بھی ہون اس سے کیونگر شخیص کر سکتے ہین کہ تم فلان ہو بخلاف اُعلام کہ وہ مشترک ہی کیون ہون استدرابهام أن من ننبن سوتا والعد نعالى اعلم بالصواب - يآس تسميدكي يه وجب كه صفائر اكثراسين سابق الذكر مرجعون كي حانب ناظر ہوتے ہن لینی منظ مین ایساسا گیا ہے جیسے جی مین راز تخم مین درخت پس اتنی سناسبت سے کدوہ باہم علاقہ حال ومحل ر کھتے ہن بطریق مازمرل انہی کوضمیر کہنے گئے ان وہم جا آ ہے کہ ضائرخطاب ویکلم براطلاق اس کم كاعباز درمماز موكسوا سطے كەنىظون مين انكاكو ئى مرجع نهمين ہوتالىكن اگرغورسے ومكيها حاسے تو آئے بال حندر وعینیت کے ظاہر کرنے کے لئے مرجع کو ذکر نہین کرتے در نہ با متبار انظابہا میں کو ٹی \_ رمنهن ہو تا جنا خید دیکھیئے زید سیگفت کہ من با خالد وانقت کنم داو بامن مخالفہ ہے ورز<sup>و</sup> اورزيد سيكفت كداوبا خالد موافقت كندوخالد باوس مخالفت مے ورز دضمية بن ارد مزح وولو عجم

مزار برارد المراز برارد المراز برادد

أسمين مبمی واحدغائب کی ضمير بچراس مين مبحی نعل ماضي کی سب بدر جها اول الا وقت مبتدا کے ساتھ (جو را سل اُس فعل کا سیدا دمصدر با نائب سناب اُنکا ہے) ترکیب یا تا ہے ہم اُس معل مین ایک شنے کو پاتے ہین کہ وہ اُسی فعل کے مبدء واحد غائب کو سبّلا تی ہے جسکے طه اُس شے کے اُس فعل کو واحدا ور فائب وغیرہ کے سامند مت مین اُسکاکوئی وجودِعلوم نہیں ہوتا صورت نظر نہیں آتی باطن اور ور وُنه فعل میں ایسی سائی ہوئی ہیے بييه ولسيندمين بكه جيليه مبيد ول مين بس جاناكه اسكاكوئي نام تجويز مهو سناسبت تامه اس نام كي بلاغت ريزسونه ارتجال خيز توضميرك لقب سے متاز فرايا اور باقيمانده جمع غائب وصاضروتنكلمر سيطيح یات ومجرورات کی ضمیرین ہی کہلا تی ہین گوکہ اُس علت اور و حبتسمیہ سے عارمی ہیں کیکن باری ہن بقل کے لیئے اتنی مناسبت کفایت کرتی ہے ۔ ابن پیٹ مضرور سوتا ے متقلال داستغناعن الاتصال مشابداسا سے ظاہر کے ہیں لہذا یہ تتی إِدَّ ليت هو في جاهُيُين مين عرض كرَّا هون كه بيتْك ظاهر نظراسي بات كوستسفى بسيح ليكن بالإنهمة بیان وج تسمیدمین ضمیرِت ترکواول قرار دینا ایک دقیق نظر پر مبنی ہے وہ یہ ہے ککلمہ کے تینون لوع من نوع اسم شرف اولویت و اولیت سے متازیت بعداران اقسام سم مین اسم مظهر کولودیکم ہے ادران میں بھی فوا<sup>ع</sup>ل *وسیا دی* افعال کا درجہا ول ہے ا<sup>س</sup> كم ينيف اس قسم خاص بيني اسم مظهر كومبداك ادرأ سكے سائد اُسكے فعل كواس ترتب سے بيان كياكہ سبدا كواپنے فعل برج تقدم واقعي بوجہ علت و

فاعل ہو نیکے تھا لفظ میں بھی ہاتی رہے جیسے منکہ کی حکو یک بین پس بینے اسی اول مرحلہ مجل

مقدم ہوگئے ربط وتعلق کے لیے ایک ضمیران افعال موخ، ہیں ضرور لاتنے ہیں تامعلوم ہوجائے کہ یہ

مدا فعال بین اسبنے افعال پراُئنا وَآَنا لَقَدَم داحِب ہے اسیطرح حبر

منتمر المرازي المنتمر المرازي المنتمر المرازي المنتمر المرازير المنتمر المرازير المنتمر المرازير فض فلان فاعل سے صاور ہواہے بینی فاعل مخاطب وتنکلم و نائب بین سے کون اس فعل کا میدا باحب سادى متقدمة جب كوال رون مبتدا كهنه مهن غائب مول أس رلبطهم خہ کے سواغائب عن الحواس بعنی ستہ لانے مین تاغیبوب سبرابخونی تحقِّ ہوجاہے کسوا<u>سطے</u> کہ اسل<sup>ین</sup> **خالہ برغائب قرار دیئے گئے بین اُلڑغور کیا جائے ن**ہ وہ غاش عاضر نة تتكلم الك ورجه الملاق تين بين الببته وقت سيان انتكاتحق كسى زكسي فرومين موكا اسيوحيه بندہ کے گونم کہنا ہمی درست ہے اسی طرح حب وہ سنادا واقع ہوتے ہیں شرف خطاب میں ہونے ہین جانچہ جواب نداکی خطابی ضمیرین اس امرکومبرین کرتی ہین لیکٹی ستعمال انکا غائے ساتھ اس لیئے ہے کہ غائب فرد کاٹل ہے اور غائب کا فرد کائل ہونا ہے اسپنے رسالہ زرشت اختارت مل كر دياب أك بيانات كى يختصر كنوايش منين ركه شا والمد تعالي شانه اعلم بالصواب - واضح بوكه صار كاكوئي نكوئي مرجع وماب صوريه كاستلاضها رمزوع فاعل يامتدا يا خركى عانب راجع موسك ادرضائر منصوب مغول كيطرف ادر ضائر مجرورعام بين خواه فاعل كى عانب انكارج عهزه المغنو كى جانب بكن تركيب من مضاف البديا منول حرف جارسبن رسبت مين جنا نيدامشلا أتب سي الحا عال بخوبی سکشف مهومائیگا - آور میمی واضح رہے که مرجع کورا جع سے مقدم مهونا چاہئے لیکن فارسى مين تقديم راجع وتاخير مرجع حبكوا صارقبل الذكر كيني مين عمده مين مويا فضله مين مطلقا جائز كماكياب ابل عرب فصله مين عائز تنهين ركيت سعدى عليدالرحمه كاشعرب تتعرجوام بلندين بودخودېرست ، كندبول وخاشاك بربام سپت ، **ولد شكم** تابنا نش بريدند شك خونی پراشک ، عوفی مشعر نظر به بخت حسودت کشا دران او یا فت ، سپیدی مثره وربدوغفوال گرس ہے کہ ضائر موصوف واقع ہوجاتے ہیں اس باب میں تحقیق صم ِين نہين آتی شعر صلاح کار کوا' مین خراب کوبا ؛ ببین تفاوت رہ از کہا ر چر ترمسنی تومن برمست را سے بر بسے جمت انگیخم دککشاہ ، کمبری هلا صنت مبی کرویتے میں خوامہ جال الدین ملمان کاشعرے شعمر پاوشا ہی دربہار دولت میں بینوا ہ مِستَرَان لِمبلِ كَدِيوْخْتَةَاست مَثل من عديم ﴿ حيا تَى كَيلا نَى سَتْحِرْجِنَا نِيْنَمَسْنَ ديوا نه بهت برعام ، پایش من پنده آرز و مندم و مثال نهیر جمع کی عبدی اشتر خانی کاشعر ہے متعر<sup>خ</sup>

Signal Signal

من المالية الم المالية 
فيتمنى وتعن

بر اون رغه کر اگرستار در در

والي بايد نامان و يك كل داغ جنون برسرمينون زده است و مولوي معنوي قدا ه بن نوخررآآ دمی *سِندانشتم و نظامی مر منتحر چ* بایدرصد گاه و ﻪ**ن • ښمازېر کان ازېپ رياوري • چيگوئيدچون باشداين داور** شاہنامەمىن جواوشۇرىخت آياب اسى قبيل سے ب فرہنگ نگارشا بىنامەنے ضميرومرجع كى ايكىكى مامحت ہے چنانچہ فردوسی علیہالرحمہ گرسیوز وا فرامساب کی يَّةُ بَيْنِ تَتْعَعِر بِخُوا بِاندِنْ بِسِ برافراز تخت ﴿ بَكُرِيدِ فراوان براوشورُ بخت، ت ـ نتجن وقت اس ضمير جمع كى صنت كومفرد تبى لاتے بين يا تو ت کاخیال نہیں کرتے یائس صیغصنت کو بمنزلہ اسم مبس۔ نیضی **فیا**ضی کا شعرہے شعراز کنه کمال اوجہ ابہم وابچران آفر سینس و حیاتی گیلانی ۔ شعر باواً ن وقت که با دلستنده را بارسے بود ، ہرکے رابسہ کوے کے کارے بود ، اور شیسل منبق ب متصل و سن کرمسی لفظ سے الگ ہوکستعل ہنواسیو جے اسکوغیرستقل کہتے ہیں ۔ لِما تي ہے تاني منصوب تالث مجرور - واضح ہوكہ يہ نام مجزرهُ الل عرب مين اسليح جدواللضمراب المرفوعة المتصلة جمع طانسسر جمع غائر بتةربتى سے عیسے اضى کی بجث مین کہین بارز ہوجانی ہے جیے ہے ال ہے اقبل مفتوح جیسے کنڈ دگوئیڈ مین اُسکواسلنے م

ے جزنمالت کر بیداہوئی ہے عام ہوجاتی - جاننا جا بیئے کہ بہنے نقالت عامہ کو مح

منہ اباہے نافقالت مطلعة كوتامغرض سندن كے ماضى سند وكشت<mark>ن كے مضاع كرد وكو بطور لفض</mark> مِیش *نکرے بعنی کو*ٹی یون نہ کیے کہ اگریٹر تقالت بُری تھی تو*ست می*ن جو اضی ستدن **کی ہ**ے اور**گرو**و من جرمضاع مُشتن كابيكس لينه اختياركيكي كي زياده تحييق منظور مونوزيشت افشاركي محف مطلق من ملاحظه کرین . اور جاننا جاہیے که ان ضمیرون کو لقربینه مقام مقدر بھی کردیتے ہیں سعدی پر شخص تُعْمَ كُدُ كُلِيِّ بِسِنم ازباغ وگل ومدم ومست شد ببوے و نظامی رم شعر نیا وروم ازخاند چیزے نخست و تودادى مهرچيزوس چيزست و شعر القصد بازگشتم وآمد بخايد زود 4 در باز كرد و باز ربست اربس آواز إنني وشعر أكرمن براسان شدى اربخن ، ناندى مرا در جبان بيج بن ، جامى در تشعر بجاس نيل بن بودی چه بودی \* زبابوسنس ن سووی چه بودی \* اُلتِغِ ریکیجے توسیلیم خدف جزد معتد مبسے بلاضرور كلامين نقصان ماننا بحق يه كم يكلم على حانب غيب النفات بصروا بعفن شراح كلتان كا غیب اورالتفات بین عاطفه کو فارق رکھنا بالکل ہے جسل ہے سیطیح ضمیر اور مرجع مین باعتبار افراد وجع اختلات مجى موتاب يعنى معض وقت بالم مطابقت كمتى كالحاظ نهين كرت يحزين كاشعرى شعر شکرت حیا گویم اے مڑا ہے دراز است و نگزانتی برست کسے اختیار من و شفا ٹی کہتے ہیں محم خوبان معنهان چشغالى بننيت وخيزم ازين ديارب مهردگرروم و جامى قدس سروفوات بن شعر پرستاران پرستاریش کردی و هوا داران هوا دارا<u>ب شعب کردی و نظامی ر</u>م شیع**ب** لوکب طوالف بعب <sub>م</sub>ان او + کمرب ته برعه و بهان او حدول ضمائر منصوب مجروشك

من شان سنے کہ اقبل ان ضائر متصلہ کا ورصورت اتصال ہمیشہ منتوح رہتاہے لی کن وکت کو کمسور الاول بڑ بہنا جیسے اکثر ہندوستان میں مروج ہے قول مرجوح ہے را جے ہی ہے کہ فتح کے ساتھ بڑ ہیں اسیلئے کمٹن اورکت اسل میں کہ اُش اورکہ اُت بقیاس سائر ہمزات مضمرات جو بعد المسختفی کے تحل حرکت کے لیئے لائے جاتے ہیں بفتح ہمزو ہے بس بعد نقل حرکت بسوے کا نہمزہ کو گراکراً مُن شمیری تی بیا آیا ہی ہم کو جہ وکہ کے ساتھ وصل کرین تووہ اسے مختفی جو بصرورت اتمام

جمع غائب | وجر

يكن الفائد

ريد شور به ريد مي شيد بي مي دي شيد بي مي دي ديد بي مي

برطلفوذا فيورس

یا شین خمیری دمصدی کام برالاست بیاز

بعضومة من بمزمة بل ضميته على كاب نبوع بايازيما في ست مدلاجا با

پنوی شرنسپودیتان ک نی آمدمزان تبربرستان از کیف

بران درشود وكين شرفم رو دميه نز بالفتع برُستے ہیں۔معدی و تشعر عزیے کہ سرکز دیش سربنانت ، بہر در کیر خسروم ش**عر گرسے:**زانی که درین تنگناً ہے ؛ نان زملک مے طلبی نرخه ما به الامتیاز بهی فتح البل وکسیر و الل ہے بھرکٹ ادر کم این کسیرو کی وحیشفی بخش ننہیں أنبل كوركت بوتى ب توفخ كى بوتى ب عية ظلتُ فلتُ عليم كا بُن كتابتُ كا بمُ وخير إ جنائحه درى اورشين ضميري مين ما برالامتياز كسيرُه قابل و فتح أنبل شين كور كه آج و آسری یہ بات کرحذت ہمزو بغینقل حرکت جس سے کش وکیت بالکسیر طال ہوتا۔ غیرام کی ہے لیکن کِرا الکساس قاعدہ سے خارج ہے اسوا سطے کہ بہان سے کوئی ہمزُ مفتوہ خون نہین مراتبض وتت اُس ہم وکو بحال رکھ کے بوج کسٹرہ اقبل یاسے تحتا نی ہے ہمزہ کی طرح ساقط ہوجا تی ہے ہردو کی شالین حضرت مولومی معنوٹی کے اشغارے وا ما دين ادختم مُنتسَ بين خوسُ وكيت الكنداين شهاوت را بكوش و وله اين كيتُ آموخت و كه زبانت كثت وكفلي جريره والله تعالى اعلمه الشايه نمیش *اگرداری سلم* 🕏 بدان ما زکه گوئی روح اعظم 🔹 **ول**ه مده مر القرض مقراض لهمیه **، و له** مے عشقت دیدگری دستی ، وگرافسردگی وخود پرستی ، فرود سی سیتان بودگمنتگوه بنزدیک نهتان بودآبره ۹ وگرییج ک<u>و</u>ّی گلنے برم ۶ نریریے بلتان بهبرم<sup>۶</sup>

ب ماضی طلق آ مرن کا جومنجما انعال ناقصه ہے ۔ ترقمتر مفنان ـ اسکامضان الیهمحذون لینی رفتنم په ذوالحال تهمی دست مال سوّے دوستان یضا ومضاف اليه لمكرفتن كامفعول به زّر- جاره رابط اً آن- اسم الناره سبدل منه يتهم بوسستان يمض ومفات اليد كمكر شاراليدبدل اسم اشاره مع شاراليدييني بدل مع مبدل مندك زك ساخر مرابع ط ہور متعلق رفتن کا ادر رفتنم سپنے حال اور مفعول بداور شعلق کے ساتھ ملکر اسم آمر کا۔ دریغ اسکی خبر مر آمرکامغول بہ ۔ آمان کےفعل ناقص ہونے کے شوار بہت ہیں گلستان میں ہے ۔ وشمنان المرامدند " بینی و تون قید مبول کئے ۔ رشمن اسم اسیر اسکی خبر مثال جمع کی فردسی حرستعر بایران بمروان نخوامن ده ان ﴿ زنان كمربسة واننه مان ﴿ مثال مجروت صلى حب كتابش قلت كاغذم - مبننا جابئيك ككبمى ان جمع كي متصل ضميرول كوجمع كي مفصل ضميرون سے استعارہ كرسليتے مین لینی میصل ضمیرین لفظا وعنی فصل ضمیرون کے قائم فائم تعل موجاتے ہیں۔ فرووسی ح سور ٔ یوست کی شان نزول مین کلیته مین شعیر پیمبرخپین گفت کاین استان 4 که شان شفیم برغیب دان ﴿ اسے اوشان رامن تغیم اور محتمل ہے کہ صاحت الی شغیم کا ہوا ہومن تغیعشا ل مستم- مو**لوی م**عنو*ی رومثنعر*ازسو دوزخ بزنجیرگران با میکشیرتان تامبشت جاو دان به وره ریم مين المين أبين قبل مستغصل مكعاجا ناورست نهو كاكش طيح كثان سشيعم الزاور م كشمت كي طرح مي ثال لكسنا حإسب تغاغرض واستلاجع ضمائر ستصار منصوركي تتيين جربج استضعسار ستعل بهوئين اورضار مجوورا سنعل ہوی بہن ہم آگے بیان کرینگے جیسے میان شاں مدیدہ فرزاندکا کیامعنی که انکے مضافون برکسہ واضافت کا لانا اتصال سے انفصال میں کیجانے بعنی متصلہ کو منفصله بنانے کی دلیل ہے بخلات ضائر مفرد ومتصلہ سے اسلیے کدوا حد کی مصل ضیر ن کی حرفی موتى مين بلامستنا كسى كليك أنكاتنهاآ نامكن بنبن اسقد مستقلال النمين ببيدا بونبين سكتا ۔ دہ مجاے صائر سنفصلہ اپنی حمبون کی طرح مسلم ہون اسیوا سطے درصورت اضافت اک کے ت اصانت دیم آبا ابداً انتحالیجاتی ہے اس سے معلوم ہوگیا کہ حب کس وسے کلمے کے سہارے اور سنادے بغیرائکا بروز وظہور نہیں ہوتا تو یہ ووسری شئے کیلئے وادريستندك بن سكته مبن تبست اورتش كوتواست اورتواش كالخف سجهنا جاسبيا

A Section of the sect

Grande Contract

خوازجوم تتساريهي ابندانشال پريتي بين دونک علامشا ضافت سسمل جوتی بين

بعی علات اضافت منفصلات کی طرح ائے مضاف پر وانمل ہوجاتی ہے۔

Signal Control 
موب زائد تبمی لانی حاتی۔ فرودسي يربيغام سلم وتوركا فربدو -نان مین لکہتے ہن شعر گمفتش بدان شا*و گٹ*نہ ہیسرہ پ ينكام ع الغيرف لمنفرده ابني مضائب ساليي لمحاتي مبن كدكويا جوسركلمه مضا اخيرمين آويگا - اورىيخ رُجع کے کہ کمیم مفرد کی طرح اپنے اتصال اصلی بررستے ہیں جیسے ہے شعر کنیزان را بہیش ادبیا کردہخدست سرد بالاشان دو تاکرد و ل لعل دزرسمه برموکم ببند 🛊 جنگ سکنندو فورمین فردوس ن ﴿ خِشْتَرِكَه بِرست خُولتِيتن نان خِرون ﴿ مُولُومُي مُ فرق اندک به بعینه سرسیکے چوان آن دگر مک به کبھی تنها بلاستناوم مل ہوتے ہین نظامی علیہ الرحمہ کاشعر ہے ستعقر زحینی بخو مدیکسے مردمی ﴿ كَحَرْبِ شان ومی و اے اوشان اومی - اسیرسروس معمور دروساع من و باس بجوش و شان بزبان دريغ وريغ و من جهنان تان چنين دريغ وريغ و ا يضائرم فورع ومح

| واحدفائب بع فائب وجد ماضر جمع ماضر وجد تنكلم بع مشكلم الد - و حد اوشان - ابنان تو سفه من من منكلم من الد - و حد اوشان - ابنان تو سفه من |
|---|
| جیسے گفت اولینی گفت کے فعل ہونے کی صورت بین ضمیر مرفوع ہے در نہ ضمیر نہور د ۔ <b>جدول ضمائر منصو میڈ فصلہ</b> داحد فائب جمع خائب و انسہ حاضر بع خاسس و احس میک کم سمع میکلم |
| جدول ضائر منصورت فصله<br>واحدفائب جمع غانب واحد عاشر جمع غاسر واحد بركام جمع شكلم   |
| جدول ضائر منصورت فصله<br>واحدفائب جمع غانب واحد عاشر جمع غاسر واحد بركام جمع شكلم   |
|   |
| اورا - ورا او ورا اوشانزا البيانزا ترا المنارا مرا المرا  |
|   |
| طاننا چا ہیئے کہ وے مرادت او مکن ہے کہ ایک شقل ضمیر ہوا در پیجھی مکن ہوکہ اُوسی کا مخفف ہوا ور  |
| أدْمى من باست عناني أسي تسم كى سب جوبعد كمّ تن زائد موتى سب حبكابيان اضافت مين أئيكا  |
| فرورسی رم فرماتے میں شعر مراکس که ازراه یزدان گبشت ، بهان عبداؤی و بهان بادوشت ، یعنے   |
| عهدا دوبا دوشت سرد د برابرستَ . ایضا در حرسراید شیعمر از و شاد مانی و زومرومیست به از دمیت نزونی  |
| زویت کمی ست بسعدی روش مرچنوے خرومند فرخ نهاد به ندار د جهان تاجها نست یاد به اسواسط   |
| کہ از دیت مرکب ہے از آ ڈی اور تا سے خطاب سے اسی طرح جنو سے مخفف ہے جون اور کے   |
| غرض أيى أوْ سے مين سے حب الف حذف كيا گيا واؤساكن رنگيا توبوجه تعذر سكون ابتدائي أسپر حركت   |
| فتح کی دگیئی کیونکہ دواخت الحوکات ہے سعدی روشعر مگبنت انچہ دیداز کرمہاے دئے وشہنشہ  |
| ثناگفت برّال طئے ؛ اہل توران بہنبت اوکے وَنے کو زیادہ استعال کرتے ہیں اسطرح حبضمینطونو  |
| أُورًا برسے الف گرادیا جا آہے وَرًا بالغتج كہاجا اہے اُسكو دیرا كامخفف ماننا تعلیل ولیلیل تخفیف   |
| وتخنیف ہے را تُرا مین وخفف قراہے حرکت اللی ہے نہ عارضی اور امومی میں جیسے العف ط  |
| ہوکروٹی رنگہااُسی اُڈی میں سے وا و حذف ہوکراٹی بالکسسرر ہجاتا ہے لیکن العب کاضم مجاور   |
| ا عنانی کسره سے بدلدیاگیا جنانج اسکی مع ایشان ستمل سے عامی قدس سره شعرمی دنم  |
| له با بینان چه کمین داشت به که زیرخاکشان آسوده مگز هشت به معینی ان دو نون قسمون کے تخیفنی   |
| ميغون مين يون عدل كيا كيا كه جس كا اول تخذب مين أكياب أسكى عوض عالمت او تى كے ساتھ  |
| جوا فراد ہے وہنقص ہوا در حبکا اختر تخفیف مین آگیا عالت آخر می کے سامتہ توجمع ہے وہ فعم  |
| ینی اسکانتصان جزخفیف حرف اخرے ہواہ ادات جمع سے بحراحات اور کمانتصا-   |

عادره المارية عادره الدينة عادره الدينة

صنت واوکو حنوف اغیراس کے قرار دیا کہ بہان اے بعدمہ ورہس زائد جو سرکلہ سے فارج سے **گ**و ان دونول تخفيفون مين بمنرارُج سركلم أسكو وحرب عارض سوگيا آورنيزاشتراك ا امر بخوبی ظانبر ہوسکتاہے جیسے عربی مین هو اور هی پس اُڈ اورایٹی اُوسی مَہو دہبی کام ہے ہوز کا ہمرہ سے بدلنامعلوم ہے اسطرح مہندی مین وہ اور سے اوسی مہو اور سی کاظب ہے نان امزانیث و نذکیزصوصیات زبان سے ہے جو مُبوَا در ہِیَ مین فرق ہے اور اُوُا در اِسی مين اس قسم كافسرق نبين - والله تعاك اعلم-ضمائر منصوبهُ مفرده مین سواسے افرا و وُیرا کے حاضرونتکلم بین صینعها سے خفعنہ کا استعمال اکتر ہے ہے اس شا دونا در برتے عابتے ہیں۔ سامعائی سمدانی کاشعر سے شعر بسکھادت دل من ا باشد • تَكْزِمِرُكُ سِمِهِ كَكُشْت مْدَامت باشد وَ آگاه بهوها بيُن كه ضا رُمِنفصلهُ عَا سُبِحِ ذوى العقول كى ضمية ركن بين ليكر بعض وقتُ انكوغير ذوى العقول كے ليئے ا نظامی یم کاشعرب شعرمی کومراره بهنرل برد ، سهددل برنداوغم دل برد ، لیکن میرب زد مک التخصيص كى كونى وجهنهن اساتذه المل زبان سسے دونون مو تعون بر ضائر منف ٹابت ہے معہذا میاس بھی اسکو متنصی ہے اس طرح ضا رجمع بھی نظامی رہ شعرمہندس ہے جوید ازرازستان 4 نداند که جون کردی آغاز شان 4 گرحب اُنپرکونی رابط وغیره آحابا ہے تو اُسکے تھ ىلەغىر*ىسىنىلەك س*نابە ہوء**اتى ہ**ىن پ*ى اُن ت*صل ضميرون كىط**ى** ذوسى العقول وغيرذوي العقول سردومين بالاتفاق ابحا استعال حائزر كحقة ببن يسعدي يرمثن عربترسدخرومند ازین بحرخون ۴ کزدکس نبروست کشی برون **۴ وله** چونه مابشیرینی اندود و پوست ۹ چوبازش کنی استخانے دروست 4 مثال وسے کی ولمہ دینری برسراے ببند 4 کہ بانگ زن ازوہے برایلنڈ وأتضح بهوكه ضائر خواه متصله بهون بالمنفصلاأن مواضع بين تعمل مهوتي بين كه جهان زبان أردوين لفظائبنا بولاعا ناسب يرايني اسينه محاوره اورخصوصيت زبان كي بات سبيه اون كومعني خود كتد مین بسندنهبن کرتا اس برطره به که ضائر مصله کوخصرص کرنے مین به خلا بیخص ہے ظہوری **تع** نہدخر *ہرطرف واہے ز*نار *ن ہ*کزان رو ہر توی گرو دشکار میں ہسع*دی پرمنتھ* تراکے میشود ہنجا

فرانے مین منت**ع د**یشم توازعیب تو ویدن تبی ست ۱ از دگرے پرس کوعیب توجیہ *ڿ*نان *گرم کن عو*م رایم بتو 🗧 که خرم دل آیم چآیم بتو ۹ فرودسی ۵ هرام کی ههن-بله کی بجابنہیں تھی تکہ ضرورت شائر منفصہ مولوى معنوى قدس سره العزيز كارشاد بسي شعركفت بغير سابيع زيدا وكيف إحب ا رنیتی باصغا • گفت عبداسومنا بازاوش گفت • کونشات ازباغ ایمان گزشگفت • **ولت** اوگرزان واکما انديكين وميدو دجرويد يراني دَين و وكروغن اندر دوغ بنهان ميشود و سرح ييسازي تواش آن ميشود و و له كه كراكت ادبياش كن ورنباشد حق زاون ماش كن و و له ديده عقلت بدوبيرون جبد وطن ادت انركف طاعون ننهد وسعدى ح منع سراكية خصيت حقيمود ، تادر شتی ہنرزہ پنداری ؛ آور مض مواضع مین لفظ خود پر ضائر متصلہ نبظر تاکبید مزید لاحت کرتے من جیسے نظامی ری کا شعر ہے شعر سخن بربد ہید نیا پد صواب ، بونت خودش دا دہ با پد جواب ; اسكابيان تحت حرف من أوسيكا. انشاء المدتعالي شانه ف

ضَّارُرِخِوْاه وه متصله بهون باسفصله العن را رُجِي لات بين فردوسي جربيرن مع بينين محوانه افراسيا كي روبرو بوف كي دوستان بين لكمة بين شخصر نه بين كداين مركنش ريسنا ه فرفي المسكاله بهي برمنا ه احد برمن وله من از بادشا بهت آباد ما بربرگان فرخن دو بنياد ما بربرگان فرخن دو بنياد ما به اباده مه اورضيه بهي شكلم درصورت مضاف اليه زائم جي لا ئي جا تي ہے فرالمنا خوين علي يك كوشت و مربدن ما بهي اله المح و مبدل الله على الله على الله على الله الله المحد و مبدل ما بهي اله المحد و مبدل الله على الله على موسول يو دو اسم سه كواك ما تعد جب كك كوئي جله وسل نبات جس بين الك ضميم الشي موصول كونه فرست الله على مرك كاكا لل جزونهيون بن سكتا بعنى فقط موصول كونه فرست الله مسكة بين من خرف فاعل ندمنعول ندمضا ف الديدوغير واور أس جلك وجواس اسم موصول كونيا كله سكتة بهن من خرفة فاعل ندمنعول ندمضا ف الديدوغير واور أس جلك وجواس اسم موصول كونيا

Joins!

Chille.

على تضعوع تميم معماليني كازار برزا-

The state of the s

منمكوء اسم موصول كي جانب عيرتي ہے اوراس جليكا تعلق اُس عدى حكاسنعرس فتعسر اسے كه منياه رفت وور خوابى 4 گراين بنج روز ريابي و له مېركه آمد عمارت نوصانت ، رفت ومنزل برگرے برواخت ، بیمبی یا درہے کہ آموسانت بید ہے ين مركب فعل مين ليكن إسكى بيج مين فاصله نعول به كاوا فع هوگياسيه اورا كيدرميان سي بحریف وسل کہئے یاعا طفہ محذوف ہے اور وہ وا دہیے یا نامے حقی اسواسطے صل اسکی ہر*کہ آمدوسا خت با ہرکہ آمدہ ساخت عارت نو راہے اس*کی نظائر بہت سی مبن نظامی چمہ اسرت<sup>ہا</sup> ارج مین فرانے مین **تقعیرت** او کہ صافی تراز جان ہاست + اگر شد بیک لحظیر آمدرو ہ لحظيثه وآمد باشده آمرمهان فاصلة طوب كاسب ولمه درفشان سيكه تبغ جون جثيم كور وبلاك ے مور ، برآمیخت ا مدان تندشیر ، نشا پرشدن سوے شیران لیر دلکن واوار کا اسى طرح غيبت وخطاب وتكلمةين بالهمرموافق بهونے ضرور بین اور المصحِّفی اس قبدِ مطالعت إكئے لیکرفبل کمتی بدا کاماضی ہونا اورفعل نا ٹی سے اول پر تفریع سنرط ہےلیں ان میں نسبت عموم مرفی حبر ای تنقق ہوگی ملاضیہ ہی کا شعرہے **شعر** سینہ واکر دہ مجلٹن جوخرامان گزرد **ہ**لبل از حا<sup>م گ</sup>زردگل زگر بیان گزرد ؛ جیسے زیز زومن آمدہ نبنست بینی مبٹینا آنے برستفرع ہے اوراس قسم کے رکیبی **فعلو کئے فاعلونکا اتحاد واجب سے اگر فاعل مغائر سو نگے ترکیب باقی نرہے گی -اس قسم کی آفک** أردويين مجى مع الفاصل وغيرفال دونون طرئ شعل ہے جیسے کہتے ہین کھاچکا لے بھاگا لاوما ببمرككمعنوى كإش انسكوپایا با آغوش مین آگے لگایا با آ مرم برب مطلب آمر كالفظ عموم افراد كے لينے . وه مشادی

مانب كەموھولە- آيزبطو**ن عليە <u>- عمارت</u> نوبياخت كامغ**ول بر - <del>ساخت</del> معطو**ن تبقدر روعل<sup>يف</sup>** 

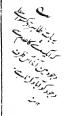
معهوصول مضاف اليتهركا ادرمضاف مضاف اليه لمكرمبتلا رنفت فعل لازمر ائرمين ضميفإعلى

ا ارمعطوت علیه ملکرسله - اور دونون معلون مین جوضمیه زماعلی سر

الرائية المائية المائة المافرام المائة الماف المائة لامائة المائة المائة المائة المائة المائة المائة المائة المائة الماف المائة المائا لمال المائة الماتا لمالاماد المات المالاماة المالاماد لمالام المائة المالام المالماد المالم المالماد المائة ال

مرد مرد المرد الم

ب مبتدا راجع وه ذوالحال ـ و<del>اد</del> خاليه . <del>منزل ب</del>رو**خت كاننعول به - برگر**يستعلق برو**خت** اور پردافت فعل متعدی اکی ضمیر جھی طانب بتداراجع - اور پردافت مت فاعل اور مععل اور تعلق کے ملکرحال۔ اورحال مع ذوالحال کے فاعل رفت کا ۔ رفت مع اپنے فاعل کے خبر۔ اورمیتراخیر سابحر لمكرجلة اسميه لبس ان معنون كى تقدير برجو بطأهم لفظآ مدزائد لا يا گيا سے ازروے لطائف عل ۔ فاعل کے ترود وسعی ومحنت کشی برشعرہے جیسے میں نکہ تالفظ آور دکی زیا وتی سے نا صالی علیہ الرحمہ مح شعريين لمحوظ ب تشعر خيال مكيسي من وفابيا وش دا و د بجاب شع دل آور و وبر مزارم سوخت د ورنه بركه عمارت نوساخت اورول برمزارم سوخت وادا مصطلب كوكا في تها- أيك اوطرح مهمی <sub>ا</sub>س جله کی ترکیب کرسکته بین . سر که آمد موصول صله اور مضاف مضاف البیه ملکر مبتردا - عمارت نوساخت خبر- اورفت وننزل انخ ببرستور مذكور خبر بعبد خبر- امك اورطرت بمى تركيب اس جله کی ہوسکتی ہے۔ ہرکہ موصول تبصنین مسنے مشرط عمارت نوساخت ورفت و منزل ابوٰمعطوف ہوطو عجلیہ اسكى حزار تعض ميا بنجيون كاس شعر پراعتراض ہے كد مبت سے نتیجے بیدا ہوتے ہین مرجانے بین بس عمارت نوساخت کامفاد بخودتی سمجھ مین نہیں تا'' اس قسم کے اعتراض فابل التفاینہیں عمارت نوساختن ببنی نوآباد کر نامراداس آبا دانی سے د نیامین وجوٰ د نو کایا نا ہے ۔ بینی جرکو نی ونیاین آیا ابنے مدوم اس مین ایک نمی آبادی لایاجب وه مرکبا اس سنرل کوجود نیا ہواور تھے لیئے خالی کر دیا۔ان معنون کی روسے نعظ ہرکی عموسیت لورسے طورسے نابت رہ سکتی ہے کیا حيوان كيا نبات كيا جاد وغيره وغيره والن كمرصوله جوز والعقول كي ليدموضوعب تغل لىشىدا فة العاقل بولاً كيا اوريه تكلف فقط سركى عوسيت سنبسا لينه كى خاطركيا كيا اور دمونتي سينيم بیان کرآئے ہیں اُس بن کو ٹی تکلف نہیں معبذااگر لفظ تہرکا اندلیٹ متا تواُسکوعموم یئے لیناکیا ضردہب بلکھومیت عرفیہ مراد ہوسکتے والقد اعلم بابصواب اور مہت جاسے تو حقیقیہ کے لیئے بھی آنا ہے فرودسی علیہ الرحمة جنگ رستم وخا قال میں زمزمہ سنج ہیں مع جہان رابلے دی دلیتی تو ئی: ندائم جُہ ہر حوبہ ستی تو ٹی ﴿ یه اِت لَعِصْ موضِين کے نوکھ ت ہو ہے کہ فردوسٹی کا بیشعر مقبول بارگاہ صمدیت ہواجہ موحب ُ انتحی سخا**ت کاموالیکن خلاف** د کیما حاب نظامی علیه الرحیته کاشعر**ی** بنا و لبندی دلبتی قر کی ۲۰ مهر نیستند سبرحی<sup>م</sup> به تو کی



blue des Jacon Olose Service Company For Charling Signal Sing Ensertice. Gailly Con of the season of TE RELEASE Charle Milly مُ کَالِمُوْمِ الْخِ ين المان والمان 3.00 المنابلين. دين الموال كال 1345×121 1. J. J. J. J. V.

مین کس غضب کی ملاغت کوٹ کوٹ کر عبر می ہے جو نکہ پیشعراسینے اقبار بغیرتشریح اشعار قابل و مابعدبطف مال نهو گا بخص*رع ص کر*تا هون م ز ما خدمت آید خدا کی تراست + خدا یع میغه فاعل ترکیبی کا ہے ازروے لفظ مرک حوامرسجه آمرن كاليح نكه كشرت ستعال تخنيف كو تفضى سبت واوحذت موكيا اورية فاعده سب كالعت واومدہ کے بعد خاص کرانعال مین بائے تحانی جواز الرالج دیا کہتے ہیں اور ترکیب کے وقت تحل حرکت کے لیئے دجو <sup>ب</sup>اجیسے آمی وگومی اور او گو اور آید وگویدا در میبان مبھی بوجہ ترکیب حرف مرا زیادتی دجوبی بسے اور اسکے خرونانی صیغدامرکی نعلیت سے حدوث کاست بچف وہم ہے . قابل النفات نہین معہذاحب کے کہ اُسکے فعلیت کالحاظ ملکہ لحاظ اُسکی ترکیب سے اُٹھاکریشے واحد نکہ دیا حاب معنی فاعلیت ترکیبی کے بیدانہین ہوتے اسبواسطے پر ترکیبی جینے صفات کے س سجھے جاتے ہین اوراساء صفات مین کو ئی حدوث کا قائل نہین درنہ واجب مبی اسم سفت ہے والمدتعالي اعلم بابصواب اورندا کے لیئے فارسی مین اسی بالک کِٹیرالاستعال ہے تُوما سواا ور حروت ندائيركے الف كا اضياركرنا حديث شريف كل احراذى بال لحديدة ببسم المعفهوانطع کی امثال مین جبینا ہے اسوا سطے کہ جولفظ پہلے زبان سے نکلے وہ نام خداوند عظم شانہ تکلے بخلا اورحروت مائید کے کدائن میں بوجہ تقاضا ہے صدارت یہ بات مکن نرتھی معہذا چونکہ انسان کا عدوسین ہے ہرطرے سے اُ سکے اہلاک اور نجات کی راہ زنی کے دریے ہے توسوا اسکے کدائس خداوند فالب و قاہرجل و عَلَاکے حریم حایت وحلہ وشمن سے امن باپنے کی کوئی صورت نظر نہیں آئی تو ہیلے ہی بصینعهٔ حاضرافتتا ح کلام کیا اور دعوای جهان با دیناهبی کوبلیاس خطاب جوجواب ندایسته میان کیا اور میرمصداق سبحان التدانعظيمركس ملاغت سے ان مېردومضمون تعوذ وتسميه کوایک عبارت مين بيان فرمايا -جها بالفتح بمن عالم وروز گارتحیت اسکی صفت منب کے بیان مین آویگی انشاہ الد تعالیٰ - بادشانی بقاعدهٔ تبدیل بای**ناین سے با دِثانی کر**لیا پابقاعدہ حذنبِ گیا وگیا ہ گواہ وگوا جیسے سعد*ی پرس* ىپسال وزىرناقصىتىل « گېدا ئى بروىستارفىنىد « روىستازا د گان دېنشىند ؛ بزىرى بادىنافىنىد ، ازلیثان سوارے نمانم بجا۔ بعد حذف یا وفت الحاق

یا ہے مصدری قل حرکت کے لیئے ہمزہ طرفا دیا غرض پر ہلے جہان یا دشائی تراسف وعوی ہے اور ت مین را بجا ہے لامرہارہ کے تضیعص کا کلہ ہے اب اس دعومی ہر دلیل لاتے ہیں خیانجیر اخیرمین خو د فرایا ہے۔ چو شد حجت برخدا کی دیت + زمآجا مبرور تعلق آبیہ کے اور تقدم ظرف کا ا بنے تعلق بیفدید حسر آیفول ناقص مینے ہونے کے یافعل تام بینے شہور۔ اُگر کو کی سٹ برکے کو ً ہم موقع میں افلہارغدمت ہوعین عبا دت ہے بیجا ہے معہذاعکت مینی انتبات دعوا <sub>ک</sub>رجهان بازنیا مین اسکوکیا دخل اور آسے اکٹرا سینے بنی نوع مراد ہوتے ہین کسلیے کدوہ قریب بین تو حصر ضرمت ينى عباوت ونوع انسان كب رواسيحب ماخلقت الجن وكلانس كلاليعبدون آيام والرشركا عنس عالی مراد بین تو بیشک کل مخلوقات کی خدم گزاری ظاہر ہوگئی لیکن نقط سب محت لوق کی خدسگزاری دلیل با دنتابت نبین موتی مجاب ان باتونکایه ب کحب انسان سے اشرن موکر خدستكزار سواتوجميع نحلوت أسكيضهن مين تبعًا وقهرًا كُني ادرزها كالقدم تقتضى حصرسه اورحصر مطلق یسنے حصر کلی وہبی ہے جولزوم ساوسی کے درجہ میں ہوجیسے ہم خدمت کئے۔ التمقصورس توخلاصداس لزوم كانه يحكه كاكه عبوديت بهارا حصدس اور مبم عبودیت ہی کے لیئے مین تو ملورعبا وت فعلی و قہری کا لہم مخلوفات ہی سے ہوگا مولوی حنوکگ شعراج ازان اوست وآن ما كمر و واست اوكز صنود واردگزر ، لس طا سب بهان مقصودافها عبادت نهبين ملكه اظهار عبوديت ب ادر نيزيه مبيى واضع هوگيا كداگرجه يهجله ستقل وليل نهبين ليكن اسے بالک الگ خارج بھی نہین غرض بہان کہتے یہ بات ساویر بن کہ شرکا ہے عبس عالی مینی خلافا مِن ہے کوئی لایت یا وشاہت و حکمہ انی نہین ۔ حکمہ انی اور باوشاہت کے لایت ایسی ذات حاہیئے کرکسی کے احسان ومنت کا وہ مر ہون بنہوسوسب سے پہلے اورسب احسانون کاکشکول اعطا وجود ہے اسواسطے کدکل احسانات معادی اور معاشی اِسیکے وسیلہ سے ہیں تومبیٹک وہی یاوشاہ ہم ۔ جوخود آیندہ ہے ابنے وجود باجود میں وہ کے بکا مخاج نہیں لیکن اس ثبوت کو نقط <del>ضدا کی تراست</del> يراكنفانكها بلكابني خدمت كومبي سابقولها ملكهمقدم وسيكه كماكسواسط كدحكم إني اوريا وشاهت عا محکوم توجہ نوی رکھتی ہے اور دوسرا یہ کہ معرفت کی تجلیات مین حب سالک دخل ہوتا ہے تواکیو اُن تجلید کے اوان مین ملون باتا ہے جیسے زمگین آئنون کی قندیل کا عکس حسب رنگ آئیند ہوتا۔

The state of the s

یعنی شئے بروہ عکس مڑنگا وہ بھی ائسی رنگ بین نظراد گالیس اپنی غفایت اوقصوراد یقین کربیمیتا سبے کہ یہ اُسکا اصلی رنگ ہے یہ حال ارباب سلوک برمنا ہد سے حبا تخریضر سے قدس سره کا انالحق کہنا ہے نبیل سئے ہے تو پہلے ہی اپنی غلامی کی سندھال کر لی تا ہروقہ پیش نظریهے لیکن اُس خداوندحل وعلایتانه کاخود موجود مہونا اور و نیکے وجو بخشش کوم اەبلىدى كېتى توئى «سمەنىستىد بېرچىستى تو ئى « بنا ماہدالقیام مراد ہے بینی ما ہدالقیا**م**رپستی وملبند سی توہبی ہے کیامعنی کدفیام پستی وملبندی کا مجم<del>ی س</del>ے ب اور ملبندی ولیتی سے قطعت کلی حراوہ سے اور وصعت کلی سے ایکے جمیج موصو فات مرا د ہوتے ہین پایہ کہ دوشضاوکو ذکرکر کے جمیع افراد مراد لیتے ہین یغرض ہرایک کا مایہ التبامروسی ذات پاک ہے۔اُسکاکو ئی مابہ القیام نہین وہ خود بخود ہے کہ خدا ہے۔اور پناہ کے ظرف کوحذت ُرد بامینی ر امرمین وہ بنا ہے پہنوں مبان کیا اس سے علوم ہواکہ سرتنے کے لئے سرامروحود ولقا وغیرہما میں وہی بناہ سے بعنی سرننے کا سرامریین و سی ماہ القیام اور محتاج البیحفیقی ہے توخو د بخو د آنیو الاحق میں هوكا درسب أسكر دجود باجود سيستفيض ورندمحتاج نهوكا ندمحتاج السيحقيقي بس حب مهرشة سراهرن اس دیے کواسکی محتاج ہو ئی تو بحیار اُسکوسہت ہی کیا کہیئے حقیقت مین وہی ہم آگئے نیست ہین اب ہمہاوست کئے ایمہاز دست سب درست سے یہ جادہ نہایت ہلم سے بڑی سے مبرا مدرجہ اتم ہے اور عموم افراد کے لیے تحصیص ملبک ولينبي كمحف برعايت سردومقام عبوديت وعبديت لبني حذائي وخدمت ادائي سابق الذكريسجادم تی ایک صبیغہ نہین ملکمت سے اوراُس پاسے مرکب سے جو بچائے معل ناقص مخاطب کے ال بو تاپیے ٹینی موحودستی ۔مکن ہے کہ ہتی حال مصدرمینی وحود متبدا ہوادرخہ کا محذو بعنى يستىست اورمبتدا خبركے ساتھ ملكصله موصول كااور موصول وصله ملكه سردو تقدير پژيب تبدأ اور تو ٹی سکی خبر آن اتنا شنبہ یا تی رسیگا کہ تق برا ول برصلہ ادر خبر کے دونون عالم خطابی ہن ول فائر بہتوقت رنانی میں عائد خرخطابی ہے اسکی نظائر سبت سی بین اس قسم کے بالهلماند شبهات سے جواُ سکھے زمانہ بین ہوئے '' باران شعرمرا در مرسب کھ برد ٌ حزما یا لیکن س نانی نقتر پریر نبوت مطلب بطروت مذهب حکما هر کا کبامعنی که به لوگ دحود بارینعا لی کومین دات استه ایر

لینی ده جوعین وج<sub>و</sub>د سے توہی ہے چونکہ شوت مرعاالغا ظرشعرسا **بق سے بصراحت نہضا تولف** دنشر معكوس كيطرح ببيليعمره تضادى كوادر بعيرمغا دلفظ بناه كوبصراحت ببيان فرمان يبين ناملبالئروت ببنع وسهل طلب بردوللت اندوز بون ع مها فريدي زبالاولبت + توفي آفرينده برحيبت ٠-آخریدن کسی شنے کو عدمہسے وج<sub>و</sub>د مین لانیکا نامہے بناہ کی تحقیق میں علوم ہودیکا کہ ہر**شے کا** ماہدال**تیا**م وہی ہے تروجود و بقالی بنیاہ بھی اُسی سے ہے اور جو ما بدالقیام وجود شے کا ہوگا وہی خات شے ہوگا تواسكو يمبر آخرييي كهنا ورست مواليكن فقط وجودكي بناه بركفايت كرنا اس دجدس سے كه خلق شئے اُس شرك اورحالات سے اقدم اور صل عظم سے -ز بالادب سے سمد كے سيان والنيس شى عمرم تضادی رتبنبیہ ہے اوراس بات برجهی متنه کرنے مین کرجیسے وہ اوصا ٹ کو بیداکر تاہے اُکلے سرصوفات کوچی پیدا کرا ہے تواسکو تو کی آذیین 'ہ ہر حیہہت کہنا درست ہواغرض نتیجہ یہ کا کہ اعراض وجاببرب کاجن جن برسبت کا اطلاق آتا ہے توہی آفرین، مسے پس تو کی آفرینند کا مہر حیت خائی تراست کے ساوی ہے آورز بالاوسیت مین زاکو ابتدائیہ میں کہ سکتے ہیں اس صورت ین بہد کی عمومیت بقرینیهٔ زبالاوسپت مقصر ماسواے بالاوسپت مین ریم بگی اور بالاوسیت سے آبائے علوى وامهات سفلي مرادبهو مجمح اورسمه آفريدي سيتخليق مواليية للنذكا ذكر سو كاليكن بيركل المزلين ابوين وعالى مجودات ومركبات ناقصدين سبيكاكدا لكا آخر بيند وكون سب سوكمبديا توكي آخرينند دهم ت ادریه دلیل فقط زبانی جمع خرج اور معقولی دهکوسلے ندسیمے حائین سومرعایت اسی بالات كي خابدات سي متيان بسكرت بن ع تونى برترين دنش آموزناك و زدنش قلم رانده برلوح خاک ہ برترین صینہ نعضیل صغت دانش کی آموز ناک بین لفظ ناک نسبت فاعلی کے لیے بعنی *آموز گارلیکو بحقق ہُس*تا دیہ سے کہ پہ کلہ سالغۂ فاعلیت کے لئے آنا <u>س</u>ے <u>جسے زار و</u>س سالغة ظوف كے ليئے تق بين ليني مبت دانس سكملا نيوالا زدانش يا تويون كريئے كرسيان قلم سب يابيان فلمراندن جونمن مين فلمرانده كے ہے - دانش حال صدر دانستن معنى علم بقرينه آموز اور يد اشاره ہے بیاب ارشاد خداوندجل وعلاشاننگ کہ اُدیم الآبد حرباعث برتری ونفوق رمل محما بس لفظ برترین کا با تو اسواسطے بیان کیا گیا کہ جوعلم باعث برتری ہو وہ خود برترہے - برترینین یا و ذن مبالغ صفت کے لیئے مینی اس علم کا ما دہ اور اس برتری ہے جس سے وہ علم مهمتن

ن جيزون كاعلم دياگيا شا او حضرت وم علابنينا وعليال ھے کہ یہ ہات نظامبرہ کے کو <del>رشت</del>ے قبل اسکے حال محض نہ نصے ور نبال سلام خطاب آلهى سے كيونكه بنے فيانب ہوتے معلوم ہواكه علم تھا گر حبيااور متنا كهصرت ادمه على نبينا وعليهال المركوعلم حقائق ومعرفت ذوات وغوص واسماي م ل علم وتُوانين صناعات وكيفيت آلا<sup>ل</sup>ت القاكيا كميا تها نتحاكيا معنى كەنتظو*را نكواپ*نا خليفه بناما تھا تو ہر چیز کی معرفت وعلم دیاگیا آ کارخلافت سرانجام با وسے بلکہ تعالے شاند نے ابنے دست قدرت ے متبائنہ واجزا کے تحلینہ رکھے کہ جیستعدالا دراک معقولات سے اس کالبدخاکی کے ایسے توا۔ وتتغيلات وموسومات كامهوا يهال كك كهمهنوز روح بإيئن بدن مين منبين ميونجي متمى له بحج وعطسه ننكراآبهي مين انحد دلله فرمايا اورعلم آسوزمي سيعلم آموزمي حضرت ومرجلة نبيناوعليه ألمآ لبينا بقرسئه لوح خاك بسے غرض مولانا نظامي رحمه الله فرمات مبن توہي حضرت آوم عليات الموكالموز گا علم عالی ہے اور توسنے ہی اوح خاک پر حرف علم کے لکھیے اس سے وہی اجزا و قومی مٹ بأ ومختلفه ستعدة الادراك مرادبين يايكه علم آموزهي ولوح فاك مين تخصيص حضرت أومرعلماله کی نکرین ملکہ بوسیلہ آپہی سے مطلق داٹ انسان سے لیئے میں خاہت کر دین۔ واسترتعا لیے علم ، غرض اسُ ذات یاک سے خود بخود موسنے برجو جزو دلی لٰ خدائی تر ہت کا سفا دسے حبت پرری سوکئی تو دلیل بوری ہوگئی بس دعوی اسی کے ساتھ بادشاہی جبان کے خصا کانا بت ہوگیا تو کہتے ہیں ہے چوشد حجت برخدائی درست ۽ خرو دا د برتوگواہی نخست دمینی ہجت تیری ضائی پریوری ہوگئی توعقل نے نسلے کرلیا جیلے تیری گواہی دی کہ بیٹک ياد شابهي حبان تعمى كوسزادار سي تخصيص خرد اسواسط كدده مدركه تطبیق دلیل دتصدیق دعری سے کامنصب سے گواہی صفات دذات خداوندی کی مین ایما دوجان سے اور یہ دولت سرری حبکو عال مودہ نے شکفال شاماس و آ ذین ہے دوسراسا تھہی ایکے یٹ بگزرتا ہے کہ خرد کو ٹی خور بخود آور سفل مستعد نبغ نے ہے جو دلائل و حج برنظر کرے اُسکی گواہی وینے کی قابلیت اپنے آپ رکھتی ہے کیاضرور

كه وه قابليت بهىع طاكردهٔ لم يزلى بهوتوكس غوبي سے دونون ضمون كو ايک عبارت بين اداكيتے ىبىن 🗅 خردراتوردىن بىركردۇ ، چراغ مړايت تومېركردۇ ، يىنى اىك توخرد كى مع روش ج ما تھر رویب رارڈس کننڈہ بصر خرو اُسی خدا وند باک کا ہونا ۔ را - باتوا**صّا ن**ی یامفعولی د*رسوت* اولى بصرىضات خردمصنا ت البه بمضات معهضات البهنعول اول كرده اورحب كيخر دكوت مل مرخ پایا ائىسپىرتوچەتامە كى صەرنىيىن مېپت اُسكوبنا پالېكن فقطاروشنى بصركو كى كامزىمىين دىتى . جب مک جراغ بدایت کی رکشنی آھے نہو ٹرے ٹرے مکیمرٹ مہادت سے محوو ممرکئے گراہی کی اندہیری مین سفہاسے بدتر گزرگئے ۔چراغ ہدایت باضافت بیانیہ ہدایت کے 'ہر دومنی ىت بېررىينى را مېطلوب نمودن يامطلوب رسانيدن ميان مكن - بركر دن منينى بلندكرينے كے مجازاً اسک مطلق روشن کرنا کهدسیتے بین اسوا سطے که حو چنر مبتقدر ملبندی بر روشن <sup>ج</sup>گی اسیقدر دور دور کک برترانگن ہوگی اِسی داسطے بحلی کی چک تمام عالمہ پر نہین ہوتی سارات كى ومك بشيرط محا ذات تمام عالم بربه وتى بسے لينى جراغ راه نما ئى كو تونے ہى او پرسُكاد يا كە مثل افتا ب کے عالمتاب سب عالم سے کوئی شپر شم اُسکو ندیکھے اب بیمعنی ہوئے کہ حزد کو تو نے روشنی بصروی اور حراغ راه ناکی میمی آگے کر دیا تووه راه باب سوئی مدیا پھینی نزد کے تبدر رضالیم ييني برمن كروه يا براوكروه عي بركرون بغير باويل مطابقة روش كرف أور حراغ ملكان كي سيم حبكا ترحمه مطابقي بهندي مين بالناب يينائحه اميرخسرورحمة ابسيطليه حراغ كي مهسلي بين فرماتي مبرب ب کو بھایا ﴿ حبِ بڑا ہوا کام نہ آیا ﴿۔ غرض قطع نظر نکات معنویہ وبلاغت اوسہ کے **ث** ہہادت توحیدین جومین ایمانی اختقاد <sup>ک</sup>ہے حکم تیقنی ضرور سی <u>سے ایسے</u> موقع میں ندانم حی*م* بمقابلة سمنيت ندجيها كيميت وه ظاهرب والله تَعَالَىٰ شَانَكَ اعْلَمُمالِصَّوَابِ ه عَ آننا عا ہے کے کہ لفظ ہرکو موسولیت میں کچہ دخل منہ برمحض تعمیم کے لیئے آتا ہے یہ بات شیخ شیراًز کی شعرے صاف ظاہر ہے **شعر** مرکشور آبا دیبند بخواب پاکدوار دول اُن کشورخواب پو**و**لہ حرامش بود مست باوشاه و که منه گام فرصت نداردنگاه ۴ آورجس موصول بر که سرواخل مو تا آج أأسكے عائد كامفرد اورجمع لانا ودنون حائزے ونظامي مليه الرحمہ كاشعرے ستعربہ تأ فرمدى زبالائېت ، تونی آفزینندهٔ سرحبهت ، وله اسه کارکشاس مرحبه سنده نام توکید مرحبه

- Control of the Cont

TO SECULATE SECULATION OF THE SECURATION OF THE SECULATION OF THE SECURATION OF THE SECULATION OF THE

آرادرجیکاسک اشاره مجمی کلفردستیزه کارک در ایساندها کساخرجی استعال تحکوارمیداریکال کمنانده، پیر بیجا کساخرجی استعال تحکوارمیداریکال کمنانده، پیر بیجا

بغنجمع مونن سے لفظ مرکوکل محموعی نسجھنا چاہیئے بلکہ بیصیند جمع کاخودا واوی ، افراسیاب و نخیسرو مے بیان بن پٹنگ کی ستایش کرتے ہن شعر بلشکر خیونا، مے نبود ﴿ اسے دراہیج جا - آور مین کہ وجہ استفہام سے لیے بھی آ یہ قرار پاتے ہیں انوری کاشعرہے شعر کہ ہر فروز فق ﴿ اُورِلْفِظ حِيرَ ہِي اِسْخِيار کے لیئے مجمی آیا ہے او ہے۔نظامی علیالرحمة سكندرنامہ بحرى كےسبب نظم كتاب بين قافيه حيند زائد تن و چه خرواكشايد زيك نخل ئن و سيوج سے لفظ حيند جقيق استخبار کے لیئے ہمی استعال کیا گیا ہے جیسے کنا یات کی بحث مین مکور ہوا۔ لیکن کُه کا ذوالعقول کے ورحه كاغير ذوالعقول كيليئ استعال كرنا باعتبار ضيقت بي تعض وقت مجازا سكاخلاف مي بالرحمه كانيك بخت كيست وبذبخت جبيت فرمانا اسي بنايركسي كتيك ستعلٰ ہے بینی بذختون کولایقل شمار کیا نہایت دلیل دخوار کیا کیامعنی کہ وہ کم عقل کینے اندوخته مال ومتاع سے بغیر فقع اتھائے خت کے ساتھ گزرگئے ہے جبی سے چینوکر مرگئے ۔ آوننزمپت حقیقت شے کے سوال کے لئے مجی آیا ہے خواد دہ حقیقت ادعائی موخوا و حقیقی ت دانی بادؤه گلگون مصفا جوسرے چسن را پرور د گاریے شق را پغیب اول جیسے پشعرے چیہ سطے کەمصفا چېر ہونابا دہ کی حقیقت واقعید نہین اُسکی ادعائی ماہیت ہے : انی یعنی حنيقي جيب انسان حيست زنده كويا امرحل إس لبس تتماني كي جوعببت وكسيت بين ہے ہم ذفقوح یختفی جوابنها می حرکت واتمام کلمه سے لیے لائی گئی تنمی بوجه عدم ضرورت مذو کر دیگی اورکیمی بچکے مضرورت حرکت نتمی ہمزہ کی اُس ایسے سبدلہ پر بحال رکھتے ہیں۔ مولانا سے روم قدس سو راین دران حیران شده کان برعبِنیت + سرخبنده آن دگررا نا نی ست + و که رب اعلى كونسيت اندعارس ، بهركي كرمى عَبِيت ابن عالموس ، اورجيهت بهى مهان بن سكتا. لیکن بیمروی بنبین - اور بین کدوجه اسهاے اشارہ کے ساتھ مجسی ہوتے بین - نطائی رحمہ المدعليه كا پناه لمندی رئیسی توٹی و ہمنیستند ہخیہتی توٹی پہبنی ذالہ الذ۔

ور مض متنین کی بدرا سے سے کہ یا سے مجہول مجمی اسما سے موصولہ سے مبنی لانی لیکن اسکے رط ہمی لگانی بڑے گی کہ بنی اتصال کسی ہم سے اسکا ننہاستقل آنامتصور ابہن پیشرط طالبطلا ب ادرننزاسكے ملدمین دورابط كامونا واجب سوگاالک توضمير دوسراكات . آويوض مهاكش خمت ازُ تحيت كى رام جبان آراس أس اسم كى موسول مون يراً ئى بى كد جبك ما تداس باكا اتصال بے بس اسونت موصول کوئی ایک خاص سم نرا بلکجس بروہ یا ادر کا ف آئیگا وہی سم موصول نام بائيكا جنا سخدانهون في سنال وى ب كياماقل ست عن الوش كسنداس مين لفظ كل موصول موا اور سبام ضدا سے کد مبان آفریدین لفظ خدااسی طرح سرایک اسم جلمی به یا بوگاموصول بنجائیگا بھر ولات كامبهم ہوناہمی ماطل اور لغو ہو عائيگا يئتير سے نزديک حق لوحبو آدموصول نہ وہ باسطحقہ ہے ندوہ اسم محیٰ بابلکہ وہی کہ ہے جمکوہم اوپر بیان کرآ ہے ہین اور یہ اسپنے صل سے ساخد ملکر صفت أس اسم كي جسكوانهون في مصول المسب ونظامي ه الشعر كرا بازگوند بود بسرين وند حاب بودبار شنن بن و كرام عنى دكن - اوربهي كات معنى اسم ك اكر تنكيركا كام ديتاب سعدى عليار م كاشعرب ك كراجا ووان ماندن اسيد فيست وكركيتي سمين عاسع عاويد فيست و يتجان دو مات یادر کھنے کے لایت ہیں ایک تو یہ کہ اس کہ کا غیرعاقل کے لئے بھی تعمل ہونا جیسے نظامی علیالوم فرات بن منتعرشم كذار توفر كيرو + ازباد بروت خود بيرو + ووسرايد كدسر وصوت براس ياكا ضروری نهونا نظامی قدس سرو کاشعرب شعر دوران که فرس نهاده تست و بابنت فرس نیاده وكه دولت كدنشا بُدمرادست و رحق توصاحب اعتقاً دست و وكهرمسسريت مُغيب نا يديدت ا برقنل كمبنكرى كليرست بخصوصا لغظ مراوراساك اشاره كے بعد كلّاطا سرغنى وركا شعرب برس گشت، ویان دربیرین گفید فظامی ت مشعر آن مے کیچاشک من زلال ت و در ذرب ماشقان حلال ست + كيكن ان بريكا نه لا نا واجب نبين جيب ببض ف أسك عدم ووا كبديليد ونظامى يركاشعرب ٥ برنيك وببك كدوشارت وجون ورنگرى صلاح كارت و ولم بببزرب كنيره رانده كي علقه دران زره نماند و عامى عليه الرحمة كالمتعرب على بآن موئے كميكوئى سيانش ، كان ستركيد صفوانى وانش ، كان فريكة ابدا وجبينت ، كدواردما هرام برزمینت ، بلکہ سم اشارہ اور سراکی وقت مین اس یا کے ساتھ جمع بوجاتے ہیں کسی اُساد کا

Control of the Contro

كالميلية المالية

ار الراب المارك 
ریاضی کے پھٹون مامنجیس کی جللے

سے کہ کند بیروی اہل خرد ب بیج وجہ ملا معه وقعة افت اوفر به سرسمه دانندکه حا. مهمی لاتے ہن ۔ فردوسی ۶ منت پرزسرگونه گونه ورخشان درسش ، جهانے شدہ سیخ وزر د ونبفش ہ تے . نظامی دیکاشعر ہے مشعر توکہ جسر نہ نداری ستعر اكه خروب زشم گردونيم ﴿ باتوارَ بنعت بروه بيرونيم ﴿ - مُهارَّكُ ا ہے اردو کالفظ جو توسی کرتا ہے چنا نے خما ندکش صطلبہ تحینت آرا كشائى مولاناصهبائى عليه الرحمة نے اسپنے اُرود قواعد بين لفظ جُركواسا، پەلجىنە ترحمە كەتكاپىچە-اور ئون مېمى كەرىكتے بىن كەربىپ توصىفى جلے بىن جونكەاوصات بىن مال ب براسیواسطے لایاگیا ہے تاکہ دہ جلہ قوت میں مفرد کے ے اور درمیان خبراور وصعت کے میڈ بنجا ہے۔ آلصنت خود مفرد ہواس کاٹ کی کوئی لان كەلبنداىخ-كساج لمحققىن آرنۇنے جانىعتىدكوبدون كاف كے يرمواد رمصرع نانى لينى خوش كرده ايم خربد خبرعاطفه لوجه صدارت حذف موكيا واواسيوج نے ریاضی کے اس شعر کوشھ برسارہ است دَرِّکوش آن بلال ابرد ہزر <del>کا</del>

من بخریت یدم زندب و ناب ندمهرایا اسطرح اصلاح دی م نروی ح ت که باماه مینرند میب لو په مین عرض کرتا هون که حب اسه ہے بیمرتا ویلات وتسویلات کی کیا ضرورت ہے۔ . بزيان قاصدسلم وتور فرات بين متعمر چورستم بنزديك ايوان فرازه ے کمس بہترہ اسے از سرلبل کہ الخ صائر شعراز خبول ئے گشت ہرجا نَدِمنین ﴿ ازْمِهِل آن كورْمنِهُ م دور بین ﴿ اسے ہرجاكہ بدائع - ہان جب کداش کا ن کو موصولہ نہ کہیں ملکہ آئے مصر ريصفت مصدره بكان أسكى قائم مقامراسيط يتبي بيطح شعركه بنگامه ذه لەدارد دل ل كشور خراب مين با دشاہى كە دارد الخ ندیے کہ منگام ذصت الخ اسی طرح متن حربہ کہ آمد عمارت نوساحت مین ہم کہ وص ادبیکے دونون شعرون کے کا نون کو تعلیلیشت اروپنا اورارجاع باق کے والے کروینا مینی برشعنے کرنے کہ ملک کوآباد نہ دیکھنے کی وجہ کے حرام ہوننے کی علت موقع ومحل کا نہ ویکھنا از قبیل تاویل مالا برضی بدالقائل ہے آورنیز پیرنے بکہ درصورت موصولیت کا ف مرکس که گشت عریان انخ اور یا دہ النے اور اسی کی اسٹ ال مین در میان موصوف وصفت کے باسم طالعتت نرہے گی سو یک پینہیں کسواسطے کہ یہ امورداور یہ د قالی خصوصہ ت كان بينى يە كان محض حله وصنيه كوما وَّل بمفرو بنا. کے لیئے مانا جائے اور موصول نہما جاہے توکوئی پر شدکرے کہ شلا شعوا سے کہ پنجاہ رفت و درخابی میں منادی موصوت بوجہندا کے معرفد بن گیا اور **آسکی** 

Significant of the state of the

مگری منظر میراند منظر منظر میراند منظر منظر میراند

المارية المارية المارية المارية المارية المارية المارية المارية المارية المارية المارية المارية المارية المارية

میم می ہے کسطرے دیست ہوسکتا ہے اسکا بھی وہی جواب ہے جو درصورت موصولیت کا نبیان موسع ہذا بہان سرے سے وہ شب بہی نہیں بڑتا کسوا سطے کہ ورود ندا بعد لحق وصنیت ہے لینی موصوف مع الصفت منا واکیا معنے کا بُن شخص سے خطاب ہے جوموصوف بصنت غفلت ہے بینی کہتے بین اسے فاض غفل خفلت کو جھوٹر شاید ان باتی با نبخ ون کی تحب کو مہلت ملجا سے وَاللّٰهُ فَسَالَٰ اَعْدُمُوا لِحَمْمُ وَالدَّمَةُ وَاب ۔

یآورہے کداسا سے اشارات اور اساسے موصولہ اس لیئے مبہات کہلا تے ہین کہ حب تک ایکا مشارالیہ اورصب لدبیان نہوگا سامع پرصاف طورسے عیان نہوگا۔

پانچوان دو سم ہے کہ جبکی اضافت ان جارون معرفون مین کسی ایک کی طرف ہواورا فاضافعرات کا کامضاف الیہ ہے کہ جبکی اضافت ان جارون معرفون مین کسی ایک کی طرف ہواورا فاضافعرات کا مضاف الیہ ہے مضاف الیہ ہوا ہا دوش گفتگوے دہشت نظامی علیہ الرحم کاشعر ہے اور ثانی لینی لیواسطہ جیسے غلام کسے کہ با اورش گفتگوے دہشت نظامی علیہ الرحم کاشعر ہے مشعر تو فی آف مرب میں ہے جو لہ اسے کارکشا ہے ہرج ہستند ہام تو کلید ہرج ہستان میں منافت کا ج دوسیان آگیا اور نیز میر ہے ہستاد اطہر جند الدعلیہ کا ارشاد ہوایت بنیادتھا کہ کچھ اضافت کا جم ایسان قلمی کرون سواسوقت اختالا لا مرالاستاد علیہ الرحمة جامرا بنے نزدیک محقق ہے خصص سا یہان کلم دیا جا تا ہے ۔ 4

الاضبا فترالمبنوبتر

آباننا چاہیے کہ کسی چنر کو کسی چنر کے ساتھ نسبت کرنے کا نام اضافت ہے اورجس چنر کی بنت کی گئی ہے وہ مضاف الیہ نام پا تاہے کین کی گئی ہے وہ مضاف الیہ نام پا تاہے کین اس اضافت اور نسبت سے دو حدے حدے اجنبی کلمون کو تعین اور کسیقد متحد کرنا اور کم کیا گئی امنظور ہوتا ہے اسیوا سطے منون میں بھی تصیص اور اسحاد کا کچھ اعتبار کر لیا اور احکام کمی منان منازج کو شار کر لیا معنوی اتحاد مثلا اضافت معنوی میں مضاف الیہ اگر معرف ہیں ہمیں مضاف الیہ اگر معرف ہیں ہمیں کہیں تہیں گیا ممنان میں بھی اسی درجہ کی معزف حال ہوگی ور نتی تحصیص اور توضیح کا فائدہ کہیں تہیں گیا ہمارے اسے بہارے است بھی ہوگی کہ ترکیب اضافی کے وضع کرنے سے مقصود تعرب بی تخصیص یا توضیح مضاف ہے بات بھی مقصود تعرب بی تات بھی

Salar Salar

للجرشني وج

ثابت نہوگی تو دلن اضافت بھی جائز نہوگی تنصیل اس اجال کی بیہے کہ مضاف یا تومغیاف الدیمیر بالمواطات محمول موگا یا نهو گا اگرمحمول نه مهومهر دومین نسبت تبائن کی تحقق موگی بصریه دوحال سے خالی نہین مضات الیہ یا تومضا ن کے لیئے ظرت ہوگا یا نہوگا۔ اگر ظرف ہے تواس اضافت کا اضافت معنى برو درنام ہے جیسے سوارِاسپ وآب کوزہ و سخن امروز و وعدہ فروا اوراگر باہم طرف و*نظروت کا علاقہ نہی*ن ہے تواضافت<sup>م</sup>عبنی *براے ومرہے۔ اور پیمجی دوح*ال سے خالی نہین ياتومضات اويضات اليمشبه بوشبه وتكميا نهوننگ الرادل بين بعني بابهم علاقة تشبيه كار كحت بين توجإ سيئه مفدان منشبه وبهوا ومرضات اليمث بذاسكا عكس اسكوعوت بين اضافت بها نب كتي بين ببتريه بكاها فت تشيهي نامركها جاب جياكل رضار جيم زركس مثال اول مين جزوان فيهت بها غاني مين منبه به اور فقارجي رعدمين انسان بنما منت به به ايكن بهات اس مین اورزیا وه ب که رعد خود نقاره اورخود نقارچی اور تیمان اصافت تبیبی مین اصافت جمع کی جانب مفدمن حیث المفو اورمفر و کی حانب جمع من حیث انجمع متنع ہے لیکن اُستادون کے کلامربلاغت نظامین جو دارد ہے جیسے ملاخلوری کہتے ہیں مغفر گل ترانہا ہے تربرشاخسارصوت داد ما ينده - لببل شيراز كلسنان مين حبكتي سے نشر كلا وشكوفد برسراطفال شاخ نهادو" سووہ مفرویعنے گل اوریث خے ان امثلہ بین اسم حبنس مین انکی پیشان ہے کہ واحدا ورکٹیریٹ بولے جاتے ہین اور ہی تا دیل امکی حنس کے دو اسمون کی اضافت مین کیجاتی ہے جب کہ وہ افراد اور ثانی مین مضاف اسم عبس سے بینی مردانِ مردان وجانانِ جانان فردوستی علیه الرحمہ کا شعر ہو شعر بگردان نشکرش آدازکرد « کدا سے نا ماران ومردان مرد ﴿ افراسیاب کاغار مین چیپے ہو زاری کرنا بیان کرتے ہیں منتعر کوآن دلیران و مردان مرد 4 بربلیشت سنا دہ بروز نبرد 4 فرمیزر کے ما تھنکاح کرنے پر فرنگیس کور اپنی کرنے ہے دہستان مین لکھتے ہیں **تفحر**وزان **ہی گ**وہلین بہلوا چنیر گینت کاے بانوسے بانوان <sub>ہ</sub>معنی بامتیاراس تا ویل کے ظاہر ہین کہ یہ لوگ اپنی *شیری* او**راک**ے کی وجسے مردون کے مرد بنگئے ۔ بینی اور مرداُنکی گر می شیاعت کے آگے بننرلہ حور تو سکے سعر بنك جيد فعل آفاق كيته بين لطائ شعر عروسي خنين شاه را منه و او دران مل آفاق فرضنه واوه

المنكف بخاروه

نَانِ بِانْدِئِبِي

منکزه زین ایرین ایرین ۱۹۳۶ زیمان ۱۹۳۶ زیمان

*ی طرح* اور جانین نبسبت ان جانون کے کثیف ہین نوبہ جانین با صبا راُک جانوں کے حان اور دہ حامٰین ان کی جسم کے مرتبہ میں پڑگئین الیسے ہی بانوسے با نوان لیکن اکیٹ نخص اکیلے بر لفظار محم واحديرا مندة كااطلاق آيا نظامي وسكندرك وعواسة بنيهري كسفرك بيان مين فرمات ببيم گزین کرد هرمرد سے از کشور سے به برد انگی هر یکے نشکر سے به اور ایک طرح میمی تا دیل کرسکته بین کی ضا دیفرد ے ملکہ ضاف الدحمع کے تعددسے سمٹکرشے واحد بنجاسے بھراباس مین و واحتمال مین امک تو ید که تمام جانین اپنی نوعیت کے درج مین اکر شخص واحد بنگئین - اور میر ائر شخص داحد کے لیے بنیا بُرجان کے ہے جنا نچراس عنی کوشعر مولومی معنوی قدس سرہ کاؤہج شے ستع عقاعتل و جان جان اے جان تو ئی چھل و جان خلق راسلطان تو ئی 🖟 گویاہا ن لاحتال اضافت بيانيد كے طريقة برگويا يدابك جان تمامرهانون باعتبار معنی ان مین حل بالمواطات درست نهو گاگو که با عتبار صورت بيحضوصاً جان جان مين ورندحب كداضانت ورصورت ساوات ت بنهین درصه رت عینت کب درست هوگی اوران مهر دو ترکیبون نے کا حتمال بھی ہیے لیں اس صورت مین اس ا و محط نظر تا کل کے ہوتا ہے بیصفت اٹسی کی تاکید کر دیتی ہے جیسے مروان مرد یعنی نقط ردنہین و تعی مردی رکھنے والے مروال اسی طرح حان جان وغیرہ بہان ان باون سے كورىخت نہين اوراضافت حقيقى مين ية تكلفات نامنظور بين آسكى تركيبين اليي تاويلات دورمېن جيسے غلامان زيد و فلکبِ ثوابت بلا ماويل ورس صْات اليه بإيهم تشبث بيث به بهنبون ملِكَ ۔ تعارہ مالکنا یہ کے ہوجیسے بالے فکر ناخن جل میہان فکرکوجی ہی جی میں حیوان کے سات حوانیه مثلایاوُن اُسکے لئے ٹابت کیا اوراجل کو درندہ کے ول ہی ول مین تـشبیہ دے کرائسکے لئے ناخن ٹابت کیا اوران مناس مارهٔ تخیلید کہتے ہیں اس اضافت کا نام اضافت بجاز می ہے ۔ یا لیسے وویت بائن ہمون مین

ونمانعة مجازي

منگونه نبری منگونه نبری

ضانت داقع ہوجن مین تشبیدا ورہستعارہ کا علاقہ منہوائسکواضافت بمبنی مرو براے کہتے ہین يكئى قسىم ىربىن - آول تليكى يدحى يا تواضافت ملك كى مالك كى طريف ہوگى يامالك كى ملك كى حانب جيسے كالتعرب شعر على الخصوص كه ديباج بها يونش، بنام سعد ابو كم سِعد بن زنگيست و اسے سعد بن ابوبكر بن سعب بن زنگيست ـ فروستي شعير ازايران بيا مدكه كوپيلتن • فرميز يكأوم آل غُرْقْ نظامي ه متعصر نوائمين ترين سناه آفاق بود ﴿ سَيازُادُهُ عِيصَ اسْحِياتَ بُودِ ﴿ اسْعِيصِ بِنِ ابْعَاق بود-اس سے کوئی یون سمجھ جاسے کہ صفاف اور صفاف الید کے درمیان سے لفظ ابن کا محذوب پامعتدرہے ملکہ اضافت کی تخصیصات مین سے یہی ایک نوع کی تخصیص ہے لرمضاف کومضاف البیسے این ہونے کی خصوصیت ہے اور یہ اضافت بمعنی مرد برؤے اضافت حقیقی کے لقب سے اسواسطے ملقب ہوئی کہ پیسب بین اعظے درصر کی اور اس طافت ہے اور حبر تفصود کہ اضافت سے ہے وہ اس بین پورا پورا حامسل ہے۔ بیمبی مُن رکھو کہ غلام زید مین مثلا خلام زید کے اندر اپرسی بورسی تعربیت اسّیدونت ہوگی کہ حب شکلم اور محاطب میں وہ علم مهود موفقط البيني مضاف البيانيني زيد سے معرفه مونے سے كام منبن جلتا كسواسط كەمكن، زيدك منزار فلام مهون بجد بغيرمعهو ديت نقط فلاه زيدكهنے سے كيو كرتخصيص وتعيين كرسكتے مین که فلان غلام ہے۔

این له قلان قلام سے -اگر صفا ان مفاات الیدین باہم مل درست ہوگا توان دونون بین چار سبتین تحق ہوگا ہول مساوات خواد مراوفت بین جیسے مروم آدمی و زیطلا و طلاسے زر نخواہ صدق بین جیسے مروم گویا و دریا ہے آب وب تابی شیر - دو سری اصافت خاص کی عام مطلق کیطون جیسے شنبه روز چونکه امر ہتم اور مقصود اہم اصافت کا بیہ سے کہ صفاحت المید سے تعرفیت یا تخصیص یا توضیح مضاف بین پیداکرین اور درصورت ساوات یہ امر مکن بنین - بھریئین اضافت کی ان دونون قسمون کوئمننی جانتے بین کیکن پیشر سعدی علیہ الرحمہ کا مشحر وجود مردم دانا شال ند طلاست و کہ ہر کیا کہ روو قدر وفیمتش دان زب نظامی بر مشحر بفر مان اوزر گرجیرہ وست و طلاق نزر بر سرفقر و وست و اللائے و زبر سرفقر و وست و اللائے سے زر بر سرفقر و وست میں گائے تعرفی سے دولائے میں میں مان مان کی ورد میں مان دولوں کی گائے تعرفی کا شعم

پس آگا ہی آ مدبافر ہسیاب 4 کہ اِس برآ مدز دریاہے آب 4 و لہ حیان دیدم اسے سرویین بوب لەبودى كيے بيكران رودآب; نظامى درمتنعر جنان پئئه رابجنگ عقاب 4 كم ازقطره دان پيش په فرودسگی کیخسرو کی درسفتان مین دنیا کی بیوفا کی بیان کرتے ہیں مثل - تانذر فرزندىية ان شير 4 متاقل ہے اوروہ ناویل مبی ہے ک*ەزر* طلا و طَلَا ہے زر --سے ایو زروطلاسے خانص مراد سے اسواسطے کہ بنبت جمیع دِلِزَّات کے سوناقیتی شئے سے اور سہ نا بھی باعتبار ہانگی اورعیار کے مختلف ہوتا ہے تو اس زریا طلامین جمضاف واقع ہے اورائس زریاطلا ضاف الیہ ہے ایسی نبت انی گئی ہے کی طلق زر کوسیم وس وامن کے ساتھ موتی ہے لم الله الله الله المراكبة المرابع الم طلاسكه طلا مراد ہے جبانچہ زرسیا ہ بول وفلوس کو کہتے ہین میحر قلی سلیم کا شعر ہے **شعر** کردندافغ ولم ، بمجوزر قمارسفب وسياه وشرخ ، اورطلاب زروصورت اضافت طلا نے کے ورن مراد ہیں - جنا نخید می کتب بنت میں مصرح بین اور اسی طرح دریا ورود ب ہی ہوتے ہیں کبھی جاری بھی رہتے ہیں بہان مضاف الیہ کی ملابت سے اُس بات كاجتلاد سياسي كدوه دريا ورو دكه جن مين آب موجود سبع اسيطرح ليستان كبهي وودهرست بربهوتى مبين كهبى دودهه أن مين نهمين موتا چناخچه شنج على حزين خرا بات مين قعط كاحال سيان یتے ہیں ش**غے** بطیعے چولیتان نے شیرٹ و زخشکی جو بیکان گلوگیرٹ و توصرت کے قا نانون کامینجانا ہے جن میں بحیہ کے لیئے دو وھ موحود ہے ت<sub>ا</sub> یہ سے کہ بہان دعو<sup>ہ</sup> اوات ہی سرے سے ملیک نہین جمکی تاویل کیجائے مان اس شعر کی تقریب پرا کیہ ماحب حیات *سعدی بناب مالی نے جہ*ان آبروسے متاخرین سزین کی خرابات ستان سے ایک ایک حکایت ایک ہی مضمون تحط کی لیکر محاکمہ کیا ہے ک حزین نے بادعوداس کے کہ خواہات حرمیٰداوراق سے زمادہ نہیں ہے بوستان سے پسو برس بدلکھی ہے اور جیساکہ اس کے بیان سے مترشع ہوتا ہے اپنی بوری طاقت شیخ کے تتتع مین صرف کی ہے کوئی کرشمہ ہے کی فمنوسی میں ایسا منہیں با پاجا نا جسکو د کھیکر جی بھڑک اُسٹے بہلاشعرے شنیدمکہ درجب بہرامگور 🛊 نموداز قضا تحط سالی ظہور 🛊 ہموارا ورصاف ہے آس میں

بي نوني قابل ذ کرنهين - دوڪ رشعر ( چوصحاب محنسرزمين تعث گرفت , به درويزهُ آسمان لعنگرفت) میں زمین تفنہ کو صواے محشرسے تشبیہ دینا تعرفیف النئے بالمجول کے قبیل سے ہے ينى اكيالي تم شيل ب جوال دنياكي نظرين تحطكي تصور كينيف س قاصرت صحاب مشرادر تا اعقاویات خووتمثیل کے محاج بین أن برتیاس كرنے سے كسى شے كی تنینت بنین كمل سكتى . تیسراشعر (سحاب سیدول نشدمهربان ﴿ بحالِ لبِ تِتْ مُنْهُ خَاكِیان ) بوستان کے اُس شعر سے ما نؤد ہے جو ذوالنون مصری اورمصرکے تحط کے بیان بین شیخ نے لکھاہے اور وہ یہ سیٹے <mark>خرشد به ین پس از معزمبیت و که ابرسی</mark>ه دل برایشان گرمیت « مگراتنا فر<u>ق ہے</u> کہ شیخ نے اہکے برہنے کورونے سے تبسیرکیا ہے جس سے ترحم اور برسنا دونون باتین ٹکپتی ہین اور حزین سنے برسنے کومہر بان ہونے سے تعبیر کیاہے جس سے دونون معنی دیسے صاف بنین نکلتے ۔ چوتا ( بخیلی نمود ابریر کائنات ، بمهدرین سوخت طفل نبات ) شیخ کے اس شعرسے ماخوذ بے چنان ہم۔ مان برزمین شانجیل + کہاب ترنگر دندزرع نخیل + مگرشنے کے بیان مین اتنا لط**ن** زیادہ ہے کہ کھری کھیتی کاخٹک ہوجانا زیادہ حسرت ناک سبے بنسبت اسکے کہ تخم زمین کے اندربی علی حاسے۔ بانجوین شعر (زخشکی در اندام خاک دوتوہ 4عروق شجرت چرگہاسے کوہ) - رامصرعه بهبت عمره مگر مهلام صرحة تحلف شي خالي نهين مشعر كامطلب صرف <sub>ا</sub>سقد رسح کەزمین کی خشکی کےسبب درختون کی گئین بہارا کی رگون کی طرح سوکھ گئین تھیں بس اندام اور دو توہ کے لفظ کو افادہ معنی میں کھیر دخل ہنیں ہے۔ جیٹی شعر (زماب فروزند ہ مہر بلبند ہوئین مجمرو دا نہ لودش سیٹ د +) مین صرف یہ بیان ہے کہ آنتاب کی گرمی سے زمین انکیٹی کی طرح جلتی تھی اور تخرج اُسپر ڈوالا جا تا تھا وہ سپند کا حکم رکھتا تھا لپس فروزندہ مہر کئے سے آنتا ب کی گرمی كازيادہ ثبوت ہوناہے توہم كہيں كے كەمهرىلند كھفسے اسكى كرى كاخيال كم بوجا باسے اور السی دوسفاوسفین لانی لاغت کے طلاف ہیں۔ ساتوین شعر (بطوعے جوب بتان مے شیر شدہ زخشکی در میکان گلوگیرٹ، کامضمون باکل خلات عادت اورخلات مقتضباے مقامرہے۔ نةمحط كايه خاصه بسيح كدمثراب كى صراحى كوخنك كردست او منصراحى كاختك مبونا اس بأت كى ولىك كى تحط كى سدت بورسى ب أنتها .

ے نزویک نہ خوابات ہے این اشعار مین غور و تامل کی نظر والی گئی نہ اس محاکمہ مین انھ لياً كيا يبض وقت انسان كوابني زبان برجره عاهوا يا باربار كا گوش زوه كلام بنسبت اجنبي اور کے شنے ہوئے خن مجے دل پر سمی چڑھ جا اسے لیہ ہے اس من شک نہیں کہ ٹینچ جے تاللہ علیہ کی ان دونون کتا بون کی مقبولیت **بی**نی *گل*ر كى هامرېرگزىدگى كسى كتاب كوچوا نجىم مقابلىۋىن تصنيف ہوئين سېرگزنصيب نېين بهوئى اسكى چېر بيكا كلامرائه بلاغت ويائه فصاحت مين اس حدكوننين ببونجا ملكه ماوحودان تمسم نوببون کے شیخ علیہالرحمۃ کاخلق المد کی نصیحت اور خیرخواہمی مین بلارورعایت نکسیکی خوشا مکی ی سے مقابلہ۔ نرہنقت لیجانے کی ارزو بحض صدق عزم ذخلوں كخوشامري شاعرون ن ہبت بڑاسب ہے بیان ک*ا* ينت كوابينا ببيش منها وخاطر كح كى طرح اپنے پاوشا ہ كى مدح مين مبالغه كرناب ندنہين كيا اورصاف كهديا شعر مراطم ت قبال کرتی ہے سارہ اسکی بزیرانی اور برگزیدگی کا فلک علی سے تمام عالم برحکتا ہے ىيىكا دل سىزابى نهين كرسكتا اسكيه يمعنى نهبين مېن كەجۈڭلام ہے وہ بحیثیت کلامی قبیج اور معبوب ہے ۔ اب ہم خرابات کے ان سات شعرو نکی نے یر کمین کے کہ بغیرامعان نظر حاکمہ کردیا گیا جنا نجہ ہے اوپر حیات س سے بلفظہ اُس جاکمہ کی نقل کردی ہے آگر ذراتا مل اورانصاب سے دیکھیاجا سے صور پہ کہنا ٹریگا دارا ورصاف ہے جیسے شیخ علیالرحمتہ کی اکثر حکا نیو کئے آغازین سے ، زع روان 4 به سرمز چنین گفت نوشیه وان 4 دوسرے شعر کا مطلبہ ب نباتات جورئسپر منمی حلکرخاک مر پون معلوم ہوتا تھا کہ گویا وہ اسمان کے آگے ہتیلی سپار رسی سے اور زمین تعنتہ کوم حرا*ے محص* تنشبيد سيني بروهن تخص اعتراض كرسكتاب حبك ول بين حشونشر كااعتقاد مهنكام كرستخيزكي إسنح نهبن قيامت كے شدائد تنتے تسننے ايساخيال كيك گياہے كدبرالے العين شاہد

برگرمتره انجارت اگرسته معتود به برد عوا هر تک بے ساختہ اپنے روز مرومیں کہتے ہین قیامت کی گری بڑر نہی ہے بیانتک کمعنی شد وببنى امزغريب يالغظاكنا يبهوكياب خود ثينع عليه الرحمة فرماتي ببن تشعير دي زماني يركلف برعوثسيت و نتنه نشست چربرخاست قیات برخاست و کسی استاد کا شعر سے شعر انتاب از اتشے مانگار و ب صبى عشراز گرسان باره ، است تبيل سے بيطلع ناسخ كا تشعر مراسيند سے مشرق آنتاب واغ ہجران کا بطلوع سبح محشر جاک ہے میرے گریبان کا ، بھراس تشبید کو لیسی تعربعیت الشیابجول قرار ویناغضب ہے قیامت ہے۔ دامد تعالے اعب <sub>م</sub>بابصواب <sub>-</sub> تبیسرے شعر کا پیمطلب ہے کہ جب گداگر کسی کے آگے ہا تھ دسیارے و شخص اگر سنی کر پیم ہے مہر بان ہو گا اُسپر رحم کھا کے گا یبی مهربانی اور ترجم بب عطا وخشسش کا هوتا ہے اور سلمات سے ہے که سبب سب کا اب<del>ہ ہوتا</del> ادر جان سبب کا وجود ہی تحق نہو ولل بسبب کا وجود کیوٹکر ہوگا لیں اس من ٹرمی بلاغت ہے كرسرے سے سبب ہبی كی نفی كر دى خصوصاً سائل فقير كے التحد سبار نے پر رحم تك مُركنكية تبلانا بہت دل ُ کھانا ہے زیادہ افسوس مِن ڈالٹا ہے بہان ہی سناسب ہے نڈ کریہ رعطا کی نفی اور كلام شيخ رحمة التدعلية من جها ن صند ما ياسبين ا برسيد دل برايث ان گرسيت " گرسيتن وعطا كانبرت ب سے کیامنی کہ بیان سنسہرمین کے تحط زوون پر بارش برسنے کا بیان سے توسیاه دل سخت جانون کامصیبت زدگان قحط کی تہاہی کو نہ دکمیسکھ کررو دینے کے ساتھ اُس برسنے وقع ر ناٹرا بلیغ ہے سعہذا اس قبیل کے گریہ اوخِ شش کی علت ترجم ہے نومقام لقی مین سرے سے علت شئے کی نفی کردنی جیسے مزین کہتے ہیں البغ سے پنسبت گریہ اعطائی کے لین اُگر کر مہ اوطا کی نفی کرتے نفی ترحم کی بخو بی بچر مین نه آتی کیامعنی که مکن ہے کہ سکور عمر آیا ہو گر نا داری ہا اُرسی وجهسے عطا نکیا ۔ اور ٹینے علیہ الرحمة کا کل مرمقام موجَب واشات میں ہے وہاں اُکرفعلا نبوت علت ىينى بان ترحم بركفايت كرتے بے شک ا<sup>ن</sup>نا بلیغ نہوتا ۔ <del>ت</del>چو تص شعرکا محاکمہ توغضب ہے بینی *یو* فرمانا کہ شنج کے بیان مین اتنالطت زیادہ ہے کہ کھڑی کھیتی کاخشک ہوجانا زیادہ حسرتناکیے برنسبت اسکے کہ تخم زمین کے اندرہی طبائے "سلم گرکس نفظسے تنم کا زمین کے اندر طبا باشفاد ہوتا ہے وہ شعر تو یہ ہے بمہدرمین سوفت طفل نیات ، نیات تحرکونہیں کھے مسلمت میں پا ہیں دکیدلین ہرورخت اور ہر باول کو ہ زمین پر جم آوے نبات کمیتے ہین تو کھر میکیتی ریجو

رومین گویا کسی سے رحمی اور نامہر بانی کا ثبوت دیتے ہیں کہ باوجود سائل کے ہاتھ معیلا۔ بدولی که فرار حم نکیا بیانتک که شنه ننب واحب الرحم نیچ جنبر مبرکو کی ترس کما تاہے نہول ہے کہ گہزارے میں جلکہ خاک سیاہ ہو گئے۔ ام ن العبتہ تنحم کازمین میں جلجا با چھٹے شعرسے مستعفاد۔ جہان کہا ہے زمین مجرودانہ بودش سپند؛ انشاء القد تعالیا اس موقع برعرض کیا جائیگا۔ اوراسکا پہلا مصرعہ "بخیلی نمود ابربر کائنات" اسکے قبل کے شعر کی توضیح اوربیان ہے کیامنی کہ سحاب کی دلی اورنامہ بإنی کا خلورکس زنگ مین اورکس صورت مین ہوا نامعلوم تھا یا استعدر برسے کہ گاؤن بُنہ جائیں کھیتیان گل سٹر جائین بایس درحہ بارث بند ہوجاہے کہ تخیز مین من طبخائے جمے ہو۔ جلكرخاك موحامين أكرحيواس امركى عانب لفظالب تن فذاورسيان واقعه خنك سالى سے بخوبى ايما ہوسکتا ہے گر بھے بھی توضیح کر دی کہ وہ نامہرا نی بخل کی زتمی مین منودار ہوئی ہان شیخ علیالزحمتہ نے بخیلی کوخوب بنعها یا که ابربخیل نے زرع ونخیل کو ایک گھونٹ یا نی نہ دیاجس سے لب یاحلتُ کیا تر ہوتا۔ اور حزین کا سوخت طفل نبات فرانا اگر حیسوخت لائزم لازم نے نگی ہی کیون نہونجیلی کے نے اس درخبخیلی کی که نازک نازک نورس بودھے اور سر باول حلکر خاک ہوگئے کوئی یہ خیال کرکر ے دخت بوج اپنی بخیتگی اورزمین کے آمر دور دوریک کی رہشہ دوانی کی وجہ ئے ہون اور ایسا ہی ہوتا ہے کہ تصوٰرے بہت بانی کے کھینچ حانے سے بڑ سوکھا ہنہین کرتے تواس خیال کی بھی فغی کردی اورکہ۔ بیا" زخنگی دراندامہ خاک دوتوہ پ عروق ٹنج شدچورگہا ہے کوہ 🕻 بہان عرق سے اس اور بینج اور طروا دہے گون اور بیون کی نسین مرا دنہین جیانچہ ن اسكا استعال كثيرب جير عن السوس السوس كوكهة مبن عروق الصفر جري المح ب زرنبا د ج ایک قسمه کی خوت به دار طرین مین ا دنفظی ترجمه بهی أسكابيخ نوسنبوب عودق بيض لوزيدان كوكهته بهين واهجيى سفيد سفيد حثرين بهن اورلفظي ترحبه بھی اسکا بیخ سفیدہے۔ اوررگ کوہ وہ بہاڑو بھی جڑیں کھئے یارگین جزرمین کے اندر

ئىمىلتى مېن تعض حگېون بركىزان وغيره ك**مود ـ** 

ابر پارهٔ ابرکو کہتے ہیں جوبا دل ہے تعلیل اور دراز نکلے ہوئے ہون - ان**ما**م *جب*م جوذى جرم كثيف ہوا دريہ بات بھي معلوم ہے كه اثرا مك شئے كاحبطرت كثيف اور گاراً ہے جبہونين مامرلطيف مين مهبين موتابو حرلطانت اجزا كيرمهبت حلد تحيل مهوجاً ناسب حبانوع طر<sup>ت</sup> ی شے کی صطرح موم کی نشرکت سے دیر تک تھہرتی ہے روغن میں شرمک کرنے سے اس مت کے نہیں مٹھبرتی اور وغن کی شکرت سے جس مت نک مٹھبرتی ہے استدر مانی کی شرکت سے نہین مٹھہرتی اسیطرح ادویہ کی ناشیر بنسبت منسہدا در قوامرشربت کے متفاق ہے ہیماح یانی کی رطومت کاطول کمٹ جسطرح خاک کی آمیزش سے ہوگا ہمُوا وغیرہ مین ر کھدینے سے نہو گا مٹلاً بإن کو ہم گیلے کپٹرے مین ر کھتے ہین ناخشک نہواگر زیادہ و نوان مک رکھت ہوریتے کو بانی میں ترکے بانون کو اُس میں دبا دیتے ہیں ہر لفظ اندام سے اسی لعر پر تنبیہ ہے اور اسی امرکی تاکید نفظ دو توہ سے بھی مقصود ہے اور یہ بات ظاہر ہے کہ گیلے کیٹے یار گیک کی ایک تا ه جسقدر دیرا یک شے کو ترر کھے گی دوسراکٹرا با دوتا ہ ریت سے زیادہ دیریک وه ننه تررہے گی تواس شعرین مجی خشک سالی کی شدت ادر سختی بیان کرتے مہیں کہ درختون کی جڑین جرمزمین کے اندرج قَه درقهٔ ہیو نِنج گئی تھین جنکے خسک ہونے کا احمال جمی نہھا بہاڑ کی رگون کیطرح خشک اور ہم زنگ خاک ہوگئی تعین اب انصا ٹ کرنا جا ہیئے کہ اندام اور دو توہ کے لغظ کوا فا دہ معنی میں کیونکہ کہا جاہے کہ دخل نہین غرض ٹریسے بڑیے درخہا کی جڑون کا جوزمین کی تہ در تہ میں ہین سو کھ کے سخت بتھ بنجانا نقط بارش کے بند مہوجانے سے نہیں وَہوپے کی تیزی آفتاب کا بے نقاب زمین کو انگیٹھی کی طرح تیانا اُسپراورغضب کرویا اور بارش کی امپ دیر چرتخم زمین مین والا جا ما محا دہ سپند کی طرح جل تھبن جاتا تھا تو چیٹے شعر کاپہی ب ہے گراس شعرکے محاکمہ مین یہ فرمانا کہ فروز ندہ مہر کہنے سے آفتاب کی گئے کا زیادہ ٹہوت ہوتا ہے قریم کہیں گے کہ مہر البند کہنے سے اسکی گرمی کا خیال کم ہوجا تا ہے اورایسی دومتضاد صفیتن لانی ملاخت کے خلافت ہیں' چرت مین دالتا ہے کیا معنی کہ جیسے فرورند كيف سے كرى كا تبوت ہوتا ہے اسطرح بلكه اور زيادہ اسكے لئے بلندى اورادج كرائى نابت کرنے سے کیا سنی کدادج گرا اور ملبند سونا آفتاب کا اسکی سمت الراس اوجا نسبض ملینها

نے کو کہتے ہیں . اور حب ہ افتاب عین دائرہ نصف النہار پر مہو چھے گیا یہ وقت عین دو پہر کا ہو۔ بت دن کے حصول محے اس وقت زیا دہ گرمی ہوتی ہے اسکوسب لوگ مابتے ہین ادرادج گرائی اس معنی مین پنیچے کی معمولہ متداولہ کتب مین موزو دہسے بلکہ اہل اُردو بھی ا۔ روزمرّه مین دن چڑھ گیا آفتا ب بلند ہوگیا کہتے ہین کیون نہمین علم ہیاُت میں دائر نوصوالبنیا *ئة وبين بين* عايته القفاع النتمس إن وصولها اليها مصرح موجود سب عل كرمطلقاً برليج دوری لازم ہوتی اس خیال کی کچھ گنجالیش ہمبی تھی حالانکہ بلبندسی کوابعدیت لازم نہیں طول ہے ارتفاع اورشے یہ امر بران اور دلیل کامتناج منہین اور تخم کا سپیند ليطرح جل تمبن حإنااس امر پر دال ہے کہ بالکل بارش منہوئی اور بہت عرصہ سے نہوئی لیس بارش سے بُعد ہوگا قبط مھی آہے۔ قدر شدت کا ہوگا اس شدت کی خٹکسالی کوتنج کا زمین مین جلجانا خوب بتلار ناہیے۔اور یہ وہ امور ہین کہ شدت خنکسالی بین کم دہیش مبیش آلئے بین اگرچه کھٹری کھیتی کا خشک ہوجا نا دولت حاصل سندہ کا زوال ہے جوزیا وہ حسر سناکئے لیکن سے معلوم ہوتا ہے کہ بارش کو ہند ہوئے ایسا ٹرا زمانہ نہیں گرزا یا بارش اس درجہ کو بندنه ہوئی دیکینئے زمین پرتنم جم آئے اور بالیدہ مہی ہوئے جس پر زرع کا اطلاق درست ہوا بأساتوين شعركا محاكمه سراس تحكمه ب امواسط كديد بات ظاهرب كدجولوك نشدك عادی اورخوگر ہوجاتے ہین انکونٹ کا جھٹر نا ایک دشوارا ومُسكل ہے تو كہتے ہين كەلىسا قحط پڑا كەكسى قىسىم كى پىيدا دارى نە ہوئى نە اناج پىدا ہواندمیوہ اب شراب کس چیز کی مبنتی لہذا وہ چڑے کی صراحیان جوبسبہ تحقّن وتسدُّد ابخوہ کے ہبت جلہ جونش زن ہوتی مقین خالی بٹر می رہین جونکہ حیٹرے کی تعیین سوکھ سو کھ کر بوڑھی عور ہو کی سوکھی ہوئی پستانون کی طرح جا بجا سے سکڑ گئین گلے اُنکے ننگ ہو گئے غرض ایسا قبط بڑا کدنشہ بازنشۃ تک بمول گئے جیسے عاشق مزاج عشق معبول گئے ۔ اگریہ بات خلان مقتضے ے توشیخ علیہ الرحمتہ کے شعر (یاران فراموش کر دندعشق) کو بھی خلاف مقتضے سمجھٹ واسطے کہ بہان بھی یون کہ سکتے ہن کہ یارون کا ترک عشق کرنا اس بات کی دلیل ن ہوسکتی کہ تحطاکی شدت ہورہی ہے ہان حب کک کداس مقدمہ کو بہان سلم نہ کرلین کوعینو

لھانے بینے کی مستی سے مصبحت سررہے" ان خاراز خور دن گٹ مع بود" جب ختک سالی کی دجے سے اناج بیدا نہ وا غذاج سبب ادی اُس عشق کا تمانشکہ کو نہ ملی باد وعشق فنا ہوگپ .صورت عشق کا فیضان باطل ہوگیا یہ امرعلوم حکمیہ مین ثابت لٰبے کہ فیضان صورت کالبغی ماده كيمكن نهين . اوريهاان عشق سيعثق حنيقي مراد ننهين موسكتا اسواسيط كه أسكو قحط زأ كانهبرز رسكناأسكا ماده تحليات ذو الحلال والحمال عزاسمه مبن حوقلب بشيرين حيك حاتى ببن ماقتضا منسش جاليه وجذب جلاليداس خص كوايسا موليني ازخود فرت ملكداز ماسواكست بإساطبيل سيتم کردیتی ہن کہ سوا سے محبوب حقیقی کے سب سے غافل ہوجا ناسسے لیں دہمی وہ اُسکی نظرو منین سماحا تاسبے بہدادست کہنا اُسکے لئے درست آ ناسبے بس خشک سالی توکیا ہے تیامت بجی کُسکے ماده کوفنانہین کرسکتی جناخ پرسلم ہے شعر عنق آن بائٹ کہ کم نگردد یہ تابا شد ازان قدم نگردہ ہ عَشْقَ كَهُ رَحْتُق حِاود مْنِيت ﴿ بَازِيجِهُ شَهُوت جِوا في سِت ﴿ مَعَهُ دَاشِيْحُ عَلَيْهِ الرحمه فرما تِي مَين ياران فراموش كردندعش - لعني مهم جيسے لوگ عشق معبول گئے .گو كه آپ فے انحقیقت مكمّل تھے گرکمل اپنے آپ کواپنی زبان سے کمل نہین کہتا بلکدرندا وریزہ کاربہی جمعتا ہے غرض جیسے ولان ترك طنق كاموجب ممتند كى غله سيداوارى كامنوناسے يهان طنكى صراحى كاسبب ميوه اوراناج مسبكاكم بوحانا سي لبس علت ببردوكي ايك مطعف ادا وطرز سيان دو وَاللَّهُ تَعَالَىٰ سَّانُ اعْلَمْ بِالصَّوَاٰبِ إِسَّنَعْفِلُ لِلَّهَ الْعَلِيمَ اللَّذِي ۚ ݣَالِلَّهُ كِلَّامُوَ الْحَي وكوابود مطلب كجا آختم ومين اب مقصود سے كسقدر دور جا براا ديريهي بيان بحقاكد اضافت أن دو اسمون مین جنین با ہم نسبت مساوات کی تحقق ہویا مضاف اسید بینسبت مضاف کے عام مطلق ہوبصریئین کے نزویک متنع ہے اور مین بدعوض کرتا ہون کداضا فت اُسکد متنع ہے كرجبان عصود اضافت كاحاصل نهواب ظاهرب كدجهان مضاف مضاف اليدس خاص مطلق ہوگا نہ تومضان کوتعربیٹ حال ہوگی نتخصیص نہ توضیح ملکہ اُٹٹاتخصیص سے تعمیم کہجانب جاناتحصيل على توكيا على شده كالمولياب يدفب موضوع ب براس ورت من سيم فنافت کی کیا تدبیر ہوسکتی ہے رنا دومسا ولون مین اضافت کاالمناع اس مین محکو کلام ہے ہواسطے كدحب تعرلف لوخصيص كافائده نهوانه مواسهي فقط توضيح كاحاصل موجاناصحت اضافت ليليح

مركى اضافت خاص كى طرف ادريه ووحال سے خالى نہين يا توا ضافت موصوف كى صفت ك

موكى جيب روزم به عليرفقه كتاب كاستان بيل عمود حانب غوبى - نظامى «تنعرم ابيل بارازة

مين اسكوا خدافت بيا نتير بهي كهتة مبن اور ليضة توضيحي تخصيصي اضافت مجيى اسكانا مركهة مبن مين

ت و که پیل توجون بیل محمود نیست و په اصانت نهی معنی مرو براے ہے لیکن جرب

کافی ہے ال جہان کہین یہ توضیح بھی نہ ہو گی اضافت <u>سے شک</u>

Section of the second sections of the section sections of the second sections of the second sections of the second sections of the section section sectio

عض کرتا ہون کہ بیموشگا فیان زبان عرب کا حصد مین یے دِنکه عربی مین موصوف وصفتے درمیا ابتار تعرفیت و تنکیم طالبت شرط ہے اور اوم المجمعة و علم الفقہ و جانب الغزبی مین شلاوہ مطلب مفقود ہے تواس ترکیب کی صوح کے لئے یہ نکسترا شالیکن فارسی مین ترکیب اتصافی و اضافی کی ایک ہی تک ہی ایک ہی تارک ہی صورت ہے کیا بڑہی ہی کی ایک ہی تعکل اور انکی بہی صورت ہے کیا بڑہی ہی کہ بنی بنائی اتصافی ترکیب اضافی بنائین والد تعالی علم بالصور آگے بنی بنائی اتصافی ترکیب اضافی بنائین والد تعالی علم بالصور آگے بنی بنائی اتصافت کی موصوف کی طرف موگی جیسے خروان اطفال مسعدی علیه الرحمہ کا شعر ہی تعرب مشعوب مناف البید شعر بزرگی وعفو و کرم بیشے کن و زخروان اطفال شاند البید میں وجہ کی ہواس صورت بین یا تو ایک دوسرے کے لئے اسل اور میں وجہ کی ہواس صورت بین یا تو ایک دوسرے کے لئے اسل و میں وجہ کی ہواس صورت بین یا تو ایک دوسرے کے لئے اسل و میں وجہ کی ہواس صورت بین یا تو ایک دوسرے کے لئے اسل و میں وجہ کی ہواس صورت بین یا تو ایک دوسرے کے لئے اسل و میں وجہ کی ہواس صورت بین یا تو ایک دوسرے کے لئے اسل و میں وجہ کی ہواس صورت بین یا تو ایک دوسرے کے لئے اصل و میں وجہ کی ہواس صورت بین یا تو ایک دوسرے کے لئے اسل و میں وجہ کی ہواس صورت بین یا تو ایک دوسرے کے لئے اسل و میں وجہ کی ہواس صورت بین یا تو ایک دوسرے کے لئے اسل و میں وجہ کی ہواس صورت بین یا تو ایک دوسرے کے لئے اسل و میں وجہ کی ہواس صورت بین یا تو ایک دوسرے کے لئے اسل و میں وجہ کی ہواس صورت بین یا تو ایک دوسرے کے لئے اسل و میں وجہ کی ہواس صورت بین یا تو ایک و میں وجہ کی ہواس صورت بین یا تو ایک و میں وجہ کی ہواس صورت بین یا تو ایک و میں وجہ کی ہواس صورت بین یا تو ایک و میں وجب کی ہواس صورت بین یا تو ایک و میں وجہ کی ہواس صورت بین یا تو ایک و میں وجب کی ہواس صورت بین یا تو ایک و میں وجب کی ہواس صورت بین یا تو ایک و میں وجب کی ہواس صورت بین و میں وجب کی ہواس صورت بین و تو کی و میں وجب کی ہواس صورت بین و کین و میں وجب کی میں وجب کی ہواس صورت بین و کی ہواس صورت ہونے کی و کین و

المراجع المراجع

افرگان بهایم منطق این

بلان کرمنونه گرین منوند مندن برکامیة ماده مهوگایا نه مهوگایا نه مهوگایا دو سے کے لیے اس اور ماده ہے تو دو حال سے خالی نہیں باتو مضاف الیہ ماده مضاف کا مہوگا وصورت اول بینی اگر شضا ف الیہ ماده مضاف کا مہوگا وصورت اول بینی اگر شضا ف الیہ ماده مضاف کا مہوگا و بینی اگر شضا ف الیہ ماده مضاف کا ہے تو یہ اضافت بھی بمعنی از مهو گی جیئے بینے خیر فولاد انگٹ ترزر اس تسم کی اضاف کا اضافت بیان یہ نام ہے اسی طرح دیو مردم دگر دیونیئر ہولیہ ازین دیج مردم کدوام و دو دانہ به نہان نام زندران نا یدالا دو چیز ہوئی عربی جو بی مین جیسے اس آئی وانی مدایمین شوکہ بہصحبتا نت بدند به چنانچہ عربی مین سے اس آئی وانی مدایمین مخترف دیون کا لاک جعلنالکل بھی عدد قراً مشیاطین کا سے جیسے زرائگ تر و فولا دِخنج و نیگ جنم خافی المقول غی درائے۔ اگر مضاف مادہ مضاف ادیہ کا سے جیسے زرائگ تر و فولا دِخنج و نیگ جنم افت الیہ کا سے جیسے زرائگ تر و فولا دِخنج و نیگ جنم افت

<sup>حقی</sup>قیمعنی *برا*سے ومر ہو گی حزین کاشعرہے **شع**راز تبکدہ تاکعہ

ررا 4 آورمیض وقت بغیراس علاقہ کے کہمضاف البہ کا دُہ مضاف ہوائے بعنی از آجاتی ہے۔ ملغوامی مشعبہ می شعر دل آزاری بود کردار ناصے 4 نباشم انچرو بیزار ناصح<sup>ہ</sup> اب بیزارازناصح بین وض کرتامون که به توزیع اقسام اضافت کی جمعنی مرد برو در واز کی گئى ہے باعتبار أسكے مفہوم محلّل كے ہے ورندسسبكواكي قسم يونى اضافت بمبنى مربنادس يكتے بن اسواسطے کصحت اضافت کے لئے اونے ملابست کفایت کرتی تان خزاصافت بادنی ملابست *ہے سعدی پر شعر ب*ہ تندی *سبک دس*ت بردن به تینی و بدندان بردلشت دست در این و نظامی دست مربلیناس سنه نیر منی تمام و مماز شک پخته هم از شک خام و بنزوجهان داور خوکیشس برد و جهان داوری ببین که جو ن پیش برده وصیت سکندروقت وفات کے بیان بین ہے مشھر ہواے کزوسنگ خاراگداخت ﴿ جِنْرِي تن بود با ابساخت و کنون درسشبستان خزو برند ه چونیرد نانده شدم در دسند و غرض مطروت کواپنی *ظرف اورانگٹ ترکوا کسکے زر*کے ساتھ مثلاجوا کی اختصاص ہے صحت اضافت کیلئے کائی ہے والمد تعلالے اعلم بالصواب اگرا مکدوسری کے لئے صل اور ما و ونہین ہے اور بھم بت من وجَیْحتی ہے تو ٰبیان مبی یا صنفت کی اضافت موصوف کی طرف ہوگی جیے دیڑگا یاہ وہندی تینے و نقویم خرد۔ نظامی پر شعر ج ہندوے بازگر گرم خیز پمعلّی زنان ہندی تینی تیز فروسی بہرام کی اسیابان کی لڑکیون سے شادی کرنے کے بیان مین کھتے ہن سمع دگر مفتد آمر بهنچیرگاه ، خودومو بدو دیژگان سپاه ۰ حامی رو شعیر زنقویم خرد بهروزیم بخش ؛ براقلبه نخن فیروزیم بخش ﴿ استشهاد اس شعرے ساتھ اُسوقت ہوسکتا ہے که زنقویم کی زاکو سیانیا در کومینی مفعول ہے کرمع اسکے مضاف البیہ کے بہروزی کا بیان بنائین یعنی خردمقوَّمه وا و کی تث دیدا در فتح کے ساتھ ۔ اوراس مصر اضافت اضافت لفظی نہیں بنجا تی اسوا سطے کداول تواضافت لفظی کے لیے صینۂ صفہ ان مین هو نامشرطب اور جواسم فاعل و <sub>ا</sub>سم مفعول کیمصدر کی صورت مین آتا ہے وہ ضرور دوامی دہستماری معنی باتا ہے دوسر اہر اسم فاعل وسم مفعول صفاع کے نون مین منبن موتااسیواسط اس قسم کی ترکیب کو کلینه اضافت نفظی کا حکم منبن لگا سکتے باعو

Single State of the State of th

からいいしんからずで

واصافت صفت كى طرف جي نياز ميشين بسبحدها مع-آم بان مجی میرمی و سی گذارش ہے کہان مثا بون مین با دعو د تحقق معنی مرکب تا قائل مونا اور بجدته كلف ستاقول كرنا فقط اس مركب كااسم اول مجروعن اللام اورثاني مجرور و نے بینی عدم مطابقت دراعواب و تعربیت و تنکیر کی وجہسے ہے جو 'زبان عرب لات تركيب اضافي سے بيے جيبے مسجد الحامع صلوۃ الاو ببوصفى سے نحاۃ ءب كومركب اضافى قرار دينے مجبوركر ديايعني باعتبار صورت ظلا هرلفظ مركب اضافي قرار ديا ادر باعتبا معنى متا قرل بعني درسيات ب اسم کوجو اقع مین مضاف الیواس مضاف کا ہے محذوف انا جیسے صلوۃ انساعة الاولی سجدانو الحامع اور عانب العنب ربي اس آيه وافي الهدايه ومكاكنتُ بِمَانِبِ الْعَرَبِيِّ مِن عانب الحبل يعني الطورالغربي لبسغوركرنا حاسبية كدزبان فارسى ان خصوصه زبان مین ترکبیب اضافی اوراتصافی کی ایک ہی صوریت ہے فارق و فاصل فقط ایک ایم عنو<sup>کی</sup> بھی ترکیب اتصافی کوحمیوٹر کراضانت کے قائل بہونے پرمحورکیے عالانكه خود كلام عرب مين حب بعينه اسى مركب كالهم اول محتى بالام موتاب تواسكو بغييرًا وإل سر تعل ہوتا ہے ایک نوابنے منتحقیقی وصفی مین ہ جيسه الحيوة الدنياوالعدوة الدينيا والجميخ الدينيا والسماءالدنيا ووس اس حبإن فاني كاناهر كدليا اسوقت أسكى وصفيت كالحاظ مغلوب بوجائيكا أكرحه به نام يهني ظ قرب ہی رکھاگیا ہیے گرغلیہ ہم يت كرسوكا جيس رقبنا التنافي الدينيا حسنة ، واكتب لنافي فِی کلاخرة مین اوراسی غلبُه اسمیت کی وجہ سے اسکی جانب اضافت سمی الجمتح الدينيااى القربية الىمنافخلى من الديووهي اسم لهذه الحيوة لبعد الاخرتاعة اوالسمأ الدىنيالقىھامن ساكنى كلاض دىقال سماءالدىنيادا كاضافة - نتہى الارب مين مودالتَّا لِمَالْ

مان لقربهامن ساكنى الادض وكذاسماء الدنبا بالاضافة اسى طرح ومكرالسمى والأ يحيق المكرالسنى واول اضافت كے ساتھ تباويل كم العل السئى دوسرااتصاف كے ساتھ آيا ہى غرض مبے زبان فارسی می*ن ترک*یب توصیفی کے لیئے کوئی حدمی مشرط نہین بلاتا مل ان مرکبونکومو<del>ن</del> صفت كهناجا بيء اور للاضرورت واعيصرت التباع زبان عرب سعة كلعت مين برناصوانتين والتدتعالي اعلم بالصواب وتبض وقت الن فارس في دنيا كومطلق عالم كي معنون مين استعال کیاہے نظیری کا شعرہ شعر ہرکداز مشوق غافل گشت لذت در نیا فت ﴿ دیدہ منے معرفت را دردود نیا نورنیست ، اے در دوعالم ، بیجهی شن رکھو کہ حسوقت ترکیب اتصافی اوراضا فی ایکم جمع طرتى بين - ابل عرب تركيب اضافي ك جواركونهين توات بكيسفت كوموصوت مضاف منفصل كرسح بدرمضاف البد مح يلحق كرتت مين اورائل فارس اكثر اتصال توسيفي كوقائم ركمت مهن جيد نام فرخ نوشيروان سعدى شعر زنده است نام فرخ نوشيروان بعدل 4 كزيمتليش بروے زمین کی نشان نماندہ اور کہمی البع عرب کے ہوجاتے ہیں سعدی چ شعر بیسان فدیر ناقص عمّل ، بگدائی بروستارفتند ، روستانا وگان دانشند ، بوزیری با دشارفتند ، لیه يسان نافص عقل وزبير - اوكبيمي موصوف سيصفت كومقدم كروسيته بين تااتصال مضاف كامضاف اليك العامة اسى طرح باتى رہے ورويتى طبدووم شامنام كا اخرين بيان يـنّ بَهِن مُتعركه اين نامله شهر بإران بليش ﴿ بدبيوندم ازخوب كُفّا رُخوليش ﴿ ليني ازْكُفّا رخوب خویش سواے اس ضرورت اجتماع کے بھی فاصلہ سفنت موصوف اور مضاف مضاف البہ جهمين جائزيت واوليني فاصله ورسيان موصوت صفت ك جيس نظامي ك اس شعرين شعرسپیده برد روی از مینم درد و برد تیغ من سرخی از دوسے زرد و اسے سپیده رومی - اِن ب مہر بی عظمیٰ حضرت آرز وعطف بیان کے قائل مہین بمیرے نزویک ٹیکلعصے برالینی فاصلہ درمیان مضاف مضاف البہ کے اوراس صل کے بار مین کوئی خصوبیت ت رابط کی منہیں است رابط کے سوا دوسے الفاظ بھی فاصل بنجاتے مہیں۔ فروسٹی لینگاف ساب کی گفتگو سے بیان میں کھنتے تہن مفتحر حورِب تور باشد مرابا دشا 4 ارایشان وارسے نمائھ ے رستر ماب شاہ مرابشد سعدی شعر مگ دختان سنبر در نظر بهوٹ یار پہور خوابیت مغرت کوگا

" " Bride Con Co."

رکرد منگرین منگرین منگرین منگرین منگرین منگرین نر<sub>فن في</sub>ر

ما المان ال

The Contract of the Contract o

نیان آن مصانون کاجن بر علامت اضافت نیمین لافی جاتی.

ہے وحیداز مڑہ جون ابر بہنبگا مروصال پھل بباراً مدہ وقت س ب. نے اشامیہا ۔ اوریہ ہی شن رکھو کہ کبھی مضاف و ہا تی رکھتے ہین جیسے سعدی کے اس شعریان شعرینگ بدگر ہراکر کاسۂ زرین شکند ، قیمتِ سنگ مفزایدہ زركم نشود و احقيت زر ـ نظامي چرشعر مبين رنگ طاوس ويردازاو و كه چون گر مزرشت آيد وازاو و المصحون آواز كربه يحتمى لقريئه مقام مضاف اليه كوحذث كرسي ضاف كوباقي ركهته مبن عيسة حرديده عدی دول همراه نِست « تانپنداری که تنهامیروی «اسے دل ِسعدی - آسی طرح مضاف الیہ پیضا کی تقدیم بھی حائز ہے جیسے کیہان حدیوجہان با دشاہی شہنشا پسرا بردہ ۔ یدامرساعی ہے اسمین قیاس کو وخل نہیں لعینی حس مضاف الیہ کو جاہیے اُسکے مضاف سے مقدم کروینا امر فصاحت میں مخل ہوگا اوراس تقدیم خلاف موضوع کو ضرورت شعری برمبنی کرنا کلامغُ صحامین عیب او بحب زکا قائل موناسے بیخطا سے استادو سکے نشر کلام مین بد ترکیب موجود سے آسی طرح صفت کی موصوف پراقدیم ضرورت شعری پرمبنی نهبین جیسے کوتا وخر د مند گلتان کی تبیسری حکایت مین منثور به نشر گفت اے پررکوتا ه خردمند به كه نا دان بلند - والله تعالے اعلم بالصّواب -احكام فغطيبين امتنزاج كالشاركرنايه بسيح كه فارسي مين كل كلمات مبني على السكون ببن اوربيهجيي ظاهر بے کہضاف ومضاف الیقبل تعلق اضافت وموستقل مدے جدے ہم تھے سکون پر مبنى تق أكرىعبتعلق اضافت بعى مبنى على السكوك ركهي حبائين لفظون من امتذاج بمى كمياطه جس طرح قبل اضافت برگانگی اورعلی رگی تھی اسسے طرح اب مبھی رہتی تو بنا ہے سکون مضاف کو چىلامت كلىدكى تاميت كى تھى أشاكر بياسے أسكجنبش كسرى ركىدى حبكوعلامت اضافت کہتے ہن تابھا ملہ معنوی اتحا د کے کسیقد لفظی اتحاد بھی ہوجائے جیسے عن کی میں حذت تنوین ادر نون کا اس استزاج کے لیے کیا جا السے چانجہ علامہ رضی نے سترح کا فید میں تصریح کردی ہے

فَكُنَّا اَدَادُوْا اَنْ يَمْرَجُوا الْكُلِمَتِيُنِ مَرْجُاكِلْتَسِبُ بِهِ لُأُولِيٰ مِنَ الثَّانِيَةِ التَّغِرُبُيَ وَالتَّغَفِيصَ

حَذَ فَوُامِنَ لَا وُلَيْ عَاهِمَةَ مَّامِ الْكُلِيدَةِ كُولِ اسوت مضاف كے اول حوث سے ليكرمضاف اليه

كے اخر حرف كك اكيكلم منكليا كيكن بعض مواضع بوج شذوذ مستنتظ مين اوران مين هي دوطرح

سے ہیں ایک تووہ کہ جنگے مضاف برعلاست اضافت نہین لائی جاتی جیسے جون وجز وہروہم ہیعنگ

بهرملک دنیا دیشت و کهبیارکس چنتو برور دوکشت به وله هرکدان ا لەاوگويد ەچىف باشدكە جزنكوگويد ،لىكىن يىشعاسدالىدغان غالب كاشتىچە سازاز دىرنا ئىي اضافت نهين لائي حاتى جنكے مضاف اليه مين صل دا قع ہوگيا ہوجيسے دستور ماشدمرا با دشاہ دومت مرفت وغيره مين اوربهي حالم ت اتصاف کے بارہ میں سمجھنا جا ہے جسے سپیدہ بردرومی میں - <del>دوکے</del> روہ صاب بن کے استعال کرتے ہین بہ آمرکھی مضاف کی خصوصیات سے راورابن اورنبيره اورنسپراورميراورعاشق اورنيم اورلس افرولي ے و کہ زبان دردہ سعدی شعر گرصاحبد کے روزے زرجمت 4 کند در کار در وبیثان دعا۔ بغرض تاسخرنت نوی په آگرکاربندی پردر گنج صاحب بن**بر + ولی**رزم خردمندحيت دكله رسورہ سے طوت اُس حلقۂ کلان کو کہنے ہیں جو سرسے بر زنجیر کے ہوتا ہے اورکلس کو بھی کہتے ہین حوالمبع کرکے گنندون برنصے يرطقه کدام ست بغياز من ديوانه ډ ميرزارضي دانٽس ت ينظ بيناني ، برنگ سرخي سرسور إس قرآني . سعيدا شرف در کمتے ہن ش**خر** خروشان موجہایش جرخ تسخیر 🗧 دروگر داب چون سطوق زنجیر 🖟 طاہر دھیر مبجر کے کی تعرفین میں کہتے ہیں پر متن**عر** رسطوق گنبد مگرد وان رسید 4 یوبیرے کداورا برا ندم پد 4 بايونشس، بنام سعدابو بكر سعدين رنگه رسطے انخصوص کہ دیںا ځیہ خدیوءصئه عاله مجرشاه بن تغلق و که در بزمرها نداری سکندرزبیدش حیاکه بیوندشاه ۹ کههم ناج دارندو هم حا<sup>ب</sup>گاه بش**عر**نبیر*ه* ن نراد و سايركسيج نوسرراز واد و

النظافية المربي المعاني المربي المربية 
م كەدلىرزخدارادىر برشكار ميرعدل ميرعرض ميرعارت ميرةافله ميركار وان ميرلنكر متحله مبزننأ ساتذہ کے کلام میں عمل ہیں جونکہ بیلفظ موقوف الآخرے اور موقوف اور حوکر *دزنءوضی کچه فرق ن*نین توان الغاظ مین فک وننت علامت اض ف المدم سرّر بدالت ببوتوالت كي رما. ليني ميز محركليم كاشعر ب تشعر خضر نتواند بآب زندگى از مانريد و خصب ى طرح ميراتش داروغه تويخانه - آرز و كاشعر ب يشعر لنكرا ال سخن رافريع أ ورَّلان خدمت ميرَّاخيب سام سوار - اميرخسرُ و منتحرف اميرَخو وآور درود. ہرجہ دراطراف جہان بادبود ﴿ اسی طرح میتراش مجنی خوان سالارۃ ا كاجيسے عاشق آفت عاشق باده عاشق بناگوش عاشق بلاؤ عاشق جاع ماشق سخن عاشق صحبت عاشق فغان عاشق كمناه عاشن نالدعاشق فنمه عاشق نسب مرابوطالب كليمر تتعييرميرسا ندنوشلن رازم**نوق برق ، مزرع امید ما از اسکه عاشق** آفه ت نم از زندگی درسکرت ﴿ دِستگیری کن ہے آشا ان عاشق باده را ﴿ وَلَهُ ندار دِسْفُرُ دُولِانِ چون من عاشق سِناگویشه و ندار دحن خطرون من غلامے حلقه در گویشے و فوقی بزدی شعر بودان النِ عاشْق بِلاؤ ﴿ زِحْرِهِ لِو ہے شانِ ہم حرص گاؤ۔ ولہ چمن عاشق جاھے کو دران روز ﴿ كَ برفرنا دا ومینرد دوصدگوز نطوری **شعر** درین انجرنگسیت عاشی سخن ۶ که <u>عشق</u> نورزید باشعری . روننځیشش نودمیگرد دسیاه و هرکه چون پروانه مبدر د عاشق صحت مت و نلمورمی ستعر بنازک سے خوار*ی کشان ،* بلبہاسے ظامو*ش حاشی فنان ، و لہ ببعیان عشقباز بہا*ے

چراعغوت چنین عاش گناه ست + شغائی شعر کلین مهرو و فارامرنع عاشق نالدام + لست زانغان تا گلے برشاخ ہست 4 مصائب شعر جوش گل راگوش عاشن نغریہ مایازہ کر د 4 نالزمبیل کجاتنہ بفريا ومربسد وكليمتن مترروستش اغيزا يدانتقامست وكدتبنج كينداش عاشق نيامهت واولفظ بمكا مضاف ہوتا ہے ہمین شرکے لیاے مقطوع الاضافت وکمیاگیا اور بیان معی میرکی طرح افظ نیم کا موقوت الآخرہے لہجہ اہل زبان سے اسکی فاک علاست اضافت کا حال دریا نت ہوگا جیسے نيمروز نيمنب نيمقطره نيمنان نيمرخ سعدى وشعرظ المصراخته ديدم نيمروز وگفتم اين فتنه خوابش مرده به دنظامي روش مرجود فيمشب از توجيم بيناه ۴ بهتاب نضلم برافروزراه لهع في بنيم خطرو منزاب كه بازميماند وبس از بيالك شيدان بساغراناب يار وسعدى يرتشعرنيم نانے ك خورومره خداے 4 بذل درویشان کندینمے دگر + اورلفظاول کا ہردوطرح متعل ہے جیسے امل شب بینی پاس اول شب نظامی پرتشع حرادل شبّا هنگ خواب آورم ، بت بیج نامت نتاب آوم : حاجى محدجان قدسى تشعر چون سنرلفش ببستم افتداز خودميروم بالبمجوطفلان ول شبخوا م آبدم الدانفظ بس جيسے بس خور دو بس فروا ميار صن و ملوى شاھر صن آخر جراننديشي امروز و ازان فرداکه بس فرداندارد و استخبیل سے مین پرزن تراورزن نشابهان و ولی نعم وتی دولت کآفرنمت ولی عهد مالک رقاب نظامی روستعرزبار مگه اس داران پاک و دلی فرع خواران خاک ، وله وگر باره دولت درآمه بحار ، و لے دولتے ہنن گشت یار ، مینزی ندرا الشعرتوكا فرنعيم مبى وگرنه و بنون دل تنعم م توان كرد و صائب شعر اگر برزخم كا فرنعتان ا بندگران بیکان و زمان شکرگرد و زخم ارا در دان بیکان و نظامی برشعر بزرگان شکرنودندم كه ماآن ولى هم يب زرعه و و و الدين دواني تشعیر خسر و مالک رقاب دِين بناه و آنتابِ مرت اطسل آله و-

بهان تک ده امربیان مواکه فک علامت اضافت جوضوصیت مضاف سے موتاہے اب اون مضاف الیم ذکا بیان ہے جنگی خصوصیت سے سرُو اضافت تخفیف مین آجا تا ہے جسے لفظ ایز و اور آب ید دد لفظ جب مضاف الید واقع مہون اسکے مضاف برسے اکثر کسرُو اضافت کو گرادیتے ہیں۔ جامی چ شعر بنامیز دجہ زیبا صورتے بود وکھ صورت کاست اندر منی افزود و نظامی روش تعریج ایز دمن نعتے

A CONTRACTOR OF THE PROPERTY O

The state of the s

إس الزوم چون نبايد نموه + اور لفظ آب سيلاب تالآب آسياب و دَلاَب وغيره مين ل بالضم كوزُهُ آب كو كميت بين كمال المعيل تشعير جو دُول اين كيه رئيسان درگلو ﴿ جِوجِرْحُ ۖ أَن سندہ برلہردویا ، - آور بیر بھی جان لین ساخرورہے کہ بعض وقت اس مرکب سے ایک شے کا نامہ ركھدیاما کا ہے تولیاظ معنی ترکیبی كا اُسوقت مغلوب ہوجا ناہے اسمیت غالب ہوجا تی ہے ہرحال طوع الاصافة موناصر*ورى سجما جائيگا جيپ سرايه ميزا*ب سلاب نالاب ادرعابيه غر*ي*ک ہنب خون جبتقابل روزخون کاسے یرسب اسی قبیل سے ہین کمال آمنیل شعرفنگ کسیکہ ازين با دهمت وبيخبرس وبغل كفت زملس بجامة وابكشيده الدالبركات منيرشعر شب چود ىنەحەپنے زور دېمچردوست وگرىيىشبنون مىزندا فسانە ھەخون مىرود - ملاشانى ئىكلوشلىھىررا. رایتےست کو گلیسوے پرخش و شخوان روشنی بنب تارمیزند و اگر بحثیت اسمی نه بیان بون آمی انت ظاہر کردیجاتی ہے فردوستی سکندار فور کی حباک کے بیان میں لکھتے ہن ی**شعہ** خروك مرازوت كاسعوسان و سيرا يُدمز بندوستان و باقركاشي شعر در دول الثنيدني ت و مکث سرد استان ارا و قلیمیلی مثن روران بجلید مداونتا مگرعید و بکشاد سطوق اسرال را کرد چەمپرخسرٌو م**تنعر**میلے بخسروت نشداے آب زندگی چه باکنکیسل آب جزاند نشیب نیر طغرامتْ حربهبلوے مسجد کیے تلل آب ، بودیاک چون حشِمَّه آفتاب ، سعدی تشعیر نگویزیداز اِن حدر نے وکزان بندے کمیرد صاحب ہوش و عانظام شعر اسے صاحب کرا روزى تفقدى كن درويش بينوارا ، با با فغانى شعر چىيش ازمىتى كيساعت شب تيرد روزان را ، كة تش ازغم فردالود ورجاميهٔ خوابش ومسعد*ي و مشعر ليسرُنو*ح بابدان بنشست « خاندان نبوتش گم شد د نظامی در شعیم ازان بیش کار دشب خون شتاب و بو دراج دروه صله روزخون می آناہے ۔ حکیم نزاری فہتانی شعر کنم اینک خبر دارت کہ جوز ہے یہ میں ہولو مہرگیا کہ بیضر موقعون مین ان الفاظ مین اشات کسیرہ اضافہ ہوتا ہے گرکم سیولسے ہے نے بیلے کہدیا ہے کہ فک علامت اضافت کے ساتھ بدالفاظ الثر ستمل كيُّ جاتيبين السطرح وبضميت كيك مضاف اليدواقع موجيع كتابش كتابت كتابم كتابشان لتا بتان كتابيان اسكي تحتيق ضميه كيهيان من گزچكي -اب ُمنوحب به الفاظ بشيرط وقوع طرم

وصیت فک علامت اضافت کے ساتھ اکثر منتعل ہوتے ہن توہی کثرت سنعال اسکی اوبریت کاسبب ہوگی اوراسکا خلاف خلاف او لیے۔ ارحن مضا فو نکے اخیرمین نون بعدمةه موصِيه شبان كمان يا إسختفي يا ياسيه مودن موكبمي كهي فك علامت اضافك ساته بهيشتعل موجاتي مين گمراكثه نهين هبټ كم توبيان بوجه قلت ستعال اولويت اثبات علامت امنانت مین موگی نیا قانی منت عرضه پرس امیرآب حیوان « زبان بن سنبان دادی ایمن - مدحیاج . معرروے زمین جوتیرٹ راست زنوک کلک تو ، جز کجئی که درکمان ابروطاق دلبرست مسجدی . تعجر بما ندسالها این نظمروترتمیب و زما سر ذره خاک آنتا ده حباست + است ذرهٔ خاک به نظامی ترجیح گرفته بهههن آری زروم ٔ خورات کده ما چههن چهوم + ات انشکده ما- غا قا فی چ**شعرجم**ا بدین واور می بردرغنغایث ندنه کوست خلیفه طیور داور مالک رفاب ۱ این خلیفهٔ طیور-مولوی معن یمی قدس ستُره تشعر گرخداخوابدکه برده کس در و پمیلش اندر طعنهٔ پاکان برد - اے برده کس ۔سعدی گ ستعراب که شخصینت حقیرنمود به تا درشتی منرند بنداری - اب درشتی مهز مولوی پخش نوگی تع بیر پیرغل باشنداسے بسر دسنے سفیدی موے اندرلیژن سرہ اسے سفیدی میسے نظامی ۾ شعر بهى جِهرُه باغ حبن دان بوو ، كه شمنا و بالالخهندان بود ، بهيمي سُن ركهوكداً أرمضات كا اخررت العت مدہ ہواس برکسرہ اضافت کا تعیل سجھا جا تاہے لہذا ایک ایسے نتحا نی تحل کسرہ کے لئے زیا کیجاتی ہے جیسے وانا سے رازہ اس بارہین الدیت تعسورہ اور مدودہ ایک حکم میں بہن عرفی متع مصر و بران کرو وا دی ایمن نها د ÷ رودنیل شوق لینی گرئیه رسا ہے من ، مش**عی** بخداکه حرعُه ده تو بحافظ *سوخیرو* له دعامے صبحگاہے اٹرے کندشمارا و گرجبونت جانب ضمیترصل اضا نت اسکی کیجاتی ہے توجیر لجات يات تحناني كاواحب نهبين رمة الجيسية عصائل وعاش مصرعه حن زيباش خيل عُشق أورو المغيررة ش**ىخ**ىرموركە برسىقەن دودىب تىياس ؛ باش بلغزوچ درافتە بىلاس؛ درصورت زيادتى ياياكو حركت فتح و ریجائیگی اور با وجود طانب منیت صله اضافت منوف کے بغیریا کے استعال کرنا جیسے تلمیر فاریا ہے اس شعرین مشعر نشار مجلت از چرخ گومهرس بادا و کددر ساک بنیا بدیمها جنان گومهر- بحکم ضرورت می شا برآمدن سے زکہ یافتن ۔ سے ۔اوراً گرحرف اخیرمضاف کا واوُ مدہ کلمئہ ثنا ٹی کے اخیرمین واقع ہو جيب بوغ رو مو دغيره باسوالي الركات كب جيس رفو سبو كلو بكو وغيره تربهان مبي العدواك

ضا فون کی طرح حبرُکا بیان انجی ا دیرگذراعمٰل کسرُه اضافی سے بیٹے باے تحانیٰ کا ابحاق و حب - اورسبوے آب۔ گل<sub>و</sub>ے ہ متصل کیجانب اُنکی اضافت کیجا تی نے پا کے ماتداور لغیر با کے یہ دونون امرحا بُر نہوجاتے ہیں . جيسے بوٹن روش بولیش رولیش اور سبوت گلوت سبویت کلویت حافظ رہ شعیر لعلف ہٹ ار پنوشی ازگدا ناروت را نه تا بکام دل به ببیند دیدهٔ ما روت را واسے روسے ترا <u>-</u> اگر کلمه غینیا بی لی طرح کسر و اصنانی برکھایت کریں جیسے رفیع کے اس شعرین متعمر توان معنی وحدت رحن یا ر يىد مىمىسرعە درىهېبلومنىنشىت آن شوخ پىشابىي سنروارىي شعر دوروزه مهلت باقى تعبيش ده ساقى ﴿ جِوْهِ إلب ساغِرُكُر شت وگيسوِحنيك و خواه كلئه ثنائى اورمتواكى الحركات كى واؤكى طرح ياتو صرف باسے تحنا نى ملحى كرين جيسے خواجہ كرمانى كے شعرتان شعر برآدندهٔ تبغ صبح ازنسیام و کشاین حین زابروے شام و حکیم زلالی شب کی تعرفيت مين لكھتے ہين منتحرز تنگي آن جنان بيچ پده در سم و كدموئده سروكسيوے اتم ويا بعد الحاق باسے تحتانی بوجہ عدم تعذر نقالت نوالی اقبل پاکواڈ اُٹرکٹ ٹرک پالکئیہ دمنالیہ یتے ہیں لیس بیکسروکسٹرہ اضا نی اور یا باہے ہے ہے۔ اس شعرتین شعیرطلب کردخا قان آ فاق را ۴گره بازکردابروے طاق را ﴿ نظامی پر شعیر ارے پیلوانان بہ تبغ « خورم گردُو گرد نان بب رر بغ « صائب شعر بید مجنول گیہ بے <del>گ</del> اتمريشان كرده ست « ناكرانسمت شهيدشگ طغلان كرده ست -اورحب منم تتمصل كيجانر انکیٰ اضا فت ہوتی ہے بزیادتی یاسے تحتانی و بغیر یا دونون طرح ستعمل ہے لیکن سائرضا پڑ کے مابل کیطرح اسکوبھی حرکت فنح دیجائیگی جیسے ابرویش ابرُوت بہاویش۔ بہاؤت ابرولیش بهلویش - ابرومیت . پهلومیت - اور به امرجهی حائز سبے که غود واؤ کو اجتماع ساکنین کی ملطا رفع کرنے کے لیئے اسٹ الوکات لینی حرکت فغ دیجاے جیسے ہیلُوٹن ہنڈو مٹنے ۔ حافظ و**یٹنو** ارسى برست آرددل ماما ؛ بخال مهندوش نخشم سمقت و بخارارا پنوض به واؤ واوُ مده سائيه دمتوالييه سيه احكام فنظى مين متازيب مركفظ سؤ مجكم شذو فرجميع احكام مين سنربك وأمتوالي الرست

جیے *مصرعہ ِ ز*ان زمان سومن کن مبین بطعت *نگاہ ہ*نظامی پرمنتا لېيىچ <sub>ئ</sub>ەكىتىتى ئاردىم دران كاربىچ + **ولە** تواسے بېلوان كا مەمى سوسىمېن + ئىمهدار بېلۇرىيلېرى م والتدتعاك شانه اعلم بالصواب واوراكر وف اخيريات تحتاني مده مو بوج عدم تعذر تفالت كمشراضك بركفايت كرنا ادرنظ براخوت العث وواؤ مدتين ياسي تحتاني كالبرانانا يدوونون امرحائز بين ول جيس عا فظ رو کے اس شعر میں مقعر ساتی ہدہے نیازی بزدان کسے بیار ، مّابننوی رصوت مُغنّی ہوانعنی ، طالب، كمى يتنعر آمم كمن است شرم به نز ديكي آن كو به شا يد نغلط يا رزمن دست بشويد ، دور ینی پاسے تحانی کازیادہ کرنااس میں مجروہ باتین میں ایک توبوجہ جماع ساکنین یاسے اول کو بوانعت یا ہے ابعد حرکت کسرہ دیکہ باے نانی کواسکے صلی سکون سر جھوڑ دستے میں نظامی *ر*م شعركے راكد فہرے تو از سرگلند 4 بر بامردئي كس نگرد دلمبند 4 اسكومشباع تنجمين - دوسرايك یا ہے اول کو شی حالت سکون میں رکھکر با ہے ٹانی کو محکم ا ذاحرک حرک بالکسیسرہ دیتے ہیں اور ادر بحير حونكه سين قاعده ادغام كايايا جاتاب ادغام كردينة مبن حافظ ومتنعر خنگ جو كاني وخت رام سند درزيرزين وشهدوارا خوش مبدان آمري گوے بزن + اور يهي إ در كھوجب كوئى اسم ال فسمركي باينسبت والاجانب متيرصل صاف موتاب توماقبل أس ضمير كامتحرك بوكت نتح ركه لعالما ب طبی طرح اُن ضائر کے سائر مضافات کا حال ہے لیکن بعض وقت بھکم صورت اُس یا۔ اقبل ضميركوساكن بهي كروية بين مولوسي معنوتي وسنعرصد كمانت بود درسيني بريم والجنين ولأك این ظل کریم فر گرید کم آناسی آوراگراخیر حرف مضاف کا با سے ختنی ہے توجو کدائس مین صلاحیت مرہ قبول کے نی بنہ ہے تحل کسرہ اضافت کے لیے ایک ہمزہ زیادہ کردیا جا تا ہے جیے بندہ خلا مجمدے بریعیے تو دیاے تمانی بسورت ہمزوہے جیسے ہمزہ یاکی صورت یا تاہے یا بھی ہمزہ کی شکل ے تحتا نی کا واقع ہوجا تا ہے مولوی معنونی کا شعرایک شغرلىك ميكويم حديث وش نبي براميداً نكه توكنعان ند ومهتى دبير معربارد بيجونومهار باخوے د نی و باما چوخار و باد کرکس چوسی و سخت بدا ہمی کندست بئی و ورند توجین بنت کمان نیزهٔ ا کے لطیفہ ذراغور کرنیکے قابل اور حظ لینے کے لای*ق عرض کر*تا ہون ملاحظہ فرمائین کہ واضع حرف حِرون ٰ *حَکیمِطلق حَب*َلَّتُ کِیکیُّه نے *مِنعنی لفظ کو حرو*ف لفظ کے *سا شدا*تنی مناسبت تو میہ

انیرون مضات کالم محتفی بردنو علامت اضافت کیا بوتی ہے۔

The second second

کھدی مبطرح تہب بین اس رسالہ کی مبرتن ہودیکا ہے پھڑسکل حروث میں کیونکرا ہمال نیائٹ رتا پيمسراكيپ حرف اپني زبان حال سے پوچيا كەمبىن نىكل كيون ملى وە كيون نەملى اورحسكم آيۇ دا فی الهدایی کیشئے گئے گا یَفْعُلُ سے بیہ تیجمنا کہ الک نحتار نے مبر طرح حالم مِنا۔ وضع كرديا بكداسكا سركام عير حكمت سب كرسمكوابنى ويسجعى سعمناسبت بري ندليا كرخواه مخواه اعتراض مین شنهنبین کھولنا جاہیئے ہیں اُن حروت کی بین خاص خاص شکلین اور صورتین بھی صرور خاص خاص مناسبتون کی وجہ سے ہونگگی گوکہ ان دقائق غامضہ پر پیماری نظر نہ ہوپنچے مثلا ایشکل (ی) ہمزہ کو ذراغورسے ملاحظہ فرمائیے یامبینہ نصف بالائی حصہ یا کا ہے بلکہ کا مل باہے صرف دامند چروانی قلم بین کتلتا ہے رہ گیاہے اوراگراسکے بالائی سرے کونکالد سیجئے و یکھیئے (ک) کامل واوہے ۔ اُورجوا کے انحنا کو لحاظ نکرین ایک متعش کے ہاتھ کا لکھا ہوا الف ہوجیائجہ عَالَبَ فروات ببن مصرعه العن منى لود همزه غرض جبكاس بن كيفيت ان تينون حروف علت كي بالقوة موجووب توحالت فحى مين العث كى صورت بالاسب حالت ضمى مين واوكى شكل ليتاسب سرى مين يا بنجا تا سے جيسے مامون مومن ايمان - آمدم برسم طلب اور و گرافي تن كل حبكوا منحقفي كہتے ہين ميرے نزد كيكو ئي حرف جو ہركليه كا نہين ملكه علامت كلمات تحرك آلاخ کی ہے۔ اور یہ بات بھی قابل یا در کھنے کے ہے کہ بعض تو اعد نگارون نے کلیات فارسی میافیل ہ بے ختفی کوہبی کمسور کھا ہیں اور میا نجیون نے مکتبون مین ہسیکورواج د**یا ہ**ے یہ خطاہے چنانچه کلام اسانده ایسکے نتح بر دال ہے میرزا غالب کا شعرہے متنعر شورش آما دہ رفتہ اند سمہ، بم برین جاده رفت اندیمه و ورنوردگزارش زده له و کرده اندازنشاط حربده له و لیک درسی جا رىم،اش ، نفظهارى بهوىت ترجمان + دىكىيئة قا فيه الماده اورزده اورىمه كا عاده اورعربه ه اورترجم کوڈ الاسے مید الفاظء بی کے مین انکا اقبل اخیر فقرح سے اور پیان اختلاف روی کا قائل ہونا تحکہہے۔ این اسے خلا ہر کا اقبل البتہ کمسور کمبسرُہ صلی رہتاہے لیکن اس ا کے اور حرن اقبل کے درمیان ہے کو ٹی حرف علت حذف نہوا ہوجیسے رُہ مبنی طریق بفتح اقبل و کُذ مبعنی بَیَل صِنِم ہِ قَبل و دِهُ مِعِنی قرید کمبسرہ بیل عارضی اسوا <u>سلے</u> کہ اول سے الفٹ ٹانی سے واؤ<sup>راث</sup> یاے تمانی محدوث ہے اسل انکی راہ وکوہ دو میہے۔ راہ دکوہ معروف ہیں گرویہ انجیراً

. شعر قدر سے جون برین منطابنتانت و راه اندرسوا دویہے یافت و میرحن دہوی شعر سلامت از ول دوین حن چه میرسی ۹ نه دید ما نونه د مهقان جه داج حرف علت حذف نهوگا صدور قبل اُس لا کا کمسور مکبسره آبلی هوگا مثلا به وکه ومه وگره و فربه وزه -سعدى يركاشعرب تشعير جواز قوم يكم بيدانشي كرو + نركد رامندلت ماند ندمه را + ني بيني كدكا و ورعلف زار 4 بیالاید بمه گاوان ده را + و له آن شنیدی کدلاغرے دانا + گفت روزے بابلبر فرب + اسپ ازی اُرضیف بود ہمجنان انطوبائہ خربہ ﴿ مُروسی اللّٰ اللّٰهِ اللّٰهِ عَلَيْ اللّٰهِ عَلَيْ اللّٰهِ رتے ہین **شعر** تصاً گفت گیروت رگفت دہ پہ فلگ فت احس ملک گفت زٰہ ہ<sup>ہ</sup> آور لفظ زہ ب<del>فتح زے</del> بیم جیبے مولوی معنوی قدس سرہ کے ان اشعار مین مشعر تا نگیہ د ما در ان را در دزہ ، طفل *در*زاد ک نيا بزيج ره ، وكه بين مي آرسيش ميرف شه وجليشب بمجوعا مل وقت زه + صل اس إلى الف ہے دینی یہ زمبیدن کاعال مصدر ہے اور زمبیدن زاون سے محبول ہے معنی مین اُسی رات ہے جیسے نشرط اس عبل کی ہے بحث مصدر مین اسکی تحقیق آ جائیگی انشاء العد تعالے مولو منوی قدس سره فروات مین بیش مرزمها را رزقها اوسید بد و ورندگذم مع غذام کے زبدا اے کے زاید۔ اور زہ مجنی زادہ لینی بحیہ سے معنون میں جمیم تعل ہے جیسے اور نیش علمصا بعضة وزيده لعنى مخلوق ستعل مهوتاب اوراسى سے زبدان بجيدوان لينى رحم كو كہتے بين - تطافظ ہے سووہ لفظ ہندی دس کامفرس ہے جیسے اس سے اہ بعنی قمراسی پر ہز فغی کا گاکرا اس کہتے میں اور ہمزونفی کے لئے جیسے سنڈی زبان میں آباہے فارسی زبان مين يمنى تمتل موتا ہے جنائجه كلنر حكيد دساتير مين لفظ اخواستى بمعنى غيرارا دى واجنبان بمبنى غيستحرك اياب اسيطرح اميرمعني ناميرنده ليني حتى غرض اماس وهشب جس مين جإ ندباكل نهين تخلتا بكايس لفظ وه كومفرس مى كيا كهيئة توافق واشتراك دوزبانون كالبحمنا جابيئ - رام مبا داسین کا اے ہوزکے ساتھ اکثر ہے جیسے را مہنی طریق اس عنی مین لفظ راس حبکا مزیکیہ راستة زند با زند اليني افت باساني فارسي مين تعل ب اورا ماس واما ومعنى ورم اورجبتن وستن الفني بحث مضاع بين جدوره مهوط تع بين مشرب شفروه كاشعرب ستعرضت الفربهي فيت ومعجون غرور \* چيشود فرمېي طبل زآماه لود 4 مكرخه اورخه خه اور پُه په يلېب الفاظ ايس مېن كه انكا

نائزة في منائة المراجعة ا

خدخه اوریه بهکاس قاعده میمنشد کونا

مُنْکَانِدِ مِنْکُلُ بِمُنْ مِنْ مِنْ بِنَیْ بِعِلْمِیْنَہِ بِنَیْ بِعِلْمِیْنَہُ

غورى زودگونى كەئە ئەپەش**ىھ**ر حىرىگىغىتە دورجە برداختى ئ<sup>ە ك</sup>جابو داشەب كېآماختى ، آمەم برسىرطلىب چۇنك المنختفی اے ظاہر کی مشکل ہے توبطوراکم متعل حریث سے محوظ ہوتی ہے کہا آپنہن دیکھتے علم ہیات بین حب دوائر وقسی کی بیائٹ کرتے ہیں سابٹر برآکر تسہ لکھدیتے ہیں حالانکہ باعتبار۔۔۔ جل فقطس کے ساٹھ ہوتے ہیں اگریٹیکل واقع میں منعل حرف سمجھی جاتی پنیٹے بنجاتے لیکن ادہ تاریخ مین اسکا اعتباراسوجہ سے ہے کہ مداراس صنعت کا فقط صورت وشکل مکتو بی برہے صلیت اوروافعیت ملحوظ نہیں ہوتی جیسے مشد د جو کہ اس میں دوحریت ہیں بہان ایک ہی اعتبار کیا جانا ہج اسى بنادىرتا ،عزبى جوكدگول گره كى سى كى مىن كى مى جاتى ب اورحالت وقفى بىن ا بنجاتى ب اعدادمین فضلاے موفین کا اختلات سے لیکن انصاف کی بات بیرہے کہ اگروہ ترکیب عزبی مراس طور برواقع ہوکہ تلفظ میں بھی تا ہی بڑھی جائے اسوقت اسکے عدد حارسو ہی لیے جائنیگے اور وہ جلہ تاریخی خواه عزبی کی عبارت ہویا نہو گروہ کلمجس مین یہ تا واقع ہے ترکیب عزبی رکھتا ہو۔ جیسے رجمة المعالمين مولانا جامي قدس سره كاشعرب شحمر بتآخر جمَّة للعالميني وزمووان جرا غافل نشيني واسيطرح جنة النيم وكعبتدات وغيره - اوراس من كيوشك نهين كداس صنعت مين فقط مكتوني كااعتبار مهواكرتاب ملفوظ كالجويم عي اعتبار نهين مهوتا - سيوحب ضدائي يادشا أي مين أكرجه ايك بهخره اورامک پاہے مگر بلحاظ صورت مکتوبی دو پاشار کیجاتی مہین اور ا نکے عدد مبس لئے جاتے ہین اورعبدالرب عبدالرصن مين العن لام أكر حيلفوظ نهين مكر بلحاظ كمتوب أسكم عد واكتيس لي حاسة مین را سے مشدد امک ہی شمار کی ہائی ہے فقط دوسوا مسکے عدوسلئے جاتے ہیں اگر چہ بولنے مین دوسے بولی عاتی ہیں لیکن یہ قرار دینا کہ یہ گرہ کی سی شکل عربی وغیرع بی بین ا کے لیا مختص ہے میری سمجد مین منہیں تا البتہ غیر عربی کے لئے یہ اختصاص نابت کر بو بجاہے گرع بی میں بٹسکل تا اور ا دونون مین مشترک سے لیکن ابدالا مبیاز اور حبانشناس ادبر کے دونقطون کا وجود اور عدم سے عیب عااورخالااورا أسكل من مشترك نقطس متازمين الن اتنى بات ب كديبى تاحالت وقفى من الم

بنجاتی ہے توائسوقت اُسپر لقط مہی دیے نہ جا کمیٹکے اور عدد مجنی بایخ ہی لیئے جا کمیٹکے مبیے علیہ الرح وربالكعبه او آات كرميه قرآني مين جوبا وجود وقعت نقط و بيے حاتے مبن باعتبار ما كان حالت ملی کے لئے ہے تا نوآموزون کو تبجی کے وقت وقت نہ ٹرنے غوض نظم الغا ظا تا ریخ عبارت عزبی سویا خیرع نی گرو اکلیجس مین یه تا سے مدور واقع سے عزنی ترکیب بر بہولیس مرزا قطب الدین کی تایخ سے ا*در آسپر*غلام علی آزا وجیسے ہے بدل اویب بلندا ندلینہ فال نے جوطعن کیا ہے بجزا سکے اور کیا کہا جاہیے کہ سخت ہٹ وھرمی کی ہے رہا بعض غیر منقوط صنعت کی عبارتدن میں جیسے فیضی کی موار دالکلم اور خطبہ غیر منقوطہ علامہ حربری ہے اس قسم کی تا کا لا نا اور أسكومهل سجمنا بوجتنكي مقام وضرورت صنعت كلامه بوكريب كلمة تركب فيرعزني من وافع بتوحس الما سے عمی دراز بھی لکھا جائیگا اور عدد مھی بالاتعات چارسو لئے جا کینگے جیسے صاحب مخرالوںکین حضرت نينح اث يبوخ عقدساك لذالاوليا رحلة العلماء والفقراء صاحب النسبة العليا الشيخ شهإ بالدين بهرور قدس سره کی تاریخ وفات مین لکھتے ہیں شعر آنکہ ٹینج الشیوخ عالم بود 4 زمبرہ اولیا سے انتظام بود 4 عده وصلين شهاب الدين 4 قدوة كالمين شهاب الدين 4 سال تعلش كغت ارض وسا 4 ساكر إلى جنت والا • نلاحيد زومنی اپنے والد بزرگوار کی تاریخ وفات مین لکھتے ہیں **شعبر** تاریخ وفات فا<del>یضا</del> مرحوم ﴾ كوندر تم كه شد برحمت واصل ؛ اور أگرون قرى حركت كے ليئے جو بنسبت حرف كے بيف ب علامت بنے کو کئ متنع سبھے توع دلی کا نون اعوابی جومضارع براً تاہے حروف کےعلامت حرکات ہونے کے امتناع کو اُٹھا تا ہے ۔میرایہ تول گو کہ اجنبی معلوم ویتا ہے لیکن اور ملبندا ندلیث قراعه نگارون کے کلام سے بھی اشار قریبی سجھاجا ہا ہے جیسے ٹیکچند بہار سصنعت جواب الحوو<del>ت ہ</del> ے استعال سے بیان می*ن تحقیق کرتے ہین کہ است*الف کے سابھ اُس مگر برآتا ہے کہ جان کلمہ نتحرک الآخر ہواباً گراہے فتنی مبی کوئی حرب تنتل جوہ کلمیے سے مان لیاجائے بھرکلمہ متحرک الآخری لہان را ۔ فارسی کے ہتا و فخ المتا رئین نواب اسدال مفال خالب و ملوی و فَسَنْ کا و یا فی من ضمہ فیطاب تے کے بیان میں نکھتے میں حبکا عاصل بیہ ہے کہ ہمزہ ضائر براُس گیا۔ صل با اسے جہاں کلمہ اب خیر ملی تحتفی برختم مرد وجعض اظهار حرکت اقبل کے لیے الاہا گیاہے "تا پدید آید کہ ہای ابنهای حرکت را وجود

ALE COM

The state of the s

اعتبارى بت نه وجو دهيقي لاجرمرجز بوساطت مېمز و بحرف د گرنيتوا ند بيوس با**ن** ظامبر بنے کہ وہ ہامنطہ حرکت وعلامت کلمات متحرک الآخرے غرنس *میری پریت*ان قرر کا علل یہ ہے کہ حس کلی کے ساتھ ہائے ختفی قائم ہے وہ تحرک الآخر والم ہے ادراضافت کالقاضاہے رأسيركسبره اضافي ضرور مهوتو مهم أسكى حركت لازئ كوهيليرنهبين سكتيح مگرحروث لازم الحركت يرا كمي العث ہے دہ پہلا حرف ہے ،اور دوسری وجربیہ کہ اکٹر اقبل اس ہا کا مفتوح ہوتا ہے ادر فتح کے بعد اوراس قسم کے الف متحرک کوعرف مین ہمزہ کہتے ہمیں آور اگر مایے وحدت یا تنکیبر ابتعظیم اخطاب کی اس برلائی اجاتی ہے تورسم الخطامین کوئی صورت اُسکے لیئے الگ نہیں ہوتی ہی ہمزہ اُسکے اواکی خاط کفایت کرما ہاہے جیسے لفظ بندؤ کا سعد سی کے ہی شعرین شعر مکت محف سے اگر بطف جہاتی فرن ڈ غاص کند سبند و مصلحت عا**م**را و بعنی کسی ایک مبنده کو خاص کرسے - اور بیر و جی بایے حجول ہیں جو وراسمون ران معنون کے لیئے دخل ہوتی ہے کیکن ہمزُہ ماقبل پارصرت تحل کسرہ سے لیئے وجب كى گئى اور نېزىيىغە داعد حاخرى اس نىعل كے جس كوماضى قريب نام دے ركھا ہے اسكا بته لگتاب ہے اور وا حدحا ضرکی ضمیسریا۔ العن متحرك فالم مقام فعل ناقص كے جِلّا آیاہے تو بہان مینی ایک العن متحرک اور یا سے ساکن صورت ہمز ہ کے لئے ہوئے ہیں۔ اورعوزلی کی تاءات جوحالت وتفیٰ میں کا دنبگٹی ت احکام کے لئے انہیں کے البع کروہا جیسے ر مضدُ رضوان ترجمُ قرآن اوران عابر حرفول معنى الف اور والداوريات مده اور السيخ تفي ك سوا عجد مضاف يرك مره واحب سے والله آماك اعلم بالصواب -والمنةاضافت معنوى كالختصرسابيان لكوحيكا اباضافت لفظى كالجوتمورا سابيته تبلا دنيابوك الماحظة فرائيگا كياكيا جاسے خاطركى تشويش اوطبعت كى كا بلى به دونون امراي الى عام و وهوكرمير بیجیے بڑگئے ہیں کو کسی کا م بن دل نہیں لگتا ۔ اللہ تعالیے میرے حال بررحم فراو۔

الأضافت اللفظت

مفاع كےمعنونين ہو ماشرط ہے جيسے نوب بدؤ نامہ وکٹ تُنغ اور فيرمعول کيطرف نسبت کرنے سے اضافت لفظى نهين منبتى جيسيخاسندة مغرب ووانا سيطوس سعدتمى ع فرات مهين تشرخاسنا ومغرب وصِعت بزّازان طب مع لعنت يعني ايك سائل ملك مغرب كاريبني والا انح بعض نسخون من يا. *۔ساتہ خ*امند ٔ وسفر بی آیاہے اب ترکیب تصافی ہو گی اور جالوگ کہ مغربی معنی زرمغربی کے لیتے من اسوقت البتراضافت لفظى موكى كريه عنى لينامجا زب قرينه سوكا سوية مبيع ب - سى طرحب وه صینها سے سنت منی مضارع کے نر رکھیں بلکہ دوامر دہتمرار اُسکی معنول بین بایا جاسے محکمراذ ا فات الشرط فات المشروط اضافت لفظى زبنيكى كوكه أكلحى اضافت اسپنے معولو كمي طرف بوجيليے مصرعه آفرینندهٔ برجیهت فرض ان دونون صورتون مین اضافت معنوی بهوگی میمنیهان اضافت لفظی مین اس امرسے جث نہیں کی کہ اُسکے وضع سے کو کی معنوی مفا وجھی ہے یاصر لفظ ہی بن تخفیف ہے سواسطے کرزبان فارسی مین معرفد اور نکر مکے احکام بخ بی منبین کھلتے بی مام و زبان عزبي مين خدا دا د ہے جيسے رُجِلُ اورالرجل مين تعربيف وتنكير كا فرنت ہوگيا بخلاف فارسىٰ کے اُس بین ایساکو کی تفرقد اور حداشناس منہین اور سیمنے فقط اپنی تحقیقات بین بمین وبرکت مال نے کی نیت سے اثباع نبان وب کاکیا معنوی اور لفظی براضا فت کی توزیع کی ۔ واد بنوالی اعلم بابسوا مرفون بن سے چیٹا وہ ہسے ہے کہ جس سرکلمہ ندا کا داخل ہوجیسے دوست کانفذاس شعر پرتلج ے دوست اگر حان ملبی حان بتونج شعم و از حان جدعزیزست مگوان بتونج شعره - لفظ ورست نكره غيرمين تصابعه نداكے متعين ہوگيا فلان دوست ہے کسواسطے كه وانا بيناجسونت نداكا اہے تو اُسے کسی خاص شخص کی توجہ طلوب ہوتی ہے تان اگر کو اُی اندھانداکرے اور کیج اِسے اِنو<del>ا</del> میرانا تھ بکڑنے یاکونی مصیبت کا ماراکسی حصار بین گھراہوا یا کنوٹین مین گرا ہوالبنیر دیکھے یا پہلے کئے سی کی آہٹ بڑا واز دیوے کہ استخص میری مدوکو ہونچیو تو نکرہ کا نکرہ ہی رہگا کسواسطے کہ ہا كسى كيتسين تنبن -آبسنوكلمات نداكي معالمدين جنكابيان بحث حرف مين أنيكا مين ابوعلى كا تابع ہون اسکے حرف ہونے میں مجھے کلام ہے میرسے نزد مک اُٹکا اسماے افعال ہوناتحیت مقاتم

برار من من المزارد من المزارد من المزارد

E. C. G

شتترسوميبرسے نزويک انہين اساسي منا داکواساسي افو

کے منی اکٹیے بن میتی شوجیشو کے ہیں رہی یہ بات کہ انکا فاعل آنہ

فا فاعل كهذا ببترسب - باتى استنار نعار وغيرة كلف سراسرسب - اب كلهُ نداكو بخوانم سے قائم مقام لی ضرورت رئی ندائسکے مفعول کہنے کی احتیاج گوکہ مخودین میں اسکارواج سے ک ، عرب نے حب دیکھا کرمنا داکور فع بھی ہو اسے نصب بھی ہونا ہے تواُنکو کہین فاعل اور بين فعول كمينيج نان كربنانا صروريل د زبان فارسي مين بد تونصب بسے ندر فع بھرية كلف مبعي أن سے دور بڑا۔ واضح رہے کہ جب کسی غائب کو نداکرتے ہین توسنطور یہ ہوتا ہے کداُن غائبون کو مخاطب بنالين اپنی عانب متوحه کرلین اوروه منا داخواه غائب عقینی مبوخواه مجازمی . غائب عین ظام سے جیسے کو ٹی شخص دور مویاب بہر کسی حجاب سے نظرون سے مستور ہو بار مُنہ بھیر کر بیٹھا ہولکین آوازند اکرنے والے کی اُس بک ہونچتی ہو توائے کتیبین کے سابقہ آواز دین ۔ غائب مجاز ہی وہ جيسے كوئى سامنے روبر دائينے بليما ہوا ور وہ مخاطب ہى كيون نہو بيان غوب ہوسشيارى اور توجہ دلی کے ساتھ اُسکومتو جرکز ناسنظور سوتا ہے اس عگر غیبوبت سے عدم اقبال مراد ہے۔ بہجال نداکا ہے بینی حقیقۂ ندا شکی طرف ہوتی ہے جوصلاحیت نداکی رکھے لینی سکی بگار کو شنے اور ب وسے جیسے اسے زیر آور حوصالیت نداکی نرکھے اُسکو تُکارنا مجازا ہوتا سے عامی فواتے ہین تشعر درینا اسے فلک بامن حدکردی و رساندی آفتا بمرا بزردی و اس سے معلوم بوگیا لەكونى خُصُ اتنے فاصلەپر يەكە نداكوش نېنىن سكتا اُسكى جانب بىبى ندا جازى بوگى مىڭلاپ كە بیٹھے ہوئے اپنے سنوق بین مطلوب کو نداکرتے ہیں گویا اُس تصویر وخیال حاضر در دل کیجا ب نداهوتي بسي شوت وعشق من مناوا سي حقيقي كوابني ندا كاسُنانا كجوية قصو دمجي منهن هوتا فقطآك

تصورا درخیال کے ساتھ دل پر دازی کیا تی ہے جوہمیشہ ذمین عاشق میں عاضریتی ہے اسطرح

كَنْمُنْدِين بْكَارليناكداك وادخاطب كے كان تك ندىپونىچے ندا عازى بى بوكى -اوراگرالد

ندا کا نفظون مین مٰکور موند تفیقی کہلاتی ہے جیسے بازید۔ اگر ندکور نہ ہوندا سے تقدیر سی کہتے ہین

**جيے شھر** نظامی بساصاحب اوازهٔ و کہنگشتی وہمجنان تازهٔ و بینی اے نظامی الخ ۲

کبھی سنا دا مذکور ہوتا ہے کبھی اُسکو دکر نہین کرتے ذکر کے نا تو اُسکی اِسلی عالت ہے کیکر کبھی

دنن ن

6.6.

نَّ جِنْ زَا فِلْزِی

نز کونسی هزری کا هزری کالبران

ددهجى ببوتات مثلاائسكے ذكيسے جان كولذت وصل ہوتى ہوج ویزچشم زخرست و یارب بدمینم آنرا درگروننت حاکل و کبھی عل تُعِنک باه په نینی دانت میسکرجهل اورنادانی برغصہ اُ تا ریا ہے اور کہا ہے اسے ہل تیراول خون موجا ہے اسے نا دا **نی تیرا کا لامنہ کیفی** مامضطرا ورعجول بهوجا تاسب كهآلهٔ نداك وكركيُّه تك صبرنهين هوتا خان آرز و کا شعر سے متع مرکله آه از تو دارم که چه کردهٔ تو باس ۹ بفلک ترارساندم که کم انز کاردی بینادانظورونی ہے تو مجی منا دا کو ذکر نہین کرتے اُسکی عگبہ اُسکی صفت کوفائقا تے ہین ناوہ و جبتحتیر یا تعظیم بھی سامع کومعلوم ہوجاہے اور عذر ترک سناوا بھی سموع صا ٹر کیا رب ستنعمر حدِمونا خدا گردید که اسے ازخدا غافل و چونکه بصفت جله نہین مصدر بجات رابط *حدی ہ*ر من**نع ا**سے بب ندیدہ حیف برورولیش + از براے قبول منصب خولیش + تا دل اِجْت ت آرمی درحیف باشد کرحق مبازاری و لینی اپنے نفع کے لیئے غربیب مسکینون برطلم کرنایا دشا کی نوشا مرمین حق حل وعلاکو نا راض کرنا بے شک تذلیل و تحتیہ کے ستوجب ہے بیصر مخاطبہ او کیم کا مین لیسے نالائق کا کیا نام لین اور کیکی خطب اور بزرگی کی وجیسے بیخواسے نامش بزیاب گفتنم بیخرولیت سناداکو دکر نکرنا ٰجیسے سیاوش اسپنے قنل کے وقت خدا سے عزوجل سے التجا کر تا۔ ت پیر سائوش بنالید برکروگار + که اسے برتر از گروش روز گار + اسے وہ خداوند که گروش زماند کائر ما جلاا ٹر تیری ذات باک بک نہین ہونچتا تیری ذات پاک اس سے برترہے بجاہے منا وااس فاص صفت کے ایراد سے بطریق براعت ایا کرنا ہے کہ وہ گردش زمانہ کا مارا ہوا ہے۔ سیطرت ب وتحسوتمناکی موسیت مین منا دا کا ذکر کرنا بھو لجا یا سبے ایکے امثلہ آگئے آتے ہیں غرض ارق ہم انکان معنوی بیان کیئے حائین یہ وستور نامہ کا میکورمبنگا بستان منیال نبا بیگا نقط آیکی طف اندوز کے خیال سے بطرین نونہ کچہ بیان کرد باحال کلام پہسے کہ ندا سے، غائب معرض خطاب مین آنا ہے ہیواسطے بعدندا کے بینی جواب ندامین وجو باًصیعہ خطاب کا استعمال یا تاہے جیسے ظاہر کر ۔ یکن پزئمتہ فرایا درکھنے کے قابل ہے کہ عین حالت نرامین وہ ہسم حبکو نداکر رہے ہین بزرخ بینی

المَنْ وَالْمُنْ الْمُنْ الْمُنْ الْمُنْ الْمُنْ الْمُنْ الْمِنْ الْمُنْ الْمُنْ الْمُنْ الْمُنْ الْمُنْ الْمُنْ

الأن كرام بن عوار المرام بن عوار

کنکری منزر کاران منزر کاران

ن حات ذاین ده هم جهوند اکت بین اختیا ختیقت صفر دخیبه پینچی بین بین نا جوادر با عنیا رسته حال عرب اکثرصده خاکسی ارفارسی بین صیفه حاضرات ب المان المالية

be De

له از منابع الماران

المتربة كالمتربة

بین بن حاضرہ غائب کے رہتا ہے نہ تواسکویوری طرح غائب ہی کہنے نہ حاضر اسیواسطے ہ وٹ برحبکی صفت جاپیوندا واقع ہولیکن عزبی مین صیفیا ہے نائر نیر کا کته اسواسطے کرحب کو بھر بیکارتے مبن وہ غیبوبت حقیقی یا مجاز سی مین ہو گا اگریہ بات وتی ندارنے کی ضرورت ہی کیا ٹیرمی تھی لیس اُسکوندا کرناغیبوب سے نخال کرخطاب بین ، ڈال منے کو لحاظ کے احکام غائب کے اُسپر جاری کئے سے نلاہ رعبیشہ غائب ہوئتے ہیں تو بیان بھی نفظ کے بغائب كيطرف ضميرخطاب كاليميرنا مكروه حان كأ بغدجيم مللق بهؤنا جإسبيئه اورخارج بين مطلق كاكوئى وجود منبين توناجا رأسكو فروکامل کی زتبی من لاما اورغائب کافرو کامل ہونارسالہ زرشت افشار مین بیمنے میزمن کر پیخصران توطیه ارتمهبدون کی گفایش ننهن رکهتا جیسے ارشا و بدایت بنیا دسوتا ہیے پیااُنگھر آمَنُو اَامِنُوا مَبِّيٰ كاشعرب **شعر** يَامَنْ عَكَّمَ فِي نَفَيْنِي نَعَدِّبني ۽ وص فواد<sup>ع</sup> اوروحه استعال عاضرظا سرب كدوح بإت اولى كي عكم وبت سے *چیزخطا*ب مین کامل طورسے نہین دخل ہوا تو گویا ابت*ا* کی وجہ پرتھی کہ وہ غیبہ ہی را بس ستال صیغه حاضر کی یہ وجہ ہے کہ وہ غیبو سب سے جانب خطاب حل سرا ا پورا فائب نر ہا کو یا خاطب بنگیا اور یہ کلام عرب میں بہت کم ہے شاعر کہ بنا ہے سنعی مِن اَجَلِاثِ يَاالَّتَى يَتَّمَتِ قلبي و وَانَّتِ بخيلةَ بالوصل عَبَّى و كُرُوارِسي ين صيغه عاضر بي كا بشِتْرستمل زا مُنْغیب ﴿ گیروترسا وظیفہ غرر داری ﴿ مولوی معنورٌ یُ فَوَاکْتِ مِن وَتْ نِهَا سَے توطلبگار صواب 4بشنواین اشکال وثبہت راجواب 4 اور غائب سمبی ستعلّ به ه ۴ بم نوانجش دیمرنو عِینے نظامی حمدین فرماتے ہین متنعیراے جہان راز، پہج

۔ اور نیزاں بن یہ بات بھی ہے کہ عربون نے لفظ اور معنی دو**ف**ون کی رعایت کی مجنون کی ر**عایت** سے کہ پیلے سے اسکو غیبوب عال ہے لکین اس خطاب کی وجہ سے وہ پورا فائب نر راغیبوبت لفظی بہی ہے کہ مناد الکتر اسم ظاہر ہوتاہے اوراسم ظاہر فائب تواس فائب صوری کی جانب میخطا کا پھیرنا مگروہ ساہیے۔ پایدکہ عربو ان نے ما کا ن کااعتبار کیا فارسیوان۔ بالصواب ـ کلمات ندائيه يا واً يا وايني بالكب روارسے پير فار ا ب مرکب کواک کلمة وار د میر مبعنی اسے واسے کے لیتے بن اسکی وجہ یہ ہے کہ ور و مصیبت کے وقت ہر بہلو سرآن بارب بارب کر تارستاہے تو اُسکومعنون مین اے وواسے کے کرلیا اسی بنا برصائب صفهانی نے اپنے شعیرن اسکی جمع یاربہا تراشی سین شعر جدمونا خداگردید الے اوصدا باد مرادی غیریار بها ۹ اوریاسے تنکیر کا اسوجہ سے اسپرلانا حائز سجماگیا المصادر میں ایونا اللہ اللہ اللہ اللہ کا اللہ ک مولوی معنوی ی فرماتے ہین **منتعمر ن**یزروزے باخدا زاری نکرد 🛊 یارہے نا مدازوروزے بررو پسوی ت مناسى كدياك اندر دنى شب و برآر د زسوز جگريار به به شال أياكي فرد دگي كاشوب شعيرا ما شاه مشترك سيليكن عرب بالفتح لولت ببن اوعجم بالكسر عيسي إث كرمم اورار سيتحقير يح وقع مين تعل مواتا شرب شفائی کاشعرہے متعصرارے گیدی تو کہا شعر کوادرک کہا ، لات چیزے کہ مزانی چرز نی بیش کسان ادرالت ندائيد مناواكے اخرتين لاق سوتات جيسے متع حركر يا بخشاسے برحال ا لا كرستم اسيركمند موا أبسنوكلات نداكواكك سے زياده اكي منا دابرلانا بعلت حصول مستغنام عاة عرب كاتول نقل كرتي من المستع اجتماع آلتي التعريف لاستغناء استاع مرح کے موقع مین زیادہ توجہ دلانے کے قصد سے پاکمال تضرع یا زیادہ آرزو وسرت انسوس جلانے کے لیئے جوندا پرندا کیجا تی ہے ستا وّل ہے بعنی بیبان بیننہین ہو ماکہ ایک ہی منا وایراوا منیا و دبار لا سے جاتے ہمان ملکہ مبطرح کلہ ندا مکر ہے نکرار منا داہمی مقدر ہے فرودسی پر جنگ بیزن و مہوا من لکھتے ہین شخصر بدا دارگفت اسے جہان داورا ہسنردگر بدین خسته ول بنگرا ، لینی اسے داوارا ی جہان داور۔ بیٹرن کامک شاہی میں نیزو کے ساتھ دہل ہو کر گھیراجا نا بیات کر

Constitution of the second

کاے کردگارا مرا 4 رو کی نخوا ہدیدن ایدرا باینی اے فدااے کردگار جنا نجہ کلہ ندااے کا جومرات سے موخر داقع ہو ااس امرکو محن کر تاہے جیے عرفی کے اس شاہ اور یہ جمی ممکن ہے کہ اشغار سالت میں الف کو جیسنا وا کے اخیر میں ملحق سپنے ندا کا حرف نہ کہیں ملکبہ ا کم زا مُرمحتن مجھین جبطرح مصرعه دومرخسته ول نبگرامین ہے یا اُس قسم کا زا مُسجع الفسے برل كر ياغلاها كتے بين اور فارسى مين بھي بيض مقنين نے مانا ہے اُکر فارسی میں الف متکلمرکا ابت مہوجاہے یہان منا دا برالف شکلمہ کا خاصہ کیلئے ہن لینی اسے ے کر محارمن ۔ یس ہبرحال بھننٹ شاہنامہ فردوسی علیہ الرحمتہ میر در بار 'ہ تکرار کلمہ ندا صاحب کمت فاروتی کااعتراض نے اعتبائی کی وجہسے ہے اور یہی حکم ہے تعجب وتہدید وام کے لئے واتھی لاتے بین میرغیہ وافر با دارعشق دا فرماید ا 🕏 کارم بیکے شوخ نگارافتا دا 🕏 گرداد من شکسته دا دا دا دا وا ورندمن و عشق ہرجہ بادا بادا۔اورند ہو کے وُنت لینی کسی نعمت کے زوال وفوت پریاکسم صیب کے ہونینے یران ندائیدحروف کے ساتھ رویا جا ایسے جیسے ثنا ہنامتہ من ساُ دِیْں کی خبرموت ُسنکرسران ویسکا زارى كرنا شعير مهميكفت زارا سے سنزاوار تاج ﴿ كَدْجُولْ تُونْهُ مِبْنِدُ وَكُرْتَحْتُ عَاجَ ﴿ مُقْتَلِّينِ ساؤنش کوموہے کشان لیجاتے موئے دیکھکہ فزگیس ندیدکر تی سیے متنعیر گبنت این ور حساویث بدید و دورُخ را بکندوفغان برکشید به که شایا دله اگوا سیرورا و سیرافراز شیبراوکند آورا و بایران بروبوم براشتی دسیبدار را باب پنداشتی و کنون دست بسته پیا ده کشان و کواف و گاه وگرون لشان پرستم کا مرگ سیاؤش برزاری کرنا شنعیر ہمی گفت رس اسيطرح اطهارتعجب وحسرت وآرزو و استغاثه وتهديد كے ليئے مبی نداكيتے من جيے نتل بيأون کے بیان میں فردوستی کیتے ہمیں منتعمہ بزردوست درلین شہنستہ گرفت و تخاری کشدہ نکاک **ح**ەشەار**ماک عالەگرفت اپےشگفت** :من آبزاگرفتر کەعال**ە گرفت** ،ح مصرحه اے بباآرزو کہ خاک شدہ و تمنااور آرزوین جیے شخیر مرااے کا شکے اور نزادیے

مجور کرم استان متعانهٔ مرکستان دران آگرزادی کے شیرم ندادے و دخیقت خصوص ان مواقع مین منا داممندون ہوتا ہے ہا تعلیم موجا ہے کہ شکلم اپنے تعجب و تحسرو ته نامین الیامو ہے کہ اسکو شاوا پہنی اپنے خاطب کا بھی دہیا نہین رہا۔ اور بعد کلمہ ندا کے جو ندکورہ وہ جو اب نداہ یہ شلااے شگفت یعنی اسبے خاطب تعجب رہا توا عد جربہ مین ان پرلام وغیرہ کا لانا اور استفافہ کی بحث مین درج کرنا اُس زبان کی ترکیبوکن خصوت ہے اور استفافہ جسے مشاحر دبا وارگفت اسے جہان داور ان سنردگر مدین خستہ ول بنگرا۔ اور ته برمین سنت عرایا شاہ محمود کشور کشارے نا گراز من نشرسی بشرس از ضدا ہے ہ

المصدر

ر ایک اسم ہے جوحدث کے لیئے دضع کیا گیا ہے اورصرت ایک والتجدّد كانام بنے ادراسی شرط کا عتبار وعدم اعتباد صدر وحاصلمصدر کا حداث ناس بنا ہواہے خواه وهمعنى أس غيرسے صا در مهون جیسے رفتن وزون باصا در نہون ملکداًس غیر کے ساتہ محضر اقصا وقيام كاعلاقه ركحت بون جيينے لِسيتن ومرون د بودن وسنْدن لِسِ معلوم مواكم صدركو اس اعتبالت ىدرنهبن كتے كەمنى قائم بالغيارس غيرسے صادر موتے بين ملكه باين اعتباركدافعال اورسيقبا صفات اُس سے نکلتے ہن 'حآننا جائے کہ بحث مصدرادر حامل بالمصدر دقیق اور ٹریے نورسے ستجفئے کامتھام ہے۔مین اپنے اکثر خیالات کواس مقام میں تعبش فضلاء کے خلاف پا ّا ہون کوُڑا م ا پنے نز دیکے مختل ہے وہبی معرض عرض مین لانا ہون۔ قر انظر غور سے دیکھا ما سے معلوم ہو تاہج درمین تین درجے مین ایک طلق مصدر *جو در*صومین لانشط شو کے ہے لینی اُس مین ندا ختبار وجود ساذحیت حدث کاہے نداُسکے عدم کا۔ دوسرامصدرمطلق جوبشرط لاشے کے درجہمین ہے لینی اَس مین ازروہے وضع صدف ساذج معتبر ہے لینی اُس مین نسبت عاب فاعاتًا کا عدم لحاظ متبرب كيامعنى كدنسبت عانب فاعل مفهوم مصدرمين ماخوذ نهبين بخلان فعل ك على الروك اشتقاق اسكا ہے۔ تیسر ورجہ وہ ہے جس مین نسبت فاعل تا ملحوظ ہے لینی وہ مقید ہے لقید معروت ومجبول يه ورجابشرط سنت كاب كين مهم مصدركومقسم بنايا جابت بين و مصدر مطلق یین ازروسے وضع حدث سا ذج معتبرہے جو کلمطلق خارج کمین اپنا واتی اور اصلی دحود

S

Service Since Service 
ماران الماران الماران

The Contraction of the Contracti

مورکین لام مرفر کارنز کارنز کارنز

مُفَادِمُ ومُعُونَ.

مقمادر المجار

برمقید کے ضمون مین ہو گا جیے آر استین زیدو ہوتو اصلی اور فبھی ہے۔ اگر ہنا ہوا ہوجیلی وغیر وضعی کیکن مصا دجیلی *ت افعال کا تحقیقاً ہ*ویا تقدیرًا ضر*وری امرہے۔ اور مھریہ اشت*قاق جم لهلائا ہے جیسے گفتن وکرون جنسے گفتہ گوید گوئی گویندہ اور کرد کردہ کندکن کنند مشتق بن ورنه ناقص التصريف ومنتضب كهلانا ب جيسة اختن وسخت إسكي بجث مضارع گر فارسی مین کوئی ایسامصدر که جس سے کوئی فعل شتق نہ ہو نہیں دیکیا گیا البتہ عزبی میں ہوجود ہے جيے أَفكُلُ احْمُدُ كے وزن بركان اُسكامني من مين جي كت مين اَفَدَا وَالْكُلُ إِذَا بدرمین شتقاق انعال کوجومنردری ما ناگیا ہے تیقی اذنعكمين ترج اؤخؤب سي ليئة تعربيت مص وتقديرى ان دونون مين عامر كماكيا بتاس نوع مصدر معدوط المشتقات كوسى شال رس يد ماعی مین قباس کواس مین دخل نهین پیمسدر کی علاست. فارسی مین نون. مینغُه ماصنی بعدازالهٔ نون جبیسے گفتن و کرون اس سے داضح ہوگیا کہ گرون بوزن کر ا<sup>پن</sup> تن وخوایث من اور ن رئیس مصاور نہیں گو کہ ان کے اخیر میں نوان بعد تا یا ماضى بعد صنرف نون ) نهين لا ئي جا تي تو بحكم اذا فات الله بدركيةين حال مبين لأزم بامتعدى بامشترك سے خارج ہو گئے ۔ اور مصر ه ب*ی جیسے کر*دن وگفتن مشترک <u>جی</u> ، ﴿ چِونَ كِشَا بِدِزِلْف كَبُشَا يَدُّرُه از كارِها ﴿ اسْحَشَا بِدِزَلِف را ـ اوسِّعدى كَى دوت **عروف وہ ہے ک**جس<sup>ا</sup>مین فاعل کی *جانب* اشادکرنے ک*ی صلاحیت ہو جیسے ک* ت مُکورہ کی دحبہ سے ہم کہ سکتے مین کردن زید کا را دگفتن اوسخن را۔ تجبول وہ ہے کہ صلاحیہ ان د مفعول کی رکھے جیسے مرکب بشہور کرووشدن وگفتہ شدن جس صلاحیت کی وجہ سے ہم کہ سکتے ېين کروه شدن کاروگفته شدن شخن - بهآن په بات مجي مرنطر کمين که اېل فارس کېجې ايک ېې صورت کو ول کے لئے استعال کرنے میں الرعوب کے سمقدم بھی ہوجا تے مین جیسے نظامی جرارا کے نے کے دہستان میں لکھتے ہیں متع حرج ورنسل اکشانی آ پڑخت وکشد ونسب کرو ہرا دی

کی مزور افغاد کرد افزادی افغاد کو افزاد

تُصر اگر عاشقی خواهی آموختن + زکشتن فرح یا بی در سوختن + اسیک ته شدل . نظامی ّ ے و ہمایون زکم دیدان آ مرہاہے ، اسٹے کم دیدہ شدن ۔ استی طرح لفظ فهروشعرين شعر مى خواسم ارتفاو بنى خواسم ازخدا ، ديدن صب راونديدن رقب راه ليكن يرسندا أسوقت واضح ترسجههمين آئيكى كالمعنى شعرك بطور لعت ونشرغير مرتب ليك حامين يعف شاعم لهتاب كدمين خداس حابتا ببون كه زقيب كوند مكيمون اورخداس مين نهبن جابيتا وسكيمه حانيصبيكم ىينى پەينېين حابىئا كەكونى تنفص ائس كو دىكىھ ا<del>س شعر ك</del>ەمىنون مىن اورىھىي احتمالات مېين جونكمەرە اكثر بطروت طبع آزما کی بوچھے بھی ماتے ہن اسوقت جرکیے میری تھجہ مین آئے لکھ یہا ہون اگر حیفزمینی تناونهون غرض شاء كهتاب كرمين ضراسه حابتا بهون كدعبيب كومين وكميون ماحبيب مجکوو کیمے (اس صورت ٹانی مین رااضانی ہوگا بالبعنی براسے) اور توب کومین نه وکمیون یارمیب مجکو نه ویکھے یاصبیب رقب کوندیکھیے یارقیب جبیب کو نه ویکھے (ان اخیر کی دونون صور تون میں رااضافی یامبنی براسے ہوگا) اور بیکل معنی دونون مصدرون کومعروت قرار دینے کی تقدیر بر مین اگروزن<sup>وں</sup> مدمینی للمفعول بینی مجبول بنائے مائین بیعنی ہو مجکے کہ بین ضراسے ماہتا ہون و کیمیے جانے ب کولینی مین اُسکو دمکمہ ان اور رقب کے نہ د مکھے جانے کولینی رقب کو ثین نہ دمکھیون یا مبب ندويكمه اورخدا سيهنبن جابهتا وسكيع حاسنه عبيب كوليني رقيب كاباكسى غيركا صبيب كود كميسنا ادر نه و کیمنا رقبیب کوکسی غیرکا بارقیب کاکسی غیرکواسوقت میراضا نی پیعنی براے ہوگی یا نہ و کیلے مانے رقب کوینی کوئی غیرشخص آسکوندو یکھے مینی مہین کوئی غرض نہین کہ کوئی غیرخص رقبیب کو و ملحه إرقيب اس غيركو بانه ويكيم - اوريمعني جمي مكن مين كدمصرعة الى ميخواسم كي تعلق كروبا جا اورنميخوا بهم كامفول مقدمانا هاب بيني نمينوا هم غيرازين چنرے وگر- اور بيمعنى بمبى مكن مېن كم خواہم ونخواہم کے دومتضا وصینون سے جوتمیم منبوم ہوتی ہے اس سے یا تواہنی تمام آرزو اور ل خواہش بینی مقصد وحصر مضمو ن مصرع نانی کو مشہرالین تقریراسکی ہسطرے کیجاہے کہ میں جاہتا ہوك ، ادر نہیں جا ہا ہون حب مطلوب ہیں ہے کہ بار کا دیرار موادر غیرسے ہیر اسکے سوا خداسے مجھ سنفاث كاحصرطلوب ستعنى يكتباب كداپنى مرادع مصرع أانى مین ملکسے جامون وابنے خداسے اربد جامون واسنے ضراسے مینی سواخدا کے کسی سے

سے بوضاحت مفہوم ہوتے ہین ملاحظہ فرائین۔ ررمعروت اصلی ادر جعلی بیرمنقسم مهوتا ہے تصلی وہ ہے کہ بذا ون ورفتن وغیره میختلی وه ہے که وضع اوّ لی مین بذات خورمصدر منہیں وضع ہوابلکہ کسی ترکییے وضع ثانوی مین جاکر و «مصدر نگیام و اسی وجہسے اُسکوغیر وضعی بھی کہتے ہیں اور وہ ترکیب جراستھا مدر آن کی مکانی اور آنکے بیچ میں ایک دعامہ لینی پرکن یاسے نحتا نی وال ہے اور وواسم عام بین اس سے کہ جا مدمون یامصدر سون یامشتق . ہے جامر جھی عزدیی کے ہون خاہ فارسیٰ کے بھرائس مین بھی اعلام لیکن سندی کے اسم وعَرّبدن بعنى أكى زيارت قدس امارت سے شرفياب بونا الماطرزى كاشعر ب تنعمر مدنيديم بسان كميدن و ندكمس حيله و فيكريدن و مرتدماك نبى طوفيديم وعُمَّرُيديم والإكبريديم و الآتي يينى فارسى بنالیناجیے خبک سے جنگیدن دیرسے ویر مین ویزرک پربېزىدن خابىس خابىدن ئىكو،سى ئىكومېدن د نظامى دەش مىرشكومېددارا زىزلى جنان، ا برد تنر ترشد عنان ، ایسے ہی گمان سے گمانیدن فردوسی م شکھر سا ہی کہ سکسار خواند ثنا ، بنگان حبائی گانند شان ، سیطرے جراغ سے جراغیدل معنی جراغ روش کرنا بلک تر بگ سے جآوازشنسروتيروكمان وغيروب تزهميدل بناليت بين اثيرالدين ادما فى كاشعرب تشحرزكوب اُرز دِرْنگیدن صام بود ؛ نضا سے معرکہ ہجون دکان آہنگ ؛ اورمصادر مجی خواہ عربی کے فارسی کے خواہ ہند سی کے آول جیسے طلبیدن وفہسیدن وطلوعیدن وسیریدن میریجی شیرازی کا يهبيد و خدم فيت زغفلت ٩ ج ن خفته كه خافل زطاوعيد ن صبحست والمثالي

Charles Street

مقربطی سے اعلام سے زکر

مُعَسِرِ فِي لَكُنْ مِنْ جار فارى كار كِيْ

معادر وبريت معدد فال زير

أيهٔ خرست يدمن معورومن محروم + بكام غيرم سپردعم یدن و کا دیدن و کسلیدن و کامبیدن و آوریذن ورسیدن واکنیدن . نظامی رح شخیر چواشور'ه هندوانی برنگ و سیان آگنیده به تیرخدنگ . ظهوری شعیر نکامپیده میک جازودخیراً و زخلوت نَشْينى گموسو دخويش 4 جامى روتنْ حر مكو و قاف رفتن بإ برمهنه 4 وزانجا سَك صدين آد, ب بيان بهي وسي مصادر وبصورت امرحاضر مون جيسي ماريدن و عليدن. ائتا دعنصری کانتعرب شعراگر ارے وکڑوہے بہت طبعش ابصحراش جون اروکڑ ومہارے و رومتنع رازچل مېل تو پاسے من زار سند کچک + من خود نمی جلم تو آگرے چلی + میر خات صا گل نتی کا شعر ہے م**نتع**رعالمے را کمشی گر بھفا ہے چلدت • سرحیہ نواہی مکن اسے نوخ ہاہے چلد لیکن الفاظ مبندیه کی ترکیب اکثر مطالبه می شعمل مهونی ہے اور مکن ہے کہ یہ الفاظ مهند می الاسل نىبول بككة توافق واشتراك سانين كى وجست فارسى مين مين تعلى بهو كئے بون شلاع باكا مخفف ہوجسکاحاصل مصدر حالِش آ اسبے سعدی حرشعر بیاتا درین شیوہ حالش کنیم و مخصرا سنگ باس كنيم وجيطرح معل رابطت سيعد زبان درى ادر تهندى مين مشتركت ما فظار ك ے مائئے ﴿ جزبادہ میار مبیش ماشئے م مولانا سے روم قدیں سہ فرات ہیں من**ع پر**گفت یارب گر ترا خاصان ہیند ؛ کدمبارک دعوت و فرخ ہے اُندہ اور پر فارسی کے ہون خوا و مہندی کے جو بصورت امر عاضر جزومصدر عبلی ہمین اگر جہ صدا کا امینتقل فراد مالت مین کل کے کا معنی مصدر معل موتے نہین دیکھ گئے گر بعض مصادر جیسے کوب ان معنی مصدری مولوی معنوی کے شعرین مشعم برجبیدوسگ بران کردوچوب 4 جلگان گرختنداز ہم کوب اسطرح مغظ مهندي كى تركىب مين جَسِيه اريدن مين مارچنا نيد كمها جا آسم نداكي مارسخت [ اگر کوئی پیٹ بدکرے کہ جب ہیلے ہی ہے ان بین معنی مصدر می موجودہ چھال تھے بھرائیکلھ سے اُس منی مصدری کا مال کر ناتھیں مال ہے سویہ محال باطل ہے بن عرض کر تا ہون ر ج جزواس مرکب کاہے بہرنوع صلاحیت ہشتقاق منہین رکھتا اب اس ترکیب خار

مراح المارية المراجع المراجع

مر بری دور در بری در بری در بری در بری

She will be to the state of the

Contraction of the second

Single State of the State of th

حدید ہوئی تحصیل صل اس صورت میں کہ یہ خود مص کے ساتھ لیکن بھید شتن وکٹ نہ شدن میرہے نز دیکہ اگرچہ جہنے اس حبل کومئولف مانا ہے گراسکی تعراق پنسبت اصلی کے ہے درنہ در اصل یہ بھی مفرد ہوئ بامنی کدید دعامداد رعلامت مصدر لینی تمی دن اگرنظراستقلال ہے دیکھیے جائین کو کی مغنی د نہیں مبتا فقط اس حجل خاص کی علامت ہے۔ بخلات کٹجد شتن وکٹ تہ شدن کے کہ نگاہ اوکٹ تہ ﻪﻣﺼﺎﺩﺭﻧﺎﺗﺼﺌﻪﺟﺰﻭﻣ**ﺮﺏ ﻛ**ﺎﭼﺮ<del>ﯦ</del>ﻦ ﻧﺎﻧﯧﻢ ﺩﻟﺎﺗﻨﻐﻞ - ﻏﺮﺽ ﺻﯩﻨﺌﻪﻣﺎﻟﯩﻴﻪﻛﻰﺗﺮ*ﻛﯩ*ﻴﯩ<u>ﺠﯩﻴ</u> غرانیدن گربایندن خندانیدن خوا با نیدن - لیکن آس حبل خاص کوتعد بیدلازم سے لینی آگر دہشتی درلازم کا ہے تواس حبل سے تعد*یت بکی مغول کی حال ہ*وگی سعد*ی پر* شعصر یہ نزمی و غِرانيد دروكي**ش سير ﴿** اوْرِتْ ہورىتْ عرب ع بخندانم بگر مانچ ہمان ا ﴿ سائب شعر بهبداری چه خوا بدکره یارب بانظر مازان ۴ که خوا ماینیدن تیغسه راس من تخیف منظور ہوتی ہے نوکہی یا ہے دعامہ کو حذف کر دیتے مین عیسے روانیہ جيكامخفف رانداب تنمل ہے ونشاندن ورماندن وغیرہ چانکہ اس تخفیف میں دعامہ حوامکہ ہے محذوف ہواہے اکثر بہی شعل ہوتا ہے اور کمبی العث اقبل لول کوحذف کر دیتے ہیں - جیسے خوابانیدن سےخوا بنیدن اورائس سے خوابنید وخوا مبیدہ وغیرہ شتق ہے۔ فردوسی رم رو دا بد زرکے تعشق کی دہستان مین لکھتے ہیں متحرسیہ مڑد برنزگسان دُرم وفوزہ نزد، پېچ دم د اے فروخوا بانيد نظامي چرشت ورين ره چوس خوامبنده بسے خوابیدن کا ہے اورایک اعتبارہے حال فرع خوابیدن کی ہے یہ فرعیت واصلیت باعتبار لفظی اشتقاق کی ہے ورنہ عامل بالمصدر کی

کے نون کو نازئین کے نون کیطرح زائد ماناہے ۔ آپ غور کرین یہ إدرتعديت بإهم زوم ساوى ركحته ببن بينى اس اليت كو نعدست حبلى عارضى لازم اور تعديت جبلى عار سے متی بعیرعبل کے بھی دہی ہونی جا بیئے بس آگریہ نون خوابیندن کا زائد ما نا حائے تومینی دلفظ عین خابیدن مواجسکا جل حامہ سم سے ہے توخوابیدن کو کہین متعدمی تعمل ہو<del>نے</del> نشنا دو کیعا ۔ اگر بحسب را لیعبض تعنین اسکوخفتن کے امر سے مجبول کرین توجھی سین بقامے حالت صلی مشوط تقى توال تعديت مديدكا حصول طل شرط موكا اذافات الشاطي فات المشموط خوا بنيدن وخوابیدن کااکیے حبل نہوگا ایسے نانکے خیال نغزاندلیٹ محقق کو بجزاس شعرکے ( در بین رہ جومن ت) كەئى اورىيىنال حىس مىن اس مصدر كاكوئى فعل مىتىمل ہوسنا يەرنېين ملى ح<del>ب س</del> لزوم بخوتي أنيرواضح ہوتا خوابندہ سم مفعول ہے اورص ۵ سپه مُزّه برنرگسان درم و ودخوابیند ونز دبیج اس امرکے الیناح کے لئے شعرفردوسی پرکا ت ستعال کی وہ سے حکم غیر صبح کالگا ہائے کتاخی **مرہے شعر بے**جن برآر دمہات کس بکنتوانداز خود براندن گس **ول**د چنج ہی بس ازَ مبر گزاشن • فردوستی کتار با یدم ساختن؛ دل از کارگیتی ببرد اختن 🗧 آن شاہنامد مین کا وس کو سووا ہہ کے ان کالفظآ ماہے اُس من باحد کلمہ ہے اور ابشاه نوآئین منود ؛ که دِ دندهِ ن گوسه نامبود - اور ببیسودن میرمعزی کے شقا وده نریرینیان پ<sup>گ</sup>فتم این سینه بنرمی برنیانی د*یگرست ۹ اسکی تحقیق ا* 

الحاسل بالمصيد

Editor.

<u> ۲</u>

وانتذاع معنى مصدري سيسبم حاصل بالمصدر كمتهبر ماته تعلق وقوعى بإئے تواس امرآخر ہے جیے زدہ شدن وکوفنة مشدن بچراگر معنی شتق لینی ذات اوز مبت م زننده وکوبنده کی ذات متصف بآن حالت ہونے کو عقل انتذاع کرے اسکومصدر مبنی للفاعل لهتے ہن جیسے زنندگی دکو بندگی بمولو*ی معنوہی رہ تنجی*را ولفرمودست مان این بندگی ہنیہ ازخوداین کومبندگی ﴿ اورکبھی وہمشتق مصدر مجبول کے ساتھ اصبار کرلیاجا اسے بینی تعلق وقوعی ے کو زدہ وکوفتہ برنظرکرے اُسکی ذات کے محل وقوع زدو **ک**وب ہو ہے عیسے زوگی و کوفتگی لیکن درصورت اض يهفعول عبن مصدرمبني للفاعل ومصدر مبني للمفعول بنجائل بس زدن زید د کوفت مشدن بکراورزنن گی د کوفت کی کا (چونکه اض ومفادسه غرضان مین فرق اعتباری. ہے آگراعت اِر بکرین تعائر ہے ۔ غریمٰ ماسل اِلمصدر میں مبی دوعت بار کے کئے گئے ہیں معروف جیسے گفتِ عالمروؔ فرنیش خداو خبیش افلاک ے جیسے دوخت حامہ و تراشِ <u>م</u>یص بینی بعد تیار مونے کے یون کہ ش میص زیباست تو دوخت و تراش کوجامدا و رقبیص کے ساتھ تعلق و توعی ہے کی خی

مگر بلهمدان روز بلهمایی دود بلهمایی

رنر ہشندہ نودرزی سے جامداور قسیص دوختہ اورترامشیدہ مہن تو دوختگی و ترامشیہ بامحت ہے کہ جس لفظ سرعلام ن نهواور بجيروه عنى مصدري ديوے أسكا عالل بالمصدر الم ركبين حالانكه عالل بالمصدر الكيت جسكو بعم حالت كهبر آئے ہين اوروہ منشا ليے نته اغ معنی مصدری ہے بیں بیمعنی جس صورت میں بیا جان ورت میں مصدر حییقی صلی ہی کی کیون نہو ہاں اُس حالت کے لیے اُس متب تعلق القاعى دوقوعي كاوجود وعدم غيرلموظ بسے البتة تحقق كمي نكسى فرديين مهونا صرورہ ب خلق القاعي كال بالمصدر كازتى مصدقيقي مين ظهوري كم ال شعرون تتعجز وخلش سرمه بروحشيم ديدن زسازش طقه درگویش شنیدن ۴ بینی خشم دربان ناظر کی مرمه مرور بعنی منور موتی مین - نانی نقوعی حال المصدر کارنتی مصدرهیتی مین جیسے نظامی کے *س شعر بن شعر نشست* از بربارہ کو ہوش نہ بدید ہایون برقارخوش ﴿ مینی دیدار بار ہُ منظور کا ہالوں بعنے ازروے دیدار بھالون اوراز روے رفتا رخو والتدتعالى علم بابصواب خيربيب سبي كمرأش حالت علمه كانام عال بالمصدر ركصنا ظاسرنظريين مارى تحتیق کے خلاف ہوگا کیاسنی کہ حال بالمصدر میں سے توسل اُورَا یہ تباور ہوتاہے اوروہ اس امرکا ہے کہ وج دمصدر کا اُس طال سے پہلے ہو ملکہ علت اُس طال کی ہوحالانکہ وہ حالت قالمُہ لینی ط المصدر نشاءا نتزاع معنى مصدري بني علت ابسب مصدر سب تووه محسّل مصدر سوانه حال لمصدر بنابران فرزامة فأمل سيالكوثي وبمهالتدني شرحهامي كحاشيمين لكعدياب والمحاصل بالمصب يقعليها عطيالمصيدي انتضئ اول توحاصل بالمصب واب ہے جنائحہ ہمنے عنوان سان میں اتبا عا وبحالعلوم بيان كردياب كدعاصل بالمصدر منشاس انتنراع مصدرب اوراسكا قارّه مهزأهمي بإطل ہے او بعبض فصلار نے اُسکواکی کیفیت بتلا کی ہے یعنی مقولۂ کیے میں وہل کیاہے وہ بی باطل ہے۔ کسواسطے کیعض حالات میں سے حالت جنبش معی امک عامل بالمصدر ہے جسکوء فی اُن حرک کہتے تین سوعلوم تکمید مین مبر ہن ہے کہ نہ وہ قارہ ہے نگیف بچر حت تسمید کی وج بھی ہی متجهرين آتى ہے كہ طال بالمصدر مين باتعديد كى قرار دېجائے . والله تعالى اعلم بابصوار اصل بالمصدركئ مهيأت اوركئئ تركيبون مين رونماموتا سيحكبقي مصدركجة

Sie Straige

هراب ورستم کی درمستان مین تکفته بین شعرمیا ئیدر*ب* تن ورت مين حاكمان بالمصدر يعني جومصد حقيقي كي زمي مين آيا سي سبزي فول بعي تتعل بهوتا سيجيب شعر مذكوريين كفتنش كالفظ معنى كفتارش اسيخن او نظامي شعر سم خوك ، نوسشیدنم \* ہمہ چرم خامت پوسشیدنم ﴾ اے چیز کیفعل نوشیدن من سراو و اقع ست ك خوك خامت ولباين ن چرم خام ست . ذو سراصورت مين مطلق ماضى كى اوريه يا تو تنهاايك مفرصيغه مويا دوعينيغ ماضي كے مختاف اللفظ متجانس المعني بتركيب عطفي مون وال جيب نظامي حديثن فرماتے بن **شعر** بحكم أشكا را بحكت نهفت وشنا سنده حيران ازوو**قت گفت و** امي*خر يستع* آنكه بدبگفت گفتت خو « نيك نگويد كه نيا بداز**و** پر سعدى **شعر**گفت عالم نگوش جال بب خو « ورنه نا گِفتنش كروار «به حال بالمصدرُ جني مفعول ك بسايعني گفتهٔ عالم السينخن عالم اورنيزيهان إد مفعولی کی تضیفا عذف مواف کا احمال سی ب جید استن کی اسم فاعل مانند و پرس اے فاعلی کوتخیفا حذف کرسے مانند کہتے ہیں اور لعبض وقت اسے فاعلی کو نابت بھی رہےتے ہیں فرودسى فريدون كى دېستان مين لکيتي بين يشحر به بالاچ سروو برخ چون بېار 4 بېرچيز مانندهٔ شهربايه ومثال مدكوريين احذافت مصدركي عانب فاعل تشي اورحابن مفعول مبيي عال بالصدكي اصافت كريكته بين فردوسي مشعرزشب نيمه گفت سهراب بود په وگر نيمه آراميش وخواب بوديدي بزم بستمة ين وهي رات تك سهراب كاذكر رابط- اسطرح عامل بالمصدر خورواً سمعني بيت عل بوتا سے جبیر خورندہ کافعال اقع ہوتا ہے لینی طعام نظامی ش**عر** بفرمود کارندخوانہاے خورہ ہ بير فقلدا نهاب ناديده كرد واس خوانها سطعام ي بيب كديهان خورد عصل بالمصدري نون میں ہے اور اضافت کے لئے اونے ملابت کفایت کرجاتی ہے۔ آن بینی وو صینے ہو بصورت مضي مركب بتركبيب عطفي مين جيس سعدي فرات مين بشعير الكشت تعجبي جهاني و ازگفت و شنوها بدندان و ایسایی آمدورفت یارفت و آمدِ نظیری شعر بزرفت و آمدِنظ إوبدزليت سركهازين مك دو دم كريشت له أور نيزان دونون ما ضيون مين فصل روابط کا بھی حائز ہے یغمت خان عالی شکھر عالٰی تو از کدام طرف حرف ہے زدی ہ رونسے کہ دادو

مين ويوني ويروي ويوني ويروي

يور يوري الماريكية

المنظمة المنظ

ىتدنازونيازلود ، شعرزوسن برلب نظيرى خوش ، عشق درگفت ودرستنود آ مد ، تىسلام واحد حاضر کی صورت میں اوراسکا حال ہمی افراد و ترکیب سے بارہ میں بانکل اُن مصاور کاسا ہے جوبصورت عینغُه اضی آتے بین اول مینی افراد جیسے نظامی فراتے مین م**نتحر گریزندگان را دران رسخیزه منرو** رنائی نه راه گریز و سعدی پر شعر اگر گینے کنی برعامیان نجش ﴿ رسد سرکتخداً سے ابر سینے ﴿ نیهان مسدر بعنى منعول بهدنے كا احتال مبى سَب جيسة فرين بعنى آفريده يعنى نعلوق نظامى مردربيان ساط علمار مبند باسكند فوات مين شعر دوير كار برز دجهان آفين ، درين آفينش وران آفين ، ات دین آفریده ودران آفریده ایس دوجهان ای طرح گزین معنی گزیده اسے مقبول و مختار و بُرين بالضم معنى مربيه معنى قامل خريزه وغيره كو قياس فراييئے سعدى و تشعر تواضع كندموشمند عُزين **۽** منهرشٰلخ برسيوه سربرزمين ۽ مولونٽي اُسنويءِ شعرچون بربداو دا د اورايک بُرين ۽ ٻهجِو شكرغوروش وجون انكبين ولكيت بداور سندطلب سب كدبر مدان كي بحث امرلقياس گزيدن فأبم و ویدن بَرین آتی ہے یانہیں سوع ض کرتا ہون کدا سکے امرین بُروبُرین وونون قا عرب حارى بين - انشاء التدتعال السكابيان بحث فعل مين آحائيكًا ليكن اول كثيرالاستعال جيج بس بُرِش حال بالمصدر حال ہوتا ہے . طاہروصیہ قاش فرون کی تعرفیٹ بین کھیتے ہین ۔ ش**ع** م آنیست غیراز غم تو خرس 4 زونیا مرابس بود یک تبتن + انے یک فاش اور ثانی کم تعل ب جس سے مِینن و مُرنیش عال بالمصدر عال ہونا ہے ۔ نظامی شعرو کے بایداند لیٹے 'راتینوٹرند برَيْنِ نِيَا يَتْرَمْشِيرِ كَندهٔ اسے برندگی نيا بدالخ اسيطرح آگين حامل المصدر معنی مفعول مصله ٔ گندن معنی پُرکرون سے . فرووسی دہستان دفن سہراب مین لکھتے ہیں یہ ش**عر** ہمیگفت اگر وخمہ رزين كنم ﴿ زمِثُكِ سِيرُكُوشَ ٱلَّين كَنم ﴿ ثَا فِي مركب بَبركيب عِطْفِي عالم نَثْين كَتُونْظُم فروا تسمين ؎يان سوزول *حافظ ميكين ﴿* ازشمع مي*ربب*د كه ورسوزو گداز س ورسوز و درگدا ذفصل رابط کے ساتھ کہنا بھی جائزہے۔ چوتھا اضی اور امرکی صورت مین جامی آ

تشعر بطاہر باہم گفت وشنئوداشت ، ولےول جاہے وگیر درگر و داشت ، بہان شنود کامخفف

منی کہ بنہیں سکتے کسوا سطے کہ قافیہ گرِو کا واقع ہواہے جس کا واؤمفتوح الماقبل ہے ایسا

فتكولهان بوجدكثرت بهستعال واو فامسل حذف كردياكيا اوراليه بي شت وشويخت ويز

المارية المارية المارية المارية المارية ع بالساواله الواله و على المواله و 
المار المار المار المار المار المار المار المار المار المار المار المار المار المار المار المار المار المار ال

لبهز وقت اسكا عكس ليننه امراور ماضي كي صوريت مين مولومي لحق جیے رفت سے رفتار گرفت سے گرفتا دیجھی اس ترکمپ میں مصدر مبنی للم عیے غزالی مشمدی کے اس شعر کے مصرعُہ ان نیون بشعر کس بخاب پر پہرہ گرفتار ساد پیمکبرا بہنین قوم گرفت رساد و اے گرفتہ شدن مباد۔ اومحتل ہے کہالف ورانسبت کے لیئے لایا گر يغهلمحت ببهاعاصل بالمصدر مواوروه حاصل بالمصدركبهي تومبني للفاعل آتاب كبهي بنهالمفول يه و نون امرلفظ و مدارمين مثلاً بخو بن تحقق مين اورحب اس نسبت كومصدر مجهول بر سنظورات مراومونكي جيسے چهره وغيره جسكوطلعت كا ترجمه سيحيين مثلاً اه ط کی عاشتی کی دہتان مین فروسٹی کاشعر <del>نبائ</del>ے ی**شعر**فرستا دمردایہ را چون نوند 🚓 که روزیرآن شاخ ىياوش مگرزنده شديايرلست واورحب روملبند و گکه کن که آن ماه دیدارکسیت .ماینے تو دیدارسے ناظرمرا دہو بگے جیسے چنیم وغیرہ - فردوس<sub>گ</sub> پیران کے قتل **ث**ة بديدارخوليق پر نته پيشرخيش سے جوغزالی مشہدی کے شعرین مرکور سواسے مشعبدین نیر جائین کہ ال بواسطے کہ وہ لفظ متا وّل ہے کیامعنی کہ ویا ن مصرعُه ثانیین تارمرخم واقع ب يني أك اخيرك ياسمصدرى محذوف موكني سع جيك \_ سے الف فاعلی صذف ہوکر مرخم ہی اکثر ستعل ہو. *خـــُة*ات بين بالتفصيل كمياحائيرگا انشاءالىدتعالى ا<sup>ئ</sup>ـ العث مجمی آتے ہن اسکا سان م بدرى خرىدارى وغيره موجود اورخود لفظاً كرفتار مى جمي تتعل ہے اور بير کل ترکیبین ساعی بہن میاس کو اس مین وخل نہین اوراسماے جا میراکشراس کلمینسبت مین فقط راملحتى مهوتاسيه جيسيه أنكشته وزيور و اور زيوريين واؤ باسے موحدہ كاسبہ جیسے مہنرور مگربوحہ قرب مخرج بقاعدٰہ بَشَر باہے موحدہ حذف ہوگئی *میسے خ*یال مین بہ ہ<del>ات</del> آتی ہے کہ ہنرورمین درکوئی نسبت کا کلمہ نہیں ملکہ ورخفف آور کا ہیے جوامرہے آورون کا

يس تبترور تسروره آورصيغة فاعل مركب ازاسم واهرب ليني منهرآور واداور سرآور جانج سربراوره چساں پیغا ماضی کے اخرین ماسے معروف کالحق جیسے کاستی ویند شتی میشواسے سخنوران شیواہے طور فراتين شعروليكن ندنبكام پند أتى ست وكدنبكام مهروكر آشتى ست و وكه توشابى کنی کئے بودرہتی ﴿ پِدِیدَآبِدِ ازْ ہِرسُوٰ کاستی ﴾ استیبیل سے ہے کشادی بمبنی کشادگی مرشد بیزو جروى قلعه كى تعريف مين كهتے بين تشعر كروت خ العه ورولى 4 كاسمان مست ازو يكي منظر 4 ورلندى ت شاه جهان و درکشادی چودست این حاکر به سانوان امرک اخیرین العن کابرهب نا جىسے رە بالكسىرسے رائمعنى يىتىگارى. فردوسى حبّل سفيدديوكى دىرستان مين لكھتے بتن منت**عر** گرا يه ونكه از خبگ اين الزولا ، بريده ب وپوست يا بمرط ، **وَلَ**ه اگر يام از خبگ اين اژولا ، بدين روز گار جوانی را بی تنظیموان ا مرک اخیر پین شین مجمه ماقبل مکسورے لگانے سے جیسے وانٹس م و کنٹ و آ فرینٹ کنٹ بمعنی کروار کردن کا حال بالمصدرے نافع<sup>ی</sup> تقل <u>جین</u>ی جش فضلا فرما دیا . فردوسی پرگود زکے ہائے سے پیران ولیکے قبتل ہونے کی دہستان میں فرماتے ہیں پیچھ مرس راجمی خواست از تن برمید و چنان مبکنت خوانیتن را ندید به اور آفرمینش نظامی کاشعرہے تتعربها ندليث كان بود درضمير وخيالے بودا فرينت بزير ﴿ اے خلقت بزير - اس تركيب كا ل بالمصدر بعني أم مفول مجي آتا ہے جيسے يہي آ فرينش مجني آ فريدہ استخلوقات. سنائي ج ش**عر**آ فرینین نثار فرق توشد 4 برموین جون خسان زراه نثار 4 بیان آفرنینش بمعنی فریده مرا و سے دنیا ہے اور سعد سی کے اس شعوبیان شعر وار نغز و پاکیزہ دار دخرین پرشکم بندہ خوانندہ تن برورين و حرب خرحال بالمصد بصورت امرحاضر ب اورتيين ضمبر محرور مضاف الييني خراك غوراً نغز و ماكيزه دارو اوراحبان وچنين خواننداب تن برورس كا قافيه ملا تكلف درست ہے اس سے سیری پرغرض نہین کہ خورش معنی حاسل بالمصد نہیں آ ، یاشین مصد کی شين أبل مفتوح كاقافيه ننبن منتي ملكة غرض بيب كهجب بلائحلهن مغي لفظ كيبن سكي بچقر کلف مین کیون بڑیئے اورخورش اُس معنی میں بھی آتا ہے جس برفعل خورندہ کا <sup>وا</sup>قع ہوتا' یعنی ماکول وطعام نظامی شعر بشگفت نوشا به بکشای وست پنجواین خوشهاکد دمیش ب

مهر الموروم المورز المراق الوراد المورز المراق الوراد المورز

ر بردر در بردر در بردر بردر در بردر

of the last

شین ضیدی کا نین صدری کو سازوانیدون پونا

STORY OF THE STORY

دریہ بات ظاہرہے کہ نئین ضمیری سے شین مصدری کے رفع التیاس کے لئے یہ ک صدرقوار ومأكيا بيدبغيروجوواس صل بالمصدر جائسكامشروط وبازوم ب مركز تحقق نه موكا. شادان قادر کلام سخوران بلاغت نظام بحکم ضرورت اس قبیل کے تصرفات دیج<sub>ی</sub>ساکن الاوسط کو تحرک باندهاہے جہان کہاہیے **شعر** روزوش » ورنه از تنگی این خانه نفس میگیرد « او نظامی چرنے صحّف متحرک الاوسطکو ا-ہے جہان فرمایاہے شعر گدازلوح ناخواندہ عبرت بذیرہ گدائیمن پیشینیان در ٔ گیرهٔ او میمرموزی نے نصر معنی ماری کرون کو جرساکن الاوسط ہے اپنے استع بے شعر ناکہ بگیتی مدوست ازطرب ﴿ تاکہ بعالم نصرست ازظفر ﴿ ازطرب آباد نصر برلفئر ذليسے ہے قہران ملک شخن رانی ٔ فافلہ لاغت بیا نی خاقانی ج ورالماقبل كواپنے اشعار مین مفتوح با ندھاہے .خاقائی ج شعر حائم کرم ونظام نخشسش ، بل مهردور **کا بدار خشش ،** نظامی در شعر سان کش یکینیزهٔ سى ارن پا بەأب جگر يا فىقە يرورىن بەلىكىن بەلەمكەكسىرە شين مصەرىمى ئالىع مىخ شىرىنىدى واضح ہوتا ہے لیکن میرہے نزدیک ترجیح اسکوہے کہ حرکت مصدری مین تصرت کیا آجا اس کیے دری مین تصر*ت کیاگیا ہے لین* فیضر ورالمآبل كوساكن مإندهاب جيسے لفظاروش شيوك ، قوافی کے حوالہ کر دیجا ـ لگانائ ہے ہبرعال اس عیب خاص کوچوںسبب اختلا ف ہتے میں خیار نبہ نورالدین احمد عرونسی۔

غیر مصدری اورشین ضمیری کوامک جگه کرے وکھلا یا ہے سی قبیل سے نے قافیہ مابتد کا ہے ے تھ خلاق معانی خاقانی کے اس شعر میں شعر در مفت خراس نیٹ بانند ہ روغن گری از زبان ہیں ہ اورعالمے مفتوح الام كوظالمے كا قاضيه بنانا استى قبيل سے ہے بوستان كاشعر ہے شعر حوينو امركه ويان کندعالمے : ﴿ مَهٰدِ مَلَكَ وَرَبْحُهُ طَالْمِے ﴿ اور اِل عِيبِ خاص كَا مَا مِناداشًا عَبِ ـ مُرْتَبَال بھي ميري وبهى غوض ب كديلفظ ظالم وخطام س اسم فاعل كاصيغه اسك لام محكسره كوفترس بدلكرمغرب کرلیاگیا جیہے کافروساغو وغیرہ کلام ساتذہ مین برابرمفتیخ انعین کے قافیہ واقع ہین اور فولیں کے لیے بہ صرور نہیں کہ حروث ہی کی تبدیل ہوا کرے تغیر حرکت و تبدیل لہجہ بھی کفایت کر ہاہے پس اس قول کے موجب اساتذہ کے کلامہ بلاغت نظام برعیب بھی منہین لگتا اور بات مجمی بنی رہتی ہے اوراس سے یہ بات مبھی علوم ہو جائیگی کہ یک فنی در سرفن صاحب غومض عن حضرت صببائی رحمتہ التعليد نے جوفوايا ہے كرا يشين أقبل كمسور رائد بھى آتى ہے اوران دوشعرون كوشا بدا بنے مدعا كا بناياب فروسى شعر برفتند شادان دل وخوش منش 4 پُراز آ فين لب زنيكي وَبه ش وله زدادار نیکی وسی یا وکرو ، بدم بوستها را براز باوکرو ، ومبش کامنش سے ساتھ جسکی شین کمسورالماقبل ہے فات واقع ہونا وصو کے مین ڈالتا ہے اگر خور کیجئے وصو کے کی کو ٹی بات نہین جیانچہ ہم نے اوپڑا بت كرويلب كشين مفتوح الماقبل كاشين كمسورالماقبل كے ساتھ واقع ہونا ورست بنے توبیان بھى برعايت لفظمنش دمبش كےشين كومكسو الماقبل پڑھنا نہ جاہئے بلكہ پشین ضمیرغا مبضقیح النبل ہے جسکو قوا عذنگارون نے مبعنی فو کہاہے جسکااُر و وترجمها پناہے بس ترحمہ شعر کا یہ مواکہ لبنے نیکی وینے والے خداوند کی تعربیت میں ترزبان تھی۔حب اس قافید کی رعایت سے نیکی وہش کشین زائد تنجی گئی اس لیئے کہ شین ضعیر خائب کی کمسورالماقبل نہین ہوتی اور مصدری مغی تھی بیان ورست نہیں بیمیٹتے توووسے رشعر کواگر چیوہ ایسے موقع میں منہیں ہے کہ خواہی نخواہی اُس شیر کا مقبل كمسورر منا واحب سمجعا حائے جس سے شين مصدرى كا دموكا مؤمَّر حوْكمه اواسے م من ستین کے نہونے سے بظاہر کوئی مطلب فوت نہین ہوتا اُسی پر قیاس کرکے زائد فرادیا اگر بغور ملاحظہ فرایئے گا تواپنے مالک اپنے غداوند تعالئے شاند کے ساتھ سربار سرد کوٹن ا پنا انتساب کیئے جانا بندہ کے لیئے موجب غایت سعادت وسبب نہایت فخروعزت ہے اور

مَنِيرِكِ وَمَبِيلِ لِجِبِينِي يَقِيرِل مُع لِينَا هَا مِنْ اللَّهِ مِنْ

خەپتەمبان ئىلىنىرىق يىن ئىن ئەسىرىكىرلىك بىل كۆلەندى نائىپ-

We will be to the state of the

وزوزت برلنس کووز ولدنین اگرچه بیان شکلم اپنی ذات کونتسب نهین که تاجیلی حکایت کرتاب ائسكا انتساب كرتاب حونكه يهمى خواجة ماش ب اسكى عبان بھى لذ لرقی ہے دامٹر تھالی اعکر بالصّراء توان ہم اور صنعہ ماضی واحد غائب کی صورت میں نظامی وشع بجان بروخود مركية شاه وكس از شنن كس نياه وباه و وسوان اسم اورامر حاضري شكل مين نظامي تشعر بخان ريزمن لشكرت ساختي و شينحون كنان سويمن اختى و كيار موان جواهم باركه مني وهي كيتا بوائبران كالرافي الجيه يبن سه بهنا واخ سه فراغا : طهوري شعر مد كما لات اسخو وبهنا بين ا یش او دریا ببین و بار بوا*ن اسای ح*ار وغیر حاید کے بعدیا۔ ن اگروہ اسم ملحق مصدر عزبی ہے تو انسکرصفت کے معنون میں لیکر میپر مایے مصدری لاق ت غودمصدتھی انکومعنی صاف سالم کے لے کریز بادتی یاصفا لماستى كهته مبن اورمصدرع بي كوصفت كيمعنون مين لينا ابل غير كاتصرف شعرب شعر بصدخون جگرول اصفاكر دم ندانستم و كهيون آميُه روثيث ت معنی سالم دانش کاشورے کشعر برم انور عکس می روش ارد الےسالمربائنداسکوازقبیل زئنگ عَدُلُ سُجِینانہ جا۔ السطے کہ بہان عدل لینے حقیقی مصدری معنون مین ہے گراسکی نسبت معازی سے غرفز اس قسم کے مصدر کوصفت کے معنول میں لیکرائسپر ماہے م " تأَّل دِرَالْيَيْهُ دِل كَني ۽ صفائي بتدريج حال كني ۽ اميرخبرُّ ب**شعر** دو**پ ن**انش دوليمون يز يُوبِت « بسختی وصفا ئی جون بلورست « ملاشانی ککلومشعر حیه فراغ بالی آنزا که توسر د ببی زیندش « چهآن مرامکدم زورو سرخلاص ؛ رمنر فی کوتا مراسازد ازین رمبر خلاص ؛ در قیامت کن نداوندا سینم شرا ؛ ب بنمه رخلاص ﴿ مِيراس صيغةُ صفت برياي مدى حال كريت بين على خراساني كاشعر عيشعر زفرط مرحت شا و دي عجب نبود \* كه درخلاصي ماكر وصدرو فازنجيرة ولى دخت بياضى مثنع راضى بخلاصيم نشرمگر تَ نه سُرُتُنگی ممکن خلاصی َرین محیط ﴿ تابساحل

ہے باید گزشت نہ اگر یہ بیصنے عزبی کےمصاور ہین اوراستعال انجاعزبی مین معنی مصدری من ہی ہوتاہے گرا عتباراستعال عجمعنی صفت کے اُس سے فیئے گئے ہیں اب اُسپر باہے مصدر مح کا الحاق محصل إمرحد مدسو كابرخلاف أن مصادع ببيد كيجو فارسي من بمعني صفت نهين تتعل بوئے أن بج ای مصدری کے الحاق سے معنی مصدری لینا جیسے اُنظاری حضوری - زیادتی - فلطی ۔ نفعولی نفصانی وغیرہ ہین اگرے نطا ہرنظر بوح تحصیل حال اُسکو باطل مجتی ہے ، چنکہ کلام فصحا ہے جسم کا اس قسم کے قصرفات سے ملوہ ہے باطل نہ کہنا جا بیئے ستا ول سمجنیا کیا ہیئے ۔ فلوری شعیر درانتظاری ا شک حنٰائی بودم + رسیدوقت رُشُوق نگارے گرمیم ﴿ مَشْعِرْحَصْوری گُرْہِمی خوہی ازوغائب مشو عافظ ومتى مأتلق من تهوى ح الدونيا وامهلها و سائب شعر برناك غنى را بمروم ورويش و اگرزیاد فی بهت حسبت تاحیند و وله برهبمرآن قدر که فزد دیم بهجینه و شدهایهٔ زیادتی اشک آها و عافظ شعر مزه سابت اركر وبرخون ماسنارت ، نفريب او ميندلين غلطي مكن نكارا ؛ شعراز فضولها خووصائب نحالت مصصم بدمنكه باشم تاكنم تلقين كدرمت كن مرا و نظامي شعر كهرخر جياراندو گوسرچهار په فروشنده را بافضولی چه کار په ځا تا نی *ده شحر بېر*ناسازی درسازو د ل برناخوشیخوش کن که آست زیرکاست و کمالت زیرنقده انی و درولیش واله سروی شعیر زئنگ وصلی فارمز میرستون نمیر پرخن اُتنگناسے نقصانی و لپس نبطرظا سرعرفی کے اس شعر پر ک بعہد بلوہ حس کلام ن اندہ ہ قبول شابدنِظم كمال نقصا ني \* ملا بوالبر كات كا اعتراض محض عدم اعتنا نهين تواور *كياكها جا* محقق فرزانه بهار نئے اس خرابی کے سٹانے کے لئے اس پاکو نورنا نی ارمغانی فلانی ہمانی زیانی کی پاکی طرح زائد محض بھی ماناہے اور سیمبی کہاہے کہ اہل ایران کے لہجیمین معروف و مجبول کا امتیاز نہیں رہا مینی یہ باے مجہول زائدہے جس کو تبغیر لہجہ معروت پڑیا کو کیتے ہیں گرمیرے نزویک يهمتاول ہے بینی پیمصدری باہے لیکن اسکا مزول حب مصدرع دبی ہوتاہے توکہیم اُس مصرکح صفت کےمعنون مین لے کرباہےمصدری اُس پر واُل کرتے ہیں جیسے غلاصی وغیرہ میں اوکیھی ائس مصدر سے معنی مصدر می کی تجے مدکر لیجاتی ہے جیسے زباد تی ونقصانی وفیرہ بین اسکی نظرین موجود مین جیسے حورخود حوراکی جمع ہے تومعنی جمع سے مجود کرکے بطریق فارسی العن و نون جمع كاأسبرلات كرتي بين جيب شعر حرال بنتى را دوزخ بود اعرام الخر فضعام عجماس م

ا ا ا ا

تصرفات ك مجاز سجم كفيرين و لللهُ تعَالا العُلْمُ وِالصَّوْبِ ٱلروه ومصدر نهوتواً سك وصف مشهور كي ری اُسپرلاحق کرتے ہین جسے خرو لوم کا شہو ہے تواس لفظ بوم وخرسے احمٰق ومنحوس مراد رکھکرخری وبومی سے آحمٰقی ڈیخوسی معر نم نباره ابرازشومی او و شهر شدویرانداز بومی او پ زف اعلام برلائی حاتی ہے تو پہلے اُن سے معنی علمیت کا انسلاخ لیا جا با ہے فقطاً نکاوسٹ مشہور مراد لیا جا<sup>ت</sup>ا ہے جیسے حاتم سے حاتم ہے منی معنی سخادت. رہتم سے ہتمی بىنى جواغروى زليغا<u>ت زل</u>يغا ئى بيعينه مىشوقى جامى چرى**تتىع**رزىيغا از زليغا ئى رمىيده ، وزان ص نی وسفی مراوموت بین أیحی داالت عام موحباتی ہے وہ نکرہ بنجات بين غرض اعتبار معنى وصفى سے اعلام بون ياغير اعلام أن ين عموسيت جديده حالم تي ہے مثلا خروشیر دومخصوص نوع حیوانی تھے جب اُئے اوصاف مشہورہ حامّت و دلیری مرا د ئے تو یہ سمراب خصراً سی نوع میں سزلا بلکہ جن میں یہ اوصا ف تحقق ہونگے اُن براس سم کا اطلا ت ہوگا اور اعلام کی نکیرمین بھی ہی سرہ جیسے منتھر تو نکین رنگی اسپرنگ شدہ وسئے درجنگ شدہ ل**نثعر** قرنها باید کہ تا از فضل حق پیداشود ۴ بابزیی<sup>س</sup> اویے در قرکن بداگروہ خووصیفه صفت کا ہے تو پیرکسی ٹکلف کی حاجت ہی نہیں جیسے شکسہ وبستہ سے شک سنگی دہنگی ادریہ کا ف عجمی ہائے تحقیٰ کا برل ہے ۔ وَاتَنع ہوکہ اسّادُ الاساتَدُ وا ذکی اجہابزہ امام فن نکته سالی حضرت صهبائی حراور صاحب قوانین وسگیری نے اس نوع کے کاف کو بدون انقلاب ازنا سختفى جيسه ولسوزگي وخرد گي و فرزند گان و قمريگان وغيره مين اندمحض بهي مآنا، ا بنى تحقيق ريان اشعارس شاهد گزراناب فرووسي شعر مرابوي، بوركم بودخ ست، برل وزكي بان بهی نفت خواست به انوری شعر انوری گرخره کیها میکند و توبزرگی کن بروخرد ه مگرو سعدی شعر بروتازخوانت نفييب ومبند و كدفرند كانت نظر دررمبند و ميرمعزى مشعر الدردين فمريكان ساخة بندنظر تحقيق منهين كيامعني كه دلسوز كى دلسوزه ا درباب مصدری سے مرکت باری اس تیق بر کلام کمال آمیل کا گواد عادل بے تعریم منروارباب كشدوروان ، زانكه و<sup>ل</sup> وزوخلق ست روچول مجرة لېس كا ف عجمي سي جاعتى

كابرل ب اورولسوزه دراسل ولسوزيني اسم اورامركي صورت من آبا مواصفت كالعبيغ مخاج نكه ت خاصهٔ سیغهٔ صفت ہے اُس پر ہائے تسمید لگار معنون میں مک گو "خصوصیت حال کر لی پس ولسفه النسان اورغيرانسان كى صنت واقع ہوسكتا ہے گرولسوز ہ خاص اُس شخص كوكہبن سے جو اورون کے حالی تھ کھاوے بغیرونکی مصائب برا پنا ول جلاوے حبطح خود مرادسے خود مرا دہ امیرخترُ و دبوی شعر فرمان نبرند زانکه مهتند ۴ ازغایت نازخو مراده ۴ اسیطرح خردگی مین کا ت فارسی *این ختفی کا* بدل ہے کیامنی کہ خردہ <del>مبعن</del>ے ریز ُہ ہرچیز و ہسباب فرومایہ وعیب ان سس معنون مین تنعل ہے معنی اول جیسے خرو وُ قلم اسے ریشۂ قلم خرو وُ مینا اسے ریز وُ مینا سے تسکستہ اور سعنی ثانی جیسے خروہ فرویش امیئه نمتنگهی سرمه دانی ازار سندوخیرو کم بهاچیزو کئے بیچنے والے کو کہتے بین اورمعنی ثالث لعنی عیب اُسی شعر کے مصرعة انی مین خرده مگیر موجو دہے اورانتساب شئے کے لیئے اولیے مناسبت بھی کفایت کرتی ہے جس طرح اضافت مین مذکور ہوائیں باعتبار معنی اول اپنے انکسارکی را وسے جیسے فرُہ ہمیقدار وغیرہ کہا جا تاہے اسپر با سے نببت کے لگا نیسے یمعنی ہوئے کانوری خارت سے کام کر تاہے آپ بزرگی کو کام فرائین اسکے عیبسے ورگزین باعتبار معنی ٹانی برمعنی ہوئے کہ انوری آز حہ فرو انگی اورکمیندین کرتا ہے آپ بزرگی کرین و باجتبا معنی نالث بیمعنی ہوئے کہ الوری اگر جہوہ کام کرتاہے جومنشب بہت بین لینی معیوب بین آب بزرگی رین اورهیب گیری نکرین غرض خاصه طور برخرد گی بین کاف فارسی خرده کی ایختفی کا برل ہے شایدلفظ بزرگی کے تقابل سے شبرٹرا ہوکیامعنی کہ خرو و بزرگ آ ایسے نہ خروہ ویزگ اً رُغور کیمیئے تو پیٹ کیوئی وقعت اور توجہ کے قابل نہین بیان بزرگی عمر کی نہین با بتبار خلق کے ب اسكے ليئے تقابل خروكا صرورى نہين اميرخسر و شعر خروه نگيرند بزرگى كنند و منبوخان نیست کرگری کنند و شیخ شیراز علی الرحمت ف اسی صفهوان کو ان الفاظ مین اداکیا ہے شعر آگرین ناجوانمردم مكر دار \* توبرسن حون جوانمروان گزركن + اور فرزند گان مين كاف عجمي منهين كاع في تصغير وترحم كم يئ الأكياب يعنى لقياس طفلك فرزندك مصغر برالت ونون جمع كالكاكر طفاران کی طیح فرزندگان کہدیا۔ تصاحب درنش کا ویانی مزرا فالب دہلوی ربیرک وکووک کے کا ت کو مھی اسی قسم کا تصغیری فراتے ہین فقط ریدو کو ترحم بطفل کا بتلاتے ہین جنائجہ لکھتے ہین

كان تازي بيارسي درآ فراسامعني تصغير و مرجون مردك مردمك وكودك وربدك بهانا كود وربد ترحمهُ ت انتهے گرفقط رید و کو دمجنی لمفل کسی اُشاد کے کلام بن نظر نہیں آیا البتہ رید و کو دیا خانداد رکھا ئے ہین چونکہ بیجے اکثر گوہ موت میں الووہ رہنتے ہین ریدک دکووک اُنکا نام ہو گیا ہیں اس کاٹ کوئوٹنگ وتیرک کے کاٹ کیطرح نسبت کا کاٹ سجمنا عاہیے اب اگر چود و تسمیہ سقط ط ارنی گئی امردون امرنا بالغ از کون کوبولنے لگے مین بنوچ**ری کاننعرہے شعر**شا دباش وی سنان از ساقیان ورید کان وساقیان سیم ساعه ربد کان سیم ساق و غرض فرزند کان مین کات مازی تصغیری ہے کاف عجی زائرنہیں۔ بہار باغ تحیق باغ وبہارتد قیق صاحب واہرالحروف اپنے رسالہ پر تحقیق فزماتتے مین واگر قرینهٔ والد ہاشد درخیر کلمهٔ ذات الہانیز مین عمل کند حینا نیم درین م اندروہن قریگان ساختہ ربط ﴿ وا نُدرگلوے فاختُکان ساختہ طنبور ﴿ اسےم ولامزىيىليە"انةىمىڭلامە خلاصىتىقىق بەپ كەقىرىگان مىن كاپ فارسى زائىرىمض بىپ غىرم به اوراس مقام مین ای کوانتها درجه کی تحقیق قرار ویتے مین مین عرض کرتا ہون **که قمریگان قمری** حبواة الحدان نے اسکی ٹری تحقیق کی ہے اور فرما تے ہین معلوم ہوگیا کہ قمریگان مین کاف فارسی زائد نہیں ملکہ بعوض الہا ہے اور شیف بإفارسيون كاتصرف ب جوتامي نلبتي مأونين حائزر كفتهن اب كيون كراان لياحاب كدمه جابرالوون كاتول غاية اتحتى لامزيد عليه ب فقط صن ظن في عبدو يكيب آنكه بندك خدى پرشعر بحامهٔ دل پئين نشيندآن مغود 🕻 کهښنو پخن پئيمنان دوس وَاللَّهُ تَعَالَى آعُلُمُوالصَّوَا

فاسحان نيراداد تمية تانيث إستمنى زاريمي آيات مي ايم ايم ايم

ي بيان منتسر

Charity of the Charit

المنفقة

پنے معاکا بنایا ہے۔ آسی طبع اسم اور نہی کی ترک بوتى سے جيب بيچوان وہيچينگارو بيچميزر - واضع موكدان تركيب كاجزواول ييني اسم اكثر جزوناني كاب وہ افعال متعدیہ سے ہومفعول یہ ہوا**کرتاہے جیسے حمال آذین و کارکن اورکہی** حزواول آلہ ہوتا. جيهے نيغ زن اورکھي ظرف جيسے شب چرااسته انکه حربيان او ورث مین چری کرنے والے کو اورشب گزرات مین کاشنے والے لینی کٹس کو کہتے ہین اور کمبی جزو ثافی <del>کے</del> معنى مصدرى كى صفت بهى واقع مواب جيساب إرخش كي رخيدن اول ا سے کوسٹیدن او بخت ست اگر جزو ٹانی فعل لازم ہے توجزوا ول جزوٹانی کا فاعل ہو گا جیسے حدا ئے ياصفت مو كانكرائسكاصفت واقع مونايا بلاواسط مبوكا جيسة تيزروك كسيكه سيراو سابعيت و زو دخیو نظامی پر شعر وشا قان موکب رووزو دخیز ۴ بدیدار تازه برفتار تینر + یا بواس اے کیکہ خاستن اومثل ہیارست نظامی ح شعر فریینبدہ جشہے جفا جوسے تیز 4 وو ایخش ہیارو بهارخيزه ياظرف واقع بهو كأخواه مكانى هوجييه سننشين وتارك نشين وخانه خيزك جائيشستان مندوتارك بت وجاسے خامن او خانه ب نظامی و شعرزمین رامنم تاج نارك نثین و ملزان مرامانلرزوزین **، وله سُ**گهے باجنان گوہرخانہ خیز ، چوبوطالبے راکنی سنگریز ، خوہیٰ انی عِيبےشب افروز وصبح خیراے *زمانڈ روشن شد*ن اوشب ست ووقت خاستن اوصبح ست نظائی ّ ورشب افروز کرنسیکه تا بدز دور ۴ زیبے نوری شب زندلات نور ۴ دوسراسم اور ماضی مطلق کی نحله كاشي شعر و لابصرفه قدم نه كه ورطرين معاش و سكن دى خررو از فاقه هركه وارانيست « ليجتما یے سے جیپے خرمدسے خرمدارخوہ بعنی طلبکارا ورچونکہ شفاعت میں بھی مجرم کو حاکم سے مالگ لیٹا ہوتا ہے ، اس لفظ کو شفیع کے

بنا افروس الموادية بعلى ومسالهم الأباعلى بناده كرف الفرائل الموادية الموادية الموادية بعلى الموادية بعلى الموادية بعلى الموادية الموادية الموادية بعلى الموادية الموادية الموادية الموادية الموادية الموادية بعلى الموادية بعلى الموادية بعلى الموادية الموادية الموادية بعلى الموادية بعدل الموادية الموادية الموادية بعدل الموادية بعدل الموادية بعدل الموادية الموادية بعدل الموادية الموادية بعدل الموادية الموادية الم

معنون مین کنا پر کرتے ہیں. فرورس کے کا دی سے تنل سیائوش برطلع ہونے کے دہستان ہیں لکھتے بود ونه خوہتار ۽ اے ندکس فرما درس لود و ندکھے مین **شعر** برمدندازتن سهرشا هوار و نه فرما در *ا* تغنیع بہان میری احمال ہے کوالف ورانسبت کے لیئے ہو۔ جنانچر سیان حاصل مصدر محقق <u> ہوچکا ہے۔ تیان سے اُن اسا سے غیر شتقہ کا بیان ہے جزنہا یا کسی ترکیب سے معنی فاعلیت پراکتے</u> بين گوكدوه ماخن فيدسينهين بين اسوا سطے كه بهكوشنقات كابيان منظورسے ليكن تبعاً اُنكا ذكر بھي ضرورب تابیننده کوفے الجارب بیت موجائے ایک توه که ننها سم خواہی جارمونواه مصدرع بی معنی مین فاعل کے آیا ہے جیسے جادو معنی جادوگر نظامی چشعر مگر جادوان ازمن آموختند و کراز اورمصا درعزبي جييية رضاوكرم وضان معنى راضى وكرمم وضامن ياتى كيلانى شعرعطيفيض رسانت وجرم هو پزير « به سرحه بهت رضاً بيم غم جرا داريم « سعديٌّ شعر بگريسن گياه د ُّنانی مین یہ بھی احمال ہے کنسب<sup>ا</sup>ت نفی کی حقیقہ <sup>پڑ</sup> جانب کرم ہی ہو اسو اسط کداہل کرم بھی ا*گر*حق ت ملحفظ ر کھتے ہیں توائسی کرم کا تقضا ہے گوکہ ہ وصف ٰ ذی شعور نہیں گرنسبت کے لیئے ہقدر للفظضان تشعرووشم نويدداو وبشارت كهجافظا جه بإزآ كمرم بعفوكناهت ضا تثدم، اسے ضامن شدم اسی طرح خبر عنی خبیه ِ ماتفی ج شعر خبر شدازان قصه والی مصر ﴿ كَمَا هُلُل ورحالي مصرنه استاذى قلندر طيين الهررعمه التدالاكبراسيث مرشدوا عظه مولوى عبدالحي صاحب مرحومي ت ۽ درعلم خيرخبر کداني زیاده کرنے سے خواہ وہ اسم فارسی مین جابد ہوجیسے شکار سے شکاری یا عزبی مین صف <u> جیسے نظارہ سے نظار گی نظامی شعر عجب مانزان کارنظار گی و بعبرت فروماند کیبار گی و کسو سطح ا</u> فقط نظارہ ہی مدون یاہے تحانی معنی فاعل ستعل ہے .فردوسی حباک مینے مین کلمت آبین شعربهراندان حبّگ نظاره بود پستاره شمرخت بیجاره بود پر میرسے نزو یک بدیا ہے ت ناعلی خبر طرح اسم فاعل معنی نسبت ستعل ہے مثلاً ارزندہ بمعنى فيتى أتبيطر تسبت كومعنى فاعليت مين وثل ب جنا سنير اسكى نظير استخفى ينبت فالل

ومفعولی سے لیئے ستعل ہوتی ہے اول جیسے فرورسی مرح رستم بزیان سہراب فرواتے ہیں ستع

س الده رانین کاهمال همی سب آرونششته کاخی فاعلی میں معال فاعلی میں معال

> بقيرن انم جاوزو مصدر عزني"

الم براسية في الأيم الم المسترون الدار الماري التبت من قائل زياده كرناسة الم منهم الم الماري الماري الماري الماري المارية الم الماريزة كالماريزة المعالمين زيا

پروردگارمبنی مطلق مربی

مانے برم بن کداوین تمت ب<sup>د</sup> کرچون او نبرد ہ بگیتی کمست نواے نبروکنندہ حبس طرح کاروناک کا لفظ آموز كاروآ موزناك يلن نظائ شعر توئى برترين دانش آموزناك ولدنيوستندؤ خوابهماز اورلفظ گارمین بربات نبین جیسے پرورشگار سروروگار وغیرہ .نظامی سبب نظرکتاب سکندرنام پجری مین فرماتے ہیں شخصر مرا کا ولین پرورشگار بود پ ولی نعمتے درویہش بار بود پ اور پیلفظ پروروگارکا طلق مربی کے معنون میں متعل ہے فروسی فرواتے ہیں شعر چو دستان کہ پروردگا رم ہے په تهمتن که خرم بهارمنست و اور دوسری عگر لکھتے ہین شعر شایاک برور د گار میند و، بهان از پیرر يادگارميند په نځام مرکه آيدشاراگزند ډه سبات يد بامن به بديارمند په تعض قوامه زگاران تحقيق مپينه نازك خيالان نغزاندليشه نے ياسے فاعلى كومصا درفارسى برجھى مانا ب اور يہ شعر نظامي كا اين دعوی برشا ہدگزرانا ہے م**شعر** توانا و وانا بهربو دنی و گنهنش ولب پارنجشو دنی و میری<del>ں ہے</del> ہے اور داورابط حالبیہ نہ مناطفہ اورب پارمخشود نی خبرہے مبتدا سے محذوف کی اور مبتدا قب واورالطِ هالىيەت ملكزال بواگنخش كا اور پە حېلىجالىيە ىمنىزلەْ علىيكے ب كېامىخى كەو د گنا پخشت اسطينه كدوه قابليت وقدرت بخالين بسبياركي ركمتناسب واورلفظ لبسيار كامبالغ بختا لينسك افہار کے لیئے لایا گیاہے جر طب رح عربی مین لفظ مہدیم سابغہ کے لیے غرض یہ یاہے لياقت السي ب جيك ننني كرون زوني سوختنين كربات ليب كداكره ويات لياقت مسد مبنی للفاعل پرلاحق ہوگی توائس فعل کے فاعل کی لیا قت بتلا 'یگی جیسے بود نی مین موجود کی ہتی کی اوز خشودنی مین بخشاینده کی بخشایندگی کی لیاقت کا انبات ہے . آوراگروہ پاسے لیانت معمد منی للمفعول پر آو یکی تومفول کی لیاقت کا اشعار کریگی جیسے کشتنی وسوختنی مین فتیل وحریت کے شتة شدن وسوخة شدن كى لياقت كا الهارب جنا نخير حضرت نظامي ووسرى حكيمنا وايين أسى بخشودنى كومبنى للمفعول فرماتے مېن شعر تو ئى خالق بود ہربود نى ، بېخناسے رِعال بخنو دنى ؛ الورورصورت وسل بعني بغيرواو سبسيار فبشودني مين وسبى يأتمجعي حائيكي حواكثر مفعو امطلق بر لاحق ہواکرتی ہے اورلفظ بسیار کاکٹرت پردلالت کر ٹلہے جوصفت بخشودن کی ہے۔

و تضع ہوکہ معول مطلق اپنے فعل کی کمیت و کیفیت کے اظہار کا ذمہ دار مونا ہے مثال کمیت کی فہمی بياز خشو دنى اورييتنعر نظامى عليه الرحمة كالتفحير بياساقى ازباده بردار مبند فه بيهاسيميوون باده پنز ببض ننخون مین بمیددن بادحینه آیاہے اسوقت پرحله صب تقل ہوگا رمثال کیفیت کی نظامی علیالومته كانتعرب شعر ببنبيد جنبيدن بانكوه وجوانزازله كالبدإ كوه واوربيت مسعدى علىالرمتكا تشعر نُك كرد شوريه و رمن فقيه ; نُك كرون عالم اندرسفيه ; مَنْ بَخْتُو ون خِسْ كامفعول مطلق البيلوظ يكو ائىكى نظائرىىبت سى بىن نظامى روسغارت سكندر بنوشا به كى دېستان مىن فرماتے يېرىش معر جو اېم بفراے گفتن براز پر که تارہ نوروم سوِغانہ باز ہ مولانا ہے روم قدس کے متعرفاصدا زا برعصایت وست نے و تو بخب اے شه مبارک خفتے واوجون مثالون میں منعول مطلق بغیر لفظ مظام میں بنا فعل ب آوراس تقدر بریه یا بودنی و بخشودنی وغیره مین زائده مجبول موگی ندمعوون چنا بخیدیدام مولانا سروم كے سنعر قاصدان رابر عصایت الخ مین نے نافید کے ساتھ قافید واقع ہونے سے بخوبی واضح ہے ۔ آور جن لوگون نے بخشودن کو فقط رحم کرنے اور بخٹ یدن کو محض عطا کرنے کے معنون مین خاص کرلیا ہے ورست بہین اُن دونون معنون مین وہ دونون لفظ متعل ہین مگراول بعنى ترحم ونانى بعنى اعط كثير الاستعال باوراسكاعكس فليل سعدى تشعر كربيا ببخناب برعال ماه كدمهتم اسيركمند مواه استحمكن برحال ما وولمه خور ولوين وبخشامي دراحت رسان و نكدے جدوارى زبېركسان ، اسى بخورونهيوش و بده الخ ميز اميرطاب وحيدامتا دالدوله محدميك كے خطمين لكيتے مين مشربختاننده پيرائه وء دوکسوت بين ارب گان نرمينهود انو اےعطاکنند هُ بيرائه وودالغ اميرخسرو شعرندس زان فكندم درين كوچه رخش وكد إبم زبخنايش شاه بخش وزيز حرلفان بسيار ج ب و كه در كارخوم ش كنندآ بروت یا کے این توم عمیر و جوان شب وروزے برو بخا برحال مکین مرد ﴿ فروخوروخشم سخنهاے مسرد ﴾ اے رحم کرد انح نظامی شنع کہ شا ام مرا یک رم درخورت ﴿ اً گرخخشی از کشوری بهترست و اسع طاکنی الخوا و آسیطرخ رستنی معنی نامی بین یا سے لیا قت مص منی للفاعل پرلانی گئی ہے۔ نظامی برفرماتے ہیں شعر سنرنامہ نام جہا ندار پاک پرآرندہ رئیستنیہا زخاک و کوکداسکاترجمہ نامی ہے اور نامی صیغہ اسم فاعل کا ہے مگر معنی فاعلیت کے ورست

جَمَّول طائل شِيْمِل مَل كِيتِ وَ الْمُلِيمِ الْمُلِيمِةِ مِنْ الْمُلِيمُ مِنْ الْمِيمِةِ الْمُرْمِيةِ الْمُل كُنِينَ مَنَّ الْطَهِ الْمُلْأَمُونِ وَالْمِيمُ الْمُلِيمُ الْمُلِيمُ الْمُلْكِينَ وَمُوالِمُ اللَّهِ مِنْ الم

تفعر لطن پيايوزند بي الجاز مجول سې نيعوون الجانجاز

ببى ہو نگے حبنہ و کسی سٰبات كى صفت ہواگر استعدا دو قوت كى صفت واقع ہوناہے تو ميان بهنى بیان سبت کے لئے ہوجا کہ ہے جیسے توت نامید ، آور پالمانت اور قابلت واس سر نی ہے مبنی اسکان ہے لیس حال بو دنی کا مکن الوجر د کیامعنی کہ بود (بعبنی مهتی حبکوز بارع فیمن وجود كہتے مين اورجوچيز لياقت وجود كى كے وہ مكن الوجو دہو ئى گرشدنى وبود فى مثلاجو دا حب الانقضاير جیے فردوستی سہراب کے رستم کوخو کشی سے رہ کئے کی درستان مین لکتے ہیں سیٹھ مرازین خواٹیتر کشنن اکنون جیسود پوچنین رفت واین لبودنی کا ربود 🗧 او نا شدنی کاعال ایب اتمناع برجا شهر تا ہے ہما یخیقیق ے کوئی سنافی نبین اسواسطے کدامکا ن سے وہ اسکان علم حبکواعم العوام کہتے ہین مراد ہے جو دا حراف متنغ اورمكره خاص وغيره كوشايل اساعن للجانب العدم فوجودك اوالوجود فعيرمكي اواحدها فقط فمباثث اوملاقيد فقط فاعللعواكم مكنا

كذاا فاده الاسستاذ العلام اللمجدمولانا

اورغالب دہلوی کے ہی شعر بین شعر بوونی مجش خوب وزشت توٹی ﴿ رونق کعکمبُوثُ توئی و اورنظامی در کے اس شعر تین منتعر نخوره خور شهاے بالیتنی و سم ازگوسبندان شاہنی ، ا ي معروف لبت ك يئ ب عصل بوونى كا وجوديد عوال بالمصدر ب اور قال شايستى وبالستنى كابايسة وشالسته يرجوسيغصفت كاسب عامهرك كا وَاللهُ تَعَالَى اعْلَمَ والصَّوابْ مدسے شتق ہوتا ہے اورائس شئے کے لیئے وضع کیا گیاست کہس پر أتشم فعول وه أسمهن كدمصه و فعل دافع ہوتا ہے جیسے زد و وکروہ ۔ آورکہیں بیمعنی اسم اور امر کے ترکمیب سے حاسل ہوتے ہین ت آموز مرزا دانش کا شعرے شعرے کندلمبل گمان باغبان صیاد مان مرخ وست آموز شَاخٌ کُل چەداندوام عبیت ' ﴿ لفظ دست بهان آموز کاظرف داقع ہے ۔ آویعنِس قواعه بھا رون نے فقط صيغة امرواحه عاضركوم مبغى مضول كهاب اورمنال مين لفظ كزين كوبيان كياب اوإشع لوسعدى علىالرحمة كے سندگررا نا ہے شعر تواضع كىند موشمندگرين ﴿ منبد شاخ برميوه سربزين

ميرت نزديك يددرست بنبين كسواسط كدكزين ماصل مصدر بمغى مفعول سهي اسكى تحقيق معذاطا كأ بیان مال بالمصدرمین گزیکی ہے۔ آسیطرے اسمار نہی کی ترکیب سے اسم معول ترکیبی متعمد بصفت عدى طامل بوتاب جيكس مبرس - ذورسالاسم المداضي طلق كى تركيب جيه أومى أادو وست بخت ـ نظامی و شعر مین و شنک راکه دخت من سنت ، برین ناز کی وست بخت من ست ، تتسراام کے اخیرین العنکے زیادہ کرنے سے جیسے بزیرا۔ نظامی شنعر بزیراسخن بووشدہاے گیرہ سخن كزول آبد بودولبنير و چوتما اضى طلق برالف وراك زياده كرين سے جيسے گرفتار و ديار وُنتا، مینی متنول فرووسی قتل بیران کی دہستان مین فراتے ہین شعر چوگودرز زان گرو دیا گِتْت ول نا مداران بية آزار كشت و خلاق سعاني خاقاني حرموان جرميت الله كي تعرفيت مين فرات مين تشعر برجيرهٔ تنج آسان دار ؛ جو هرز برنبگي ست ديدار ؛ استاد فرخي شعر مبنوزيني كيه بيش مير بروه نبود و ازان شکار که از تیرمیرنشک تشار و پهان احتال سے کرالف ورانسبت کے لیئے ہو جطرح بيان علل بالمصدرين معتق مرح يكاسب اب بهان سے وہ اسام غير ختقه بيان کیئے جاتے میں جو تنہا یاکسی ترکیب سے عنی مفعولی کا افاوہ کرتے میں اول اکیلامصدر عزبی دلیسی ترکیکے مغیر معنی مفعولی ہوتا ہے جیسے تسلی وعذر واختیار وترمیت وخلاص خلہوری کا شع **ہے شعر**از بخت درین شہرتسلی ہے باش ﴿ دریا سے صوررا دُرمعنی ہے باش ﴿ سعد سی رح<sup>ت</sup> آن داکه بجاسے تست مروم کے مدیش بند ارکن میمی ستے ، ولد کنے سباختیا را مانست ، ىهر*راھېنىيىت ھكىت نىيىت ﴿مولوى معنوى ج*ىن **منتحر** تربية ان افتاب رونىنىم ﴿ربى الاعلى ال<sup>ك</sup> برمينرينيم ﴿ استربيت ما فتُه آن آفتا ب اله حافظ ه شعرخونم بريز وازغم نهجرم خلاص كن منت بزرغزُه خجرُ گزارمت ﴿ وَوَسَراسَم كَ اخْدِين ياست تحتاني كَ الحاق سنه جيس شکاری د کاغذ مَهری طالب آملی شعر کال ترا برغبت دل و چون مبزُو ترخور دُسکارے مچمل ہے كه بلے نتحانی بیان نسبت مفولی کے لیئے ہو جیسے نسبت فاعلی کے لیئے لائی جاتی ہے خیانی آگی نظير لفظ رنجه وسنده مين المستخفى ب نظامي بشعرب سنده وسندمي آزا وكو 4 زيزوان بس نیکوئی یادکرو ( جیسے نبب مغولی کے لئے لفظ گار جسی آنہے نظامی و شعر چوہتی بربزون آموزگاره بدین روز تمشاندت روزگار ۴ امواسط که آموزنده توناصح سم- آسم ظرف اوراسم آله مجی

G. TOL

اسم ادامری است ادامری است می است کاری است است است است کاری است است است است کاری است است کاری است

تنان کی مین کورکت،

تيارمان كي محيق ا

ور کابیان هنده کابخن

でいたした

کی ترکیبون سے قامل ہوجاتے بین اول مینی اسم ظرف ترکیبی تبیب موج نیز بعنی جات ىتن آبانىيۇخىرۇ يىنىھروىدىرىشلىتىش مەلگونە تىز « كاتىف برغات ازا *نیزه اسکوفال ترکیبی که بنهین سکته :سوا سطه که خاستن معنی متعدی سموع نبین اس ترکیب بین* جزواول جزونانی کا فاعل دا قعہے آسیطرح دواسمون کی ترکیب سے جیسے حارموج لینی ایسی حکمہ کم چارون طرن سے موج انتھا ہو۔ آسی طرح ستان وزار و سار و بار ولاخ ولا**ن وکن** و وال ایس ستان <u>جب</u>يه سنند*وس*تان وميستان ويوسفستان ولمبلب تان تُفرَّدُوسي شُغورْخون رودگفتي ميستان شده ب زنيزه مواجون منيستان شده رست «مولوي منتسي شعر آب را درغور اينَهان كنم «جبثمها رانشك و ستان كنم و صائب شعراين جدمطف ت كدېرخو د نظرانداز و پوسنستان شود از پر تو عارض بنيژ : الترستان كى سين كونتوك كمنا بهى حائز ب فروستى گنگ وزكى تعربيت بين لكهته مين شعر مبركوشه چشمرُ وگلت ان ; زمرِ سِنباق شاخ بلبلت ان + خاقانی ه شعر سازی بے نزیتِ روانها ; دمِزدلف تانباه أوراسكا مضف سان جيئ تعل ب فرخي شعر رُزجود تونسيم بُزرد برزنگهاره ور ا ن مه مبندوان رآآتش سوزنده رویدشاخ شاخ و زنگهان را شوسته ارسکن برآید خیزران، فردوستی چ شعرب شارسان گشت بیارسان ، ب برم شدخارسان به شارسان مخفف شارستان اورشار معنی عارت اور بیمیدل شهر ب از بیرتان بعنی تنہر کلان لینی ایساشہر کہ اور شہرو نکے لیئے بننر لیظرف کے ہے لینی بیٹ ہرکئی شہرو ک<mark>و</mark> مشتل ہے بہی عنی نہا وندکے ہین کسواسطے کہ نیہ بانگسیجنی شہرہے آورزارجیے کارزار ایسف زا، ہندنوار گلزار۔ اور بازار بھی استقبل سے ہے اصل اسکی ا بازار ہے اسوا سطے کہ بازار ہیں اکثر لها نے پینے کی جیزین فروخت ہوتی ہین بھرلعبرمین مطلق سُوْق کے منام باس لفظ کو ستعال کرنیگے. حدی *ه شعراے تہیدست رفتہ در*بازار ہ<sup>ہ</sup> ترسمت برنیا درمی دستار پہ **ولہ** جیمردی *کی*ذورف كارزار وكدوستش بهي باشده كارزار وء في تشعير ببرقع سوكنعان كدمهت حن آباد و بجحله كا ذليخا ميكندلعل لب اورا +عرفي شعر فروغ شعلة قهرت فتدي ورارحام ببجيثمه ذار بزاييمندرا زفزيكً **حرح ٓا**تش سوے مندوزار مَّانِث ﴿ بحن رسوخة خيل سُرْطِئت ، آدرِمار جيسے

وطِ مهار وكومهارصا بُ شعر ننے رویم جو اسی بمبشر سارندہ ، ج تبغ جو سرذاتی بس ت جوش ، ، فردوستی شعر کشان بیزن گیواز مین دار ، ببردند بسان بان جاه سار ، آورساران اورساره اسیکا خربیعلیه جيے كوساران وكوساره وكف ساره صائب تنعر راه رورا بال ويرست سخيتها سے وسر و كوسساران ے شود سنگ فسان این میل ما ﴿ وَجَى شعر بركشيدند مكبهار أو غز نبن ديبا ﴿ برنوشتند زكهبايغونين المجمر إ تحيم خناري تشعر كبقت سلده مرآوروه رانوازا دباره بجشم خانه فرورفته ديده ازنا ناره أوراس كامخفف سربه کی متعل ہوتا ہے .فردوستی منتحر منیزہ باید بدان کا ہسر و دوان خرر نیہ اگرفتہ ہبر پر مکن ہے کہ یکلمہ جانغط سارسے مرکب ہے مقلوبی ہو اور لفظ سارمز بدعلیہ سرکا ہوجیسے نگونسا رسزنگون کامقلق اورمز مدعلیہ سے اور جیسے اس شعرمین جو رئے اوشنگل کی رزم میں مٰرکورہے شعر ازایران بیامردلاور ہزارہ زرہ دارباگرزہ کا وسارہ کا وسارع لید علیہ گاؤمرہے کسواسطے کدگرزیستم کالفکل سرکاؤمخا جنانچائ*س گرز*کی گاوچر بھی صفت کہتے ہیں اسی وہستان مین فروسٹی فرماتے ہی<sup>ا</sup>ن م**شعر**ح پُگیدنِ اُرَزهٰ گا وُچهر ۽ ٽوگفتي ٻهين سنگ باروسسپهره بلکه گاوسرو گاوسره مهيي اُمکي صفت واقع ٻوني <sub>۾</sub>. ٱگرچه په ترکیب اوریسے ۔ دَاملنُهُ هَالیٰ اعَکمَهُ آور بارجیسے جوئبار رود بار وزنگیبار ومندوبار وگنجبار اور پیر وونون لفظ زنگ رومبندوبار بوج سیاسی رنگ دوات سے کنا یہ ہوتے مین نظامی رستھ زئب رود نيزان لب رووبار وفتا نده زرضارگيتي غبار و كمال آميل شعر بخاتم توكه ورياين تاكرگاه ات بخامدات كدىسىر سيرود مهندوبار و أورجو يبار كو بخفيف ياسے تحتاني جو بار بھي كہتے ہن ملامفيد البلخي كاشعرب ستعرنصيب صاف ولان ست عيش اين ككش به بهيشه سروسهي وركنا رجومارست ا فروستَى شعربيا رمنشانمش بريخت يار ﴿ وزان بِي كشايم در كنجار ﴿ آورلاخ جيب سنكلاخ و ديولاخ صائب منتعرروشندلان رسختي ا يام خوشدل نديج كزسنگلاخ آب سكتركندگزر **قِول** ويولاخ ست حبان ورنظو حشت من ۴ تامرارهٔ به بریخانهٔ عرات دا و ند ۴ اورلان بطیع ترمایی لان مولوی معنوی شعر سروری زمیرست جزآن روح را به کوبود ترمای لانی زابتدا به آور که پیجید الكند ببغني نايستان يعنى بإغ انارواضع موكديه الفاظ معنى سبالغيث كومتضن مبين لعني البيغ منول كى كثرت اورا نبوبى كا افاوه كرتے بين دادته تكالى اعلمَ بالصَّواب تعض عقين لفظون کو اسی قبیل کا فرما تے ہین گرمعنی کثرت اور مبالغه کا افا دہ اس سے نہوگا اور پیلفظ جن ہم سے مثل

11.10 c.10 4.24.12.01

138417-

لغظار كابيات

ۺٳڮٷۼؽ ؿٳڮٷڮؾؙڹ

بيان لاخ كا

بیآن لان کا مالاه کانسکام

بيان كندكا

المجاز المنظورة المالمة المناطقة المنا

بیان اسم آ در اور اسم این اسم آ اسم این این اسم این اسم این اسم این اسم این اسم این این اسم این این اسم این اسم این اسم این ا

به پانا ہے وہ اسم کلٹر منطوقت ہواکر تاہے جیسے فلمدان وجزو دان د گنجدان محرسدیدا شرف شعم ن شوخ وبرا وراق دلم گرویدورفت و برزووان سیندرااز بکدگر یا شیدورفت و نظامیٔ مشعر گرازند آمد تومستی وخرش پر گراو گنجه آن شد تو نی گنج نجنش « اسیطرح جردان جبر بالکسیم بعنی سیابهی جبروان دوت تھے کاشی تاریکی شب تار کی تعربیت میں کہتے ہن شعر کیے علم از تیر کی شب جہان ، ہزساہی ننده جون جردان په آطر کبهی اوه جیسے چرمدان تهمیا نی چرمی مولوی معنومتی منتخر کو کمتن و باطل انیختنه و نقدو قلب اندر چرمان ریختند **و و ل**ه کددرین کشتی چرمدان گم شده <sub>ا</sub>ست و جلد <sup>ج</sup>مبیم نتوانی تورست ، مگرففظ چرم معنی علد بسکون را سے مہملہ ہے بروزن نرم وگرم اور چرمدان مین را متحرك به وَاللَّهُ نَعَالَىٰ اغْلَمُه وإنْصَوَا - واضح موكه بهان إعرَطوبْ سے وہ اسم مراد مبن كه أن بين ل تر*کیب*خاس *ے معنی ظرفی می*دا ہوجائین اسکا کوئی جزبالاستقلال **ظرفیت بر**وال نہو <del>ہیں ہی</del> تمانناگاه ودرسگاه ونهاوند وباز جامعهنی اوا وروزگاروشب خانه و گنج خانه و شبگاه دفیره ان ين بين شمار كيف مكن أكرحيه كنيخ خاند كخوال كيمتني مين ب اورجار موج ان مين لعني ظرف ترکیبی شارکیا گیا. آور یہ بھی یا درہے کہ ستان اور کندو ہی مہندی کے اُستھان اور کھنٹ پین کشھان بالفتح والهاء المخلوط مطلق عإسےاور ريكان كو كيتے ہين. اور كھنٹہ بالفتح والهاء المخلوط والدال الهندي جوہ و نیرہ کے معنی بن ہے مگرمنہ بی بالاستقلال متعل ہوتے ہین فارسی مین ضمائر متصلہ کی طرح بغیرسی سم کے نہیں تعل ہوتی اسپوج سے حروف مین شاریئے جاتے ہیں لیکن افا دہ کثرت و ا نبوہی کاان مین ٹرھاہواہے تیز خصوصا سان حب طرح ظرف مکان کے لیے آ اب ظونہ زان مهمی <sub>ا</sub>ستوال پایات جیسے تابستان وزمستان میعنے زماندلب پارگرمی وزماندلب پیارسرو*ی سوی*یات اس زبان کی خصوصیات ہے۔ بعض وقت یہ الفاظ بغیرارا دہ کثرت مھی ہتعال کرتے ہین جيية شبتا الطلق رات كے رہنے كے مكان كو كہتے بين اسيطرح عاسمار ورخسار شعر مذكوريين اسواسطے کہ جس مین بنیرن فید ہوا وہ ایک ہی کنوان تھا البتہ اس میں اس تاویل کی گنجا پش ہے كەومەكنۇڭ تىڭ بىزن قىيەتساچ ئەيەب بڑا ئىتاكئى كنوونكى دسعت اورغىق أىس بىن تىتھا مھا زا عاه ساركب ديا. اسيطرح رود بار وعويباركوسمونا عابيني وَاللهُ تَعَالَىٰ اعْلَمُ بِالصَّوَابِ. استم الدنجيي اسم ادرامر كي تركيب سے عال ہوناسہے جيسے مگسان باوزن جارو.منز نشام

یبان جزوادل جزوثانی کامفعول بدواقع ہے نظامی ﴿ شعرزین راشود میل منزل سُناس ﴿ بتری ٥ المنكى ساندقياس ، نجفن وقت امرير السيسميانبي كه الحاق سيمعني الم الدكم عال كرت بين معنون مين آباب اورشانه بهي اسي بات كآلد ب- اميرخسرو شعري شانم سرزلف أشفته را و برقص ، کے لیئے اولے مناسب<sup>ی</sup> بھی کفایت کرتی سبے چونکہ اس ہا کامفتوح الما مونا شرطب اً رأس إسى أبل ايساكو في حرف واقع مهوجس برحركت كالانام تعذر موصل حركت فتحى ك لیے نون زیا دہ کیا جاتا ہے جیسے ہمیوون سے بھا صیغدامر کاہیے اسکا اخیر قبول حرکت سے عاری ہے وقت الحاق إسەنبى كى نون نيادە كىياگيا تومىياسى بياندىنا اسىطرح گرس مىعنى **بىوك س**ے گرم گربیان این نبت غیرالی ہے *سیریجی شیرا*زی شکھرغر*ے ک*آپیا ہے مبرصفا **بان «عجب نیت کرگری** سهامپیرو په اورنون کی زیادتی افعال اوراسهامین شایع ہے جیسے زون سے زیزسمہ سے ہمگنان ، اسمرحاليه يُشتق شارختقات عربيه سے زائد ہے كيا ہنے کہ وہی میں کوئی خاص صورت نولے حالی کے بیٹے فعل ہے شت*ق کرنے کی ہنبر وضع کیگ*ئے ، <u>جیسے</u> فارسی مین الداور<u>ظ</u>رف کے لیئے نہین ونسع کی گئی مگرفارسی مین صیغہ سم حال کافعل ليةُ اكب خاص صورت معين ب جيسي اسم فاعل واسمُ فعول كيلة خاص خاص صورتین ازروے شتقاق معین مین وہ یہ ہے کدامر حاضہ پرالف و**نون زما**وہ کرمیسے جیسے انتان و نیزان و گریان اسیرخسرو شعر گرماین جگرے زمین کشا و ند ؛ وان کان نمک درونهادند<sup>\*</sup> آد انسك ايرادت شككم كورين ظور متواسب كدفائل يامفعول بإماتيعلق مهاكئ بهيأت ياكوني كيفيت بیان کرے جیے گریان جگرے زمین کشاوند دمین قبر کھودنے والون کی کیفیت بیان کرتے ہیں تھے۔فردوسیؓ افراسیاب کی گرفتاری ہوم کی زباتی بیان کرتے ہیّن شغر بکوه اند آ دروشش ازیان ؛ خروشان ونوحه کنان چون زنان ؛ لینی موم کهتا ہے کافواسیا کو پہاڑ پرلے گیااس حال مین کدوہ عورتون کی طرح رونا چنجتا جما، آورخود اسم فاعل ور اسم مفا بهى حال اقع مروات بن عبيه فروسي سلطان محروكي بهومين للمقة مين شعر بنالم مركاه يزوان باك ، فشاننده برسـ رياكنده خاك ، عوفى شعر آمرآنه نه تجوام شير آن ايُرناز

المارية المرابعة الم

بيان سم حالية

The State of the S

حاکیتهم خارکیبی اور استفول ترکیبی کی رسی پن

دو سربزناک عزی نالمین عدم رابط کا از ام بحب انبین ا

Salvania de la companya de la compan

ہ<mark>مینعے مطلقا کسی ترکیہ ہون حال <sup>وا</sup> فع ہوجاتے ہی</mark>ر ون کی ترک*یب* نظامی **شع**ر عقوب کمن ع ساه آ دم ؛ اور وسے برخاک عیز اسمراونطر**ن ک**ی ترکیب<u></u> بے این سعدی شعررونے برخاک عجزے نالمہ ﴿ برسحرگه که باوے آید ﴿ برخاك عِز آهم وس الم كي عير مرفوع متكلمت اومرده انكندس عال <sup>د</sup> اقع ہے بعجنو خقین نے روہے برخاک عجز کوجلہ قرار و کر بلبا گلسان ت برعدم ربط کا الزام لگا یا ہے سوئیض نے اعتما کی ہے کیامعنی کہ روے برخاکہ ودست بسركي طرح جوكنا چٹىم برراہ وگوش برآوازوگویڭ برراہ كى طرح جوكنا يهنتنظر ومتهرصدس هين صفت مشبه كميريك ت برل سعدی شعر آن س در سرگزرے چیشم برا و تونگا ہے ، کسی اُس ستاد کا شعرب شعرا ورفت و ولمربازنیا مدنبری*ن پ* من چیم برگوش کبرہ برا ترس ، معہداضہ میشکن کا ظرف مین موجود ہونا تحویول کے نزدیک م ہے ۔ یہ بھی تَن رکھو کہ صحت حالیت کے لیئے جو نکر کسی سم کا وال بریمیات ہونا کافی ہوجاتا مراباربس وأضح موكرحب جلهُ نبريه حال واقع فعليه بوخواه سمياس بن عائدورابط كاموناضرورى ب تاكداً سكوان ذوالحال سه مروط كرديس • وا ٔ وہوتا ہے کہ بی خیمیر فقط <sup>کہ</sup> بھی وا ٔ واد رغمیر سر دوج اینعا<u>یت</u> م<mark>حر</mark>فل رُمُردم دېرزندگانم رحمے آيد که تو څنون آن سِيا د يا داري که ااکرهٔ وبرزندگانم رحمے آید مردم کی ضمیر مرفوع سے عال ہے اس بن دا وادرضمیر دو رابط بین ل مبی مبنت ہے اور فردوسی خربیرز کی کوہ ہمابون برک کر بیجانے کے

ش**غر**شب تيرورا تاسپيده ومان پر بيايد بخويد بره برزمان پرېبان بخويفعل مضاح غائب سفي حال ہے اور ابط صرف ضمیرے بترا کا ہے اور دہمی فاعل مہمی ہے میرد ب**ظون** متقر عاقب ایا نیول محذوت يربهي حال ہے زبان ذوالوال كا اسكونيال متداخلذاورعال درحال كيتے من بـزمان ممعنی توقف ذوالحال بن جال سے مل كرمفعول برنجويد كالبخويد النائب فائل لابطا ورمفعول سے لكر عال ہوا ہا یہ کی خبہ بیغائب ستنہ کا ضبیہ نیائب مرفوع سنتر ذوالحال اپنے حال سے ل کرفالا ہوئی بيا پد کا آربيصرعه او لي شب تيره له تاسيبيده ومان منعول فييه. تآيا غائيه بستييده دم مضاف تشب نيرها البه. مرضّها ٺ مضاف البيهمجرور. حَبَارُومِجُ ورمنعلق بيايد + سَيّيده دمان مَين العبُ ونون مزيرٌنان حبيب باماد بامدادان <sub>ا</sub>مشب بهت بان مولوی معنو*ی مثنعر دیکه باد نمیستت خیز داشب*ان « تا بهب<sub>ن</sub>ی فسق شیخت اعیان؛ همیطرح العن نون بهشان مین مولومتی معنوی *رستعترای*ن جهان میت چون مهتا شده و وان جبان بستبس بنهان شده ولعني مزيد عليه سبيده وم ورااضا في اعد البيم شب بیا بید متیمی س لوکداًن ضمائرے جوجل عالمیہ یاصفات حالیہ میں ہوئے بین یا اُسکے کستعانت دوسراحال واقع بهوجإ ناسبته أسكوحال ورحال ياحال متداخله كبتة بين جييته اويرسبان بوااكيهمى ُ کی ذوالعال کے حینہ حال متساوی الرتبہ <sup>وا</sup>قع ہوتے ہین اُنکوحال مترادفہ باحال برحال کہتے مبین فردوسی درزم رستم و شکل مین لکهته مبین شعر بیک رخم صدنیزه کردی قلم و خروت ان جوشان جینسیرذرم « خروشان دجوشان کروی کی نسمیب **رمر**نوع سے متسادی الرتب حال بین او جمله اسميه جيب سعدمتي كاشعرب شعر به بدئختي و نيك بختي قلم په بگرديد و ما تهجنان وشكم و دېجينا وشِکم گردید کی ضمیر مرفوع ستترسے حال ہے ولہ بندا سان پیش قدرت مجل 4 تو مخلور خمار م منوزاً ب دگل ; ان دو نون مین فقط ایک داؤرا بط ہے کتبھی نبطر تاکید صیغه حال کو مکر بھی کہتے مین اسونت اول پیسے الف ونون حالیہ کاتھنیفا حذ*ف کرنا بھی حابئز ہے تا د*و**نو**ن <u>صین</u>ے م*لائمن*زلۂ ا کیے۔صیغہ کے ہوجا بین جیسے برس پرسان وکٹ کشان وفیندخندان مولوی معتوبی شعرین برسان میکت پین تابصدر و گفت گنجه یا فتم الم بصیره و لَمه فکر در سینه درآید نوبه نو پوخنر خداُن پین او توبازرد پرجنب جنبان فردوریخ شعیر زمین جنب جنبان شدوروز تاریز پس اندر فرازآمرو ہین غار ﴿ اور حال لینے ذوافعال سے مقدم نمی ہوتا ہے موخر بھی جیسے امثارُ بالاسے ہو<del>ر آئ</del>ے

عال متداخله

امشيان

حال مترادفة

بنظ تالميه ميد عاليها عز اروال من نخيطيا استمادرام کی گرز ت قدرادراندانه خور زونج

The state of the s

S. C.

تغطهان كالمحقيق

بعي اسمرا درامر كى تركيب لفظ واركبطرح قدرا درا ندازه كوبتلاتى بسينظائ **ث وتحدواکشرکی قبالاس** سے خارج نہون اسواسطے کہ سونااور جانا اور مرنا اسکے فاعلون میں امرحاد، نی کہ سونالبعد مبداری کے جانالبعد سکون کے مرنالبعد حیات کے بسے ، اسکے <u>صین</u>ے سو<sub>ا</sub> صوب<sup>ت</sup> اسم فاعل کے کئی طرح ستعمل ہیں۔ ایک توسطرے مربی میں فعیل جیسے اسم مفعول (شاہیں وجیح) <u>، م</u>شبه (شلاحیم وکریم وغیر<sup>و</sup>) کا وزن مبمی قرار و ماگیاسیمیهٔ اسیطرح فارسی مرخبخت ورامة ومروه وغيره كاوزن اسمفول اورصفت منبهين مسترك بصعدى شعر باطل ت آنكه دى گويد وخفته راخفته كے كند بهيار ﴿ وَلَهُ نَامِ نَيْكِ رَفْتِكَا إِضَالُعِ كُمَن ﴿ تَابِمَانُهُ نَا مُرْبَكِت بر قرار ﴿ انكی صورت ظاہری برنظر كرك انكواسم معنول كهدینا سے توہبى كى بات ہے ہو <sub>ا</sub>سطے ے شے کانام ہیے جس بر فاعل کافعل <sup>وا</sup>قع ہواب بیان خفتہ برکس کاخواب اور <u>ڈوگ</u>ا کی م**نتارواقع ہو ئی۔ تور**سراہ *سم حالیہ کی شکل مین جیسے رو*ان و درخشان و دمان وجہا<del>ن جیسے</del> ان ومهرو رختان وبیل ومان وبرق حبان اضافت کے ساتھ نامعنی بال کا شائبہ نز تآن بنزویک خرومند و که مائیل و مان میکار جوید و له مجفت احرال برت ت د فرورسی کاموس کے قتل کی دہستان میں لکھتے بین .رسم حَبان جان پہ گھے باغمرو دروگہشا و ت نیکی برمیم ﴿ جَانِ جِبانِ را مبذِ بسبرمیم ﴿ اسے روز کاریب شبات نایا مدارا۔ سرنیری سے تکلجانے والالعنی بے ثبات غیرفار کیونکڈ بیتن الفق سے بنام ایک شئے کا رکھ دیا اُسکے غت بربڑ ہا ئی جاتی ہے جیسے ور نا پاُمار کا جہان نام رکھا ہے وولت زوال پذیر کو ہمی جہان سے کنا یہ کرنے مین نظامی کا شعرے

هر جبان خوش بدان نعبت كارت برست + بزنجر وفلش كني باي بست في اور كميمي دو إسمون باتركىپ مىغى صفت مشبرك عال كرتے مېن جىپے سرو بالا وگلىغدار . نمير خات صاحب گل كشي كانتريح شعرسرو بالاصنيح آمده خوش بربسر بإ « ازسرصدق مگوئيم بهمه نام خدا « اس متعام پريه بات يا در يكينه کے قابل ہے کہ منی صفت کے فقطاس ہیأت خاص ترکیبی سے کہ شکام نے ووکلون کو ہنزلدا کی كلمه كة فرار دياسيه ببدامو تت بين اور درخيقت يه سردو استرابس من يسي نسلت ركهته مين كه أكران سے لحاظ افراد اُٹھا دیا جاومے نیالو ترکیب اضافی محفق ہوگی اور اِنسافت بھی عمالتنبیہ جبکو بہتی كهفي بن جيب خرشيد چرسروبالا يحقيني جيب عامه يارسا سعدى فرات بين شعر بركرا عامايها بینی 🕹 پارسا دان ونیکمردان کار 🕏 اور میمی به دونون ترمیمین مقلوب بھی ہوجاتے ہین اوّل يعنى قلبتشيسى جيابين بهرمبيع كاشعرب شعرمه منوجهر جرآرس ابرس بهر يجفظ فرحيدراح بشعاره نانى بيني قلب اضافت حقيقي جيسے جوربيشه سپاس اندلينه سعدمي فواتيين شعر نكند دور مينيه سلطاني وكدنيا يدزَّرُك بِدِياني وياتركتيب اتصافي متحق موكى جيب روساه اختِبَك زبان درآزسینصاف جامی شعرتوآب رحتی آن بدکه گاہ وکنی برحال لب خیکان نگاہے و اوراکٹراس ترکیب کا قلب بیست مل ہے جیسے سیا دروی نیک خوی مرغولہ موی تشندلب جیسے یح التنف ذلبانيم توني آب حيات ﴿ يُمَا يَا يَهُمُ خَلِث ومُطُونَ كَا عَلَا قَمْتُحَقَّى بِرُكُا لِيصَالَ وونون إسمون کے درمیان میں ترباوز کالنا پڑے جینے ازوا ووٹن اے کیکا ازوا برووٹ وار ورحمل اے کسیکہ ورول اورهمت فروستی شعر نخوابیم برگا ه ضحاک را به مرآن از د ما دوس ناپاک را به اب اُنهم مینیمها صفات كى تركيب اورو مسكً سيص خط كياني ب تا ناظرين نغزخيال ببندانديث بطف اندوز بن اوراس اختراع ناور کی داووین -

گوسرازین بیش زکانیکه زا و نا دره چندین ززبانیکه زا و اسر فرنٹ زیورمغنی تبین گرنشناسی بغرامت نشین

و موهندا سجن دو اسمون کی ترکیب اسنا دی سے معنی وصفی حاصل مور سعلتی مندالید کوموصوف بنانا جا بین اس مرکب کوین صفت مشبه ترکیبری کهتا مون اگن مین سند مقدم موتو اکثری اور موخر ذواقتی بچر مراکیب مین مندمندالید بلاتا ویل بنے توصغری جیسے اکثری مین باک نظر توائن سیچم

المجامع بي المجامع من المستمية المبيدي من المراس المول المؤانية المبارة المراس المول المؤانية المبارة المراس المول المؤانية المبارة المراس المول المؤانية المبارة الم

يان صفت مشبر تركزة الك كاورطرز تركزة A Constitution of the state of

**ء** بخٽ فعل

المرابعة المرابعة المرابعة المرابعة المرابعة المرابعة المرابعة المرابعة المرابعة المرابعة المرابعة المرابعة الم المرابعة الم

عقدت بنیاد نقدس فرس قدسی منس تشاده رو خیره میم نگارین مثال زرین بروبال شور بخت.

خالی میسد شک سرایه شکدل باک گوم بعنی انکه نظرا و باک ست و آمین او نوست و خیم او سیت این او از سیت این او از سیت این نظرا و باک ست و آمین او نوست و خیم او سیت این او از آسی تین انکه نظرا و باک ست و آمین او نوست و خیم او این از آسی او او این سرایا که دورت او دو به تران دار آسین او نوست سرایا که دورت او دو به تران دار آسین او نوست سرایا که دورت او دو به دندان مینی کاهت مان با به به به تو ت است و نوست است و نوست این که دورت او نوست سرایا که دورت او به دندان مینی کاهت او به نوست و نوست و نوست و نوست و نوست و نام او بانند با قوت ست الخرو و نوست و نوست و نوست و نوست او به نوست و 
بحثالفعل

جوکلہ کہ است معنی بتلا نے بین تنقل ہو عناج انضام کا بود تیجر نہ ہو یعنی وہ معنی سنقل بالمفہوست ہون اورائس سے تینون زبانون میں سے کسی ایک میں زبانے کا اقتران ہی مفہور ہونون کہ کہانا ہے اور شہور بیسے کہ زبانے تین بین باضی حال سنقبل باضی گزرے ہوئے زبانہ کہ کہانا ہے مستقبل آنے والے زبانہ کا نام ہے حال ان دونون زبانون کے درمیان کا وقت ۔ آئس سے پہلت سمجوین آگئی ہوگی کہ درختیقت زبانے وہین باضی ایستقبل آورعال ایک آن کا نام ہو اور بیان باضی ایستقبل آورعال ایک آن کا نام ہو اور بیان باضی اور بیان ماضی اور بیان کا نام ہوگی کہ درختیقت زبانے وہین باضی ایستقبل آورعال ایک آن کا نام ہو ایک تیت ہوئے ہوئی جو بی خال میں جو جو جو تھم میں یہ آن دائروسا ٹر ہوگی اس قسم کو بنسبت اقسام گزشتہ تہ وائندہ و حال کتے ہیں جیسے زبانہ کو صدیون برسون ہینون و فون اس قسم کو بنسبت اقسام گزشتہ تہ وائندہ و حال کتے ہیں جیسے زبانہ کو صدیون برسون ہینون و فون گھنٹوں منٹون وغیرہ میں وہ آن ہوگی وہ ہی حال کے نام سے شہورہ چا نبی ماہ مال حال میں معاورہ اور زبان زو ہے ۔ و آضح ہو کہ فعل ان تینون معنون کو استال ہے قرث یہ تی جسریا یہ جو مدلول ماڈہ فعل ہے ۔ آؤننبت جانب سے خارث یہ بربیات

فعل کی دلالت کرتی ہے لیکن ادہ اور ہیأت کے جری حدی معنون بردلانت کرنے سے عل حدور د سے خدارج ہو کرمر کیات میں وال منہیں ہوتا اسواسطے کہ یہ میات اجزا سے متر تب فی استکلم واسمے نہین ب صرف اوه کی تبعیت مین محوظ و مسوع موحاتی ہے اور مرکبے لیئے لحاظ تبعیت کفایت نہیں کر تا دَ اللّٰہ لَعَالَىٰ اعلىه بالصواب جيسے كروزيد يا عرو وكندزيد يا عموليني كرنا زيد يا عروكا زما نه ماضي اور حالي ستقبل بين لب ولالت فعل كي ان منيون معنون كي مجوعه مرد لالت مطالقي مو في اور آس مجوعه من نسبت فاعلى اكي اليهاجزوب كدوه غيستقل بالمغبوسيت ب اسواسط كدوه آلدا ورواسطة ارتباط فعل فاكل ب اور آلات وروابط مضر في غير متقل بالمفهويت مين اصطابر ب كيمجوعُه مركب مين السيح خروكي خلت أجهنى وني غيستقل جوائر مجبوعه مركب كوغيستقل نباديكي توفعا متقل بالمفهوميت نهين روسكتا بيفرخيل كالمكوم بدواقع موذا كال موجائيكا أسيوجب حضرت عابى قدس سروالعزيزن كافيه كي ليل حصر مأدل علم معنے فرنفسیہ میں ولالت کواعم بینی طلق رکھا ہے اوم طلق کا تحق کسی نیسی فرومین ہوا کر ہاہے تعربية سمين مطابقي كي اورتعربية فعل مريضمني كي ضمن مين تحقق سو گا كُرتيه بات سبحه مين منهن آتي کیامعنی کہ یہ امحقق وسلم ہے کہ تضمنی بغیر خمن مطالبتی کے نہین پائی جاتی تو تضمنی کے استقلال اور مطابقی کے عدم استقلال کا کیو کر حکمر لگا سکتے ہیں۔ آن البتہ اجال توضیل کا فرق کروینے سے بچواب بنجائيگی بینی معنی فعل کواگر نبط اجالی وکیعا واسے ایک گول مول شقل بالمغبومیت ہونگے اور اگر نبظ تغصيلي ملاحظه ہون عمل توبال کی کھال کینچ ڈالتی ہے توا سکے کل اجزانسبت صرث دغیرہ سب کو الگ الگ بكميركر ركعه كمي بحيه عني فعل كے متقل بالمفہوسیت نر بینیگے جنا نچرمیز را بدر متالد تعالیا شج مواقف امورعامه كيموقف ناني وجود وعدم كي بحث بين فراتي بين وهكذا يبنبغي الديفه معنى الفعل فادهمعنا دمعنى ابمالى ستقل بالمفهوم بي يجلله العقل الى الحدث والزمآن والنسبية الوالفياعل لمعين والتدتعاك اعلم بالصواب -

ا آفعال دوقسر کے ہوتے بین لازم اور شعدی لا آرم و فعل ہے کہ فاعل برتمام ہوجا ہے مخاج مغول ہو کا نہ ہو بینی اُس فعل کا فائل سے تجاوز کرکے مفعول بربر پونچا تقدیماً یا تحقیقاً کو ئی ضرور می نہ ہو بَس تعربیت لازم مین اعتبار عدم ضرورت سے اس امر کا افادہ ہے کہ اگر افعالِ لازم کہین مفعول بے ساتھ تعلق کی لین ہماری تعربیت کے مثانی نہوگا اور یہ بات عزتی فارسی اُدود

تونعس لاتون عتبار مرمنرورا کا س ده « فعلارم کا داکھ حن جار منعولت زبان جی میں رباق سی میں د رباق سی میں د

توبو<u>ن</u>چا*ن عد* توبونچان عد

بات طاقصد وقمنا ہتولو تین کالیم کے بیٹے بیجی کی بیٹری کے انگلی کارودوام وائٹرار اسکانی دیا اولی جاتی ہیں " میلیم کی بیٹری کے انگلی کی دودام وائٹرار اسکانی دیا سبین عام ہے جیت آرت و آئی ہے قبھاء تھے کہ المشاکون اور عنی تابیّہ کہ النبیّائے و کیلے بہان ضمیر جمع غائب بلاتو سطِ حرف جار خاصہ مفعول بہ آور شعر در ایغ آمدم زان ہم ہوستان تھی بہت رفتن سوے دوستان با داسطۂ تھی بہت رفتن سوے دوستان با داسطۂ رابط آمدا در فتن کے مفعول بہین اور آر دومین جیسے کہتے ہیں مجار خار آیا ۔ میر تھی کا شعر بیٹے حرک رابط آمدا در فتن کے مفعول بہین اور آر دومین جیسے کہتے ہیں مجار خارا یا ۔ میر تھی کا شعر بیٹے کہ فال سے تا تیز گھ پار نہ گزرا باکس جان کو بھرک کا بیغام آیا یہ متعمدی و و فعل ہے کہ فال سے تا و ذکر کے مفعول بر بہو نچنا تحقیقاً یا تقدیرا آسکونا گزیہ ہے تعیقاً جیسے ذرید عمور ا تعدیر اجسے نطاق کی مفتو رہیں رست تنہا را کا شعر ہے تا دور میں رست تنہا را دنبار د ہوا باران را - اب طریقۂ است تا ق ملاحظہ فروا ہے ہے۔

الماضی داد و منداخ کیساکو رکز دستی سیما

Signal State of the State of th

كوفصحاني ابني كلام ين مبت كم استعال كياجس سيعوام أنكومتروك الاستعال تصوركين

مانہین جیسے عوام کاخیال ہے ملکہ بطریق شذو ذمستعل ہوہمی جاتے ہین

عاضرفر دوسی ﷺ برشخ مین ستعجر مراکاش ہرگزیذ برور دیئے : چوبرور دہ لووی

ياز ويئے پر مولوسي سختائي شعر شا دُلشتي سر كه روميت ويديئے پر دينت ملک جہان ارزيد

وَكَهُ درنمازاتاه وبدبرروسے ریگ ﴿ ریگ زَفَعْنَ بحِشدآب دیگ ﴿ تَفْیعُ سرمت برسبزه وُلِ یاسواره بربراق دولدل ست+ اسے سیکنتی۔ اورصیغهٔ جمع شکام جیسے مولاناے روئم کے ہل ش می<sup>تنج</sup> منش**حه** پس زمت شها مگفتند لسے درینے و برزمین باران مدا دیمیٰ چوسنے و گته ربدیمی دران بهدا دجا و عدل وانصاف وعبادات ووفا ﴿ وَلا أَعْمَالُ الْعُلْمُ كِالدَّعْرَةِ الْبِ ـ خَإِننا حِاسِينِيَ كَالْرَكسي امرسو قع بر دلائل خارجيدس اليا تبوت بهربون جاس كه أسكه وتوع متوقعه مين سي نوع كاشك باقي ندرب تواليسة متوقع بلكمتيقن الوتوع كوبجا سيصيغه مضارع صيوز ماضي كے ساتھ مباين كرتے ہين سعدی شعر گزشت آنچه درناصوابی گزشت و درین نیزهم درنیابی گزشت و ای اگرایر که قی عرا يند بغلت سياري شل عمر كرست مد بكررون مولوي منتخوي في شعر بين شيخ آمدكات شيخ وشت ويقين دان كدمرائمستادكشت ، گربرامستاروم دست تهي + اومرا مكشّد اجازت ميدسي + اسلّقير جان كاُستاه مراكبشدالغ . فغاني كاشعرب تنعفر تولي كل بعدازين بابركه مي خوابد دلت بنبين له كهمن پون لالہ با داغ جفایت زین جمن رفتم ، و کے مع بایدوصبرے که آرو تاب دیدارش پوفغانی گردے وارى توباش اينجاكهن رفتم برلب مين فارسي مين ان دوكائل وناقص ماضيون كا اوران تيس تصریفون کا قانل ہون ۔تصریف تین بن ایسلیے کدی اور ہمی کواکی ہی ہمحتا ہون بس است و بودوشاً يدوبايد وتوانست وتواند وتوان كى تركىب سے ميىرسے نزو كيف مل مفرونهين رستا جمان فبا ب بهدان عمل خوابيراب واصيغے اننا ماضي قرىب ماضى بعبيدا ضي نشكى ماضى مع القدرت وغيره كے ساتھ ملقب كرنا برى مسامحت ہے اسكى كجيفصيل انشاء التدتعاليٰ بيان بتقبل كيضمن مرج ض ارفتگا اگرحه اس بین ایک بمبور قواعهٔ نگاره ا**ن کا** خلاف سب*ے گرخ*ر دخدا دا دیے نرویک جوا مختمّ ہو پیش کردیناانصاف ہے ۔ نیمری<sup>ی</sup>ل خلیہ ہون یافعل مفرد بہان ایک امر چرٹرے بڑے فا<sup>مس</sup>ل انشا پردازدن كا مزلته الا قدام بنا هواب واحب العرض بيع عرض كرتا هوان ذرا توجر كے سام الما خله فرائين ده بيه ب كه تواند أسى طبر بولا جانا ب كه جهان أسكا فاعل عبارت مين مُركزه جيبة قطعه بنده همان به كه زنقصيرخويش 4 عذر بدرگاه خداآ ورد 4 ورينه سزاوار خدا و ندليش<sup>ه</sup>

ن نتواندکه بح آورد \* اس مین لفظ کس فاعل نتواند کا مذکور ہے برخلاف توان کے کہ اوسکی

فاعل كاعدم ذكروا حبب عيسي شنته توان دربلاغت بسحبان رسسيد و مذه كنزيجون سحان رسيد و ت لسكيمفول كوء عال بالمصدر صورت مين مضى كي مواكر ناسب حذف كريت بين فرديسي مشعرکی آنکازنا، ارال کوان بسیزن ببت واین کے توان بلے کے توان کرد اس کے عمال کا عدم ذکر اس جم سے واحب ہے کہ یلفظ توان در اس صیغ جمع خائب توانند کا مخصف ہے او صیغها سے جمع خائب بجا عجبول متعل مواكرت مين جيب <sub>ا</sub>س شعر مين سعدي مي**ن عج**رج وارند كنج انسيا هي ورلغ 4 ورلغ آيت<sup>ل</sup> وست برون برتني بزييني بالهي سے خزانه دريني رکھا جا كالز ظهوري شعر خراز راز نبها فيٹر اونڈ سواه خطبیشانیش دادند **و له** گراکب پیرور وسورسازند + زخاک پاک بیجا پورسازند ب<sup>ه</sup> بینی مع كواسرارنهاني كى خبردى گئى ہے لغ أگرسوروسروركے ليئے اكسيربنائي حائے بيجا يوركى فاك سے بنائی جائے سعدی شعر مشو تاتوانی زرحت بری ، کدر مت برندت چورمت بری ، اس طح ت غاز حکایات مین اکثر ستعمل ہے جیسے بوستان مین ہے شعبر حکایت کننداز حفا گسترے و کفراند واست برکشورے و چنانچیوالی میں محیکی ان کے ساتھ حکایت ستروع کرتے ہیں میول ان ينى تام حكايت اويل مين مفركي موكنعل مجبول تحيكي كامفعول الميني فاعله بنجاتا ہے - يوآم کچھ فارسی کی خصوصیات سے نہین ہے اُرود مین بھی بہی بات ہے آغار حکایات میں جیسے *ﷺ بن ککسی شهریدن کوئی* باد نشاه تھا''بیان مبھی می**نول ک**دیعنی تمام حکایت تاویل میں من<del>ر ک</del>ے بوكرحكايت كنندا وركيته بين كاسفول المسيمتي فاعلب مترج شيثر فان صاحب سرو يططاني عاتمهٔ كتاب مين لكت بين نشر أور ذوالقرنيان جلقب بهوااسكي كني وجبين لكمي بين آور كمرب کہان فوال سے جیسے حکایت کنندسے حکایت کنندگان اور دارند گنج ازسیاہی در لیغے سے مریغ وارندگان مفهوم بوتاسے اُنکی جانب پرجمع کی ضمیر (جوفاعل اس فعل کیہے)، اِ جبع ہو۔ اور پہی تا ول صيغُه هو معلوم محذوف الفاعل مين كيجا تي ہے چنا خيد ميرائن د بلوڪي باغ وبهار كي آغازو آيا مین اسی ماویل کی مطالبت کی ہے جہان لکھا ہے "کہنے والے نے کہاہے کہ اسمے روم کے لک من لن مجية أفريه وادى معنوئ كے اس شعر ميت شعر زنده شداو چون بميبرا بديد وگوئيا أنه مرادراً فريد ﴿ عُرضُ ٱلْصِّينَةُ جمع عَائب تواسْدُ ما تَحْفِيفُ سالم مُذَكُّور مِوتُواسُكُ فَاعْلَ كو ذَكرك نااور ص دونون امرمتسادمي مين ورصورت حذف وبهى دوتا دمليين يالبشنرله محبول قرار دين يالس فط

يغه اسم فاعل كامفهوم مهوّا سبع اسكى عانب ضميه جمع كوراجع كردين الوراكر صيغة بن تخفيف

توان کہاجا تا ہے تو عدم ذکر فاعل کا بنزلہ شرط کے ہوکر دا حب ہوجا باہے تا تخفیف لفظ ب*ف معنے پر وال ہوجاہے اب توان کے ساتھ* فاعل کا *وکرکر ناخطا ہوگا و*الله تعالیٰ شانه ۲عام <del>ما</del> اسكي نظير نفط خواهى اورائسكامخفف خواه عنا ويهب جنائجه سيان حروث عنادين عرض كرونكاان والعد تعالى الحال فرق تواند وتوان مين علوم هوگيا كه وكر فاعل تواندمين و جب اور عدم وكر فاعل توان مين مشروط سے لپر محقق صاحب طبع رسائكتہ سنجی دقیقہ رسی مین مصفط پر مکتا ۔ آستا دفن آمام تحن حضرت صهبائى رحمة المدعليه نے اپنے رسالة تحقيقات غوم ض سخن مين جوفوايا ہے ' توان درمحل تواند نیز رنظیری گویدے نگارے تندغودارم قمرمیک فلک شیوه ﴿ بَهْرُس بِدِکنه غاطرنباتْ روب بِبِوق مزاج ارکی دارد که بهرایج مے ریخد ، چومے ریخد کسے نتوان لصدحان کر و خوشنو دی ، غلط نسخه پر اعتمادکرلیا الحق غلط نویس کاتبون کے تصرفات بیجا ایسے ہی دھو کے مین ڈوالدیتے ہیں ور نہیا چى**نىعىر**مزاج نازكے دارد كەبهربىچ ھے رىنچە 4 يورىخپىدازگسے نتوان بصدحان كەدن<mark>ىئ</mark>وو خهُ مطبوعه بعنى يونَ بهى ب يس توان كاتوانه كي حكَّه استعال ثابت نبه موا وَاللهُ تُقَالَى أعَسُهُ عَيْر يغهٔ غانب سے گسترد پاکسنر دی صیغهٔ حاضر سے آباد ماآباد م صیغهٔ شکام سے سعد سخ عربگفتاس مگے ناچنہ بودم ﴿ ولیکن مدتے باگانِتْ ناه ایران چهریفر دیا **و که ز**سرنیکوئی مهروربودیا و چنان کزد *لهزنگر* زنا مرومی خویش ترسیدیا به زهان دروانم تو بسرمدیا ۴ و لهن از بادشاهیات آباد آه بزر کالی خذه نیادماً ا کمپ بیتان سے دودودہ بینے دالے بچون کو آئسیین مضاع کہتے ہین تومنا سبت ظاہرہے کہ حال وہ ہتایا ب صیغه کے ساتھ حبکامضا بے نام ہے وابستہ ہن توصیغ مضارع کو حالى وستقبالي مهرو ومعنو تكع وضع مين شترك ماننا برنسبت أكب كوهقيقت ووسرى كويجا زكيني

کے اولی واصوب ہوگا بلکمتنی امرکے لئے بھی صیغیر صاح کامشترکے، اسواسطے کہ امرجاہے

باحاضر پامتککمرائس مین بهی برتا ہے کہ آمرکوانیے حکم کرنے کے بعد ہاموںسے ایقاع فعل بفرودتازین برابرش نهند **وله** فسول نامهٔ ژندرا ترکمن نده وگر نه بزندان دفت کرمنند عاضر جيد فروسي پيان كے قتل كى دہستان مين لكيتے ہيں شعر گزرشان دہي تا بتوران شوند و برایشان نسازی بکینهٔ گزنده اسے ایشان را راه بده نا تبوران روندانهٔ بیمراً کر کاف اور تا مصدری اُن برآنا ہے توان صیغون کومصدر بناکر تا ویل مین مفرد کے کر دیتا ہے کیکن صیغہ وا عرض مین علاست حاضریا سے تحانی کا حذف کرنا تحفیفاکٹرت استعمال کے اقتضا سے ہے جنگھنا وا من الشر ترخيم كاقاعده جارى ب كيامني كدندا اورخاطب كى كثرت ساحتياج بثرتى ب مبست كى احتياج اس كثرت كوبيوني أس بي تخفيف آسا فى اوسهوات كاموحب ب وآورسى صدفه مرحم كافى ہوکتی ہے توہروان ظمر توخن ناقانی و کاشعر ہے ستعمردانی حیرکن بناخوش وخوش کم کن آرزو پسیمرغ ونن زناکس دکس کم کن شیان ۱۰ سے دانی چرکنی الح فرور <u>سی ہ</u> شعیر میان دوس ٺيد په بدوگفټ پورسياوس تونئ په خرومندو بيداروخامن تونی په اَرْجِنگ کئ زىبين سسپاه په برو دورېگزىن كى جائىكاه چەكزا يران وتوران ىدىبىنندىس چەنخوا بىندىاران فرمايرىڭ چنین دا د پاینخ بدوشهرلیر به کداسے شیرورندهٔ کازبار به زمپیش پدرجون بیاراتی به زنشکونبردِمرانویتی مراغواستی کس نبودی روا به که بیشت فرشا دسے ناسنرا به کنون آرزوکن کیے رزمگاہ به که باث برورازمیان سپاو ؛ اے اکنون آرزوہ کئی الز گراشتراک زمانی دوہی میں مہیگا <sub>اسو س</sub>طے كەامرىجى زمانەسى قباركوشىنى بىسە دالله تعالى اغلىرىلىق واب صىغدامرى طبىن ترخيركا اس درجه رواج موگیا که ظام نظراسی کوهل اور کامل صیفهٔ تصور کرتی ہے آورجب منی امرین صيغه مضارع كالسقدراشتراك متحقق بوكيا بلاتكلف مين كهرسكتا هوان كدالف والعادعائيه حييني ا بھی امروہنی کے صینے ہیں چنا بخہ اکھی نغی کے لئے بھی میم لائی جاتی ہے تسواسطے کر مزید ومرخم پسردوخلات صل شف توان دونون کی تفی بر بخلات او صیغون کے میم لاتے ہیں درنہ ین کلمهٔ نفی نون سے بینی صل صیغه دہی ہے جس مین نه زیاد تی ہورنہ کمی کس به مزید و مرتبط

رواحدها خرین علامت خار بسر محمانی سک حذف کی دجہ

وتب سوم.

تائیدان دعوه کی اسالندہ کے کلام سے خ

تحی نمی کے لیئے میم ایک ایساحرت قرار با یا کہ وہ اصلی حرف نعنی ہنین ہوا ہوا آ ائرافعال يرفون نافيدلايا حاناب كتامعني كمرح لاترخیم وزیادت رسبگا اُس برنفی کے لیئے نون سی لایا جائیکا جیسے سعد تی کا عثو*ق ہزار دوست راول ندہی ہ*واسے ول مرہ ۔ نظامیؓ فرماتے ہیں متن**عر** جنان ہوکہ بااو مدارا کمنید ہ بیائیدوعذراً شکاراکنیده نبایدکدآن آتش آیرتباب و کهننشیندانگدبدیاے آب واسے مباواکہ طرح حب الفي منفى كے بيج مين فاصله واقع بوجيے فروسي كاشوب شعر تونون سرشهر وال مرنه و ندازگاه درغارب بن گریز ، اس مگریز ، آبانیا چابیئے کومینها سے نہی مرخم مزید پرجو درحقیقت المنفى بين بخلاف اوشفى صيغول كي ميماس لية لاحق كرت بين كهنبي مجنى طلب ترك اكت قل صيغه یعنی ایک امروعودی مجھاگیا ہے اور لوجہ طلب اور ترک واثبات بین- البته پیت بواقع مو کا که نون اور ان است محترمیب سے ساتھ زتی میں میم سے آتے ہین وانكوب إيديم كاسركز عال بونهين سكتا اور تزكيب عنى نبى يعنى طلب ترك ہے ۔ تُوعَرض کرتا ہون چونکہ فعل من حدث کا اعتبار کیا گیا ہے بینی خون عُن عَمَن . هنی حدثی ہیے اور صدوث کوسبوق عدم لازم اور کل افعال مکنات کے مسبوق بالعدم ہیں کیر در صور اجتماع وحود وعدم لعنى اثبات ونفى عدم كو دحود مريبشيقدمي ك نغى كوانبات بيرمقدم وبالانشين مونالازم مواكدوه نتيحه تركيب كاسبته بمغهزا يفعل باعتبارتيقت سے عین میم نگیا چنائ حب فعل برِلون نفی اور بائے رائز جمع پر حاتے مین تو آنہیں متذکرہ بالاوج ہے نون کو با پر مقدم کرتے بین جلال اسی**شعر**از طاقت من ر خش بیجانه بهرسی و شاید که کمویم بتوهدانه بهرسی و نظامی ستحر میان دور کار ننست شاه و درین و دران کردنیکونگاو + ندبشٰاخت از یکدگر بازشان + ندیے برده بربردهٔ رازت ن +

مولوی معنوی شخصً وقت فلدن خواب ایپطلق را ۴ تا نه بریارد کسے زو دلق را ۴ تصاحب فرہنگا شیدی تقدیم با برنون کے فائل بین اس لیل سے اُسکا ثبوت دیتے بین چراکہ بااز حروث زیارہ وروف زائدورسيان كلم معقول نباشد؛ تسامح اس قول كاظامرب جنانچه صاحب جوامرالحروف اسكوروكياب تبرتحقيق ببي ب كدنون ب پرمقدم كيا حاب اسيك كه بااگرچ حرف زا مُرب ںکین وہ اپنے فعل مرخول کے مثبت ہونے ہر دلیل بنے اور ورو دلفی کا اسپرامک عارضی امزیج چونکه نفی اوراشبات مین تناقض ہے اوراجتماع نقیضین محال ہے اگر حییهان جماع متناقضین بنتی ت *۔ واسطے کہ* انبات ونفی ہیا*ن جمع نہین بڑے بلکہ آ*لات دا دوات انبات ونغی کے اجماع سے مرف صورت جماع فقیضین کی سی موگئی ہے توجی اسکا استعال بہت کم را بہانتک کہ خاص خاص سی لوگ ان استعالات پر واقعت مین مینی ادا قرانیات و نعنی مینی با و نون ایک فعل پر مهت كمجمع كيئے جاتے مبین گرجب كبھى جمع ہوتے ہين وہ باجو آلدُ اثبات فعل ہے اُس فعل معرور اُلْعُ کا کا گِزُنبا دیاجاتاہے اب انصال نمل کے ساتھ اُسکو وا حبب ہوجا تاہے۔ آور کا لیز د بننے ہمائی بلے مثبتہ کوا داۃ نفی پرترجیح کی وجہیبی ہے کہ فعل معروض النفی قبل ان دونون نفی واثباتی حالتے ا بنے درجۂ اطلاق میں زمادہ ترمناسبت اثبات سے رکھتا ہے کیونکہ مٹبت فرد کا مل ہے ملامثبت اسم طلق کے پیرا بیمین استعال پا ایسے اور فرد کامل علامت و حیا شناس سے بھے نیاز ہواگر تا لینی علامت دحداشناس کا اُسپرلانا ضروری اور واجب نہین مواکرتا نان فروناقص کے لیئے علامت دممینر ضرورہے جنا نچہ اصول جبریہ کو ملاحظہ فروایئے کہ انتبات و نفی یعنی جمع و تفزیق کے لیئے بہان علامتین مقربین ایک سیدھے پڑے ہوئے خطا کا ایک سیدھے کھڑے ہوئے خطاسے تقاطع جسسے عارقائمے پیدا ہوجائین جیسے ٹیکل + اثبات لینی جمع کے لئے اور صرف ایک بڑا ہواسد صاخط جیے ۔ نفی بینی تفریق کے لیئے موضوع ہے بااین بمہ اُگر کو فی م حروف فبترسي آغازكيا حاناب أسپرعلامت انبات بنين لائي عاتى حروف معدو دهرف أَسْكَ اطلاق برحيور ديئه مبات بين جيب ب سر بخلا ب نفي كدار كوني سُليرون منفیدسے شرمع کیا جاباہے علامت نفی کا اُسپرالنا ضرور اور واجب ہوجابا ہے جیبے ب + مع آربهي حال واحداور جمع كاب يعني واحدكو فرد كامل اورجم كو فرو ناقص سمجنا جابي سيو

رَيْنِي الْرِيْنِي الْرِيْنِي الْرِيْنِي الْرِيْنِي الْرِيْنِي الْرِيْنِي الْرِيْنِي الْرِيْنِي الْرِيْنِي الْ الْمُرْنِي الْرِيْنِي الْرِيْنِي الْرِيْنِي الْرِيْنِي الْرِيْنِي الْرِيْنِي الْرِيْنِي الْرِيْنِي الْرِيْنِي

داصرک ذوکال احتیج کے ذوبھی ہونے پر جول بجرید سے آشندا طلق صيغه واحديروال مهوج آلب احدجم محمليك طامت ندوغيره كي خرورت ير

داهد کم فردکال بوید نیزید در سرسری ویتان

مين الميني المينية الم المينية 
سے بھی منہوم ہوتاہے کہ وہ الس مرکثرت ہے درسے کثرت و خلی اورا فزایش سے کثرت خارجی مبدا ہوتی ہے ۔غرض فرد کال علا از ہواکر تاہے توفعل مثبت کوفعل مطل*ق کے سا*تھ زیادہ ترمنا نے کا ہوطرے کا انتحقاق ہے - آورام وہ درحقیقت نون نفی اور باسے اثبات زائدہ ہے) بھرامک باسے زائدہ يطحكروه بيم نبى اكيب حرف حداكانه اورينهى اكيصيغه ستقلم مجمأ أكياب نه اس خطراجالی نے اُسپراِے زائدہ کالا ناجائز کردیا زخی کا شوہے نیشعترا مین م توداری د تودانی ، آئین مه و مهرنگهدار و مجگذار ، نوتی یزدی شعر بیازا بدانرک سالوس کن ، بْرِیخیرِجوں کن د درگذه کمن آشنائی من د مفوش زمدریائی مَن د گراسننعال اس بیم کا پینی لفظ نه لابا حا*ئیگا محقق دانابهار فرزانه نے درصورت ف*صل بھی میم ہی کوتجویز فر ب بالسخفي جمظر حكت وستم كلب رِحِورِ توسنْدوینِ ن ودیشی*ین و که تورش*  ناصفسروشعر برراه امام خود یمی نازد و اورامشناس دسمه امش را و خاقانی مسلمی دومه دستارین « میبرسے نزومکِ شَاكُةُ اعْلَمُ بِالصَّوَابِ فَعَلُو لَ بِرِيحابِ نُونِ نافيهِ العنبِ كَيماتِهُ نا بَهِي ٱلسِينَظارُ شهٔ زلومستان شاهی د آوریه مات مجمو ضائ غیردعائیہ میں العب کومحض ذائد بھی ہے آتے ہیں جیسے لفظ باد نظامی کے

نشعرمتاع گرانماید کاسدمبا د 🛊 وگر نا دحزعیب حاسدمباد یز آوریه دعائیه صینخ بجی ادصیغول کمطرح ما تحرکردا نے جائے بین غائب جیسے عرفی کا شعرب شعر زوور ہ او گیوبار اتسا تاحشر , كه دورشمت این نت دوه رآن آمد ؛ نظامی رمنتنجنشست توبرگاه فرخنده ماد وسران هها بین توبنده باو به ادرصاصر <u>میس</u>ے نظامی ریز شخصر جزین نیز بینیم تراشش خصال به که مآجی برومندازدهاه و <mark>سال ث</mark> فرئيشي ديشعه پينوا ہي كہ تاج توماند سجاھ ، سبآدى خ تاستدو پاك راسے ، اور تسكام جيسے مسال عجم خلاق معانی خاقائی یوننت بین فریاتے مین شعیر بینآم لباس کاروبارت ، مُعلَمُ بطراز جاریارت، رایات تراخل سبّینام ۴ ایات ترابدل سبنام ۶ کبھی یر ایسے خطاب بضرورت وزف کیجاتی ہے نظائ مؤوّنا من من فرات مين منتحريم حاكم باشي تنومند باو ، سيند ب براتش فكن بامداد ، اور كبهى العن دُعائيه حذف كياحانا سي مرف مضام لغيرزيا وني العن بعني وعاستعمل سي حرفي كاشتري تعمر پیکیضهم تراناک بروسه پنشیب ، و شن حاو ترا دار کمندر سرفیراز ، کبهمی اس لفظابا و مین جو مخفف بواوب العف وعائبير كے حذف سے تخفیف در تخفیف كيجاتى ہے۔ فردوسي شنع بريده ربانت بشمنيربد والمست وفت تراتش ميربده اس زبان توشمنير برئيده باد وله بروگفت شام انوىنىدى بى ترابرزىين فرۇ ايزدى بەلۇڭ بىردگفت گودرزانوىنىدىنى بەزدىدارتودورىيىم بىرى گرفعها ہے سناخوین نے بالتباس قبیح استعال نہیں کیا - آورکہبی دال اخیرکو حذب کرویتے بیلن مردندی شعر که خرم بوامین و مان تو ۴ بگیتی براگنده فرمان تو « است خرم بوا د مولومی معنوی ش عالم اینست در فقروعنا د بیج مهانے مبامغرور ما د است مبادر آورکھی کی مرروت وقتِ قیاقرین صغهٔ دعامیه کال حذف کیاجا تا ہے جیسے شم بدوور نظامی شعر نشستہ جہا نجو سے بالبخودان ما اذان دائره دورحثيم بدان به است دورباد - وله سرسنرش ازشاوی افراخته به منص موليش انت ك افراضة بادا نداخته باد و آضع بهوكه باد بوا و كالمخنف ب جنائي كمبمى بغير حذف حرف المالي تتعل موجاً اسب فروسی مشعردی دا در مزمت جسته لواد و در سربدی برتولسته بواد و اگریجنیت مین تفط باد بواد كانحفف سب اور بواد بودكا مريد عليه مر مطع نظران تحتيقات سي جمطح لفظ كرشت وغيره اداة مستثناه غيره بناليك كيكم بين يلقظ مادبهي ادات وعاوكلمه دعابنالياكيا بصور فظا بت كه باعتبا تخييل لفظى إس كفظ بادين وال خيرعلامت مضارع واحدغانب كى ہے بھرائس ب

A CONTRACTOR OF THE PARTY OF TH

ے مانٹرے الحال سے بادی کہنا کسطرح جائز ہوتا <del>جینے مارب کو قطع نظر ترک</del> إربها باربيجمع وتنكير بنالى ب جيمنا دابين كزرجكا ہے کہ مبنی ال بیٹی ہو تاہیے اور بینی مبنی مشقبل ہوئی تعل ہوتا ہے اور بیری عبنی ا**مر مجمی عل بہوت**ا علاميم متقبل ٻين فارسي من مي وسي تخصيص معني حال کي علائت سمجمني حياسيئية آور جميل ساتا خيال مين نهين كيت ان علامتول كومض زائد بي تقيين -كتبي سياق وسباق بركفايت كيت مین مصائب صفهانی کاشعر سینتیعمر در آفتاب قیاست نمی شوی سیراب و زنشگی نشود تا ول<sup>ق</sup>و آب اينجا ويهان ي عض زائدب ورنه خل معنى بهو كاكسواسط كمقيامت متقبله ب أوراس علا اوفعل مین فصل بھی جائز سبے سعدی مشعر خور و پویش و بخشاسے وراحت رسان بانگری چداری زبركان وعلى الدين كاشوب شعر عطعندرني مفليها دا و مولوی معنوی شنعرمومنان آئینهٔ بهدیگراند په این خبری از پیمیرآورند په کسی آم شعرگونی که جنان کودک می سرجهان بهنید ۴ همرچابک و بهم زیرک هم نیکووسم بخزد ۴ آکثر بید قاعدہ ہے حب اس فعل کی نفی کیا تی ہے حرف نفی اس لفظ می پرجوعلام لاحتى كرتيبين مگرميض فت اسكے خلاف حرف نفی خود فعل برلاحتی كرتے بين اس علامت ك اده چپۈر دىيتے بين سعدى شنعترمها زورسندى كمن بركهان + كەربىك منطام غاندها<sup>ن</sup>

ت مضاع میں صیغهٔ مضی کی طرح معنی دوام واستمرار پیداکر تی ہے حلال سیر کا بے ش**حر** توربر قرریت گی د است ، بعدازین گاه گاه می شکنند ، یهان استمرار استقبالیت مین <del>ب</del> بقرینه لفظ بعدا ورترجه اسکا توثتا رسیگا - مگریجزی کے سین وسوف کی طرح لفظ خوار کو علامت ہتھیا كہنے بين محكويراً آمال ہے اسواسطے كەشلاً انستراكِ كى دجەسے جب صبحة مضارع معنى حالى اور بالى من بهم غير تعدي المعنى را توجيد تعين مال مع اليدمي ما بهي صيغة مضارع برلاحق ابہام زمانی نہین ہے حبر کو میخامدہ فع کرے نیس بیجا فعلیہ ہے اسکی ترکیب خواستن کے

ارع خوابداوراكي حال بالمصدرس وقوع بين آئي ہے اور يدحا

مغول بهب ادرتهی حال توان ا در تواند کی ترکسب کا ہے جنائیہ اسکے جزو ان کی کے صدرتیت ان اشعارے بانصر بح واضح ہے سعدی شعرو وخواہند بود ن مشرفرلی ﴿ ندائم كدامان مندم طريق وخين شعر كرهندلس خامهات ترك نواكو بدخين وكلشن بمرغال لمجمن میت الزن دا برت دن و توان اور تواند جیسے سعدی م کاشعر ہے شعر ندمرجا مرکب توالّ تاختن وكه جاناسبر بإيدآنداختن وحزين شعرتو ببخبراز قصورى ادراك غودي وموجود نهان نني توآند بودن ؛ واضح موكد توانداد رخوا بداوراً مجكي مفاعبل كا (جوحال بالمصدوصوت انسی مین ہے) فاعل علے سیل التنا نرع ایک ہی ہے جیسے زید تواندکر دمین توانا فی ریکھنے مالا ادركرنے والازيدہى ب اسيطح خالدخوا برگفت من خواسنده لينى ارا و مكر نے والا اور كہنے والا فالداى ب أوراسي دوبست كدانكاجزوناني مصل بالمصدرب ضمائر متصليم فوعرج فاحتمل بین ای خوادر ضارع برلگائے ماتے مین مصد اِضی صورت بر نہین لگاسے حاتے جیسے خوام کرو غهبندكره بخوابى كرو يخوابهم كرو فتواسيم كرو واسبطرح بايدوشا يدواست وبودو باشدكوس أسجح الم وخرسے اضی ویب وابدیدوشکی وغیرو الم رکھے ہین کسواسطے کدوہ اصل مفہوم اس مرکب کا ہے۔ تشایداں ترکیب کے ستقبل کے نام سے مشہورہ نے کی یہ معبہ موکداہل زبان نے متدی کوجب اس لفظ شترک کنڈ کے مثلاً دونول عنی حبیسے حبیسے سمجہا سے نوبون تشریح کی گاین صيغه دومنى دارو يك منى حالست ومنى وكراستقبال كدآن دابعبارت خوا مركون تبهيروان نمود" پ یہ منا دُننل ہوتے ہوتے مسامت سے عین صیغہ ستعبل بن گیا جنا **بُرِحضرت نظامیؒ** نے معنی ستغبال کواس نوع کی عبارت مین اوا فرایا ہے مشعر شب شب قدر وقت وقتِ وعامت یانت خواہی ہرائی خواہی خواست ؛ اسے بیابی ہرج طلبی - ہاری استحقیق براگر کوئی سنب کے کے میغہ مضامع کے معنی ستقبالی کی تعہیمین خواہد کو جوخو دمضاع خواستن کا ہوئے آنا تلزم دورب بمعتفيهم اسكان سے وورب كيامينى كداس خوام كى استقباليت خودمبهم مرئی اوران سے معنی ہستقبالی کی تعیین کے سلئے ایک دوسسے افرخانج کی متاج تواور نکی استنباليت كي نعيبن اس قسر ك لفظ سے كب مكن سے بنول مصرعد اوغوثيتن كم ست كارببهى كنده بيتن عض كراً بون كه مهموبيان مل آتى مطلوب سي توخوامه كا اشتراكب

الشكاجواب

بود وباشد وشاید دوباید آن و توسرا ختیار استفال زانی کی دخوا به کوان سک جاچه ایک نیم باکندم بلا مندر نبین سے کیا تعلق ہے ۔ ( زائی جو ماتیا ہے۔

خَ<sup>٥٩٥</sup> وَيُ رينع ن منطبي ن منطبي

واببلم بهارى تفنيم بين حرج انداز نهوكا كسواسيط كدخوا بدخوس شتق ہے اورارا دہ خواہی استفیالی ہوخواہی عالی وہ فعل ارادی جوا کیے بعد مذکور پگا ائیکا و قوع بعدائس ارادہ ہی کے بوگا تھراگر پیٹ، بیدا ہوکہ انسی وحال مستقبل زیانے کے کرشے اور حصے بن اورکیا ضرور ہے کہ ارا وہ کافعل بر بڑنقہ مہت وہ زمانی ہی ہو تو عرض كرتا مون كه تقدم ارا وه كي تعميم جوذاني اورزه ني كوشامل ہے اس تفهيم كے كچر مضرفهين عنی کہ اہل عوف ذاتی اورزمانی کے دقیقون سے غافل ہین اسوقت یہ شعر سعدی کا بلاطف ىت بوجا ئا سى تتعرخلات بىيىركىيەر گزىد ئەكە بىرگزىمنىزل نخوا بەرسىيەپىنى الم مے خلاف راہ اس خص نے اختیار کی جرکہمی منزل مقصور کو پینا تنهين حإبهام عبذا ماضي وحال مستقبل ازقسهم فأدبين كه نوع كلمدسية بين اورية لهت ولود وتواند وخواست وخوابد وغيره كى تركيب سيحبل فعليه سنت مین جونوع کلام سے مین اسواسطے کہ جو کلمات کہ حلامت قرار دیے گئے مین وہ خوذ معل مین اگروه لازم مبن تولعبدا ننگے صورت ماضی مین جوعاصل بالمصدر مذکور مو گا دہ انکافاعل ہو گاجیسے بإىيت كروربا بيكرو وشاييت كردوشا پدكرد \_ اگر شعدى مين توا بحاسفعول به بهو كاجيسة تو نهت كرد وتواندكرد وخواست كرد وخام كرد يجزئكه بيكرو شلابلانا ولي حاصل بالمصدر سب اس ركاف مصدرينهن لاتے مُرحَب بييخوار مضارع برآنا بيے اور ضابع بنير اول معدر نہيستال ہوا توأسير كان مصدية لانا صور بيرتاب سعدى يركاشعرب شعر ح بنوا بركه ويران كندعالي نهد ملك در پنچبهٔ ظالمے بدیعنی آگر خدا وزجل وعلاعالم را ویران کرون خوابد ملک را در پنجهٔ ظالم مینهد بہان می کند اوہل مین مفردیعنی مصدر کے ہو کرخوا ہر کامفعول بہدیے پس جیسے اس صلاع کندیر خوابرك أفي مصتقل فعل ستقبل نهبن كها حالا اسيطرح تركيب غيرضاع كوبهي سحبنا عاسي والترتعالى اعلم بإبصواب أتسيطح است وبود وبإشد كسواسط كدانعال ناقصه مبن او إفعال قبصه اسم دخبر كوط بنة بن توابك انداكك بضمير شترست ووائكا اسم اورو د كليجوا يح قبل مُكرب وه الخي خرجيسے كرده است وكروه بود وكر دوباش بخلاف مي اوري كدييصرت ناتام يا د وام ياحال کی علامنین مین اپنی <sub>ا</sub>ستقلالی اور افراد می حالت مین آن.

توائحی ترکیب سے نعل مفرد کا مفروہی رہریگا کلمہ سے نیکلر نوع کلام مین واخل نہوگا ۔ کمبتی اس ترکیب مینصل واقع سوتا ہے سعدی ۾ کاشعر سبے شعر دران ساعت که خوا ہنداين وآن مرو ﴿ نخوا بهنداز جهان بیش از کفن برو ۹ ـ کښی په ترکیب محکوس بوما تی ہے نظامی «م**شع**ز ما که که بر<u>ص</u>و خامدترا به کدای دده خردخوا مدترا به وله درین باغ رنگین چوکبک ومدرو به نگل دیمین مانزوا بزیم انديبي تركيب مفيدين متقبل خواست كے ساتد ہمي آتى ہے جيسے فرودسى ۾ فرماتے مين ع برل سوزگی جان مہی رفت خواست +اسے خواست رفت بیں جیسے خواست کوعلامت متقبل اور خواست رفت كواكي صيغهنهن كيت خوابركوبمي اليابي سجنا جاسيني والدتعالى اعلم صيغتم ضاع عازا کسی کنتہ کے لئے بجا سے صیغهٔ اصنی شعل مہوّا ہے مشلا شکام کوجب حکایت حال ماضى مطلوب بهويا فاعل كےغلبہ و قدرت كا اظهار توصيغه مضارع مثبت مين حال مضى ببان کیا جاتا ہے لینی اس امرکا اُطہار ہے کہ فاعل مفتدر نے اسطرح کا کام پہلے توکیا ہی ہے ار آبنده بھی کرسکتا ہے سعدی ہ شعر گلتان کند آتشے برخلیل پر گرو ہے ہاتش برو زاب نيل ، چناند يرسب قص مرجكي مين - اگراس مضمون كا انكار منظور موصيغة مضايخ في مین اواکیا جا تاہے لینے بیرطلب ہے کہ یہ امر زم کہمی کسی سے زمانہ اضی مین موانداب نه آینده کبهی هوسکے سعدی پر مشتحرکس نه مبیند که تشنگان حجاز ۴ برلب آب مشورگرداتیند خِنانچهاس مکته کی تصریح سعدی در کے اس شعرسے واضح بے شعر درا قبال ائید بو برسعد ، لەمادر نزايد حنوفبل وىعد « ليعنے جان او نزاد كى حگە نزايستعلىب لفظ قبل وىعد كا اُسى <del>كىتى</del> اظهارادر تاكيدك ليئے ہے ۔ واضح موكم صناع بريا رجبول كبيري من كلام سے بلئے محض زائداتا ھی شرکھی ہتمار کبھی تمنا کے لیئے جسطرح اضی مین فردوسی ج کاشعر ہے تلع<del> سے '''</del> کہ کو ٹی ہمی آنچنان ابیے ہا اگر نبیستی مہر نفزائے ہولہ اگر نبوقے پند آموز کار ہر آور دمے من زجانت دار: و له حبا ندارگردادگر باشدے ؛ زفرمان ادکے گزر باشدےول اگ برئ منم ، تن وناه او زیر باسے افکنم ، مولوی معنوی «مشعر گرنیندی واقعا امركن + درجهان روكت ويوى اين عن به واني من كسي ابل زبان كا شعرب شعروز كل بودكم عشق تولب آيرك ويآن ولت بهرن مكرايد و أوجيك ماضى من الف زائد لأيا

اده این کار بادر بی این از این استفادی مین ای هجرک اندا داختها این از این میزار ملی این از می از این میزار کار میزار این میزار کار این میزار کار میزار کار میزار کار میزار کار

> منتی طرح مضاً من مبی العث زائد لایاجا بات

سك مُواحَمُ بِعِرْنُده ام ياميانئ ست كددينعامك ل تنويش كوين د »

عا آ ہے جیے گفتامضاع میں بھی لاتے ہیں فروسی ﴿ كاشعرب شعب اُتَعَالَ كَالِرو مِن مِ پېښا د تن رندم جويم نفرسا پدا و و له پرېزادهٔ يا سياوخشيا و که دل رامېمرت جمي خِٺ وله من اكنون زبرسوفراوان سوار ، فرسستم بمه درخور كارزار ، زبیرن گراگهی یا با بدین ہشیاربہتا با ، اور ایبطیع صبغهٔ آمربہمی الف زائد ہے آ. خرومندشاہی ومن کہتیا 4 توخودچشم و مل بازکن نبگرا 4 اورمضا ع کے اخیرمین ضمائر مرفوعہ لدکے لاحق کرنے کے چیو <del>صی</del>نے ہیدا ہوتے ہیں جیسے حبرول مذیلہ سے واضح ہے واحدفائب کے احاطہین قدم رکھنے سے آبی قواعدکلیہ کے حلقہین وخل ہونے سے سرتابی کر تاہے اور يطبيت ضعيف القلب خلق سوابهون أسيرال بريشا نيون اورآلام كاتعام ىب*رلس سىمىدادل دد طغ كسى قابل مذرا* اول تو دالدين كے انتقال *بر*ملال سے ہم یے سہارا ہو گئے تھے مگر بھرجمی را درخلم غفور نے وہ وہ عنایات وہ وہ ناز بروار مال کمیں کہ م تھلادیئے گوبا جارے لئے رہنمای قسمت نصولے سے آب وعلف سے ایک دوخہ برخمرا ور شجرٰ بار وریک بہونیا وبایھاجس سے ایک زماندا سیکے مہوا دار روح افزاسایہ مین اُسکے ترمیع اورتازه رطب کھاتے آسودگی کے ساتھ گزاررہے تھو کا بیان حکی حلے وٹ کی تندمادا درم گ مفاحات كي حبكر في أسكور في الكفار بهينكا انالله واناالميه واجعون جوش غمين به چندمصرع زبان قلم سے تکل گئے۔ چِه آن سایه از فرق من شدهٔ با

کی اچاقیان وژا کی احق کی ناتفاقیان اُسیرطرہ برکہ مجد حبہ ت بنا یا جانا اور مجکو برحواس بنا و یا میرے مصالب اور بریآگندہ خاطری کو د و بالاکر دیا حضر من بالمالغطيم أراب كي آزرد كي كانون اور بالتدبك ليرسيكي لاج يعف علم أشما ینے فضل وکرمہ سے اسکوعام قبولیت عطافرماسے اورا سیکے بھی لیہ لم سيداله سلين صلى العدعليه وأله وصحبه أحبعين ينتنا يكفتهرو درجه برواختم وبحبابو وانثهب كجاتاختم موواضح مهوكة مضارع جيسے و ومعنى ال ال مین مشترک بعضی امر کے لئے بھی مشترک ہے جیسے اوپر فرکور موا گریس بنہیں كه سكناكه صارع صيغام سكي لي السي حبس طي لغزگو كلته سنج اس مین کمته سرامین مضارع درگران مایخی باسے کم از مصدر نیار دہمجون مصدر وجوب واتی وار د ت وآخر مبرطنا رع جزوال نيس وخود منشاء سپدائی فرا وال افعال س فرط تے ہیں "امراز مضارع میزاید قاعد کو آن برا مگندن وال سٹ ویس جون کن ازکن وگوی ازگویهٔ اور پیمی کهزنبین سکتا که اسکاعکس ہے بینی امرحاضر کو صل قرار دیاجا۔ وونون لقديريرآ نكوبندكي بلارعايت عنيب وحضور وكلم غالب سي عنزاور طاغرت عامر بنا ليا كيا حِلَ بيني مقاكه أكراسيا بنا يا يمبي حامًا فانب غامُر

يرى ك 15-18-20 S. F. F. Ord

Eline Chillian Car

THE CHANGE

، شباراس تخینی سے وال کو مطلق ضایح کمیر سکتے ہیں:

ور و در نوری در در در نوری در خرد در نوری در خرد در نوری در خرد در نوری

<u>آن ایک اوربات بیان که سکتے مین گروه ایک وتین نظر پرمبنی ہے مجلاً عرض کرتا ہون ملاحظہ</u> فرائين وه يه به كروآل ساكن مأقبل مفتوح كومطلقا علامت مضارع ندكهين اورسي بهي لون جي نی که آگر به علامت بھی تولموق ضائر کے وقت کس لیئے ٹابت نرہی محیر تو یہ علامت علات نہوئی بینے لازم نہوئی عرض سفارق ہوگئی بکہوت یہ ہے کہ یہ دال ساکن ما قبل مفتوح یا ہی خروميم شكلم كى طرح واحدفائب كى ضمير مارزسى يلعنے مطلق مضارع جو لابشہ ط شے کے درجہ مین ے وہ بہی امرحاً خرستعلہ کی صورت ہے اور لوحہ اپنی حیثیت اطلاق کے خارج میں وجہ پنہر بکھتا ى نكسى فرومين غائب ہويا حاضر پامتكام أسكامحقق ہوتا ہے ليكن صيغة امرحاض متعمل مشہولور لرعمین آتنا فرق ہے کہ امرحاضرین ضمیرخطابی باسی معروی مخدو من منوسی۔ وه يا مغطا بى اگرچىلغوظ بنبن گرنيت ادر لحاظ بين اشكاا عتبار ضور ب كسوا سطے كه وه مزم بي خلاف للته ضلع کے کہ وہان ان میں سے کسی شے کا اعتبار نہیں چنا بخیعض و تت مف مضاع کی زمی بین آتا ہے جیسے شعر ( وانی حیکن بناخوش وخوش کی کن آرزواً لؤجیسے پہلے مزکور ہوائیں اب باعتبارا سختیت کے پیکر سکتے ہن کہ توان مللق مضارع ہے اگر میہ وہ ابرا محدوث الفاعل تتعل ہوتا ہے رہیوجہ سے اُسکا حصول توانند سے (جوصیغہُ جمع غائب ہے) قرار دیاگیا أستحصيل وتخزيج سےاسكى لطلاقى حيثيت كركوئي نقصان نہين بہونچناكسوا سيط كدافراد وجمع اسى طرح ننيبت وحضور وتكلم ائسى مطلق برائحي خاص خاص علامات كے واخل كرنيسے حاصل مدتی مین اگراب آن علامات کو اُس بهست اُشعا دیوین مجروسی اطلاقی حالت باقی رہجائیگی اسیوجہ سے کہوہ مطلق ہے اورکل افراد کے ساتھ اُسکا تعلق مسا وی ہے کبھی تو وہ فائے کے موضع میں تعل موتا ہے جیسے سعدی ح کا شعر ہے ستن**ع**ر توان دربلاغت بسحبان رسید ہ ندر کنه بیجون سجان رسیر وکسی حاضر کے جیسے ولیرمیز نابرہی آئی حسور کاین رغبیت وکٹرنشنا ا د جزیرگ نتوان رست و کهی تکلم سے جیسے **ول**ہ چیکنم بکد توان گفت کہ او یہ دک اسيطرح انجى جمعه وافظاره كاشعر كب ستعران حال عجب باكدتوان كفت كدماه بله خاموشيم ، غرض ميندُ جمع غائب سے اسكى تخریج كى خصوصت ( باوج و مكه سرحی

سنل ہوتے ہیں آگر جہ تاہم ان ہرووکے استعال مین جوازو وجوب کافرق ہے لینی صیفتی ہے ا مقالیہ نچندانکهآزاتوانند خت و فاعل کا دُکرنا **توظا سرہ** امرا<sup>س م</sup> ینی عدم ذکرفاعل واجب ہے جیسے اویر مذکور مواگر ترجیح کے لیئے اسقد سناسبت کافی ہے اور اسكواطلاقی حالت مین ر كھنے مین ( باوجو د كيه موقع حضور بائتكام كاسب ) يذكر تسب كركسي شنے كا نبوت یا اسکی نفی عام طورسے ہراکیٹنے ص سے لیئے جہتے تنی 'ہوگئی تونحاطب یا مشکلم سے لیئے ہمی بالضرورة وه انتبات یالفیمتحقق هرحهائیگی تواب جزیمرگ نتوان رست اورنتوانی رست اور باکه توان سفت كدادانخ اور باكد توانم كفت كدوالخ كالكي مفاد وكاسط كحب كوفي عي دين بركة اركوني عي نبين كديك ا تواس نخاطب کا چیوٹنا اوراس شکام کا کہنا ہی نامکن ہوگا اسواسطے کہ یہ دونون اسی کو ٹی کے افراوین سے مین آربیم می معلوم کر ایجے کہ آوان کا مفول کسی محذوف ہوتا ہے کہمی مُکور محذوت جيب ان شالون مين البرطالب كليم تتعركزا قبال ثاني صاحب قران ، شكار حينين صيوحتى توان ، اى توان كرو : طهرى شعر مُرك إ وصال سخن ختم ميكنم ، زين بيش بافرات مدارا منی توان و ای نمی توان کرد اگریترورمویانوید مقدم مرکایا موخر مجربه دوحال سے خالی نہیں یا حال بالمصدر ليغ مفود بلاما ولي بوكا ياجله بناويل مفرد سوكا ادربير بدحاصل بالمصدر لصورت ماضي سوكا ىلى جىيە مافظارم كاشعرىپى تىنھر تابود كەرست وركمراوتوان زدن + ورخون دل نشسته چ يا توت احريم + آوجله جيس سعدي به فرمات ميم حظم توانم آنکدنیازارم اندرون کسے بالسے نیازارون ول کسے . آن ہم اشارہ -جلدنیا زارم اندرو کسے بوجہ کا ف مصدریہ تاویل میں مصدر عینی مفرد کے ہوکرمٹیارالیہ ٰ۔ اشارہ مع مر مفول به واوليض وقت يكاف مصدري حذف بهى كياجا اب اوركيهى اس كاف مصدى ف اورتوان کی ضمیر فاعلی کا حذف لینی یه دو نوان حذف جمع پرطباتے میں جیسے توان برخیرم بجاے توانم کر بزخیرم شیخ العارفین کے اس شعرین شعر زا ہداز پاسے خم بارہ جسان برخيزم ومن نيفتاه وام آنان كدتوان برخيزم وكالنمعيل مصرعه آن قدر باربرل ندكوان س برمانه توالله تعالى عكربالصواب، برخيزم واسكا الحصل توانم برخاس

جي نيدو وزيد المراجع

المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة الم المراجعة الم

آران کامفول کمی فرد مرتاکه منابع می در برتاکه منابع می در برتاکه کمی فرد چوتا

Silver Silver

إباب الألعيث يأ

Service of the servic

. قاھئەتبدىل

العن كالارموز سے بدلنا غیر منكر لمكبه وستورمستمرہ اور فنح وال كوكسروسے بدلدینا السي قا فول کی بابندی ہے جونارسی میں اکشے راقبل کا رظا ہر کا کمسور رکھنا خاتا ہے مع نہا رفع التباس زہ عدبی سے ہوداے یعض وقت اس ہاء سبدلہ کے قبل کا فتح اصلی بحال **رکھا ما ہا ہے جیسے** زَه بالفتح وعال بالمصدرزمهيدن كاسب جنانچه اسكى تحتق بيان اضافت من گزر جكى بتتقان کے کلام مین خاص اس دادن سے اُستفاق مین بجا سے باسے بوزسمے باسے تحتا نی مجمی **لا**نگ کمی ہے رود کی کاشعرہے شعر آنج الزنج یا متیش مل ، تو باسانی ازگذات ملیش و لے مواو ادریہان ان مصا در محسمانی کے بہتری کیجائیگی انشا والدتعالی اگرز ماند مساحدت کرمے استكے دوسرسے صدین جال معانی اوصلات كے ليئے مختص مبركاعميب وغریب نسكات اسمين بيان مو بنگ يتيسر استفاط يني بعد حذف علامت مصد ربتي صيغيين اور بھی کم کردینے کو اسقاط کہتے ہیں جیسے اسادن سے است اگر مصدر شبع ہے امرجی شبع ہوگاجیسے کیتا ون سے ایست بسعد*ی ہنشعر ہم*رہ اگرشتا ب کندورسفر ہایست 4 ول و<del>رکس</del> مبند که د ل بسته تونمیت به کب<u>هنی ا</u>س مصدر مین قاعده انتبات کابھی حاری موتا ہے **لینی ک**شاد<sup>ی</sup> وزادن سے الف کیطرح اسکا الف مجی بحال رکھاما ما ہے رضی الدین نیشا پوری کاش شعراسپ چەطانت تودارو زین برگذمه پختن چه درخورتو باشد برجرخ استاسے + آوراس محکم پہلے کا الف جوصدر کلمہ ہے گرادینا ہمی حائز ہے شبع میں جیسے مولومی مغری ج کا شعر تشعر ادرین درگه لمولان نیستیم ، تا زبعدراه مهرجا بیستیم « ادرغیرشیع مین جیسے امیخسرولیایی كاشعرب ستعرنه بزان تركتان بهجو باوش 4 بجزاز حد تركستان سنادش 4 اس و أمسَّن رساقی برخیرو یارنبشین د<sup>ب</sup> کای<del>ن ش</del>سته وآن ستاه ه باید و آوراکی مصدراسی صورت کامبنی اِد ف گرفتن بھی آئاہیے گر ہا بہ الا متیاز معنوی ان دو نون مین بہی ہے کہ جِمعنی توقف و ہے وہ ایستا دن واستا ذن کا مخفف ہے اور جبعنی گرفتن ہے وہ کسیکا مخفف بنہیں ورتفر قد لفظی بہی ہے کاوام یں بعد صدف العث اس کاکسرقبل کرے سین کو ویا جا السب اور نما نی ضروم بضئه صلى را كراب نظاى رو كاشعرب شعرك نخت نده خرواروزواون خ س کویزیرفت از مشادن و شاه دای شیرازی مثنعر مامیر بغیر حضرت تو در منب دریم و

فالمرا المفاطالين

الماري الماري

سلطان زمېندهٔ تو نيارد تُشا د باج ﴿ گُراسکااستعال بهت کړسے آورانیا مخفف سُنّهُ ن

ئىتدن من تامقرشت مضوم نہیں بلکەلعد صدف العث اُسکا فتح بحالہ با فی ہے طاہر وحید کا شعرہے شعرورین بارگه بےگواه وسند و بودگره ملزار دادوسُتَد ؛ آب صاحب رفسُ کا دیا نی جناب غاله وہوی کے اس اعتراض کو بیزاسکے اور کیاکہ اجا وسے کہ جناب نے تحقیق بنین فرمائی ہے صاب بربان بيصرف پناغصدا تاراسي جهان فراياسية سنادن كوارسعني كرفت كواسخن ابنيه ایستادن داستادن ستادن معنی قبام آمره رست الز" - دوسری حگه فرمات مین مساورامخفف ستا ندننحا بهگفت گرکورسوا دوستا دن استدن راسیکے نخوابد دانسست گرکور با درزا زٌ اگرستَد کخفف ئتا دیجا نکہبین ملکہ صلی اور متنقل اور کامل بلاتخفیف وحذف مصدر مانین جس طرح وہی فولتے بينٌ اماستدن مصدریسیت و گربسین مضهوم و تا بمضهوم درمعنی ماگر نینن مرادف ومضارع ستاند وامرآن ستان "بخ طاوه برین كه خلاف تحییق بسے اور بیات سمى لازم آئیگى كه ضابط شتقات گیارہ باب پر زہتمیگا بلکہ ایک اور باب بار بہران تاہے قرشت کا زیادہ کرناہو گا پیضلاف رہے۔ جهور واستقراب وكالله تقالا اعكم كوالقهواب أو استادان كامصدر مضارعي استا نيدن مجمي ستعل ہے مولوی معنوی ویشعر مركب استانيدويس آواز داد ، آن سلام وآن امانت بازداد ، التيطرح فرساون سي فرست بعض وقت اسكادوسراحرف تامهي حذف كياجا اسي كرستمال اس محذوف الحوفين كامشيع مين اكثرسب جيسے ذليس فرليب نده بجث مصدر امن بهج كي تعمل

آشادن کاحضیاری اشانیدن آنا سیم

مرخون رئیس درمین درمینهمور برمینهموری اس باب بین صرف سبدیل کاامک قاعدہ جاری ہے کیا تی اس باب بین صرف سبدیل کاامک قاعدہ جاری ہے کیکن تبدیل کہیں زامی ججر ہے جیسے

میں بہیں سرت مورٹ قابی مادرہ کا حق سے میں بدیں ، بی رو میں مرتبط ہیں۔ اموضن سے آموز آس لفظ ہرایک بات یا آگئی کہ اکٹر فارسی تواعد نگارون کا یہ قول بچرا آرشن لازم اور متعدی ہر در آبا ہے جنا مخیصن قواعد فارسی روش علی انصاری نے لازمر اُسکو تبلایا

بین امریحت مضارع مشبع اگرستیل ہے گرغیر شبع ہن جیج انی گئی ہے والله تعالیاعلم بصلو<sup>۔</sup>

میں میں میں ہوتی ہوئی۔ ہے جس کا ترجمہ بہندی میں سیکسناہے اور متعدی حبکا ترجمہ سکما مااسید طرح مرزا غالب دہلوی مرزور

بنج آبنگ مین فواتے بین آموختن ہم الذمی ہم شعدی است ائر یہ ناصواب ہے کیا معنی کہ

جيسے خوردن يعنے كما ناكسى نكسى خورونى جير كاميرتا ہے سكھنا بھى ك خلاصہ کلامریہ ہے کہ باعثیارمنی اول متعدمی سک صفعول اور باعثیارمعنی ٹائی متعدمی برومفعول مجل بان مغی ادل کو پنسبت معنی نانی کے الزم کہ سکتے ہیں مگریہ الزم اضافی ہو گا تیقیقی اوران موات مین جہان کہین لازم مطلقابیان کیاجا ہاہے توائس سے فرد کا مل بینی لازم طبقی مراد ہوتا ہے ورتع کر دن اسبطاکو (جیسے فردسی برکاشعہ سے مشعر پہروزین وزمان کردہ ہت ، گر دہیش گیتی تراور دہات کے سپہروزمین وزمان ساختہ ہت) بنسبت کردت مولف کے جیسے حضرت خسرو کے ہیں شعر میں مجھ ديره كج رازمزه وامكن ؛ ويده زصاحب نظران وامكن دكسي ف لازم كمها ليكت سراج لمحققين مصنف چراغ ہوایت جناب آرزونے اسکا لزوم معنوی اورطرح نابت کیا ہے اسکے عال معنی خرگرفتن لینی عادی ہونے سے بتلا ہے ہیں جہان فرایا ہے "آموختن معروف داین گاہے متعدی آيدوكاب لازم اول شهورت دومم انجاكرون بابرمفول آيد خيا نكرافم كويد شعر وربنل باروجومهم سهدن آغوش ست وحسرتم لبكانخياز كسيدان آمونت وبتما شاس توترسم كانظ كتسايدة ويده بےروے تواریس بدندیدن آموخت ' و میری گزارش میں ہے کہ میرزاسعدالدین راقم کے ان الشعارين لفظ آموخت لينع شهور عنون مين ستعل هواسب كيامعني كه شعراول مين ضمير شكام صو مرتم كے متصل بے امونت كامفول اول ہے اور جونكه بدا موخت متعدى بك مفول كي بواسط الأد تعديد جربخدازه مين سي متعدى بدومفعول بناديا كميا تعنى حسرت مراخميازه كشيدك آموخت - آسيط صنعزناني مين نظرمقد رمغول ول به نديدن بواسطه باسے تعديم فعول نافي بيني ديده ت اورنظر کا دیدن کے ساتھ انتساب کلام اساترہ مین منص وسع توآن نظررا ندیدان اموخته موجود سے چنائے پاک بن دور ہین کے ساتھ اسکو تصف کرتے ہین صائب کا شعر ہے تع دروادى كەرولقىغامىروندخلى ؛ ورقعرجابىم أرنظر دورىبىن خولىش ؛ خىصوصاً دوسىرسے ستعرين اكثر سخون مين بجاب إء تعديه زائ ثانيد ہے اسوقت يه آموخت ثاني بحاله اپنے ايک مفعول برفانع ہو گااور وہمفعول بھی محذوف حسکا ندبدان سان پڑا ہوا ہے لینی دیدہ کہ در فراق رقح تو ندیدن آموخته ست و ترسم که تباشا سے تو نظ نکستاید - اور مکن ہے کہ مفعول تانی کستیدن ہواور بخمیازه اسکامتعلق اوراس تسم کا تعدیر جراواسطدر دابط بوکلام عرب مین کثیرالوقوع سے

مثال كردان جط

شال دول ميتو بعند آزاد برون و دروي برون دروي

الم تعديد المان الماسية المان الماسية المان الم

جسے ناون لازم ما ی نغدیہ کے دریعہ سے متعدی بنالیا گیا فروسٹی کہنے و ــتان مَّن کُلْتُ ہِین عُلِت کی سے درالوان آن ہیرہ سر پرسنر و بزائی کمنے مونا، تھ جیسے شناختن سے نتاس ۔ "میسرا تبدیل شین منفوط کے سگھ مابرالامتيازىب كهبعنى اضاءت محذوف الالف افوختن كالمخفف سب لبعد حذف الف كافتحنقل ارسے فاکو دیاگیا اور حوم بنی بیع ہے وہ کسیکا محفف نہیں آس برضمہ صلی ہے بس اب بدبات سے حذف الف کو واحب **جاننا جسیے** فروخت<sup>و</sup> فرو ىچىعنى بىغ ہے ا<u>ئسكےمصدراوزىح</u>ت ماضى. اور جہبنی روش کرنے اور روش ہونے کے ہے اُسپر بہزہ کا دجو و ضرور می سجہنا جیسے افروختن وافوفت الخصطرح مصنت بنج آہنگ حباب غالب مصدر افر دختن کے دہل میں فرماتے ہیں کیکین ڈرخت رحذن الف نتوال كرد جهاندران صدرت افروختن وافروخت فروختن وفروخت ميكرو د وآن بحظے ست حداً گانه مبنی حدا گانه'' انتہے ہجزا سکے ادر کیا کہاجا ہے کہ محض عدم اعتباہے اور بس نظامی هِ فرماتے بین شعر سکندرزگرمی چنان برفروخت 🖟 که اتزاتش ول زبانش ب ىـرُّوننى**ــر**ْ اَتْـنِى**ــمُــ**ُكُرچەجەان برفروخت ، بنبئە قرابە رَاتْسْنِ نسوخت،مولوي،عنوش**تع** ے این عالم فروخت ﴿ اندے گربیش آیہ حملہ سوخت ﴿ وَلَهُ عَنْقَ آن شعلہ ٣ لوچون بروْوخت « ہرکہ جزیعشوق با قی جارسوخت « اور پیمصدر جلادینے او*صیقل کینے کے* مضه بن بھی آیا ہے نظامی و منتعر نشا ندنش بدانش آموختن ﴿ كَدُّومِ رَسُود سُنُكُ زا فروختن پہلط ح سينا ميني خياطة اورمعني ورُنها ميني حكّب ان دونون معني مين سنعل سي معنى اول جیسے نظامی پرمشع قباہے دوعالہ ہم دوختند ہ وزان ہردو مک زیورا فرختند 🛊 اور عنی نادیجیے سراج الدین راجی کاشعر ہے شعر شیر به راس دوخت ندبیرش ﴿ وام افلاس توخت اُحسانسَ ﴾ اسكا منفف و خنن سي آمايه فروسي ومشعر سرانجام جون شير از و خشد ، زن ومرواز كار پروخته شد د ما بدالامتیاز انکی امر مین کیامعنی که امرمجنی اول دوزاوراسم آله دوزندلع سوئى آناہے اورا مرمعنی نانی دوش اوراسم الددوث بْ كِينِتْ نَى بَعِتْ الْمُسِموعِ نَهِينَ اكثرْ قِوا عَدْتُكَارُون كَى بَهِي تَحْقِ

دوختانجنی دوسنا اور معنی دوسنا و و نون مین جُراک ماک

> کیجنی کابخنام سموع نبین ·

اختن ادرًا بختن تعتضب من انكامضارع بالمستعل نهين گرفصحات عجم نے آزوا درآ ہيخد ہتعال وایاب فروسی در شخصر گهرانکداز فریز دان بود و نیاز و ببروست دیدنشنود و اسکام صدر الی آزیدن بهی تعل ہے فردوسی و شعر نیار پر گئین میلادوست و بدان را و رفتن میان را مبت و اس مین پای تحتا نی موتت ترکیب بانون ناخیه العن کی بدل لائی گئیسیے جیسے آیہ سے نیا پر کہتے بن واوريهي مكن بسك كدياختن بالياس بغير تركسب اختن كاسبدل بوجياني فروسي كاشوبى شعرزمان تا زمان وست بريافتي 🖟 سنْسكش زمرُ گان مبينداختي 🖒 ل آميل شعير هروزومايد كه ا وسوے بلندی یازو 4 زود برگر وو وسر زیر شود ہمچو بخار + اسیطرح آپنیتن ہمی مقتضب نہین اسكامضاع أبغدبا ثبات فارمجمه أباب ميمعزى كاشعرب ستعرجون برزم اندر مراميني ترتیغی از نبام، چون بصیداند آواز ترکش کشی تیرگزین « بسته گرود سکشان را دست خصان را وین پخسته گرود آ ہوان راجشمر گوران رائسین و اسکامصد رمضاری آبیخیدن میں عمل ہے ابوالموئد **شعر ج**ون تبرا بيخيدان تنيش بديد ﴿ ورتن شيرْريان شدرْم روآب ﴿ اسى مسع ومّ ابيخ بمعنى اثرو باكد بدم بسوس خود كشنده رست ودود آبينج دودكش مطبني وحامر وغيره وعالم ابينح باوشاه كى سفت ہے كہ وہ عالم كوابنے زير حكم كھنچتا ہے ۔ آور اسكا محفف آنجنت بتحفيف يا اور يختن مجند الف جنتيمل ب فروسي چرشتعرز آپنچتن تيغها ازغلات 🕻 كهِ قاف را ورول أفتا و كاين 🤃 ابوشکورشعرچانچەمرغ ہواپروبال برہیند ﴿ تو برخلانُ بریرِمرومی براہیخ ﴿ مُرْجِ نَکه یہ تصریف استعالات شاذه سيسب باب الخاءمين قاعدة اثبات كونهين برامايا. والله تعالى علم والعصوب

باب الراء من من من من المراء فررون من لام

## باب الراء

اس ابین بن فاعدے جاری بین افتہات و زیادت واسقاط مع الزیادہ - اوّل بنی افتہات بیسے سردہ بنی الزیادہ - اوّل بنی افتہات بیسے شرد الذم بھی آ باہے فروسی کا شعرت بنی الذم بھی آ باہے فروسی کا شعرت شعر در انداخت تبنج برند آ ور آل بہیخوات از تن سستن سرن بر سرتنج برگون رخن خورد به ببربرگستوان نبرون جسکا حال معنی نکرانے اور لگنے کے قریب قریب ہو۔ اور بیکی کن نیج کہ خورد ن اور اُسکی ببردد بجنی (بوجہ داومعدولہ) بغتی فائے مجمد جاہئے اسکوضمہ کے سکت بڑھنا ناصواب ہے سعدی و شعر کمن نماز بران ہم کی مجبح کے دور متحصیل کی دونور فرد کی عمردر متحصیل کی دونور فرد

المنافرة الم

مقاطع الزادة

ے مہلامضموم الماقبال کا قافیہ واقع ہوجا ہاہے جیسے فروسٹ پڑ شعر ترازین جہان خوروز**ېرے گ**ويش که برو و زلالي شعر حپان ساغ که درخون غولم اخور د و به بحقه پيش شاه غوندی برد وله تعرلف عصامين لکھتے ہيں شحر زرنگ زنډواين فيروزه مرده ﴿ رَكَ كان زمرونيش خوروْ دون الضمتعل سے ملکہ یہ وسی تغائر حرکت ماقبل روی ہے جبکہ بائزر كهاب عيف تهش مخفف موش كاخت كوقافيه كرديت من -مے ساتھ قافیکرنا. فرونسی عرشعر سمیہ دیرہ اندائیان کردہ ام ہغم *در سنج و تنقی ک*ین بُراہم وكه ازان دشنان بفكن تصب مرد و نايد كي مبلوب وستبرد و آوراسي قبيل سي بهير والبس فردسی داشع مهمه پاک در بارس گرد آمند ۴ بردخمهٔ بزدگرد آمند آسیطرح ساته قا فيدوا قع ہونا خا قا في در شعر انصنعت چرخ دوست رُوش ۽ دورخ بالصواب ووسرار ماوت ينى بل الماراك مهارك إرتفاني يراور ميشهور سي انتشها وكي ضرورت نهين آوركهمي بغيرال ل ہوجاتا ہے امیرخسرو فراتے ہن شعرزندُہ باتی کہ جہا ، مُرُوَ آن ننده که جان آفرید ؛ مولوی م<sup>متیا</sup>ی *بر*شعر بهریزدان میزیدین بهرگنج ه زِ نَزْجونِ ورنج + فرد د<del>ستی هر شعر</del> گرخار باننگ خاراخرند + چروزی سرآید ەنبى*تاچ شىغەرصەرچ*اغت ارمرندار بىيىتندە ؛ باش فاغ چەك كەللەنىغ دىنى ئىللىرى مِيمِندارْتُنكَى ﴿ ارْبُ ادْبِيرِ حُودِيا بدرًى ﴿ وَلَهُ مُحْمَتَ لِي مُا نانن ى مرى توجيسى ، وله اگرسر سمه سو-اسكوميروكا فخف كهفيين سراسر كلف بكيا ضورت بكرم دن سعميرد ادرميرو باتی رنگیا توائسرنون زماده کروباجانا سے جیسے کرون سے ت بانضم اور بونون كى زيادتى وليسى بهى سب جيس زدن سس زن من ب اورخلان

قیاس فع کان کوضدسه اس بے برل دیا که اس تغیر غیر قیاسی برده دلیل موادر نیز امرکندن کے ساتھ التباس کا کھٹکا زھے ۔ اور اسکی بحث امر با ثبات راے مہلہ بھی بطول شنده دمت علی ہوجیسے کرنده مراد ن کننده ساسان بنجم ابنی ہمنی آز وساتیر کے نام جیشیدین کہا ہے و تولیث عید کمنده و کرنده کروه وا من ریده را مے بینی و بیین الی والله مقال اعکر کہ بالظ تی و

باب الزّاء

ا**س باب من** مصاور كثيرالاست<mark>ىمال مىن سواا كيس</mark> یے آزون کے پابنہیں گیا ۔اوراس اب بین نقط زیا وت مفرد کا ایک فاعدہ جاری ہواور وہ زیادت صرف ایک حرف نون کی زیا د تی ہے جیسے زدن سے زن ادرآزدن سے آزن . فرورسی به شخصر نبزد یک آن گرگ با بدشدن به سروچشم اورا به تیرآزدن ۴ فرخی شخصیم خالفا بیازن به تیره بیمچون کف و لے بزر آزدی په سید ذوالفقار علی شروانی شعر کشف کردار سرکود کرشید انطوق امرت سر؛ بسان فارتبت في روشست جرخ تيرازن و اورجيم كم سامة آجدن اسكا اسكامخفف بهي آياس فردوسي رستنعر بنروك آن رُكُ باید شدن و همه چرم ادرا به پکان زون و اے به پکان خستن ۔ادر بیمصدر رنگ که ائستره وغيره سے بدل برزخم لگانے امرسِل او حِکی وغیوبرٹیا بھی لگانے اور تیبرپا نینرہ پہوئی وغیرم جبونے کے معنول مین آیاہے باعتباراسی اخیر عنی کے بخید زون واُلو برجامہ کشیدن فرددستی رومشعر بزدنیزهٔ برمیان دوه و که شدسنگ غارا بخون آزده و **و آ**ریمهاه بيراه گنبدزده ، جهان شيرويباً بررآزده ، وَلَه بداغ حَرَسْان كني آنده ، كه بخايش أرد برالیشان دده به گرزدن بعنی صتن و معنی ضرب بین بهی فرق سه که ام ل آزدین کا مخفف همواه يزاك فاسى مثلثه كحساحة مبمى لولا حإنا ب ارثا في مبنى زون بمضصرب كالل فظ التخفيف، ارتبيذن زياد تون مين اكثروخل موتا ہے خواہ افعال مهون خواہ اسما- افعال جيسے کون وواستن ومانستن کی بحث امرآوراسمون میں جیسے نازنین کی زا اور ہمگنان کے کاٹ کے بعد رکسواسط ک الهل نازنین کے لفظ نازیر یا و نون نسبت کا لگا یا گیاہے زمین کی طرح اور اصل بمگنان کی سم بر العند دنون جمع كاب جنائجه مهكان كومهي فصحاب عجرف ابنے كلام بن برتا مي منوچري كا

بمگنان بگان کامزیعلیہ ہے شعرہے شعر بودن ہمگان راغرض وصلحت ماک، اور اغرض وصلحت شاہ گہان ست نہ سید حس غزنوی شعر آرامش ورامش ہم گال لبر ماست نہ نزوہم گان صورت ابن حال عیا ہت، اوراس مین کاف عجی سمہ کی ہائے ختنی کا سبول ہے .

بإبالتين

تبديل مين بزائ مجمه جيسے خاستن سے خيز حب كا الاخيستن بھي آيا ہے بہ لورانيون كا محاورہ ر ادراسی امالہ کے ساتھ بجٹ امرشعمل ہے سین اور زا ،معجمہ لبرجہ قرب مخرج ایک دوسہ مبل طرحاتے ہیں جسے ایاز واپاس اول تومشہورہے اپاس جیسے شیخ عطار<sup>مر</sup> کا شعرہے ش**ع** رتومروطالبے وحی شناس ؛ بندگی کردن بیاموزازایاس ؛ توسرایبنی تبدل سین بلامه جیسے ﯩﺘﻦ ﺳﯩﯖﺴﻞ- ﻟﺎﻣﺮﺍﺩﯨﺮﯨﻴﯩﻦ ﻣﯩﻦ ﻛﻮ ﺋﻰ ﻗﺮﺏ ﻣﯜﺭﻯ ﺑﯩﻤﻰ ﻧﯧﻴﻦ ﺍﺩ ﻳﻨﯧﻴﻦ ﻣﯩﻠﺮﺩﻩ ﻛﯩﻴﺎﺳﺎﺳﯩﺖ ﻧﻘﯩﻠ ہے کہ ایک دوسری کا بدل بڑھایا ہے چنانچہ صاحب جواسرالووٹ نے یہ دولفظ سج و لج بمعنی رخساراسی مباولت کی ستدمین مپیش کئے ہین اورمکن ہے کہ بہان حذف مع الزیاوۃ ہم یعنی بعد حذف سین مهلدلامه زیاده کمپاگیا - اورلام کا زیادات اوروعامون مین حروف علت کی طرح واض ہونا تابت ہے جیسے لفظ العث میں حرا کی حرف کا نام ہے لینی قامن و کامن بن حرف علت اورالف مین لام دعامہ طراہے تواب گیستن گوسل کی بحث کی طرح حذف مع الزیاد ہ کے قاعده مین درج بوگا ولاله تعالی اعلم واب صواب تعسار تبدیل سین براس بوز جیسے کاستن سے کا ہ وخواہ تن سےخواہ حبیتن ورستن کفنجہا سے جبر درہ - یہ تبدیل موافق قیاس ہے <u>جیسے خروس و خروہ اماس واماہ - اورکسرۂ ماقبل لی، بضرورت کا سے ظاہر ہے ا</u>سکی تحقیق بیان اضافت مین آچکی ہے خصوصا جمین یہی مکن سے کہ جیستن اکی ال موبدونہ یا سے تتانی و تبدیل سین با اجدر مگیا مولوی معنوی کا شعر ہے ستعرجون بدیدم صبح رہت ورزمان برعبسيم لگرم در كارآ مرم وقوف طرنجسيم في آني ح**رف صرف جي** دنستن سے دان استن سے مان زلسیتن سے زی آراستن و بیراستن سے آرا و پر آراسے و بیراسے (یدوہی یا سے زائد ہے کہ حب کا حال کشاون سے ضمن میں بیان ہوا) اور گرامیتن سے گری ورسیتن سے ری

ا ماريام

ز ن من من

اور میان مصدر علی ہے اور استعال ہی جبلی کا اکثر ہے رسیتن اور ا ب شیخ اوحدی کاشعر سے مشعر رئسینن گیروت زخورون رشت ، بررت بابدآمدن زهبشت ، فينى بعدحذف سيركبهي صرف اكي حرف نون زباءه تمسياحها تاسيقي جيسي شكك عُكن اور نون كاريادات من وجل بوناباب الزاءمين بيان كياكيا كبهمي صرف واو زياده كياجا اب جييے جبتن ورستن و ستن بضمها سے جو وجوے ورو ورو سے سٹووٹٹو سے بضمہایعنی لبداسقاط علاست مصدريين مجى حذف كويكي حرف ايك حرف مضرم ديكيا تومناسبت أسى صنه كے حووف زیادات عِلّته مین سے واوزیادہ کرویاگیا اور یہ بھی مکن ہے کہ بیان واوسین کاسبدل ہوان مین کوئی مناسبت فاص مص كجس سے أكب دوسرے كابدل برجانا سے اوليض اسمون من مجى يرمبالت واقع سے خیانی صاحب جاہرالیوٹ نے اسی کی سندمین بدوولفظ باتش وباتو بمعنی تریخے پیش کیا ہم اورَ تِیں کلفات اس لیئے کیئے حانے بین کہ کیف ما آفغ ک*سی حرف کوکسی حرف کا* ہرل قرارہ پرنیا خل<sup>ان</sup> تحقق ہے دامد تعالی اعلمہ بالصواب - یاسے تخانی بودان وارُن کے زائر محض سے مبطرح العث مدہ کے بعد زائد ہوتی ہے . اور کمبی ووحرف زباوہ کیئے جاتے ہن اور وہ کمبی نون ووال ہو تکے جياستن سے بند برستن سے بوند-آور کھی یا ونون جینے شسنن سے نثین اسکاتورین اضافت ىتن دنىناندن آنا ب. فردوسى وشعر باكرام شاماند نبوختىش، برنويين برشخت نبشافتش واسدى شعربهما زنخمشه باوشاسى نشاست وبرورسم بإثراني مركر دراست ومولوى نوی «شعر اکنون که مدانستر چند انگه توانستر و بهر تونشانستر از مات سلام امتد و نظامی شعر نشادیش بالنش درآ مختن وكأكو سرشووت الميزميُّرو تشعرتمست حراحي بدوزالوربين ، وخررزشا ندنزانوسے خويش ، نظامي وشعر كربندو بيداري بغت بين بكلهداري كن سرخت شين به تحولوي منوي وشعظم بهراين مقداراتش شأ آب باک دبل کیسان شدیفن و اسکامتعلق جور صل انسکامفعول ہے اکثر حروف صله برودر کے سا عوستعل مہنا ہے یہ ظا ہراورمعوف ہے اور کھبی بغیر حرف صلہ جیسے سٹھر مٰکورین سرنج شین

صرف مزاد ان صرف مزاده نو

مذفن بادواؤ

المرابعة ال

الماري الماري

در چیز خوان کاریم شاموین دارد بیز در این سیم می کارد دجه

قانسەرتىيانىين ئىجىربارادىلە ئازادىي دال

ښون سيار تبذل ين مرياز مورت زياد تي پايس محتالي

اوركبهى داكسا تفتي ودوسى يكاشوب شعر وبشنيدرستم ميان دابست و وزانجايد فِش دابرنسست و دالله تعكالي اعكم والطبوب -

اس بابین باخ قاهدے جاری بن اثبات وزیادت وحذت و تبدّیل صرف و تبدّیل موسولیاده و آلی بینی افغالی الفاده و آلی الفا

ورج ہوناچا ہیے تھا بین مصاوری کئیر لا استعالی صورت پالاب بادھے سے بین ۔ اور بین کا تھا بحث امرین بخون النباس امر ستن فتح سے بدادیا گیا۔ تیں آلبنی حذف جیسے برشن کو کوئیں را کے اشباع سے برلینتن بنالیا بھڑ بحث امرین شین کو حذن کرکے بری بنالیا جیسے کوئین وگر سیتن سے امرگری بنالیا گیا ہے ہان انہی بات ہے کہ گرستن وگریستن ہروستعل ببراہ ر برلیثتن یا دنمانی کے ساتھ میری نظر سے نہین گزرا۔ اگراسکے عدم استعال پر نظرکرتے اسکو

بریسن پارفعای سے ساتھ سیری طریسے ہیں زراء الراسے عدم استمال برنظر ایسے اللہ علی مستمال برنظر ایسے الساتھ حذت سے الزیاد و کی فصل میں درج کر دیں گغالیش رکھنا ہے گر تبدیل صرف میں داخل کر اپنے یا سے تحالی کوشین شقوطہ کا سبدل قرار دینا باکل خلات تحقیق ہے۔ پانچوان قادر تبدیل مع الزیاد

مینی کمبی شین جمہ کوراسی مہلہ سے بدلکر بعدین وال زیادہ کیا تی ہے جیسے گشتن سے کو دؤستن سے نورو بفتح واؤم بعنی طے کرون وہیج بدل آور کبھی شین عمبہ کوسین مہلہ سے بدل راس

مبل یا سخنانی زماده کیجاتی ہے جیسے نوشتن سے نویس کبسرواد مبنی کتابت گروٹ مستدر

ا بحکم خورت کسرُه واوُ نتے سے بدلدیا جا آہے آسکن بحث بصدریجات واوْ اِ سے موحدہ کے سال اسی تعمل میں میں اسی میں میں تعمل ہے جینے مبشتن نبشت نبشتہ وغیرہ اور شتن اِلکسرسے (جوکہ تاگے وغیرہ کے کا تنے کے سنون میں ہے ، سنون میں ہے ،

بإب الفار

اس اب بن حد قاصد عبارى بن النبات و زماً وت وتبريل فقط و تبديل مع الزادة و حذف فقط مَضَون مع الزيادة و اوَلَ انبات جيب إفتن سے بان وشكافتن سے شكان اوشگفتن مي سى ا قاعدہ بین دہل ہے کسوا سطے کہ شکفداسکامضاع آ باہے فرورٹی کا شعر ہی وشیش ورشیش کا زائ ومابر مکان به توگفتی سمی بشگفد مبرزهان به شگفیدن اسکامصد به ضارعی آیا ہے۔ فردوسی مشعو چذام مرسام يرم ركب وزان دى خش مېرگل كلفيد و أوگفتن عدى كايا واتفى كاشعرب شعراك عالى ماده كو حِيَّنتي و مس فارجفاحيَّ لُ سُلفتي و مولوي سَنْشَكُوي شَعِر سيد الْاَعْمَال بِالنِيَاتُ لَفَت و نيت خرت بسے گلبائنگفت 4 اسکاا مرجسب فیاس شگفت ہونا جا سے تھا گرومت مل نہیں جیسے بودن کا مضارع بوَد الرعال للصدر بوت متعل كراسكا المرجب تياس بوسعل نبين . ووسراز با وت جي خفتن بالضم ببنى نوم سيخفت بالضم سواس اس الكيصينة امركے اور كث مضارع سموع بنين *حدى حِ فرائتے ہين الشّعر شتریح* ٻا اورا*ڻ خويش گ*فت ۽ پس ازفتن آخرز انے نجفت ۽ **ول**ه سرا ز خواب بركروه شوريده گفت ، مرافتنه خواني وگوني خفت ، يه خلات تياس با وجوه التباس صيغه ضي نے اسکوخفتیدن سے فرمایا ہے یہ ایکا عدم اعتباہ کیکنچفتیدن خوراک خنت سے بنا ہے لینی خنتن کا مصدر مضارعی ہے آور خفتن کا امرخواب قراروینا بھی تنہیں جا ہیئے ليامنى كذواب صدرعبلي خوابيرك كالعرب اسكاتعد بيخوا بإنبدان امدأسكا مخفف خوابنيدت فخرا بے نظامی ہ شعر سہی سروش ببالین خوا مبنیدہ 🛊 سرٹنگ از لالہ وگل بروسیدہ 🛊 اسکا بیان بجث مصدرتات گزرچگا ہے۔ اوپتِخسب بھی ایک جدا گاندام ہے جب کامصدروغیرہ ستعل نہیں بیندو ہیں كلطريح كوافكى بجث مصدموجود نهبين اوخسبيدك مصدحبلى سب وافخيفتن بالفتح بمغني خيدل وكبح شك متضب سے اسکی بخت امریسری نظرسے نہیں گزری ناحر سرونت حرامروز ہمی ضیف بنی واین مار خَفتُه نزاره، ميرعزى شعراك دانت نگ دالفت في البهرست و بشت من چن الف داري

دوتراقار وزاد پیرند پیرند پیرند

Silving of the Control of the service of the servic

وستوزئامه فارسى

المان المان

بچون دان ﴿ تَيْسُراتَاعِدِهِ مُنْكِيلُ فَقَطَ ادريتبرِلُ مِن يَوبار موحده. + لبعی صرت داؤ<u>سے ح</u> وشنوحاتنا حاشي كشنو برى تجوين منهين أماكيام منى كرشنفنن ین بنالیاگیاچنانچہ قدا کے کلام میں یہ بھی تعم ﴾ ماننوشیم این دم تو کا فرا<sup>د</sup> گراسکامزیدعلیه نیوت مرون میں مجی جاری ہے جید لوشيدن بمعبني سمع أسكامخفف يدن كبيمي تخنيف وائوسي شنم بالاجرا برسندى وجوآواز شيرزيا اوركبهى بزياوتي العن اشنيدن بمي كهاجاتا بي فيني كاشعرب سنعت فيلان كنفيم وهردوعنون مين ستعل **خودند؛** فروتری در شعر که داند که گیتی چه ا بیشه بودند 🛊 بو*سے زروندگ*ان

این تیار وشنود ﴿ اور شنیدن کے دونون معنی اس الک شعرے دبضح بین حافظ رم شعم لیے خوٹ وازيار تهشناخ رَفناشنيد وجوتهاً تبديل مع الزيادة يني في كوابوه ے بل رقبل اُس بلے کے نون زیادہ کیا جاتا سے جیسے مغتن بالنہ سے سنب شعر خبراد منزکی کرزش ېووگرون تکن ډېنېراو بولا دسنب رمح اوسندان گزار ډسنېيدن اسکام حذف فقط جید بزرنتن سے بزر جیٹا حذف مع الزیادة جیسے گفتن سے گروہاں یے تحانى اللاعكسروس بدابوكئ - جاننا عاسية كاس لفظ كفت كى حركات بن اختلات والمحقيق سۇكان فارسى و فتح را رەمېلەسىپ چنامخە فروسى « فواتے يېتَّن ت**ىشىخ**رسرودل پرازكىيتە كرورېف: توگوئی که عهد فریدون گرفت پ<sup>ک</sup>سی تحکیم ضرورت ان الفاظ کے ساتھ ہم قاُفیکر و یاجا ناہے جنکا <del>فر</del> من ردی کسوروضهوم ب مولوی معنوی وشعر یک بیک را حاجیب تن گرفت و تا پریمآیدگر بنگانِیگِفت ، فرودسی در مشخعرسبک دِنْسَبان گرشه با برگرفت ، غربیان از و ما نداندزشگِفت ، آسک نظائربہت ہن جیسے رفتن کوخفتن و آشفن کے سامتہ ہم قامیر کرنا فرد وسی و شعر چو نقند سدار ول وفته بود ه كه بنت چنان بادشه خفته بود په و آپه سياوس گُلفت آن کوار مته بود 🛊 وزان کوسودا به آشفنة لبود 4 وله شباروز مادرزمي خنة لبود 4 زى خفية وسم زمهن رفته بوو 4 والله فقالي آغليم اور يمصدرالزم بهي آياب. عافظ فرات من شعر گرفت بهجولالدولم در بواس سرو + ك مرخ وصل كے شوى آخر برام ما ، وله كرفت در آوگريهٔ جا فظ بريج رو ، جران آن دام كه مراز ك خار منيت ،

اس باب مین سوا سے اکی مصدر کے اور کوئی نظر نہیں آیا اور اس بین صرف ایک صذف مفود کا قاعدہ جاری سے جیسے آمدن سے آور آئی پہان بھی زیا و تی یا سے تمنانی کی اُسی قسم کی فیروآب سے جیسے آمدن سے آور آئی پہان بھی زیا و تی یا سے تمنانی کی اُسی قسم کی فیروآب کشادن کے ضمن بین گزر جکی سے حاشا و کلایہ (سے) ہرگز میر کے بدلے بین آئی ہوئی نہیں سے مشاو کلایہ (سے) ہرگز میر کے بدلے بین آئی ہوئی نہیں سے جیسے اور قوا عذر گارون نے عدم اعتباسے لکھدیا خصرصا مصنعت جا اہر آلی و ن محق فرزانہ بہاراور اسکے اتباع صاحب تحقیق القوائین صاحب ہفت قلزم صاحب قوائین وشکیری دغیر ہم سے تی تیجب کہ دوہ تحقیق تات کے ایسے ور ہے اور بھرائنہوں نے بلاسال بہت کیسی آنکم بندگئی آئی میں (جوا مرت کے دور کے اور بھرائنہوں نے بلاسال بہت کیسی آنکم بندگئی آئی میں (جوا مرت کے دور کے اور بھرائنہوں نے بلاسال بہت کیسی آنکم بندگئی آئی میں (جوا مرت کے دور کے اور بھرائنہوں نے بلاسال بہت کیسی آنکم بندگئی آئی میں (جوا مرت کے دور کے اور بھرائنہوں نے بلاسال بہت کیسی آنکم بندگئی آئی میں (جوا مرت کے دور کے دو

بنيل مي ميل مي (زيارت ميل مي (زيارت

پانچوان قامده صنت مرث کا در در از از بارگران کی ک کروکت کابیان

مر من شعنے لازم کی سند

إباليم

سرمن کے امعاضراتی امرازائن دجیرائن کے امواخر آرے دچرائے ٹائی کائی وین کابل کہا عرم اعتقاد خلان تھیئی ہے۔

امرحاضر کاصیفہ ہے ) یا ی شخانی کو پیم کا بل کہدیا اسیطرے آراہ وہیں ہے مین (بوآر اسن وہیں است سے امرحاضر کے صینے آئن) باسے تحانی کو سین مہلکا بدل کہدیا ہے یہ خلاف تحقیق بیر استن سے امرحاضر کے صینے آئن) باسے تحانی کو سین مہلکا بدل کہدیا ہے یہ خلاف تحقیق ہے یہ درصورت عدم ترکیب جوازا جیسے آوائی آراواً اللہ پیرا دہیرا سے ادروقت ترکیب تحل حرکت کے لیئے دفایت وجو بازیادہ کی جاتی ہے واللہ تعکالی المنا حدث بھی بجائے ضورت اس مصدآ مدن کا ایک الف حدث بھی کر دیاجاتا سے مولوی معنوی شعر رصت اندرجت آید تا بسر ہر کیے رحت فروما سے بہر ہاے فرومیا ،

باب نون

ں باب بین صرف ایک اثبات کا قاعدہ جا ہی ہے جسے انگندن سے انگن آگندن ہے

اكن كندن سيكن. وَاللهُ تَعَالَى اعْلَمُ

باب الواوُ

قاعدہ اثبات

د برگریزی در کروز برای در کروز برای

## بإب الواؤ

باب دوقاعدون کوشل براتبات اور شبدی و اشبات جید عنودن سے غنو سعدی شو نفذه مزان روخیالش رائی بیم بخواب و دو گریان من یک شب غنودی کاشکه و بودن کا صفر کا مرحاض ستعمل نبین لیکن قیاس بهی چاہتا ہے کہ بواسکا اور کو کورک کی تو و برے بوم مسکا مضاع ستعل ہے فردوشی و شعر کہ تامن بگیتی بوم زندہ را به زنز کان اگر شاہ و گر بسند و را به ادر بوج بعنی آرزو و بات بیات اتا ہے وہ بویہ کا محفف ہے چاہنے بو یہ بھی خورستم لی بوروق شعر ترابوی وخت مہراب خاست و دلت خواہن سام بزم بحاست و اسیطرے عال بلصد بوش بھنے تعدیراسا تذہ کے کلام مین تعمل ہے کیا سفے کہ یہ حاصل بالمصدرام حاض پڑین بوش بھنے تعدیراسا تذہ کے کلام مین تعمل ہے کیا سفے کہ یہ حاصل بالمصدرام حاض پڑین مقبل کمسورلاحی کو نہیے حال ہوتا ہے فرورسی پر شعر بہنے شود بزدان نبی و بوت بہاود نی داشت اندر بوش و فرد نوست تربین بود مان از بوش و برسم بوش اندا آمدروش و اور اسکا خفف بُرُن اور اُسکی تمام بحث اسی تحفیف کے سات بھی شعل ہے مواس و رز آبرانو بیت بیدر بید و دارش نبید در نزادہ فرد میں داران نیا ورد یا دو اگر ما در شاہ بانو نبرے و مراسم و زر آبرانو بیارسیون وارش نبید در نزادہ فرد میں داران نیا ورد یا دو باگر ما در شاہ بانو نبرے و مراب مورز آبرانو بیت بیدر بیدور وارش نبید در نزادہ فرد میں داران نیا ورد یا دو باگر ما در شاہ بانو نبرے و کور بابرانیان گفت بیدر بیدور

کہ من کردم آہنگ دلوسپید ، "انی تنبدیل جیسے نمودن سے نماار نما سے بہان امرین منتح نرا*ن کا ضمہ سے ب*رلدیگی آاوا و مبدلہ برولالت کرہے اور بالوون سے بالا اور بالا ہے ہما ن مجی ہ<sup>ے</sup> تحتانی بعدمه نائد ہے حبکائی بازدر ہو حکا ہے تیان ایک بات یا در کھنے کے لایق ہے کہ پالود ن بانی ننداب ننیل جیسے مائیات کے جہا ننے صاف کیئے کو کہتے مین اگر چیدوہ بالفعل مائی نہون بعد بُکلانے کے اُن میں ائیت سیلان بیا ہو جیسے سونا جاندی نظامی پر منتعر گہر ہونت نتوان ؟ سودگی ہ ا برونقره محتاج بالودكى برتبض ومت مطلق باك وصاف كرنے كے سنون مين استعام كرايا جاتا ہے ودوسی و شعره واور پاک بنمودشان و زالودگیها ببالودشان و حبطرح بینتن آشے خاک راکھ <u> جیسے خنک چیزونکو جهاننے صاف کرنے کو کہتے ہین بعض دقت طلق کسی مشار کے تغییش کے </u> موضع مین تعل سرتا ہے - جاتنا جائے کدا کہ تاصدہ زیادتی کا بھی اس باب میں جاری ہوج نکاوہ ما در شازة الاستعال بین سے ہے سمنے اسکو ذکر نکسیا جیسے بہسودن سے بہیا دو اس مین ووطرح تخفیف کیجاتی ہے ایک تو با سے سوحدہ کو صذف کریے لیسودن کہتے ہیں ووسرا با دفارسی لوحذ ف كرك بسود ل كهتے بن الوالفرح كا شعرب مشعر بعون عدل توصياد عدل بمباود 4 سرون آ ہوے نخچرہے وسیاۂ دام ; **ولد**کوہ بہبوہ زخم تیریش دگفت ، صاعقہ است این نه تيرواغو تا د حکيم سوزني شعر بخاك واوي آن چېرو که آلبه کرد ۴ آبستين حريرار جېزمېپ توي فرددسی در مشعر مگد کرومیکار دوبیل ست وخروشان چرعدوبپها وان دو دست و **ول**یتان بشاه نوائين نموو 4 كەبودند چون كوسرنابسود 4

فعود بارون ما يا يحكم بهافت كه بواتيك بهافت كه بواتيك بهران خواس بالقو بهران خواس بالقو رادون من الموادين قدم رادون من ويود 
مقديبيرون كانجيق.

باب الياء

والمنافعة المنافعة

## بابابياء

اس باب کے مصاور سعل بن فقط دو قاعد ہے حَذَّون مفر واور زیا وت مفرو سے میرے ویکھنے
مین آئے ۔ اوّل حذف جیسے رسیدن سے رس بُریدن بالضم سے بُر بالضم معنی قطع گزیدن
بالفنج سے گڑ ۔ ووّر ساریا و ست مثلاً یدن بالضم سے گڑین اور بُریدن بالفنم بنی قطع کا
امر جیسے بُر بالضم محذو و الیا آتا ہے جیسے قاعدہ اولی حذف مین عرض کیا گیا بُرین بالفنم بزیا ہی
نون جی آتا ہے جس کا حاصل بالمصدر برینش و برین تعمل ہے مولوی معنوی شعر حول بُرید
او وا وا وا وا اورا کی بُرین و بہجوشکر خوروش وجون المبین و نظامی و شعر د لے باید اندیشدائیزو تندانو

فيان

برین نیایدزششیرکند و جآننا جا بینے کداسی باب الیادین دیدن ایک ایسامصدر بوکر باعتباً
بحث امریح تنتشب سے بینی ویدن مصدرا در سے بین شتق اور اسکے باہم کو تعلق شقاق نہیں بینے
دیدن کا مضاع ادرا مرنہیں آتا اور بین کا مصدرا درماضی منہیں آتا بان معنون میں تراد و سے ہی
بارہ بین مولانا صہبائی رحمہ العرفعائے کا ہمز باب ہون چیدن سے چین اور یہ صدر مع کا شنقا
برہ بین مولانا صہبائی رحمہ العرفعائے کا ہمز باب ہون چیدن سے چین اور یہ صدر مع کا شنقا
بیم کا مفاح ہوں میں کا مصحا میں تعل ہے فردہ تی جشعر ہمی کل چیندازلب دو دبارہ نیا
جوگلت مان دگل درکان دو واللہ ترارز وجاگ دیب کا درست و گاگل چنی راہ سے خار نیست و والم بہارا آداز کا ستان گل چنی دروسے زئین شاخ سنبل جنم و کا دلائے تھا کی اعظم کے احتمال کے جنم و اللہ تھا کی اعتمال کے جنم و کا دلائے تھا کی اعتمال کا کے کہ و کا دلائے تھا کی اعتمال کے بعد والے کی دروسے زئین شاخ سنبل جنم و کا دلائے تھا کی اعتمال کے بعد والے کی دروسے زئین شاخ سنبل جنم و کا دلائے تھا کی اعتمال کے بیاد تھا کہ کے دروسے کا دروسے کا کی دروسے کا کی دروسے کی دروسے کی دروسے کی دروسے کا دروسے کا دروسے کیا کہ دروسے کیا کہ دروسے کی د

خت مشبه ثبتہ کے معنی پیدا کرتا۔ بمنفيه كاكام ويتيهين سبطرح لفظام ب اسم حروف شرط خرون جازمه وحروب عاطفه وابطامهى انكوكهاجا باسب اورجمعنى كشيدن بهي سب تويدحرون بعج مع فالكو راورجرء بي بن اكم لام عرب مین کسی کلمہ بران حروف کے دخل ہونے کا اثراس اعراب خاص کے بیرابین طاہم ب کرتے ہیں جو نکہ اعراب کی بحث زبانِ عرر يهوكا والاحتفالي اعلد بالصواب اور حرون جين سے ايک توافظ از سے اور به كاخف النابتدائيه اورازابتدائيه الك امرمتدكي ابتدا سحيل ر رئے بیا کئی معنون میں سعل ہے ایک رعام المريمة د بنفسه بوجيسي عرفي كالشعرب شعر از دردوست چركويم بحي عنوال رفتم

مره بوده بهه حرمان رفتم (کیامعنی که رفتن خود ایک امرمتدسه نظامی رو ئات ِء سن ، قدم برقدم عصمت آفکنه ه فرش ؛ قدم برقدم خودات را د پر وال ب ياشننا اورسبب كسى امرمتد كالهوجيب نظاميء ستعر برون بت انين كنبرجارينا فرس اندبرمفت جرخ بلند وكيامعني كدباه كودحا ناامزمتد نهبين اسواسط كداكي بي بعلانگ مین بابهرکو دحا سکتے ہیں بلکہ دوسرے کسی کیا مرحمت لینی فرس را ندن برمغت چرچ کا سبسیے ادرفرس راندن بلهث بام متدسے اورابتدااس امرمتدکی (جبیرمحرور ازولالت کرتاہے) مکان یا زمان ایسوال*سکےکسی تنسیسری شئے سے بھی ہوسکتی ہے گرعلمان نحاہ کا امین اختلا* مکان میں ازمان ایسوال*سکےکسی تنسیسری شئے سے بھی ہوسکتی ہے گرعلمان نحاہ کا امین اختلا* يسيعضي غيه زمان مين اسكا استعال حقيقت اورزمان مين استعاره اورمجاز حانت مين - اور غیرزمان خواهی مکان مویاغیر کان جیسے نظامی در شعر گرائی زجا سے نگہدار جائے ، وگرنہ سپارم سرت زیرباے ، اور غیرمکان کوئی شخص وغیرہ جیسے نظامی شعرب منزل الدزمن تاتبوه ننايرترا بافت الابتوء اور يعض صرف مكان كي يصقيقت باقى زَمان بوما غيرَاك مين استعاره اورمجاز مانت مين اور بعض تينون مالترنين ٢٠ استعال كوحين فترح أنزر كهته مين -د آصح ہوکہ لفظا بنداسے خود یہ بات بمجہ پ*ین آگئ ہوگی کہ جیشے* لامبدایت لمد ہوگی ا*تس پ* اركالانا محال ہے جيسے لانهائية لد برتا سے انتہائيدانا باطل سے لس ازارل تا ابرجيسے نظامی و سے اس شعرین متعرفحت کازل تاابدہ جیست و آبالیش نام اونقش بست و منامّل ہے بینی اول خلقت سے آخر خلقت تک کی مدت طویل کو ازل اورا برکے ساتھ ہماگا ارليااسوا سيطيركه آب كي دات يك صاحب لولاك لماخلقت الافلاك باعث كائنات مب وجو دنخاعات ہے اورکل کائنات اورجمیع مخلوقات میں سے کوئی مجھی از لی اورابد مخینین ازل ادرابدائسي كي دات تبارك وتعدس ب والله تعالى انفلهُ اسيطر صغير مكان وغيرز ا سے مکانیات وزمانیات مراومین ندکیج شے مکان وزمان سے باہر ہولیس از لامکان یا الا اسکان کہنا جیسے موانا المولو کی لمنوی کے اس شعرتین شعر آن سسیدیران شعار مولان او + مى دسيد ازلامكان ايمان او + مثاول ب ايني برسى بيرسافت كولامكان كمساتم استعاره كرىيا اسواسط كدالعكا ل **ياب كامخزان نبين صرف يدبات ثابت كن يكر بهار ك** 

بمان کی طرح لموث نہبن نور مان مقربان مضرت دروان جل حلالہ سے ایمان کی طرح اش کا ايمان مجى في لوث اوركائل تما " كَاللَّهُ تَعَالَىٰ اعلى مالصواب و

وآضح موكداز كاستعال حبكئ منون مين هوتلب توجدا شناس اورعلامت خاص ا تلى يەسەكە<u>لئىك</u>ى مقابلەيىن ئالنتهائد ياجەس لفظامىنى ئاكاداكىي لانا دىست بولۇل ظا بىر بىھ

تعیسے انحانہ تامسجد رفتم آنی جیسے نظامی رم کے اس شعر میں منتعمر سنزونہ در مبیث اقصا کشا و 🔸 زنافُ زمین سرباقصانباه واسے از ناف زمین تااقصار فتند حبط یح کت عرب نے اعوٰذُ ما ملیہ

ميت النشيكيكاك الرسيجيم من اول كى ب جائج شيخ رضى استراً دى شرح كا فيدمين فولقيمين

يدازابتدائيدلقرىيندمقام حدث بمىكيا جاتاب جيساس شعرين نظامى وستعر خدكازل تاابد

برجيمست ولي كزازل تاابدالخ ولم سكندركه كداآن الكرى ديجانا كباستراسكندرى واحازكجا

تاكها - استقبيل سے بسسرنا با اسان سرنا با والله كا كا الله والعَدَ والله والسانية

جواکی اور بہم سے مقصود شکلے کیا ہے اُسکے اظہار ونبسین کے لیئے موضوع ہے لینی از ا

رومبین اُس امرمہم کا بنجا تا ہے جومقصورہے اوروہ امرمہنج ہی

قبل ازبیان کے ہوجیے اس شعرین نظامی روشعر برانگینت رزمے جو ارندہ سنے ہاگئن مرکا

وباران زتيغ ﴿ خواہی بعد عبسے اس شعرین سعدی پر مشعر برگل سُرخ ارنم انتا وہ اُللی ﴿ ہمجِه

یہان لالی اورلقمہ کا بیان نم اور زبان میں - علامت اور جدا شناس کفظی اسکا یہی ہے کہ <del>سجا</del>ے

ول مع مقتضیات لایاجاسے توسنی مین کوئی قباحت نرآ کے جیسے اسٹلہ مُرکورہ میں

امی لالی که آن نمست دلعمهٔ که آن نبان من ست ونگرگ او کیریکان ست وباران او که تیخت

أوريدازىيانىد بقرينه مقام حذف بھى كياجاتا ہے مولدى منتسى شعر تابرون آردزين فاك بگ،

بواروس ورتك ولي ازسل وازرك والتائة فعال اعكم بالصواب

إتعيفيداووه وه حرف ازب كرص المربره ازدال برتائب اسكتبل يابد جهم فوع

إمنصوب مذكور مبووه اس مجرور ازكي مبض افرادمين سيهواول بينى مرفوع جيسي شعثا

<u> حدى يونتعر ماك صائح ازياد شايان شام 4 برون آمرى صبى مرباغلام 4 أتى </u> يبنى شخص كاحال سان كتے بين صاحباً ويك بعض افراديين سے ہے۔ والالة تعَالَى اغْلَمُ وبالصَّوا جهتما ازانته اعيده يسب كميجورازر سع صرف موضع الفصال وانتذاع كاظا بركرنا مقصدو مكلكم عداس سع مبرئيت كسى امرممتدك بال كرني مقصود بنهوا وراسكوانفصاليهي كهرسكت بين <u>جیسے سعدی پیٹ ہرزگوش نینب بروات آرودا دخلق بدہ پ</u> وگر نومے ندہی دادروز دادے م نظامی وشعرسانی زبان از رقیبان راز ، که تارارسلطان نگویند باز ، ولد زسرشا ه کارجبان را پرېد پېست تو داد آفرنيش کليد ډ ليني سرپاوشا ه که در وجو د آمده کليدسلطنت از دست اوگرفته تبوسپرو برکبھی بقریندمقام برازاننزاعیه حذف بھی کیاجا تاہے سیرسین خانص کا شعر سیتے وعدهٔ وصلے کدلےمد پاره یادت رفته است و حارهٔ درومن بیچاره یا دت رفته است و اسے از ایت رفته است بآنجوان ازاع اضيه جيسے اس شعر مين سعدى رومشعر گفتم ميان عالم وعابرج فرق لووو تاكردى اختيارانان اين فريق را ، وله ول آرام كددارى ول وروسند ، وكوشرانيم عالم فروسند . أيتقطأ كفضيلية وبفضل عليد برلايا جاتا سب تامفضل كااسيني وصعن مقص برُها برُها ربنانابت بوسعدي وشعر سرسبك لطيف خوے دلدار و بهترز فقيه مردم آزار « نظامی و شعر تونی کا زیدی زبک تطره آب بر گهراے روش تراز آفتاب و کبھی مفضل کو تبمی خضل علید کولوجرکسی نکتیکے مذکور منہیں کونے مشلّا اعلام اس امرکامنظور ہوتا ہے کہ اسکی عوشت حصربیان کو انع ہے وغیرہ ذلک اوّل لینی حذف منعفل سعدی سے اس شعرتن شعرحودانشوراین دُرمنی بسفت و گبفت این کزین به محالست گفت و اسے چیزے بہتراز الغ اورثانی بینی حذب مفضل علیہ جیسے نظامی رہے اس شعر کے مصرحد ان فی مین متعرز ال حات عانبات دار بوران خربتر هنی آن خوبتر و اسے خوبتر ازم چزر جانچر عربی مین الله الکارے رمن كل شايئ - والله نعالى اعلمه والمصواب آركيبي فضل عليه فضل برمقدم مي موجاتا كالمربرحال بين حون تغضيل كالتصال تفضل عليدك سامته ضرورب فارسى بين اوا ة تفضيل تر

یر آزانتنراعیه

<u>ه</u> از *اعواضیه* 

ونخا

The state of the s

زاندار و میش دکمن ناامیدم زدرگاه خویش و سعدی دیشعر چون درآید مدار تو نی بسخن و گرجه بدانی اعتراض كمن وكبهى معنيضيل سے تجريد كرا يجاتى ہے اواة تعفيل أس برلاكر ميشتہ ومہتہ و بہتہ كہتے ہيں تعسم تجھی ان اداۃ سیفضیل مراد مہین ہوتی ہے جیسے نظامی جے اس شعرین شعر شکر کا این نا لعنوان *رس*يده پشتراز عمر بهايان ريسيد 🛊 اورصيغ<sup>ي</sup>د فضيل کولېد حدث حريب جرجاً نهضل اضافت بمبى كرسكته بين گرآس بين شرط سيح كمغضل بعبض افراد مفغسل عليه سيسه موفيراضا فت يين م تحلیل دانفصال ان شرطون سے بری ہے ہرحال میں خضار مفضل علیہ کو بتوسط حریت جربیاں کرسکتے مین گلت مان مین ہے نشر اجل کا منات ازروسے ظاہر آ دمیت واقل موج وات سک باتھا ، خروسندان سكي جن شناس بدار آومي ناسياس- آدمي اجل كائنات ست وسك اذل موجودات و دو شالین اضافت کی بین اس عبارت مین آدمی اورسگ (جومفضل بین ) لبض افراد مفضل علیہ ( یعنے کائنات وموجو دات سے) ہین بیدام صحت اضافت کے لیئے سترط ہے بخلات حالت تحلیلی کے کہ اس مین خواہی مفضل مفلے علیہ کے افراد سے ہویا نہ ہو ت ہے اوَّل ظاہرہے جیسے گوہ رہتر ازسنگ ست توگوہ نوع سنگ وافراد سنگ ہے اورائسی شال آومی اجلّ کا ئنات کوآ ومی جل از کائنات بھی کہنا ورست ہے اوڑانی پینی جها بغضل افراد مفضل عليه سے منہو جيسے ساك حق شناس بداز آدمي ناسياس كهنا درست اور اضافت کے ساتھ سگ بہتر آومی ست نہیں کہ سکتے اسواسطے کہ سگر ما تەھائزىنىن بى*پ آ*ن دەرستھانون بىن نىنىت عموم خصوص طلق كى موگى <u>يىن</u>ے استعال بىرط از ملا تفضليه عام ب اوراضافت كے ساخرخاص جيے زير بہترين مردمانست وبہتراز مردان ماده اجتماع ہے اور زید بہتراز مارست مادہ افتراق بیہ بات بھی باورکھنی حاسبے کمعفیل جس بر حرف فضيل لائ ہوا ہے دو اس ضمن عنی وسفی ہدنا جلہنے اور بض مگر ہم نویشضس عنی دیفی یا علام برلاح برطاب وان اسمون سے آسکے اوصاف شہورہ مراوہو کرنسزل مین مسل

باديے جاتے ہين مولوي معنو پي شعر كدبرو ماخور زلوج پان ترم 4 جوان تيج كوريم م ، **وله لیک**انان فرعون ترآ مذیدیده هم درا هم کرا درا درگر غنهاسے ارتینی بولاد تر 4 زبان النمن سخت بنیا د تر 4 اے ارتبی سخت وتنرتر والمصنعالى اعلمد بالصواب سآتوان استعانت كے ليئے صائب كاشعر سے مشحركمي شويد غبار کلمنت ازدل عندلیبان را ، دران گلش که از فون خورخسار می شوید ، اس بخون خود نظامی ح معر گرشاه زان دا دیوگان بن و که تا زوکشیر ملک برخوشتن و است تابدوشیر- اس شعرین معنی استعانت كحجب مي درست مو تكع حب معين ضمير و ركاح كان كو بنائين او أكر شاه كي حافيم لاجع بوتوازاننذاعيه باابتدائية مجهاحائيكا كمرتقتريراول اجمهب كيامعني كدمبابغهاس تفترير مر زیادہ ہوگا اسوا سطے کہ ملک سے مراد مطلق ملک بینی تمام جہان تقدیراول پر لے سکتے ہیں ۔ تعیا ناني پروب زوكي ضميرمحرورشاه يني داراكي طرف راجع موني مضاف اليد ملك كامحذوف مانا مايكا مطلق حبورا ندجائيگاا سے ملک شاہ ملک دارالیں طاہرہے کہ داراسے باس سے سواائس کے . كة تمام جبان كهان سے ليكته بين والله القطاعة المنظمة والنصفيات المجموان المبيدييني بعنی براے ۔ الوری مشتحر در دیدہ نتے جا سے سازی ، ازکوری و شنان لوارا ، اے براے کور رون دیدهٔ دشنان کن۱ف اللتین - نوآن سببیه سعدی منتحر سرنکس کیمبیش نگریند پیش ه بَنرواندازجابلي عيب نوليش • وله آگييندمهرجايابي ازان منصحل بهت و اعل دشوار مبر ازان ست غزیرہ ولہ اسپرندلیکم ادوشب نگیروخواب، شینورمد منگی شینرول تنگی ، اسے سبب گرانی معده مبسبب تنگی ول - احبایه اوسید مین فرق به سب که مجرورازا حبلیه کاعل مرکود کے لئے علت خانی ہونا ہے حب کا وجو دائس فعل سے موٹویہے اور مدخل از سبیہ کا فعل مکور کی علت موزره فاعلى موناس حبكا وجواس فعل برمقدم س جيس الشارس ظامر مرودالله اعَلَمَ والصَّواب وسوان ازمحله اضافت - راس ملك كي طرح يدم مي مضاف اليدر الإباجاتا ادر صاف کامقدم موخر با فاصل اور قصل کے ساتھ ہونا سبطرے جائز ہے لکین بیان س عل خلیل سے اکتر خصیص مضاف الیہ کی مطمح نظر ہواکرتی ہے جیسے س وعذراتفصير فروسي ومتفحرساس ازخدا ونذفوت يدواه وكدومهم ترازنده ورجايكاه و

"Cisite;

STE STE

آز کا وِنی

مجور کرده چنگی محامر کرده چنگی ۱۰ کی کی جمعی

بى در شعر أقليم مارس راغم از تهسيب د هرنميه پرتغصبلی ادر دا ضح طور پرنظر دا سے جو درصورت ترکیب اصنا نی اجالی نظر کو مقتصنی تھی کیا معنی کو <del>فقا</del> مین فیدلینے مضاف الیہ خارج مواکر تا ہے اور تعدید و خل توٹ ایرسامع اُس تعدید رتو ج کرے اُس فيبركواتعا فى سيجے تووہ بىندا ضافت ىعبى تقيئداز كے ساتھ كھولدىجا تى ہے گرچونكەست خفت الوال ماستان ہیں! سے معنی دیکا جس طرح عولی میں لام تخصیص جیسے۔ فاص خدا ونرعالم کے لیئے ہے - اور کہین سبب کے معنی دیکا جیسے غم الآسیب دسرمین لینی غرج مبب بات كومياس كلين بس از ادى كور حبكابيان مع كانكاف الدامية اسی محللہ کی قسم میں داخل کرسکتے ہیں گراسوجہ سے کدا ضافت میں اضافت حقیقی اصل ہرا دخصا حیقی مین مقصود مضاف ہی ہواکر تاہے اور ما دی مین مضاف کا مقصود ہونا صروری بنہین ماوى كوتسم حداكا ندبتا ويا والله تعالى اعكد بالنَّصْوَا -كيارَ بوان ازما دِّي وه ازب جوا دوبروظ ہے تاظاہر ہوتا کہ جواسم اقبلِ از مذکورہے مِرورا زائس کا ادہ ہے خواہی یہ اور وحیقنہ ہوتا ل جیسے ال شعر بن سعدی م شعر شمشیر نیک زاہن برج ن کندکسے و ناکس بترمبت نشودا سے حکیمس وائی جیب اس شعرین نظامی حسنتعر زلعل وزورگر دن و گوش بُرو ەازلىل كانى ودندان زۇر چالىنى لب دوندان كامادە ادعاءً سيان كى جانا ہے كەلىل دۇرىبى . ب وعذراولقصيركيطرح محللًا ضافت نهبن كهرسكة كسوا سط كرمحلله مضاار پرواخل ہوتا ہے اور اومی کا حال یہ ہے کہ اگر محرور ان اڑہ حقیقیّہ ہے اورائس سے بیدھ زف مرون جرتزکیب اصافی بنائی حائے تو محلا کی طرح مجرور از ابنے آبل کے اسم کامضا ف اليد بركا جييغ شيراز ابن أكمشة إززر سيشتيرابن أكشترزر ادراكها ده ادعائي بع محروراز ي كے اسم كامضان بوكا جيد مثال منكورسين لب العل دندان ازورسام ل فروهان مركب اصافى موكاغرض ابالانتياز مادي تيمي اورادعائي كابحى وبي بسي كميلا

مودا درمحظانظروسی اسم ہوگا جوماقبل از کے مٰکوریواً گرچپر مرکب اصافی بنا نے۔ ضان بقصود ہوجا ہاہے جوقبل ترکیباضا فی ماقبل از کے تصااورط وی وعا ین مضاف ایب مقصور مواکر تاہے جوقبل ترکیب صافی میمی ماقبل از کے مذکور ہوا۔ جئيے اشلہ سے ہویدا ہے اورا ضافت ان ہرووقسم اوری مینی حقیقی وا وعِائی کی اضافت بیانیہ كهلاتى ہے وَاللّٰهُ مُعِيكُ إِنَّمُ لَمُوالصُّوابِ بارموانُ ازبراے قسمت وتوزیع بیرہ از سے کہ ج مقسم عليبرا ياجاناب ميورنف رضى كاشعرب شعر برادرا نه بيانسمة كينم رقيب جهان و ت القريا رازمن « استمهره بان قسمت تو ويا رَقسمت من -خواجه الصل الدين كاشي ر باعی ابراز د مقان که زاله میرویدار و « دشت از محنون که لاله میروید ار و « طوبی و بهتبت و یل از ارد و مارولکی که ناله میرویدازو و تیر بوان از جو بجایے راسے مفعولی کے ستعلی تا عد*ی پرشخه شب سوشان برده* از دیده خواب + چوحرا آبل کنان را نتاب + اے برالبض نسخون مین بغیرز سے کے تامل کنان آفتاب ہے مفید بلخی شعر حول گرماز آن شوخ موسناك مفيد ومن كذبهجون صدحت المه وندان دارم \* اسےلب آن شوخ را مكر بلے كه بهإن اززائد ، مفعول به برلا ياكيا مور چود موان از جربجاسي وستعل موتاسب نظامي رح تشعیر چېل روزغو دراگرفتم زمام و کا ديم از چېل روزه گړو د تمام و پڼدر سوان از وېجاب بر ماك ياباً ابو نظاميُ م**نْ عنِسْت ازب**ارهٔ رواوه برآريت تشكر رسم نبرد په **سنْعر فريب** خوش ارخصم**ا وَتُ** وتشعرك بسراز ملك وجواني مناز ، نازيدوكن كم ادب نیازهٔ واضح مجکه برجوناز کاصله واقع سوتامهوده دوشکی ریاتانه کاک آنوکو کی کمال پیمال مغیره <u>حبک سبت</u> انساد إلرانا ونازكرنا بحيييني عنزازين ولت الإلىكن وافرنا صحبير ايتي و دوساره كالسكن الاوتخو كورتي ك ج*يفصرعد*ازبرانكن كتزريات، بنت الحمين بنج تفيق *بعنان تعلايية بينو*كل سبيريس جاز كموضع أو المينة عل بواسكوعنى بقوارد ميناننهين جلبئي بكارس قع من الخود ربتعل بواسكومبنى از كهها مناسب بوكا والله تعا اعمك على نصواب سولهوان ازج بلب مركب اتصاليه ي مجبستعل بواب جال الدين لمان ہے شعر حان زندگی از حینئر پرنوش تو دارو ﴿ دلبستگی ایسنبل گلپوش تو دار د ﴾ اے اسنب کارسنس آوانج ستر بهوان از جزوصفت لینی وه حرف از که در صل صایعی چیفت ناپیزند به سال کارخیاری

يلا الأبرائيمت

يا اربغني لائ ينحل

> مجار از بہتنے ورد

٥١٠٠٠)

State of the state

از بعن بانی مرکب الصالیہ مرکب الصالیہ

Suday!

آزج:صفت کا حذف

رخ دو همسل

رُبُومِ در موزگره و در نان برای کرد. نان برای کرد.

> <u>9</u> اززائدہ-

کے ورسیان میں لایا جاتا ہے جیسے وست اذکار رفتہ آب ت اورآب موصوف ہے از کاررفتہ واز بیرگذشتہ ول صلد کے ساتھ ملکروست اورا ب کی صفت ہوئی جسکی تقدیر وست کداز کارفت ت ہے اس صورت میں موصوف کسرۂ توصیف سے بلے نیاز بوجا کا خصفت كابنا ياجا اسي كان مصوله او ہے حذف کرویاجا ناہے تا یہ مرکب کلامی قوت مین مفرد کے ہوجائے اسوا سطے کہ صیغے یسے ہیں آپ ذراغورکرنے سے معلوم ہوسکتا ہے کہ حروث روابط مطلقا هنت واقع ہو سکتے مین کوئی خصوصیت حرف از کی اس ٰ ابرہ میں جسلے صاح نے فرائی سے بچھ بین نہیں آتی جنا نچہ دروبروبارموحدہ وبارمرکب برار جزوصفت واقع ہیں یآسے درماندہ چیشم درراہ گوش برآواز ستربرزالؤ نها دہ ول بامبرساختہ وست بدل اسکاڈکر شبه كے بیان میں گزر حکیا والله کا کا اعکا لی اعکر ایک کا ایک کی میں از خروصفت بقریر نام ما حدن بھی کیاجا اہے صائب کا شعرہے شعر بردست کار رفتہ نباٹ گرفت وگیر ، چوان ہلہّۃ' الماركينم فأكرجحرس يوجيئي اس اذكوخروصفت فراردينا اكيب اصطلاح حديثيبت كلعث سيداور وحقيقت انتراعيهانفصاليها زسي حوصلاً دئتنن ورفنتن كاواقع مواسب المحفار موال وازجو ىبعض فعال كا داقع ہوتا ہے جیسے *برسیدان فراموش کرون یا وآمدن با وکرو*ن یا دولم نیدان پخیر*ہ* آگریفىل لازم سے مجرور ارفاعل ہوگا جیسے جامی تر شعر حوالین دادیوسف کاسے بریزاد و نیاید باتوکس راازبری یا وہ اسے درمقابل تو کسے را پری یا دنمی آید۔ اگر منعدی سے مجرورا زمف مبدزان گرده فرزند چکداے روش گهر پیرخرومند و بهان ازیران کے مفعول اول برواقع ہوا ہے ورنہ اکٹر مفعول نافی برلایا جا تا ہے سوری ہ نشر تکیمے رابر سید ند ارسخاوت وشجاعت كدكمه مهتبراست وافظ يشعر كلكشكين توروز كيه زاياد كنده ببرداجره وصد ىندەكەآزا دكىندە: باقۇكاشى شىعرتەغەدىكەمىكنى ازىن فرامون ، كېاجان مى كىدارىق ، لرامۇڭ فاعل کے زوتیا بلکدیدا خرصوصیات محاورہ سے تعلق رکھتا ہے ۔ اُنتیبوان از الدہ اور یہ وہروہ

لام المراد ورزي مار المراد كار مار الماري

> ایزر کا کینن کینن

آزآوررا آوررا باببروغیرواک جگزیمع ب<del>رحان</del> باین

سے حذف کردیا دباہے معنی میں کوئی خوابی نتھنے۔ لیکن اس کاالانا فائدہ سوخالی سے حاصل ہوتی ہے خیانچہ جال بن نعیمینے شرح التآكيد غالباكما حويثان الحروف الزائدة مبيه ازبهرازبرا سازي بلكرأس راكم سأ جهني براسے كے مہوزايدلا ياكرتے بين جونكه ازكوا بنے مجرورسے مقدم اور اكوموخر مہونا ضروري ہي ازبراے كيطرح ازا ور استصل نهو بك اپنے مجوركة الكے اور بيجے ربين كے جيسے مولوى منوى و میش **نعوسا**حران بارسی ازاستیزورا + برگرفیته چ<sub>و</sub>ن عص انیراا درا سکے خفف زیرا میں ہمی ازاور رااسی قسم کے ہیں سواسطے کہ صل ہمی ازین را وزیں رہے جسكوببدهذف نول ازيروزيرا كهاكرت بن مولوي معنوى روشعر مكودل راكد وغيم نكرود فو ازيرا ن شغری متعواز عبب برریز زمانی بخود آساً سے ، زیراکه خرد مند نیاسود غمرخورون کمرنگرود په س ریا دہ تعمل ہے۔ کبکہ یہ تینون حرف ایک بحرور پرد اخل ہوجا تے ہیں جیسے میرمغری کے ہس شعرین مشعر ازبہر تراتوب وسوگ نشکستم فہ برکف قدح بادہ نہادیم دگرائیج 4 اے بہر تو انورى متعرفاتحه دغش ارزمانه بمي خوبر ازیے تعلیمرا وحرف گویدارنے تفہمرا و آورسی تبیل سے بین ازاول از مخست از آغاز ازمیش ارس ازعنب از کها از تاکاه مولوی جامی کاشعر سی تعربهان زونامها شدورست په فرویی پرشعراز آغاز نبوشت نام خداسے پک پودست باشدىجاك، حافظ يرتع حررهِ خلاص كما باشد آن غريقي را ﴿ كَا *ں نیار در*ئیں تومبین فرس نه بیرمغان دربروئ کبشاید 🗦 کدامره بزیخرچاره از کباجویم 🛊 اے کدام جاجویم بینی در کدام جاجریم شربعيت بطالع سنعوونه باوج برج سعاوت زناگها كورنه كيامعني كدادل ونخست دبيش وليرم غيره خلوت کے صیغے ہیں بلا واسطهٔ حرف جرمفول فیدوا قع ہوجاتے ہیں اب اگریہ ازعبارت سے فذت بمی رویاجامے سنی شیطرح بنے رمین مے استعامت سنی من ذرا فرق ندائی کا جیسے اسٹارست

*جویدا ہے اور میا از اتنی مفو*ل نیبروا کے سنی ظرفی کی تاکمید بھی کر دیتا ہے جوان ظرومة بين لبراس صورت بين بدار بعني دخافسيه موكا خيا نجزؤ ولفظ دراس موقعة ينتغل ميصحضرت ام فواتے ہیں شعر بود دراول کس ازو بیش نه و ماندور آخرکس اند بیش نه وافغاج شعر مرکور بیش بان رجان مى سورد نىنە ئەتكان تىن اولائق قربان نىشود ، ولىددىس ئىيى طوطى صفى داشتانىد بانچا ت ہمان می گویم 4 گرفرق ان دونون ازائدہ مین یہ ہے کچواز کہ براتے وہر درآ۔ ہے معنوان میں ہوتا ہے جوا سکے شصل صریح مٰڈور بہن اور جواز کدال ظر<sup>ون</sup> ہے ساتھ سبان کیا جا کا سبے وہ در (مینی فی) کے معنون میں ہو ناہے جو کہ ان خلو ف ع تے بین آدر یہ بھی مُن رکھئے کہ لفظاگاہ مین گاہ میعنی وقت ہے جیسے سحرگاہ میں اور نانغی کے یئے تونا گا ہ بے دمّت کے معنون میں ہواا درجونعل جانگ بنتۂ ہوتا ہے وہ بیٹی وقت ہی ہوٹا ہمی اسيوجه سيراس لفظ كومفاحات مين استعال كرت بهين اور يفاحات بمبيم عبى عجلت مب چنانجه الج مین ہے فاحاہ مفلحاۃ ای عاجلہ *اور اس قسم کی ترکیبین عربی میں بھی متعل مین جیسے کہتے* من جاء فلان في حاجت توريع من فورة كماف المصبل اس رجع في ساعدائي وسل فيها چنانچه جاوره اُرد ویین فے الفور کہا جا تا ہے غوض از ناکا ہ اوراز نخست از آغاز میں کیے بہاج کی زيادتى سے وَاللهُ مُعَالَىٰ اعْلَمُ بِالصَّوابِ اوريدازجب اسنے اقبل كے سى كلم كے ساتھ اتسال

پانا ہے فتے ہمز ولتل کے ماتبل کو دیا جا نا ہے جیسے کر دنز نظامی دشعر سرآن فتے کا مبالش آورد پیش پزفسل خدا دیر نز جہزویش \* امیر خسر وشعر منکر سپر رابوغا را نده ام \* نزر سراتی ووغا

رانده ام : چانچ ضائر متصله کے بیان من بطور نظیر کے اسکاہی کچر بیان آگیا ہے ۔

الْتُالِيْ الْمَرَب يَكِيُ مِنون مِن تعلى بِ الكِ توانها ئيساده بالنصين عنى موصول شرطي اور يدازا بتدائيه كے مقابلية بن آنا ہے تو يہ بھی ايك امر مند بالذات يا بالعرض كے ليك موضوع مهو گا

سدارابدابد عمقابد في الناج اويد في الي المركب الوقع المراقع المراقع المراقع والمركب المركب ا

ين الا البدائيد برقياس كراينا عابي علامت اور حداشناس إنا انتهائيد كايد ب كراسك معام

مِن ازابتدائيه كالانا درست مونعت فان عالى كاشعربيت معركيه بشرط كدفرد ب كوچ تادېلى ،

\$ 1.00 T.

آزاگرامینی اقبل کلویسکیا اقد دهل پایگریتهای اترکت بالی ا دسک گرافت گورا دسینی ترین

تاركياتينان

علمجة تلهبتار

توان بعرصهٔ چلیوز با دوما <sub>ا</sub>یرسید اسے انتخاتا دہلی صائب شعر جائے نمیروی کردل برگمان شعرلیس سلیمان ازدکش اگاه شده کزدل و تا دل اورا ه شد و حافظ شیراز شه ت ؛ 'اآب اکفیعش الله کلیست و آوربوتت قبام قربیزاس کا حذف کردیناهمی جائز ہے غنمان خان نجاری کا شعر ہے تشعیر ملک ش زجان حیندان کز سند کتب طنطین ﴿ اسْرَاقْسِطْ عِينَ یہان بار موصد ہونی تاہنین ہے بکہ وہ با ہے مُوحدہ ہے جزناء انتہائیہ کے بعداکٹر تعمل بونظائی متعرب منزل آمرس تا تبوه نشاير تراياف الابتوه ووسرا بااستدائيت فنم وصول شرطي اسك مقابل تاانتها الميضم بنى موصول سرطى جي آنا سے كياسى كدية تا چونكيم موضع من نائب مناب كەكابنجا ئا ب تولفظ كەكى طرح اپنى ابتدا اورانتها سے زمانى كے ساتىسنى توسى لوحهی صنمن موحاً با بسے اور میہ دونون تا ابتدائیہ موخوا ہانتہائیہ ب**دایت وہن**ایت زمانی سی کے التبخقص ببن غيرزمان بين خواه مكان هوياغير مكان اسكا ستعال صموع نهبين ابتدائيه جيسة تنتعر تاعشق تودرسبنه كمكان كروكرا حاوكس ديد درآ فاق سبك شهرووراحا ﴿ اسے از رَامَنَكُمْ تُنْ تودرسينة ن الخرج نكديموصول عني منرط كوتضمن وتوعلية ماعشق تو درسينه مكان كروشرط موكا اور اجارستفهام انکاری بینی دیگر کس را دران سینه جاسے نماند اُسکی جزا- اورجب که یه تا است معنون کوشامل ہے فقط حرف از اسکی حکمہ نیابت کے لئے کا فی ہونہین سکتا لینی تاعثی وسینیج كى تكبصرف أعِشْق تو درسينالؤ كهنا درست نهو كالتبسراني انتهائية تضمن منى موصول شرطى جيسے نظامی چ کاشعر ہے ستی جراغے کہ نااوٹیفر حنت نور ; حشم جہان روشنی بود دور پر ستعر واپھا مرجهان بودمكن ، ذات پاكت بهيشه باقي باد ؛ است مازمانيكه حبان رابقاس ذات پاکت باقی باوجراا در لفظ میشد کا تاکید معنی مشرط کے لیئے لایاگیا ، دو امیت معنی مشرطی يه اشارة مفهدم بين منهفه ميرا والله تعالى اغَلَنهُ حِرْتُها اكن معنون مين تعل موتا سيهاك ع بی بن حتی سنعل موتا ہے جیسے وفی شیاری کے اس شعر مرتب متعرضم آن قطرہ کر صندیدہ ول كردم داغ و تازنوك مره خلطيده برامان فتم و بالخوان تاعلت وسبت ليك لعنى مرخل اس تا كاعلت غاني اورسبب ضل مواكر تاب عرفي مشعر تا بثر كا أنْع كرو وآشنانه ديده البيش كا كتا

ولن النهاية

للبقرار لتفرنز

in the

تأبيعنے حتی.

تاءِعَليّه وبهي

"الزوسي

<u> شرزون کی غرعن کہوعلت غانی کہو در ک</u>ان معشو*ق* التذامز ببدأكية كيك لاياحا باستحبر وجودامراقال ترتب امزناني مين كوئي حالت منتظره باقى منهس ري جيسے گلستان مين -ببارأكفت افرش زمروين مكسته دودائه ابريهاري را فرموونا بنا بيروردلىكن گشترد وبرورد كوبسكون راصيغهٔ ماضي طِيصناجا بيئے نظام*ي ۾ شحر لفرمود ا*كوس رُون . 4 سرابرده برنیت بروین زوند و کیامنی کهفت و فرمود کامفعول بینی مامور به منوز مذکور بنوا ۔ام<sup>ز</sup>مانی کا ہوگیا حبر نمیل سُکی ہوجاتی ہے استبیل سے ہے تا اس شعرین نظامی پر شعیر نشد بہتنے انپرواشٹ رے انیند خنش ، لینی بڑس برجانے نہیں یا اکر جگہ اس سے خاکی کردیتا ہے یا اس تن وجان سے خالی کرویتا ہے اوکسی سرمیار نے منہین پانا کہ اس سرکوگرادیتا ہے خرض مخول تا ادرائسكے ماقبل مین ملازمه مونا جائے گارتوہ ا دعائی ہی کیون منبوا دریة الزومیہ تاہیا نیکیطیح ه و دَرُومِی رفت جون تندباد په که تاحیثه رسونندسز**ن** لِيُه لا إِما السِيهِ وَاللهُ نَعَالَىٰ اعْلَمُ بِالصَّوابِ سَلَ وَان بِاندِ جِكَاف بيانيدك فَائِمُ مقام ہرجاتا ہے جس طرح کان ناکی جگہ ہتھال پا اسے نظام دست غ مینه کندم انقدر تا ناخنے برول ٰدوم « اسی انقد رکه ناخنے برول م یکن فرق اتناہے کہ اگر مقام مفام استغراب وتردد وانتظار نہیں ہے تو کا ف صل ارتا اُسکا ت غلیے شعرسے واضح ہے اوراً گرمقام استغراب و متظار کا کہ نى ناصل اور كاف اُسكا قائم مقام مجها جائيكا جيسے بدبنيم كرچ معالمه بيش آيد نظامي مپيد <sup>د</sup> قارح *ن تراشندارشا* جمع برجاتے ہیں اس وقت کوئی کے بکانائب نہوگا واللهُ نقَالیٰ اعَٰلُمَ یابِصَوَابِ نظامی *رَبِّع* بهبنيكه ناكرد كا يبان و دين آشكاراج داردنهان وشعر حبد نماناكد بجاسي سي، دروكبش تا كرسى؛ اول مين كا ف مقدم ب ثاني من موخرية مطوال تازنهاريدا سيف معلو

تأبيانيه

شارمهرية الميده

مضمول جلد کی تاکید کرا ہے سعدی و مشعر نصاحب غرض اسخن نشندی و اگر کار سندی بیشان شری ، اورتارنہاریہ اکشرنفی برد اخل ہواہے اور کبھی ثبت برہبی آجاتا ہے سعدی شغیر بران باش ناهر چرنیت کنی و نظاور صلاح رهیت کنی و جنامجه خود لفظارنها را ورس**گرزج**ل ثبته پرد<del>امل بی</del>ج ېن سورى «منتعرغم زىروستان بخورزىنېارە بىترس از زردستې روزگار ، صائب تنتعمر درملك نولېش رخنه گذرن بقل نیت، زینها رسبه دار زبان سوال را ۵ نظامی رو متنتحر گرازمے شدم گرزانوره گام طال خدار نظامی حرام بحمل ہے کہ اہر جونیت کنی میں نابران کا بیان ہو۔ نواآن تا اسمی حبکا ترجیف اورسوے کیاجا کہ جھزت امیر خسر و معراج مین فراتے بین تشعیر بازکشا دست وراسان ، با میروان نندمين تازمان واس بسوب زمان بطوف زمان بهإن زمان سے تسمية الشي باسم لازم كسمان مروب كياسنى كم مقدار كروش آسمان كازماندنام ب والله تعالى اعملة وبالمستواب. اللَّقَالِكُ يَلْفَظُور بهتمال اسكاظ فيت كے ليے ليني جروراس در كاظرت مكان بإزمان ہو بہتمال خیقی ہے جیسے آب درکوزہ وخواب درشب اوراستمال غیرظرف بین مجاز ہو گاجیسے منجات وصدق ت اوركهبي تبراورآني اور رآمفعولي وغيره كيمعنون مين مجازًا استعاره كرنسا جا تاسيه اوراس اختيا ا حازلینی فیرمنی تی تی کے لیے استعاد کرنے میں مقصور شکلم کوئی ندکوئی کند مرتا ہے جیسے ا<del>ُسلہ ''</del> ظاہرہے اول بہنی برامیر خسر و شعر عرابد باد بعیش اندیش و این غزل اندر لب خنیا گین ، اسے برلب ضياً گرنظائ شعر بنوغاسے نشکر درآ مشکیب به که دست از عنارفت و یا از کیپ و اس بسبغ عا الكرصبرونكيب بيرون رفته ينصوصاً جب أسك ميزول كصلامين ارواقع مو نظاى يرشعر رطب چین درآمرزنوشیندخاب و دا خے پرآنش دائے پرآب، **ول** درآ مزمین نالمناگهی ، گزاندیشر پرگشت انخوتهی و ولم غنوه تن مردم از رخی واب و نظر برزان نے درآ مدرخواب وشفائی شعرزه کرد کمان غزُهُ غازشفاني و كوه صلدكز عبده اين ناز درآيد و اسي رآيد - مدار قافيه نازوراز پرسې و وَمراجني لي سعدى وستعر غيراز والماذ والمجارم نيست ، جم در لوگريزم اگريزم ، اسے سوسے لوگريزم - نظامی شعرخِان ديدورقاصدراه سنج وكمازوش ول مغرس آيدرسنج والصحاب قاصد تيكرابي قرب (جُسكواُردومین باس سے ساتھ ترحم کرسکتے ہین ) آباہے امیر شرو شعرول تبو وا دست ننانى مرا و در توريم گريسانى مرا و تيرب إس بهر في جا دُن جَوَتَما بعني بين نظامي رو

تَلَكُّنِي بَرُ ثُرِدِ

ئ منزل المنارين وسكا المنارين وسكا المناريجية الما المناركة والوغيريا لمن جاذ

Chi.

Jain Star

المنالج

ر الم

درزُامرُه تاكير

ير آسان- يانجوان جوم مدى شعربنى أدم اعضاسے مكد كرانہ 🖟 كدر آ دراتصالیہ وہجاہے باسے اتص ب ، شکراً نکه کرد مبدارم زخواب ، نطامی دستنعرسنان درسنان رستجون کو پر برسپرسبتہ چون لالدزار ولیکن ہمین نیسبت باسے الصاق کے زیادہ مبالغہ ہوکیا تھی خیر وطناب اس کثرت سے جمع ہو گئے تھے کدانصات واتصال باہمی توکیا ہے ایک برج بنگی کان کسس کے تفحل ہے کہ یہ در ضربی ہو گرمصوعة اند کے مقابل کی دحراتصالیہ کی مؤیر ہے تا طموان ضربی جودومقدارون کے بیج میں ضرب کے لیے لایا جا اسبے وہ مقدائین خواہی کو خصل ہون خواہی تصل مگریہ دونون مقدارین لینی مضروب ومضروب میہ ایک نیج کے هونی شرطب جیسے وہ دردہ گزورگز کم نفصل جیسے فروسی کا شعرب ستنعز بنا اندر نہ آ برسداند جہا ىل جَنِيهِ نظامى يتنعر برآ فاق كشوركشا أي كنى + جهان وحبان باوشا بى كنى دِك عت ملکت دمالک زیرفرمان کا بیان کرنامنظور ہے اسی فبیل سیے بچین وتین حراا در بیرکنرن وابنوہ سے کتابہ ہوتا ہے اُسکواتصالینین کہ سکتے جوکالاتصالیۃ پرولالت کا ہے اورور ضرب براوزجمع اور ضرب میں ج فرق ہے ظاہر سبے مشلّا صد کے ساتہ جمع کرین دوصد حاصل مہوئے اوراگر صد کوصد کے ساتھ صرب وین دس ہزار عال ہو نوآن ورزائدہ تاکیدیہ جابدہم مجورب بایا ورکے آنا ہے اوراً سے بایا در کے معنوان کی تاکید اُوّل جیسے بریا دراس شوین شعر بدیا درسا فع بیشاریت و وگرخوایی س راجىيے مولوى معنوى يونشعر ورشود چون ماہى امذر آب در ﴿ ارْنْهِيب بِيْهُ و نریروزبر ، ملکہ مبی ناکید برناکید ٹریا دی جاتی ہے ولہ صدینراران طفل می کشت ازبرون وسے اند صدر خانه درورون ، اور کھی مل حوث کو صف کے اسی اکیدکو باقی رکھتے ہیں جیسے مولوی منوی کاشعری ہے کہ آلت زرگر برست کفش کر چہمجدد اندکشت کردہ کیا وہ اے دریا

وززا متزلينيه اوشوان لائد جوزنيت كلام محميلي اكثرمصا وراؤان محمضتقات يرزياوه كميا حالا بيصيع ورثوان ەر دا دان *سىدى چ*ننعتراگر د. دېدېك سلا*ت ك*رمر ؛ غزاز**ل** گويدن<u>صيب برمر ؛ نظامي چ</u>ننعر زمان بنوين ميشيها برومد به سكير درستاندكير ورويد باكتهن لقرئينه مقام جذوب هبي كرويتي مهن نطامي شعترزن آن ہرکہ زلیورلودیا سے او 🗧 اور پاسے اور اور میرحذب اکثراسا سے ظروف میریج یک و خودخضم معنی در و بر مواکریتے مین حاربی ہے امیخسٹر و شعر نیمرشب آن پیک آلہی زدور 🖟 آمرداً وروبرا قی زنور ﴿ اسے دینیمِشْب نِطامی رِ شعیر پنظوت بری کا فرمینش نبود ﴿ بنجون ار ده شد برآوزمت فزود ؛ اے درخارت انه مولوی من<mark>وسی در شعر</mark> حان بابا چِزکسا حِنواب شنژ کارا و بے رونق ویے آب شد ﴿ اے ورخواب شد۔

اللر البع الفطارة الك تواس لفظ كاستعال استعلاك ليئ حقيقت ب جيد باوشاه برشخت انت مه اسكا مزيد عليه اربيجي آياب فردسي رمتنع ابربارهٔ حبگوب سوار برون رفت از قلعهٔ ولوسار ، ووسار به وار بهر مهی عبی مواکر اس معنی فوق حبیرادات فضیل کفاکر برتر کهتے مین اور ہاہے اننبت دلتمید کے الحاق سے برہ وابرہ وآبرہ بعنی روی جامہ مقابل آسترکہا کہتے ہیں عضری کا شعرب تثنعه عايضش راجامه يوشيرت نبكوئي وفرء جامرُ كالزابره شك بت واتس آستر «تبيسّار اہمی بمئن زوکیکے بھی ایا ہے نظامی مصرعہ کربیا زناید ہراندکے بداورا بدالفرق حرفی وہمی مین به ہے کمعنی ہمی مین خوص ہم کے عروض کا وہ تحل ہونا ہے جیسے اوا تفضیل والسیمیہ ونسبت كالعاق حبرطح اوبرگزرا اوراسكامضاف واقع مونا اوعلامت اضافت كاقبول كرنا ذوطنی پر شعر بغران بزوان میان را بهبت دنشست از برخش چون بیل مت دایه نو ق بشت خِشْ - نطأمی پرسمت انبر بارهٔ ره نورد + برار بهت نشکه برسم نبرد + پتوتنها استعلا مجازى يغى مجنى ذمه ولزوم بيمي تعل ہو جيسے سعدى پر تشعر برتست پاسخاط ليجارگان وشكر ﴿ ارما وبرضا سے جہان آفرین جزا 4 کیامنی کاستعلا سے قیمتی بہان خصوصاً برخدائی من محال ہم

نے اپنے نوکر کو گالی دی اُسپر نوکرنے نوکری چیٹر دی تو کہ سکتے ہین کہ فلان برو<del>شنا</del> کرک مایت

ظامی ریننعرمننی دگرباره نبوازرود ، بیا دآرزان خفتگان درمهرود ، میبین سورسی ناز که بهازنو.

برتهى وحرفى مين به الامتيأ.

اپنچوان برسببیوسبب بردخل ہو تا ہے لینی مجور برا بیم تعلق کے لیئے سبب اقع ہومشلا کسی

تن شود ولهائے ناب می خور د بر با کہ يعنى حريفان كُذِمشة تكى بأواور راك وزَّبك كاسامان طبيع مے مقابل بیل شابت ندارد ولیه بزاری نموداز۔ برم دگوبرفرویش ؛ایے مبیش مرد و کیر لفرمان شهرکو روسی شتاب ؛ رسایندم دِآنَ انتاب **ولهريك** برصدآيد نه صد بريكي ذات كي نزد صدآيد نه ص راسمی ہورہیان فک کسرہ اضافت کے ر بالتدمستعل ببوامو. نوان م ت ارکره برخون ماشارت 🛊 زفریب او میندلیش غلطی کمن تکارا 🤄 جدال حربہ ثبتی رابود و بغاکر و ﴿ کے التفات کند بربتان بغمائی ﴿ اور اسم عنی مین . خو*یش نگر* « نظامی *و شنعر سکندر بتاریکی آردنستاب « ره روشنی خضر یا بد برآ* - على حزين شعرسا في تنگدل مراحيند بها ندَميد بي . ا درسرم دارقافیه شراب وکباب وغیره برسد نظامی وشعر جناح بعوا برزمین سروه بیخ ډلیس آنهنگ شد الفعال ا﴿ السيجرم مرا بنجش الغ بارتهوان برم یدید جوبد اسم محرور بربا با مجرور سربے آناہے اس ہے اول جینے بربہربراس مصرحہ میں چوک

ووسا برلب بررد و کی کے اس شعر میں منتھر واؤس دوبوسہ برکیا برلب بر بہ لب بدندچہ بیجنین چون بدچهشکره فرودتگی تشخیر بهدروسی آن گرفته بزر ۴ درفش سیاسته برخور به به کمیمی اتاکه یک برکوبا تی رکهکوهل موکدکو حذف کرویتے بین مولوی منتوشی در شعیر چون نویسی کا غذاسپید برد آن نوشته خرانده آید در نظر 4 اسے بر کاغذسپیہ مولوی معنو<sup>ی پی</sup>شعیرای بلال خوش نوامی خوش مہیل <sup>خ</sup> مبُذنبرروبزن طبل حیل ا سے برمندنہ ۔ چود ہوان برزائدہ تزئینیہ جزئیت کلام کے لیے فعال پرلایاجاتا ہے فروسی شعر سنر کر کلیری سرش درکتار پر نمانی برآسائی از کارزار پر ول کر کر برگوی بان كدآن شيرمروه چگرندخرآمد برشت نبرو + اورلوفت قيام قرينه يالفظ برحذت بمي كرويا جآباب مولوی متنوی مش**ع**ر عاوراتو با دوادی درجهان « او نگندی درعذاب داندیان « ای بربا د دادلخ فروسي يتقل كاموس كيوستان مين ككهة بين شعرعنان رابهيجيد واورا ززين وبمكون اندر افكندروب زمين 4 العبرروك زمين يني برطخ زمين والله تعالى اعمله بالصّواب 4 الكنامس وامركب يكئ منون من تعل مؤاسه الك تدميني بإستخصيصيد بيني مفيدحني تخییص معدی چ نشر ہرجہ ورولیشان راست وقف مخاجان ست اسے ہرچیز مخصوص براتیان ست الخ اور جيسي منت مرضات را عوجل تركيب الكي بعين المحيد ويلي الي سي سع يعني منت مبتدا خدے را جار مجرور تعلق فعل یا شبغل کے سور فیر بیونک پیان تخصیص اسے حال ہے لفظ مرکو لبضدن نے زائد محض جانا اوکسی نے کا تب کی غلط نویس*ی پڑ*ل کیا گرمیہ سے نزویک نہ وہ زائد محض ہے نزلت فلم کا تب بلکہ اس لاکے اختصاصیت کی بیان اورتاکیدہے کیا معنی کہ اختصا کلی منگک ہے کمی دزیاد نی لینی شرت وضعف کی امین گفیایش سے تو بیر مرجمی مزید اختصاص کا افادہ ر بیگاجنا بخدصا حب میسبت <u>عظیے ب</u>نے اس کی تصریح کی ہے لیسنے درماب تقدیم غول وزیا دتی م (كدبرودام مغير حصرتين) فروات مين گويخ صيص امريت كدتبول شدت وضعف دارواپس بنظريت مازلقديم م فادوص مود استهى بس بالمهم قبل الانصاق تخصيض بيت تنى بداكسك قوى بُوكِئ خصوصاً كلستان مين غلطي كاتب كاحتمال بوننبين سكتاكيا معنى كر بفط كوستان من اساتره سے مروی ہے جیسے شعر جو دیداز وور آن گلکون قبارا پھلتان گفت منت مرضارا و اگر چہالگیتا سے تلب خصوص مراد نہیں گر تا ہم ایک بمیر بطیف ہے مولوی منوی پر شعر بلبلان را جا ہو میز ریڈین خ

بركنه وتزيني

بيآن را رابغي رابخ صية

سروان ، آور می ان منی کی تعیین واکب کے لئے لفظ ریسے کا بھی اسکے القرالے ىاڭ كەتوقىچ توبران نبود + زمانە ھے نگەند خىراپ ھىنا را + چۈكە اكىدا ورسان لائے جاتے میں) مقدم ہونے سے راکو زائر محض سمجہ نا نہیں جا ہے اسکے تطائر موجود من خیانجہ ہے دبجام بلورکو الماحظہ فرائیے باہے موحدہ خلوفیہ بر ورمقدم سے انشار الدرتعالے إموم يه بتسرعليديد ميول سراكاك مفول دواقع مواسع جوعات فالى ليفعل کی ہوا ہے جسکے ساتھ یہ رامتعلق ہے مواری معنومی و شعرد بہاران کے شود سرسبز سنگ ب خاک شو ټاکل بروید رنگ رنگ ، سالها توسنگ بودی دلوزت ، آزمون را کیپ زمانی ځاک باژ ے انحان جنانچہ بجاے راازبراے بھی آیا ہے مولومی معنوم **مثنت م**رازبرا۔ مے آزمود ﴿ رَائِكُ لِسِ مُوا نه وجا نباز لود ﴿ يعني آرنبون راخاك باش \_ اوراس خاک بودن کی علت غائی ہے اسپطرح مصلحت را زلا بی دیوا نہ کے بازار حلب میں حا بتان مین لکھتے ہیں متنع مصلحت راً اتش اندرخانہ زو ﴿ تَنْرَكُتْتِ وَلِأَكْسِرِ دِلِوانْهُ زُو ﴿ يافعل متعلق كاسبب موسعدي ويتنعرقضارامن ويبرك ازفارماي و سبری درخاک مغرب آب : سے بسبب قضامے آلہی مینے قضاراستعلق *برے بیم او*ر ىببيىين تىماكېتى اس رىسےمفعول لەكوسيات وسسباق كے اعتمادىر حذف بھې ك<del>وت</del>ىخ ے برسم دیریند۔ فردسی ج ج بگزسے رستم کے تیر بنا نے کی دم بيتعرچوبشنيدرستمنيان البيست والانجايكه رضن را برنشسه **شعر** شه از بول آن بازلی همناک ه بترسیر کا فت سپد را بلاک ۱۹ سے برسیاه موقتی معنوی پیش**ند** بمی فرمود آن بحرکرم به من شارا از شمامشفق ترمز + اسے برشا - جیشا را بعنی و**ظافیا میخ** 

راً توسُّليه رَّا علية.

G. 567

the in

رِ رَآظرفیہ

ن مر کمیر مفتان میندا و کیشت مروحیت دیریندرا واس در سینه نظامی تا صبحراشاه چین بارداد و عوس عدن در مدبینارداد و اسے درصبح - ساتوان را معنی ارت**عامی پیم حرکر** 'اکشا دولب آگبیر پر که پالب غنی رابو سے شیر پر اے ازلب غنی بوے شیر آید ولم لب غنی راکا پر ث بوے شیرہ بکامگل سرخ وروم عبیرہ استشہاداس شعرنانی سے ایک امرطیف برمبنی ہے سیعنے کا مین مین شین ضربیصل منصوب فعول ہے اور باقی ضمائرین ہمفولیت برعلامت لفظ را ہے ج يهان بسبب تعذركے لاحی نہبن ہوئی جنانچہ حالت انفصال میں اورا دور اسکتے مین پس کا پرش کی تبسر کا براورا موگی جیسے در اپنے آمرم مین در اپنے آمرم اے ساتھ تبدیر کھاتی ہے اور بہان اورامین را ابنصعنى مفوليت بربنبين بكدازك معنون مين سبع سيعف لبغخير الدا ميازو لوس شيرخ الجيان اكن دادد تعالى اعلمه بالصواب أشوان رامعني بالمبخركاشي مشعوضم السل اكرديخودوادت ازام أن نسبت كدداشت الرون كليمران ال بالليمر وأن رامحلاً اضافت وه يه المكارك مفاف الم ار والمل كرنا تركيب اصافى كوتحليل كروتيا ہے جس طرح عربی مين لام اختصاص مضاف اليه برواضل ہونیسے جیسے خلاح ُرز یہسے غلاح کلزید*ی اب بنی بود تحلیل مضاف کو مضاف اسیس*ے مقدم وموخرلفبصل وبلانصل سبطرح بلا كمشك لاسكتيهين تأتحليل بخوبي تتحقق برحيات سعدريح **ع**رشورنتحان آبرزوخوا ہند 4مقبلان رازوال نعمت وج**اه 9** اسے زوال نعمت وجا ومقبلا **فج لم** مانزانشدنا وک اندر چریر به کرگفتی بروزند سندان به تیره اسے ناوک *سان ب*نظامی پی**رمحر**گزار مذہ حرا*ت گوہرفروش پنخن ا*لگوہر برآمودگوش ، اے گوشنخن **ولہ ج**ہل روزخود راگوفترزام ، ای زم خدر وسوان زائد محض ج کسی معنی کا افاده نهین که تاصرف براسے مبت آباہ سخوام جا اللهین سلمان کاشعرہے شعرامیدزندگانی را کد داروہ تن ریجورمن جان روان ست ، ای امیدزندگانی کہ دارو۔ اگر غور کیجے آواس قسم کی ترکیبول بین جو کہ علامت مفول کوظا ہر بنین کرتے تو یہ را زائد قرار دیا گیا. در نه در اسل دارد فعل اس مین ضریسته جابب کداجهٔ اسکا فاعل ادامید زندگانی ضاف اليه ملكر دارد كامفعول به اور راعلات مغمول كامفعول يرلانا زائر نهبين كهلا ما دامله تعالى اعلم اسيطرح سيرصن اشفى كي شعرين شعر يدب بب سازكة ن سروروان را ب آروبرابخت عصارغم حبان ا 4 است الغم حهان بها معمل ب كمجوعه على الغم كواكي المعظ

ابيهابى سيحبيسادليكن كاوا وحوبتركله قرارويا نهعاطغه جيانجه اسكابيان حروف مشيه بافعل مين بدتعالى غرض المل فارس ايبنے استعالات مين عربي الغاظ مين تصرفات كوجا مُزر كھتے مين جيے وركوج و تبع كاحينه ب العن وفول لكاكراين قاعده پرجيح كيليتي بن مصرعه وران شارخِل خانهٔ ننوازد به است*قاراکه حافظ پوشغر مرم رازد*ل <del>نسیه م</del>خو نیمزخاص معام را ہ اسے کس را نے بینیم مصاحب قوانین وسکیری وفیرہ لنے قاعرہ فی *لى زائد عن كهد*ا دُولالله مُعَالى اعْمَارُي المِصورِ. الْمُرْكِيةِي الْمُرْكِيةِي وَسَاقِ كَ اعْمَا وبررا ع بے لمعام خوروم ۔ آب نوشیرم سعدی پر شعر کروز گارسلامت شکستگان در اِب + کہجرظ ین بلاگروانده است کستگان را درباب و بلارا گرواند **و له** مرایکدرم بود برد اشتند و نجشتی د الله کا چرسٹ چرون صله در وابط مین سے کا ف لینی کہ بھی ہے ادر یکئی منون میں تعمل ہوتا : توکہ حلّہ وعدت بروخل ہوناہے لینی مرخول کا ف اپنے قبل کے لئے علت ہونا، ہےخوا هطت موٹرہ اورسبب ہوخوا هطت خالی حب کوغرض کہتے ہیں اول کا ف تعلیا لیوسبہ یہ کہلاتا عافظ برکاشعرہے منتعجرہے سجادہ زنگین کن گرت بیرمغان گوید نہ کہ سالک بینجر نبو دزراہ وہم ننزلها هکیامعنی که سالک کی خبرداری اونِشیب وفراز راه سے آگاہی سکی اتباع اور بیروی

رنے مین تا خیرکھتی ہے اسکی حلت اور اسکاسب ہے۔ دور سرکد غائیہ جوخوض اورغایت فعل

سے معدی در متع خرب آفنا باش وسیاح دوست به کرسیاح جلاب ام کور

نگورنوآ درده ترین طعم لوو په روز دوسه صبرکن کهشیرین گردد په کیامتنی که سافری سایتوموت

ت وقت مّام وّ پنه حنت مي كردياجا اسے نظاى و شعراً رُنيا

بهركسه اهدا واسك كبشناسد مركسه ماه را ليني أكرمن شاه را بخوبي بشناخة عجب فيلست

نے کی فرض اور علمت فائی اپنی نیک امی کا اشتہارہے اسیطرح صبر کی علت خا

بي<u>ان كا</u> كأن عليه

يا كان غائيه

E. Course

ا در ما بعد فعل منفی و تنهی کام و نامنسر و طاکرتے ہیں میری سمجھ مین یہ بات بنہیں آتی ایک کلف ساملام ا ہوتا ہے خصوصًا شرط مابعد کے منفی ہونیکی صرف مغی زنہار کی رعایت سے ہے حالانکہ لفظ زنہاراو

حَان عنيلية البِراكبرس درشب، وران السرينية الأثيثيلية وجار مثيلير والله والب البيني كات عليه كي طرح ہے گروہ علت برآیا ہے اور نیٹنیل برسیدل م**تنع**ر کمن گردن فرازی تانسازد وہر پالات ہ کرنے آن بجرم سکرٹ یہ ابوریا گردد وغنی متنعم اگریٹہ رت ہوس داری اسپر دام عزلت شوہ کر در پرواز ت تفرییه اوار و گوشه گیری ام غفارا و چوتها کاف تفریعیه جبکوع بی مین فا کے ساتھ اردویین تو کے ساتھ تب*يركرسكة مبن نظالمي وبشعر سوفزن آور*وم اول بسيج 4 كهئستي مكروم دران كاراتيج 4 يعنه كبته مِن مُخِرَن الاسراحِ يَكم ميرى اول تَصنيف ہے مين نازہ وم تصالومين نے اُس بين مضامين طبيف ومعانی نازک کے ایرادین ذر آستی ندکی- سیطرح اس شعرین نظامی در شعورزراے بندوزران كاتَّت شرطية | اشترند ، كه ارحلهُ وورگيران شدند ، پآنجوان كات مشرطية وجله شرطية برآناب يعني مزخول أسكا شرط سوّاب نظامی و منعر بنظوت بری کا و بنش نبود ، ننون کرده شدر تووّت فرود ، اے وقت ک آ فرمنٹ نبود -واتی کاسکوہے شعر گفتہ بُودم کہ بیا یم کہ بجان آئی توہ من بجان آمرم اکنون لوحرا ہے نائی ﴿ اے سُرُّواہ کہ بحال ہ فی تو۔ اور کمبھی اس منی کی تبیین تعیین کے لیے لفظ ہر کا وجُوضمن كُنْ خِرَائِيه المعنی شرطب اسکے ساتھ لایا جا ہا ہے جیے مصرمہ ہرگہ کفت گزر بکویت ہوشے کے کرائیہ جوزار خا مونا ہے تا مفرط وجزاین ارتباط بیدا کرے جبطرے عوبی مین فا اور قدیم أردویین لفظ تو۔ اس فاک ليهُ جال سيد كا داحب مونا خصوصيات زبان سے مصائب شعر گر سم خاند كبيرت كرتم يركن ؛ تاتوان کروعمارت دل ویرانی را ؛ اسے اگرخانه کعبریمی ہے تو تعبیہ زند کر۔ اسیطرح حبار کیمر لبع نیشینی مزاآمیل مے تعوین شعر برفیزچنان از سرونیا کسپ ازمرگ ، گزخنت کنندت که مربع رنشینی ه المُصَاحب واسالحود منحقَ فزانه بهاراس كامن كازنهاريه نام ركفتهن ادراسكه أبل اصليه

المركز حليثبته سِراً تن بهن صبطح ميان نا زنهارية بن عرض كرجيكا هون جنا بخياس شعرمين ويكيفيهي

قسم كاكان جله مثبته پرموجود سے متنع رسنرن دہنخفت ست مشوامین ازد ، گرخو د امروز نبرد دست کوفردا

برد وین اگر نیسیا تول بیائیگا جناب بهار کی داسے برلین اگرز نهار یکها جاسے پرجمه بوگا

كه الركة منهين ليكيا صرور كل ليجائيكاكيا معنى كدزنهارو مركز بثبتة من معنى ضرور كے ديتا ہى جيسے

تنان بخرز نهار و اس صور عاجزو بحی عنمواری که اورکر تمه خانه

ږد. آيد ، گرمرغ کباب ست که بابال وير آيد <del>،</del> آخه ے دوحلو سکے درمیان دخل ہوا ہے کہ جن بن ایسا علاقہ منہیں ہو آ کہ جس ہے اوراقبل کاف البد کی علت بینی بہان کنٹے مین آسکو بابال إبال وبربلونيكي دخول كشمه علت ادرگرم غ كباب إ تی ہے علاقۂ لازم اُسیس نہیں ہوتا یعنی بہان سر بڑانو نہاد ن اوّ ون خرومین کوئی ابسا علاقه نهبن کیس سے حکم استلزام کا لگا با جائے بانمیعنی اسکا الفاظیہ ناہ انكلكُه وإلصَّوابِ اوركبهي تميين وتعيين معنى فجا مُى سمح ليئ كا ناه بھی بڑھا دیاجا باہے امیز سروے دل گرکٹ نہ را در سرخم لفش ہمی جستم ن برنا گھیٹی میخوسوسے رولیش رفت وحال گھمٹند نہ اور معنی اتفاقی مفاجات کے کوئی سانی ہنین يلعه قعالیٰ اعله به نوان که عاطف جس کا ترجمه عزبی مین لفظ بل کےسائم کر سکتے مین اور نون میں شمل ہونا ہے ایک تورہ کہ جس بن ابطال معطوف علیہ وا نبات معطوف کا کے ورمجير ريمجى ووحال سے خالى ننہين يا توملاقصد نرقى ہوگا جيسے اس شعرين معدى بركم م بشكنم بائيخر ، كداز جرسلطان بيدادگرة است ملكداز جوسلطان الزيارش عدى يستغر زقندس كمردم لصورت خورند وكدارباب معنى بكا ۔ نوع کا اعراض کیا جا آیا ہے ا*س کا و*ا ر کھتے ہن کیا منی کا ضراب بعنی اعراض ہے خِنانچہ کہتے ہن اضہب علیہ ای اعر ف المنتبي الارب اور الفيت عليدك اعضت عند تركا واها لا ودر الم الصلطال

بات سے دوسری بات کی طرف جل دیتے ہیں اس وقت اسکا استعال بجلہ عدى «تنعرا سے بساسپ تیز روکہ باندہ کہ خِانگ جان بنزل پُروہ ہ وخرکنگ انته مکن ہے ہیں شعر کو بھی پہلی قسم میں و خل رین گراسوقت اسکامعطوٹ علیم تا اول مگا ينى بانەسىجان بنزل نېردىك مىنى مرادلىن سىلىپ يارسىپ تىزرد جان بىنزل نېرد ماكىزركگ عان بنزل رد او عربی مین جمی لفظ مبکی صرف واو عاطمغه کی حبکه ستعل جیسے اس آیر من مض سري كراب ب كمَّا قَالَ عَنَّ وَحَلَّ وَاللَّهُ مِن قَرَ اللَّهِ مِنْ عَرِيكُ مِكْ مُو خُرُ إِنَّ بِجِنِينَ أَبِ وَهِ وَآلِن مجيد ريم عِينَ لِيجِيهِ كه حبكه يه كان *كنُ مع*نون مِن سِتعل عقام زيوضيح رتيين عن خاص لضابی کے لينے لفظ بل جوع بی مین اضاب کا کلمہ ہے اسپر لاکر ملکہ کہا کہتے ہیں <u>می</u>ے کا مندنجہ کے ساتھ تا سے نتجہ بھی لایا جا تاہے اور میسطرح را بعنی براسے یا اربعنی برا<del>ئح</del> بالتربېروبراے ستعال کیاجا باہے بلکہ طلقاً کاٹ عاطفہ بریل زبادہ کے بلکہ کہا کرتے ہین نظامى راشعر برشم سن بلكه لولوسكي ، رونده چولولو سرا بريشي ديهان صرف عطف بلاقع ترفی ہے۔ آور کیمی اُس صل کان کو صنوت کردیتے ہیں صرف کل یو بی لفظ بل کو باقی رکھتے ہیں اميزسرُون عربه يه بسي مهرغدا وندتاج + مدييه نهل ملكته اخراج + يهان ترقى مقصود ب اذرى وتت ميام قرينه كان مع لفظ لل حذف كياجا است سعدى يشتعر ترابانين تندى وكشي و يهزارم ازخاكي ازّاتشي؛ مكدازّاتشيء في شعربحإرسوت حن نفدرا بجي دارم، نتهج وأه زراندو ے اروا سے بلکہ فناب عیار اور پلفظ بلکہ مبض دفت فصحا سے ساخرین نے باشدوشا یطح مضعظن میں ہستھال کیا ہے ، ملغواشع کر لیطغوانظرے سکنی امروز کمن ، ملک از در فرات ر + فياض لاَ بِي شُعِر ورَسر و وَكل وياسين آن تورنديدم + مُنكَارُمُر فان ثِبن بَكُوبُوبُ محرسعيدا شدون شعرر وآ خطت مشود لكيره ملكه خبرتيت وان باشده اورفارسي قديم من افظ وَلَ بَنْتِح واوُاصْرِبِ كَلِيكُ مِسْمَعُلْ بِهِ وَاللَّهُ تَعَالَىٰ اعْلَمُ بِالصَّوابِ. وَسُوان كَلَّفْضِيلِ بِمِفْضًا عَل ردوا بناب جيد س شعرين سعدي وبشعراندست توسنت بروامان خورون وخشركه بر خولین ان خوردن و وله کم آوازه سرکزند مبنی مجل و جهد مثک بهترکه مک توره کل واود ؟ ا الات كواز تفضيليك حالات برقياس كلين قالله تعكل الفلة بالفكرة الكريموان كان مقول

ا كان فضيليه

Contract !!

ا مقوله برداخل مواسے اور بیان طل س مقوله کا مقدر مونا مشرط ہے سعدی پر من**ع**ر بخر ے *امیر*و ایے گفت کریں انو **ول**یمی گفت گر یا ن ٥٥ يسمع رسول آبدآ وازوسے و بخشیر آن مود گرعطان كه برگز كروال كوسرخطان ے بیخنیدوگفت کر سرکت میل خطا مکند بیان ذرای وجرسے یہ بات سمجم میں آ جائیگی کہ پر کا مقوله بمنے گفتن نہیں ملک بجب اقتضا ہے مقامر کو ڈی شتق اس گفتن سے پہلے مقدر ح اپنے مرخل کے اسکامقولہ یہی مفول اُنی بنجا ئے کپر جس صورت بین کرفعل گفتن کی ک ہے بیکان آئی ستولد پروائل ہوتا ہے اگر مقد ہو ہی مقولہ برگراول ہی کو کا من مقولہ اور ثمانی وبها نيركه فاصرت اصطلاح ہے یفوض د جهل كا ت متوله وه كان سے كی مجلم متول برجوا دس مل کامنعول نانی ہے دخل ہوتا ہے جز کہ شاام منول افراد ہے بذرایواس کا <sub>ت</sub>ے ہ الم مفرد کی تاویل بین کرلیاجا تا ہے *جبطرے عزبی بین لفظ* اک سعد*ی پیشتھ رفریرون گفت* **نقاشان چین را « که بهرامون خرگامهش بدوزند « نقاشان چین مفعول اول بیسے اور حرایخول ة م**غنعول ما في لينغه متولاً فريدون *ج نكه حليصالحيت مفنول بنن*ے كى نهير . *ركمتا ك*ا منص پیرلایا جاتا ہے تاوہ فعل مصدر کی تا ویل مین ہوکرمفرو بنجاسے اے دوختن بیرامول خرگا کپنی فر میوان نے نقاشان چین سے پیرامول خرگاہ سینے کو کہا - عاصل کلام بیسے کراس ماڈہ ف<mark>ک</mark> رل انی مقولکہلا اسب توبوجہ ماورت مقولاس کاف کا ام میسی کاف مقولہ رکھدیا حِلوان برِبِهی جِمفعول بحضِ افعال کے واقع ہین اوروہ افعال میلی ہی قول ہونگھن<del>ے ک</del>ے سے نہیں پر کا ٹ مصدری لایا جا تا ہے ادروال نہیں ہی ٹاول مقصود ہو تی ہے۔ عابيم كمتزا بدمينم اسخوابم ناديل تراسعدي وشعر شنيرم كمرد سراوحمان ببخطوه كروي والميشنيدم نأزكودن مزب بكه تمام يحابت كرجكة اوبل من مفرد كرم ومعلون عليه بنكرتننيدم كالمغول بوتكے اسطرح وله باسيد بيشي نداد و نخور د پخود مند داند كذ <u> کو تاویل من مغرو کے ہوکرواند کامفیول نا نی کیامعنی کہ دا زافعال قلم</u> جو دومغول كوچا بياست اورمفول ول مضمون مصر خدادل بعینی بامپيمبيثی ندا دن ونخورون ليټر بتعاس كات كامصدرية مامر كحية ادروضع ستوال ومنى قول سحسا تيخصوس كرقر

م ما المعديد المعديدة المعددة ا

ں آئ کامصدریہ نام ہے اوراس ان کی بروات بڑے بڑھ ل واقع موجات من التخصوصيات منى قول كا كاظ كياجات تواسكوات للتفسير كي طرح الكان المراق المستعل واحم موجات بن ورسو . - س من الكان المراقة المراق الد تادَيْنَاهُ انَ يَاإِسُ اهِيمُ اوكبي وقت ميام قرينه يه كان صدرى صوف مي كياجاً. ع*دىء شعر حذ كن ذائد وشمن گويد*ان كن +ا سطح ميركه آن كن ييني گويد كرون آنرا . اسطير عوبي ین ای مصدری حدت کیاجاً ما ہے مع ابقا ہے مل طرفہ بن العبد شاعز مانے ماہلی کاشق صیدہ نَانيسِعِ معلقه بين سِي منتع كَلاَايَقُكْ لَا اللَّهِ مِنْ الْحَصْمُ الْوَعَا ﴿ وَانْ السَّهَ مَا لَكَ احْتِ كاتُسْت وعاية المُمَلِّ أنْتَ تُعَلِي يَ: اسه أنَ أَحْضَرَ الْوَيْمَاء والسَّمَة عَلَى على والْصَوَر - بارتبوال كروعائيري جله عائيه بروخل موتاب سعدي چشعرزعه ديدريا دم آيديمي و كه باران يمت بروسردمي و نظای «متنعرمرازان کربیان صاحب زمان و تونی مانده افتی که با تی مهان و و انتختین ثنایے جها ندارگفت و که با دا جها ندار **با کام ح**فیت و *اگر نور کیجی آنی* کاف دعائیه مهیی مفسر**ه سے لینی مزوان کا** فعل محذوت کے مفول مقدر کی تفییر ہے اور اسکی تقدیر یہ ہے کہ دران حال یا وسکنم پیرر<del>ا بدعا ک</del> لةفسيرش باران رحمت برو هروم اورنيز مفول مقدرعام بهي نحال سكته بن يعني وعاميكيي رابچنرے کتفییرش اینست کہ باران ترت انزمغسَّ الفتح کانفیٰیرسے عام رکھنے میں کوئی قر نهين جيساس آيه وافي مواييمين ماكي تغييران اقد فيه سي كيكئ إذ ً اؤحايناً الله أيتلك صَفَى كاف رُعة المالية كل أن اخذ هني عليه - والله الى اعلمه بانصواب + آوركبهي يدكات صرف مبي كياماً! نظامی و شعر بحرگ به شهرزین شهردور و نگریکسے در لودناصبور و اسے کزین شهرود راد تیزوا کان تسمیہ چرجاب تسمیعنی مقسم بر برآما ہے نظامی *وستھر بدارا سے کیتی و د*ا ناسے راز ہ<sup>ہ</sup> ک ن مواسے فدح ہٰ بحان بادہ کہ جان مرید <del>ہر</del> آ قدح و آور کمهی په کاف قسم حذف مهمی کرد یا جا با سب سنع برخشنده آ در با بسا وژند و بخوشیر وژن بإه وكنم شِم خورشيدروش سياه و است سوگند بخورشيدروش بچرخ لبنده بروم اندآ رم زگروس روم سا وآرمالز جوت وال كة تشبيه جوتستبيه مركب بين مشبه بهر و خل موتا ہے وحيد كاشھو۔ نْعِرعِالْ ازخم بْلْ أَنْ مِكْسِ لِبِ وَكَهْ فَانُولَ مَا رَجْ دِرْتِيرُوشْبِ ﴿ لِسِيحِهَا كَهُ فَانُوسَ مَا رَجِ الخِلْفَاكُ

تفوعيت مى قل

60

رُوسْ از وبه تیر+ که باشدگیا برلب آگیردا

وجود ہے نظامی *و منتحر گ*آسودہ ورناتوان مینریم دچنان کافرمدی چنان ہی*زم*ا اگر ذراغور کیجے اس کاف کاشبہی نام رکھنا اطلاق تجزی ہے ورنہ یہ کا ت چنان کے واقع ہوتاہیے بلکہ پیکا ٹ ہمی موصولہ۔ ہے اور لفظ حیان جوتت بیدمرکب میں تعل ہے وہ پہان ان امثلہ میں مقدر ہے لہر جنا نکھیں اجینہ ترکیب اور معنی لفظ کھر موسكك كسواسط كدجنان كافريدى كاترجه عرني بن كما حَلْفَيْنَ كيا جائيكا ظاهر اسين كاف حرف تشبيه أورهاً موصولة مو وَلَتْكُ مَّعَالَىٰ اعْلَهُ بِالصَّوَابِ بِيَنِه ی امربهم کے جلد سابنید مرد وال ہوتا ہے نظامی پر شعر خان دارم اسے دا در کارساز ، کزین ب نیاز و **وله چنان گرم کن عوم رایم** تبوهٔ که خرم دل آیم خوایم تبوهٔ آور کههی پیکا فلاخن روبمآ وروجواي كضائي آسكان الزصاحب جواسرالووف جزاوتبركس باتوسرميزنده جوزلف توسر بركمرميزند واستسركسك كدباتوانؤ كاف باينيه محذوف مانا ہے۔ گرمیرے نزومکے س کاٹ کو مباینیہ کہنا درست نہیں ملکہ یہ کاف محذوف کا ف موصولہ جنانچا سکابیان موصول کی بحث مین گذر حیکا ہے والمنائ تعالی اغلائے والطّی واب سولہوان که تروییم جربجاے نفط یا حرف تردیہ کے ستعل ہوتا ہے شعر<sup>ح</sup>س بحشو*ق بہترہت گ*ان و آن ازین ر معشو*ق بهترست* یآن معشو*ق -حافظام شعیر چشمهاحب*نظرا ¿ سرخط سادہ ولان فتسن تمناست که نیست ﴿ اسے دریا ہے وُسِلے ہردید سے کمال تقرم طلوسے ونتیجاں تفی بهى الم معنى كى تعيين توبئين كيلئے لفظ ترديد يا كے ساتو بھى يەكات . تعرباکة لم موئه بنم مے نوشت و یا که رگ سے جزفضا ہو کہ تواندکش

ہدراناخوردہ کے دانی زمرم ؛ باتفی *یرشعرطراز*ندہ دہ

كانتشنيبيب

كافتزيد

كدا زفز وا قبال ثنا منشهي ، كدا زفتند شدّان مالك تهي واسعا فيفتد الزسعدي وتتعرببا بنجكنت ایر بیخن بایزید ، کدار منکر ائین ترم کزمریر ؛ اسے از مریدالغ اگر خورکیجا سے ال کا فول مین تا ویل كياسكتى بي حبس سے وہ زيادت من سے نكل حب اللين اور يمبى سن الحيا كرسواس ان سرفی کا فرن کے جواور مذکور مو نے بین کاف اسم بھی ہوتا ہے جس کا بیان بحث اسم میں گزیر کا اوروه ما توصوف موصول موتاب جيسه ال شعرين سعدى وشعر كزندك انتش نيا يدنسند بلكم ترسد كدور كمكس ليدكنده اس كسيكة رسد الوكستى إس كانست تعيم ومنكيم واديو تى ب جيس كراجا ووال اندان اميرنست - آوركمي متفهاميداواس سياتوستنان ظريبي لا آثبات لا أكار مكر باعتبار مفهوم لفظ استفها مراسكا استعال معنى اسخبارين عنيقت بي كياسنى كديدة عللب كوشفس بس جیسے درخا درکمیںت ۔ اورباقی انبات واککار مین عنی طلب اپنی تفیقت پرنہیں سب اول تعنی <sup>ائٹ</sup> ين تقرير طلب قصود ب جيسے أن شعرين الوري ع كدبر فروز د سرمابداد طلع صبح و سعدى يوسم بإمراش وجووازعده نغشش ليسبت 4 كدوا ندخرا وكروان ازنسيت سبست ديسنى وسبي سربابدا ومطلع صبح روثن كرّنا ہے ادر وہى نيست سے بہت كرنا جا نتا ہے لينى كىسكے سوا دوسراكو ئى شخص بنہيں كرسكتا- اس عبازك اختيارك في من نكته يسب كذاس مصحصركا افاده موكيام في كرجب اسواست أس كم کی نغی کی کئی توفقطائسی کے ساخروہ حکم مقصور و محصور رہ جاتا ہے تواٹٹی کے ساتھ اس حکم اشبات لازم آجانا ب حبائجه اس شال من از بيست بهت كرون كه داند غيراونمي والتهكيمسالي ب اوروه مسلامه ازنیست بست کرون مهم اودا ندکو- اوراستفهام انکاری مین جمیع افرادس الكارتفصور بوتاب نظامي ومتنع كراورخروراك باشد لمبنده تكوير يخنهاك ناسودمنده ال كسے رایا سبرکرا بیضی بینے افراد مذربعہ اس کا ف کے سئول میں ان سیبے شکائم ضمون جلہ یوفول کا ن کا انکارٹابت کرتا ہے اومضمون جلہ دیگر کاجواُسکا ضہیہے بٹوت دیتا ہے جیسے اسم مين غنيت منتع كهمنكيد كدرعزم سفاسبت ولقبتل عاشق مسكين كرسبت ولعنى كو في بهي مهنير كمت لەعىنو*ق نے سفر کے لیے کر ماب*ذھی ہے اس نے عاشق *سکین کے من*ک **لیے کر ما زھی** یبان نظویهی کلته ہے کدافاو افی کی تعمیم حامل ہوجاہے۔ دو سے یہ اویل میں مکن ہے کہ بیال استناميدنجر وتوزخ كے ليا لاياكيا موليني معشوق كى كمرباندىن برسىنى يدخيال كا بكك كمهديا

المجاري المجاري المجاري المجاري المجاري المجاري المجاري المجاري المجاري المجاري المجاري المجاري المجاري المجاري

(E)

بالمكالعابة

بالمتأثمالي

بقصد سفرکمرباندهی ہے توشکلیرسکبوڈانٹ بتلاناہے اس غلط خیالی سے بصیرلآنا ہے گرمعنی اول بنسبت اس منی نانی توبغی کے ابنے بہن اسواسطے کہ بہان صرب ایک یک کار تنہا مکرہے اورامل مین جمیع افزاد یکزبان منکرمین غرض ستفهام ایجاری مین تعمیم ایک امرکی مطلوب سے اور تقریری تخصيص اكك امركي (حومساوي مصرب) مقصودب فافهم والمتار تعالى اعَلَهُ بإلصَّوَابِ وأضَّع موكم ا ن ہتنہام ذوالعقول کے لئے مضوع ہے اورا سکے مقابل لفظ چینچہ ذوی العقول کے لئے اور جہانی العقول اوغ فرم العقول میں نعیس نہوسکے وہ جمی (بحکم کنی تیجہ ابع خس سے ہوتا ہے) غيرى العقول مين مندرج بوكا جيب دورس الك تشبح معلوم بواكر بيذمعلوم مواكدانسان ب باغدانسان توربهان سوال مين ابن عبيت كها حاليكا واين كليت رادريه جي شن ليج كرب یکا ن جہ کے ساتھ جمع ہونا ہے یہ مرکب معنی برائے جرکے دیتا ہے ظہوری شعر درع گراسنہ چ<u>شمے ب</u>خوان تو نبشست 4 مراگز ہشت جنین انبت وست نعامی کھیے (سعیدانشرف متن**عے ز**م روم **بعظ** مكني مباركه جهه بزنكه ومهسيه يواني ملاله زاركه جهه اسيجرا أكرجه بحث حرف موقع كانتهي فأتم البنط توضيح بهني فلكرديا والمرتهى دوكات دونوع كالك حكم بمع بروات بين كرياشاذه مولوی معنوی بیشت سوسے نندلها دوید و بانگ دہشت باکد کر از داندام غارت گماشت ۱۹ با بانگر دہشت کہ کوام کس سرور واندام انخ ہ۔

نظامی پرشعرخداونده ای ده بنده ایم ، به نیروی آویک

اس کول افرادی سے کنایہ کرتے ہیں لینی سرمہزندہ ایم قول رسٹ پیدنشکر باشکر فرازہ زماندہ بشاوباز به تیسترابات مصاحبت وعیت جمکام ورا بنعل کے ساخه تعلق رکھنین دوسری کیافتے کاسا تدویا ہے جیسے کہاجا اہے ہپ ابزین خریع اسے بازین دیمراہ زین خریم الہامی **نتھ** بخبرز<del>وچ سے</del> تربت من گاھے چند وگفت این گور فلانیت برشنا مے چند ﴿ با سے انصالیہ اور معیت میں فرق ہی ہی به بایست ومصاحبت کی حجگر لفظ ہمراہ یامع بیان کیاجا سے معنی مین کوئی فرق نہ آئے معہذا ہا بھیت عامرب اوراتصالية خاص كياسني كداتصال كيلئ ميت ومصاحبت لازم ب اورمصاحبت كيلئ اتصا الزم نهبين جيسے شال مٰرکوراسپدارزین خرمیم یعنی اسکے میعنی مبن کرزین کااشتراک اور حسیت اسپکے ساته صرف مزيداري مين سے اور يضور نهين كدوقت اختراك گھوڑے برزين كسى موئى مجى بوج تھا باكر استعانت جورخول بافعل متعلق كيك الدمونا بعنى فاعل البني فعل مين مجرور باست مروليتا سب نظامى يرشعه نباسترخين نامة زويرخيزه نوخة ريجيدين فلمهات تيزه بيان فلم النوشس سے اور نوب نده ابنے لکھنے میں فلم سے ستعانت لیتاہے ولمرشت آلش برآرد زآب ، میانجی کندار برافتا سعدى پرشعروگر بمجنان روز گارېلى ډېگروونش از بيځونگسلى ډېټاپنوان باتوسلى جېدخول باست مهات مين وسيلة كَبْرُاحا باسب شخ ابرسعيدالوالخيره ربياً عمى يارب برسالت رسوال تقلين 4 يارب بغزا **ٺ ند**ُو بڊروخين ۽ عصيان مرادونيمه کن درعوَصات ۽ ٽيمني محسن جُنش وينمني محسين ۽ الطيفيل ىن دبوسياخسين رضى امدع نها يحبشا بالمبغى براسے حبيكامجو درغايت اوغرض فعل تتعلق كي سوچا اوج كاوجودخارجدي فعل تعلق سے موخر ہونا ہے جیے شعر اگربیشن میروی قدم بروار و ك بہجورنگ حنامی رود مہار از دست باے براسے سیرجین لینی قدم برد استہ علینے کے البہسیمریکا حصول ہوگا ۔ ساتوان باءعلت وسب ہے جبکا مجرورعلت وسبب فعل شعلق کی ہوتا ہے جبر کا وجود ارفعل سے مقدم ہوتا ہے۔ اسرخسر وراث تعرب کی آمان رابودی دل ودین صدح خسرو بدورور اً كه بدینسان دوسه بارغوایی آمده نظامتی متنعرمشوران بخود کامی ایام را و تلم درکش ندشینا راه السابعلت خودكامي ليني خودكامي ليهلي سينخص مين موجود سيجو سورث كاسبيطي المحطرح مجبوب دارباكآ نايبيليے ہے اور دل ليجانا بعدين اسيطرح نظامي كايشعرشعر بياساقي آاجام يا قوت بار في بهاوشهنشه بحامم سار في وأسى قسم كابابيد بسي وبرسبيين فركور والمقوال با

بلر معلن بلر معلم بلر معت كا بار المعتذر

بنكتر تمنون

بڭية تول

F. G. C. G.

130651

شمنه با بادعار ومقا المناونة ال

Mark of State of Stat

بلتِّ يمز

ار از المالية إلى المالية إلى المالية إلى المالية المالية المالية المالية المالية المالية المالية المالية المالية ال

بيان بالبني انتهابير

باوسلومنه ومقابله حبكا حجر وراكيب دوسرى شنه كے مقابله ومعا وضد من واقع ہرتا ہے نظائ رامن بزرمنتی و بغرے کیاگوپہرے متی دا إتوانى خرىد و توان معنى موافقت حافظ ومتنعه ساتى بنور ان السيموافق كام ا وعارض صفها في شَعَر شاير برعا تولو يركاتي<sup>ة</sup> باد برستها ہے دگر بمجنین بخوابدرفت وا ہے گرمعنی تصرف اور قبضہ کے اس عبارت سے بطریق کنا یہ لیے گئے ہمز بارتبوان بائ هارية بيان عدو وقدرك ليه لاياجا اسب ليني اسكامجور الغرام خصل تصل كي تيين مقداركان دوكرا بصعدى وتتعربنيم بيناكم الطان تم رادارد وزننداككم برسخ ونظامی شعر برمی ستا ندزد مقان بیر و بمن می فرستد بدیوان میرواس قد جوقد رس بیری منتعراً كربارفيقان منباشي شفيق ولهرسنك بگريزوازو سے رفيق و کہمي مقدار كمّى كے غيرة رہمينعل ت دترانومخواه + وله اگرچرم نجنی مبقدار جود + ناندگرفتاری اندر د جود + . تبرتوان بائييز حهكا مخول اكمي امرمهم كارفع ابهام رّناكب نطاقي ستعرور يختسهي انے بفرع؛ اے ازروے صل وارروسے فرع - **ول**روشا قان موک وبرنقار تيزوسعدى ومنتعتر غيل ارحه باشذ تونگر بمال و بخوارى څوفله خن گ چۆتبوان بائ برمفسر برروخل ہواہے جیسے ابزواس شعرین نظامی در شعرو کرنہ جيية تنعر بنام جاندارجا

مكريغنى أ<u>ك</u> متعلق كيدين والله فعًا لل اعَلاَءَ بالصَّوابِ سولهوان المعنى ما انتهامُ

ـــــا مياقه ارتيره تنج 4 برآور و کوپ زوريا بميغي و **وله خانست موان که فردا پگاه + براري** تقيير نيش بزے زماہی بماہ 4 کبھی تاانتہائیہ ادریہ بادونون اکب حکیجت پڑجانے مین نظامی پرمثنا آمذين نابتوه نشايدترا يافت الابتوء سترجوان بالمبغى الي يعنى سووطرف نظامي يشعر بدائش تا ر منمون کرده اند و که ال تراحکم خون کرده اند و اسے بسوے دانش سعدی پر منتفح مکن البّغا بىزىام ال وسنال نجيل ، آطار بوان بمعنى ييش شيدا كاشعر ت ہوائے قدم ، بجاہے باوہ کہ جان مید ہم براسے قدح ﴿ اسے بمیش دوراست کیجے لفظیتاً اس با کے ساتھ فرور بھی ہواہے نظامی وشعر کر برگر تا حداران وہر ، بدمیش جها مار بیروز بہر و آنیوا باہبنی نرو نظائی **ننچ** کہ مائیم خاصان دارا دیس پرارا زما خاص ترنیب سے س پانے نزو دارا مولو ب مرزابه نیمست واسے نزوزار کیمبی لفظ نزوم می اس با کے ساتھ نکور ہوجا تا ہے سعدی پر نتھ اسے س ت ست و مبیسوان ابعنی رنینطامی پرتشعه چنین تابمفدار مفتا ومرو : به تیخ آم ازرومیان در نبرو ، اسے زیر تینے وتحت سیوف کبتی خود لفظ زیرجھی اُسکے ساتھ مٰکور مہرتا ہونظائیؓ متنعر زبون ترزين صيدم أورزير باكرجرني نخيزوز بهلوس شيره اكيسوان بارتشيهي ومشيه بهر د اخل ہوتا ہے فردوسی وہشعر ببالا ہے تو در حمین سرونبیت وچورخسار تو تالبشِ پروننیت واہے ایمان ا ہے توسعدی مِ منتحر گر مَلائکہ بَراسمان وگر ندبشہر ہو بجس صورت او برزمین نخوا ہد لووہ ای چون حسن فیضی ش**ور** نطقش برمبهارشادمانی « قهرش مبهوم قهر کانی « ۱ ادکبھی کلمیت بیخوداس با کے ساتھ مُرکور ہوجا تا ہے فردوسی جانش حرابانس بانند مک دانذار ہ بياورده ازمنت كردگار 🛊 وله ببالا كمروارسرو لمبند و دوابروكمان ودوكر ظرفيه وركيمعنى دتيا بيلي مخول ائس كاظرف واقع هواسي نطامي وشعر بهركوشه كافتم تناخو<sub>ا</sub>نمت ، ہبرحاکہ ماشم خداد اننت ، اسے در سرگوشہ ودر سرحا - اور کھی تعیین و کم ظن کے لیے خودلفظ در اکٹر لعد مخول باکے آیا ہے جیسے شعر شہور " مدریا درسا فع میشار بن اوربسی اس باے طرفیہ سے مقدم جسی ہوجا اسے فرویٹی سٹھر کے لعلکون و بچام بلور ، بخرردند تادر سرّافتا د شوره نظامی مشعر کنم بانوکارے درین کا زارہ که اندرگریزی بسوراخ ارد

بانبعني الى

بالتشخية بيرو

بالشيخ أذ

بالبيخة فإد.

دښينه کي با ې ظرفيه سے تقایم To Mark

Control of the Contro

بالشيصلة

برين دارزه

بلگزار بلگزارم بلگنبنی بارونور

ادركمبي به بالصفاضية بمحاكمة مُنتِينه حذف بمى كرديا جاتاب مولوى منوميّ الشعر بركبراعم وفن ، را **بزن داسے برست** راہزن تعض تشخوان من دادن رابزن سے گراول نخصی سے واللہ تعالی الکار بالصّواب تئیسوان بی استعلام می الله تعالی تشعر بندلبت زین کومے ہفتا دراہ جہفتم فلک برزدہ بارگاہ ﴿ اے بر مفتم فلک کبھی مجور بلے فید تبئين تومين معنى متعل كيك لفظر زائد بهي لاياجاً اسب - زود <del>الل</del>ي يرمثن مم كدخدا بهان مِبهره نشا پیشستن بکیایے برہ اے برکیا ہے سعدی *دِنن ح*رکو کشندی نالۂ دادخوا ہ نہمیرا برت كلهٔ خالبگاه ۱۰ سے بركيوال كليخوابگاه نو- چوتبسوان باستنديد چوكه فعل لازم كے صلى فال بر وخل بوتا ہے اوراعتبار معنی تصییرسے و فعل لازم تعدی بنالیا عاتا ہے اور تبی خصوص معنی تصیری بے کہ سواسے اِسے مفرک اور حروف کوتدریت کے ساتو ملقب ہونے نہیں جتی بحروف جرکو ماسل ہے فردوسی کا سعرب شعر در الوان آن پیروسررِتَهْر دِ بزائی کمیخسفزامور دِ درصل بهان زادن مبنی پیدا هونا لازم تفا اور تخیسرواسکا قال اب ماکے دخل ہونیسے بعنی صنامتعدی ہوگیا اور مرخول بافعرل بدو الله تھا الا الحار بی بیان باسے صلہ جربعض انعال کا صلہ واقع ہو ہاہے جیسے درم مدرولیشان دا د- جان بجانان رمید سپردم تتومائيه خوين را وكفنم تبونمودم بزيد وغيره اورحوان افعال كيمعني مين سمو جيب سخشيدن وحوالكراد ت اگر جان طلبی حان ترخشم (از جان چیوزیت گبرآن ترخشم ع بجنون حواله كروم بمه كاروبار حود إنه وغيره والله تعالى اعلى خصيبسوان ان ہرسەنعى كلمدىرد اخل موتاسے جىسى بجزوىسان وبەتنها وبدبىزارورب ت حلواس مبغر کشی؛ ندیده بخرآ فتاب آتشی؛ وله شنیدم کدستم سواره لیه; به تنها ردى چوشير و انورى شعر ركتى الى خو آنچناك برميزارم ; كه كاشكے پدر منز كتا انشدى ازمردم مردم آزاریه و فردوسی پرتشکیر ز توران زن ازمردموزی بدبسیار به ب*ر مرا* نخوانيمر مكتن بمروه كديكيسرزنا ننداندر نبروه وله الإتكدكاموس روز نبرد بهمي سليتن لا ندار وبمرده سَنَا يُسوان بالبَعْني الصمرك نظامي يتعرو شكارخاقان زقيه بساز وبشكر كيونيتركشت بازه كارخاقان باسازشد آتها يسوان تبنى باوجود نظامى وستعرج فره بكرو بزركان

خردى آورد خورا بديد؛ اس باوجرة أن خروى و الله تعالى اعَلَمْ إلصَّوانِ التكاص باع مرك اوائكام ريطيه ابا فروسي وشعفر اباديكران مرمراكار نيبت مراحاے گفتار نبیت ﴿ ای مادگران - بیرہا ہے مرکب باسے مفرد کیطرح کئی معنون میں تعمل ہے اکت تومیت کے لئے جیسے نظامی پر شعر زاندیشہاہے چنین ہوناک ، دونشکر غزو ندبار ر ماک اے مع ترس دباک و در تسراعطف کے لئے بجائے وا وعاطفہ ستعل ہوتا ہے سوری پر شعر فرقست میان آکدیارش دربر ، باآکدو وجشم انتظارش مرور ، اے وسیان آکد ظهوری شعر تفاوت كفووین یان عدل او باعدل کسٹر ملی ﴿ اسے میان عدل او وحدل کسٹری ۔ تیستہ اوا بمعنی الی سع بگی شعر برمنت مجويم حديث درست و اگركوش بابنده دارمي خست داس جانب بنده وله آن پريم و بیدارد و چشمرابا ولفطر باوگران میدارد ، اسے شمسوے ماونظر سوے وگران فیضی به مارا نگران م **و**لبتنديرتنغ بيش ويس لا ؛ بالونگزاشتندكس لا ؛ اے سوے اونگزاشتند جوتھا با**خر**فر بمينے در ٔ حافظر*ور مثنا عز در دنیاز دنیاز داره ایشن دوست «خرمه آن زناز*نینان بخت برخوردار داشت ۴ ا سے درحین دوست جال الدین سلمان یشعر جانِ بهارم باستقبال آمر نا بلب ، قوت اُرتوگر سے درجان ہمار ۔ یا تیخوان باہمبنی براستعلا نظامی و شعوشانی کنگر گر باگوسفنده همان شیر باگورنار دگزند ؛ اسے برگور چیشا بابعنی از نظامی پرشعیر زمین خُور و واخور تیا ت : مهنوزش زخورون شکرسینسیت ؛ اسے ارخورون شان میر قلی سلیم ستعیرسن باو موا بیگا نەست « ہرکەعانئتی میشود دلیوانەست « اے ازمهرووفا بعض قننین کی راے باؤ کاپٹی ے ا*ستحرین ب*نی از تفضیلیہ ہے **شعہ** بیجان ترست زلف تو باگفتہا سے من پر شیرین ترا ىعل توباقنىچسكرى 4 اسے ازگفتهاسي*ن واز قندعسكرى 4 ساتوان بابجا سے داسے م*لائھتى تل سلامين لكفتي بين شعركم وبيش باما توما ورئه فه توكوني كه با ماہرا در نُہ ہا ہے مارابرا در نُدینی ہرا درما نُہ 'آٹھوان باقبضہ اور تصرف کے معنون مین آتا۔ سع*دی پر*نشر ہٹوزنگران ہ ت كەلكىش بادگران ست. نىظامى ھەشىچەلىك كەدارم ازىدران عیب بانتُدکتہت باگران + اے درتصرف وقبط دیگران + نوان بابعنی ختصاص نظامی ج تاج دارى منارك گوېرنست نه تاج بااست ليک بريقست نه اين بليختص به است ينځوال بايمني با چې

سیان امرکب برگر کرک الا برگر کرک الای

ق مرکب شعلا بأنومرکب نی از

٠ ٢٠٠٠ ١٠٠٠

بائے مرکب نصف نقیاں نصف نقیاں مینی کرچیت Signal State of the State of th

م. <u>بار</u>مرکبعاطف

بارمرسصلة بارمرسصلة

روشعیر با بمان قوت و حوش ساه و نیستمراندینے آزار شاہ واے باوجوداین بمرقوت وجوش البيرسرُوشُع بالرارنشوم درمصان وكرجه بدوزم بسال كوه قان و باسعا وضدكے ليئے خواح شفی شعیر فریاد کو وغمرا باجان نمی فروشند و مسکین گران خرید س تیتہوان باستعانت کے لئے حکمینا ئی تدیں سے مث**عر**کیے باشیردل بنگر درین زیدان خاہوشان **و** کا بنجا صدىنرارانكس ندييان ندم بيني ډ مونوي مخنوسي و مثنعر كه بياورمطېره اينجا به بيش ۴ تابشوير ح لوا اوت ز ایش ( اے بست خایش ، محرسعیدانشر**ن شع**رخط شکین التِ قطع محبت میشود و باسیا ہی طفل را ےبساہی جو آموا<del>ن ک</del>ے عاطفہ جو بحاسے دمیعنی داو عاطفہ ہے علی خراسانی · مشعرے دود چون باد برشیب وفراز این حہان ؤبلیش غاتی د<u>طالقیت کوہ</u> باصح امکیست 4 اسے کوہ <sup>و</sup> صحا . فُردوسي رِر شعر فرنگيس بارنج ديده پسه پنجاب اند آورده بودندسر و اسے فرنگيس ويساو ٠ يعنى إودركاصيغة جمع لانا بالمعنى واوعطف مون بردلالت كتلب وببذر موان بالتح بجرم فوكسطرح صليعض افعال كاواقع هؤاست بسعدى ويشعر بترآ وروسرمر ولسيار وان چينين گفت باخشر كاروال ث متنع بالطف سانقه يدبيضا نمى رسده بيش لبت غن بسيحاني رسد ومصرعه گفت إس فروش باغيا اسے فورش باہن ہمنے ان بیابات کو مجل طور پر ذکر کیا ہے مثلا باہ بعنی از کہ دیا اورائس بن تفییر ان پر کی کہ از توکئی قسم کا ہر الب یہا ک معنی میں ہے چو کہ سیان از میں ایک ضرور تی فصیل نمور کمجئی ب اگرائسبرتوجه ورنظررے توخود مبتدی ہی منی کی تعیین کرنے سکتا ہی وَاللّٰهُ تَعَالَى اَغَهُم بِالصَّوابِ آریه بات مجی بغوش رکھنے کہ بیروف حب مرکسی سم بروارد موتے بین تواک میں سے ایک صن<sup>ین</sup> کردیاجاتا ہے خزین کا شعر ہے ش**غ**ر بنازم حسرتے لنظارۂ صنے کہ شکمرا ﴿ جِوٓابِ بِنج ارمرُ گا بدارد÷ بیبان دوازحایش *ایک صله حکیب*دن کا دوسها بازم قدس سره فراتے ہین ستنجرز سرحابگرزم اہل ملاست + نمایندم بارباب سلامت + کالین ددکرهٔ ه درگاهشتی بهت د زحیهٔ افتا دگار شاه عشق بهت به بیان ایک ارتبعیضیه دوسراً افتارگار صلع اوريمبى بادر كھيئے كاس اباره بن دونون حروف اكي صنبس كے سونا كوئى سنرط نہين بلكرونوع مختلف کے دو حرف کا اجماع میں ایک کے حذف کا باعث ہوجا آ ہے سعدی شعر بندات

المرائد المرا

العالیت و بساوراس کاخفن بس - به حرف انشاس کمٹیر کے لئے لایا جاتا ہے جیسے عربی

میں دُرجہ و سُرج باہ ہم کو بہان تعلیل و کمٹیر کی حقیقت و مجازا ورا سکے مرخول کی تنکیر و تعریف کا درجہ انتظان جائمہ تخاۃ عرب کے بہم و بہان تعلیل و کمٹیر کی حقیقت و مجازا ورا سکے مرخول کی تنکیر و تعریف کا اختلان جائمہ تخاۃ عرب کے بہم واقع ہوا ہے بیان کرنا فضول ہے اعجام ان وقائق سے عاری بین ویس ۔ چونکہ یہ لفظ ب انشا سے تکثیر عقق شابتہ عندالمتنظم کے لئے موضوع ہے و جب فعل بین ویس ۔ چونکہ یہ لفظ ب انشا سے تکثیر عقق شابتہ عندالمتنظم کے لئے موضوع ہے و جب فعل کے ساتھ متعلق ہو آب فیل کا ماضی ہونا شرطہ خوابی وہ صربح صیفہ ماضی کا ہوجیسے سعدگی شعم اسے بسا اسب تیر مدکہ ہو جانگ جان بہنزل برو یہ بہان کا ف اول بساکا جواب ہے اور کور نہ بہان کا فاف اول بساکا جواب ہے اور کی کور نہ بہان ہو کے متبہ و لہ بسان ماک و جانہ کے متبہ و لیہ بسان ماک و کا ہوتے تا ہوتے تی بھر یہ میں مالے کہ کا ہوگی تیر بین مناول کرنیا گیا ہوکس واسطے کہ کا تی تحقی بجر بین مناول کرنیا گیا ہوکس واسطے کہ کا تی تحقی بجر بین مناول کرنیا گیا ہوکس واسطے کہ کا تر چونین میں متاول کرنیا گیا ہوکس واسطے کہ کا تی تحقی بجر بین مناول کرنیا گیا ہوکس واسطے کہ کا تی تحقی بجر بین مناول کرنیا گیا ہوکس واسطے کہ کا تی تحقی بجر بین مناول کرنیا گیا ہوکس واسطے کہ کا تو تو تعریف کا تحقی بجر بین مناول کرنیا گیا ہوکس واسطے کہ کا تو تو تعریف کی کا جو تھر کو تو تعریف کے کا جو تھر بیان کا کو تعریف کے کا جو تو تو تعریف کی کو تو تو تو تعریف کی کھر کیا ہوگی کی تعریف کی کھر کو تعریف کے کہ کی کھر کے کہ کو تو تعریف کی کھر کے کہ کو تعریف کے کہ کو تعریف کی کھر کے کہ کو تعریف کی کھر کے کہ کو تعریف کے کہ کو تعریف کی کھر کی کو تعریف کی کھر کے کہ کو تعریف کے کہ کو تعریف کی کھر کی کھر کے کہ کو تعریف کی کھر کے کہ کو تعریف کی کھر کے کہ کو تعریف کی کھر کے کہ کو تعریف کی کھر کے کہ کو تعریف کی کھر کے کہ کو تعریف کے کہ کو تعریف کے کہ کو تعریف کی کھر کے کہ کو تعریف کے کہ کو تعریف کی کھر کے کہ کو تعریف کے کہ کو تعریف کی کھر کے کہ کو تع

بير فرامغى براستعلا فراتمعني بيين مشي إزائده

Le l'étaire de la little de l'étaire de l'

المارتين و فر المارتين و فر الماركين و فروا الماركي و فرو الماركي و فرو الماركي و فرو الم المارك و المارك و المارك و المارك و فرو المارك و المار ي تصور نهين بينى صيغة ماضى تبوت وتخفق كے ليئر موضوع ب اور معنى مضارع تجرد وحدوث بروال ببن بن بوت امرحمق کا ماضی سے بخوبی ہوگا اسیوجہ سے امرمیقن الوقوع بحاہے اضى كے بيرايدين بيان كيا حاتا ہے سعدى وشعر گزشت انجدونا صوابى گوشت ، ورين نيزېم دربیا بی گزشت ، اسے در نیابی بگزرد کی جگه در نیا بی گزشت فرمایا غرض اُلفعال معلق بساخیر ہندی جانب ماضى متاول بوگانظامى و شعر بساشىرورنده وسهناك ﴿ كدازلُوك فايب دراً يريخاً ل ﴿ ينى بہت سے نيروزندہ بين كديك لوك خارسے خاك بين ملك بين سعدى وشعربا الميكوئي پنجاه سال « که کیپ نامژستش کندایُمال « اے کردیا ئمال جنباخیرنخاة حربے آبیروافی الہدا یہ دُجّه سَا كِوَدُّ الَّذِيْنَ كَفَرُ والْوُكُانُوُ امسَّلِمِينَ مِن يَوْدُ كَمِعِني وُدَّ تاولِ كَي ہے مارت بن مازہ يشكري شاء ايام جابل صاحب قصيده بفتم مبعم طقد كها مع أَذَ نَتُنَا بَيْنَهَا الْمُمَاءُ ورَبَّ قَامِ بُمُكُ مِنْهُ الذَّوَاءُ و اور بِيهِي وَهِي كِيكِ والسِّكِوابِين كان كالنالفظأ هو إلقدرُ أواحب بجاليا بواول جيساوير كامثله مصتشه پرداورنانی لعنی تقدیر ایسی حدی م**تنور** بساال دولت بیازی مشت ، که ولت قبیر از دو زوت وایساال دولت کربیاری نشت لینی بہتے دلتمناکه بولعبین بڑکئے وا تھے انھوسے دولت محلکئی يبان كان اول جوجواب بساب مخدون ب اوركان انى جوركوس جزائير ب والله تعالى اعكد كيالصواب واركتمي فلهارتاسف وتحسر فيره كي قصدس أسيروف دامي لاياكية بين جيهے ع اسے بسا آرزو كه خاك شده وكبرى الف بساكا اسكے مرخول پرلائ كرتے مين انين اليسى وحدت مان لیجاتی ہے کدگویا یہ صعیرخل کے ایک کلمہ ہے میکوئی معنوی ہنتھ ربس کے اکہ ان خورو ولشاداو پومگاوگرود بگیرد درگلو په اسے بساکس کانخ اس باب مین ایک انت بستی بهی بریجیسے اس رباعی مین جوفروسی کے بفوایش سلطان محمووغزنوی ایاز کے سبڑہ عایض وخط رضار کی توصیف مین کلمهی ہے رہاعی مت ست بتا چٹیم تووتیر مدست ، بسرکس کدزتیر خِیم ست ونجست ، گروپٹ ت زره عذر نث ہت؛ کزنیر بترسدیم کمس خاصہ زیست ڊسعدی ۾ شکھربس تا ہے خوین لەزىرچا دىباپىشە، چوك بازكنى اورو اور بايشە **، ولە**بس نامور بزيرزيىن دنن كرده اند *«كېتىپ*ىۋ بروسے زمین مک نشان نماند و بیبان کا ف جابی مقدر ہے لینی بس نامور کہ انے۔ اور کہے کوجف کو اس باب بن لغت مشقل حانتے ہین اور تعض بس کا مزید علیہ ماسنتے ہیں جیسے عزبی مین اسی

رُبِّ کے باب بن آٹھ مغات موری بین جنائی علامہ رضی نے شرح کافید میں اسکی تصریح فرائی ہے انى نغات اشھى ھاضم الراء و فىتى الىياء المىشىدة آلخ اورائكا مرخى مفرواورجىع وونون طرح تتعل بهي مفرد كي اشارا وير مُدُور مُرين جمع كي شال جيب سعدي شعر ايسا خوبرويان نوخاسته 4 بسانوعوسان دبهسته وله بساتندگردان شكرشكن «بساشيرمردان شينون و نظامي شعرب گفتينها باشهٔ نهفت و بدگر زبان بایدش بازگفت و اسیطرح بسے مین مفردوجمع دونون هنعال جائز ہن نظامی شعر کزان آب صافی بسے سالخور دن بدمبنی برم را ندران کس نخور د به وله بسے سالها شدکہ گرم سِن نيا وروزين كونه كوم ربرت وخصوصا اس لفظ بسے كاستعال صد كلام كے ساتھ مخصوص نہيں جنانياوير لی مثالون سے داضح ہے یہ بات بھی یا در کھنے گاکہ بس ہمینی بنے ایک آ تاہے اور اسکا فریطیم بسے اوربسا ہمی تعمل ہے جزکہ رہرے کرنگ کے معنون میں نہیں ہے اُن شرطون کے سا تعریب مطا بهي نهين سعدي ومشعر نداريم غيراز توفريا درس \* توئي عاصيا نراخطا بخش ولس \* اسخطا بخشنهُ و ورصورت عطف بعنی خطائجنش ولس - بهان بسمعنی کافی کے ہونگے اب یہ لفظء بی الاصل ہوگا فارسى نرسكا ولد درانصاب عالم كمشترب وبسربردم ايام بابرك والسبارك منظامى م م**تعرنظامی بساصاحب آوازهٔ وکېرځتی ونمیان تازهٔ ډلے بسیارصاحب آوازهٔ- والله عَلَا اعْلَدُ اِلصَّوَاد** المحاجى عشه واقسميه واضع موكه محاوره عرب بين وارتسميه كاصدر كلام بين واقع مونا اورأس كح عربکا ہم ذات ہونا واجب ہے اور فارسی میں دو ہمون کے درسیان میں لایا جا آہے خالب ہوی رنه بين الدوفغان ملبم پهن وجان آفرين كه حبال ملبم په است مبيل سيسهي جومحاورهُ ارْدُويين ہتے ہیں میں حانون میراخدا یتبقدیر واوقسہ پیجکہ صل میں واوعا طفنہی ہے۔اس ترکیب عطنی سی ىغنى لزوم كے ليئے گئے ہين اور بہي معنى لزومى اس مركب معنى تسم كولازم كرتے بين فالله تقال التَّامُة ا التّاني هشه و حروف جرتين سے حروف نشبيد مين جيسے جون السكامخفف جو- جآننا جا ہے گئے اكي نتى كى نتى اتركے ساتھ كسى عنى مين كسى غرض سے مشارك ہونے كوعلى غيرالوج الاستع وجريد تبلان كانام شبيد ، استعاره مبي خواة تيقى خواه كناكى يحقيقى وجبين مين مشبها لوازم شبه کے مذکور مون جیسے فرودسی رم مفت خوان رستم کی بہلی منزل میں لکھتے ہیں شخر کمنید إخت شيره بمخم امندآ وردگي دلبرو اوركنائي حل بن عين بشته اور لازم شبه به فر

SAN TON THE SAN THE SA

وأوسميكابيان

تربين شبية استعارة عيقي

استعاره بالكنايه

-- جانشگران « زمین را نهمی سوده شدانسخوان **۴** سی**عن**زمین

to the last

تشبيهي نبين جيبيه شال مكورمين زمين كيمشه به ذمبني كے ليئے آسخوان ناب كرنا ا انتزاع كرين تامعلوم بوكه نتذرع عندأس صغت مين اليه كالل سه كدأس سه اكمه اورشه جي ے يُربيج وَاب ﴿ بِياورده اندر كمندا فتاب ﴿ اس حكرتميره ، د**يرم؛ ول**ېش**غ**رز رضار دکيب يغف فروغ تجلى چېره اس دحه كومپونجا كداس سے ايك أمّاب *عدى پرشعرام وزخار با سے سغیلان کشی*رہ تیغ ہ<sup>ی</sup>کوئی کہ خود نبود درین بوستان گلے ، نظامیُّ ، نبفشهٔ نگهبانگل ساخته «مینی نیسار بامتبارتنمینی ونازی <sub>ا</sub>س کمال کو بساكي كل كل سكتاب يتجريد كي مبى اقسام بن السنطور موعلم مبديع كامطال فرأين اتب علوم ہواہو کا کیٹ بین بانیج نبزنکی ضرورت ہے اول تووہ دو تشبيهمي كيت مبينمين سے اول كامشہ ان كامشہ بنام ہے تيسري وہ جواس م كلمات كداكب كودوسر يسان اندكرنيكا واسطربين حبكوا داة ت کی *دح* ہین ان دولون س*ٹار کو سکے۔* اسكا وجود شرط ما أكياب أكريه نها بإجائ أكب كود وسرب سيصشا بهر التثبيذام سے آپنچرین غرض تشبیرواس فعل نشبید کی علت غائی ہے آگریہ نہ ہو نرب محقق ببی سے جہون نے اس بات برغور منہیں کیا غرض خارج کورکن غرض یہ پانچ چیزین تشبیر کے لئے اگر حیضوری ہیں گرآن میں سے دوہی شئے اص

أوراداة نشبيا سكيسميب ظاهرب كدوه نقطاك آلدب نظامي وفر

ئۇرىيىن چرىكارىمارىيى چىرىكارىمارىيىن

ا و المنظمة ال المنظمة 
> تنبيده وردي منابع اصل بين منابع اصل بين

آلتی خواه باش وخوابی نه ۹ احدوجه وه منجله اعراض ہے جامرات کے ساترقایم دراہیں سے ماخوذ اومینترع ہے گرمشہ برمین یہ بات بطراتی اصالت اور شتہ مین بطور فرعیت کے موجود موتی ہے اور غرض شبہ وعلت فائی اس فعل تشنبیکی ہے وہ اس سے خارج ہے۔ تیمان بدبات یادر کھنے کے لایق ہے کہ حباک شے کو دوسری شئے کے سام تنبید ریجاتی ہے تو ناقص کو کال کے سام ملحق کردیتا سود سرتا ہے اسی وجسے مشتر بری السبت مشبّ کے رتبین اقوی اور کمل ہونا ضروری سجماگیا بتحاسنة ناقص مشبه بهكال كے ساتو لمحق موجاب اوراس لحوق كى بدولت وہ ناقص اس كال سے صور بزيركمال هوجيسے ندجون شيرست مين زيدكو شيركے ساتو لحق هونميے حرأت اور دليري جو وصف شتہر عجر زیدین بھی مستبر ہوگئی۔ گرتیس حگر کرمشتہ سے اتوسی اوراکمل کا وجو دحقیقة ہویا اوعاء محال سوضعیت اور ناقص ہی مشہر بہنا ویا جا اہے گروہ ضعیف و ناقص مخاطب کے نزومک وصف مقصور مین را دہشہور موناضرورب جيب ليدسجاندتعا لطشاندكوآفنا كج ساعة نشبية بني حاميٌ حديين فراست مريتهم وجودش ن فروزان افتابست ، كه ذره فره ازد ب نوريابست ، اوراسي قبيل سے سے ملوق سيدنا ومولانا محالمصطفي صلى المترعليه وآله وصعبه وسلم كوصلوة سيدنا ابراسيم عليهم السلام كي سابعة تشبيه يني جيس اللهة وصلعلى محسمت وعلى الصعبة دكماص لمت على الراهيم وعلى ال الراحيم الصميم المصميع عبيرة اسواسط كدجيية آبكي ذات اكمل اورسائرا منياعلى والسلامت افضل سے آپ برانعامات مبى اسى نسب اكمل ورفضل بن مكرونك بهان مستباس كمال سنتره اورتمام فضيلت بين سب كد بغير تنتّرل فهركنا ستغذركيا محالفا توليك وجود تنيقي ادركمال صلى كونا جاروجو دعازني كمال فلق مشتهر كمسا تترشبيه دی تا ہماری فہمین آجا ہے اور وصلہ اوراک کوخرت کرے اور وہ رحمت نا متنا ہی جوہمارے صغرت متنابهي أسكه درافت كرفيي سخت عاجزيب توناجاراس يمت البي كمساتد حوصنرت ابرابهم خليل الت علىدىسلامك شال حال متى امم سلعة اورعركي نزدك شتهر متى تشبيري كالسبحة بين آمائي آن فضأ لمباً ہے بنہان شان که آن ﴿ در نیا بدور تواس و در بیان ﴿ مِنْ جَمَّ الَّهِ مِا اللَّهِ اللَّهِ ں ندانہ خربا اُرکیال ﴿ آنِ کمال وَآنِ جلال وَآنِ وجِودٍ بِرِندِّرا نَدْرَفَهِرِتْ الروليود ﴿ آوکِهِمِي سِيْنِ بربها وبإحالات المعلوم بوطام كلاس ست فضل توكيا مساوى الرشه بعي موج والتمريح يقتم

ایک ٹیگودیک شئے عماماتھ تفہیدینے سے کیامنظری

المراجعة ال

کہمی میں شہشہ بناویا جا آ اہنے ما بدالهست

کلمے نزومک موجود نہیں گویااینے عجزو نارسانی کی جرانی میں عیب مشعبہ کوشیر بربنا ویتا ہے ہے نظامی بنت مین فراتے ہیں شعر گزین کردہ ہر دوعالم توئی ، چوتر گریسے ہاشد آن ہم توئی ہ محض فهوري كاشعرب شعمر مرادتما شانظ إب أو 4 س وَالقَّةِ تَعَالَىٰ اغْلَمْهُ آمِم بِرسُطِلبِ تشبيمِن بِانِي جِيْرُونَكَا وَجِودُ وَاجِبِ بِ اور بَهِم بِراكِ الكِ ئى كئى ينتين من انهين حيثيات شير كاعنبار سانقسيت بيكي مُدے مُدے مُدر عطر بقدر سوكتن مي مثلًا بإعنبارذكروصنفِ اركانِ اربع<u>. يعنه ج</u>ارون *دكن مُكوربه*ون يابعض مُكوربهون اوبعض مخد<sup>ون</sup> گربرحال مین اثبات مت بدردانما دا جب بو گاما ارت بید کاسب اسی کے دجود پریسے اسوا سطے کہ <del>نسبی</del>ے مقصوديني بحكة شبذناقص من مشهرب سے اکتساب کمال کرتے ببطح اوپر مذکور موااسکی کئی صور میں ہونگی لياسعني كمه شبه يا تومنطوسه كا يامخرون بهر تقدير وحبرث به مركوته مركى يامخون ان جاروان تقدير برحرت تشبيه مُكور بي كايام ذوف به أخ شكلين عصل بهوئين بالنَّف سيل كيِّ نويدكه بإروان ركن مُركور بهان ومدیدہ مشبہ چورنے تشبیہ ابرشیہ ہارندگی وجٹ بہہے۔ ووسرامشیر محذوت باتی مرکورمثلا کسی کے پوچنے کے وقت جواب وہا جاسے حیات شیرست ورنتجاعت یا اور کوئی سیات وسباق کورشیہ سے دیے نیا آ ردىيە نظامى مىشىر جوآب فرات اشكارانواز ، چوستر شئەئىل ئېان گداز ، تىسرااداة تىشىيەمخەرف ا بى مَكورِجىيەن يەندىرىت درىنواعت بىزىكى غىزلەنتى ھىرخىش دردىخىنىدگى آ فتاب دىسىش برگ گل خرى جونوشين كلاب ، جونفاد جبث بمندون باتى مذكور تصبيه زيدج ك شيرس . نظامي وتتعريه چون كل وبركل وروه خوى بهن دادجامى يرازسرخ مى 4 يا بخوان مشهادرا داة محذوف باقى مذكور جسيدابة ريند سواليديعنى بوجيف كوقت جواب ديا جائے شيرست در شجاعت بنده مكمى غفرار مشعرجه مى برسى نديبا قامتى او ؛ بسرسيزي مهى سروك جو « تجملا صرف مشبه به ذكور ما قى سب محذو ف جيسة وت قام قرمينه مقاليد بعبى كوئي يوجي زبيعبيت جاب دياجا سي شيرت ياسيات وسباق أسبرو لالت كرى بنهٔ حکم عفی عند منت جه کویم کرچنست در دوزخون به نهنگرشنا وربدر با درون به ورینه استفاره مطلفه بوگا استیمینی تسم و تشبید بلیخ بقی کہتے ہی اور فرق اس تشبیا واستعارہ بن بہی ہے کہ تشبید مین ش اورستدبين وجيستركين وجمعائر سجع طبق مين معهدااداة تشبيع وكدركن ماف كك مين

الفظاه ویاتقدیاً آن کا عبارت بیمین ضرور بی بخان نوستماره اگرچ اس بن بهی علاقات بیمودو به گرشکام و کما کهی مینت کا از عاکر تا ب اداه ت بین فظا تو کیا تقدیز اسی بیان نهین کینے جا نینگ جسے فردوسی پشتو بشمیر برد آنز مان شیروست ، چپ ب بی پینیان برگست ، ساتوان شهاور مشتر به نکور باقی مندون ، جسے ندیشیرست نظامی پر شخصر سکندر محیط است وس جوے آب ، منتی بت ساید برآفتاب ، آملوان شتر به سعاداة فرکور بو باقی محذون مثلاً کوئی بوجے زید جگو نداست و شجاعت جاب دیا جاسے چن شیرست بنده مکمی عنی عند شعر با بهی خودی چسرخوش سی سوگندی کرت پرستی ، اسے باخص مانت خود

کیمی ارکان نمی لینے اطراف و وجیٹ کی افراد و ترکیب د تعدد کے اعتبار سے تعبیم کیجاتی سے الاقل اِفراد جیسے زید دردلیری چن شیرست ۔

النانى تركيباس من الك تورب كجميع اركال تلغ مركب بول جيب حكمي غفرار متع حربهام بلورب مخ لعل ناب د بود نارسیال درب تاآب ؛ فرووسی وی**ش حر**ث ست از برسینهٔ سپلین ، پرازخاک میگال <del>در ک</del><sup>و</sup> وبن + بكروارشيرسي كم برگور نر + زندوست وكورا ندرآيدبسر + وتوسيم بن مركب - اويسيم خود نظامي تتعرشودچېرئونالافرونست، و چالب درولعلها د فيسته به اس شال من مشبه چېروانارا ديرشيه باج مركب ليف مقيد باوصاف مكوره - بهال مشبه مفوس وحبث بداورت بدبر كرك اس كيجميع قهم ادراحدالطرفين كى تركيب سے وجيث بكامركب مونا صورى ب يابنين ادر سيطيح تعدوكا مفروركب میں بوسکتا ہے یابیض مفرونیض مرکب اسکی میسی کئی شکلین کل آئی مین (اگر دیلما سے بیان سے سى ف اسكا تعرض بنين كيا) اسكنفعيس وتحفيق علم سيان كا وظيفه ب من في ابني اس مخصرت رساله مين ان امورسي بحث نهين كي آب الاحتياز متعدد ومركب بين يدس كيمتعدد بين الك الك الك ايك كے ساتر تشبيم قصود ہم تى ہے جيسے ندوعو حول شيروويا اندور شجاعت و سفاوت بخلات مركب مين لئى چنيزى مجتمع سوكرصورت وصانى خاسل كرتى ہين بس دوصورت تعدد أگرموض كو ذكركرين اوجيض كو چسٹر دین معنون من امض ابق کے کوئی خوابی نہ انگی اِفَادتِ معنی اِ بی میں مجالدرسیکا اور مصو<del>ر</del>ت تركيب أراسقاط بعض كياجاب مقصووت بيتل موجائيكا والله اعكم والتقواب آب سن تعدواكي لرفین این امت بروشبرین موال جیسے ملمی فی عزر ع بهان موے وروش جولیل ونهارو

مشتهاد میشته مکوراقی عدو<sup>ن</sup>

منقبه بهرسع اداه مرکور باقی محدوث

بميح كؤان مندمز

تبعض مرکب اورلعیش مغرد

متَّدددم*رکب*ین کیامنسر*ق ہی* 

منتعور بطرفيين

تعدودروجه

Sarah Sarah

تشريخ اعتبارط

را المنافقة عن الما الما المنافقة المنافقة المنافقة المنافقة المنافقة المنافقة المنافقة المنافقة المنافقة المن المرمض عنسلى المنافقة 
ف دس نظامی *و مشعه شاخندهٔ راست جون میشکه و لطی*ف ہے جن پرلفظر است وتطیف وخوش وسنہ و سفیرین و تر ولالت کرتے میں اسیطرح انکینکا آفتا كب ساترن بديني باعتباركولائي اورجك تعدد فالوجب بنده مكى خفرلدولوالديش حرجيين بمشاده ونا بان چواسے « جیرابی خاصه ماه نیم لمه به آورکههی باعتبارط فین فقط تشبیر کو طفوف و فرور *پرتقیے کرتے ہین ۔* ملفوٹ وہ ہے کہ چند شبر ایک جگرا در آنکے مشبہ بدایک جگر بیان کئے جائیس بھراگر ت<sup>ہ</sup> بترتب لعن شبهات اسكيم شدر بكانشركيا جاس لمفوت مرتب كهلاا سيحكى غفرار عع لب ووندا بلت نهوغيرمرتب بسے خوا ومعکوس ہوخواہی منتشر مکمی عنی عندرع ا دچولعل وگوبهر + اگرنشسر بشرمیه ب ووندال ويون وروم الناب منتشركيك ووس زياده تعدد حابية أرصر ف شبين تعدد مواس كا تشبيلجمع نامها اوربياتعدوصون بطريق عطف مبى بالن كياجا است اورتعدد كے سرفرو براوا و تشبكي كُّ تة بين جيسے ال اشارين نظامي و سنتھ رحبا ندار چون ابر وچون آ مناب ، بانداز م عدى پون**ٽ ح**رودياكيزو بيكرچ چرو پري + چوخورشيدومدا زسيد يگيري + ان ثالو<sup>ت</sup> عالمفه مروومين سجامى ذرس مئروت محر حارض ستداين يا فمر لالأهمر استداين ويآطع تاین ۱ اس شال من صوف عاطفهٔ ترویدیه مهر*و برسهے -* آورتشبیففروق و مهےکه بمِنسبكے ساحة اسكامشيد به دُكريت جلے جائين - بنده حكى خفرلة الديپٽٽڪر دوچٽم آ ہو درلفش شکّل م رضن مېروچېين ماه وقمرو **و ل**ېرهني عنه عج لېش مېمچو يا نوت و دندان چودَر ۴ اور به تعدوو *پ*ښېر مين مجى سواب طرفير من تدوم وانهواور ميراسك اجراكل حسى سوان ياكل عقلى يالبض حسى العضائي آول جيسے آمينه کو جاندسے تشبيذين وجرش ايضاءت و تدويريه دونو حرصى بين رنظامي پر تعصر خيرم نذل بلكة انش زن بت وكمريم صفت بكرة ابستن بست ويبان وجبث بكارت اورابستن يدولو وتسرا بجيع اجزائه عفلي موجيب كسيكواكسي تنزى نظراور حيكت بن ادراخناي جاع ك إرسے كرتىيے كيسا تەرتىثىيە بىن پەسسامورىكى بىن - تىنساخىلىف لېيخىلىق سىلىنى نىغانى ك فعرس بعضورون من جون خن برخواه و عمي كميه زون بيرسنديشاه بهان وجبسنه ايك تورُثي بوسی ہے دوسرامرغوب طبع ہونا سوعقلی ہے۔ اسیطرے ارکان کے حتی یاعقلی مونیکے اعتبارے

متى سے مارى ن كيا مراويح يما كيا مراويح

يه کياتي ہے اور حسى سے بہان ہمارى مراه يہ ہے که وه ابزاخود ياان کاماده آگر خامج مين موجود هد بواسطة حاسم خسهٔ ظاهره مُركَ بوليس خياليات بيني أكران كؤنحيثيت بتماع دمكهاجا. ادرجواکی امک کوالگ الگ جوماده اس مجتمع کاسبه دیکمها جانا ہے مرک بائحس النظام و مین جیسے فروشی هرندین شد کروار دریا ہے قیر پ<sup>ہ</sup>م موجش از خنجر گرز و تیر 4 نظامی پر متع مرباتی خت رزمے چوبارند ہ مينى ﴾ تُكَرََّسُ زيريكان وباران زتينى 4 كيامىنى كەدريا جداادر قيرحبا مُدرَك مجس بصريب مَّرْ محيثيت جَهاعى ليف دريا قديحا بهتابه واأسبطره بهكه خنج وكرزوتيراشكي موجين بهوان كسي نفيهنين ومكمعا البته موج وخنج وكرز وتبرحدا حدا مرك بالحس مبن اسيطرح تكرك وببكان وباران وتينج الك الك محسوس المان كين ابس اولے کی جگر بہکال پانی کی حگر تینے برستے ہوائ کتم عدم سے دجود مین نہیں آئے بھاس بیٹیت اجتماعی كيساته محسوب كب بوظم يمض تغيّلات بين استجب سعب شعوظامي وشعركيا نان نورسته ازآب ير ، چې برشاخ مينا برآموه و د په آورويميات جيسي س عرين کمي خزاد والديي هخر برل ول سنب بجران جنان اود بكالتج بهجوشهم خول بنمود وتبس اب نشبه تخيلي دويمي من فرق مبي معلوم توكيا موكا كةت بيه خالي من به بان مهواكرتي سے كدر كات مسيه كي صوتين جوبا سطة حواس خزانه خيال من معمقين قری تنفیلہ بقدر صررت اک مین سے لیتی ہے مرف ایک ترکسیابنی جانب سے آئ بن اختراع ک پ<sup>س</sup> علوم ہواکت نبیضالی کے لئے ایک ہل ہے بھنے فارج مین اُسکے اجزا کے لئے وجو چتحق ہے گراس مرکب اخراعی کا مرد و خامج مین منهو گا بخلات تشبیه بهمی که ومحض سے صل م<sub>و</sub>نی ترکی اوجود لذولا عقق لد والخامج البرصادق بكيامعنى كدوان سرعت من جانب تخيله اكت ا گھرت ہوتی ہے اسی داسطے الوہم مخلاق کہاجا اسے لیکن باانہم مخترعات ومیر عبیہ جنم دندان غول کااد اک فرض کیا جائے قورہ صرور مرک بھی بھر ہو بھٹے توجیسے خیالیات واخل فوج ی مین دیمیات بھی دال شق حسی ر مینگیے علی وہ ہے جو اسطرح مرک نہو اگروہ خارج میں موجو دیمی ہو مدك بحواس ظاهرنه وجزنكم محسوسات امل صقولات مبن لعينى معقولات انهين محسوسات سيه منتزع هوق مین محسوس ازرد سے دلالت اتوی مجھاجا ہاہے اویرٹ بربا گرحیدا دعا دہی کیون نہوشہ سے اکمل اور اقرى موذا جاسية إين دوج سوس كرمعقول كيسا تدتشبه بنبين فيية أكبين اضم كي تشبيه واقع مونى مى ہے وہان مشبہ بعضول بننرادمسوس بنالیا گیا ہے غرص تغییم اعتبار صی وَقلی کا بیان مجلاً بیم کہ تثب پیم ایجا

نشبیه ویهی تقرّقه ربیمی خیالی

- Conta

المراجعة الم

تشبه بجیع اجزائه صتی

ى بوگى جيسے على عنى عد شعصر دو عارض جونور نسيا ندر فروغ ﴿ إِنجَيْجِ ابْرَا مُعْقَلِ جِيبِ عَلَمْ غَلِد لوالا شعر زعلمآدم برزدبرا فلاك + كه علم بنجو حيات آمدرا واك+ يآلبض حسى بعض على حكمي غذار الالثيم علط چور بہار ہاران ﴿ سرسنر جہان ازوج بِستان ﴿ بِهان مشابِطف مروح ہے وہ کیفیت خاص نَف ا معقلی ہے اور باران بہاری مشبد بروہ اکک امرحسوں بعنی مبصر شے ہے ۔ تجاننا چا ہیئے کی حس تشبیین وحبرث بردنيامورسے منتغرع ہولینی وہ وصف مرکب ہومطلغًاحسی ہو باعقلی حمہورکے نزدیک اس ن بيكاتينل وضرب الل المه اورامام فن شخ الهدى شخ عبدالقام رحمة الميطيد ك نزويك بركب تشیل نہیں بنتا المکہ اُسکے نزویک مرکب عقلی مطلقاً حقیقی ہویا غیر حقیقی تمثیل کہلانا ہے اور سکا کی رحم<del>الیا</del> نزد بک مرکب کافقط عقلی مهونا مبعی کفایت نهبن گرنا بلکه اُس مرکب کاغیرختیقی مهزما یعنی ده وصعف ژ متحتق ہونە حقانی تثیل کے لیے اسکے ہاں شرط ہے ہیں یہ انتعار نظامی پر متنعیر بشکین رکا آپیٹر کمل زنگ و دراُفتا دجون مکس گومبرنیگ و **وله شعر** به آنش بران شوستٔ دُشک سنج و چوارسه بربیرکان گنج عنالمبهر تثیل بین ـ اور یقطعه سعدی ح کا قطعه عالم اندرمیا نُدجهال ۴ شک گفته اندصدیقان <del>و شام</del> ورميان كوانت ومصحفه وكنشت زنديقان وسيك نزويك تمثيل به سي بيل سيربي به شعا ىنغىر پرتونىكان گيرد سركه بنيادش برست + تربيت ناال را جرگردگان برگنبرست + **وليسع** ارگراآب زندگی بارد به سرگزازشاخ میدبرنخری به با فرماید روزگارمبر به کزنے بوریا شکرنخری ۹ ولى تعريقى بودند دانشند ، چار باب بردكتاب چند ، وله تعرب فائده بركيم درباخت ، چنرے نخ میدوز بدیداخت 4 بہان وجرشہ اُلغ نافع کے انتفاع سے بےنصیب ومحود مرسا باوی خت بحلیف وتعب اُٹھانے کے سویہ وصف مرکب اعقلی ہے اور چندامورسے منشرع ہے چنک مزحع اس وصف کاجانب توہمہے اُسکو وصعت عینی نہیں کہ سکتے اوراً گر ویرٹ بالیسی نہووے پخیمٹیل کہلائیگی بینے جہور کے نزو کی تنیل کے لئے وجٹ برکا مطلقا مرکب نہونا چاہئے اور شیخے کے نزدیک مرکب علی مطلقاً نہوا ورسکا کی نے نزدیک ویشبہ مرکب نہ ہو ایمرکب ہوتو وتهمى يااعتباري نهبونكك وصف حقيقي مهو.

تَعْيَم إِمِسَاتِهُ تَشْبِيكِلَ آبامتبار و چرشها و طرح بھی تعییر تشبید کی کیا تی ہے کیا سفے کہ و جہشہ یا تو بحل ہوگی یفصل نشبیم پل وہ ہے کہ جس میں وجہشبہ ذکور نہ ہوا وا ۃ نمکور سول یا نہوں جیسے زید جون شیرست

وحَتَّ كِلل ظاهر المانيد شيرت اوريا جال كني باتون سے حال مونا ہے - ايك توبيد كه وجرت براس من اليسي طاقا ہوکہ برسی کا ذہن اُسپر کر کھائے جیسے مدسے چون آفتاب بین بچک دَک زبیجون شیرین شجاعت يه البيامور ابن بغير دُكبروتشبيها ع كاخيال أسپر بهويخ جانك. دوس يدكد وحرشه السي پيشيدة ٢ لة بخزخواص لبغا و وسرول كي نظو الأن تك زبرو پنج جيسے علمي خفرلدولوالد ريش حركيے بارگاہے لگ فتا ە دَّرْبارگى بېچو دريايت آب « بيهان خيمرْبا دشاه كوآفنا ہے تشبيهْ مَكِيني اورگيطويت كوبحرس اوروج تشبياول من بارگاه كى وسعت مين مبالغه كم أفناب كى طبح مشرق سے مغرب مك أسكى لمنا بين اُستين چانچنظامى داس وجكا اظهار فراتے ين تعجر زب بارگا كاك كيون أختاب فرمشر بغرب شيو طناب ؛ فردوسی و بغیرت بیه بارگاه کی توصیف کرتے مین منتحر کیے خیرُمرد اشت افراسیاب ÷ زمشرتر بمغرب کشیده طناب ز دوسے مصرحهٔ من گھٹڑے کی سرعت میں سبالغدکیا جا ناہے کہ دو گھٹڑاا طراف عالم تجاناب اور طيرا ہوا ہي معلوم ہوتا ہے درياكي طرح بحيثيت موج زنى روان مجى سے انويشت احاطاً رض كي جگهة قائم مبى يهي كيفيت شعلة والدين موجودس يدكمال سعت بروال بهد. انسی قبیل سے ہے شیخ علی حزین کا نالہ کوشکین پرندسے اور طالب آملی کا شدیز کے شیخ ایسا درمار میکندند ا شورختین تو « درفش کاویان از نالهٔ مشکین پرندآرد **«طالبآلی**ی دهٔ به به ن كرة أنقد وْ بَنْجُو هُمْ الْنَابِ بِللت ﴿ كَدُولَ مِنْدِيرٌ بَارِنالِهِ امْ غُرْقِ سِابِهِي شَدِهِ صائبٌ ت نداند نالاشبخيزرا ، مردم بايد كمه داند قدراين شبديزرا ، بدامورايس بيركيم بجزخواص إو يكادبن بنين ببونخينا تمنشرك يركه طرفين سيكسى كاوصف مذكور نهوجيب زيدجون شيرسة چۆتنے نقطات برکا دصف مٰکور ہے نظامی ہو شعر براق نتابندہ زیریٹ چوبرق ہ سامش جو فورشید ورنورغوت ، بِآنِجوين فقط مشه به بكا وصف عيسي حكمي عَنى عند شعير جوخور شيروش و ورخسارگال ووكيسوكندو بُرُو لمكان + تِحِتْ يكوصف طونين مُلور موجيك نطامي ومعمعر بكل جيدل آمد عوسے بباغ 4 فروزندہ روسے چروش چراغ 4 تیمھی واضح رہے کہ بہال وصف سے وہ وص خاص مراد بيحب من جانب وجعث باليلب مطيعت موند وصف مطلق جيسيه اشله بالامين مركور بهوا اب زیده الم حون شیرسیاه است باوجود وصعت طوفین مجل قسم الث بهی رسهگا نظامی و پشخرنشه واركرتيغ برورع شاه ﴿ بعربيرنكى جِوابرسياه ﴿ استَقبيل سين اسواسط كربهان غرَّش بيان

تقبيه للمنطق

ارتی ہے ایر کا مصعب بلیان ہونا دو پہنسود کا افادہ بہیری البینی تفصل دو ہے کھیں ہی خود وریشہرات دکورے والجا کو دکر دریشہ دو شورسائ ذکر کوا ترجیکو دویشہ لائم ہوا دریشہ کو یہ شے لائم ہوا دل جیسے زیجان ٹیرت ورسی ا دولب درطادت جا گھ ہونت درشینی بہان دویہ شہیر باللہ ہے ہو ہوشیر بنی کو لازم ہے بندہ حکمی عنی عدش حرسی بادہ از دولب درطادت جا گھ ہونت مکر شکر ہائو و لد صَه بالند صِه باشد تلخ باسوم نظامی و شعر سبت بودہ از امرح کت کو گری لازم تحق بہان مدامن و حیرت بری بیان دھیت بدعت ہے درحقیقت میں سرعت وجہ امرح کت کو گری لازم تحق بہان مدامن و حیرت بری بیان کھیئی ہے ادر حقیقت میں سرعت وجہ

Vi vija

شبب جراری کا مازه مب اس طرح نری کوتیاس کیمیے. باعتبار وصرت باوطرح بعى تشبير وتقيم كريكت من كيامني كعبن تشبيدايسي موتى ب كراش وجرمشاببت بجرزياده ظاهر بونيك علسجومن اباتىب أسكى دجرس انتقال كرف مين وبهن ونطركوكو في وقت ألها في نهين يلي اس مالت بين اسكوتنية قريب بتنال كهت بين نظامي وسنع مدوش ازتره شب تافته وجوا ئيئه روشني إنت دمشد بيني آئيذ إسى شئ ہے کہ ذہن بن اکثرانسکی صورت کاحضور رہتاہے۔ اور جن تشبیلیسی ہوتی ہے کہ این بعد تدقیق نظرانتقال دبن مؤلب اوراكر تشبيغريب بعيد كهته مبن جي نظامي رمرما رون به چ فرمشدد لشكر بتنها زون و مدوح كوفرث يدك سائدت بيدي اوروج اس تشبيه ایسی انتزاع کی که نظر ذرادقت سے اس تک بیونچتی ہے لینی جیسے آمناب تنہا تمام لشکر لوابت و با واک دمین بلاک بینی معدوم کویتا ہے مدوح بھی تشکریش کے لیئے تن تنہا کھایت کر تاہے۔ اولعض وقت بويفضيل كي تنبيمين فابت بيدا موتى ب جيس نظامي و متعرز مبش نش مكدم آلام كيره چوسماب بروست مفلوج بيرويهان وجرت بيداكي فعصلي امرسے جواجر كرفيني إ بادى الالسيدن سمجرين نبن آباله وقاعده سبج شے بعد مبوطلے عال سوكى لذية ترسوكى ادراسکاحن اداس کی بلاغت بحسب لذت او بقد اُسکے مطف خیزی کے ہوگی پس تشہیغ بیب ببيد قريب ومبتذل مصاحن وابلغ موكى اسيطرح ابتذال وغرابت كي سي مارج بن اسك تدرواندازة تيشبيه كيصن دقيح بن تغاوت مواكر تاسب كميمي تشبيد قريب مبتذل كوتموار يس من بديغرب بالية بن ب ايس ايس اري والماير ارباعت بيا موانى بوجاني

اودرالدین انوری کی تشبیه بندل کوجواس شعرین بیان کی کمنی ب ستعر روسیجواه آسان داری و قدِح بسروبوستان داری و شخ شیراز حضرت سعدی علیه الرحمته نے ایک فراس بطیع نام كرساته بليغ ولبندكردكما باب جهان كهاب فتحرسودا انى وليكن سردا نقاريست + ماه را مانی دلیکن ماه راگفتارنمیت به نمتاری کاشعرب شعر مابی آگره مدا زسرو بود قد « سروت آگریم ا ازماه بودبر 4 کیامنی کنن بیپشوت ماه دسو کے سائٹریب دیبندل تعی گراس شرط نے اسکوادج غرابت صدبلاغت برسوخ ویا-اورسی ایک آده دورکی شاسبت وجبنسه به تی ہے اُس دقت باوجود ا بدوه نشبیه پایه بلاغت سے گرجاتی ہے فروسی مرکا شعر سیاسش مبنسان ہمہمگروہ ﴿ بمرحل وندانندكون ووبن ببئت ثباتي فكرب يغ جيكوه ابني جدس نبين الماساه ممي انهایت صبرو استقلال کے ساخرالشتے بن خیائے دوسری حگدرستم کی رخربین اس امرکو ظا مرکیا ہے شعر كوبليتن كفت منكى منم ، آ وردگه بردر نكى منم ، كبتى باعتبارهاف وذكراركان لمنة تشبيكوتوى وضيغف يرتقب كياكرت ببن جبيه وجبر شبداوراواة اومِنسبة منون كاحذب لعيني وقت قيام قريئه مقاليه فقطام شبه يكافُرا توى ب مثلاً شيرت اگر قرينه سواليه دموقع اخبارنه بواسوقت وه رستهاره طلقه بمجها جأبيكا جيب فردوسي سودابرك بال كهسومني سُندنو بخ کوکس بطف سے بیان کرتے ہیں شکو بھیکین کمندا ندا مگذر خیگ ﴿ بفندق گلان را بنول دادرنگ و آنقط منتبخ ببه كافرجيد فروسي درستم وسهراب كي شني كي درستان مين كلفة بين شعر كيه نعرو برزد براز خشم وكين ﴿ برورستم شيراً برزين ﴿ بِهٰ وَ مَهُ عَلَى عَنْ تَعْرِمُمْ شيرغونده وقت نبرد ۴ ببيشيم چېمردي چې يکرشت مرد ۴ تيادونونسين اقوي مېن کسواسط کدادا ټه حذف مص مفيث بديم يتم ما طاقى درست موجانات عبس معينيت ادعائي حاصل موجاتي مي ادروارون دكن كاذكركر ناجي زيدجون شيرست در شجاعت تشبيكوبودا اوضيعف تركرد يتاسب اور بآتی شقین قرت وضعف مین بین بین بین اس مین ووشق بھی آگئی جوفقط ایک کن فینی اواق کے اقی برزمز سر حزف سے حال ہوئی ہے جیسے زیرشیرت در شجاعت بنجلد اقسام قدی ہے اور صف اداہ معالیم اقرى ب حالاً كدكماليت تشبير جوادعاس عينيت بحسر كاسبب مل مواطاتي ب نقطاداة ك عذف سے مال ہے وج کے ذکرو صف کو اس مین کچر والی نہیں بھراکی کو توی دوسے کو توی رکھنے کا

. قسمين په دولوان کين

ا منا المناسبة المان المناسبة المان المناسبة المان المناسبة المان المناسبة المان المناسبة ال

م محمد بالوز وخرشت بيطلق

وجسب ق

لتعيم دحير شبرس بخضا لفظ ہے سور امر مذت وجبی سے عاص ہز استا توقیت سے تعمیر نہیں ہواکرتی کسوآ سط کرتشبیہ جو بجاتی ہے مشبد ہر کے خص واکس واشہراو ین دیجاتی ہے درنے نشیرین گذرہ دہنی جاربا فوان امرؤم کار کھنا بھی وصف ہے بیسب نہیں گئے <del>جا آ</del> اسيطيح برشئك بيتاراغواض بين لكه أسكم شهورا ورخاص ادركماليه وصعف جرأت ووليري برتسبيه ويجاتى بي كين فقط اس قاعده اور صل كو (كدعذت موضع ذكريه بمقتضى تعييم س) نظر شن كمكريال مهى تساما حكم تكاواً كياكه يرميات تركيب سبب مزيدتقوت تشبيه التعام مين الناسهاراب وعمليتين بالكي كمال كميني عاتى ب السي سامحون كاوان وظل نبين والله تعالى اعلمد و الملی انہین الکان کے مقید غیر مقید مونیکے اعتبارے جریق سے کہا تی ہے۔ ایک ید کھونین اوروج مطلق ہون اُن میں کوئی تبیدند لگی ہوجیے زبیرجون شیروز خ<sup>ا</sup>ج ن کل و<del>ر</del>سرے یہ کہ وونومقيدىيون جيسي مصرحه تربيت ناالي داجوان گردگان برگنىدست ، كيامنى كيشبطلق تبيت ہنین بکہ ناال کی ترمیت ہیطرح مشبر مطلق گروگان نہیں بلک گنید بریکا گروگان - تیت ہے یہ کوفقط پەرپوچىيىچىكى غفىءنەپ دوخىشىراندۇغەپ ئىجون دشعل وپيان فىقلەت بېقىدىپويىطلق ز بین ب*ایشهٔ خفیناک جوتنے ی*ر کونظامشہ بہقیر ہوجیسے مکمی عفی عن*ہ مصر عدر خ*ش ہمچوز شیروزمروز فرودسي ومنتع ردرخسارزيبا ششش قمرة وخثميش ستاره بوقت سحوه يهان مشبه ببطلق ستاره اور طلق خرشد منهین ملکه موقّت بنیمروز ومقید لوقت سح*ے - اگر غور کیجیے* وجرٹ برمجی طلق ومقیڈونو ہوسکتے ہے اوّل جیسے بندہ حکمی عنی عند**ے ج**وزٹ پیرویش برختندگی و دورَ سری مینی وجر نظامى پرتشعير چوبېسىدە جوب كەدرىنج باغ ، فروزندە باشدىشب چان چراخ ، يىهان دويشەفروزىك مطلق ننبن ملكه ووجوشسي سامترونت ہے پس اگر وجشب كے اطلاق وتعيب كالحاظ كيا والله اس الله اس وار امران در کے ضربہ سے المحقسین حال ہوتی ہین لہشیدہ نرہے کہ بیتھیداُس توصیف سے عام ہی جوتشبیم میں بیان کیگئی ہے کیامعنی که اوصاف والدعلا وجالشبہ برہمی یہ تعینب یوصاد <sub>ت</sub> آتی ب ادرغيرواله پرممي والله نعالي اعلم چنکدسر شے کی غرض علت فائی اس شے کی ہواکر تی ہے وس کا تحقق اور وجو دخارجی اُس

سے مُوخر ہواکر ناہے توہم نے بیان عرض تشبیکونبست اوراقسام تشبید کے مُوخرک یا پ

عانناجا كيئ كنوض تشبيه كي كمع به شبه كيطرت راجع بهوتي ہے اوركم به مثب به كي طرف في وداديغ خرتشب يسيرشب كحكسى حال اكينيت كابيان كزام وأسكوا جع بسور يمشيهين ادره مقصود بان حال شدر بوراجع بسور يعشب بكها تى ب اور براك ابني كيفيات كاعتباري كئي قسم برب مثلاث بالسا وغريب موكا كأأسك انتناع كادحوب كياجل يصحيح بهويخ جائےاُس وقت عرض اور مقصود تشبیدیہ موکداُسکا امکان وتوعی ابت کرد کھلائیں جیسیے حکمی غزله ولوالديبك اس نعتي شعر في وركنات انضل جيانكه 4 مشك ب آلم وزون المير يدام متنع معلوم بواب كس واسط وعول يرب كدمروح كل مكنات سے برزب اور كس مجى ب نے سے معلوم ہواکد وہ بنفسہ کیے جنس مکنا سے الکسے، اور اِسہ کیاصل جاگانہ ہے جب مشک سے نشبیدی کدوہ خون ہے گروہ اپنی فوہون کی وجرسے ایک عنس سنفساورا کی المل باسرب كياب اب احكام خان ك السرواري نبن كرسك فن كاشعرب شعروال أون خوگشت بال ويش مرا و بسان شي كراندزېيغود كبداز و وله شعر بودوري زيجنسان نشاطي ا کولمے داری و چی مبنی جدا زیک کر لبها سے ضال ما ، پہلے شعرین یہ دورے کیا ہے کا بنات وتوث ابنا دبال جان ب ظاهرا بدام متنع معلوم سوتا ب حبيثم سے تشبيد دى اوراس كالبنے بهدكى بدولت كلنا سلادبا خيال المناح طاقارا الداسيطر ووسر صنعرين وعوى كياسي صول ناطددری بارائی بس پروتون ب سویدامرسی ظاه زظرین متنع معلوم بوتاب واسط كرچند دوست احباب خصوصا بإراك بمنس كالك مجرجمع بهونامومب نشاط مونا سے حبلبہا بے حندان کی دوری سے تشبیدی خیال امتناع اُمرکیا بس اس نوع تشبید مين مشبه بكااعون ومشهر بونا اور أمكى اسكانيت كامسلم مونا شرطب - توسرايدكه اسى ملمح اوركوئي حال بأكيفيت مشبهكي يعنى مشبكس وصف كح سامغ متصعف اوراكم كي كياكيفيت ب بيان كرنائر تشبيب مقصود بومثلا ايب شف كودوسري مُوك ما قر آكي شن واسيا و رنكت كي <del>دجة</del> تشبيدين أس وقت فظام شبه بركي زمكت بروافنيت سائع كى شرط سب بنده كلي شعرلبش قوت مان يا قوت لا ، جى كوجوان كرد فرنوت لا ، اس نوع كى تشبيمين ماسية كەشبەر مين وجه ببت ظامراد وبت سفه رموناك مال مديركا الجي طع سه واضح بوجاب تيسرا وكعقدارية

ث تبرکابیان تصور مهم یا دومقدامین کمت یا زماده قوی سے باضا یدبالون کورب اور کا فورسے اور جوانی کے موٹے سیاہ کورزاغ ومشاکسے نشبید دینا نظامی ت مرايرف إربير برِيناغ 4 نشايد چربيل تماشاك باغ 4 حكى شعه جيشكين سرونگاه كا فرزاد و كفل في آ بجینم بباد ہ اس طرح ہے کم باریک کوموے سے جیسے موسے سیان اور چرکوسنے کوخوان سے نشبہ دینا۔ فرودسی کنیزان رودابر کازال کی تعریف کرنا بیان کرتے مین تشعیر دوشپیش جو دوزگس آگیون<sup>\*</sup> بانش دېپ تەرئانىڭ چوخون د انورى تىنىھ ھەرىيە سەين ئىياش چىگىم ، كەدىيە، سەكەپ على باي اس شعرین سرین ومیان اورکوه و کاه مین باعتبار شدت فربهی ولاغری تشبینهمنی ہے اس نوع لی تبیمین چاہئے کوٹ بکا حال (اگر حیاد عائی ہی کیون نہو) مقدار میں بلا کروکات شب بہ کے عال كے برابر ہو اكد شبك حال كى مساوات جيسى سے دليسى بىممين كى بائے - چوتھا يدكر شبيني سے غرض یہ پوکھٹ برکاحال بخرتی سننے والے کے د لٰ ثنین ہوجا سے شُلّا لیسے کا مین سعی کرنے کو حب سے کوئی نیتجہ نہ نکلے وہ تعام سعی اسکوشش عبث اور سے فائدہ ہو باودرمشت ہیموون تشبيه ديجاتى سے سعدى عليالرحمٰ فراتے ہن شعر پر نونيكان كيرو بركه بنيا دش برست بيزيا نااہل ا چون گردگان برگنیدہت ؛ ترمیت ایسے خص کے کرنے کوجس برا نرائس ترمیت کاکج مھی نہواکی گول شئے کے گذیر برطھیانے سے تشبیددی ہے جس سے بخوبی دہن شین ہوگیاک جيب اسكام في زامت درب وليس بى ناالى كاتربيت بإنا عادة مال ب. اس نوع کی تشبیت جا بیئے که معقول کومسوس سے تشبید بن اگزشبہ میعقول مہی ہوائس کو بننرلہ بیوس کیا جاہیئے کسواسطے کہ نغس انسانی بنسبت معقولات کے محسوسات سے بالطبع زیادہ الوٹ ب اورنیزاس قسم مین و حبرت برکازیاده کامل اور بهت شهرور مونامهی مشروط سب اور بیشعر ریر تونیکا بوہرکہ نبیا دش بیت الزشال تشبیتشیل کی جسی ہوکتی ہے اس میں کوئی تناقض منہر تمیثل

باحتبارتركيب حال وحبث بهيه اوربيان باعتبارغرض تشبيه فلامهنا فات آبإنجوان سامع كي نظ

مین مشبه کی خوبیون کامزین کرمے و کھلادینا یا آس کی برائیون کامشحکر کردینامقصود ہوار واقع

وكل وسنبل سے اور حيروس إ وكوشيم آبو درشب قدر كے سامذنشبيد وينا بنده مكمى ففلد دلوالديد

شِبه کے اندروہ برائیا ن اور بھائیا ن ہون یا ندہون اول جیسے چہرُہ خور

مُعرحِرنا مه سواوش بمهشك بود پرشب قدر ماروسشنائی فزود و اور ثانی تعنی سامع شته کی برائی کاجما دینامهو جیسے برسیات نیکل کوشیطان اور دلوسے تشبیهٔ بن جیسے سعدی یخ شخصے نیحپا*ن کر میشنظرہ کزرشتیٰ* اوخبرتوان داد ہگند اپنلیش نعوذ بالٹی*رہ مرداریا* فتاب مزا<del>د ہونظا</del> زراج کی بیات کا خاکه آنارتے بین اشعار سیدارے افسون گرے درو ، سرآاسی از سبزرگی دروا ولان فراخ وسيرجون لويده كزوشيم بيننده كشتى سفيده خصارخم أبن برانكيخته الجنهاسكابان بروزخة چشاشتر كيطوفداونا در بهون كاثبوت مقصود بوكة حب عادت ويسابهونا مكن نهوا وريبريندرت واستطاف شهربها حبكي دجهس مشترمين ندرت آجاتي ب في نفسه نام مرجي شراب كويا قوت . نداب سے تبثید مین ازرو سے عادت یا قوت کا گھلکر ہائیات مین سے ہوجانا محال ہے اگر پیونرانل محال نهوخاقاني رميتال يعليهضرت خضركي تعربيت مين لكهته بين شعرآن شيبت بعرى اغوال فثن چون رفت تنيده گروآنش ، اندوے عادت آتش محے آس باس رف كاجنانا مكن سے عِنعرى کاشعرہے ش**ح**رصبح را بنگریس بردین بدان ما ندوست به کزبیر سیمین تدروے بَشَدین عقاستاین <sup>ب</sup> یہ اکثر شبدیہ ہی اور خیالی میں پایاجا تا ہے ۔ بہان اس بات کو جان لینا جا ہیئے کوٹ بین مررت اور طِرْگی دوطرح سے پیدا ہوتی ہے ایک توشبہ بہ (جس سے مشتِحصیل کمال استفاؤہ ندرت کر تاہیے) يَآتَى نفسه نادراورطرفه بوجيه عل نداب ادر برت تنيده گردانش وغيروچنا نچه اسمى بيان بوا -يآفتي نفسه أسين كوئي ندرت اوراعجو بگي نهبين مگريونت موجودگي وحضورت بطرفگي وندر ميتخوق موجاتی ہے مٹلاکوئے بینے افروختہ اور بعضے غیر افروختہ کی ہیات اعجوبہ اوراً سکی خوشائی بیا ن كيواتى ہے نظامی شعر آتش بران شوشهٔ مشک سنج و چوارسيه برسسر کان گنج و وارشعروفان ازبر شعلهٔ آذری ، جوبرسُرخ گل بگ نبلوفری ، کیاسنی که ارسیاه کاکان ندبراور نیاو فرکاگل سنخ ربہذا ایساطفداورنا ورنبین كراتش كے آس پاس برف كاجنا اوربدى عنقاكاتين تدوكاتيبا کرنانا دراورطرفه ملکمتنع ہے کیکن مشبّہ کے حضور اور موجودگی سے البتہ ایک ندرت اور اعجویگی ہیلا ہوگئی ہے غرض ان دونون حالتون مین مشہرشبہ بہسے سرطرح اکتساب کمال کرتا ہے خسیل نرت بمى كريكا وران اخيرشقول من مشبه بكا اكمل واشهر بونا شط تبين ب والله تعالى علم یہاں کے بیان اُن اقسام کا **تنا**کہ جن دین غرض تشنبیٹ ہے ساتھ تعلق کھتی ہے<sup>ا</sup>

طرفین بین حب ساوات مفصود ہوتی بیرنشا برکہا تا ہے زئر شبیة

تنكهوننيونن

بیان تنبی مغول دمودد

اَن اقسام کوبیان کرتا ہون جن بین غرص <del>تشبیث بہ بکی جانب راج ہوتی۔</del> برربنا *ون کجس م*ن ٔ ناقص کال ہے عکم ارزقی کاشعرہے ر**باعی** آتش بے تثعير گل پېرخش چو عارض خوبان وسنبلش به چوزلون محبوبان ډ اوعا پیرمحض ہے کہ رنگ دونین خ وزلعت الیسے کا مل ہین کہ کل وسنبل کو اس سے تشبید دے سکتے ہیں۔ وو سرے یہ کو حبکی طرف اتہام ہو ئىسەشەردكىن لەرغو*ىن تىشبىكى بى*يان ئىس اہمام كابيان كەنا سەشلا بال عىدكويارۇ: عدى والتعجر سك راكر كلوف برسرايد وزشاوي برحبه كاين أكرنفث ووكس برووش وارند وليتراه لمبع بندار وكيخو أميست ونغمت خان حالى تشعر سيابهي بمريدان لند جلان نورششيروسپروار و دم آبی لب نانے منجم رانشد غیر ارفلاک أدفاکه وطغراى شهدى شعرب سنعرطغرا مكن ابن ہ وروبیہ فروغ 🗧 کے مرد کہ بانوع كااظهارالمطلوب نامرسة اوريبهي خيال ركفين جهان يسے کال ترموحتيقةَ تَشبيهِ مِهمَ تَحقق ہوگی۔ آور حہان طرفين من بقصود مبوا دورشبه بهكي كماليت ليني اكب كأكمال اوروديس كالقضارتيص و ما ن حقیقة بایابان یا نهایابائ آصورت مین تشبیه کاترک کرنا مهتر موکاکیا لەتشىپەلك ايساامەسى كەتس مىن زيادت اوراكملىت وە اوھائى كيون نہوسونى جا ہئے يس بادات طرفین ہی مقصود ہوائسکا تشابہ نامرہے نەتشبیداد، یہ اعتبار غرض عنبول دمردود نیشقسم ہوتی ہے

ہوس سے شبہ کے مال بریخوبی اطلاع ہویاتشبہ اتم واکمل ہوجسسے العات

مین مخاطب نزد کے معروف انکم ہوجس بن اتنی باتون کا افادہ ہوگا وہ تشبیقبول کہلاتی ہے الراك افادات مين وه قاصرے اس كاتشبيم دوونامرے آوسوضد (جن مين وحيجامع كاحقيقةً پیداہونا مال ہے) بہم تشبیہ وئے جاتے ہین اور جو منی مشبرہمین موجود ہین ستہزاء وہی وجیث قرارديئ جاتي بين حالانكنفس الامرين وسمني كاضيتحق تب مثلاث جي كوحاتم سي مخاوت ين اعانم كوج بى سنى من اور مبنقه كوافلاطون سے دانا في مين يا افلاطون كومبنقد سے حاقت ت تشبية من حالانك تفق نفس الامري سخاوت اوروانا في كاحاتم اورا فلاطون مين سے اور حماقت اوران كاهبنقه اورجوجي مين يذبا بهمنسبت تضاور كهتيه مبن تووجها مع استنشبيد مين عال وينبين مكتى بس ججى انندحاتم بت در مناوت وحاتم شل حجى بست درخل كمها فقط ازروب اعتبار موكانه يفنس الامردامه دتعالى اعلى والصواب اورباعتبار صنف ووكراواة تشبيه كي كئى قسيربين . موكدكهلاتي ہے بچہ بیہ دوطرح ہے ایک یکہ فقط حرف تشبیر بحذوف ہوا ورانسکی ترتیب وسیاتین کچے تغیر نہو جیسے زید شیست ۔ دوسے ریک اسکی ہیئت اور تر تبیب بھی بدل دیجادہے۔ یہ بھی دوطور ہے اکپ یکدبعدصنونِ اواۃ مشبہ بہ کی اضافت مشبہ کی جانب کردیجاہے جیسے گل خِسارنگیر حبتم حبکراصافت شبههی کهتے ہیں بہان ترتیب وہایت دونون سنجیر ہیں دوسرہے پہ کہ بع صف اداة مشبر بكومشب بمقدم كرين اواس عل سيصورت وحانى كاحاسل كرنامنظور يليني نت کاصیغینبالیا حاسے جیہے کل اندام شکرلب شکبری نطاکیًّ اک دونون کی ترکیب سے لیکہ میشیم باکنره روسه و گل اندام وشکرله ہے دوسرے عمین حاوات سے چرنکہ کلام اکثر بلغا کا نثر ہویا نظر تشبیدہ سنعارہ سے ملوہی ، امرکوتزیئن تجسین کلام بن شرا دخل ہے کیر

ريس الماري ا الماري 
*ن أن كلام كاحال نبين مونا او طلبه فارسى خوال كل تشبيهات كواكب لامم فاثلة* تے ہین تومین نے باوجودالزام تحقیقی یہان مجلا کی ہیان شب کاکردیا ل کوهلم بیان کے حوالے کر دیا اُگر کسیکونیا دہ تحقیق مطلوب ہوعلم بیان کوم پروٹ تنبیہ سے عام بن کسواسطے کا واق لغت بین الدکو کہتے ہیں اور پیان وہ شئے مراد ، شے کو دوسری شئے سے تنبید بجاتی ہے خواہ وہ آسم بوخوا ، فعل خواہ رف نندوكرواروسان ومثال وهيندست بهويين مكرآنير إقاثا پوركاشعب تان سبت الخراح كرويد تعيقوب مراة فعل جبسيه ما مدوواني عِليه شعراً كُنع شِ كسير دولْ وأند و ليم الطبع وبندارى وكونئي وكوئيا وكوبا وغيره سعدى حمته ا يندارد كەخوانىيىت ، ولەشتىر بزرگ زادۇ نادان بىشىپرواماند ، كەدردىا يىغىيىش بىيچىن تانىذ ، وويئي من حريك وزيرآورد دركومهار + لوگفتي پهنرش اندكنار + آدر حرف جيسي آسا اوراسكا مخفف اساوتها وتباروتهان ودليس اورانسكا ل فَتُن وَوَارُ وَجَوِن اوراسُكَا مَحْفَف جَوِ-الْبِوَالْفِرْحِ رَوْنِي شَعْمِرُمُوهِ إن ورمين اسا بالشده خا قاني رم تشعير آن موج دوزخ نارمين حورز ۔ ۔اوہار برن انسار باعداداث تدبينقل مربع كعبدسان آث بادات ته و سعدی و شعیر حید قدر آور د بنده حور ا قبا دارد اندام بيس بتمن فخرى كتنصر حبان راآكرت تو ابشي نقين وشود در اورلفظوس مانا وما شد کی طرح اسم تقال میں جیسے کے گرزم شل وگہ نبرم دس پر نظامی رستھ ن بها یون برفتارخوش و فرویسی در مشعبهٔ نگهبان او پایرکرده م مناکه منا حال من \* عرفی م**شعر** کلام من کدمتاع ولایر انتال این كاحون بمي ببي جيب مثال بيكور مين اوراسم بهي معبني مانندوط بطاميح بشعركه بين كرده انداين دوصورت گذاره دو ارز بگ رابريك سان تكاره فرودي و تشعيرواين ا وفيساه يبلان وسيكسان روش ورزمانه مران وكيكين بلااستناد واستبغلار حرف باسي وصوياتيلا

ہین اتنا استقلال بیدانہین ہوتا جس سے اور اہمون کی طبع اُس کی اضافت کیماہے جامی ھ تحرببان مردیک دردیده نبشست 4 زفرزندان دگیرویده برببت 4 فرددسی پرم**نتحر** برآشفت برسا نیٹریان ﴿ یکے تینے تیزیش بروبرسیان ﴿ وَلَه زُنَّے بودبرسان گروپے سوار ﴿ ہمیشہ بحک اندروانی ما اوریه زیادتی کچه اسی کےساتوختص نہیں اسکے اور اخوات بینی اُک ہمون پرجِیضمن معنی آن برہر جا کُڑ رکھی گئی ہے جیسے باننہ وبعینہ و کمروار وبسان و برسان و بشال وبرمثال - ملاقاسم شہری تنجو لاف از ب زن که بانندائینه و آدم نمی شود کسے ازرو بے دیگران « رضی تبریزی حدائق اعشاق میں لکیتے مِن مُشْرورُ كَارِخا نُدْتَصورِ حِبْمان آمِوْكاه آرزوك كهامُ ازمْرُ ويشان ترتيب كذبرسال مُركان بنان ورنطرت صف می کشند بر گرونکه لفظ سان مین چیثیت حرفی غالب مجلومت اضافت به استناه واجب مجهاح أسبي بخلاف وراواة اسميدك كدولان كوئي واحب نهين داهد نعالى اعلم بالصوام أورآن سبين بشرالاستعال بغظوون ہے اورائس کا مخفف جواس کا استعال تشبیه مفرو میں ختیتی ہی جمطح تنبيه *مرکبے ليئ* لفظ چنا نکه موضوع ہے جیسے زیدج ان شیرست و**جوشیرت** او*کیمی تنبیم کیب* مين مجازاستعل سوتا ہے نظامي و تشعر بكبك درى حول دآيد عقاب ﴿ يَكُونِهُ جَدِيرَةُ مِنْ أَمْتَابِ ﴿ الان تيز ترخسوبېلين + برتندى درآد بران اېرمن سعيدا شرت شعر چان نايد كي خيابان ا باغ ازائیننه بهت ملک واوزت درزیرگردون آنجنان واسے چنانچه نماید- صائب تحمر جون لىباس غنى تىنگى *مىي*ندىردون گل « برفراز اين عارت پرىنيان آسان « چنا غ<sub>ن</sub>د باس غني اينو **ول و**رْنشیشه چن گذرد رَبَّس می بگرم عنانی ÷ رشیشه خانهٔ عشرت آن شتاب گزشتم به اسه چنگج زروالخ نظامي ۾ شغير فرگفت لنجة سخها سيخت ڊ چوگويد خدا وندشمشيروتخت ڊ اپ ڄاکگو د فرو*سی ح* توحید بین فرائے ہی**ن شعر**ستوون نداندکس اورا چیست + سیان سندگی ما مبابد<del>ت</del> ہ **وله شعر** یکے تیہ باران بکردار بخت چروبا وخزان بر وزو بر درخت + بہان مرک<sup>سے</sup> مراب طابع بیان نہین ملک مرکب صطلح علم نوہے۔ او کبھی یہ حرف چون وچوت شبیفنے مرفظیم کے لئے بھی آتا ہے نظامی م فراتے ہیں شعر بناکروشہری چوشہر ہری وکزانسان کنایشہرکم ویکری و اسواسط كنشبيتني كيائي سفائرت طرفين ازروس حقيقت وازروس قصدوا جبات سے۔ جيے زيدجون شيرتين شيرسے عين ذات زيدمراو نہين اوربهان تنبيد يقفير مين عين وات مث

خرق تثبیجان ادرائسکے خفت چرکابیان

یعنی بناگروشبرے وشبر سری مین بیقصود متکلم نہیں ہے کہاور کوئی شہر شہورت میں بككه أسي شهر هرات كابناكر ناحبسكي خوبيان اوعظت اعرف واشهرب بتلانامقه بمشبر بتبسكي اشهريت واعوفيت سيع شبرمين كمال عال موسواس اس مشيج ماص حلوم ہواکہ ہیں مشباعوت واکمل وافخہ ہے اور ہی اس نوع مین مشبر حذت میمی کیا جا آہے۔ انو<sup>ری</sup> ت بقیرے طلق ﴿ كُنْ لِشِكُل بَجَارِي حِكْنْ دارزق ﴿ السَّكُنْ رِسِي حِوْكُنْ دِ ارزق کیکی صحت تشبیہ کے لیئے (حومغائرت طرفین شرط ہے) ایک کامطلق ایک کامقید مواہس ہے اوسواے واضع تشبیر کے ایک شئے کی کیفیت وسیب کی طلب اخبار کے لئے ہمی آیاہے صائب کا شعرب ستعر أئينك بجرؤ شنبم فشال رسده جل آب ايساده برآب بوال رسده الع جود براوى نتوشی پر مثعر کروانی شیش مراک کمنوو نه می نیاره گفت جون پر بهول بود به اے حکونه و بریکیفیت مول يرمغرى شعوط بم ناوي بت توتانه ج ن شدست و گريس بهت توجو باد بهار نيست و جأم بناک مگه توشادهان منسست و گرفاک وگه توجوز عبار نیست و است ماره بجیسبب ش شطهمی ہونا ہے سعدی درمشعر سگ مدریا ہے ہفت کا ندبشوے و چونکہ ترسند بلید تریابشد

الحروف المشبهة بإعل

ا ہے ہر کہ کہ ترمثدا وراگر کی طرح حرف شرط مہی ہے چنا نجی آئے آ ہے گاہیے

بهآنا اسُكامخنف مآنا وكَرَّ وكُونَيا وَكُو ياوا رَبُّك و لِلَكِ وليكِن اسْ كامخنف ليكَ ووَكَ دَكَانُ اس كامبدل كآج اس كا خريدعليه كآشكے وكماشى وآيا ہے۔ بيسب حروف مشبہ بالفعل بين <del>آن بي</del>

مانتحیق ضمون حباکے لئے آتا ہے جیسے عزبی مین ان مشددہ سعدی حرشعر بمااکہ دیا ّ میں میں میں میں میں میں ایک مشددہ سعدی حرشعر بمااکہ دیا ّ

انشاسة ن چوشک است بے قیت اندختن • نظامی پر مشعر بروشاه اُگریک شبیخون کند به ا نظاشه این مدون می در معض مقتند به نیاز از کام معربی مدون به این از ایران این درج

زمگش با اگه بیرون کند په تعض مفتنین نے لفظ خود کومیسی حروث مشید الفعل قرار دیا ہے نظامی م شعر سکندر نه خود گربود کو وقات په که باشد که بابا شودیم مصات په **وله ۵** زاند جزاین خو و

چ<u>ان بجا</u>سچه انغامیر ستعلیم تاب

ويقضمن عن شطر

پُوَن شَطِية

ودون شريل

بهآناكابيان

لغطخوه كخفيق

نەمبىر صواب 🥫 كەاين داكنەزغۇب وا زاخراب «تىنىھەرخود بوغلى تونى ساكۇم ن دېيىش ازىن عشوە شىن 🖷 نین ، گریری بجرین باب منین آتی کیامعنی کدیلفظ خود تاکیدسے لیے لایا جا اسے ماخاطب وبن مین اُس کا بتروع اسطرخ تحق ہوجائے کدائسکے سواے ادکسی کا وہم نیجائے جیسے والی میں نفظ نفس گرع دبی مین الحات ضائر کا اس سے ساتھ وا جب ہے مثلاً غائب کے لیئے ذھند اوقط کے لیئے نفسیافی مشکلم کے لیئے نفسما وفاری بن و اجب نہیں جوانے دومین ہے جیسے خودش ہوت خودم اب اس خوکے بعد ضمائر کا لانا نہ لانا دولون برابر ہے۔ بیجمی تن بیجے کہ لفظ خود محب اقبقنا مقام دسیان کلام اگر منف ضمیر کوتشمن ہے (آا بنے متبوع کے ساتھ رابط بیداکرے) تو پینچا مجت اس بزرائس مي المنگي - اوراگر شفس معني خير کونهين سے ميني صون نفس سے معني مين ہے تو العاق ضائر كامبى واحب موكا لفظأ مهوبالقديراك معنى كرجهان ضميتن حؤو كي ساتفر ففطأ المحت من لمحت بهن جيسے خورش خورت خود مرین اورجهان کمحتی ننہین و لان تقدیرْاما ننا بڑیگا یخرص محاورٌ عرب كي طرح ميان بهي وجوب أبت بهوكميا مگرويان وكرضائر كالفطأ واجب سب اور فارسي بن عامرت لفظأ موياتقديرا -الحاصل مثلة مركوره مين لفظرخود شعراول مين كوه قاف كي تاكيداورشع نانی لین زماند کی تاکید بحذف ضمیه خائب اسی طرح تیسیرے شعر پر منفصل خطابی تو کی ناکید کے يئے بحد فضم يخطاب لاياكيا ہے - اوراس باب بين خصوصيت ضمائر متصله كي كي ننہين متصله و ونفصله بروضية بن أسرالاق بوكتي بين جيد خوس كها درت سي خود اوجهي كهرسكت بين والله تعالى اعلمه بالصّواب وبانناجا بيك كهاناحس طرح موضع تيقن ومعق ميبتعل موابى مقعظن من مستعل ہواہے جامی وشعر ہا المین جنیم اونکونست ، ازان رو خاطر شرا میل اونیست ؛ سلطان ابرامیم زای جابی **شعر**شنیدم که شرو داردگرن**د،** به مانا که افت اوبر وروسندے و أسكامنف ما اشرالدين كتى كاشعرب سنعر ما لكه خلد بروه زرخسار برگرفت إسادة كشت يشورو مرماعذار بالقضع موكدا كمه لغظامانا بمضاننده اورسي جوانستن تشبه سفتاتي جسطح داستن سے دانا چونکدو معنی نشبید کوشفسن سے بجاسے اداة تشبید کے منعل مونا سے گراسکے صلين إيهوصه آياك اب جيسة رض ما بخويت يداوراك لفظانا اورا ندن سي تتن م جوفارسى قديم من نجلاسا ب طلببالهيه بوج كوع بي من ما في كي سامة مرم بركيكته بين م

نونکونرمون میم برعنداز که الهای داردری

مانا کائن بانا کائن

مانافتنها المراقبية ا

وتراحیت شین سکوا نیسرآآزنگ نیسرآآزنگ دیمان

00

فأكما وليكون

كأشش

لغآت كاش

ـ توگویا چونون تنوین ست و که درحدیث درآید ولیک ب ِمْرُكَانْشْ *﴾ گوئيا بيخ راكب*اب نبود « مينته ا*آرنگ عكيم*رود كي كاشم ہے و آرنگ نخواہد کہ شودشا دول من ﴿ تِومِتْعَا بِلَكِهُ حِمْقَامْ عَلَيْظُ وَمِنْ ربطغرانظرے ی کنی لموزیکن + ملکه ازورو فراق تولغردا زسید ، خیاض لاہجی شعیر درسرودگر من آن نورندیدم ، مهنگامه مرغان عمِن ملکه توباشی ، اسے شاید تو باشی۔ نا ہے تو تم ناشی سے دفع کرنے کے لیئے متغائر بالمفہ و مجلو تکے دمیان لایاجاً باہے جز کدا ہل فارس کلمات عربیہ میں جندان غوروپر واخت بنہیں کوتے نظر تسامح کو کام بین لاتے ہیں بیان مبی اس کین اقبا مخففات ليك اورك يرواؤعا لمفدكوج بتركلمه كي طبح ثابت ركه كدرونت عطف اكد حران كيت بين ميمغرى كاشعرب شعر برزيين ست ودلكين مركب اقبال اون برزمان انرضان الفرى تشعه خاحه اسفنه بايرى دانه ، كه به تنگه زجرخ روئين تن «من نه هم إيم و ﴿ رستمي ميكند دې ومېن ۚ ﴿ كَرَانِ دُولِو مُخْفُ كَلَّمُونَ مِن اتَّنَا فرق ہے كَجْسِ مِن صَرّ *ٺ ٻوکرليک ره گيا ہيے وہ ليکن* کي طرح واو اور بلا واو دو**نو**طرخ سے نون اور کا ف دونون حذف ہوگئے ہین داو کے ساتھ (سکی تھیا کیجا تی ہے بغيروا واسكا استعال بعنى كسك اوركسكين كي طرح صرف ليكهنا حائز نهبين والديتعالى اعلم بالصواب مِين كُعُكُ كُ كُياره لغات آئے ہين اُنمين سے بعض شہور ہين جيسے لغَتَلَّ باقى غيرشہ رجيب غُلَّ وَغَنَّ وَلَعَنَ وَلَغَنَ وِرَبِّهَنَ وَتَرْعَنَ وَتَهْعَنَ وَكُانَ وَأَنَ وَلُعَاءِ وَلَعُنَت خِانِيرَضرِيلى فيشرح كافيمين اسكح تعددكي وإنب اشاره فراياس ولغات جمع الكثرية اسيطرح فارسى بن كاش اوراس كامزيدعليه كانشك اوراس مبدل كاج شهور ىنات بىن الدىكاشى يَاس تتمانى كى زيادت كے سات**ىز غ**ېرخەبورىپ غرض ان الغاظ كوج با كېين

کاش مکنات و متنعات عقل وعادی ان باردٔ مال بین عل بو ماکرن برگذارن ماکرن برگذارن کی و فرکم لارز

المي وايا-الكيكي المنظرين الكيكية المنابع المنطقة المنابع المنطقة

> بیآن نه و سنے مشہر بنیت

کبتی پرکلمات نفی عذوف آلاً بھی آتے ہیں

بيآن نفىنس

## نهٔ وسنے مشہ یہ نیست

نه نفی عنس ده ب کداین اسم مدخول کی امیت مین منس کی بننی کتا ہے جامی ورش مرزور

نے ندولت کو بنیرطال کیئے چوڑا ندونیا کو ہافتح کیئے رئسی ہا دشاہ متکہ کو بدون خلوب کیئے

بات ہواکرتے ہیں حنیس کے لیے کلیت ضوری امرہے تو نہ داراً گ

ماننددارا یاکوئی با دشاہ جوداراکے وصف مشہور تکریومگاری کے

س کے اسم کانگرہ ہونا واجہ

بدتعالي عليهم كاقول مشهور حب كوئى تضيره ب كافيه

ل لها بحكم ارشاد بدايت

وسلما قضاكه على مضرت غاتم الخلفاعلى كرم الدوجه فيصل اواسيطرح دنياسے اقالېم ومالک مرادېين اور فرق لغي جنس اورمينه پهنبست مين په سے کنفي شم ت بینی عبنس کی نفی کرتاہے اور شہر بنیست اُسکے ہم کے وصف وحال مُرکوکی ئے گاچنسراسم لیعنے اسکےکسی فرد کا وجود ندمو و ہاں نفی جنستعمل ہوتی ہو بالمنغدارش تارالؤمين مطلقا حبنس سايداور سبتركي تغي بسي اسيطرح طلقاً بای اورگویش کی نفی پنہیں بلکہ اس وصف را من ہونے کی تغی ہے اسیطرح نے جوہرونے عض وجود تل مین مطلقا وجود کی نغى ننبن ملكإ سكيجه وحرض مون كي نغى ب اسطرح تيسر سنعر من طلق براق كي نغي وغيرة ابتشكياً كي تويد توسم پدياسوتا شما كدشا بدوه آم دم يوتويد فرايا خدام والخرد دالله تعالى اعلم يكل خ ت اینے نفی کے ساتھ ہونا جائے گرکبھی اِظہار ایسے وران خصت نده و وله جل خسته مان اس واس بران عاشق و کوان بخ مان چنو

رروب توندروه و به دونون شعراك غزلون من بين جركامارقا فيه ره والمدونيرورب والله

نا وسعے نا فیتان

· اَكَشُرَ آن اَمُونَ بِرُواطِل مِوَّا ہے جن كاحل البنے موصوفات بِربطریق واطات سبتے بینی مغول ہو نا كاصيغهاسے صفات سے ہوجسے نام وارونا درست كيا معنى كەم صوف ان صيغول كاجئكانا كوا ذا درست کے ساتھ وصف کیا گیا ہے اُس براگر مدخول نا کا حمل کیا جاہے بلا تا ویل صبح مومثلاً ى لاه كونا ہموارست كهنا بلانا ويل حل بلموا لهات ہے أسى لاه كومبموارست كهنا بلانا ويل بلموا لما عل صبح برسكتاب خواه اس من اشتقاق كى راه سامىنى صنى عال كية كيارون جيس تراشيده ناتراشیده بین اور روان ناموان مین سعدی حرشهر بیک نا تراشیده در مجلسه و برنجدول بتونها بسے ﴿ انوری شعر کا نیامرسبز بے رخ سنح ﴿ جواب بیم سیاه ناروان ست ﴿ است ارابُحُ است خواهكسى اورتركبب وخيروسي جس طرح صفت مشبر كح بيال بين عرض كيا گيامعنى وصفى اس مين عال کیئے جائین جیسے توان مین وضائرس - ناتوان مین ونا ضائرس مین اسم اورامرکی ترکیب اككيد خدارانترست فصيرك كسراتوانا ويدائمي توانديني ماسدعبالتني قبول فلنع حبثم اوويد وستمن بوسيده آن كه مع گفت ناتوان بن ست ، جوانمرو ناجوانمرومين دواسمو بحي تركيّ سعدى يوش والرن اجوانمروم كروار وتورس جون جوانموان گزركن ، توانانا توان مين روانا رواین صیندُ امر برالف فاعلی کے لاحق کرنیے عامی و مشحر تعالی اسزیہ قیوم وانا + قوانا فی و برناتواناه طابروهم يرتشعراب كبركرج بساب باصغاست وسكة مؤمن نبود ناروست وبومنذا بوزند ائونلس بٹیمنزا ہوشمنڈین ہم پرکائیبت منکے کھات سے صاحب ہاہے ہا یون کا ش**عرب سنع** بَوكة ما ورستى د نابود مند و مزن وست درشاخ سرولبنده النفي ع**رشعر** مزيران كمج بين نامهوشمنده ساندندورشاہ ولکش گرندہ سنوار کلمنسب دارکے الحاق سے ناسناوارین میر عزمی شعیر تراست . دسزاوایآن تونی سیمین و خداہے مک بنجشد ښاسنرا داری + بسامان مخفف یامعنی باسامان (رون إمن من كادكر موكياب) نابسامان من ليني كوئي شي جوسامان واسباب اب ساتم نەرىكە ئىسكە، بىيا مان كېتىيىن صائب **ئىھرېرگ** كاسىنىيت كىنىت ئابسامان ترا دەخشان

بیآن او مے نافسیہ کا

مِيْكُمْ مِنْ تَعْمَدُ نگار برن تعمَّدُ نگار برن

امتائ غیرشتغرپر کسی اورژکیپ سنی درنی حال رسی ناوال کرنا

شعر بزرگی بایت درمردمی کوش و کدولت گرد نامردم نگردد و مى داشتم؛ نظا*ى و شعرك كسِ*اب ك رانطاک کاتبی ام فرده واوروش + میسندگرحهِ این بخن آمرلیهنده ام \* اوناخوا ناتروا ناتراش نادانت مبغى خلس نارس نآسياس ناشكر نافتكيب فاصواب نا قرمان ناسروه فيرم

نگآهتعال خلآ انتفائ قیال

مرببتكام سختى مشونااميده كدابرسيه باردآب سفيدء ابوطاله رے کہ ہجران گزرہ ، کاروان ازرہ ناامن شتابان گزرد ، مزرا کا فی خلخال مثمّ تونی لودنم آنجا کافیست ، آرزو ماے در غایت ناانصافیہ وچهان چسن یارننده ازغم دنیا ودین آزاد و نا بروابود + نظامی **تنعیر بهمان خ**رد کان ناتراش **دگره** چنین *چند راخاک خاریدسر*د ابوالمه پُدش**نع**رول نا د<sub>ا</sub>شت پرزنوک باشد.« ساغرعیش اونگون باشد ا دوامظس يد لفظ مجاز المفيرة اولجوج كمعنى مين تعل موتاب جيس مبندى مين تكاكمة مِن نظامي عرشع ونين آرست از نقيبان بير وكدا بيج ناداشكشتي مكيرو وليرسياس ضا برصن *اینتر*فی سنت**ع**رصواب ب ناحفاظ و نا فرمان ﴿ مَكِ نامغا ظامعنی بیجیا و بیے شرم « نظامی <sub>ت</sub>ر منتع**ر** وزان خشت زین منداد وعاد « جِهراً م<sup>ن</sup>جزمر دان<mark>اه</mark> بال امراد » با افغانی و منتصرصد بارتیغ قهرکشیدی دیمچنان دَمی آیداز پئے توولِ ناہراس من د اے شان اوراس س

ہے باک مُن ﴿ ناساز وناقبول سجی اسی قبیل سے معلوم ہوتے ہیں گرچینکہ خو لفظ ساز معنی سازگار و ازمندا د قِبول معنی مقبول متعل ہے دال*ہ ہروی متاجیر* بازی عیش مخوسخت تنا*ک و*صلہ است،

بغرورت العنككا مندتمي كيامانا مذف بھی کیا جا ا ہے جیسے نسیاس بجائے اسپاس فردیسیء مشعر مربز نششت کروبا بدلبند پکن

في المباني ل

Eliza

المانيكومفتضى تما نافيكايهان استعال كرناخلات قياس ب-التين أس حكم متعل مواس جهان مخل مد اب موصوت بربلا اولي بطريق مواطا ويم نه بوانتقاق يا وركسى تاويل كے سائد حل سيح بومثلانيد ب وانش عمرو بعقل اب اگروانش اور عقل كازيدا وعمرو پربلاتصرف اشتقات عل كياجاب ورست نهو كا البته اشتغاق ياكسى تا ول سط

حال شده عقول و درسیند اعزیری و دروید التبول و اسمقبول - ادر مبعی بضرورت الف ناکا

ا جانت نسیاس دول را نزند و بہان خلاف معتضا سے قیاس سے میری بیمراد ہے کہ بہان میا

+ ای موافق ست رمیرحس د لموی در مث**ن در**اسے کز کمال مُسرقع

نه بادانشور باصاحب دانش اورعاقل ما عقلمند باصاحب عقل گل درست بوگا ب بنج صنور بنے واد بنے رکم ولوی معنوی قدس سروت شال هے بهرہ و طانِ الوسعب ي عرا ،راه فوقی بزدی **شعر**فوتی شرب اوبهجو قول کو . ياك و دل از دوكوائ شستره كردم حساب باك و تتحربود به بندم فلك بركى ﴿ حادثُهُ مَّكُ شِ

ر برای برای در برای برای در برای برای

بعوادمنظم دمبنظالم برد کیمیتن « کے العات سے بے دادمی کہنا موافق قیاس ہے کیامعنی کھیں بظالم کا وصف پر ہے وادفاقع ببربغيرتا ولي نفط دا دمحمول نه هو گامير خرى تشعير خبان از دا داو برگِشت وخالى س نه بداوی و کدواو او ختیقت گشت و ب دادی مجاز آمد و ان بے دا معنی ظلم البترص نہیں کیامعنی کہ اسکے موصوت برلینی وہ فعل قِمل حبس بہبے داد وظلم کا اطلاق کیا گیا ہے اگر حل وا کاجد خول مجی سے کیا جا سے تاویل کی ضرورت نہر گی یہ شان کلمہ ناکی ہے نہ ہے کی والله نقال اعكر بالصيح مرمغري كاشعرب شعرب وادكني بن داوم ندبي برز، ب واو توبهانم برروز حشراً رده فروسي وتتعربغزني مراكر حيفان شدجكه نسياواك شاه بياوكره ال بے دادم بنی ظلم برکلمات نسبت فاعلی لفظ گرمیند کے الحاق سے سے دادگرو سے دادمند کہتے ہمین۔ نظامی و مصرعه توبا داوس اوسب بیدادگره امیرضرو و تشعیر حفابین زگرودن بے دادمند ۴ چەن خسوى دىچنىن تخت بند ، بندارىمىنى بنا ، ئدىندە سائب سىتىرزىر بايىچىخ كوفتار چون خابكے وررواي ل بے نبار جان خابد كسے و تشنه خانست تين آبدار كہ كشان وزراين شمیتربے زنہار دوِل خوابد کسے ہ بے سپاس نظامی رہ منتعے ربحا ہے شاہر کیے بے قیاس ہوار شکریا بے ساس و بعض وصع مین بے نافیہ خلاف مقتضا سے قیاش عمل ہے جیسے بتی ہشنا تِنْ فزانه بِحُسَّ بِنَي يَدِبُ عَدِل بِنْ نَظِيرِ بِنَهِ بِهِنَاكِ مِامِنِي كَٱشَا وَفَرَانَهُ وَكُسُّ وَعَدَلِ فَظِ ينے موصوفات يربلا تا ويل حمل بالمواطات ہوسكتاہے س بے بے اشاہے گئج تنہائی ﴿ كەغىرازىپرتومېراز درمكس درنمی آيد ﴿ سعد معرطن سگویندهاه ونصب ازفرزانگیست وگورباش اینهاکدمارندان بے فرزاندایم و نظام تعصر خداوندب يارويا رحمه وسنجود زنده وزنده وارسمهه بيهان نامويا بيس اسکتے بین کہ موافق مقتضاہے تیا س کے ہوجا بین گریہ در دسری اور کلفت محض ہے جبابین اساديرجن برنانا فيدوال موتاب ببض موضعيين بسك سائد بهي تعلى بين جيس نآبروا وكبيروانهسيس وتبقسياس نأقوان وتبيه فرمان ناكس وتسيحكس نآهراد وتبقيم اوخيا نيياتكم شوابداوپرسان کئے گئے ہیں اگر جد اخرین یعنے ناکس و بچکس اور نامراد و تبے مرادین فرق سنوى بھى كيا جا تا ہے لينى حب شخص كوكہ اوجو وطلب صول مراد نہونا مراو كے ساتھ منصف

کرتے ہیں آگردہ سی مرادی طلب کسی بات کی آرزوہی نہ رکھتا ہوا سکوب مراد کہتے ہیں مولی عنوی ا مشیح عاشقان از بے مرادیہا سے فویش ، با جگر شتنداز مولا سے خویش ، تقوض جسکو مرادون نے ترک کرویا ہوائس کہ نصیب کو نامراد کہتے ہیں اور جس نے مرادون برلات ماردی ہوائس ولی خداکو دیے مراد کہتے ہیں اور اکس و ہے کس کے ذرق کی جانب ہم نے او براشارہ کردیا ہے گرید فرق قاعدہ اس موقع بربہت بیند وعمال شقاق میں تفویہ ہیں بداکر سکتا ہی مجکوسراج ہمقیس جناب آرزو کا قول اس موقع بربہت بیند آتا ہے وہ فواتے ہیں کہ س ہر قدر کہ بیٹوت رسد ربہمان کتفا با بدکردا زین جہت لفظ نا قوت کہ مراد مت ناقوان ست ترویک فقیر بیٹوت نرسیدہ " انتہے کلامہ واللہ تھا کی اکھ کھی التحقیق

34562 July 3467 
اور خروف کفی مین سے الف بھی ہے یہ ہندی اور فارسی دونون زبانون میں شتر<u>کھے جساخ</u> ہوگئی بمعنى غيرارادى احنبان بمعنى غيرتنوك بيني ساكن واميرمبني ناميه زره بعني يحتظى مهتدى مين جيسه بے ماہ کا ہوگیا۔ نعبض وقت لفظ کیرواندک وہیج کفی مطلق ا قع میں عمل ہوتے ہن جیسے مصر عزیجستندہ اروکم یافتند پر نے ے : ہایون *نکم دی*دن آمہاے : **ول**ہ خا زمرِ ملک مرمرادل کیے بودو بہان کے ، وستی فراوان فریب اندکے پکیانی اوینہیں ہے کہ ہاکھی کھی د کمیعاجا تاہے اور فے الجلہ میہرے اند فرمیب مجی ہے ملکہ مطلق ب گراس براید کے اختیارین کلته یہ سے کا انٹیل شابئن ندر مطابقہ هے کہ اپنی طرف خلق کی رہنائی کی مطلق نفی منظور نہیں ملک ئ كم پنے معنی ختیقی برہے اب آگر دوسرے مصرعہ بین ہما بون زنادیدن آ مرہا سے کہاما آ نعت متغدام بین ایک ہی لفظ ایک ہی لفظ سے وومنی حال کرتے ہیں بیان تودو لفظ ہیں کیقص نہیں ایک بلاغت خیرصنعت ہے اسی طرح دوسرہے جلہ میں ف الجلاين اند ذريب كا بنوت دينامقصود نهين كراس بيرايدين اداكر في يري كمت عب كمرا دى بے بشریت ای قسم سے قبائے سے بالکلیہ پاک نہیں رہ سکتا اگر نفی مطلق اور سل لم كفلا كياحانا محمول برصلت خبرنه موقا اسيطرح فردوسي وقصه يوسف زليخا مين فرات بتتبع ن *بيئي آزار شان بود بيج \$ گرفته يُوشنم رابسيج دائر اجانب من بيئي آزار* نبود داهيم هَالل اعْلمَياه<del>قاءَا</del>

## أتجروت نواصب الاسس

يبآن حروف نوامب سے وہ حروث مراد ہین کہ بقا بلہ فارسی کے حب عزبی مین انکے ہم معنی حووب متعل ہوتے ہیں لینے مزول کونصب دیا کرتے ہیں ۔ آن بن سے ایک واوہی سکی ووتسم ہیں اکتے بحیت محصورہ کے لئے آنا ہے سعدی دستعر آگر دعوتم ردکنی ورقبول ہمن و وست ووامان آل رسول به وله اگرجستم اندست این تیرزن به من دروش دویرانه بیرزن به ولىشنىدىم كەسگفت دخوش سىگرىيت ،كەلسىنىس خودكردەراچارەجىيت ، بلاجى باسند، گرفتارآز بهمن وخانیمن بعدنان و بیاز به دوسرے پیکه معطوف معطوف علیه مین وه ملازمت بداكرك أگرح اوعائى موحس سے اكب علت دوسرامعلول بنجائے ظهورى فشعراز شيخة بيت ككاب، و وزكوه بكاه ورخر ميان ، يا فقط ملازم بغيرليت مواوريه واوصن معبى كياجا تا بهرونون امراس شعرسے واضح بین نظامی ح منتع خرز سرجستن وره نمودن نتو ، بجان آمدن جان فزودن زنوزوا ببان آمرن اوس وازتوجان فزوون والله أنقكالي الفلكة ووسنب حروف زوسين سے حروف سنٹناد ہیں جیسے گراور جزا سکے ایراوسے اس امرکا اظہا رمطلوب ہے کہ ابدر کے لیے عكم مقبل كانبين ب كيامعنى كه ستثنا اصطلاح نحيين أكب شفة ذى تعددين سينبض جزئيات يابعض اجزاك خارج كروين كانام ب اوروه متعددكل مويا كالح بين س اجزاياجزئيات فاج كيهُ جات بين ستنة مندكها اب اوريخ باجز أي جواس س خارج مو في موستنيا كبلاتى ب براستن كى دوقسم بن الرستن استناكر في سى ببلاستن مندمين (خواه ده کلی مویاکل اوروه ملفوظ مهو پامقدر) داخل تصالوائسکوستنشے مصل کہتے ہین ملفوظ جیسے اسْلەندىلەين ادرمقەر جىسے كلتان مېن بىي نىشر ئەرىم برندارم مگرانگە كەسىخ ئىغىتەسۋو بادت مالوٹ وطریق معرف ''اے قدم برندارہ در ہیچ گہ و ہینچ حال گرانگہ الخنظامي **شعیر نے** مع علف جائے خویش ، نامید رگردست پایا ہے خوش و اے نامید جیزے از بدائے نویش دست بایا ی خولیش اس مقد کا ستند مفرغ المرب آور مختص غیرموجب بین سے اور موجب مین بہت ہی ناور ہے مادره عرب مبی اسطرح سے خیائجہ علاماسترآبادی نے شرح کا فیدین تصریح کردی ہودالمفر

معن براسم در برنطه ده ما برنطه ده

داکم و موانده در موان و مورس مالاهٔ میرستر پر در مورس دا ترویستر بریدا علاق علیت به پیدا کرتا به به

المن المناس

Jan Self

مشتند مفط مشتند مفغ کلا مرب بین شاذ دا درب

﴿ يَجِي فَ الموحب الآناديم له اول مِن كُلِّي صِيدٌ كُلَّنان مِن بَ مُعَرِّر بركِ إِنَّارُ ببذرگان وحواشي خدمتي معين بهت مگرېرين طائفه درولشان الخ کس داسطے که بندگون کے افراد ہو ررولیش بھی ہیں۔ نمانی لیف کل جیسے گلستان کی اول حکایت بین ہے منظر جا وجو دار بینہ بود وخاك شده مگرچشمانش الغ بيان جشان جله وجود كا جزوب آور اگر ميشنند استناء كرنے سے بيلے سننے مد مین کسی طرح واغل ہی نہ تھا تو<del>سنٹن</del>ے مقطع کہلاتا ہے جیسے گلستان کی اول حکایت <del>بیسی مقر</del>ساز مکما ا زتاویل آن فرو آندند گرورویش الخ او آیداراس دخول و عدم دخول کاتمکلم کے قصد واعتبار پریسے يختنئ كامستثني منه كي حنس سے بہونا اس إمرير بكتفي ننہر ، كمامعني كەبعض مواضع مرتبعني جنس سننظ سے مواہ مروز كات كلم ك نزدك سننظ مستنظ مندين والل نهير بنقطع مي موكا جیسے ُمردمان آمدندگرزید'' یہ اسی صورت ملین درست ہو گاکہ زیرسرے سے اُس جاعت میں دہل ہنو ا حیومردم خبس زیدسے ہیں ہیں حالء بی میں ہے بلکہ یہ توا عاتباع عرب سے طفیل فارسی میں ` ضبط *کیے گئے ہیں جنا نچ علا مڈرضی شرح کا فیرمین فراتے ہی*ن فا لم<u>ستثن</u>ے الذی لمریکین داخلافي المتعدد الاقل قبل الاستثناء منقطع سواء كان من حبس المتعدد كقولك جلخالقوم الازيب أمشير أمالقوم الي حماعة خالية عن زيد اوليبكن غو أأغورس دنمعا حاسے حرف مستثنا بعنی بدلفظا مگرحالت انقطاع مین کارُا ستداک بعیزلیکن کی طرح پریُع ائس آوہر کا کرتا ہے جو کلام سابق سے بیدا ہوتا ہے درنیچہ چیز کدائس متعدومین سیسے سے دخل ہی نہیں بھرا کئے بکا لنے کے کیامعنی ہو بگے پس اب اشلہ نکوٹیین یہ تاویل ہوگی کلام سابق مینی سأ علما انتاولي آن فرواندنسے يوتهم بيدا مونا تفاكيوب حكما جيسي علمنداس كى تعبير سے عاجزا كئے بمرادركوئي اس مقصدكوكيا بهونج سكتا تووفع اس تويم كاكرويا مكروروليثي بجآ آور و گفت الے ليكن وروليثے بجأآ وروگفت مسى وجه سے فقهار حمهم الله نے حقیقة متصل ہی کو استناد فرما یا منقطع پر تشناكا اطلاق مجاندي قراروما .....والله تعالى اعلى بالصق وعند بهعلم الكتاب ستثنأ كرمجازاكهمي موضع غليظن ملكه تفاح تميقن مين مستعل بهوتاب نطامي تتيع مَّرتيرتركان بغما مان ونخوردى كەتندى بنوغاسىمن ، والدُمروى تىنى امدريتبو

نے کرو و دعم + قاصدر نوآموخت گرنامہ برسے را 4 اور کہی ہوقع اسیدین بینی جلہ مامول بردال بے نظامی و شعر کر کاتشے رفروز ندلعل ﴿ وَالْشَ نَهْندازیے شا انعل ﴿ اے اسید کَرَاتُشْ بِفِرُونِد بعدي شعر گرصاحه لے روزے بیت وکند برجال مکینان دعاہے وای امید کہ صاحبہ کے الخ هى مقع متفهام ين تتعل بهوّاس متنعترغ ورصن احازت گرنداد استكل وكربريسي كنى عندلسه شیرارا و نظامی دلتغیر گرشه ناندکه در وز جگک و جسرا بریدم با قصاب زنگ و گرغانجل بهکتال میگیا الرَيْفَاجِرْ جيسے إل شعرِ بين نُظامي و شعر نشاير تراجز تبويانوت و عنان بايداز بر درسے تافتن 4 اسے ا نشاید را یافتن کر بتوفیق توچا بخیاس جزکوه وسری جگه برنگا کے سام تبیر فرواتے ہیں متن محرب نظ آ مرزس تا بتو انشا يرترا يانت الا بتوه أس كاحال بعينة عربى كے لفظ غير كا سے لينى يهضاف مبى بهوجا اسب اورأسير إس الدوم يلانام طلغا جائز سي كمريد كالما بدامقطوع الاضافت ميني مهيثه ضن كسرة اضافت كيساته سنعل مهتاب نظامي وتشعر نيايد زاج نظركروني و وكرختني باز ا فرونی 4 آورباسے ذائدہ کے ساتھ جیسے اس شعر بین شعر نظامی دران بارگاہ رفیع 4 نیا رد بجز مصطفى التفيع وآسطرح لفظ كرشت جوباعتبارال كرشتن سه ماضى كاصيغه ب تجوز استثنا ك يئيمي لاياجا اس مس طرع وبي مين عدا وخلا مريداي عكمستعل مواسي جان عوبي من كاريك تنا وسوى كالتعل موت بين بيشواسين سنجان عفرى كالتوسي تتع زشت چتر تو ہرگز کس آسانے دید 4 مجاب کردہ وخرمشید رازیکدیگر 4 اسے غیر چتر تواسے سواپ نظامى حرخاقان جين كے سكندركومهان كرنے كى واسان مين كلمية بين سنت حركيث ارغرشها مصيني سرشت وكديضوان نديّا مِنيان دييشت 4 زشكريب بخة حلوات نغز 4 ببادام دب تبراً گنده مخزه يعنى واسخورشها سيجيني سرشت بعنى شعارف جينى كمانو تكع سوابهت سيمل شرينيان مغزات برسيموئيمى تص والله تعالى اعلمه تباننا عاسيكه مستثنا من جي اقبل مح حکمت مابعدالگ را ایا جا اسے کہی اس کلمہ استثناء کی بدولت بخلاف منی استثناکے عمر آبل کا ابندکے لیئے مع ترقی ابت رکھا جا اسے بینی عمر آبل کو اور افزونی کے ساتہ ابت<del>دے</del> لیے بھی نابرے کیاجا اہے جیسے اُردوین اور جھی اور سوا کہا کرتے ہین نظامی سن**ع**ر ببرجر*ع و* شان مع الذوكة الركشندآن بنارا بلنده براي عمارت بران زمتكاه وبسيمال شان ووجزرك راه

المائم من المائم المائم من الم المائم من ا

اے ورا سے سانو برگ راہ بینی ال میں دیا اور سامان سفر بھی جداکر دیا بینی نا دراہ کے سوامال بھی البہت سادیا۔ اس مینی افیروں لفظ گوشت ہیں معلی ہوتا ہے نظامی رہ نوشا بداورائسکی ہہیلیوں کی تولیف میں فرط تے ہیں شعر گوشت از پرستیدن کو گار ؛ بخر خواب وخور دن ندارند کار بہ بینی عبادت آہی کے بینی فرط تے ہیں شعر گوشت از پرستیدن کو گار ؛ بخر خواب وخور دن ندارند کار بہ بینی عبادت آہی کے بینی نامے واب خور کے دوسر کوئی شہوانی مشخلہ وہ نہین یکھتی تھیں محقق فرزا ندصا حب بہار عجم فیصنی بعد کے لئے بہت یہ مول کوئی بین تی تفظی نہین یکوش کا کماستثنار لفظ مگر کو اتبا فا میں خورون میں دوخل کیا سے در ندمیر سے نزویک بیاسا سے افغال سے ہوتی سے جس کو علامہ رہنی سے نہیں کے بہتے کہا اس قول کی تائید بعض می موج نہیں ہوئی سے ہوتی سے جس کو علامہ رہنی ۔ نیموب با کا جسکر اس میں جو نکا عراب کا جسکر اس سے بہتین سے نہیں مستثنا کے رفع در نصر بی افتال ون پر کوئی شہر بھی وار دنہیں بارائتکف درست ہوجا تا ہے۔

تب صورون نواصب سم من سے کلمات ندا بین جیسے اے بالکسو غیرہ بین نے اتبا عانجا مور ، کلما نیسے کے الکسو غیرہ بین اس کامفصل بیان مجت اسم نداکو حروف بین اس کامفصل بیان مجت اسم میں گزر کیا ہے۔ واللہ قعالی اعلی حد بالصّواب ،

## حروف الشرط

بإن روف شط

توسلير چينان ين ن دسليم بولات عزبي مين آن وصليه اورايسي موقع مين ستعل موتاب كهجان بدسان إره تتعرعودرويت بخنده كل مشودرد اش السلبل + كديركل اعتاديم وعزبين زئيثا بعطى والتكات فقديرًا وصورت راحیه باشندرشت **، وله** نداره طبع *برزروسیکس ، گرچند یا برا*ل و*یتاً* ات أرص يام. فروت ي ركامشهو بهويتعرب تشعر برسان او منايد بكار باشدا وكبهي محاوره عرب كي طرح وأوس يهعني حامل كرتے بين نظام ح ۔ داد <sup>چ</sup> وَگِرِّرُ وعالم بَرْآمِد حِیابہ ﴿ اسے اُگرِجِہِ اطراف عالم النّح اور کبھی بغیارس واوُ وخیرہ کےصرف حرف مشرط ہی راکتھا کرتے ہیں جیسے اوپر حافظ رہ کے شعر سے واضح ہے اورصا ئب کہتے ہیں شعری نمایدً رنظا ہردائن دولت وسیع ¿ وسلکائٹ سائہ بال ہاسے میش نبیت و اگرچه دان دولت بطاه رسیع نمایدالزنظامی *در شعر گرسخن داست شو*و جله دُر ﴿ تُلخ ى ہو نەلار قور علیتنی لینی اس کا تذہر ر بودرانم كالحق متر+ اورجب ے ماضی صیغہ ضارع کو استعال کرنے ہین نظامی در شعمً عضيَّتَ نوش باد ، وگريذريادت فراموش باد ، كياسعني كه ريون كيم نہیں کہ وہ جمع ہو بھکے یانہین یا محال عقلی یا عادی کوشرط والا جا اہے حب تة بين نظامي ع تت**حر**اً كربه فرزى چرمه صد<u>يراغ ، زخري</u> شيد با شدېرد نام د **رغ ، وله اگر** وعدم جزم *کے* بارہ مین اسکا *بھی آلو گا س*احال ہے نظامی *چ*ر ن افسرسّان خوا وسرة چونکه دارانے ایساکاری ننم کھا یا تھاکہ ح

حرّ نشرطامية ماضي كرسائي سنعل بدياء منعل بدياء منعل بدياء نىهونالىتىن ہوگىيا بىلاقوائن امرىزى دىقىينى كوصىغەلاضى كے بىراييەين بىپى بجائے ئشايم كتادىم بان كىيا اوكىمى ايك دوسے كى گېستىغىل ہوجاتے ہين **ولەشغىر كالك** در قبائے مازين درخت ، بزرادفت جون وزد بادسخت ،

ال المار 
حروف التعجب

فر*ست چکچون گرب*ربرسفره اشاده ام <sub>۴</sub> چه باشد میسر شرط بزوده فرست جزایشخراول مین که موصوله تضمن

سنى شرطب شغرانى مين چرمصوله مبنى مركدوب جيروا والمد تعالى اعلمدالصواب

ح**مّونتب** کابسیان

زُه وَخَه اوران كامز بدعلیه زَّه وَخِه اورا بَیْت اورآنت اوروآه اوراسی برار سا مَدوْه وا اور نُه به اور بیلی - یکلات تعجب بین جوانشا وا بجا و تعجب یئے وضع کئے گئے بین گرعر بی مانغال تعجب یئے صیفے شقات تعلیک ماافعکه واقعیل به کی میزان کے ساتھ مضوص بین نجالت زبان فارسی کدا کئے گئے دِمْسَقات تعلیدین نکوئی میزان خاص فروسی ورستم داشکبوس کی رزم مین فرات بین شعر بزدتیر برسید براشکبوس به به آزنان وست او وا دبوس و فضاً گفت گرو درگفت وه به فلک گفت آئین ملک گفت زه به بهان انحسان محفیف احسن به سے کم العین فعل توجب حبکی میزان افعل به سے ماک است مین والحسن تعقیدین جیسے شہور عوام سے میان سے جوئی

تعرشودفاک گفت من الماکفت وهٔ شن ازن اور وه کی تح<mark>میت ت</mark>

مُعْتَمِينِهُ كَاحِدُ

منهمعلوم ومعهود موجائزر كحاكياس دی کاشعرہے متن**عر**یس ازشتم فرمود کورا دہیں ہے ہم ہوستہ اعریک سے متنصور يارمين تكفته بين حرثه بفتح الدال - رامفونه خصے لقائے توب تبان عدل راز بور + نظامی<sup>ح</sup> یے تو د وران ملکہ ت كدنا ك بيكى ست ، أنت شتابى كدورابه تكى ست ، مين ان كلمات كواساى افعال كهتابهون معنى استكه جيزوش بست وحيحب بست وثيلكنه اطاعت الخروحينوس يستعرين جيحب ست بقاس تو درجحبر ت فصاحت الخ وخِيْكُفت م ت شتا بی الخ اوراسی کوغر بی میا آ الحسن لقاءكمروا خسن بفصاحة يحساء تعبير سكتين اورتكب نوى ان كى يه موكى ش چال ذوالحال کے ساتھ ملکرزہے کا فاہل - اسی طرح <del>نتھے</del> اسم*غ*عل یالصنو ۱ - آب یا واه اوراس کی نکرار بے ساتھ واه واه اور ئیر نپه اوریکانی وساس پیکلمات اسا ک

> رين دين ليزي دين ليزي

> > دره وره بخشخ ماره دره می ماره دری

وآه واد كي ثال

ئۆپۇرۇشال يىلى كەنئال.

Signal Color

ببروك آمرم ونقشها برآب بتم یکی ، این غزل را + نے مخلف نُقتٰ بِسِمِیْلی پِنفسیل اس اجال کی یہ ہے کہ جنکو نحو ہون نے <sub>اسم</sub>ی رات قرار دیاہے تین قسم کے ہیں آیک تولیحایت اُن آواز ذبھی ہے جوغیر ذمی *بدح سے ص*ادیات جیبے تب*ھرسے بنبرکے کرانے کی آواز کی تحایت عرب* طاق و حلق کے۔ تموارے داری آواز کی حکایت کرتے ہین علامترضی فواتے بین طاق مکسر القاف وطف کارگا حكاية صوت وقع الحجارة بعضماهليبض وقب حكلية وقع السيمناء اسی طی طرات کواسے کی ارکی آواز کی محایث نظامی و شعرطرافے که از مقرعه خام رفت ازین طات آراسسته ۵ اسی نوع مین باجون کی آواز توپ اور سنبدوت کی آواز رعد کی آواز کی ھے . دوسری صرحکایت اُن اصوات کی ہے جوجانورون کے یا نتہے نتھے ہو اُت مُنه سے نکلتے ہیں جیسے ہرن کی آواز کی محایت عرب مِآءِ کے ساتھ کرتے ہیں رضی مین. . تأمِيم ممالة وهزة مكسورة بعدالف صوت الطبية اذادعت ولدها *"وسطح* مِینی کوہندی کمبری کی آواز کی حکایت میں استعال کرتے ہیں اسیطرے عُوعُو کتے کی آواز کی حکا وای معنوئی م**نتعرا** سے سگ طاعن چھوعومیکنی ﴿ طعن قرآن لا برونشومیکنی ﴿ مَابْنَا <del>جامع</del> يحكايت كے ليئے شرط ہے كہ سطابق او مال محلى عنہ كے ہو كھر بيدالفاظ جو روج و كابيت بن مہي جب كا مای اصوات نام ہے حووث وحرکات نصیح سے مرکب بین اور خارج صیحه انسانی سے سکتے ہین مالانکه اصوات جاوات اورحیوانات کے باوہ آوازین جوانسان کے مست باحداث طب اوران میں ملاقہ وضع کا منہیں ہوتا جن کے یہ ہمای اصوات حکایت ہیں در اس واس والنہیز ماتفائكاً مفظ كياجات مكرطوطي اورمينا شاذونا ديين جوكه باحت وخوبی مخابع کے س عانورون من الفاظ نصيح نكالته بين وه صى بعد تعليم حب ال شرط مطابقت وم أنت حكا<sup>ت</sup>

محكج شكايراك فاستعذر مواجاني كهتربين هذية كالمصوات مس الكلمات كالنسأس

من الناس صورتها صورتها وماهيتها غيرماهيتها اذ ليست موضوعة فى الاحسل ملعنے كالكلمات بس جائنك مكن بوانسان اپنے الفاظ فصيرا ويخارج محيحكو بتكلف مثابه أن اصوات في فعيد كے بنامات توان براحكام كلمات كے جارى كئے جاتے ہين بكدوه خطاب اشرف الكلمات سميت سيمشرف موقي مهن اوركاام كاجزومعتد بباك حاسقهن جيدا شله سے ظاہر سے ليكن كيب بى ذرع كى آوازكومض قوم كالك طبح حكايت كنا اور معض كا ورسری طرح یہ اس عجد سے ارضی وسادی اندات سے سے جواکن کے خارج براز کرتے بین ہی وجه سلعض حروف بعض قوم کے ساتھ فحصوص مبو گئے دوسری قوم تبکلف اُن کوا داکرسکتی ہے جیے سَادْ عِبْ وَكِ ساتِداور واعِمام ك اورت وقل الدروف مخلوط به الم مندك ساتم فصوص بين کیامعنی کہ جس طرح تاثیرات ارضی وساوی سے اُن کے امزحبا وطبا بُع میں فرق ہونا ہے جس بر ان کا اختلاف لون وبشره وسحنه وقوت وضعف وال سے اسيطرح أسمى خارج حوصت بن اختلاف جس سے ادامے دون خاص اکی کے لیے سہل اور دوسے رکے لیئے دشوار سرتا ہے جنا ننچ بجول کو جورود وعد الفطرة بين ملاحظ فرائي حب وه اول اقل تتلات بين جب طرخ الكوسهل مواسي لفظ كوائس فزج سے نكالتے ہين توہند كے بجير كانتلانا اور الفاظ مين ہوناہے اوروكے بجول كا اور ولايت كے بچون كااور توض اسى وجداوراسى علت كى بدولت ايك كى آوازكى حكايت مين عرب وعجم وہند کا اختلاف ہے جیسے عرب کوت کی آواز کو خاق کے ساتھ حکایت کرتے ہیں۔ عجرةاك ساتفرا ورمهندي كأك ساتفوتكايت كرقيمين والمدنعالى اعلم مبانصواب تیسری وہ آوازین جوانسان کے مُندسے صادر ہوتی ہیں اور وہ نَسْتُ کلم کے احوال کو بتلاتی ہیں آیادہ شلّا رہنج میں ہے یاخوشی میں تعجب میں ہے یا تنفرمین اُک میں علاقہ وضع واضع *کالجھ* نهين موتا يأحرف ازجب اصاف طبيعت موتى مين يعنى معنى في نفسه ريأن كي ولالسطبعي موتى ہے نہضعی جیسے آآ وردور نج بین و الااوروالا والا اسی طرح خدص خدم تعب کے ساگا سی نئے کی تحسین کرنے میں انسان کے مُنہ سن کلتی ہیں جہا خر حکیم انوری کا خد حدہ کو بخ بخ کے سامد جمع کرنا جیسے اس شعور ن تن اے یار ضرف اے ولدارہ ہم وفادار و بم جنابردار؛ أسى راس كاموئد ب كه قد ائد خدخه واه اوروآه واه تبخ اور نتج بنخ كي طرح نهبن

مر المراق المرا

ب جوداله على احوال نفس المتكلم مين ملكه حالت انفراد وتكرار دونون من تبخ اور سنه بَخَّ وهم كلمة يقال عند للاعجاب والبط بالغة فيقال بخ بخ اورج سطرح تتخ بمنفوم وتاب مع التؤين والتشديد كسور ہوتا سے بینی اس کے اخیرین ایک حرف کی زیادتی ہوتی ہے اسپطرح خدحیہ ، تنها ہوتا ہے بزیادتی همین ہے تلکی جواشعجا کبے وقت کہا جاتا ۔ ہے یاآنسان سے سکی ت یاکاست مین بانطبع ایسی حرکت صادیع تی ہے جس۔ سے تف کی آواز مکلتی ہے اسی کو عرب تف کے سا اور سندى تصويك ساته اورابل فارس تفواورتف كي ساته وكايت كيت بين فروسي ري كاشهور مالارنشكر مزوجرور ستمثاني كے قول كى حكايت ہے متنع كم ملك كيان راكن زارند و تغواد ن اس طرح لَعِت بالضم حراع كومندس بهو كلف سے جواواز بدا موتى سے اس كى حكايت ب **ح**رنے بمین اوخان عزیزان شکوه چون بوسف کنند به شدچراغ هرکه روش در اس لِیُ کنندہ اسی قسم میں ہے پُر پُر بەنسان *كىي شەكىخو*بى تى *ب جىسے عرب ئر ئەكھتے ہين جن*انجه رضى ابرالسك ت سے حکایت کیتے ہین نه من بن جيد بم وك بتصدير يم ز منتوحه أبد بركت بال التي وبي الفاظ لين ف بابطه فارسي إسه ظاهر فتوح الماقبل ستعل بين يأمبانورو بكي أطيا. انسان این متنه سے نکالتا ہے جیسے دہنی بضم الباء وسکون اسین عرب کری کے بلانے کے لئے ے مثلثہ فارسی تبکرار لفظ تعینی *بُرٹیں* اہل ہند آواز ویتے ہن اوراسی آواز کوربتبدیل بادموحدہ بایا۔ بلّی کے بلانے مین استعال کیتے ہیں اور قونی سابضم کتے کے وکارنے کے لیئے عرب شال ارتے ہیں چانچرضی میں ہے قوس نہجر لککلہ ین وقس دعاء له*میسے* 

ہندی دُت اور دُت دُت کے سے دکار نے سے لئے اور حجبہ حجبہ بارسی خلوط ہما اسلی توصی اور جوکانے کے لئے اور نیفے نئے بچون کو جہوز کلم بہ قاد نہیں اسکے زر آسکیں وغیرہ کے لئے جو آوازین وجاتی ہیں دہ بھی اسی قسم میں داخل ہیں جیسے کوئی بچر گندگی وغیرہ بن آلودہ ہونا چاہیں عرب قعت فیروز شقہ کہتے ہائی ہندی چیا اسی طبح اسکے زجر کے لئے عرب کے کے اور ہندی آخ آئ کے ساحرا واز کرتے ہیں اسیطرے بچر کے کھلانے اور طبانے کے لئے اعجام تی تی کے ساحرا واز کرتے ہیں ہوری معنوی مشعر بہر طفل فریدتی تی کندہ گرچی علش ہندسگیتی کندہ خیر بہ تو ای آوازین ہیں جو ترکیب جروف کے تحت میں داخل مہوسکتی ہیں گربعض الیمی ہیں کہ صرف مُنف سے اوا کی جاسکتی ہن قلبند مہنہیں کمیں لینی حروف کے ساحر ترکیب پڑر نہیں جیسے گھڑوں وغیرہ کے تسکیل کے بیاتی بیاتی کے بیاتی ترکیب پڑر نہیں جیسے گھڑوں وغیرہ کے تسکیل کے بیاتی بین کے لئے سینے کے لئے صغیر بینی نرم میٹی دیتے ہیں ۔

آلا و آلا و آن وتها و نتین و نتی دهل انهین اصوات زجریه سے میں جوموضع تنبیتر بیتمال كيهُ جاتے بين كم الله و تها و تهى عربى الاسل بين جواہل فارس نے اورالفا ظاعربيہ كى طرح لينے كلام من استعال کرایا ہے اور یہ دولفظ نا ن اور ہین نون کے ساتھ البتہ فارسی ہیں علامہ رضی بیال ر اساى اصوات مين فرات بين هلا لمزجر المخيل أى نيسعى في الجرى ننتهي الاربيين ای جواد لایقال لهاهلا اور تهی جی رینیل کے لئے متعل ہے جیسے ظہوری گھوٹے کی توليفيين كهقهن شعرهم دعوى ازرق باوسازند و كنديش بند بروبكي زند والمغراشعربيا البرضن طرب مبني كنم وسمندغ وهرراب كنم وغرض يكلهات زجريه حواز قسم صوات بين موقع تهنيات استعال كية كئه بين دصل تنبيهمي اكي فوع كانجرب الشداد شواران كي بيان كلمات تنبيك ولى من عض كيه جائيكان شاء الله تعالى شائد اس تقريب يدبات ابت بوى كمات تنبيطلقا اساى موات كي من بن جس كالجوبيان ان كلمات تعجب مصفى من كيالًا كمركلمات مح وذمرة كناص كلمات تعجب ك المتوافظ وعنى مناسبت امرركمت بين الفظ اجيب حالت تثنيه وجمع وانيث من سرطح افعال تعب مين تصرف نبين كياجا اليني احسنا واحسنواوا حسن واحستًا ہنیں کتے انعال مع دوم من بنین کیاجا آرضی میں ہے دھی غیر متصرف ف لمتشابهتها بالانشاء للحروف وهي غيرمتصرفة اورووسرى مجد فراسته بين

کلمات نبید نجمی صوات زجر بین

کانها الجمهوده اصادت کمنعه وبلس نیریه مناسبت بفظی زبان عربی ساته فضوس بجر مناسبت بفظی زبان عربی ساته فضوس بجر مناسبت بعنوی یه به کافعال تعجب مع عام کے لئے موضوع بین جیسے انحیسٹ بزدید منعصور یہ سب بعنی کہاجاتا ہے کوشن زید کی تولیت عبل طرح یا بهوکرو کیا سنی کہ زید بین جرح کی خبیان کہوجود بین چانچ کلمات تعجب کے اس مع عام ادر تحیین طلق کے لئے ہونے بچس الیرکاوا و واو کوشین قرار ویناا یا سے بطیف بوسکتا ہے شعور اہمی ماجود بین ایس کی ساتھ خصوص ہون یا نہوں بین ان کلمات مع و وَم کو بیان کرتے بین خرید مناتین زبان فارسی کے ساتھ خصوص ہون یا نہوں بین ان کلمات مع و وَم کو بیان کرتے بین خرید مناتین مصل ہی بیان کرتا ہوں پھر بود اسکے کلمات تبدیکو بیان کو دیکا انشاد الدت الی کس واسطے کہ یہ بی اسمامی موات و اسمامی افعالی نوع سے جسے کلمات تعجب وکلمات مع و وَم افواع اسمامی افعالی سے بین جس طرح اور مُرکور بوا و الله کُو تَعَالَیٰ اَعْلَمُ وَبِالْطَحُونَا

كلمات المدح والذم

موه کلمات بین جانئا سے مرح و فوم کے لئے مضوع بین جسے خوشا و براجس طرح و بی بن نعصر و بیشس خاقانی شعر خوشا دروی یا کورابود عیش تن آسانی به براسطانیا کورابود رنج و آل شوبی یا دولون جطم صدر بیاف انعی صفت بین جوقائم مقام اسپنے موصوف ببتدا سے مخدوف کے بین باویل آس کی یہ ہے کہ خصوص بالمدح محذوف درویشی که آن را یا دروسے میشن تن آسانی بود مبتدا - خوشادروی یا استخاب دوی شیست خراسلطانی که آن را یا دروسے رنج و آل شوبی بوخصوص بالذم مبتدا محذوف درویشی سی طرح عربی بین مبتدا می خوال شوبی بوخصوص بالذم مبتدا می خود العقول و خود العقول بین بهتا مالی بنی تحقیق بیان ضاریون گذر چکی اسی طرح عربی بین مبتدا می خصوص و تیم مبتدا می خود العقول بین مبتدا می خصوص و تیم مبتدا میم مبتدا می خصوص و تیم مبتدا می خصوص و تیم مبتدا میم مبتدا میم مبتدا میم مبتدا میم مبتدا و تیم مبتدا و تیم مبتدا میم مبتدا و تیم مبتدا و تیم مبتدا و تیم مبتدا میم مبتدا و تیم مبتدا و تیم مبتدا و تیم مبتدا و تیم مبتدا مبتدا و تیم مبتدا و تیم مبتدا میم مبتدا و تیم مبتدا و تیم مبتدا میم مبتدا میم مبتدا مبتدا مبتدا میم مبتدا میم مبتدا میم مبتدا مبتدا میم مبتدا میم مبتدا میم مبتدا مبتدا مبتدا میم مبتدا مبتدا میم مبتدا مبتدا مبتدا مبتدا میم مبتدا میم مبتدا مبتدا میم مبتدا مبتدا میم مبتدا 
فارسی بین کلمات مع دزم کو اسای اضال کرنامنا سینجه اورالام ابتداكو قبل كرتے بهن اور حالت تكيرو تانيث اور افراد و تشنيد جمع بين اكي معروت بريخ بهن تصرف بزيز نهين بوتے جيے شاء كہتا ہے شعر جي بينا لنعبدالسيدان وجد تماء علے كل حال سحيدل ومبره، ) مبض المدنحاہ كاظن ہے جنا نوعلامرضى نے شرح كافيه بن آئى تصريح كى ہے قوہ كا كاشياء هى التى غرّبت الفراء حقیظات انهما فى الاصلاليمان ولكان كذاله مريك لونع مابعدها وجه الابتكلف عربي بن اسم ابعد كا اعراب باب كو انع موجب كلفات الابينى ہے مرفاسى بن سب سے جمالوا اعراب كا باكھي ہو بلائكلف ان كلمات كو امائى افعال قرار وليكے بين اور حنى خوشاكے نيكوت ونوش بست ونها بت خوب ہے بوئك اور بداكے رشت ست و برست كے بوئكے جيسے عزبي بن عنی نعبدالرج ل كے جبل فی غائد المجودة اور نعبدالرج لي نديد كے ندير مجل جيد گئے کے لئے جاتے بين رضى بن برق فضا معنی نعبد جدید فكان وصفة مشبهة و بيجو ذو الك لكون جميع الافعال فى المصنی صفات لفاعلها " اور حبد اعرفی افظ ہے جو فاری بن بمی سمل ہے طفرارسالد فرووسيدين بور حمد كے لكتے بين حبنا شہر سے كداگر شيم گلت انش بطون بختان وزوآب مل بوسے مجال بگروئے الله بوروسيدين بور حمد كے لكتے بين حبنا شہر سے كداگر شيم گلت انش بطون بختان وزوآب مل بور سے مجال بگروئے الله بوروسيدين بور حمد كے لكتے بين حبنا شہر سے كداگر شيم گلت انش بطون بختان وزوآب مل بور سے مجال بھر گئر

لبدهم مع بين فيدالهرسة والربيم للسناس

كلمات التبنيه

الا و آبا و آبان و آبا

خبنا

كلمات التنبيه

حروف الانجا

ing the second

مثلاثی ان ساحث کا ان کواسی بحث مین ثلاث کرے گامین نے طالب کی سہرت اور آسانی کے ا خیال سے سامخہ ان کلمات کو بحث حروث میں دیج کردیا ۔

## حروف الابحاب

فمُ وبُلِّي وآرَے يه حروف ايجاب بين ان بين سے نعمُ عربی الاصل ہے جوفار سے ہين گئ ل ہے ۔اسی طرح سنبی مہیء دبی الاصل کی کا امالیتعلوم ہوتاہے جیسے کا کئی عربی کو اہل فارس المله كيسا تدليكن كبتية بين كرفارسي مين بغيرإ سالداهف كطيع سابقه ستعل بنبين بوجه إنطاص تصرف كةرسكى طرح كلمدفارسي كاشاركياجا استغرض يكلمات بنجل يروف ابجاب برلعني یہ وہ حووث جین کہ جلہ اسبق کے انبات وتصدیق وتقریر پیٹیشن کے لئے لائے جانے ہیں اس کے دومال بين يأتوه بالتصرف اثبات قول اسبق كراب يضع بله اسبق كوصق ومقرركرويتلب ادرجله اسبت خواہ مبست میزخواہ سنی۔ مبست جیسے جدال سعدی میں محاکمہ قاضی کا بیان کیا گیا ہو <u>پیٹر اس</u>ے گفتی تونگران شنخلند بمبنا ههی ومست ملا ههی تغم طائفهٔ مهستند رین صغت که بیان کردی اوز جای تا نظمے زغابے بندا برکایش اُفتاد ﴿ خیابِ آموان بند کبشاد ﴿ بِطِيمْ مِرَوانشا طِے بالما ہے۔ لميتى درزخوان ياخيا كست وستع مركوبيد لعل سنك شود در مقام صبرة آرسي ستودوليك بخول جَرُشُود ﴿ يَدْ اسْلَا مِلِما سِبْقِ مِنْبِنَة كَي مَصِنَ سِنفي كواسي يرقيانش كَرِك سِكتَ بين يَكْ النَّهات وَحِيْق الالدنفي اسبق كولازم آجائي سعدى فرنشر گفت توآن نيستى كىدېرم تراازفىدفرنگ بده دينارخ يگفتم ہے برہ دینارخریرولیصدوینار برست توگرفتارکرو۔یہ بات وبی مین مبلی کےسام مخصوص سمجی لى ب كما قال الدتعاك وتبارك أكسمت عِرَقْتِكُمْ قَالْوُابِلَى اس وجس اسكامتمال تصديق بجاب بيني غير نغي مين جيبيه اقتامتر نهزيج جواب بين ببلط قامرز ذكي كهاجا ئےاور جيد بخارى شراهي كى كتاب الأيمان مين عبدالمدين مسعود رضى المدتعا ليخت مروى ي قال بينمارسول السصل الشعليه وسلممضيع ظهر الى قبة من ادميمان الذقال لاصعلبه اترضون ان تكونواريع اهل العبنة قالوابلي ألحدث ينانيسي واقعك بالرقاق بابكيك كمشرين عبداف ينسعوه رضى الدرتعا الخ نص مردى سهمن

عبداسه قال كنامع النبى صلى المله عليه وسلم في قبة فقال المرضون الن تكونواد بع اهل المجنة قلنافعه الورث الرسمال بين شعر وقد بعقدت بالوسل بيني و بينها بدليان من من الالقبود ليبعد المشاق بلايا بالاست اوربغ المرخاة بنا القبود ليبعد المشاق بلايا بالاست اوربغ المرخاة بنا المراب المست المنافذ الشبات المست المنافذ الشبات المست المنافذ المست المنافذ المناف

الحروف العاطفت

وَاْوِ وَ أَوْ وَالَّا وَالْمُ وَنَيْرُ وَلِنِّ وَ لَأَوْ وَلَهُ وَلَهُ وَأَلَا وَالَّا وَخَلَّهُ يَهُ وَفِ عاطفة بَن بو معطوف وعطوف على الله و الله

آن بن سے واوطلت جمع کے لیے بالوا داتر تیب استعال کیاجاتا ہے۔ بلکہ جہان ترتیب محال مہتومل متوالی ہوتا ہے۔ بلکہ جہان ترتیب محال مہتومل موانید موانید مورست اسی طرح نید وعرودونوں نے کسی شامین بحث کی تو کہ سکتے ہین کر زیدہ عرصاحت کردند ہمان ترتیب سخیل ہے بلکہ کلام عرب میں اس سم کی شالین بھی موجود ہیں جرکہ باعذبار ترقیب مطوف علیہ سے معطوف کا بہلے ہونا

ضررب جیے کلام میدین سورہ آل عمران کے چرشحے رکوع میں بہات شریف ہے کام میا

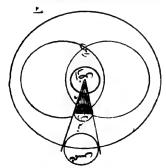
ر يون الإيبازين ريد و الدين الايبارين ويون الدين الدين الدين المسادم من كما داراتهال الميانين

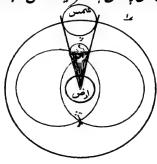
The state of the s

ئ وَأَذْ يَعِيْ مَعَ الرَّا الْعِبِينَ - او مِغَارِي شبب مع عنها سے مروی ہے اپنے قال ذکر عبد لنابع حلى الله عليه وسلم أنه تصيب الجنابية من الليل فقال له رسول الله لم تُوَخَّعًا وَاغْسِلُ ذَكْرِكِ ثُكَّرِنهُ عالانكه! متبارزتب *ركوع ببل*اور ل وكريك دروضو بورب والهونعالى اعلم بالصواب، بطوث ومعطوف عليه كحسا قدحوا نتساب وعلق فعل كلبت اكيب نعانداوراكي مكال مبن ا إنهبن بينى انتساب تعلق فعل كاسطوف عليكے ساتد كسى طانہ مين اور يمكان مين ہوا معطو بالتمركسى امدزمانه ومكان مين موايي موقع مين واوعا طغه استعمال كرسكتے بين جيسے شعر مېرم چان فروبروتنین 4 دست بریز که خیرنان<sup>ید</sup> بین + اسوا<u>سط</u>ے که ههروسرایک وقت ایک ىنبىن كھفتے ميرے كرمآنيے اس شعرين چنداس دريافت فوائے ہيں۔ اول بركہ جا ندسورج ـ ضنے کواڑور سے مگلنے کے ساتھ تعبیر کو ، وہرا یہ کہ سواسے کارخیر کے ہرکام سے باز رہنے کو فرا باحالانکہ کمٹ وضع خاص منٰ بتمس وقمرکے اجتماع وتفایل سے پیدا مرواٰسے بھاس میں اڑ ساوعِف کی کیا بات ہے 'اگرے پیٹ ایکم ہیّات سے تعلق رکھتا ہے اونظم الفاظة ہِن مَّراس شعرکوص تقریب سے شا ہدعا بناہے طب نے کوغینت سیج کرآپ کے شہراٹ کا جواب خِتَّ عض كتابون تأطليفاسي خوان كوجوان اعترضون كولهجواب سمجعه بموئه ببن في لمجلّاً كهي بهجاً بہتے ہی بات کوآپ جان لین کہ قمر فی نفسیظلم ہے زنگ اُسکا کُرڈا مدار نق ہے و ہے جبکی وجہ سے کوئی نے اس کے اوٹ مین آجائے دینی کسیکے درمیان وہ حال ہوجائے وہ اسکی کثافت کی دجہ سے ہاری نظرہ جیب جائیگی گرساتھ ہی اسکے وہ اس فاہل مبھی ہے کہ اگر کا چنرکثیعن الجوم اس کے اوٹیس کے دیسیان حال منہو تو وہ ضیا ئے شمس سے تنضی ہوجا لہے اومقداراس النضاكي بمينه نصت سي كيركلتي بوئي بوكي اسواسط كديه بات اسينعل اعضم مین دلیل مسے نابت سے کہ ایک بڑاکرہ روش ابنے سے خرو کرہ غیر بوش بر تبقد برمحا ذات روشنی يرىشى اس چىرىئے كرە برنصف سے نيادەين بىسىلے كى ! قى حصەرك خرو كاسىللىرامە تارىك بى كۇڭگا بس حالت اجهاعی مس وقرین قمر کارخ مظلم ہاری جانب ہر کا یہی محاق اورا ما کس ہے ا

2000

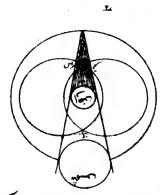
لآل در مرزازن در خرمنسل مین مورخرمنسل مین قمرشس كے ساتھ كى اجتماعى حالت كوچيوڑ ناجا سے بدئ شس سے ہٹمتا جاسے يہان تك كما بوجز ياكج كمزيادة شس سقر بثكايا تواس قركارخ ستينرجوهم سيحبها بهواتما بمارى عانب اكم معتدبيل كمائيكا تواسى قدركناره بمكوعكا موانطرائيكالس ببى المال ب اورجي جية أمتاب سهاه كودورى ہوتی جائیگی پیریل مجبی ٹربتها جائیگا اس کا حصد نوانی بھی ٹرھتا جائیگا بینی اسکی تنویر بھی ٹرمتی جائیگی... يهائنك كرحب بورامقا بل بيني كمال بعييشس سيسهوجات بيني بهم اكب طرث أفق سترقى برقد كواد إكيطرت انن ونى برئس كودكيس اسكاكمال تزايد تماميل نتها كابديبي بوكا قرك اس حالت كوبد كهت بين ادربدر باعتبارا شتقاق نفظى مباورت كوبتلا تاب كيامعنى كداس دن قمز نخلاف اورونو يحيفوب آنتاب سے پیلے طلوع کرنے میں مبادرت کر تاہے بہانتاک کر قتاب اِدھرغوب ہواہنین کہ یہ تکل كظ ابواب بعربعداس مقابله سم عبي جيب تدريجي تزايدها سل كرنا بدر بنا تعا دلي بي منحوث اور آفتاب سے قریب ہونے لگتا ہے قریکس صورت اولی اُسکا امحاق فرہمی ہوتاجا باہے ظلام م تاریکی بھی ٹربہتی جاتی ہے بہانتک کہ بھراجھاع واقع ہواہے اسپطرح قیاست تک بیسلسلہ قائمر کہاگا اورا کی اجتماع سے دوسرے اجتماع تک اُنتیش ون باڑہ گفتے چوالیش منٹ مین سکنڈ کی مرت صرف ہوتی ہے اداسی خباع ادیقال برخسوف اورسوف ہو اہدیدی جانداوسوم ج گفتے ہر جو کضافت البو النطقة فلك بأل قهربيم طحنهين بهن بهرمقالبة تن خسوف اورباجتماعيين كسوف نيترين كانهين بواورنه برميني جازروج كحفنة أيهته بكداكشرا سحدرميان جرمهينونكا فرق لرتاس الان مركسوف كيك جتماع شرطب ادر بخرون كيليئة تفابل ضرورى به و گريه اجتماع نية بن اكبرين ليبن شمس و قمرراس يا ذنب بين اس وضع برواقع ہو کہ قرضیا ہے مُس کا اِلکلید حال ہوجائے ہے گ

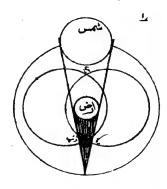




للنظه فراسيني عمل مله مين اجتماع عين راس مين واقع هواهيه ارشكل ملامين عين ونب مين اور اس کومبی الماحظه فرائیے کہ سورج گرہن میں زمین برسے آبکی نظر قرص قمر پر بڑتی ہے اور جو کی آبان يا بانی وغيره كے دسيلے وحصد غير ستضى مرئى ہواہے وہ قرب يشس غرض اس صورت مين كرقريين راس یا ذنب مین ہواسکے ساتھ بیہ ہی ہوکہ قرابنے کمال حضیض مین ہوتوائس وقت قبطرسا بہ قبر کا جہان ا فناب بکل الاجزاستوراور حییا ہواہے ایک سوہ ی بل ہوا ہے او قربوچہ اپنے کمال سعِت بریری کے سافت کوجوا کیسو ہی میل ہے ساڑھے جارمنٹ مین طے کرجا تا ہے تو کمال کسوفریین کی سطح پر بحكرسارك جايمنت سنرباده فهين روسكتا يانجل الاجزا بعنى تمام وكمال حاكل فهولييني بورايورا نہوکچیےصد آفتاب کا کھلاہی ما جلسے تواسیقدر کھلا ہواحصہ افتاب کا رانی کوٹبیٹرومرئی بوگا۔ کمال اونقصان اس گئن کاشمس وفر کے مرکزون کے ایک خطالیہ سیدہ بین واقع ہونے سے ہوتا مینی شمس و قراس طرح جمع بڑین کہ خطانظ حیثیم ناظرے سیدھا آن دونو ن کے درمیان سے نفوذ کرا . چلاجا سے اوراُن کے مطریجسب رومیت برابریھیٰ ہون بینی قطر قبر کانٹیل سے بحسب مدویت کو بھی نہ کیامعنی کہ ایک خطاستقیر آفتاب اورہا ہتا ہے شرقی کنارون سے س کرتا زمین تک اور ہسی کھرح أشجيغوبي كنا معن سے ملاہوازمين تك بہو نج سكے بس ان دونون خطو تكے درسيان قمر كا ماركي ىلىدا كەلغى مۇروطكى ئىكلىمىن ئەمىرىن برىيرىچكا اس مگە كے رہنے والو بىكى ليئے جاز آفتاب كاحجاب بنائي اگرجاندزمین سے ہبٹت دورہونا اورآ فتاب اسی حجگہ توزمین اُس مخروط واڑون سایہ کے قاء دورترراس مخودط کے قریب ہوتی توسایہ تاریک قرکاز بین پربہو <u>نبخے سے پیل</u>ے ختم ہوجا انجیر <del>کام رہے</del> زمین رکمبین سے بھی کسوف الم مرفی نہوتا اور جولوگ س اس مخوط کے نیجے ہوئے آ متا ب کے ښاره کواکيب صلعُه نوراني د کيميته اوراگرنيماً وه قريب هوتا زين قاعدُه مخروط کے قريب هوتي توزمين کا بہت ٹراحصہ قمرے ماریک مخروطی ساید مین حجب جانا اورجہا نتک به تاریک ساید ہوتا وال کا سوف كال اس مكرك باشندون كونمايان بهوتا . لِيسے ہی نقابل اس اِذتب میں بتمامہ ہو کیا سنی کہ جب چاند آنتا ہے کمال بعد پر بھڑگا اس کوافیا سے پورا پوراتقا بل میبین ہوگا اور یہ پوراتقا بل آگریشن راس یا ذنب بین واقع ہوزمین ان نیز بن سے درسیان البی ماکل ہوگی کہ جرح فراسکے سیدھے مخروطی ساید میں باکس جب جانیگا استعاثیم

## الم كك كسى حال مين بهوي في الكسينكي بد في هيك الم





شکل ول من تقابل راس مین ہواہیے اوشکل <sup>ن</sup>انی مین تقابل ذنب مین غرض ہرحال مین دمی<del>رے</del> مخوطی سایہ کے اند جاند آجائے سے آمّاب کے اشعائش تک نہیں ہیونچین وہ سے فرکا بے نور رهگیاجواس کی صلی مالت ہے یاتقا آلی عین راس دونب مین ند ہوتو صرب قدر حیاوات نامر فی رسيكالعني أتنابى صدحا نكاف نورر بهكا - اورورا واضح طور بروض كرنا بون آب جاز بين فراني لروش لبتاع بين قدرانحاق صرب تتضى نهين هوتا اپني ذاتي صلى حالت برفقط بنے نور و حاتا ہے يرنهين كدعبتنا حصه عديمالنوررستا ببحرمعد عرالذات مبعي مهوّاست كبيامعني كمهعدم تنويركو عدهم فات لازنبيين ورنديه بات لازم أنيكى كرجا زمهراه مين علم سے وجودين آنا ہے يعنى سراه ألي منا قرطلت مونا لہے يبشابه اورمائنك خلانست توظا برالبطلان سي پس حلوم بواكة بب يا نرآ فتاب كے ساتھ اسطر مجتمع بوكه بهارئ كاوك بخ جا ندا متاب كه اشع فعك أمبال سے قاص و تو بهاري اكل کے سامنے جاندگی ہے نورسلوب الضیانگیوسرف اپنی صلی کمودت بررہ جائیگی یہ اجتماع رہاں بإذنب مين واقع بوگااسي كوكسون بيني سورج گزمن كهتے بهن اور به بات كه جاندابني كمووت وظلام صلى كى دجى سے ب فريم وكرم فى نه ہونا جا سيئے تنا اسواسطے كاس قدررويت كيليمى فے الجاروشنی کی ضورت ہے کیامعنی کہ بدار علم مناظر بین مبرّون ہے کہ روست مین نور و اخلی يعنى بينائى اورفورخارجى لينى روشنى خواه نورى بوخواه نارى واسطه اورسفيزين توصطح ناظرورانى کر لاز رشیر (بنی دیائی منظورات مرک فیبن بوقے اسطرے میزروشی اوراً جا ہے مے جسی

ي المرادي المر المرادي 
بصرات ورباينت مهزنهين سكتے غرض دونون نور داخلي دخارجي مكرسفيرروست اور واسطة النظرفي للنظوية تے ہیں ورندا ندھا بھی بینا کی طرح ہرچیز کوجروش ہود مکیدلیتا اور بنیا طلمات میں بھی اوراک جمعے مبصرات كرتا يدخلا ف شنا بده ہے اس كا بطلان محتاج برنان نہيں لس كسوف شمس مين فمركو اگرحة ماريك ہے برولت اُن اشعۂ مزلقہ شمیسے ہو قمرے ہی صدر طریقے ہیں جنس کے محاذی ہے اور مھر حزکہ قم رِ بِي الشكاصِيقل الرمب ومبسِلتي مو في شعاعين قمرك ائر حصد پر (حبهار سے محافرات بين ہے) جيسل جانی مین توفقطائت اُجا ہے کی بدولت یہ سیاہ ٹکیہ بھی اکی*ٹ رنگ مرنی ہو*تی ہے جیسے دل بین وطخ حب مکان محص میں ہوتی ہے گراس سے اچٹتی ہوئی روشنی کی برولت آپ سے کرے مین مهى أجالارسةا ہے شب تاريك كى طرح كمرو تاريك بنهين رستانسى طرح قرص فركا اپنيے ضوف تام مین مرئی ہونااس وجہ سے ہوتا ہے کہ ہوارۂ زمین سے گرداگر دستتنالیس میل سے وَلَّ بین زمین کوگھیرکم ہوئے سے ب انتحاشہ بیاس ہوای محیط برٹرتی ہین دہین سے کیج ہوکر جانب بالا اُجٹتے ہوئے سایزمین کےساتھ ملک قومنخسف پریٹرتی بین اسی سبہ اگر چنیوٹ نام ہو ماہنخسف تانبے کی کل وكهائي ويتاب غرض اس سيمعلوم بوكها بوككا كداجهاع مين قمركا أكيب حصافط ر بہاہے توکسوٹ کاکسی حگیہ ہونا اور کہ ہیں نہ ہونا مکن ہے اورز پیرکلی خروطی سایہ تمام قمرکواپنی ارجی پن پےلیتا ہے لینی بے نور کرویتا ہے تواس زمین کےکسی ہوضع مین خسوف کا داقع ہوٰناا ورکہین نہونا عکن منبن خیریہ بات تو طے ہوگئی دوسے آ کیے شبہا کے جواب باتی ہے کیک شبہ تو پر کہ وٺ کی چیتیت تھی جومجاً ندکور ہوئی بھراسکو فروبرون تین لینی اڈو ہے کے ٹکلنے کے وجہ یہ ہے کہ خطقُہ فلک مال قرار مِنطقۂ فلک ممثل کے موضع تقاطع کو جِشالی ہے راس او حبنو کی کتے ہیں لینی سرو ُم ترنین کیامنی کہ دونون شطقون سے دونصف حصون کے درمیان قری<u>ہے جاتب</u> عندالوہم ایک اندہے کی شکل مشکل ہوتی ہے یہ دونوائ مضع تقا طع کے اسکے سرادروُم مصور ہم ای *ڿڶڿۣۺڵڿڿ۬ۑؽۏٳؾؠڹٞ*؇ڹۿ؞ۺٮۿ؈اڵۺػڶڶؖۼٳۮٮڎٮۑڹ؈۬ڡڡ۬ؽٳڵؖؠٲػڶۄؙؖ<del>ڵ</del> ب الجانب كلاقرب بالتنبين فيكون احدى العقدتين داسا وكلاخرى ذنبأغرض قمر کے عقد ٔ واس مین آنے کو تین کے سکلنے کی اول حالت مجنی جا ہیے اور عقد اُونب میں ہونے کا ت میسے غذا المغل معدہ مین مخدر ہونے کے ہوتی ہے تصورکر نی عبا ہیئے ،غرض عبسے تینین

لشکل واہمہ نے گفرلی ہے اسطرح ان عقدون تن سیارہ کے واٹل ہونے کو اسکے نگلنے کا تصویر میں بے سکتے ہیں واملے تعالیٰ اعلمہ بالصواب

دُوَسرا وه شبرکه حب کسون دخسون کی بیطیقت سے توخواہ مخواہ ان او قات سے ڈرا نامعنلات اور مهات سے تصور کرنا جنائی شارع علیانصلوہ والسلام کا نمازود عاصد فات کے لیئے ارشاد فرماناکس کیئے ہے توختہ عرض کرنا ہون ملاحظہ فروائین ہرفاعل سلمے لئے مفعول بریشرف دیا گیاہیے سبب بشرف وعوت مهی فاعلیت ہے لینی ذات فاعل مین شرف وعزت دصف فاعلیت کی بدولت ہواکر تا ہے ہی کجکی کی خصوصیت نہین سروصوت ذی شرف میں وصف ہی سے مشرف ہے تو مدار عزت و مشرف صفت کو کہنا عِلِبِيَّ شُلِّ سلطان اورِ عاكم كا ابنى وَيت اور محكوم بريشن بيّن ہے وہ اس وجسے نہيں كه وه المنحض من الانشخاص ہے ملکہ اسکی دصعت حکومت اورسلطنت بینی خلابنے اسکوسب پرٹیسرف دے رکھنا ہے اگر کسے گباسکے غلبین فتورا سکے ایکام کے افغا ذہین قصور ٹرجاہے اوراس کی سلطنت کی وست درازی حکومت کی قادرا ندازی کسی مائت و ما نع کی وجہ سے کہیں برزگ جاسے مبتنی دیر کیے لئے اور جن حراقع آم عن ب سلوب الشرف والعزة بهي بهوكاكس واسط كرحاكم كيشن وووث كابس عكوست بينى اسكالفاذ حكمهى بسي أكرياوشا وشخت حكومت برحلوس فيام وحسب وستوراب فاليركا اجرا وانغا وطلب کیسے لیسے وقت کوئی امرائیسکے حکم کونفوذ و جریان سے روک و سے اوراس حاکم کومحوًا آپ عائق سے اکشا اثریزیر بونامیمی بڑے تواسونت آس عاکم کومسلوب انتحکم ند کھیئے تواد کیا کہئے گامعہذا ہم ا دباراً کُرکسی ٹریے سے بڑیے مقبل برآ پڑے توبہت ٹرسے خوف اور عبرت کا مقام ہوگا مارے ہیشت کے اپنی اپنی خیرمنانی ٹِرجائیگی اس سے چوکوئی ٹرایا دشاہ اعلیٰ حاکم موگا اسکی بناہ دھوٹرھی حائيكى يس اب آب خيال فوائيه مثلاً بإدشاه اختران نيرخاوران مين اجلاس مين يعني ون مح وقت جواس کے اجلاس کا زما نہ ہے اپنے محکوم وعیت لینی زمین وزمانیون براجراسی حکم وانفا فہ فران جبية تنويرِ عالمة لموين فلزّات تجليهُ معارنيا ك تصويرِ ما في الارحام سے (ج ليمورلِ عَلَم الْحال سے اس کووزرت ملی ہے)کسی وجہ سے محمولہ ہی دیر کے لیئے سہی و، عاجراً کے بعنی اُسکی یہ انتدارات بھن جائین العظمیت ملک کیسے خوف اور دہشت کا وقت ہے اسی وجہ سے اس قبت حاماء ورتو تحي خور ونوش من احتياطا ورهام طور مركهانے بينے كا برمبنر كرياجا اسے انسان ہى كى

کوئی ضوصیت بین لکڑی بچرابی جیروجس براسکا حکم اور اسکی اصلاح تقی سود تبیرسے بگالار بڑتا ہے یہ بات کچرخلاف توحید بنین آپ و کیستے بین آگ کی مارست سے گری بڑ ہی اور بانی کی مجا ورت سوی بخش ہوگی اور جس جگیشلاً گرمی کی ضرورت تھی بروقت وہ گرمی و بان نہ ہو نجی فراج اس شے کا قا ہوگا اور ان بن صفت گرمی و سردی کی ذاتی بنین ستعار ہے موثر تعیقی بجکم یا فادکو نی برد اوسلام اللخ امراکا الحاکمین ہے بان گرکسی نے انہیں کو موثر قیقی بتلایا البتہ خلاف توحید ہوگا - اسبطرے حب سلطالی میں ما سکے اسکے دیں اور زمینیون برست اُمٹر جا و سے بہت سی قباحیت اور کئی شم کے فاد اتنی ہی دیرین اسکے شکر یہ سیزی پر ابود جا سے کیا بعید ہے اب بجز اسکے کہ ہم اپنی ابنی خیرمنا بین اُس احکم الحاکمین الملک المقت رکو (جس نے اسکو بہت قبل عرصہ کے لئے سہی عزل سکر دیا ہے ، وعاوصہ قاوشے راضی کرین اور کیا کیا جا ہے ۔ ایک معمولی ضروری بات بجو اسم جس سے ایک عالم فیض یا ب ہی۔ راضی کرین اور کیا کیا جا ہے ۔ ایک معمولی ضروری بات بجو اسم جس سے ایک عالم فیض یا ب ہی۔ جب اُن بچہورت عتا ہے ہے توان کے برسٹ کہندگان وغیر ہم کو نہا بیت عبرت کی جگہ ہے داللہ حب اُن بچہورت عتا ہے ہوان سے برت کی جگہ ہے داللہ علی علی عالم فیص

مر من المراجعة المرا

ولمه زيحك كه آن درازل رانده + نگرود قلم زانچه گردانده + دليكن خوائن من بنی و تَا دَیْنَا ﴾ اَتُ یَا اِبْرَاهِیمُ سیع معلقہ کے <u>پہلے ق</u>صیدہ میں لینی *امرا*لقیس کے اس شعرتین مُعْ فَكُمَّا اَجْهَا سَالَمَةَ الْحِيَّ وَأَنْتَغَى \* بِيَالَبُطْنُ خَبَتٍ ذِي حِقَادٍ عَقَنْقَلِ ، أَضْ *فِينَ ا*مهُ وفدمے نزویک ان اشار مین واوزا گدہے کیا معنی کدوہ خواہ مخواہ کے نکاغات کوپ ندنہیں کرتے آبيميين وينادنينا ألاكوب فكمتااس لماالز كافراروية ببن استعام والقيس بن وأنقح ابنا روواب فَكَمَّنَا الجُرُبِهَا الزِ كااوريه بات سلمات سے بے كدكمتًا كے جواب مين وا وكا كچو كام نهبين. خابى نخابى اس كوبخ زائده كهن ك كرزنه بوكا كيصر لويك نزويك حرث كوحشوا ورائد قرارد ننبين حبائتك مكن موتاويل كرتيه ببن خياخ إشائه مُركعه ومين جاب كمثنا كامحذوف استدمير يعني بين ويمين اتناسقدرجانته مبن فكمكا اسلما وتله للجبين وناديناه ان ياابراهيم لايه كان كان مما ينطق به للحال ولايعبط بيد الوصف من استيشارها واغتباطهم إيماها ىلەس ىب العالمىن اورىنى مۇكومىن جواب لىمااجن نا اسىكى بىدكاشى دەمەرى . بىغودى داسھا فتمايلت بعلى هيضم الكشيح ريا المخلفل بقرار ويتي بين والمدتع الى اعلم بالصوام أوركبهي بيروادعا طفد حذف بهى كياجا باسب سعدى وتنفع اسير بندشكم رادوشب كيروخواب وشناموك سنگی شبے زولتنگی واسے ویشبے زولتنگی۔ اسی طبح پیشعرے قربان شوم تراکہ ندانسے پہنوز و اخلاص من حبت من اعتقادين وحافظ و شعر جوريك انتوديم ورديك انتوبره م وكشمه براني شايدكروت أي اے وورو کیداز قربروم-اس بات کو یا در کھنا جا جیئے کہ بیان مراد ہماری حذف سے حذف لفظا ہے نہ معنی یبنی بیان عاطفه اگر حیلفظون میں بنبین ہے مگر عنون میں مقدر مانا جائیگا اور بیاس صورت بین ہوتا كهعطوف عليها ورمعطوف مين كوني وجبامع لعيني ان مين كويشا سبت اورعلاقه السالموجس سيح معطوف عليد كے ساتھ اكي حكم ين شرك كرويا جائے الرائن بن يه وجه جاسع ندبائي جائے يا وصوت عطت ايهام خلات مقصود كاموتو واوعاطفة تقديرا بهي مأنا نبطائيكا جيسة أمضع بن امير خسر قرع بوسه رُفترارْلهبش، کب دو سه عار زنجشش « اگربهان عطف کے ساتھ بک و دو وسدو چار و پنج و شش كرباجانا توموم بمح كابوناس سيقيين عددينى لبت ويك مرادم في سويه خلاف بتصوفول هج

و المالية الما

The state of the s

بيان دلالت مين مُكورموا اصطلاح علم معانئ مين اس ترك عطف كومصل اورعه وصل کہتے ہن اس کی زیادہ تفصیل فن بلاغت کا سنصب سے ۔ اور بدہمی شن لیجئے کہ اس واو عاطفة كواسي طرح ساكن ركلكأس كيعون اقبل كومحاورت ومناسدت اس ضرر کو بھی آنسباع اور ٹیری کے ساتھ پڑھتے ہین وہ حرف اقبل سواے استحقیٰ کے خواہ غیرا قول جیسے حافظً **شع**ر غینمت وان می وخو ورگلستان پر کدگل تا ہفتُہ ویگر نباشہ ہ نانی <u>جیبے نظامی پ</u>شتعرچنان آفریدی زمین وزمان په ہمان *گردش انجم و آس*مان پر *گرف*انچی تفی چونکه منظهر حرکتِ حرفِ اخیرکلمه به اورنیزو هٔ تنفی سی ظاهر نهین اُسپراککِ سمزهٔ مضمور مان لیا قابی طرح ملفوظ ہوتا ہے مکتوب مھی ہوتا ۔ ہے اور میان رسم الخطاین سوات ملفوظ کے مکنوب نہین ہوتا جیسے اس شعرمین صافظ حرشنعر بنوش جا میسوحی بنالہ ود مت قى نېغمئە<u>ن</u> ورود <sub>ۋ</sub> نظائى ش**غ**ىرتىغ نەوزخى ئىلەائدازە جېر ندواېن مهمآوازاه چېيت د گرنه اي استغفاقي کوحرکت د سجاتي توو د منظهروعلامت نه رستي کک ستقل حرف بنجاتی اورنیز و پختفی بھی نہ رہتی اسے ظاہر بنجاتی اسی طرح حب العن کواً ہے موادی اصلی سکون بر باقی رکھاجا ہاہے تواکی ہمزہ مضمومہ اشاع کے ساتھ زیادہ کیا جاتا ہے نظامی عروووارث شمازدوكان كبن «تراورسخا ومراوريخن « وْأَلْلَهُ لَمَّاكَ اعْلَيْهُ مِالْصَّوَابِ لو معلمی بلاا شباع صوف ضمہ کے اظہار پر کھایت کرتے مین اس صورت میں یہ واؤ صرف مکتوب عافظ س**نع**رسلطان ہن کالیشکروسودا ہے تاج و گنج ، در ویش وامن خاط مے ازنای ونوش ، ملطفے کرردی زبیندہ ہوش ، إينجتني وحرف واحبب السكون وببي بمزوضمومه داواشاعي كيطرح زياوه كيا حأييكا حكميه اسے خوشاکس کہ بو دمروہ ونامش زندہ پہ نظامی شعر توانا ووانا بہر بو دنی ۽ گذخش دِبيار خشو دنی \* بندبهان بھی وہی خرابی مپش آئیگی جه شباع مین آئی۔ آوکیھی حرف قبل اسکی حالت وقعفی بر

بر رسی ایران بر رسی ایران

دا معاطفه متحل برکت منستع جعی بوناست جمور وباجاتاب ادراس واؤكوا تباغاللعرب تحرك بوكت فتح كرويت ببن عاب حرف اقبل كوني ہو۔ عافظ عِشْعِ آرز و مرکن م واز توجہ بنہان دارم ہشیشہ ادہ و کنجے ورُخ زیبائے ، **ولہ** مکمیہ بر تقوى دوانش وطريقت كافرست ، راه رو كرصد ننبردارد توكل باييش ، وله ره فلو مكنه خاصم بنما تاپسازین د می خورم با تو و دیگرغم دنیا نخورم د خواجه جال الدین سلمان شنعر داراس عهد شایخ حسن انکه خدمتش و چرخ دو تا بجارو ناجا رمل کند و بعض فننین نے باوہ و کئیجے ورخ ولو ودانش اورتو وومگراس نوع كوغير شبع مضمرم الماقبل مين درج كياسے پس اس صورت مين الك بهزه لإر مختفى اورواجب السكون والے كلمه كى طرح اسكے اقبل ماننا بهوگا۔ اور جارونا چار مین سكتھ قائل موئے جاکہ بیوا وعوبی وفارسی مین مشترک ہے میرے نزویک اولی میں سے کدعونی کی طرح واومفتوح ركعا حاب وخاني كوئى كلمد تركيب عربى فركورة اسب اسى طرح مفتوح ركما حا تاسب جيهاس شعين نظاى وشعرنام تورجات ئيدل رقم وحكم توفرمان دم نون وُلُقَكُم وخرج جال الدين سلمان شعر ممارس درشاوست ويترانحُد وكمرابخت بدين مما واواآ ورو و اوروه واو عا ملغرميى مفتوح برمام با سي جوكسى شعرك صدر يامطلطين واقع بوناب، اول جیسے فروستی شعرود گرکر گیتی ندار در بگ ، سراے پنجی چربین وج تنگ ، حافظ شعر وانک بيشش بنهداج كبرخور شدوكر بإميت كدوختمت ورواشان است وناني جيعا فظام سكين چين بشق كليك تدبتلا ، وَأَنْدِ حِين مُكنده بفريا وغلغ ، يَتْمِهي ما ورسب كحب من أ عاطفہ کے بعدکوئی کامیصدر بالف ہواس الف کی حرکت نقل کرکے واؤکو ویٹے بین اورالف کو کھی گا ولنفا صن ديتي بي جيه وكرو ور و وز و وان و وين الديسي صن تلفظ سي الويا جاتا ہے کتابتہ باقی رکھا جاتا ہے جیسے اوپر کے شعرین وَانْدُر حِینَ فَکندہ بَفریا وغلفے۔یہ امرسم الخطك ساتم تعلق كمتاب والله تعكالي اعكم بالصّوب موض اس واؤعاطفه كاوي ليمعلون كيسب بربلانصل مطرف عليدلا بإحلت كمتبض ونت بحكم ضورت العربضل منت مجمی واقع ہوجا باہے۔امیرخسرو متنعز امرکنیرسوے وی و ہابدوسم ہ خاکستر مکنیدو بران خطیرا ا ہے نامہ اُدسید سوئے وے ومرا فاکستہ کینید و سران خطاب اَگنید تا بدور سے شاھر ہین اوگر ہارہ جن ناختم پنخن اکواسه برا فراختم ، توسّر احرف با جید نظامی شعر بلیناس اکار داران روم

TOTAL STATE OF

سے کید رفتندزان مرزبوم و کہ پر بیجہرہ باآن پری پیکران ہ شدندانہ سے کنج و کوہر کران ہسری تعریئیں دہے بایسرور اُسے و گزشتند برقلب ثنا ہنشیبے و رفتندوشدند وگزشته بصیغہ جمع -اگرمجنی مع لیا ما تا (حونکه بلیناس اور پر بهبره اور رئیس ده ِ اورگزشت کها جا نا بسعدی شعر فرق ست میان آنکه بارش دربر و بآنکه ہے فرق منیان آن وان الزعلی خراسانی شعیر می دَوَوْحول بادیرش ش عاشق درطرنیت کوه باصحراسیک وم ہرّان متاج ہے خل<sub>و</sub>ری شعر نفاوت کفرو دین آ پرمبنی ہ میا<sup>یم ال</sup> یری ؛ اسے سیان عدل او وعدل کسیرلی ۔اور بیتا مبطح عزبی مین حصفے جارہ کے یان حروف جاره مین گزر حیکا۔ حقے عاطفہ کے معنے میں ہمی ستعل ہوتا ہے جیسے آگلت السّم کم احتّی را پیچھا سینے چہلی مبی کھائی اوراسکا سرمجی نظامی ا **نعر**سکندریآن شاه فرخ نزاد وسنسانی و گیست تا مامداد بهوتا ب نظامی شعر بهم اوراه دان بهم فرس را بهوار 4 زهد شاه مرک زی شهروار و اور کبعی ت و تَعْضَ مُقْنَيْن نِے اسکے معطوب وَمعطوب كاجله مونا واجب جانا بسي سويكوئي بأت نهبن مقفوا ورجله مهرو ويرو اخل موتا اورا دوان ہم فرس راہوار" آورا سکامعطون کے اول واخر سردو مگرلانا جائز سے اول جیسے ویر ا مناه من اور آخر نظامی و شعروان بیکے دانه زراو کرم ، حلد برا ذا خته و

پروہم حلبیہ مرا زاختہ ۔ آورجس طرح واوعاطفہ کے ساتھ جمع ہوتا ہے ۔نیزعاطفہ کے جمع ہوتاہے نظامی شعرتاسخن آنجاکه برآردعلم، حرف زبادر وزبان نیزیا زبان ہم از قبیل باوست . آور اس کا مزید علیہ ہمان مبھی شعل کلام فصحا ہے نظامگیٰ چنان ٔ فرمیری زمین ُوزمان و همان گردش انجم و آسمان <sup>به</sup> که حینه انکه اندیشه گرد د مبنند « سیخو د برون نا وروزین کمند ﴿ اسے وگروش انجم وآسمان وله شنگ بها برگزر کرده گیر ﴿ ہمان گنج ناخرره مانوروگھ ا سے محمنے ناخوروہ النز۔ آورکسکے ساتھ جھی ننیرعاطفہ کا جمع کرنا جائز ہے نظامی شعر زمرکوب دیبا ال وصد كونه چنر و بهان طعت يا وشالان نيز و اسے وخلعت باوشا لا ندانو وَاللهُ مُعَا لَى اعْلَمُ بِالطَّوْ بْاَنِوَان نَهْر عاطفه صِبِ نَظَامَى مِ شَعَطُ مُسَدِّب لِهِم لِب المِم لِب بِسندرانيز لِتَكسندام \* اب بسيار شكستكان مظلوم راقوى كرده ام وبسيارظالمان قولي بشكستدام ولهر سزارم بزير ولة راوا و زود به بسیے چزم نیزور اسے فزود و وله بیرخاشگه جان ستان دیدمت د قوی دست وطا کرفتا و دیوت ، برامنگهت نیز بینیم شگرف و حرایفی نداری در بن هرود حرف و تهم کی طرح اس کا مکرر اورمقدم وموفرلاناصى جائزے نظامى وشعرجبان عارت انسرورے ئى برد بايك آورد وَكَرِي كُي بِهِ وَ نِهِ زُوامِينِ إِينَا نَكْرِم بِسَنِدُ نِيرٍ ﴿ يَزْآنَا نَكُهُ رَفْتَ مِنْدُورَ بِسَنَدُ نِيرٍ ﴿ چشالیں۔ بدلفظ جمع مع القرمتیب کے لئے آتا ہے لینے معطوف کوعقیب معطوف علس جمع کرنا منظور ہوتا ہے نظامی شعر را کروبرانجم سباب را + بمہددا دگہوارہ خواب را ; بس انگر قلم عطارہ ىت ؛ كدأ ئى تلمرا نگيرد برست ، نِمَعْن فرزا نه صاحب بها رَجِم نے بس آنگا ه كوبمني لعبدازان فرفاياب كيا مضكريهان سي عاطفه نهين بكد معني بعدازان مين لفظ ليس كاميمي وخل سجها يهاو اسی شعر ذکوریسے استشہا وکیا ہے ۔ مگرمیر سے نزویک بہان لفظ میں عاطفہ ہے (جزاکم آن ہم انتارہ بعبداورگا ہ ظون زمانی بمنے وقت ہے) معنے بعدازان کے صرف لفظ آنگا ہسے لیئے كَيْهِ بِنِ - جِيهِ اس شَعْرِبن نظامي شَعْرِلبُكم رسان اولَ ٱللَّهُ بَلِنِي فِخْتَمْ صِبورى دوالكَّاهُ رَجْع وله خستین دریا دشائی زنم و دم از کارکشورکشائی زنم و زحکت برآدیم انگینی و کنم تازه تاریخهای کهن و به بنیبری کویم انگدوش به که خوانده خدانیز پینمبرش و سعدی مصرعه مرومیت بيازات وأتكيذكن ومكريه ترتيب وتعقيب بلامهلت مونى عابيء أكرحيا تمام واكما ل استقم

جمعالمفت كانيطيط كياساتة من بو بمعاون بي مان بي مورز بوير بان بي مورز بوير

مِمُن علام مُرَحَّ مُرُولُولُهِ مِنْزِلِكُمْ مُرِدُ مِنْزِلِكُمْ مُرِدُ مِنْزِلِكُمْ مُرِدُ مِنْزِلِكُمْ مِنْزِلِكُمْ مِنْزِلِكُمْ مُرْزِلِكُمْ مِنْزِلِكُمْ مِنْزِلِكُمْ مِنْزِلِكُمْ مِنْزِلِكُمْ مِنْزِلِكُمْ مِنْزِلِكُمْ مِنْزِلِكُمْ مِنْزِ

يز ملاوي الدور معنو الدور وي مستون الرور وي

بيان يبططغه

Strong Control of the 
رز رمیخ درگ تغریع افزید می بهندن

شاتوان باز - یدلفظ جمع مع الترتیب مین لس کی طرح ہے ۔ گراتس مین مہلت اور تراخی کا اصبار زیا دہ<u>ے جیسے عربی م</u>ین شکر اور ہندی میں تھوجنا نچے مولوسی اوصدالدین بلگرامی نغائس اللغا<sup>ت</sup> ين لفظ بِهر كي تحقيق مِن فرماتے مِين - تِهِمر بكسارمل مخلوط التلفظ مبها وراسي مهله ورآ خز بمعنے إز بعربى فَشَدَّ الإسعديُّ شَعْرِشُكمَ آيركهك سيرنگه ورتوكنده بازگويمكه ك ميزخ المعمل عطوف کے اخریھی لانا جائزے نظامی حرنتعمر برآسووروز ﴾ زمشکوے والا خبرصبت باز ہ اے اول چندروز در لہرونا زگز آشت وبعدازان انبشکہ وارا طفنه كالانامبي جائزيت حافظ هشتعرزان روس كوحثيم بدان دورگدامروز ۴ برمهزدهٔ طعنه وبرخورزدٔ د باز ۴ اسے دابدازان برخو*ر*ث تنکھوان کا ٹ عاطفہ حواوکی طرح مطلق حمع کے لیئے آتا ہے ۔سعدی شعراہے ب ب تیزروکه بهاندهٔ که خرانگ حان بننرل برو-اور با متصابختفی مبهی دوجهون کے مضمو جمع مع الترتيب كے ليّے لايا جا ّاہے اوراً سكے مرخل كافعل ماضى صيغہ واصر غائب ہوا وا ہے جیسے عالی کہتا ہے شعر چون دائد تبیع برست اے در مکتا ، آخر بصد آمین و دعا آمر ہونی منانج كجدبيان اسكامقدم گرويكاست والله كقكالي اعكر بالتقواب اوروف عاطفين نہ ہے جومفردات بر داخل ہوتا ہے دواس مغروسے نفی اس حکم کی کیجاتی ہے جرکہ اس مقر<del>م</del> مبوع (بینی معطوف علیه) من تعیین کے ساتھ ٹابت کیا گیاہے کہاں سے ظا،

ماقبل جله خرید موجبه یا امرکا مونا ضورب اوراس کے بعد اسم مقور (یعنی فیرخر) کا مونا واجب میدونت زید ندهرو سعدی شعر ترک ونیا و شهوت ست و موس به بارسائی زنرک جاروس و دادات معالی اعکر با دهت و اسب

اور حروب عاطف ین سے آیا و اُلَّه و خواہ اور کہ و واو بعنی یا ان کو حروب هناد وردیوی کہتے بین اِن بائغ حرفون مین سے کوئی حرف جن کلمون یا کلام کے درمیان واقع ہوتا ہے اُن بیٹ ایک امر غیر عین لاعط التعیین مراو ہوتا ہے .

ِ فَإِننَا حَابِينِهِ كَدَهِ اوراً لَادِس كَيْخَفَعَاتُ كُرِ و آر اور خَواه -ان تينون كلمون كومعطوف ومطوف ہرومربرانا مجمی جائزیے بخلات کاف وواوعنا دیر کہ نقط معطوف کے سرے برایوی صرف معلق ا اور معطوف کے ورمیان میں لاتے ہین امثائہ آتیہ اس وعوے کے شا مدہیں - آور میلیان بعي مُن يجيِّك مساحب جوام الحروف باكاستعال كواس كَلْمُخصوص ركيت بين كرجها ك مطوف ومطوف على يختلف الكيفيت سول تعيني ابك مثبت تودوسرامنفي هواوراستعال بزعل خواه كرشفق الكيفيت ميرخ تص سيمته مين يعنى معطوف توعطوت عليه سرووكا مثبت مؤماضووك ليمجتهين جنانحيه جوابه العرون مين سيان كلمات عنا وكيحت مين فرط يتيمهن وُفرق مبينهما ا انست كدمزعل خواه در مهردوجا منبت مي باشند و مدخول يا در مكيضفي و د بگرمنبت امنهاي مييز نزدك يرشرطواخصاص ناصواب سے اشعار فديليه ستشها وما في الباب نظامي رمع جانش وبم الش ارتبغ تيز و كه بامرك خوابي زمن يا گرنيه وله كے كوبران ازو با بگزرد و بهان ساغش ياكشد ياخرو + أسكا استعال خرواننا هرومين برابرجائز ب خرصيها شله مكورةين اننا جیے نظامی و شعر یا علی در صب میدان فرست و یا عمرے برسر شیطان فرست و ولم يا چ غربيان بي ره توشه گير و يا چ نظامي زجان گوت گير و بداشلداتفاق كيفيت كي تيين أمداختلات في الكيغيت جيه طالب آلمي شعرناز وكرشمه لود ورآيئن شن ليك ومهرووفا مُدامُ إبده بإ نبود وسعدى شعر ما كمن ابيلبانان دوستى بابناكن خائد درخوروبيل بآوليمي اس حرف ترویدکولفظا حذف کرو تیتے میں مولوی معنومی و شعر فتویت اینست اے بررو وست وكافرآني وتكوفي امرست وبومنيفه واداين فتولى ترا وشافعي فتست اين اموناسناه

بیآن کلمات عاطفه تردیدیم

بار الرون موروز و الرون موروز و الروز در الروز و الروز المراز و الروز استعال مين وت مواليون وت مواليون

المرابية

یآگااستهال فبر اورانشادونون مین جائزہ

White is

کیمی دن تعید لفظ حذف کرویتے ہین وفی را کام دسمیدیا دسشنام دسمید او مکن ہے کہ یہان یا سے تروید یہ بجا

رازگویم: اسے تاشاکنم یامے خرم بارازگویم- آوکھی اس مرف

ے اوا ۃ سٹرطے موضع تر ویدمین تعلی ہوجاتے ہیں۔ اب ہی شعرمین بیتاویل ہو کی بخو کام دسید فبها واگر ندسیدو شنام دسید اور مکن ہے کہ بہان (ور کام ندمیزین)

أكرترومد من

شرط ارحبطيح اكثر لعِقت كرار معنى ترويد كاافأوه كرتاب اسيطرح بوجه نقابل يأ مفيد منى ترويد بو وَاللَّالَ نَعَالَىٰ اعْلَمُ والصَّوَابِ ووسرالفظ اگر - ربیهی موضع ترویدمین استعال کیا حا با ہے بعض معنین بالتمخصوص بتلايا ہے سور یکوئی بات نہیں اہل س رابر بسخصوصاً قدما كے كلام بن يا نفط اكثر سنعل ہے جنائجہ فرالم اس شعرکواس امرین شاہدا ہے معاکا بنایا ہے اور فرایا ہے شعراین ط ت اگرحاه بنرن ست ډليني اين حبان جاه بنرن ا بروشمن تنگ ست باچا ه بوسف ست بواسطه آنکداز کهربای سے تو بر تو تنگ ست . فر دوسی رم مُكَارِغُونِهِ مِينَ اردا وَكُرِ ﴿ مِسْرِمنده نَهْمِ شَارِبِي مُبنر ﴿ اوْرِبِيتِي مُن لِيمُ كَذَا يُرويد كِيطِح لفظار بي يعطوف علييه بردوبرلايا جاتا سيءادراسي طرح نخلف الكيفيت وتنغق أكل وقعون بن استعال یا تاہے۔ اول بینی اتفاق کیفیت مے کرار حرف تروید جیسے نظامی پڑھے ورنا توان مىزىم ، چانكه آفرىدى چنان مىزىم ، وتۇسرالىنى اختلات كىفىت يتبآت مجبى ذرا توجه كيسامته ملاحظه فمركب يئي كمدمين بهان يدعرض كياسي كهلفظ أكرموضع ترویدین استعال کیا جاتا ہے کیا سنی کہ بجا ہے اس لفظ اگریے یا سے ترویدالائی جائے ت رہین کوئی بگار مذائے جیسے مشمگار خوانیش اردا دگر' ہیں ستمگار خوانیش مادادگ بمی که سکتے بین اور اسکے بیمنی نہین کہ جا ہے باے تروید استعا

بامرگ خواهی زین پاگریز و اور" پاکمن بابیلیا نان دوشتی و یا ښاکن خانه درخور دبیل و مین اگرمگ خوهجی نو*ی ارگرزادر اگرکمن با بیلبا*نان دوستی ار بناکن الزمنبن که سکتے اسین سر بهی ہے که در اصل یه حرف نشوط ہے اوراس کا منول حلیت طبیہ جس کا حاصل معنی مغہوم مردُّ دیریّہنج جا ہاہے ہی رسطے اسکا مرغل سواے جلہ کے نہیں ہوتا۔ اگر حیصورت میں مفروکے ہوا ور بہ حرف مشرط کر بینی معلو<sup>ن</sup> ومعطوف عليدد وفوان حلبون كي سرب برالا يا جا باسے اور جبان كبين صرف معطوف بربرتا مي والن بمى اسباحينت اكي حوف شرط جايعطوف عليه كسر وإننا بوكا والله تعالى اعدم بالصواب تسر کلمات ترویدمین سے لفظ خواہی اور اسکام خم خواہ ہے درصل بیخواہ ن سیصل عظ فاصيغه ب ادرخوابي خوامك مرغم كرف من دين نكتة تخنيف مدنظر ب جوتوان رسالوان في ترخيرك من تعاكياسني كه لفظانوان كي تخفيف لفظى كوتخفيف معنى بعني عدم ذكر فاعل للزهم رِعُهُ 'نا نی اس شعرتانی میں جوتوان شمرو کا فاعل بڑا ہوا ہے۔ نظامی متنجر پڑو ہند کہ ویگر آغازگرد و کدولها منجندال مسید سازگروه که آنرا شعرون توان در قیاس و کسانیکه ستندلسکارنیاس ا الحانی سے میانجون کی منے توجبی سے درج اس کتاب ہوگیا ورنہ دراس مصرعة انی یہ ہے۔ نٹارندہ را در مل تدیم اس + اور یہ صرحة مانی تبقد پر حرف علت مصرعه املی کی علت ہے مینی اس وجه سے نیاز نبین کیا جاسکتا که شامنده خوت زوه سوحها با شعا۔ خیراس طرح خواه کی خفیف کفظی کوخی<sup>ن</sup> اداه شطلازم اسى وحبست خاسى نخواسى وخواه نجواه بجلس طوعا وكرأ ينني ناگزر دنا جار ك عنون مین اساتذ مک کالم بین تعل ب میرم فطرت شعر زکف ی داد اگر نازش عنان کم کابی داه نمی شدکس ولیف غزهٔ خواهی نخواهی را و نخشبی شعیر تخشی دو منی عمب چنراست وخواه الخوا ند مدست آید و اورائدومین خوا و مخواه می بولتے ہین کیاسنی که دل جاہتا کا مطوعاً اور جس كام كودل نيا ب كرياك يام إلى المريخ كام الرول عاب اوراكرول نهاب ابرحال كناموده نأكز إدرضروري موتاب تومعلوم مواكه بيشرطمه بحصيبن اداة شطابهان سيمخدون مین حبیکا عاصل معنی مفہوم مرود برجاتم را ب فر آب الم اظ شرطیت ادا ہ تر دیدیا کی طرح اتفات واختلاف كينيت بين اوراسك طرح انشا وخربه دو حكبه استعال كياجا باسب - الفاق كيفيت

ينقلك فبخفز

وروروسي المريد

غواهی بوخواه بنانے مین محته کیاہ

خوآه الغاق واختلاف كيفيت اورافنا وخرجين باكم طرح برارستعل ج

ومتورنامه فارسى ندى شعيرن نندٍ شرط بلاغت باتوميكوم و توخواه از سخم بندگيرخواه ملال و نظامي شبع پو*ين دين ولايت کشاً دم کمر* و توخواه افسازين سنان خواه سره اوراختلات کيفيت جيپ نظامي *تيجا* ماج وتِخت النست شابهاي نه و التي خواه بامل خوابي نه بيدا شله انشا كے بھي موسكتے بين -اور بنیر جیسے سعدی پر شعر رای رای تست خواہی دبگ خواہی آشتی ﴿ ماقلم برسرکٹی پر انتیاز دِلْقِ ﴿ ولمردست كراه بايداندونيا و اسين فيكوراز توه كوناه واسخواه جُكُ المدخواة التي بالد تهين خواه دراز باشدخواه كوتاه باشد ـ اوربهان تا وبل انشاكي مهي بوسكتيب ـ اسےخواه حبَّك كن خواه آشتىكن-آسين خاه ولانباش خواه كوتاه باش وَاللَّهُ مُعَالَى اعْكُمُ وَاصْتُوابِهُ چىقاكلمات تردىدىن سے كان ب ينى دىغنى قىنىن نے كاف كوم كى داة تردىدىين شاركيا ب ادر شا ہدا بنے معاکا اس شعرکو بنایا ہے شعرس معشوق بہترست کدآن و آن ازین بہترست این ازآن و استحسن عشوق بهترست یا داسے معشوق - بیسوال ہے اسکا جواب مصرحتانہ اورکبی یکان یاے ترویر کے ساتھ جمع ہوجاتا ہے جیسے شعر بردلش می گزرم ماکہ فرام شمرکرد ، ا ہے مجت بسر دوست تراسوگندست ؛ اور صاحبج ابرالترکیب نے پیزنال گھڑ دی ہے، جہت ے روم یارب کد باشم ورمقام پر اولیوجش شخن فہموان نے سعدی سے اس شعرین شعر ول مال جمع بهتركر كني فزينة تلى به كدم دم برنج وكان كوترديد يدفوا يله ادربيض في ا فيدمانا ب يعنيٌ ول دوستان جمع مبترند كنيخ" ميرے نزد كي يفضول كان كي توزيع شرا اہم اِصَلْ یه دنبی کان به جونفضل علیر برازی طرح داخل به زنامه جیب اس شعر بر <mark>رسم است</mark> لوثت مرون سر 4 كه نقاضات زشت قصابان + و الله مُ مَعَال اعْمُلُو بِالصَّحَارُ بآنجوان اداة ترديدين سے داوب جيب سعدي ج كاشعرب شعر كل بهين بنج روز وشش باشد و ون گلستان جمیشه خوش باستندو و و و و و و و و هٰذَ الحِثِمَّنَا تَبَسَّرُ بِي مِنَ الْكُلَّامِرِ وَالْحُكَّا يَثْيُرِ عَلَىٰ حُسْنِينَ الْحِنَيَا مِر وَالصَّدَاوَةُ وَالسَّكَارُ مُرعَلَى سَيِّيرَ أَوْنَا مِر مُوَكَّانًا فتقينا أخشكف والإد العظا ويحضينه الكاج المعين كارسك العاكذيرة

ع*رورون ول بيايان رسيد* بساهے کشیدم بترتیر بروکروم اندلین، را بیشو و گر با ره بر کا ن کشاده کمین برانداحن تممغر خمنج ارزين نپ ورو زنگونه گوهر بدست بسے سالہا شدکہ گوہ رست أستاع از فروست نده بإيدخريد فروست ندؤ جؤم سرآ مديدمد ازر و آنشس اینجا توان آزموم بدعوت وروغے نیا بدنمود ئناسنده گزنیت شوریده مغز لذبهره مثنا سدز دبيار نغز ن رتا بدا زمر دم گوہری چونور ازمه و تابش ارشتری نقرنط حكييده كلك كهرسلك قدوة العارفين امآم السالكين متغيث الفضلا رحلة العلما المحقق للحقائق والمعارف طودالعلم وكفضل يجرنتقيق والت قيق المف العارف والمحدث الفقيه سيدى وسندى وسيتى سفي اليوم وإحث مولانا الاشاذ المولوي الحافظ الوالمحود رست يداحد منظلهم المالفت البيشيداللي الكائمن الترحيد حامدًا ومصلياً - بنده كي دانست مين مولوي صاحب مؤلف بهت اجمالكما مح قابل تحيين وفقا كتبدالاجي رحمدريه رشداح كنگوبي عفي عنه ايضأاز علاء لوم فارسيه فهام فنول عربيه دقيقه رسحن بك فني ورمرفن نقاد إجوابيرحقايق حراف نقود دقابق جامع المعقول والمنقول كأوى لفرقع والاصول جبنه الجهابذه اشاذالاساتذه مولانا أشاذى لمجلمولوي بوالخرات سيار حرصاحب وملوى مدرس ول مدرسه اسلامية بوبنشلعها بنيورصانها التدعن الفتن والشرور المشمراللي الرَّمَن الرَّحي يُعِر حامدًامثنياً بِالصَّلوةِ وَالنَّسُلِيمِ. الابعد فاوم ساوات مفتقرالي الصدابوا تخرات سيّداحمد ناظرين إستعداد وطالبين خوش اعقاد كي صورت من لذارش كراب كديدكتاب بحريب

**نو** بخراؤاد 4.24 , 24.27,

Q

ایضًا زعرة الفضال زبرة العلم بطلال شکلات علوم عربیه کاشف معضلات فنون ا دبیم قبول بارگاه لمیزلی مولانا الایتا ذالمولوی محرز و الفقاعلی صاحب طلالعالی

حاملًا ومثنیاً ومسلماً ومصلیاً - کتاب تواندفاتی تصنیف فاصل منیف مولوی مین شریف کے اکثر مقال ت کم کانتر مقال ت اور اشعار شال یخوب بهم بهونچائے بین بین اسیر تنامو که بیر رسال مبتدی اور نتیجی و و نونکونافع برگافخان الله فال عن سنفید به خبراولا بلمی به ضراً و خه برافته که بیر رساله مبتدی اور نتیجی و فرونکونافع برگافخان الله فال عن سنفید به خبراولا بلمی به ضراً و خه برافته

هٰذَامُاكَتَبَالْبَاعِ السَّمِينَةَ الْمُرْبُ الْفَاضِلُ نَحِيرُالُاكْرَاءِ الْمُخَاطِبُ بادنيُ الدَّوْلَةِ سِنَادُ الْمُلَكِ سُلْطَانُ الْعُلَمَاءِ افَاالسَّيْرَ على بن السَّيْد ابُولُحُسَنِ الشَّوْسُةَرِى لِلْجُزَائِرِي سَلْمَّهُ اللهُ تَعَالَى مُقِرِّظًا عَلَى هَذِهِ الرِّسَالَةِ هوالمعن

الله الرَّمن الرَّحِيمة

مدالمن اعرب بنام هذه السقيف المرفوع و بلائم منصوبة موضوع و ولاطنب الى الارض عجره و و و و المناف الى الارض عجره و و و و المناف و و المناف المن

Sir Survival

الحكى عنهواسطة روح الامدين عن روح القدس بريسول يانى من بعدى اسمداح وصبلي التايعلد رعلى لدالامثلة المختلفة لمعانى موتلفة وهبرمع الحروث التؤرانية والغرض الاحسلي من كلحرف المهوزة في اوائل السُّور القرآنية - فصل المد عليهم مادا م الكلام لما في الفواح ظنِ- ومادامت الكلمة اسم ونعل وحن - وبعد فلمارايت قرأنَةٌ علىَّ ما املاء قل الحاملاً ا بلالبحل ككأخوا والفارسيترين حلاحا وشيخعا وكلقع ثنايا حاالفطريت الطريف المولق هجارحسين شريف فياصول الغواعد الفاريسية من غوها وصرفها وسانهاومعانيما باستنباطات منداًنسيّة بتحقيقات علابعدالوقِع- وتدقيّفات ذلا للجانى عندالنيزع-قطوفها دانيد + نسقى من عين انير + واستعسانات عمل فيها فكرمه وفرخ لعادا سيواتعب دماغدوحك لهاصديره بحتى وضعكنا بإنيفع طالب اللسان + إذا وقف غليه فقد دوقعت بمالم بطنه عن انس قبل وَلاجان + ومن استعود كلما تدوقلد عادا تدبينو ق الاقران + بشحاذة يخصكا مبذللاذهان وعندى أتأحذاللسان لسان حلة العهش كما ويدعن حب الادواروالالسنى - وجنة تدتزخ فت وفيهامانت هيد الانفس وتلذ كاعن - ولما كانتهن بنى سامىن نوح على نبينا وعليه السلامر / كانباع حميع عليه والسلام و كان كل نبي بمقتضاح يومد وعلى نسان قومد ويحلى الوى السهادي ماارسلنامن رسول الابلسان قومة فااظتيان احلامنه رتكليم بالفارسيته الأكلمات منهاشترفها تأج الانبياء وخاتمهم و شرب الرسل فاقتهم وخاتمه هيه ليكا تتلهم سلمان إذ كان يتململ في المسي بصيخة من شدة وجع بطند فقال صلى استعليه وسله راسلمان انشكك دُئرُ و تعرفصل وكما فال بعجم اكل المنب على اب المس يعيد قدَّع نعت بالخافارس كل العنب دوتا دوتان خوش خوش وقال ملعوا كمشهورعندالفقهاء بالشهرة والإيبادة اتى كاردبيع ويابدوا ويوقكني الغايسي مبيعة الذ ملاسه ليزلد وسلرتكلم برقاص آلواستبعج برحامدا ولمتاكان الاغلب فحدة لللةالبيغا الحرية كتزايده امثالهمه في البريتيره البحرية ملوكاً ودُوكراً المتامن النزك او الفارس من وَلُمْ بيافت بن نج اوالردولل تعليس لسالة تنبت أتحكمة كاللهتير بان مكون عده الع بومة اصحاب سيعين وسلطنة وكلن كماقال لمتنديث اعلى المالك ما تبنى على الاسك وكا

كل دفانزهروا حكام همربالفارسية ودساترهم وقوانينهم بهاظول الازمان حتى الهندلما حكمفها المغدلة الىالنيمورن لمريغ مراحكامهم ودفاتر حرعما كانت عليهات نسان دولتهدوقكتكها المسلمون فىكل قطهفا تواحذوهم حذوالنعل بالنعل والقنة والقتة تقريزًا شطرا بشط وتحريرًا سط المسط فحصل الفادسية كل تركى ورومى دهندى وبنوا دفاتره بهذااللسان بالسمامن زمن الدولة المتهمرية الى هذاالزمان بكانت بالفادسة ألى الإن فتبع المسلمين الهنُّه ديحَصَّلُواهِ فإ اللسان المجيود + لانه كان لسان دولتهم والنَّم كين لسان مِلْتهم ولسان حكومتهم ان ليريكن لسان طريقتهم - الى المائة الثالثة بعد الالف من الهجة النبوية -صلى عليه واله رب العرية - فابتعث الناس لسان الأنكليين لمااخذت الدنيا بثلاث ارباعها بلاتهاوت فيالقياس والمقسى - ومَسَّت الحابيّالي تحصيل لغة كلافرنج اشتكه سيبءاللهمراناً نغوذبك من تتميم الامور- درغباتا لجمفو كآلاكمال الدين وانت خيرالحاكمين - وسدك ازمة الاموى - وزيام قلوب الجمعور -فكماقيل ١ أذاتَةً احراً ملانقصد وتقب زوالا إذا قيل نتر ونقد تصونَ الأنكليس في الديع المسكون واخذت النَّكْتُنُن منهاعلى ماه يُخين المساحين من ارماك الفنون وفدقلت في دولتها ٤ لاتغرب الشمس بملكهاولا + تحسب كلا في ذاك قولامهملا + فان امريكانها دعامل دراية وحيد الأرض سل من وجدا + وارحوزتي هذه طوياة منها ـه صلح طارًا طارحس صيته*ا :*وعندنا في هنده أعفريتها دياتيك لوكنت يوسط المصين دمن سَرَأَ مِنْرَا يَقِينَ ﴿ وَكُلُّ مِنْ لِهِ الْيَصْدَا المُسَانَ شُوقَ وَاوَلِهُ تَوِقَ الْيَطْعِيم حلاوترلصادق الذوق، فلا احسن لهمن هذا آلكتاب فأن فهرما قرّاره ولكاضيف قِرِى • من احل البلد والقرى • فقد جمع ما يحتاج اليد في السيان ويصدق علي كلُّ الله فى جوف الفرى + ولولا سوئى تشعب في الإذهان من فكا تد - ونحن في الأفكاره يجقيقاً لَكُفي في الرغيبة الدرعن غيروء من استطلاب خيروء ويد الكفاية , ومن الله الوقاية كتب هذه الاحرف بقلمه وخطمان برقيد سلطان العلما سنا د الملك

| good y   |
|--|
| وقال في الفارسية بريها مضونا   |
| بزنبك فارسى ايخوانش ديرت وبواست چواو مزاج شناسي ببارسي ز كواست                               |
| زفرق تا قدمش بر كوانطى وگئى كرشمددامن دل ميكند كه جا اينواست                                 |
| المح ي تحقيقات إرسيراادا موده وابواب تدقيق مرروس طالبان اين زبان كما منبني كشوده ومحققات كوب |
| سبقت از معتقین ربوده - هرورخش را سزار د فتر شنا درخورست - وسرسطرش را سزارشطرآ فزین دربری     |
| واليعنى عنفش خوش داد سنة برسبر بهبنها د مبتدى منهى بهبروازه ستوسطااز وسردرينها د             |
| بصنف وغيبان تعرت كندا بالفن حنين مداد أوين خداس برتيب كورة أورو ما درك كوراد                 |
| تقريظ نوك ريز كلك كهرسك سحرطراز بل مهماعب زسيهرك الرا  |
| مهر خبلی عاجی مولوی محرضب علی صاحب سلم ابتدالقومی الولی +                                    |
| حدواحب واحب الوجود رالايق وسنراست - وتحالفُ صلوات وتحيات بران مكن الوجود كدنبا مكل ف         |
| از قامت وجوب نبوتش قصيرونانيبا ميزاً قانع عليهالرحمة جيني گفته ملكه وسِفته ٢٠ لباس واجبي از  |
| قامتش لمندتراست ، وليك عامدًا مكان زقدا وست قصيرة دعلى الدالطاهين واصحابه الملجدين           |
| الداسندين بس برضائراولي الالباب والبصائر مخفي ومجب سبادكه أين كتاب نادر البيان بطرز شكرت     |
| ونو نظوم رسيد ووان فاطرم ازميتان آن رياحين مازه بهارجيد في الواقع عجب من بيت كه ميره نها     |
| نظیرش ندیده وگوش اساتذهٔ سلف مهجوننمهٔ جدیش نشنیده کے بودما شدویده و چرچنین جود              |
| كرصنفش فال خرير وبربتغراج مضاين وقيقه البرو تدريط هواب بجدتها والعكوفا لماقال معناصة فيلقال  |
| دينامة ن برج كروميان النابش ورمحت بيشنيان البرنظار ويشاف بين استاره بيا ورده امرزمن          |
| وهوالشاعرالماهراللطيف والادب البليغ الغطريف اعنى جناب مولوى حسين شرعي                        |
| الداماس تعالى وابقاه ومن حياض فيضد القديم اسقاه ولازال كتاب مقبولابين العامر                 |
| والخاص وموهوبامن المان سيحان فرح الافادة جزيد الاختصاص ولابرحت معجتد                         |
| والعاص وموموب من الله بعد المراس الله علم الله المرس الم الله الله الله الله الله الله الله  |
|  |
| جوری الراجی عنوی مصوالفقیرالی رقمت سیمند   |
| المحمدة  |

ناريخ طبع كتاب ازجمع الفضائل منبع الفوضل بحتة سنج جا دوطراز مضمون آفرين فن بيواز ناظم بيثال ناثر بيديل مولانا المولوي محمة عبدالله الحسين مجليب صدرمرن مدسلسلاميع كربنككور مرمجرتهم كلبيل يه لاجواب دفت يآين فارسي كيابي حيبا بخضل خداس آب دناب W ف الغورسال طبع كهاية للل في كتيم من واه خوب قو انين فاري ايضًا ازنتائج طبع وقيقة بإب كياست مآب شاعزنازك خيال نصيح بيأن عنی سخندان محدابراہیمفان صاحب وٓ اصعت بنگلوری کان اللہ فارسسي كى تخويين نا دركتا ب الكميي مولا ناني تبميثل ونديد فى السديه كمعديا وآصف يه السال طبع اس كا فيوضا ت ويديدً إبضاا زطيع وقاونقا وسخن علاحبيل مولانا المولوي فييل الرمن صامطيل بإنيوري مؤلف ارتنج برنان بورومقامات الاوليا وإحاديث قدسيترعلامات القيامة للماشرتعالي ازجناب حكى عسلامه فهسام دهر الثديترميب عجيب اين تسخهُ لب لباب لكب حكمت زومنور يتدجوما وازافتا ب اوست لقمان زمان و بوعلى عصرخو و مثل آن جبتم زمان گاسے ندیدہ کی کتا خوب شردرفارسي دستور نامه عيل درا دبب اری باشکت کین کے مِشِ ارین *ہرگز* ندیدہ ممنین راوصوا باادب تبش صنف بهرِاري شفيل اعرض كن يه دستورنامه طبع شدوايغاب فاته وتأريخ طبع دمستورنا مئه فارسي النمصنف عت التعبنه شکر کاین نا مه بعنواسنے رسید کا ن گوهسه درجهان آمدید به الإ فرومنس مبريطة أرّو شوخة وسرے چون چشم روز افروخة اے اناب و انیست آن کا پدز کان کندن برت گوہرے آمرز جان کندن برست چون درین ره آب من خون کرده ام مغز نغزار ننسزمغزا مددواه من أورده ام رجين وتر چون بصد دل خرده ام خون جگر فاصدآن كادروش ازمغرجان

بالمناف المناز المجافت بمنزعوز أفه بعمل بمن فإمرا بمنامة مَعَلِ فِعَالِهِ فَعَالِهِ فَعَالِمُ نَعْمِ disposition of ا عبد اید از متن کهخورم من دست ریخ رايگان بخشىم چىخىنىشايگان فوا بناكيت بودخنسران مكر نگت ام به پزیرو برخور دار شو طالب انصا فم ازصاحب نظِ تا درست زرِّ من بیندور خشت ده دېمي زرېت وگوېرښ<u>يراغ</u> روبصدر بنكي نگارستان مبين فاصب وربرج حمل فرگدنده حرب و فش یک زدگر نغز تا مم مضاحت بهر لفظش خانه زاد نکت داش را تیرگرد ون مشتری زہرہ بانازاوایش گشت ہے تطسیم پر وین نثرآنزا شد رہین جوت شیر*س*ت و نبریک<u>ه ت</u>یان شکر گوئئ الإنهاريخى يختها زهره درمیزان سعادت رات گنج ۱۰٫۴ مهرد <sup>۱۱۵</sup>ز است ناگره ید در بحسه خیال این عروسے که زمیسنش گزشت گفت 'نادر ست تبیان صول' ِ وُرُ قوا عد*مت دکتا ہے بس فیٹ*ڈ برالفاظ وطب رزمرتبه

این چنین رہنے کہ بروم بہر گنج جمشىم بكشا واقعب اسرارشو مرد کارخود نے خواہم گر لهعتص رزرِمن گيرونخٺ كنج من كرقلت بني ميداره فراغ حر**ن** مرفش دفتر معنی ست بین خطِّ ۱ و سب خطانورث يداً مده الرن مردي وران مردي سطر با برمخا عن ذين وا منظرا لغظ اومنت بمنے برنہا و هجر وافسون سرسخن در دلبری جرمت م حرمت اواز برگ عل نازکترت سطرسطرش رشئة عا دوست بن سطرو مابین سطورسش درنظر سطررا جنا ت و بین سطررا معنى روست بلفظ نكبته سنج چون *رتب گذینجی بهرس*ال فاصد سالے کا ندران ہرمزتگشت مصرع تاريخ آن كافتد مبول سالطسيع ازغيب درگوسشه رسير سال وگرسالطبعش ہے شبہ

| دستورمامهٔ رسمی  | 1                        | •                                   |  |  |  |
|--|--------------------------|-------------------------------------|--|--|--|
| ب م في الب ديبه لا تفم اندر نهنت<br>حكت آمد جمائه اسمرار گفت |                          |                                     |  |  |  |
|  | ولم                      |                                     |  |  |  |
| رمتین کتاب گفت<br>مرتین کتاب گفت                             | در مقواعب                | وَرِّ سالٹ صِيلْغِز دَيُّ رُسُفنت   |  |  |  |
|  | له                       | 9                                   |  |  |  |
| بىن <b>دُوا</b> رُغ يېتې                                     |                          | فلكم مجمعت ويكركه نه شك دروندريب    |  |  |  |
|  | لهندية                   | ولرفا                               |  |  |  |
| تھے سب طالب سی کے  |                          | بحمد التدجيب دستوزنامه              |  |  |  |
| بضوابط فارسی کے  | مور تيسهل!<br>موراتيسهل! | لکھاتھی نے سال طبع طبوع             |  |  |  |
| فِن النِّكُوني المربدايع                                     | ردازجا دوطراز در         | ازنتائج طبع ارجندأسمان بيوند سحربر  |  |  |  |
| فيظالته صنافاني فظركر كبهي                                   | المولوى الحافظة          | اسلوب أن قادر كية نازمضار نكته داني |  |  |  |
| فواعدز بسيندطيع  | انوشت صول                | حكيم حاذق وعلامهٔ حيين شرلين        |  |  |  |
| ويشدمين كتابيطين   | سروش گفت گب              | چوسال طبع بهارنش خوستم فانی         |  |  |  |
| وله  |                          |                                     |  |  |  |
| ا فاضت سنسمامه   | يە نا دركتا ب            | چمپی مجتبا نئ مین باصرصفا نئ        |  |  |  |
| تا عده وسنورم<br>ساعده وسنورم<br>ساعد                        | ا پُھیا ہے بہ            | كهوبمصرع سال مطبوع-فآني             |  |  |  |
|  | ولم                      |                                     |  |  |  |
| ن م گردید موع  | اندائے ہات               | فوائد نامه چون در طبع آمد           |  |  |  |
| تور نامه عمده طبوع<br>المرابع                                | بندوب                    | لگواسے تفانی دانے و تاریخ           |  |  |  |
|  | وله                      | ,                                   |  |  |  |
| ه علم راست ما پ  | كدا فا ضات               | مثده دستورنام چون طبوع              |  |  |  |
| ع لاجواب كتاب  | ا                        | مُنت تاريخ إنفستم فآتي              |  |  |  |
|  | ت                        | متد                                 |  |  |  |
|  |                          |                                     |  |  |  |

| '   | •  |
|---|--|
| حب مالک مطبع مجتبانی دہلی                         | عاليناب ولاناما فظمحه عبدالاحدصا                     |
| جسبه برشحض لوك ہي-غش ہے                           | كيسى نا دركتا بطسيع بوني                             |
| کہد دیا <u>دلیذیر دولکش س</u> ے                   | سنكر تاريخ كى تو إتف نے                              |
| بتغلص بالعشق الكيرانوري صحح المطبط المجتب         | صورة ماكتبالكاتب ليمي موكانا نظام الداير             |
| بِصَرْفِ وَنَحُو الدُّيهِ الْمَدَّابُ             | رَانَيْتُ الكتابَ الَّذِي يُستَطَابُ                 |
| لِتُوْجِيهِ مَعْنَى بَيّا تَصْوَاب                | لِتَعَقِيْقِ لِفَظِ عَبَارٌ صِحِيْحُ                 |
| وَمِنْ ذَاكَ سَالَتُ عُيُونَ عِنَابَ              | حَرَىٰمِنِهُ بَحُمُ الْقَوَّانِيْنِ حِيَّا           |
| دَلَائِلُهُ مَالَهُنَّ جَوَا بُ                   | السَوَاهِكَةُ تَابِبَا ثُ عُدُولً                    |
| اتَّانَا يَمَاللُّكَ فِيهُ إِدْتِيَابُ            | فلِلْهِ دَرُّرُ الشَّرْرُ عِنِ الظَّرِنْعِ:          |
| لَهُ فِي مَيَادِيْنِ فِيَ حِرَاب                  | لَهُ فِي الْقَوَاعِدِينَ ايَاتُ سَنِقِ               |
| وَإِنْ خِلْتَ مِنْ جَوْدَةُ وِالطَّبِعِ شَا .     | كِوِكَ شِئْتَ عِلْماً فَسَيْمٌ وَحِيثُ               |
| هُوَ الْغَيْثُ مِنْ طَلْبِعِمْ لَوْنْسِيكًا بُ    | هُوَالْبِحُ مِنْ شَانِدِ انْ بُرُوْنِي               |
| وَيُشْرِي لِيَ ذَانَدُ كَا كُلُتِسَابُ            | مَعُوْدِ بِي كِادْ مِابِ عِلْمِرَ وَفَضَيِل          |
| خُذُ وْامَاصَعَا وَدَعُوْاهَا يُرَابُ             | أَلَا أَيُّهَا الْفَارِيسِيُّونَ قُومُوا             |
| الكَارِتَ هَذَ الشُّئُّ عَمَابُ                   | أَمَا إِنَّ فِيهُ عَمَّ البِّبَ دَهِمِ               |
| عَكُنَّ كُلَّكُمْ وَمَا فِينَهِ غُابُ             | عَلَىٰ بِحِلَى انْطِباعٌ تَطِيْفَ ۗ                  |
|   | النَّكَارَيُّ عِنْ اوَّلِيَ                          |
| 4   | وَالتَّخْتُهُ يُعِمُ                                 |
| منیجر مطبع مبتبائی <sup>د</sup> ہلی               | ازماجىنە محدبىگ عفى عن                               |
| طرزے کہنہا دست نددیدہ نشنیدہ                      | وه وه چهربليغه ومضامين حبديد                         |
| نوبا وهٔ ابحاث شریفه وسفیده<br>کمار شر            |  |
| الم ما كبنيت ورقيه ١٢<br>الما عالم منتيت ورقيب ١٢ | له مودی مکیم حسین شریعتِ صاحب مصنعت کتا ب نیا سلدادا |

## تقريظانوك ريز كلك تهرسلك مقدام الكملا رحلة الفضلا سحطاز جاوزكا بجزبيان جناب محرء بدالجبارخان صالحب أصفى سرزشته دار فؤسك مغتربيتي قدرقدرت اعلات حضور نورواهك ازین نا مهٔ هوسشس برخوسیال الا ا ہے سخن سنج معنی سکال بدسستدرنا مهنظب بركث ا اوج سخن بال برترکث انجب دہ کیے دستگاہ ش نین سخن را با ندازهٔ هوسشس ببن ابسنمیدگی گنج گوہرکشاہے قوانین بگاران سنجیده راے خون لا بگوهب بيا يختند *گهر* با خز**ن! بهم** رُخت ند بنوده كسے زان ميان ندف بين که حیدی خزن ازور تمین خزف ماند ورتنجش زبادى زنت ز بازار دانسش کسادی نرفت بحکمی چو د ورسخن در رسید خزمت ازمیان گهربرکشی با یوان گفت ار نبود ثبات رسستى اصل بناسے نغات بعماري فكركيوان سشكوه رسا نيده پشت قوانين بکوه زا سرارِ هرنگسته دا دیم گهی کرده با براز آن کوتهی زنخعنيق كرده بدانسان بسيج أكه گزامنت كته سربته بيج حداث دانك سنجيده را سخن را بقا نون گہدارجاے بناسے کہ بنہا و سعمار کج برآيد از وقصي في يوار كج کجی الینے بود اندرسخن اندید ند سولیشس دگر ابل فن بجشم خرد آن کمی وا نمود ورِیّاً کہی بررخِ شان کشود

ا باین دیرگی از فرخ سروش بدانشورانست دستوربوش ہمایون گہر مکی کلتم نیج ابجب ده گهرا براموده گنج ز بان دری یا بود سبلوی ازین نامه گرضت سازِ نوی رنترومستىاو دربن كاروكشت بهر گوست بینی بهار سهشت ارابين زگفت روانشوران رسا ننیده مهرسخن پروران ر دانسشس سگالان ربایدخرد بناقص خب لان منسه امدخرد ابظلمت زوه مهرِنا بان دروت لبب تشئه آب حیوان دروست ابث مگیاے انداز فن برأ راست زلف رسای سخن سخن رانگبیستی روائی بود خرد راازو روسنشنانی بود | سخن را بو د تا نشان درجهان ا بو دخمــــرزجان سخن بیوران غريط فالأحكيل وحبربيل شمس العلامولانا شبلي نعاني ناظم علوم وفنون بتكاولا نظام حيرآ باددكن وسابق بروند يسرمر سنالعلوم عليكثر وفيلو يوني وسنى الهآماد من نے جناب مولوی سین شرفین صاحب کی کتاب دستورنام فارسی اکثر طکر سے بغور و کھی ۔ لونی شنبه بنین که به کتاب ایک معرکه آداکتاب بهی صنعت نیشکل اورا بهم مسائل کو طرى بسط اور تنقيد سے لکھا ہے۔ بہت سے اصول اور قواعد خود مجمی ایجاد کئے ہمن فین سابق سے جابجا اختلات بھی کیا ہے اور ولان ہو بطبع د کھلایا ہے اسقدر ہے ک یہ کتاب بوجددقت مضامین کے منتہون کے قابل ہے۔ تشبيه كى بحث اسين استطرادًا موضوع سے خارج أكثى ہے - مبرحال ليكتار ہرطرح قدردانی کے ستحق ہے۔ شبكي نعاني عارفرورى مسينواج